REGISTERED NOT D-(DN)-73

भारत की राजपत्र The Gazette of India

.प्राधिकार से प्रकाशित Publishep by AuthORity

सं• 26] No. 26] नई दिल्ली, शॅनिवार, जून 29, 1985 (आंषाढ़ 8, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 29, 1985 (ASADHA 8, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे जि यह अलग खंडालन के रूप में रखा जा सकें (Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation)

याच [I]--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारी जारी की नई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतकंता स्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1985

सं० 7 के० पी० स्नार० एस० 114—इम स्नायोग में उनकी स्रनुवर्ती प्रतिनियुक्ति पदावधि समाप्त होने पर, श्री बृज भूषण, वरिष्ठ स्नियन्ता (निर्माण) रेल, जो केन्द्रीय सतर्कता स्नायोग में प्रतिनियुक्ति के स्नाधार पर स्थानापन्न तकनीकी परीक्षक थे, उनको इस स्नायोग में कार्यभार से मुक्त किया जाता है तथा उनकी सेवाएं 31 मई, 1985 (स्थाराह्न) से रेल मंत्रालय को सौंपी जाती है।

दिनांक 6 जून 1985

मं० एन० के० पी० श्रार० एस० 063—कोयला विभाग में उपसिवन के पद पर उनकी श्रनुवर्ती नियुक्ति हो जाने पर, इस श्रायोग में विभागीय जांच श्रापुक्त, श्रीमती माला श्रीवास्तव भा० प्र० से० (मध्य प्रदेण: 1971), को 27 मई, 1985 (पूर्वाह्म) से सुपूर्व काम सभालने के लिये कार्य भार मे मुक्त किया जाता है।

सं० ग्रो० के० पी० ग्रार० एस० 062—उनकी मीमा शुल्क समाहर्ता तथा केन्द्रीय उत्पाद शल्क स्तर-2 केग्रंड नेतनमान ह० 2250-125/2-2500 में अनुवर्ती प्रोन्नित हो जाने पर, श्री एन० के० जुरशी, भा० रा० ने० (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 266) निदेशक, केन्द्रीय मतर्कता आयोग की 10 जून, 1985 (पूर्वाह्म से मुपुर्द काम संभालने के लिये कार्य-भार से मुक्त किया जाता है।

कृष्ण लाल मल्होत्रा, स्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1985

सं० 3/23/85-प्रणा० 5--निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो ग्रीर पुलिस महाानरीक्षक/विशष पुलिस स्थापना ने निम्नलिखित निरीक्षकों को, उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित तिथि से ग्रगले

(20891)

1-126-GI/85

आदेण होने तक, तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

| श्रधिकारी का नाम | शाखा जहां पर तैनात | तदर्थ पदोन्नति की तिथि |
|--|---|----------------------------------|
| सर्वेश्री | | |
| 1. ग्रार० के० भक्त | सी० म्राई० यू० (पी०) | 5-2-1985 |
| 2. के० एन० गुप्ता | विशेष एकक | 13-5-1985 |
| एन० एन० सिंह | . विशेष एकक | 30-3-1985 |
| डी० सी० सोरारी | मुख्याल य | 30-1-1985 |
| 5. टी ० पी० झा | विशेष एकक | 8-2-1985 |
| भ्रार० के० भक्त के० एन० गुप्ता एन० एन० सिह डी० सी० सोरारी | (पी०) विशेष एकक विशेष एकक मुख्यालय | 13-5-198 30-3-198 30-1-198 |

मं० ए०-35016/10/84-प्रशा० 5--श्री के० एन० गुप्त, पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवायें दिनांक 22 मई '1985 के पूर्वाह्न रो वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अविधि के लिए भारतीय तेल निगम लि० नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 4 जून 1985

स० 3/24/85-प्रशा० 5---राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० एन० वासुदेव भारतीय पुलिस सेवा (हरियाणा एस० पी० एस०) को दिनांक 17 मई 1985 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रति-नियुक्ति पर, पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जून 1985

सं० ए.० 20023/3/75-प्रशा० 5--राष्ट्रपति ने इस समय केन्द्रीय अन्वषण ब्यूरो में लोक अभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्त केरल राज्य के अभियोजक श्री के० एन० रवीन्द्रन को दिनांक 22 मई, 1985 के पूर्वीह्न से "स्थानांतरण" आधार पर वरिष्ठ लोक अभियोजक, के० अ० ब्यूरो (श्रेणी-"क"- राजपांतन) के रूप में नियुक्त किया है।

स्रार० एस० नागपाल प्रणासनिक स्रधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली, दिनांक 1 जुन 1985

सं० ए० 12012/1/84-प्रशासन-II—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के (तक्ष्मीकी अधीक्षक) बीजलेख श्री ई० ए० मिचीगन को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 1 मई, 1985 (पूर्वाह्म) से अगले ब्रादेशों तक अस्थाई तौर पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीज०) के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

बी० के० दुबैं, निदेशक पुलिस दूर संचार महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जून 1985

सं० ग्रो० दो-1971/84-स्थापना-महानिदेशक के रि० पु० बल ने डाक्टर टी० के० राय की दिनांक 17-11-84 पूर्वाह्न से 8-12-84 तक या उस पट पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक के० रि० पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियक्त किया है।

सं० ग्रो० दो 1971/84-स्थापना—महानिदेशक के० रि० पु० बल में डाक्टर टी० के राय को दिनांक 24 दिसम्बर, 1984 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तीन माह अथवा उग पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ग्रौ० दो 1971/84 स्थापना—महानिदेशक, के० रि० पु० बल ने डाक्टर टी० के रायको दिनांक 16 श्रगस्त 1984 पूर्वाह्न से के० रि० पु० बल में किनष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक **5 जून** 1985

सं० श्रो० दो 11/73-स्थापना (सी० श्रार० पी० एफ०)
--राष्ट्रपति बम्बई के पुलिस श्रायुक्त श्री ज्यु०फ० रिबेरी, ग्राई०
पी० एस० (महाराष्ट्र- 1953) को 5 जून, 1985 पूर्वाह्न से
ग्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल के महानिदेशक के
पद पर नियुक्त करते हैं।

ग्रणोक राज महीपति, सहायक निदेशक (स्थापन

महानिदेशालय

केन्द्रीय ग्रौद्यागिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 जून 1985

सं० ई०-32015i(4)/15/85-कार्मिक I---राष्ट्रपित श्री डी० सी० सूरज को प्रोन्नित पर 15 मई, 1985 के पूर्वाह्न मे 24-9-1985 तक या इस समय तक नियमित नियुक्तियां होंने तक, जो भी पहले हो, के० ग्रो० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी०, दुर्गापुर में सहायक कमांडेंट के रूप में तदर्थ ग्रौर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 जून 1985

सं० ई०-32015(4)/38/85-कामिक-I--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री प्रभुदयाल ने 1 मई, 1985 के पूर्वाह्न से के० ग्रो० सु० बल, यूनिट, बी० एच० ई० एल०; हरिद्वार के सहायक वमांडेंट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

> ह० अपठनीय महानिदेशक/के० ग्री० सु०व

कार्मिक और प्रशिक्षण प्रशासनिक सुधार तथा लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन स्रकादमी मसूरी, दिनांक 10 जून 1985

सं 3/9/85-स्थापना—श्री ग्रार० एस० बाहती स्थाई ग्रिधिक्षक जो इस समय तदर्थ रूप से सहायक प्रशासन ग्रिधिकारी के पद पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी मसूरी में कार्य कर रहे हैं की नियुक्ति नियमित रूप से सहायक प्रशासन ग्रिधिकारी (ग्रुप "बी" राजपत्रित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के पद पर दिनांक 24-5-1985 से ग्रगले ग्रादेश मिलने तक की गई है।

सं० 4/4/81—स्थापना—श्री के० सी० सक्सेना स्थानापन्न उप पुस्तकालय लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी मसूरी को दिनांक 29-11-84 से उप पुस्तकाध्यक्ष के पद पर स्थाई किया जाता है

ए० कुलश्रेष्ठ, उप निदेशक

वित्त मंत्रालय ग्राथिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 7 जून 1985

सं० 136/क - अघिसूचना संख्या 451/क दिनांक 17 नवम्बर 1984 के कम में श्री श्रीपतिराम को प्रशासन ग्रधिकारी (ii) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड के पद पर तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति की ग्रवीध दिनांक 3 मई 1985 से खत्म होने के कारण उपरोक्त नियुक्ति को दिनांक 4 मई 1985 से ग्रगले 6 माह की ग्रविध के लिये या उक्त पद नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो बढ़ाया जाता है।

पा० सु० शिवराम महाप्रबंधक भारतीय प्रतिभूति मुद्रणाणय

भारतीय लखा परोक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखा) विहार रांची-2, दिनांक 4 जून 1985

ज्ञापन सं० प्र० प्रो०-584-महालेखाकार-1 (लेखा), रांची ग्रपने कार्यालय के स्थाई ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री दाऊद खाखा को ग्रपने कार्यालय में दिनांक 30-4-85 के पूर्वीह्न से ग्रगला ग्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 वेतनमान में सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

पी० सेन गुण्ता, वरीय उप-महालेखाकार (प्रशासन) महालेखाकार कार्यालय-I महाराष्ट्र (लेखा व हकदारी)

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

सं० प्रशासन-1/सामान्य/31 खण्ड 3/सी-1(1)—महानेखाकार-1 (लेखा और हकदारी), महाराष्ट्र बम्बई ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री पी० जी० नानेकर को दिनांक 23-5-1985 ग्रपराह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० विश्वनाथन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनाँक 7 जून 1985

सं० प्रशा० I/8-132/85-86/38-श्री एन० गुरूस्वामी लेखापरीक्षा ग्रधिकारी महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद से दिनाँक 31-5-85 ग्रपराह्म को निवृत्त हुए हैं।

ह०-अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) केरल तिरूवनन्तपुरम-695039 दिनांक 6जून 1985

सं० स्थापना व रोकड़/1-10-3/85-86/31—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय केरल तिरूपनन्तपुरम के लेखापरीक्षा ग्राधकारी श्री टी० ग्रच्चुत वार्यर ग्रिधवर्षिता के कारण 31-5-1985 को सेवानिवृत्ति हो गये हैं।

वि० लक्ष्मीनारायणन महालेखाकार (लेखा परीक्षा)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय ग्रायुद्ध निर्माण सेवा ग्रायुद्ध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-700001, दिनांक 3 मई 1985

सं 15/85/जी—श्री ए० पी० बता, महाप्रबन्धक (वरिष्ठ प्रशासितक ग्रेड में भा० ग्रा० फै० सेवा के ग्रिधिकारी दिनांक 1 मार्च 1984 (पूर्वाह्म) से मैं० बर्न स्टैन्डर्ड कम्पनी लि० कलकत्ता में स्थाई रूप से समावेशन के फलस्वरूप उसी तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहत उपमहानिदेशक/स्थापन

ऋ सं०

तारीख

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1985 ८० 12025(II)/3/80–प्रशासन– --

सं० ए० 12025(II)/3/80-प्रशासन- --राष्ट्रपति हथकरघा विकास ग्रायुक्त के कार्यालय के ग्रन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र गुवाहरी में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री लालू टोपू का 30 ग्रप्रेल 1985 के ग्रपराह्म से त्याग पत्न स्वीकार करते हैं।

> वी० के० ग्रग्निहोती ग्रपर विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

इस्पात खान और कोयला मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 मई 1985

सं० ए० 19011(177)/77-स्था० ए०---राष्ट्रपति श्री ते० सोमयया स्थाई सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 13 मई 1985 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधार पर 6 माह के लिये या उस पद को विभागीय पदोन्नित समिति संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं ए० 19011(178)/85-स्था० ए०---राष्ट्रपति श्री बी० बी० राव स्थाई सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 29-4-85 के पूर्वाह्म से 6 माह के लिये तदर्थ ब्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी
प्रशासन ग्रधिकारी
कृते महानियंतक
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 जून 1985

सं० ए० 19011(371)/85—स्था ए—संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री एस० एस० चंहादे को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 13 मई, 85 के पूर्वाह्न से नियुक्ति प्रदान की गई है।

> ह० अहठनीय स० प्रशासन म्रधिकारी, कृते महा नियंत्रक भारतीय खान ब्य्रो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 10 जून 1985

सं० सी०-62 श / 718-ए--निम्निलिखित ग्रिधिकारी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा ग्रिधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी') के एद पर 840-10-1000-द० रो० 40-1200 रूपये के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानाएक रूप में निथमित ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है:--

नाम और पदनाम युनिट/

| | कार्याल्य | |
|--|------------|-----------------------------------|
| श्री खार० एन० शर्मा स्रधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय | एवं निर्गम | 10-5-85 (प्व ^र ह्न) |
| | | |

जी० सी० ग्रग्नवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

ग्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 6 जून 1985

सं० 4(71)/82 एस ग्राई—महानिदेशक, ग्राकाशवाणी एतदद्वारा डी० के० शर्मा को 9-5-85 से ग्रगले ग्रादेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में, ग्राकाशवाणी शिमला में, ग्रस्थाई रूप से कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्चना और प्रसारण मंत्राजय फिल्म प्रभाग

बार ब्री - 400026, दिनांक 3 जून 1985

सं० ए-31014/2/84—ई-I—सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्न कर्मचारियों की नियुक्ति, फिल्म प्रभाग में सहायक प्रशा-

सिनक ग्रिधिकारी के पद पर मूल रूप में की जाती है, जो प्रत्येक के नाम के ग्रागे निर्दिष्ट तारीखों से लागू होगी।

| ऋम स० कर्मचारी का नाम | |
|--|----------------|
| 1. श्री एन० एन० शर्मा | 29-3-1976 |
| 2. श्री एस० एन० सिंह | 29-3-1976 |
| ar mala tang mala anta mang paga tang tang paga pang pang pang pang tang Casa anu tang tang tang tang tang sam | विजय सासनूर, |
| | प्रशासन क्विशक |

बम्बई-400026 दिनांक 30 मई 1985

सं० ए० 32014/1/81-ई०-I (म्रार० सी०)—विभागीय पढोन्नित समिति की संस्तृति पर सक्षम प्रधिकारी ने श्री ए सोमसुन्दरम, स्थाई सहायक म्रनुरक्षण म्रभियन्ता, फिल्म प्रभाग वम्बई, को इसी कार्यालय में दिनांक 10-4-1985 पूर्वाह्म से स्मगला म्रादेश होने तक, म्रनुरक्षण सभियन्ता के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एन० शर्मा, प्रशासनिक ग्रक्षिकारी

विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-1, दिनांक 24 मई 1985

सं० ए०-12011/3/85-प्र० (प्र०)--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री प्रेम नाथ खुराना, प्रदर्शनी सहायक को इस निदेशालय की क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाई नागपुर में 17 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न) में तदये आधार परक्षेत्रीय प्रदर्शनी प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी० पी० भट्टी,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन भौर वृज्य प्रचार निदेशक

परमाणु उर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 1 जून 1985

सं० क न० प० वि० प०/भर्ती/29/फरवरी/85/एस/7091—परियोजना निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत परि-योजना श्रधोलिखित वंज्ञानिक सहायक "मी", को नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 1 फरवरी 1985 के पूर्वाह्न से ग्रग्रिम ग्रादेशों तक के लिये रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-830-40-1000-द० रो०-40-

1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक ऋधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापत्र रूप में नियुक्त करते हैं:--

| ऋस० नाम | वर्तमान पदनाम | ग्रेड जिसमें नियुक्त किया गया |
|---|----------------------------|---|
| 1. श्री हनुमान प्रसाद | वैज्ञानिक संहायक ''सी'' | वैज्ञानिक ग्रधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस०-बीं० |
| श्री एस० ए० फारू वं | ी तदैव | तद ै व |
| 3. श्री एल० के० महेवः | रो तदैव | तदैव |

म्रार० एन० शुक्ला, प्रशासन मधिकारी

कय ग्रीर भण्डार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 31 मई 1985

सं० डी० पी० एस/41/1/85-प्रशा/1374-परमाणु कर्जा विभाग, त्रय ग्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशांक ने स्थाई त्रय सहायक श्री चौवसूर विजयन की इसी निदेशांलय में दिनांक 18-3-1985 (पूर्वाह्न) से 1-6-85 (ग्रप्राह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपय के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त किया है।

ी० गोपालन, प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनाकः 31 मई 1985

सं० ना० ई० स/का प्र० भ/0704/1118:—नाइस के प्रशासन के उप मुख्य कार्य पालक जी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री एस० राघमेन्द्र रावु को तदर्थ ग्राधार पर रू० 650—30—740—35—880—द० रो —40—960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक वार्मिक श्रीधकारी के रूप में दिनांक 25—5—1985 से 25—6—1985 पर्यन्त ग्रथवा ग्राणमी ग्रादेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूव घटिन हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकणी, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

ग्रन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनाक 31 मई, 1985

मं० 6/39/85-सि० ई० प्र० (मुख्या०):--मुख्य इंजी नियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग श्री दशराधा रमेंथ्या को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1-4-1985 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियक्त करते हैं।

के० एम० जी०वारियर प्रशासन ग्रिप्तकारी-1, कृते मुख्य इंजीनियर

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट

बंगलौर-5600017, दिनांक 30 मई 1985

सं 12/49/78-प्रशासनः—कार्यक्रम निदेशक, सहायक नोदन प्रणाली यूनिट, श्री बीठ रिव को ग्रन्तरिक्ष विभाग के क्यू ए ए एस०, सहायक नोदन प्रणाली यूनिट में वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बीठ के पद पर स्थानापत्र रूप में 650-30-740-35-810-ट रो०-35-880-40-1000-द रो०-49-1200 के वेतनमान में दिनांक 1 श्रप्रैंल, 1985 के प्रविक्त से ग्रागामी ग्रादेश तक नियक्त करते हैं।

ए० उत्रीकृष्णन, प्रणासन अधिकारी

इनसैट-। प्रधान नियंत्रण सुविधः

हनन-573207, दिनांक 23 मई, 1985

सं० जी० एन-021-परियोजना निदेशक, इनसँट-1, अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना, अन्तरिक्ष विभाग श्री एम० बी० पी० पाणिकर को इनसँट-1 प्रधान नियंत्रण मृनिधा, हसन में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर दिनांक गई, 24, 1985 के प्रविद्ध से अगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

वी० पी० डी० नाम्बियार, प्रशासन ग्रधिकारी-II, कृते परियोजना निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली, दिनांक 1 जुन, 1985

सं० ए०-38019/11/83-स्था०-1--भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित ग्रिप्तिकारी ग्रुपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य त्रायु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए:

| ऋ सं० | नाम | पदनाम | निवृतन दिनांक |
|-------|----------------------------|------------------------|---------------|
| 1. 3 | गी एस० पी० पुंज | सहायक मौसम विज्ञानी | 31-1-1985 |
| | गी आई० बी०ः पुताधर | वही | 81-1-1985 |
| 3. % | न्नी ह रनाम सिंह | वही | 28-2-1985 |
| 4. % | प्रीडी० के० गृप्ता | वही | 28-2-1985 |
| | ग्री वी० ए० वेंकटा- रमन | वही | 28-2-1985 |
| 6. × | गी एच० धान | वही | 30-4-1985 |
| | भी जे० एम० मूल- स्वानी | वही | 30-4-1985 |
| 8. % | भी एस० डी० पुरी | वही | 30-4-1985 |
| 9. % | भी जं० एम० काःब | ने वही | 30-4-1985 |

के० मुखर्जी, मीसम विज्ञानी (स्थापना) **कृते** मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1985

यं० ए० 38013/1/85-ई० ए०—निदेशक, विमान क्षेत्र, बम्बई के क्यालय के श्री पी० ए० मेनन, सहायक विमान क्षेत्र प्रधिकारी सेवा निवृत्ति की श्रायु प्रध्त होने पर दिनांक 31-3-1985 को सरकारी सेवा मे सेवा निवृत्त हो गये हैं।

जी० बी० लाल, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई, 1985

सं० ए० 32013/3/83-ई० ए०:—राष्ट्रपति, निम्त-लिखित ग्रिधकारियों को दिनांक 13-12-1985 से या उनके द्वारा पद का कार्यभार ग्रहण करने की वास्तविक तारीख से, इनमें मे जो भी दार्र में हो ग्रीर मुख्य ग्रन्य ग्रादेण होने तक, विमान क्षेत्र ग्रिधकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

| احد المدار | بذائح بيجه بخلق يبينه حبينة فإنفا بجود الهذا ليبيد لجائج بيهم كالها بسبد فالي الشية ألهم ودين أيشه والباة الهداء ويسو وشك لجائد فلماد |
|---|---|
| क्र० सं० | नाम |
| | لايين دجد خبيل بالماحين عصد عضد أحاليهن بيان ينهاد مان حيث نفينا لقد حيث عيد ميدر بجدر بجدر بيان عين عبيد من عامر |
| सर्वश्री | |
| 1. ग्रार० एस | ० रायकर |
| 2. वी० त्री० | ढिवा कर |

| ऋ० सं० | नाम | |
|-----------------|------------------------|--|
| 3. ई 0 ए | नोजफ | |
| 4. वे ० | सी० विश्वास | |
| 5. एस० | एल० विश्वास | |
| 6. जी० | बो० पटनायक | |
| 7. एस० | ए० कृष्णन | |
| 8. ए० | धी० दास | |
| 9. वाई० | पी० साहनी | |
| 10. जी० | बी० सिंह | |
| 11. एम० | एस० रावत | |
| 12. जे० प | ी० कपूर | |
| 13. एन० | पी० एड्वोर | |
| 14. पी० ए | र्न० धनराज | |
| | ो० ज र सपाल | |
| • | बी० काम्बले | |
| | बी० खुराडे | |
| 18. डी॰ | कें० जैन | |
| 19. ग्रार० | • • • | |
| 20. जे० स | ि० कर्तानियां | |

जी० बी० लाल, सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण महा निदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1985

सी० सं० 1041/41/85/15/85—श्री ए० वी० रंगानाथन ने, जो पहले, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय गुंटुर में प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (ग्रुप ख), के रूप में कार्यरत थे, इसे महा निदेशालय के दिनांक 29-3-85 के आदेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा, निरीक्षण महा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के हैदराबाद स्थित केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट (सी० आर० यू०) में दिनांक 3-5-1985 (अपराह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

ए० सी० सल्डाना, निरीक्षण महा निदेशक

नौवहन श्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महा निदेशालय

बम्बई-4000 38, दिनांक 4 जून 1985

सं० 23-टी० आर० (2)/85—नौवहन महा निदेशक श्री बी० एस० चौहान, को 22/12/1984 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर आगामी आदेशों तक लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल ग्रौर इंजीनियरी, कालेज, बम्बई में प्रवक्ता (लाइफ बोट) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> अभिताभ चन्द्र उप-नौवहन महा निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 6 जून, 1985

सं० ए० 19012/1087/85-स्थापना पांच—विभागीय पदोन्नित सिमिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री भरत सिंह, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त, सहायक निदेशक,/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, 31-5 1985 की पूर्वाह्म/अपराह्म से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी, केन्द्रीय जल आयोग में अति-रिक्त, सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त, तारीख से दो वर्ष की अविध के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी अरोड़ा, अवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 29 मई, 1985

सूचना

सं० 10(4)/दिकेविपरि-7/ई०3/1737—केन्द्रीय निर्माण विभाग, के यांत्रिक, तथा कार्यशाला मंडल में, मोटर लारी ड्राइवर के रूप में कार्यरत श्री गौरी शंकर, पुत श्री रामचन्द्र की सेवा समाप्ति का एक ऐसा ज्ञापन इस कार्यालय के दिनांक 14-3-85 के प्त सं० 10(4)/दिकेविपरि-7/ई3/746 के द्वारा दिया गया था कि यदि वह इस ज्ञापन के जारी होने के उपरान्त एक माह के भीतर कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), यांत्रिक तथा कार्यशाला मंडल, केलोनिव, नई दिल्ली के कार्यालय में अपनी डयटी पर आने में असमर्थ रहा तो उसकी सेवाएं दिनांक 13 नवम्बर, 1981 से समाप्त समझी जायेंगी । इसी सम्बन्ध में उसे दिनांक 24-4-85 के पत्न सं० 10(4)/ दिकेविपरि-7/ई-3/1120 के द्वारा, फिर से सूचित किया गया था कि यदि वह इस ज्ञापन के जारी होने के बाद, एक माह के अन्दर अपनी ड्यूटी पर उप-स्थिति की रिपोर्ट कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) यांत्रिक एवं कार्यशाला मंडल कें लो नि वि वि , नई दिल्ली के कार्या-लय में नहीं देता है तो उसकी सेवायें, समाप्त समझी जाएंगी। उसके द्वारा, आवेदित की गई छट्टियां अस्वीकार कर दी गई थी।

वह इन आदेशों का अनुपालन करने में असमर्थ रहा इसलिये उसकी सेवाएं दिनांक 13-11-81 से समाप्त समझी जाएं।

> रा० के० मुंजाल अधीक्षक इंजीनियर दिल्ली केन्द्रीय विद्युत परि-7

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1985

सं० 30/4/82-/ई०-सी०-1--राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल/विद्युत), जोिक संयुक्त इंजीनियरो सेवायें, परीक्षा 1972 के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा समूह 'क' ग्राँ र केन्द्रीय विद्युत, एवं यांत्रिकी सेवा समूह 'क. में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के ग्रेंड में परिवीक्षा पर नियुक्त हुए थे, को उनके नामों के सामने लिखी तारीखों से स्थायी करते हैं:---

| क्रम सं० नाम (सर्व श्री) | दिनांक |
|--|-------------------|
| (सिविल) स्रो०पी० भाटिया, (विद्युत) | 29-11-75 |
| अनिल पुरी | 10-1-76 |
| | श्रीमती नीना गर्ग |
| | प्रशासन उप निदेशक |

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, 110066, दिनांक 27 मई 1985

सं० 300/85, फा० सं० 22/1/85-प्रशासन-1 (बी)— अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत, प्राधिकरण एतद् द्वारा, निम्नलिखित तक्तनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय, विद्युत इंजीनियरी, (समूह ख") वा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख नियुक्त करते हैं।

| क्रम नाम व पदनाम सं० | अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति की तारीख |
|---------------------------------------|--|
| सर्व/श्री | |
| 1. प्रभात रंजन लाल | 29 4 1985 |
| 2. डी० जी० वरनेकार | 6-5-85 |
| तप्पन कुमार मण्डल | 3-5-85 |
| 4. श्याम कान्ती देब | 10-5-85 |
| | आर० शेषाद्रि |
| | अवर सचिव |

कृते अध्यक्ष

उद्योग और कम्पनी कार्य मंद्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी लॉ बोर्ड .

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं यूनाइटेड, साइजिंग एण्ड प्रोसेसिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 जून, 1985

सं० 679/16957/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यूनाइटेड साइजिंग एण्ड, प्रोसेसिंग, कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर लोखाण्डवाला फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड, के विषय में बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

सं० 676/16522/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लोखाण्डवाला फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल, कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिशा जाएंगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायंगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर एसोसिएशन आफ फर्टिलाइजर्स मिक्सिंग फर्मज एण्ड डीलर्ज के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

अधिसूचना सं० 677/17016/560(3)—:कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एसोसिएशन ग्रॉफ फॉटिलाइजर्स मिकिसग फर्मज एण्ड डीलर्ज का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> स्रो० पी० जैन, कम्पनियों का अतिरिक्त रिजस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कीरास इंजींनियर्स एसोसिएटस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 4 जून 1985

सं० 4975/560/85:— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर किरास (इन्जीनियर्स) एसोसिएशन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

आर० एस० नेगी, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कम्पनी अधिनियम, 1956 स्रौर बी० के० पोमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 4 जून 1985

सं० 3844/560/85-86:—कम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर बी० के० पोमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वैं० सत्यनारायण, कम्पनियों का रजिस्टार

कोच्चिन आयकर आयुक्त का कार्यालय, एरणाकुलम, कोच्चिन 682016, दिनांक 16 मई 1985 (आयकर)

सी ० सं० 1 (9)/(बी)/जी० एल०/85 86—आदेश सं० 1/85-86—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) ग्रौर (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एवं उक्त धारा के अधीन इस कार्यालय से इस निमित्त समय-समय पर जारी सभी पुरानी अधि सूचनाग्रों का अधिक्रमण करते हुए, कोच्चिन आयकर आयुक्त मैं एतद् द्वारा, निदेश करता हूं कि 10 मई, 1985 के पूर्वाह्न से सी० सं० 1(9)/(al)/जी० एल०/73-74, दनांक 12-7-1973 की अधिसूचना के क्रम सं०6 के सामने कोलम 2 में, विनिर्दिष्ट, आयकर सर्विल, के कालम 3 में, उल्लिखित आयकर अधिकारियों की अधिकारिता निम्न रूप से संशोधित की जाएगी:—

| क्रम स ं ० | सर्किल का नाम | आयकर अधिकारी का पदनाम | अधिकारिता क्षेत्र |
|----------------------|---------------|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सकिल : | ा, एरणाकुलम | (i) आयकर अधिकारी, ए-वार्ड , सर्किल ႃ | धारा 127 के अन्तर्गत, से निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) से सम्बद्ध होने का विशेष उल्लेख जिन मामालों के विषय में किया गया है उनको छोड़कर, निम्नलिखित आयकर सर्विक की अधिकारिता के अन्तर्गत कंपनियों के सभी मामाले : आलुवा, एरणा- कुल, और मट्यंचेरी। |
| | | (ii) आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सर्किल I, | धारा 127 के अन्तर्गत निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, (निर्धारण) के क्षेत्र से सम्बद्ध होने का विशेष उल्लेख जिन मामलों के विषय में किया गया है, उनको छोड़कर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 (22) (ड) की अर्थव्याप्ति के अन्तर्गत आने वाले उपर्युक्त, सर्किल, में स्थित सभी कम्पनियों के सारे प्रबन्ध, अभिकर्ता और सारवान हित रखने वाले निदेशक, जोकि केरल के निवासी हैं। |

1 2

सकिल ॥,

एरणाकूलम

3

(iii) आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, सर्किल I

(iv) आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, सर्किल-I आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सर्किल-II, आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन सभी मामले जिन**ा** विशेष उल्लेख किया गया है।

आयकर अधिनियम, की धारा 44 कक (1) के अधीन उल्लिखित पेशा करने वाले व्यक्ति, जिनकी अधिकारिता आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, सिंकल-II, पर निहित है। और संविदाकार जिनकी अधिकारिता आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सिंकल-II, पर निहित है तथा आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सिंकल-II, पर निहित है तथा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन जिन मामलों का विशेष उल्लेख किया गया हो उनको छोड़कर शेष सभी व्यक्ति।

- 1. निम्निः खित (क) ग्राँर (ख) के अनुसार जिनके मामलों में कुल आय/हानि रु० 1,00,000 से कम नहीं हो :—
 (क) 31-3-1985 को पूरे किये गये सबसे बाद के दो निर्धारण।
- (ख) 31-3-1985 के बाद किसी निर्धारण वर्ष में पहली बार प्रस्तुत की गयी आय की विवरणी।
- 2. जो व्यक्ति, उपर्युक्त (1) में उल्लिखित फर्मों के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यष्टियों का निकाय है वे (फर्मों, व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय) इस आयकर अधिकारी द्वारा, निर्धारण के बाध्य होंगे।
- 3. जो उपर्युक्त क्रम सं० (1) या (2) में उल्लिखित व्यक्तियों के पित/पत्नी या अवश्यक बच्चे हीं, वे आयकर अधिकारी द्वारा निर्धारण के बाध्य होंगे।
 - 4. न्यास चाहे धार्मिक, पूर्त या अन्यथा हो।
- 5. जिनके मामले आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप से नियत किए गए हों या किए जाने वाले हों।
 - (क) जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44 कक (1) के अधीन उल्लिखिन पेशा कर रहे हैं, श्रौर
- (ख) जिनकी अधिकारिता आयकर अधिकारी. ए-वार्ड, सर्किल-2, एरणाकुलम तथा ई-वार्ड, सेकिल-2, एरणाकुलम, पर

आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सर्किल-II 1 2

3

4

निहित है, उन्हें छोड़कर शेष सभी व्यक्ति।

- (1) जिनके मामलों में नाम का उच्चारण अंग्रेजी अक्षर 'ए' से 'ऐ' तक शुरू होता है।
- (2) जो ऊपर (1) में उल्लिखित फर्मों के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है किन्त ऐसे व्यक्ति आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सिकल-2, एरणा-कुलम द्वारा, निर्धारण के बाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय होने पर उनकी अधिकारिता पिछलं आयकर अधिकारी पर हो निहित होगी।
- (3) जो उपर्युक्त ऋम संख्या (1) ग्रौर (2) में उल्लिखित व्यष्टियों के पित/पत्नी या अवश्यक बच्चे हों।
- (4) ऐसे संविदाकार जिनके 1-4-1982 या उसके बाद को प्रारम्भ किये गये निर्धारण वर्ष के लिए, आयकर अधिनियम, की धारा 194-ग, और 285-क लागू होती है, चाहे उनकी कुल आय/हानि रु 1,00,000 से कम हो।
- (5) जिनके मामले आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप से नियत किए गए हों या किए जाने वाले हों।
- (1) आयमर अधिकारी, ए-वार्ड, सर्विल-2, एरणाकुलम, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, ग्रौर ई-वार्ड, सर्विल-II, एरणाकुलम, को निहित अधिकारिता को छोड़कर, इस आदेश के आमुख में, विनिर्दिष्ट अधिकारिता क्षेत्र के ग्रंतर्गत सभी व्यक्ति।
- (1ए) जिनके मामलों में नाम का उच्चारण अंग्रेजी अक्षर 'क्यू' से 'जेड', तक शुरू होता है।
- (2) जो ऊपर (1) में उल्लिखित फर्मों के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है, किन्तु ऐसे व्यक्ति, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सिकल 2, एरणा-कुलम द्वारा, निर्धारण के वाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय होने पर, ऐसे व्यक्तियों की अधिकारिता पिछले आयकर अधिकारी पर ही निहित होगी।

आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, सर्किल-II 1 2 3

आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, सर्किल-II

आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, सकिल-II (3) जो उपर्युक्त कम से (1) ग्रौर (2) में उल्लिखित व्यक्तियों के पित/पत्नी या अवयस्क बच्चे हों।

4

- (4) जो आयकर अधिनियम की धारा 44कक (1) के अधीन उल्लिखित किसी पेशा कर रहे हैं चाहे उनकी कुल आय/हानि रु० 1,00,000 कम हो।
- (5) जिनके मामले आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप से नियत किए गए हो या किए जाने वाले हो । जिन व्यक्तियों की अधिकारिता आयकर अधिकारी ए-वार्ड, वी-वार्ड, सी-वार्ड, या ई-वार्ड/सर्वि.ल-2, एरणाकुलम पर निहित है उन्हें छोड़कर शेष सभी व्यक्ति।
- (1) जिनके मामलों में नाम का उच्चारण ग्रंग्रेजी अक्षर 'जे' से 'पी' तक शुरू होता है।
- (2) जो ऊपर (1) में उल्लिखित फर्मों के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय है किन्तु ऐसे व्यक्ति आयकर अधिकारी, ए-वाई, सिंकल-2, एरणा-कुलम द्वारा, निर्धारण के बाध्य फर्म के भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य या व्यक्तियों का निकाय होने पर ऐसे व्यक्तियों की अधिकारिता पिछले आयकर अधिकारी पर ही निहित होगी।
- (3) जो उपर्युक्त कम से (1) ग्राँर (2) में उल्लिखित व्यक्तियों के पीत/पत्नी या अवस्यक बच्चे हो।
 - (4) सभी प्रत्यक्ष प्रतिदाय मामले।
- (5) जिनके मामले आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 या 127 के अधीन विशेष रूप से नियत किए गए हो या किए जाने वाले हो।
- (1) जिन मामलों में विवरणी में दी गई कुल आय/ हानि ६० 1,00,000 में कम नहीं है उन्हें छोड़कर, शेष सभी नए मामाले जो एरणाकुलम, ग्रौर मट्टांचेरी आयकर सिकल के अधिकारिता क्षेत्र की सीमा में सर्वेक्षण प्रक्रिया के फलस्वरूप आविश्वरत हो।
- (2) सभी नए मामले जो एरणाकुलम ग्रौर मट्टांचेरी. आयकर सिंकल के अधिकारिता क्षेत्र की सीमा में सर्वेक्षण प्रक्रिया के फलस्वरूप आविष्कृत हो।

1 2 3

(3) सभी व्यक्ति, जिनके मामले आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 127 (1) के अधीन आयकर अधिकारी को इसके पश्चात् हस्तान्तरित किए जाते हैं।

2. यह अदेश दिनांक 10-5-1985 से प्रवत्त होगा।

ग्रादेश सं० 2/85-86:- आयटा प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) के ग्रधींन प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए कोचिन सायटा प्रायुक्त एतद् द्वारा निदेश देते हैं कि श्रायटा श्रीविवारी, ए-वार्ड, सिक्त-2, एरणाकुलम, श्रायवार श्रीध वारी, विदेश ग्रनुभाग, एरणाकुलम के रूप में भी जाना जाएगा तथा उन्हें सौंपी गई श्रन्य श्रिध कारिताओं के ग्रातिरिक्त निम्नलिखित श्रीधकारिता भी निहित होगी:--

''ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 की धारा 230 की उपधारा (1) के ग्रधीन प्रमाणपत्न के लिए ग्रावेदन करने वाले व्यक्ति जो भारत में स्रधिवासीं नहीं हैं और जिनका भारत में कहीं भीं पहले निर्धारण नहीं किया जा चुका है।"

यह म्रधिसूचना दिनांक 10 मई, 1985 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगी।

> एम० श्रीधरन, प्रम० ए० हिन्दी अधिकारी, आयकर आयुक्त का कार्यालय, कोचिन-682016

सी० सं० 1(9)/(बी)/जी०एल० 85 86

दानकर तिर्धानयम, 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश

आदेश सं 4/85-86—इस निमित जारी सभी पुराने आदेशों का अधिक्रमण करते हुए कोचिन दानकर आयुक्त, मैं एतद्द्वारा निदेश करता हु कि निम्नलिखिन त्यामर विधानरी, दिनांदा 10 मई, 1985 के पूर्वीह्र से निम्नलिखित अनुसूची या कालम 2 या 3 के दोनों) में बताए हुए प्रकार्यों द्या नर्वाह दरेंगे। तदनुसार उनके कार्य क्षेत्र, व्यक्तियों की श्रेणी, आय, आय की श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी के सम्बन्ध में इस कार्यालय के दिनांक 10-5-1985 की अधिसूचना सी० सं० 1(9)/बी/जी०एल०/85-86 (आदेश सं० 1/85-86) जो नियत सकिए से सम्बद्ध हो, और दिनांक 12-7-1973 की अधिसूचना सी० सं० 1 (9)/बी/जी०एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74) का संशोधन क्या जाएगा।

अनुसूची

| कालम सं० 1 | कालम सं० 2 | कालम सं० 3 |
|--|--|---|
| आयकर अधिकारी, का पदनाम | अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित प्रकार्यों को छोड़कर दानकर अधिकारी के शेष सभी प्रकार्य | दानकर अधिनियम, 1958 के अध्याय 7 के अन्तर्गत दानकर अधिकारी के सारे प्रकार्य। इसमें दानकर अधिनियम, 1958 के अन्य अध्यायों के किन्हीं उपबन्धों के अधीन पारित आदेश के फलस्वरूप, प्रदेय कर ब्याज, शास्ति, जुर्माना या अन्य किसी राशि के लिए उक्त अधि- नियम की धारा 31 के अधीन मांग नोटिस देना भी शामिल होगा। |
| आयकर सिंकल, सिंकल 1, एरणाकुलम, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम, | ऊपर कालम 2 में उल्लिखित प्रकार्य। | |

| 1 | 2 | 3 | |
|----------------------------|----------------------------------|--|--|
| आयकर अधिकारी, | ऊपर कालम 2 में उल्लिखित प्रकार्य | and the state of t | |
| बी-वार्ड, एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | - तदेव | | |
| सी-वांर्ड, एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | - तदेव | | |
| डी- वार्ड, एरणाकुलम | | | |
| आयकर सर्किल | | | |
| सर्किल-2, एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | तर्दैव | | |
| ए-बार्ड, एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | –तदेव-– | | |
| बी-वार्ड, एरणाकुलम | | | |
| आमकर अधिकारी, | -तदेव | | |
| सी-वार्ड, एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | तदेव | | |
| ही-वार्ड , एरणाकुलम | | | |
| आयकर अधिकारी, | –तदेव | | |
| ई-वार्ड, एरणाकुलम | | | |

भादेश सं० 4/85-86--- श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचिन श्रायकर श्रायुक्त, में एतद्द्वारा निदेश करता हूं कि दिनांक 27-5-1985 से कण्णूर भायकर सिकल के श्रधीन ई-वार्ड, श्रायकर सिकल, कण्णूर नाम से एक नया वार्ड प्रारंभ किया जाएगा।

आदेश

चिषय: स्थापना-ग्रायकर ग्रधिकारी 'ग्रुप' 'ख' के रूप में पदोन्नति। सी० सं० 2/प्रभा०/कोण/84-85--श्री पी० जी० लेस्ली, ग्रायकर निरीक्षक को रू० 650-1200 के वेतनमान में ग्रायकर ग्रिधकारी, 'ग्रुप 'ख' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए दिनांक 27-5-1985 स्रथचा उनके द्वारा कार्यभार संभाल लेने की तारीखसे जो भी बाद हो, पदोन्नत किया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष की ग्रवधि तक परिबीक्षा धीन होगा।
- 3. उपर्युक्त पदोन्नति अनिन्तम तथा विसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोन्नित पदोनित अधिकारीं को पदोन्नत ग्रेड में अपनी वरींयता अथवा उस पद में जारीं रखने का कोई अधिकार नहीं प्रदान बरती है।

एम० जे० मात्तन कोचीन ग्रायकर ग्रायुक्त प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPE

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

नि र्देश सं० अई-2/37 ईई $_{/}$ 12572 $_{/}84-85$ —अतः मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, राजेंद्र को-ऑपरेटिव हार्जिस सोसायटी तीसरी मंजिल, चकाला, ग्रंघेरी (पूर्व) बम्बई-99 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हण से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैंसर्स श्रोमेक्स बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स । (अन्तरक)
- (2) श्री के॰ दामोदर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की जबधि या तत्वंबंधी व्यक्तियाँ प्रव स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंबंध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकहः किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी के प्रव निवित में किए वा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त तब्दों और पदों का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

शनसंची

"फ्लैंट नं० 304, जो राजेंद्र को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी , तीसरी मंजिल, चंकाला, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-2/37ईई/12572/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप आई. टी. एन एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यांतर, सहायक आयकर मागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12566/84-85 —अत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 212 जो दूसरी मंजिल विद्यादानी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सहार व्हिलेज श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सें विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धरा 269 क ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और मस्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिवधा के निए;

कतः कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भैसनं क्षेत्रेक्षा 'वरुवनं एण्ड कान्द्रवटसं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनी विवेग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुई ।

डन्स सम्परित के अर्था के अस्पन्त हो कार्य भी बासोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारील में 30 दिन को अविध, जो भी अविध ताद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में निम्मी गिक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के गत्रपत्र में पकाशन की तारीब इं 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वार अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में निरुष् का सकीने

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम में अध्यास 20-क में परिभाषित हैं. इ.स. व लोग की एम अध्यास में दिया सक्त हैं।

अन्सूची

"फ्लैंट नं० 212 जो दूसरी मंजिल विद्या-दानी को आपरेटिव हार्जिस सोसायटी महार व्हिलेज ग्रंधेरी (पूर्व) वम्बई-69 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-2/37ईई/12566/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम मध्याती वस्वई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्रका बाह्" , की , एम , एस , ४----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11025/84-85- अतः मुझे,लक्ष्मण दास,

कायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्बत्ति, जिसका उचित बासार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13 जो इमारत नं० 6 फ्लाट नं० 1, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड ग्रंघेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका कारानामा आयकर अधिनियम की अनुसूची धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के चंद्रह शितश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिसी (अंबरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाचा महा प्रतिकता, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में बास्तिवक किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 3—126 GI/85 (1) श्री चंडोक अमान्ना ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० एच० सुर्वे ग्रौर एच० डी० सुर्वे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां झूरू करता हू ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इक्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थी

"फ्लैंट नं० 13, जो इमारत नं. 6, प्लाट नं० 1 भवानी नगर, मरोल, मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) विम्बई में स्थित है।

अनुभूचो जैसाकी क० सं० अई-2/37–ईई/ 11205 84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 1984 को रिजस्ट्री किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🛭

trace significant for the comment

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 260 ज (1) के अभीन एकरा

भारत सरकार

आर्थानव बहायन वायका आग्रका (निराक्षण)

अर्जन रेंच-2, तम्बर्ड

बम्बई, दिगांक 3 गई 1985

निदोश मां. अर्झ-2., 37-ईई: 12648, 84-85---अतः मुभा', लक्ष्मण दासस, ब्रायकः अधिनियम, 1961 (१५६) का ४३) र्रापि जारा इसके गरचान 'उक्त ऑफ्रोनराम' कहा गाही, की भाग 269-स के अधीर सक्षम गाधकारों हें। यह शिवान वर्ग के कारण है कि स्थावर ग्रस्थाहा, शिकार शिवान वर्ग मन्य 1.00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट रं. 4 जो, पहली मंत्रिल,, इमारत नं. 8, भवानी, नगर, मरोल मरोशी रोड, मरोल, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका कारनासा आयकर अधिनियम धारा 269 क ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है दिनांक 20 रिक्तम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान यतिफल के लिए बन्तियन की गड़ी हैं और युक्ते यह निक्ताम करने का काएण है कि प्रशासकी के उर्जून का जीना करनाइ मत्या, उसदां स्वयशान प्रशितन शिरों सम्बन्धन प्रतिकार का पत्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगां के बीच एमं अन्तरण के निए तय गया गया इतिफनः निम्नतिषित उद्योग्ध से उन्त अन्तरण निश्चित ं मारकाक्त क्या के की अलग निकास स्थाप में 📖

- (4) अप्तर्ण सं इंड जिल्ली गण्या के अन्तर्ण प्रका अधिनियम प्रक्रित कर उने के अन्तर्ण के दायित्व में कामी करने के उसम किने में सुविधा क निष्कृ और प्र

बत: बढ़, उक्त बिर्मियम की धारा 269-म हो उन्मर्ण भ , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपध्या (1) के अधीन, निम्मिसियर एक्सियम अधीन कर्मा (1) श्रीमती सुभद्रा कार्थी कयडे।

(अन्तरक)

(2) रांनी निकालस डिसांभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यक्ति संपत्ति के वर्जन के बिक कार्यवाहिनों करता हो

रकत सम्पत्ति के प्रकृत के संबंध में कोड़ थी नाक्षर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नजिए जा तत्यां भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेदिर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 तिन के शीता उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकत्रों.

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे हरेगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''ब्लाक नं. 4 जो पहली मंजिल, इमारत नं. 8, प्लाट नं. 2, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, मरोल बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अर्ड-2/37-र्ड्ड/12468/84-85 और जो सक्ष्म प्राध्कारी बस्वर्ड द्वारा दिनांक 20 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

त)क्ष्मण द्यंस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

manufacture of the second second second

प्रस्त दाई . टी. एर. एए. माना

नायकर सम्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्थान

शासा सुरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2,37-ईई,12488,84 -85 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 जो पहली, मंजिल, इमारत नं० 1, प्लांट नं० 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15 सितम्बर 1984

को प्रॉक्त सपित के उचित बाबार यून्य सं कम के दश्यक्षार शितफाल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुफे यह विद्यक्ष करने को काएण हैं कि अथापूर्वोजत सम्मोत्त का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान शितफुक सं, एस ध्यम्मान शितफुक अक्ष रन्द्रह प्रतिशत से बीधक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिशी) के बीध एक अन्तरक के लिए तथ पाया गया भातफुक कि निम्नीनिधित उद्वयम से अब्द अन्तरक कि बिस

- (क) अन्तरण में हुई किसी आब की वाबत,, उध्या वर्षणा यम के अर्थन कर कर्न के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निक्; और/या
- (क) एसो किसी कार या किसी जन या नाय कारिसका कां, जिन्हें भारतीय काय-कर आयानियमा 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृविधा के लिए;

क्छ: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुबर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैसर्स दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रूक्मणी शंकर कुसकर।

(अन्तरती)

को बहु सुचना कारी करके प्यांक्ट संपत्ति के वर्बन के निक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

मन्त सप्राप्त है एहंन है लेकि ए काह भी ग्राक्षंप ,---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस स 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की सविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी त्रयक्ति द्यारः
- (स) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पीस्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्यव्यक्तिरण - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सुन्धी

"फ्लैट नं० 6 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 1, प्लाट नं० 8, भवानी नगर, मरोश मरोशी रोड, मरोल, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि सं अई-2/37—ईई/12488/8484-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांकः 15 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ^{र्रे}ज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12478/84-85--ग्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 5, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 1 प्लाट नं० 8, भवानीं नगर, मरोल मरोशीं रोड. अंधेरीं (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका बरारनामा आयकर अतिनियम की धारा 269 क ख अधींन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्री है दिनांक 15 सितम्बर 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बनने म स्विधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेष्ट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीं शंकर श्रीमती कुसकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ़लैंट नं० 5, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 1 प्लाट नं० 8 भवानी नगर मरोल मरोशो रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई--2/37-ईई/ 12487/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक :- 8-5-1985

त्रस्य बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4:3) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37-ईई/ 12097 /84-85---- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परुज क् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 506 जो पांचवी मंतिल, इमारत नं० ए, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पू), बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्रीं है दिनांक 11 सितस्बर 1985 को

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास रने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कथमान प्रतिफल से, एसे कथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने मी सुविदा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक्)

(1) श्रीमती कोमल मोहन दास।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''फलैंट नं० 506, जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० ए, प्लाटनं० 18, भचानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कर संर ग्रई-2/37 1 097 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आक्युत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

मोहर 🚁

्रिक् बाह्र^क, टी. **एक**. **एक**

श्रापकर निधानियम, 1961 (1961 सा 43) स्त्री भारा 269-म (1) के नभीन सुमनः

MICH SHAPE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बन्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 11024 /84-85--- ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायक र आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके भरपात उक्त अधिनियम कहा गया हाँ), को भारा 269-ल क अधीन सक्तम प्रतिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिस्की सं० फ्लैंट नं० 5, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 5 प्लाट नं0 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका ररारनामा आयहर अधिनियम की धारा 269 ं ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनां 5 सितम्बर 1984

को प्रतिकत सम्मतित के तीचत आजार मृत्य ते कम के अस्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि समाण्यतित राज्यति का उचित जाता मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का भंगह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का किन निम्नतिचित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर कर से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण मं हुई जिल्ली आम को नामल उत्तर आप-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व तो कमी करने का उसके नक को मिला के लिए मीरिया
- (क्ष) एंबी किसी बाय मा किसी पन मा बन्य अहास्त्राय को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या बब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपान में सिविधा के लिए:

भतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिए।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजयन एन० ।

(अन्तरिती)

बाँ बाह् सूचाना बाहाँ करकं श्वाँक्ट सम्परित के बार्चन कारणा कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उरस मन्त्रीता के बर्धन के नगर में कोई भी बाबोप:-

- (क) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीय वं 45 दिवा की जबीच या तत्सम्बन्धी न्यत्तियाँ पर स्थान की तामील में 30 दिन की जबिंध, जो भी समीद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंधित स्थानत्यों में से किसी म्यक्ति स्वाराः
- (क) इक् बृक्षना के राक्षणम में प्रकारम की तारीस के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्तित ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार करते हैं दें कि किसी कम्य व्यक्तित ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आप नवीं का, जा उक्त जीधनियम की वाल्याय 20 ए में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 5 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 5 प्लाट नं० 6, भवानी नगर सरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37—ईई/11024 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां ~ 5 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दाक्ष यक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनां ह : 8-5--1985

प्रस्प कार्ड : टी . एन . एस . ---

का बकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याच्या सहायक बायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज-2 बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 8 मर्ड 1985

निदंश सं. अर्ई-2/37-ईर्ड/10589/ 84-85 --अतः मुक्के लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिस्त साजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. पर्लंट नं. 5, जो पहली मंजिल, इमारत नं. 2 प्लाट नं. 8 भ्वानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनिय की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त संपीत के तिचत यात्रार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा प्राया प्रतिफल, निर्मालिकत उद्देश्य में उसत करने विश्वास की कार्य करने विश्वास की वास्तीयक रूप से की बार बही किया प्राप्त है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ट श्रीकानगण के अधीन अर दर्ज के अन्तरक के बाधितः मा किसी करन का बससे बचन में मूजिया को लिए; गार्थना
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आअ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए धा किया में स्विष्ण अ

लत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यो, गा, उक्त विधानवम की धारा 269-च की तपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :— (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री वासूदेवन रामन नायर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजीक्त संपत्ति कं अजन क लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दवाराः
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए अपने स्थेरें।

ल्पच्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

"फ्लैट नं० 5 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 2, प्लाट नं० 8 भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/10589 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोह्य 🛭

प्ररूप आई'.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -2 बम्बई वम्बई, दिनांक 8 मई 1985 निदेण सं० ग्रई--2/-37-ईई/ 12685 /84-85 ---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, और 8, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 4 प्लाट नं० 8. भवानी, नगर, मरोल मरोशी रोड, बम्बई—59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 22 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कणी रुपने या उससे वचरे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक्)

(2) श्री इक्बालजात निह सेमी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"पलैट नं० 7 और 8 जो दूारी मंजिल, इमारत नं० 4, प्लाट न० 8 भवानी गर मरोल मरोशी रोड बम्बई में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसाका कर संर प्रई-2/37–ईई/12685/84–85 और जो सक्षम प्राधि गरी वस्बई द्वारा दिनांक 22 सिम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास यक्षम प्राधिकारी नहायक प्रायक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, वस्त्रई

दिनां र :- 8-5-1985 🖁

प्ररूप बाइ टी. एन. एस.----

आयकर अभिनेत्रम् , १७७३ (१९४१ क 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक अध्यक्त रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांव मई 8 1985

निदेश सं० नई-2/37ईई/ 1058/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1061 (1961) रा 13) किंद्र इसमें इसके पश्चार (उत्तर एकिटियन कहा गया हैं) जी धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 3, जो इमारत नं० 6 ष्लाट नं० 8, भवानी नगर मरोज मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इसने उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है). और जिसका अवस्तामा अध्यक्तर अधिनियम की धारा 269 क ख, के अधीन सक्षम प्राधि जारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्टर्ड है दिनांक 5 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान एतिफल के नियम अवर्गा के जा है के को स्वास करने कर हाएए हैं कि एएए के उत्थान करने कर हाएए हैं कि एएए के उत्थान करने कर हाएए हैं कि एएए के उत्थान करने कर हाएए हैं कि एएए के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योगों से उद्या अन्तरण कि निम्निलिख उद्योगों से उद्या अन्तरण कि निम्निलिख से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

(क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के किए: और/बा

कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में मिनिधा

(1) देपक (बल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री अखतर हुसन और दुसेन एस० ए० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

एक्त रुप्पात । श्रांत व संबंध में जोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान, सम्बंत मार्ट्स बद्ध क्यों अवस्थित के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अब्दोकरण किशा प्रयुक्त बब्दी और पदी का, भी उक्त अधिनिया की अध्याप 20 के मी विरशायित ही, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याप मी दिया गया दी।

वन्स्पी

"फ्लट नं० 3, जो इमारत नं० 6 (प्लाट नं० 8, भवानी नगर. मरोल मरोशी रोड. श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैंसाकी कर सर अई-2/37ईई/10588/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 सिनम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६२-५ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाराक अग्यकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देण स॰ अई-2/ 337ईई/-2910/84-85-अत: मुझे, नक्ष्मण दास,

बायका व्यापित्या, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चार जिसे जिसे हममें इसके पश्चार जिसे अधिनियम कहा गया हों), की धारा 269-क वं अधीन सक्षम गाधिकारी को एह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1.00,000/ उ. में अधिक हाँ

शौर जिसकी सं प्रकट न 13. जो नीसरी मंझिल, इमारत हं० 4 प्लाटनं० 15 भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, संधेरी (पृर्व). इम्बर्ध-59 में स्थित हैं (ग्रैंप इपसे उपायद्ध श्नुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 169 व ख.के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्ट्री है दिनांक 29 सिनम्बर 1984

को पूर्शिक्स सम्मिति को शिचत दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाशा गरा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कुप में कथित नहीं किया गया है कु

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बानत, उकर अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्कित
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अभितयों भी जिल्लों राज्तीय वाय-कार अधिनियंत्र, 1692 (1922 को 11) या जनने अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के रायोजनार्थ वस्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना साहिए था, किया में प्रिथा राजिका ही सिस

का हरू . हाइस अधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों. मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के काक्षित निक्तिसिक व्यक्तियों, मर्थात :— (1) श्रीमती पवन के राथोरे

(प्रत्यार क्ष)

(2) श्री मोहमद हुसेन

(अन्तिरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविधि या तत्संबंधी व्यक्तिणों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त नथानर संपन्ति में हिलबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा तकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्रन्सूची

प्लाट नं० 13, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 4, प्लाट नं० 15, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुमूची जैपाकी ऋ० मं० अई-2/37-ईई/ 12901 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 सितम्बर 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

दिनांक : 8--5-1985

यांहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई /12648/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, जिस्का उचित बाजर मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० प्नैट नं० 11 जो, 3री मंजिल, इमारत न० 5 प्लाट नं० 8, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, ग्रंथेरी (पूर्व), वस्वई—59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करार-नामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सजन प्राचे कारी के आर्थालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 22 सिनम्बर 1984

कां पूर्वोक्स सपित्त के उचित शाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में भासीवक हम से कांचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसो किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मैसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री जगजीन सिंह।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्जनाहिन करतः हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राचपत्र भी प्रकाशन की ताणीं है है 45 दिन की अवधि या तासे शेरा व्याक्तियां स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, भा न अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में डित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिश्वरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा पाँ उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्याः

प्लाट नं० 11 जो, 3री मंजिल इमारत नं० 5, प्लाट नं० 8 भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) वम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. स० अई-2/37-ईई/ 12684/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दनाए 22 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांगः : 8-5-1985

मोद्दर :

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.-----

बायकूर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

बार्त बरकाह

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 वम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/ 12909/ 84-85 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अवायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० फ्लेट नं० 10, जो दूसरी मंझिल, इमारत नं० 2, प्लाट नं० 8 भवानी नगर, मरोल मरोशा रोड़ अवेरा (पूर्व), वम्बई-59 में रिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्गित है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 29 सितम्बर 1984

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित्त वाधार मृत्य से कम 🕉 दश्यकात श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह दिव्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मुख उसके दरयमान प्रतिफल से, एोसे बरयमान प्रतिफल का पन्द्रह कित्रिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पावा गया प्रोतफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त वन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उड़त विधिनियम के अधीन कर तो के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने क उसमें जबने हैं हि उछ। के लिए और/या
- (ब) एमें किसी जाय या किसी धन का बन्द जारिसा को. जिन्ही शास्तीय आयकार अधिनियम 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम अ धर-कर अधिनियम, 1957 1957 च ्रा प्रयोजनार्थ नंतरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सांधधा

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधररा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हमीदा हसन शेख ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा., अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित मं किए जा सकरो।

स्पष्टिकरण :--- उसको प्रमुख्य अन्तर्वे प्रौर पर्वो का, जी उन्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित **है, वही अर्थ होगा जो** उन अन्याप मा देशन गुरु हैं।

ग्रनसची

"फ्लैट नं० 10, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3 प्लाट नं० 8, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-2/37अईई/ 12909/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 29 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप बाई'. टी. एत एए.-----

बाबकर श्रीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सहकाह

कार्याजव, सहावक वायकर वाय्तः (निराक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई -2/37-ईई/ 290**8**/84-85---अतः मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सर्पास्त जिसका उचित जावार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं ज्याद नं 6, जो 1ली मंजिल इमारत नं 4, प्लाट नं 8, भवानी नगर मरोल मरोशों रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई—59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धात 269 के ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यांत्रय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान निवास निर्मात का उपनित का उपनित बाजार मृक्य, उसके द्वरमान प्रतिफल सं, ऐसे द्वरमान प्रतिफल सा पन्ति प्रति तिराति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्व निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मिक में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा खैं लिए:

कतः अप, उकत विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथींत्ः— (1) मैसस दिपक विल्डसँ प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री हेनरी व्हिक्टर डिसोझा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा। गया है।

धनुसूची

"फ्लेट नं० 6 जो पहली मंझिल, इ**मा**एत नं० 4, एलाट नं० 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37-ईई/ 12908/ 84-85 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सङ्गम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः : 8-5-1985

प्रकप बार्ड, टी. एन. एस. ----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

शाहर ररकाह

कार्यांतर, सहायक नायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12493/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न०6, जो ग्राउंड फ्होर, "सरोज ग्रपार्टमेंट" सी टी एस नं 13/37/2, विलेज मूलगांव महाकाली केन्ज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 99 में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयुक्त अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 15 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान कृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का निम्ह प्रकृतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाथ की बावत उक्त अधि-विषय से वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मैसर्स सहाकार बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सदाशिव बिष्णू डेरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

मनुसूची

"दुकान नं० 6 जो, ग्राउंड फ्लोअर, "सरोज अपार्टमेंट", सी० टी० एस० नं० 13/37/2, व्हिलेज मुलगांव महाकाली केव्ज रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), वम्बई-99 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र॰ सं॰ अई-2/37-ईई/ 12493 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🎜

प्रकर, बार्च, टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश ग्रई सं० 2-/37-ईई/ 12645/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िकसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अर्थान सक्तम प्राधिकारों को . यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, जो पहली मंझिल, श्री शक्ती अपार्टमेंट , मिलिट्री रोड़, मरोल मरोशी रोड़ मरोल, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),ग्रौर जिनका करारनाम, आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, तसके इद्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसं किसी आप्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १९५१ को १११ के जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धारा किया जाना काहिए था, किएन को कांग्रिस के बिदः

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण पें, टें, एकर रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे रुधीन, टिम्नलिसिंट व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैसर्स श्रो शक्ति इस्टेटस।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश एम॰ शहा (एच॰ यू॰ एफ॰), (अन्तरिती)

की यह सूचना चार्ी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति से वर्षन से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाकोर ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के धीतर प्रोंक्ड व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ हुगेगा, को उस सध्याय में विका गया है।

प्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 103, जो पहली मंझिल, श्री शक्ति अपार्टमेंट मिलिट्री रोड़, मरोल मरोशी रोड़, मरोल श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क सं० अई-2/37-ईई/12645/84-85 और जो सक्षम प्राधिक री वम्बई द्वारा दिनांक 21 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनां क : 8-5-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अ्थान सुचना

धारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12568/84-85-अतःमुझें, लक्ष्मण दःस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की आरा ई69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, ग्राउंड फ्लोअर, राजेंद्र को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, चकाला. ग्रंघेरी (ए) बम्बई-99 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय आयकर बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय दाय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट रहीं किया गया था विधा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— (1) मैसर्स श्रीमेक्स विल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स।

(अलरक)

(2) श्री रविद्वनाथ बब्बू राव।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूजों क्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की बन्धि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माल में किए जा किये।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम क अध्याय 20 क में गरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन अध्याय में दिशा देश हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 4 जो ग्राउंड फ्लोअर, राजेंद्र को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी चकाला, ग्रंधरी (पू) बम्बई-99 में स्थित है ।

अनुसूची जैमाकी क० सं० अई-2/37-ईई/ 12568/ 84-85 ग्रौर जो सञ्जम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 सिनम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> तक्ष्मण दास पक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

बायकर कींधनियक, 1961 (1961 का 43) की **४ रा २६९-**घ (।) के क्षीन सकता

जार्यालय, सहायक आयश्वर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० अई/झ2/37-ईई /12663 /84-85- अत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बा**जार मृत्य** 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इंडिस्ट्रियल रोड़, नं० 40 जो ग्राइंड फ्लोअर पी-3 शिवशक्ती इंडस्ट्रियल इस्टेट मरोलाल व्हितेज आफ ग्रंधेरी कुर्ला रोड़, ग्रंधेरी (पुर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँप पूर्ण रूप से वर्णित है),ग्रौर जिसका करारनामा अ।यकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान विफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डाचत वाचार ल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे तृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक 👌 ग्रोर अन्तरक (प्रस्तरकों) श्रोर बन्तरिर्क (अन्तारंतियों) क बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखा हेदेश के उनत प्रस्तरण सिथित में बारतिक क्य य कांचन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (ह) एंसी किसी जाय या किसी पन या अन्य अर्धिन्तयों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ै प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अन्त: अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन। निम्निसिस व्यक्तियों, वर्थात ह— 5-126GI/95

(1) मेट ट्रीएट एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस्० डी० सोवारकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस् स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रदाशन की **तारीस सं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ने किए आ सकरों:

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

"इंडस्ट्रिलय शेंड़ नं० 40 , जो ग्राउंड फ्लोअर,पी-3 शिवाक्ती इंडस्ट्रियल इस्टेप्ट नरोल व्हिलेज आफ ग्रंधेरी कुर्ला रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व) वम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० मं० अई-2/37-ईई/ 12663/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 3-5-1985 मोहरः

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.,----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12634/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो दूमरी मंशिल, प्लाट नं० 24, एस ग्रार० नं० 7, एच० नं० 4 के 5, व्हिलेज मुलगांव महाकाली केळा रोड़, अंधेरी (पूव) बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क खके ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19 सितम्बर 1984

को प्तोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जुपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिह व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शैलेश श्रार० पारीख ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सोनाली भटटाचार्य।

(ग्रन्तिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए ु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं ।201, जो दूसरी मंजिल, प्लाटनं 24. एस ग्रारवनं 57, एच नं 4 के 5 व्हिलेज मुलगाँव, महाकाली केव्ज रौड़ अंधेरी (पूर्व). बम्बई-69 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं क्रिक्ट $\frac{1}{2}$ हिंदी $\frac{1}{2}$ हिंदि $\frac{1}{4}$ 84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बर्ड

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🙄

प्ररूप बाह्ं ु ट्री. एत . ह्रस्य ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 वम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, जो शांता सदन, सी० टी० एस नं० 33 नार्थ ग्राफ इर्ला नाला, विले पार्ले ग्रीर ग्रंधेरी मिलड गरेज के बीच में ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जिन्तरकों) और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से किखत नहीं किया गया है हि—

- (क) सम्बद्ध सं हुई किसी बाब की बाबत । उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; बाडि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंद: श्व, उक्त विधिनयम की धारा 269-य के वनुबरण का, मी, उक्त वाधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वधीन क्रिक्त

(1) श्री कैलाश बी० जोशी।

(मन्तरक)

(2) श्री मोहिंदर प्रताप **घई** ग्रौर ग्रन्थ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पर्तित कें अर्जन के लिए कायवाहिया करता ह**ै।**

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रा उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 301, जो, "शाँता सदन", सी०टी०एस० नं० 33, नार्थ स्राफ इर्ला नाला, विले पार्ले स्रौर स्रंधेरी मिडल गरेज के बीच में स्रंधेरी बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क०स० ग्रई-2/37-ईई/12890/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28 सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

मोहरु ं

प्रकृष बाह". टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्रयः, सप्ताधक ाणकर काय्राः (निरोधकः) ग्रर्जन रेज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12791/84-95--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर स्थितियह. 196: ...वि. तो 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'तकत विधित्यम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- एउ. ही जिल्हा ही

गौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 204 जं । असरनाथ अपार्टमेटस, सी ०टी ०एस० नं ० 75, गुदावली विहलेज अधेरी कुर्ली रोड़ अधंरी (पूर्व), बस्वई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), अोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजर्स्ट्री है दिनांक 24 सितम्बर 1984 को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि एउए एवन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसवे इद्दान अविज्ञा के लिए अन्तरित की गई है और अन्तरित का उचित बाजार मृत्य. उसवे इद्दान अविज्ञा के लिए तय पासा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय को बाबस उक्त अधिनियम १ अधिन पर ही की अन्तरक की दाबित्य में कमी क्रिने या उसमें बचने में सुविधा के विशः और /क्ष
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जन्न अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किका जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, दिनम्निचित स्वक्रितमों, अर्जात् :--- (1) श्री गजेंद्र एन० गडकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० कृष्णन नायर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वीका प्रमास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सदेध में कांई भी बाक्षंप --

- (क) इस स्पना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त हो की मीतर पूर्वीक्त हो मीतर पूर्वीक्त हो की मीतर पूर्वीक्त हो मीतर हो मीतर हो मीतर पूर्वीक्त हो मीतर है मीतर हो मीतर है मीतर हो मीतर है मीतर हो मीतर है मीतर हो मीतर हो
- (स) इस स्वना के शर्वपत्र प्रो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-बद्ध कि के अन्य परिषय हुन्या प्रतिहस्तकारी के पास निष्या में किए जा सर्थों है

स्पक्तकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदो का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्थ होगा वो तम सन्याय में दिया स्था हैं।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 204, जो ग्रमरनाथ ग्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 75, गुंडावली व्हिलेज ग्रंधेरी कुर्ला रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क० स० ग्रई-2/37-ईई/ 12791/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 24 सितम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. = = =

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1,) के विधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई /12565/84-85--- ग्रतः मृझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी नं० फ्लैंट सं० 22, जो, क्रायस्टल को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत सं० 11, जे० वि० पी० डी० स्कीम, गुलमोहर कास रोड नं० 10, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984

को पूर्वीवित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत है अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में केमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेन्द्र रतीलाल सवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगलाबेन एम० मेहता ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्रीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्बक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षद्वी के शह निवित में किए जा सकें में।

स्यच्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

मनस्य

फ्लैंट नं० 22, जो, कायस्टल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत नं० 11, जे० वि० पी० डी० स्कीम, गुलमोहर कास रोड सं० 10, बम्बई-49 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/3्रईई/12565/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🖟

तस्य बाईं, टी. एम. एस

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

भायांतय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशिक) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12840/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 40, जो, जी जम्बो दर्शन, 4थी मंजिल, टेरेम फ्लैंट, कोलडोंगरी, संधेरी (पूर्व), वम्बई-69 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-9-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिंधीनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के दामित्य में कर्मी करने हा नसमें बचने में स्विधा के लिए, और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, ख्रिपाने में स्विधा चें सिष्टः

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित विक्तयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती इंदू श्रीवास्तवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीजी० एस० चड़ा।

(अन्तरिती)

की बहु बृहत: बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप र---

- क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सें 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किया है के से उन्हें
- (क) इस स्वेना के राजान के प्रशासन को तारील हैं 45 किमें के शील के कर के 10 जा मा नातवी। किसी अन्य व्यक्ति क्षा किसान के शस निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्याद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद १००० व पर्वास्तित हों. यही अधिहात उपाद राज्या में दिला सका हों!

अगसची

फ्लैंट न० 401, जो, जी जम्बो दर्शन, 4थी मंजिल. टेरेस फ्लैंट, कोलडोंगरी, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि कि सं $\sqrt{37 \cdot 12840/84}$ 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 26-9-1984 को रंजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

मोहर ह

इक्ट् बार् ्टी .एन्. एत् .-----

बायका<u>र</u> विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37—ईई/12567/84—85——अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं० 105, जो, पहली मंजिल, विद्या-दानी को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अक्तरण से हुई जिसी नाव की वावत , उचत वींधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से किए; और/शर

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिख्त व्यक्तियों अधीत :——
6—126GI]85

(1) मेसर्स इंडिको कन्स्ट्रक्णन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० स्रार० शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏗--

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लैंट नं \circ 105, जो, विद्यादानी को-ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि , सहार ह्विलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), वस्वई-69 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12567/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक: 3-5-1985

प्रस्य बाह्ये हो एन एस ...-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश मं ० ग्रई-2/37-ईई/12570/84-85--ग्रतः म्झे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 302, जो तीसरी मंजिल, राजेन्द्र को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सहार रोड, वकाला, स्राधेरी, बम्बई-99 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधि-नियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में सुविधा के निष्: और/था
- (वा) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेनर्स स्रोमेवन बिल्डर्स एण्ड कन्स्ट्रक्टर्स । (स्रन्तरक)
- (2) श्री एस० वी० कोवरेकर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप हु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुस्ची

"फ्लैंट नं० 302, जो, तीमरी मंजिल, राजेन्द्र को-भ्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, वकाला, श्रंधेरी (पूर्व), वम्बई— 99 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/12570/84- 85 ग्रांर जो मक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 17-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12571/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो, दूसरी मंजिल, राजेन्द्र को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सहार रोड, चकाला ग्रंधरी, बम्बई-99 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

बतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्निनिवित स्पितियों, अर्थात् (——

- (1) मेसर्सं ग्रोमेक्स बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रंब् केन के० जॉन्स । (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 202, जो, दूसरी मंजिल, राजेन्द्र को-स्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सहार रोड, चकाला, स्रंधेरी, बम्बई— 99 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{12571}{84}$ $\frac{1}{85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{17-9-1984}{8}$ को रिजस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायकः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🐠

एक्न बार्ष डी एन एड .-----

बाम्प्तर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्धा 269-व (1) के वधीय सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निवेश सं० ग्रई- $\cdot 2/37$ -ईई/11064/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्तात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर िसकी सं० यूनिट सं० 77, जो, तीसरी मंजिल, रत्नज्योत इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, इर्ला गाव ठाणा विले पार्ले (पूर्व), बम्बई 56 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ज अधीन, निम्निसिखिल व्यव्तियों अर्थात् :—— (1) श्री स्ननुपकुमार पी० दोशी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० पी० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण 3—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होना औ उस वध्याय में दिया गया है।

जन्स् ची

"यूनिट सं० 77, जो, तीसरी मंजिल, रत्नज्योत इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, हर्ला गावठणा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37/11064/84 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 3→5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड्. टी., एन. एस. ५ - - ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ई बम्बई, रिनांक 3 मई 195

निदेश सं० ग्रई- 2/37-ईई/12590/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 12, जो, दूसरी मंजिल, झुनोबिया इमारत, प्लाट सं० 8/1, जे० वी० पी० डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अपितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उसने बचने के हुविधा के लिए; करेर/मा
- (क) एति किसी आय सा किसी अन राज्य के करणे को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिमान्टे के सुविधा के निए;

बतः बब, उक्त नाभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्निचिखत व्यक्तियों, क्षार्ति :---

- (1) श्री राजीव प्रभुदास मांडविया ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री राजेश नारंग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त मधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 12, जो, दूसरी मंदिल, झुनोदिया इमारत, प्लाट सं० 8/1, जें० वी० पी० डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र $\frac{1}{2}$ श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

महिर 🛭

प्रक्ष बाह् . टी . एन् . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/12098/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दाय,

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिपकी सं ० प्लाट सं ० 411, रिटी सर्व सं ० 1541 (ग्रम)
1560 (ग्रम), 1561 (ग्रम), ग्रांर 1562 (ग्रम), मंगल प्रभा श्रपार्टमेट, गुजरार्तः मंडल रोड सं ० 4, विले पालें (पूर्व). वम्बई-57 में स्थित हे (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिस्ता करारनामा ग्राय्वर ग्रिटिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अन्तरित लिए की गई विश्वास करने मुभ्ते यह का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण स हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा अक्टिंग्, और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् हो—

(1) श्रीवसंत एम० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीना डी० जोशी ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अनक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अन्स्ची

"प्लाट सं० 411, जो, एस० सं० 1541, 1500, 1561 (ग्रंग) ग्रीर 1562(ग्रंग), विले पार्ले (पूर्व), गुजराती मण्डल रोड सं० 4, बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सल श्रई-2/37ईई/12098/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 11-9-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एव . एस - ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1)** के अधीन स्चना

बारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/11474/84-85--- श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी फ्लैट नं० 19, जो बी-इमारत, सुखदायक को--ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बांगित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए वौर/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए:

बतः अब उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) न्हें बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्मात् 🖫---

(1) श्री जवाहर सिंग एन० ग्रानन्द।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जैन जवादवाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा**:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 19, जो, बी–इमारत, सुखदायक को० म्राप० हा उसिंग सोसायटी लि०, ग्रंधेरी (पूर्व), वम्वई- 59 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई,−2/37ईई/11474/84*−* 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाई ु टी., एन., एस.,-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेण सं० ग्रई-2/37-ईई/12726/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट सं 12, जो, सित्वर बीच को ग्राप हाउसिंग सो मायटी लि जि गुलमोहर कास रोड सं 12, जे वी जी बी चि कि चि में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रामुम् में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984, को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्युत अन्तरण की किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्युत अन्तरण

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कुछ देने के बन्तरक की दायित्य में कमी कुछने या उससे बचने में सृद्धिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या भन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः तथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थाकु:--

(1) श्री पी॰ के॰ झचरीहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता ग्रौर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता ह्रं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में धरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 12 जो, सिल्वर बीच को०—ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, गुलमोहर कास रोड सं० 12, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई+49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं ० सं० ग्रई-2/37ईई/12726/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टार्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 3-5-1985

मोहद् 🕄

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12639/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इरो-लेटट विला, प्लाट वेअरिंग सी० टी० एस० सं० 976, एस० सं० 16, एच० सं० 4, जुहु विलेज, बाम्बे फलाइंग क्लब के पास, बम्बई—49 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयं, —बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21—9—84,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है

- (क) वंतरण संहुई किसी नाय की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: वरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ संगरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सृविधा स्वै सिद्ध;

कतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बन्सरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को वधीन, निम्नलिखत व्यक्तिकों, वर्षात डि— 7—126GI[85 (1) मेसर्स इरोलेटटे इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा वालाजी ग्राँर श्रीमती एस० के० बालाजी (ग्रन्तारती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के स्वप्त्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदृष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

न्यच्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लट सं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इरोलेटट विला, प्लाट बेअरिंग सी० टी० एस० सं० 976, एस० सं० 16, एच० सं० 4, जुहू विलेज, बाम्बे फ्लाइंग क्लब के पास, बम्बई—49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/12639/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्वर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रजील र्रोज-2, अस्वर्ष

वमवर्ड, दिनांदा 8 मई 1985

निदेश मंश जहीं-2/37ईई/12887/84-85—अत: मुझे. लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के दाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसती पंज पर्नैट संज 4, जो, 4थो मंजिल, भारती अवार्टमेंटस-सी, 1290, शेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में विजित है). श्रीप जिसता करापनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकाणी के कार्यालय में रिजर्टी है, दिनां : 28-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कांथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंक्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा केलिए:

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निधनिकिक व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) नवभारत डेवलोपमेंट कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्रीमंती साइदा अब्दुल्ला मुकादम । (ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होक जो उक्त अध्याय में दिया नेया है:

अनुसूची

फ्लैंट सं० 4, जो, 4शी मंजिल, भारती अपार्टमेंटस— मी०, 1290 शेर्ली राजन रोड, बांद्रा, वम्बई—50 में िथत है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12887/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक <math>28-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 8-5-1|985 मोहर :

प्रस्य बाइ .टी.एन.एस. ------

थायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12447/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट सं० 302, जो, तीसरी मंजिल, इरोलेट विला, प्लाट सं० सी० टी० एस० 976, एस० सं० 16, एच० सं० 4, जुहू विलेज, बाम्बे फ्लाइंग क्लब के पास, बम्बई—49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनाम। आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिक री के कार्यालय, वम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 14—9—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्हिस में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविभा के लिए; बीर, 'मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

सत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बन्दरूष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्ः⊶ (1) मेसर्स इरोलेट इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० फर्नांग्डीस ग्रौर श्री आर० एल० फर्नांग्डीस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपन्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कामें।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बा उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिश सना है।

वनुसूची

फ्लट सं० 302, जो, तीसरी मंजिल, इरोलेट विला, प्लाट सं० सी० टी० एस० 976, एस० सं० 16, एच० सं० 4, जुहु विलेज, बाम्बे फ्लाइंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37ईई/12447/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9- 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, वम्बई

तारीख 8-5-1985 मोहर: प्रस्थ बाह . टी. एन. एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/10592/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 32—सी, जो, कनरा गाँड सारस्वत को०आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सरस्वती बाग, इस्मालिया विलेज, जोगेण्वरी (पूर्व), वम्बई—60 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7—9—1984,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हाइ किस गाय की बावत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—— (1) श्री केंग्रव दत्ता कारे ग्रीर श्रीमती शालिनी केंग्रव कारे।

(अन्तरक)

- (2) श्री राजेन्द्र सिग सी० कुशवाहा । (अन्तरिती)
- (3) अ पी० आर० वाघ, व, श्री टी० टी० निकम, क एस० एम० जयकर, ड श्री एस० वी० मोहिते, ग्रीर इ श्री ए० वि० कुलकणी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान स्थानि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जां उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट सं० 32-सी, जो, कनरा गाँड सारस्वत को० आप० हाउसिंग सोसाये-ी लि०, सरस्वती, वाग, इस्मालिया विलेज, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/10592/84- 85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हारा दिनांक 7-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण २ स सक्षम प्राप्त हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5+1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12462/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 71, जो 6वी मंजिल, इमारत सं० 16, एस० सं० 41, विलेज स्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्वरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करास्तामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, विनाद 🖫 - 🐠 🖖 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को बन्तरित लिए गइर यह विद्वास करने का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एंसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया ₹ ∷—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- ्ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया श्रीजाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्च के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ()) के अधीन, निम्नलिक्टिन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री शकील अब्बास खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :- ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्नैट सं० 601. जो, 6त्रीं मंजिल, इमारंत सं० 16, एस० सं० 41, विलेज ग्रोजिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि करु संरु अई-2/37-ईई/12462/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के निधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बर्ड बस्बर्ड, दिनांक 8 मर्ड 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईर्5/11065/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पत्रैंट सं० 603, जो, 6वीं मंजिल, इमारत सं० 14, एस० सं० 41, विलेज ग्रोजिवरा, वेहराम बाग के पीछे, जोगेववरी (प), वम्बई-62 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावह अप्सूर्ची में ग्रौर पूर्ण क्य से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयवर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अबीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे छ्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्रत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-निव्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय लायकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 1!) वा उक्त अधिनियम, या धनकर लिधिनियम, या धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के विधीन . निम्निलिखित यिक्तयों, विधीत .—

(1) श्री जियाउदीन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एच० हमीदुद्दीन ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्मित्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में के कि भी बाध्येष्ट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लट सं० 603, जी, स्वीं मंजिल, इमारत सं० 14, एस० सं० 41, विलेज श्रोकिवग, बेह्राम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि सं जिई-2/37-ईई/11065/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- श्र (1) के बधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, वम्बई वम्बई दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12707/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 401. जो, अथी मंजिल, हमारत सं० 9, मिल्लात नगर बेहराम वाग के पीछे ग्रोशिवरा, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विण्त है) ग्राँर जिसका करा-कामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिविक रूप से किश्रत नहीं किश्रा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवध के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खे लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः (1) श्री जियाउद्दीन वृखारी ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ मोहम्मद मोहसीन सैफी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिध् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकांग्रे।

स्थब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

श्रन्सूची

"फ्लट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० 9, मिल्लात नगर, बेहराम बाग के बीछे, ग्रोशिवरा,जोगेश्वरी (प), बम्ब -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/12707/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

And the second designation of the second of

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) अजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12610/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं पलैट सं 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं 19, एस० सं 41, विलेज स्रोशिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रांर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19—9—84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी श्रन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य भनकर अधिनियम, य भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;
- सृत्वभाकाः स्ट्रः

(1) श्री जियाउद्दोन बुखारी

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती सविरा इस्माईल खान ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

"फ्लैट सं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० 19, एस० सं० 41, विलेज श्रोशिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-2/37-ईई/12610/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में इफ्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नुमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 8-5-1985

प्रारुप आई. टी. एस. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12611/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्षमण दासः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० 19, एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा, देहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीक्षित्यम 1961 की घारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-9-1984,

कां पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान न्य्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृनिधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :——
8—126GI/85

(1) श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सलाउद्दीन इस्माईल खान।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्स्पी

फ्लैट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, **इमारत सं० 19,** एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा बेहराम वाग के **पीछे, जोगेश्वरी** (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/12611/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

मोह्नर :

प्ररूप. बार्च. टी. एन्. एस.: ----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयवःर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसारा उचित्र बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० पलैट सं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० 15, एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाम आयकर अधियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल में, एसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रीधिन्यम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ब्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः धन, उक्त विधिनियम वर्ग भारा 269-ग के बनुसरण बैं, मं, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिखित व्यक्ति शें, अर्थात :-- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रन्वर गनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारो।

क्ष्यच्दीक्षरण:--ध्समी अयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता, जो उस क्षाप्य की दिस्स स्था हो।

वन्स्पी

पलैट सं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० 15, एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० गर्र-2/37-ईई/10587/84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🚁

प्रकल बाई. टी. इन्. एक्. - - - - -

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन स्थना

भारत बरकार

कार्यां नय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12509/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास्

कामकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ४म ६ इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' बह्य गया है, की भार 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 204, जो, इमारत सं० 14, दूसरी मंजिल, एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा, देहराम बाग के पीछे, ओग श्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है बार बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्षिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाधितक को कभी करने या उससे बजने की त्विका के किए की:/श
- (ख) एंबी किसी बाव वा किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

भत: सब, उका सिपीनयम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उत्रत प्रीविन्यम की धारा 269-थ की उपधार (·) अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुहैल ग्रब्दुल जब्बार शहाबझकर। (ग्रन्तरिकी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (थ) इस स्चना के राजपश में प्रकाशन की तारी श के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषिट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिटा स्था हैं।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 204, जो, दूसरी मंजिल, इमारत स० 14, एस० सं० 41, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/12509/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप गाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

वम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37-ईर्ड/12470/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट सं० 102, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 6, एस० सं० 41, विले ज ओणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनायम 1961 की धारा 269 कछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 15-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान ग्रातिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ग्रापा ग्राया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश से उक्त कन्तरण लिखत में वास्तिकक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- [क्रॉ) बन्तर्थ वं हुई किसी बाब की बरवत्, उक्ट कछिन्वम के ब्रामीन कर देने के बन्तरक के दाबित्व भी कली करने गा उससे व्यने में सुविधा के विद्; क्रांप्र/कः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, ६९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६०२२ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हनीफ मोहम्मद हबीब। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उवत सपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ को उस अध्याद में दिया गया है।

वन्ययी

पर्लंट सं० 102, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 6, एसं० सं० 41, विलेज ओणिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगे- श्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० सं० श्रई-2/37ईई/12470/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्ट किया गया है।

लक्ष्मग्र दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजॅन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाक 8 मई 1985

निर्नेश सं० अई-2/37-ईई/12665/84-85- - अतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मार जिनकी सं० पलैट सं० 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सं० 9, एस० सं० 41, विलेज मोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगश्वरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (मार इससे उपाबढ़ अनुसूवी में मोर पूर्ण का से वाणत है), मौर जितका करारनाम अधिकर अविनियम 1961 की धारा 269 कख के अवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 21-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जियाउद्दीन
- (2) कृल्सुम्बी गुलाम मोहम्मदपरकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

फ्लैप्ट सं० 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सं० 9, एस० सं० 41, विलेज स्रोशिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगश्वरी (प), वम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई 2/37ईई/12665/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21- 9- 1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

मोइरु 👢

प्रकृष बाद् टी. एन. एख. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत हरकार

कार्यालय, सहाबक बावकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, वम्बई

त्रम्बई, दिलाक 8 मई 1985

भिर्देश स० अई-2/37-ईई/12680/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इट के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से जिधिक हैं

रः सं० पर्नेष्ट मं० 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सं० 12, एउ० सं० 4:06, विलेज स्रोशिवरा, बहराम वाग के पीछे. बन्नई-58 में स्पित है (ब्रोप इनमे उपावड अनुसूची में प्रोर पूर्ग का न वॉंगत है), ग्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनितम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 21-9-1984 कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्दर्शरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वास्त सपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं , दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकाट से अधिक हु³ बार बंतरक (बंतरकाँ) बार बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष् तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्नोसिखत उत्दोश्य से उस्त बन्तरण बिखित में नास्तिषक रूप से कथित नहीं किया नगा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाजरा, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम मा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मनकर अधिनियम, या मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की गारा 269-व की उपधारा (1) अं अधान, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, नर्थाक् :— (1) श्री जियाउदीन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सजिदा बेगम मैयद रीजवी। (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी क्षिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हित्र द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट सं० 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत सं० 12, एस० सं० 4106, विलेज श्रोणिवरा,वहराम वागके पीछे, बम्बई— 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई 2/37 ईई/12680/84-85 और जो सक्षम प्राविकारी वस्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 8-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12723/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जितकी सं० पजैंट सं० 103, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 13, एस० सं० 41, विलेज ग्रीशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जितका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधितारों के तार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीं है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जियाउददी बुखारीं।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीं मोहम्मद ग्रलींउल्लाह काद्रीं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितडद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट सं० 103, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 13, एस० सं० 41, विलेज ओणिवरा, बेह्राम बाग के पींळे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैता ि क० सं० अई-2/37-ईई/12723/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि शरी बम्बई द्वारा दिनां ह 22-9-1984 को रजिस्टर्ड फिया गणा है।

> लक्ष्मण दास सञ्जाम प्रश्विकारी सहाय : आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

^रदनांक : 8-5-1985

प्ररूप बाइ .टी. एन. एश . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, जम्बई

वम्बई, दिनां 8 मई 1985

निदेश मं० ऋ**ई** $\sim 2/37$ —ईई/12781/84 ~ 85 $\sim - ऋतः मुझे, लक्ष्मण दाम.$

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकीं सं० फ्लैट सं० 602, जो, 6वी मंजिल, इमारत सं० 9, एत० सं० 41, विहलेज ओजिया, वेहराम धाग के पींछे जोगकारी (प). ब व्हर्ष .58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मृतुम् वीं में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिज्ञका अरारतामा प्रायकर प्रवितियम की धाण 269 एख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारों के ार्या वय बस्बई में राजस्ट्री है, दिनां . 24-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित के बासाविक रूप में कियत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सविषक्ष के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1927 धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कि नने में भविधा के लिए;

मतः बन्नः, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नथीत् :— (1) श्री झियाउददींन वुखारी ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीमती यसिना जे० खान ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन' की अर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

अनुसूची

"फ्तैट सं० 602, जो, 6वी मंजिल, इमारत सं० 9, एस सं० 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पींछे, जोगेश्वरीं (प) बम्बई-- 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाति क० सं० अई-2/37ईई/12781/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनां 24-9-1984 को रजिस्टर्ड सिया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), ऋर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप. बाईं. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नम्बई

बम्बई दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 12782 /84-85 -- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास-करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० र 704, जो 7वी मंझिल, इमारत नं० 2, एस० नं० 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पिछे, जोगैश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 22 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्न संपत्ति के उचित बाजार श्र्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार श्रृत्व उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह श्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्धरिती (अन्तरित्तीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया ग्रहा दितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित अं वास्तिक इस से अन्तर अन्तरण लिखित अं वास्तिक इस से अन्त अन्तरण लिखित अं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृतिशः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निस्पाने में सुविधा से लिए;

जतः जबं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्योंक्तयों, अर्थाव :---

(1) श्री, झियाउददीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिझवाना शेख ए, खान ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है है है विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, सो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पीत में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ तिश्वित में किए जा सकोंगे।

स्वक्ष्मीकरण:----प्रतमें प्रवन्तः शरदों शीर पदों का, जो उक्तः जिभिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जध्याम में विका एला हैं।

त्रन्सूची

"फ्लैट नं० 704 जो 7वीं मंजिल, इमारत नं० 2, एस० नं० 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० म्रई-2/37-ईई/12782/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22 सितम्बर 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप बार्घ. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37—ईई/12795/84-85—-म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । अके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९०-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मृक्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो 6वीं मंजिल, इमारत नं० 2, एस नं० 41, व्हिलेज ओणिवरा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है दिनांक 24 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार बूल्य, स्वसके द्रश्यमान प्रतिफल सो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्निविक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बिह्न में वास्तिक स्थान स

- (क) अन्तरक **डे हुई किशी बाव की बावत, उपछ** श्रीधीनकम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे तचने में सुविधा के निष्; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया वाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए;

क्षतः अय उनल निधनियम की धारा 269-भ के नमुक्रपण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मैं नधीर पिम्नीलिखत व्यक्तियों, नर्मात है—— (1) श्री जियाउददीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रूबाबा ग्रहमद खान।

(ग्रन्तरिती)

भा कह बूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्मरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दियं की जनींथ या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामीज से 30 दिन को अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूनों कर व्यक्ति स्वयों में से फिसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधरी के पार
 सिसित में किए जा मकोंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रवृक्त कर्ना वीर वर्षा का, को सक्क विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया सबाही।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 601, जो 6वीं मंझिल, इमारत नं० 2, एस० नं० 41, व्हिलोज ओशिवरा, बेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं अई-2/37—ईई/1279584-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांकः- 8-1985 मोहर ध प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारतं बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज•2 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 11103/84-85—ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पर्लंट नंव 303, जो तीसरी मंझिल, इमारत नंव 7 सर्वे नंव 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प), बम्बई-48. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 10 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं धुर् किती जाय की वायत, उक्क जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कवी करने वा वक्क व्यव में मूं विभा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिको की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में श्रोकेश के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री झियाउदबीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिक्का ग्रब्दुला हुसेन उर्फ बचुभाई एचं ध्रिजनियर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डितिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

"फ्लैंट नं० 303, जो उसरी मंझिल इमारत, नं०7 सर्वे नं० 41, व्हिलेज ओशिवरा, देहराम दाग के पृष्टे जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं अई-2/37अईई/ 11103 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10 सितम्बर 1985 को राजस्टई किया गया

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2 बम्बर्ड

दिनांक : 8-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/11058/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ं पलैट ने 38, जो ए/1, अर्वसू को-आपरेटिव सोसायटी ग्राउंड पलोग्रर, सांताकूक्ष टी ं पी ं एस 6 बम्बई—59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर ग्रिक्षित्तयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 7 सितम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या असकर अधिनियम, या असकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कार्थात् :— (1) श्रीमती एन० एम० नेस्रकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी रंगनायकम्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 38, जो ए/1, श्रदंस्, को श्राप० सोसायटी भाउंड फ्लोग्रर सांताक्ष्म (प), टी० पी० एस० 6, बम्बई-59 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसाकी ७० सं० ग्रई-2/37—ईई/1058 84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक ७ सितम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक :- 8-5-1985 मोहर : प्रकृष बाइ .टी. एन्. एस . -----

, , , , , ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज न रेंज 2 बम्बई बम्बई, दिनक 8 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/10579/84-94-- π तः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्रोफिस नं० 2; जो दूसरी मंझिल, श्री बालाजी दर्शन तिलक रोड, साताकूझ (प), बम्बई—54 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5 सितम्बर 1984

को नुर्वोक्षत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम अपित्र के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भूति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; बार/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, कें, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान:——

(1) भगवती बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) (ग्र) शेष नारायण सी शुक्ला (ब)जगपपाल सी० शुक्ला, और

(स) इंद्रपाल सी० शुक्ला।

(स्रतरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्किय में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

श्रनुसूची

"श्रोफिस नं० 2, जो 2दूसरी मंझिल, श्री बालाजी दर्शन तिलक रोड, सांताऋझ (प). बम्बई-54 में स्थित है अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/ 10579/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बम्बई

निनांक : 8-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. - - --

(1) मैं सर्स संकेत बिल्डर्स।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) डा मोहन एस० देशपांडे।

(ग्रन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 12706 /84-85 -- ग्रतः मुझे लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो चौथी मंझिल, निर्माना-धिन इमारत एफ० पी० नं० 1262(ए), टी० पी० एस, 4, माही म, प्रभादेवी, वम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ब्रधीन सक्षम प्रायधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरवमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख वो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाब की बावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्दरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसे किसी बाद या किसी धन या अन्य कास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ **अ**न्तरिती द्वारा प्रकट नही किया ग**रा था या किया** जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैट नं० 11, जो चौथी मंझिल, इमारत एफ० पी० नं० 1262 (ए,) टी० पी०एस 4, माहीम, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/ 12706 84-85 ग्रौर जी सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 22 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायुकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर 🔅

प्ररूप. बाइंटी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकन (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 मई 1985
निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 20517 /84-85--- ग्रतः
मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रोफिस नं० 2 , जो दूसरी मंझिल, श्री: बालार्ज दर्शन रिल्क रेड़. सांतात्र्झ (प). बग्वई—54 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 4 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचि । बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ज है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ये । पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से लिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय काया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) भगवाती बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री शेवनारायण सी० शुक्ला, श्री जगतपाल सी० शुक्ला, ग्रीर श्री इंदरपाल सी० शुक्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"ग्रोफिस नं० 2, जो दूसरी मंझिल, श्री बालाजी दर्शन, तिलक रोड़, सांताकूझ (प), बम्बई-54 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37-ईई/ 10517 84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4 जितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ(युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

भोहर 🤃

(जिसे इसमें

नितम्बर 1984

परूप कार'. टी. इन. एवं.-----

अस्यकार मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 10491 /84-85--- ग्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **धसके** पश्चात् 'उक्त ओधनियम' कहा गया हैं), की धारा

१६**० म** के १८८१ मध्य प्राधिकारी का , यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्मि जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

श्रोर जित्तकी सं० फ्लैट नं० 4 जो, पहली मंझिल, सागर संगीत इमारत जागर संगीत को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिंग, जह बग्बई में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्षित है), ग्रौर ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधितियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालयब बम्बई 1 में रजिस्ट्री है दिनांक 7

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिभियों) कं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-शिक रूप स कॉयत नहीं किया गया है:-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (६) एसी किमी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अर्धान . निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात :---

(1) श्री मुक्त घोष ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी यशस्वीनी मर्चन्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

ल्पचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

मन्स्ची

"फ्लैट नं० 4 जो पहली मंझिल, सागर संगीत इमारत सागर संगीत को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰, जह बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क ० एं० अई-2/37-ईई/ 10591 84-84- श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो वम्बई द्वारा दिनांक 7 सितम्बर 1984 को रिजस्ट्रीर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/12677/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंझिल, शाले रॉक प्लाट बेग्ररींग सी० टी० एस० नं० सी-41, सोमनाथ लेन, बांद्रा ग्राफ हिल रोड़, बम्बई-50 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबंद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है ग्रौर जिसका करारनाम ग्रायकर ग्रिधनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षमप्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्ट्रिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स डिलाईट इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

- (2) द्यी परवाझ सी स्राफ श्रौर गुलशन सी० स्राफ (श्रन्तरिती)
- (4) मैं सर्स जी० एस० विल्डर्स। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लैंट नं० 301 जो तीसरी मंजिल शाले रॉक प्लाट बेग्ररींग सी० टी० एस० नं० सी-41 सोमनाथ लेन, श्राफ हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकी क० सं० ग्रई-2/37—ईई/12677/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21 सितम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2 बम्बई

दिनांक :- 8-5-1985

मोहर :

10--126GI|85

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/12561/84-85--ग्रतः मुझे. लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट बेग्रगींग नं० 24-ए, ओ टी० पी० एस०, नं० 3, ग्रीर स्ट्रीट नं० 58, वि० पी० रोड़, ग्रीर सी० टी० एस० नं० 1255 विले पाले (प), वस्वई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका कररनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 259 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :----

(1)सूर्यकांता आर० गहा ,
राजेंद्र कुमार जी गहा,
केतन राजद्र कुमार गहा और
पदमावेन स्नार० गहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं शहाईन बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हायेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्लाट बेग्नरिंग नं० 24 ए, टी० पी० एस० 3, स्ट्रीट नं० 58, वि०पी० रोड़ ग्रौर मी० टी० एस० नं० 1255 विले पार्ले (प). बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं ग्रई-2/37-ईई/12561/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21 सिनम्बर 1984 को रिजस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, वम्बई

दिनांक :- 6-5-1/985

प्रक्ष बाईं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2 वस्वई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ई-ई/12557/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, सी एस० एन०नं० 439, विड्नेज कोंडिविटा गावठाण, जे० जी० नगर, 60 फीट डी० पी० रोड़. श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसवा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम को धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

क्षिं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्-प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनवस के अधीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1933 की 11) या उनत मिर्मिनयम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए बा, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-व के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात् ध—- (1) श्री गणेश डेव्हलोपर्स।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलादेवी स्रार० नाइक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंड सूचना ए राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ता किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर शम्पत्ति में हितबढ़ किसी . अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पान (लखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त शक्यां ग्रीर पदा का, जा उक्त श्र श्र-नियम के अध्याय अक्त में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

अपृत्य

''दुकान नं० 2, जो सी० एस० नं० 437, ब्हिलेज कोंडिविटा मावठाणा, जे०बी० नगर, 60 फिट डी० पी० रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई–59 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-2/37ईई/ 12557 / 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज -2 बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🖁

प्रकम नाइ'. टॉ. एन. एव.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/1258/84-85- -म्रतः मुझे लक्ष्मण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को आस् 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक हैं

100,000/- रु. स आधक ह और जिसकी संब दुकान नंव 5, जो सीव एसव नंव 439, व्हिलेज कोंडिविटा गावटाण, जेव बीव नगर, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई—59, में स्थित है (ग्रीर इमस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विगत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा क के ग्रंधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजरट्टी है दिनांक 17 कितम्बर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम्र पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए: बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थाद क्र—

(1) श्री गणेश डेव्हलोपर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुखदेव निंह भाटटी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मन समाप्त होती हो, ले भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस अं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें अयुक्त शब्दा आर को का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-रह में परिसाफित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो जम अध्याय में दिया गया दं।

ननुस्**ची**

"दुकान नं० 5, जो सी० एस० नं० 439, व्हिलेज कोंडिविटा गावटाणा, जे० बी० नगर, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई 59 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37–ईई/1258/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 मितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 वम्बई

दिनांक: 6-5-1985

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/10566/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 15 ए, जो, लक्ष्मी इस्टेट, ग्रोल्ड नागरदास रोड ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई—69 में स्थित है (ग्रौर इससे हैं उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984,

- का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उच्च बन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कांधित हों किया नवा है है—
 - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर क्षेत्रे के बन्तरण क शियल में कमी करने वा लक्षत्र बचने में मुविध। के लिए; बाँग्/या
 - (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

नतः अव, उस्त नियानयम की भारा 269-ग के अनुसरण मां, मां, उस्त नियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिस न्यक्तियों, अथारि : ---

- (1) बाल्लेस फ्लोअर मिल्स कम्पनी लिमिटेड । (अन्तरक)
- ् (2) श्री अशोक एम० एच० भावनानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में क्षकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुचा

"फ्लैट सं० 15-ए, जो, लक्ष्मी इस्टेट, ग्रोल्ड नागरदास रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/10566/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मारकार किंपिनियम 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज—2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेण सं० अई-2/37-ईई/10595/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलेष्ट मं० 406, जो, 4थी मंजिल, पुष्पक अपार्टमेंष्ट, फायमल प्लाप्ट सं० 147, टी० पी० एस० सं० 5, मालवीप रोड, विले पार्लो (पूर्व), वस्बई—57 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारतामा अप्य हर अगितियम की श्रारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5—9—1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हां कि प्रधापुर्वाकत संपंतित का लोचत बाजार मूल्य असके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्व, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिकिक रूप से क्रीध्त नहीं किया मुना है:---

अन्तरक से हुई कियी बाद की बाबता, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायरन में कमी करने या उससे बचने में सविधा

(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं 'किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

थ्रुक्ष, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरक्ष मं, मं सक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मेसर्स जयश्री बिल्डर्स (इण्डिया)

ं (अन्तरक)

(2) श्रीमती माया दिपक डबीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वांकत संपरित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमा प्रयुवत सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया नया है।

बनस परि

फ्लैंट सं० 406, जो, 4थी संजित, पुष्पक अपार्टमेंट, माल-वीय रोड, "फायतल प्लिट सं० 147, टी० पी० एस्० सं० 5, विले पालें (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि कि नं अई-2/37ईई/10595/84-85 ग्रोर जो तक्ष म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी क आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मांहर 🐑

प्ररूप बाह्र टो.एर.एस .----

बायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्बनियः सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० सं० अई-2/37-ईई/11096/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० डी-401, जो, 4थी मंजिल कल्पीला एन्क्लेब, सहार रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984

को पूर्वोक्त स्म्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी आग की शबत उक्त जिम्मियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जरि/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी, धन या अन्य नास्तियों को, हिन्ह भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के सिष्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वल्लभभाई हंसराज भिस्ती।

(अन्तरक

(2) सौ० अनुराधा ए० फाटक ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गवा हैं:

वब्स्या

"फ्लैंट सं० डी-401, जो, 4थी मंजिल, कल्पीता इन्क्लेव, सहार रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11096/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/10623/84-85---अत: मुझे लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान सं० 7ए. जो, ग्राउण्ड फ्लोर, आनन्द भुवन, बजाज रोड, विले पार्ल (८). बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण कार में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि अथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, टिम्नोलिंगत उद्देश्य रें उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण मं हुई किमी प्राय की बादन. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती कौजिल्या आनन्दराम वासवानी ।
- (2) श्री वसवन्तराय मृलजीमाई गांधी. श्री शांतीलाल रावजीमायी माल्ड. ग्रांट श्रीमती भानुमती अन्पचन्द महता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

ग्रन्सुची

"दुक्तान सं० 7ए, जो, प्राउण्ड पनोर, आनन्द भुवन, वजाज रोड, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/3कईई/10623/84-85 और जो सअस प्राधिकारी, बन्यई दागा दिशांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है!

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्ररूप बाईं.टी. एन. एस. -----

भायकर क्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12753/84-85-मतः भुने, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह किरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० माला स० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर 8-की इमारत, समहिना बेग्ररहाउसिंग काम्प्लैक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ कुर्लाः अंधेरी रोड, बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुस्ची मैं और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन, दिनांक 22-9-1984,

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विस्थाध करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उरुके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया जितफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिक रूप में किश्रत नहीं किया गया है है—

- (क्क) अंतरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उपत बीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) मैसर्स एम्बी कन्स्ट्रवशन कम्पनी प्राइवेट लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) इकानामिक ट्रांसपोर्ट श्रारंगेनायजेशन । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि कि निम्म, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

गाला सं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, 8-वी इमारत, सहम-हिता बेग्ररहार्जासग काम्प्लेक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ कुर्ला अंधेरी रोड, बम्बई-69 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि कि स्रई-2/37ईई/12753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

शोहर :

प्रकल आई.टी.एन.एस.----

भागकर विधिनियमः, 1961 (1961 का.43) की भारत 269-म (1) में नुषीत सुक्ता

ब्रारक सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायूबर (निर्देशक)

ग्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12752/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के विधीन सम्भन्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं माला सं 9, जो, प्राउण्ड फ्लोग्नर, 8-बी, सर्माहता बेग्नरहार्जासग काम्प्लेक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ कुवर्ला— अधेरी रोड, बम्बई—69 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीविनयम की घारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के काम्बलिय, बम्बई में राजस्ट्री है, दिनांक 2-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, विम्नतियोंत उद्वेश्य से उस्त अन्तरण निवित्त में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उस्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के तिक्; और/बा
- (क) श्रेसी किसी बाय वा किसी अन मा बन्य आस्तियों को, चिन्हें आहरतीम् बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत् वधिनियम, वा अनुकर वधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था छिपाने में खे बिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मेसर्स एम्बी कन्स्ट्रवशन कम्पनी प्राइवेट लि०। (म्रन्तरक)
- (2) महाराष्ट्रं परीवहन प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारौं करके पूजेंक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी बाशेप हु---

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकाशन की तारीव में 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन।के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए का सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो सक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, जहीं जर्भ होगा, जो उस सध्याय में दिवर कार ही।

नन्सची

माला सं० 9,जो, प्राउण्ड फ्लोग्रर, 8-बी, समहिता बेग्रर-हार्जासग काम्प्लेक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ बुर्ला-अंधेरी रोड, बम्बई-69 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ग्रईई/12752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 जको रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निक्षिण), म्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रस्प बार्ड .टी .एन .एड .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के ब्रांगित सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बर्म्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ग्रईई/12754/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं माला सं 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, 8-बी समंहिता बेग्ररहार्जासग काम्प्लेक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ कुर्लाअंधेरी रोड, बम्बई-69 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा
ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-84,
को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अस्मान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्मान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया
प्रतिफल निम्नलित उद्देश्व से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कि शित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप संहुर फिसी बाद की बावस्त, संबंध इपिनियम के द्योन कर दने के बन्तरूक के स्वित्य में कनी करने वा उससे बजने में हुर्तिया के जिए; बोड़/बा
- (क) एसे किसी बाद वा किसी पन वा बन्ध बारितकों को जिन्हों भारतीय जादकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या चक्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिया की किए;

अतः अब, उक्त बिधिनियम की धारी 269-ने के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभास (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात् है——

- (1) मेससं एम्बी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लि॰ । (मन्तरक)
- (2) इकानामिक ट्रांसपोर्ट भारगनायजेशन । (भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सुन्तित के वर्षन के विश्व कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत राम्पति के नुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र है---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीब हैं।
 45 दिन की व्यपि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दूव
 स्वना की तानील से 30 दिन की व्यपि, को की
 वेदिश नाद में समाप्त होती हो, के भारत प्रवेशिक्य
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन, की तार्रीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थाति में हितबद्व
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 निवित में किए वा सकेंगे।

स्वाचीकरण : इसमें प्रयुक्त बुद्धों नींद्र पर्यों का, वो उपह नद्देशनियम के बच्चाय 20-क में परिप्राधित हैं, नहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गुवा है।

जन्स् ची

"माला सं 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, 8-बी, समहिता वेग्रर-हाउसिंग काम्प्लेक्स, विलेज मोहिली, ग्राफ़ कुर्ला अंधेरी रोड, बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के० सं० अई-2/37ईई/12754/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

माहर 🛭

And the state of t

प्ररूप आई.टी.इन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वाबकर वाबुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जल रेज-2, बम्बई शम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं० मही-2/57-ईडी 10418/84-85--मतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 43, जो, 'ए-बी' इमारत, पहली मंजिल, रतन ज्योत इण्डिन्ट्रियल इस्टेट, कुर्ला गावठाण, विले वार्ले (प), बम्बई-56 मंस्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुद्धी में ओर पूर्ण एप से वाणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बग्बई में राजिन्ट्री है, दिनांक 1-9-1984, को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मन्य से कम के क्याकाल

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उन्ति बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्राण प्रतिफल के लिए अन्ति नि द्वी अर्थ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि द्वार्थापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निय्मान्यों का उद्युविक से उन्तर बन्तरण नियमान्यों का उद्युविक से उन्तर बन्तरण नियमान्यों का निष्ति नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइ किसी आव की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए;

कतः त्रथः, उपत शर्मिः स्थानी असं १७७० के अनुसरण मं. मं. उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भग्निलिंसत, व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) मेसर्स ओस्वाल इण्टरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) किर्ती विमजी कोना।

(अन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्बक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा तकेंगे।

स्पब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) यूनिट सं० 43, जौ, "ए-ब", इमारत, पहली मंजिल, रतन ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, इली, गावठण, विले वार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कि ग्रई-2/37ईई/10418/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

प्रकृप आह. टी. इन. इस.----

नायकर विधित्यह, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकाइ

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12987/84-85--अतः **मुझे,** लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० माला सं० 207, जो, न्यू इण्डिया इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंथेरी (पूर्व), वम्बई-93 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-9-1984,

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य सं काम के दश्यकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सरकाति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिकल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत नहीं पावा गया है :——
 - (क) अंतरण स हुई किसी आय की बादत, उक्त ऑपिशियन के क्षीन कर दोने के अन्तरक के गिरित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क्षान्तर, और/का
 - (ख) एसी किरी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने से ब्रांब्या की ब्राया की किया

अतः जब उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राजेश के० शहा ग्रौर श्रीमती हंसाबेन के शहा। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार खंडेलवाल फैमिली ट्रस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाधोप ८---

- (क) इस सूचना के सज्पन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति आ और वर्गा नाद में समान्य होती हो, से भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में दितक्ष हैं पांच किसी कम्प न्यक्ति क्यारा, नभोहस्ताकरी के पांच लिबित में किइ वा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिशा ग्या है।

वन्त् भी

माला सं० 207, जो, न्यू इण्डिया इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (त्रुर्व), बम्बई-93 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/12987/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर ः

श्रुक्त बाद दी एन एस

आयक र निवन्त, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ल (1) के नभीन सूचना

बारत बहुकत

कार्यातव, सहायक वायक र बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12986/84-85--अत,: मुझे, लक्ष्मण दास,

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्त प्राधिकारी की यह विकास करने का धारण है कि स्थानर सम्बत्ति, विश्वका उणित् बाजारु मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं माला सं 207, जो, दूसरी मंजिल न्यू इण्डिय इण्डिस्ट्रियल प्रिमायक्षेस को अन्य स्वास्त्र सियत है (श्रौर इससे जेपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 29—9—1984,

को नुर्वोक्त सम्मित के उपित वाजार मृत्य ते कम के अध्यक्षाय प्रतिकल के लिष्ट्र बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अद्भवें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित वाजार मृत्य, उस्की प्रवचान प्रतिकास से, एते स्थमान प्रतिकास के प्रवद्ध प्रतिकात ते जीवक है और वंतरक (वंतरकों) को बंबरिद्धी (वंतरितियों) के वीच एसे वंतरण के लिए तय वाया यया प्रतिकात दिम्मिनिद्धा उद्देश्य से उस्त वंतरण मिनित में माद्यानिक स्प से कृषित महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तर्युक संबुद्ध किनी आग की बालक, उनस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के नंतरक की बाजित्व में कर्मी करने या उत्तसे वक्तरे में सुविधा के सिए: और/बा
- (क) एची किसी जाय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवास्तिम अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीन, हिन्निसिस

(1) श्री विजय जार० महता ।

(अन्तरक)

(2) इन्द्रकुमार खडेलवाल फैमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचका बारी कर्फ़ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की नवीं में से स्थान होती हो, के भीतर पूर्वों का नवीं में से किसी व्यक्ति इंग्रहा;
- (व) इस सूचना के उत्भवन में अ्कासन की तारीं सं 45 दिन के मीत्र उन्का स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताथरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्पृथ्विकरण : -- इसमें प्रयुक्त शृब्धि गृहि पदों का, श्रो उक्त गृष्टिमयम् के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जों उस कथ्याय में श्रेडणा श्री होंगा जो उस कथ्याय में श्रेडणा

अनुस्ची

माला सं० 208, जो, दूसरी मंजिल, न्यू इण्डिया इण्डिस्ट्रियल प्रिमायसेस को०आप० सोसायटी लि०, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुचर्ची जैसािक कि मंश्र प्रई-2/37–ईई/12986/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बर्ज द्वारा दिनाँक 29-9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वश्मण दाम --सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंन-2, बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाह्र . ही . एव . एत

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सङ्घयकः जायकर वागुक्त (गिरीकाण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 8 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/10469/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 289-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, चिसका उचित् बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 3, जो, 10वीं मंजिल, विग —सी कांती अपार्टमेंटस, माउंट मेरी रोड, बांद्रा (प), बम्बई—50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 3—9—1984,

को गुर्नोतत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वस्थान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह विस्तास करने का कारण है कि बथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकर मृत्य . नमके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयस्य प्रतिक्षय का पंद्र प्रतिकत से स्थित है और बंतरक (मंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीस एसे बंतरण के लिए तब पासा यया प्रतिकल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से स्वतः बंतरण विश्वित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क्क) असरश्य में हुई किसी बाव की बाबत, अवस विधित्यम के अभीत कार देने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे क्यने में सुविधा है भिएए; और/बा
- (व) एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर लिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा मा किया बाग लाहिए था लिगाने में स्विधा खे लिए;

कतः कवः उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियमं की पारा 269-ण की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती शंकुतलादेवी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मान कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बार्री कारके पृत्रोंक्त सञ्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी, जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन को भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित- नच्च किसी नन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औं पास निवित्त में कि ह जा सकी।

मग्यूषी "

"फ्लैंट सं० 3, जो, 10वीं मंजिल, विंग —सी, कांती अपार्ट-मेंटस, माउंट मेरी रोड, बांद्रा (प), वम्बई—50 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—2/37ईई/10469/84— 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3—9—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लंक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंग-2, बम्बई

दिसांक: 8-5-1985

त्रस्य बाइ'् डी. पुरु पुरु

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुमना

पारव जाना

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई जम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37—ईई/12650/84—85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें च्यक परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाकार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं िप्रमायसेस वल्लभभाई रोड में, जो, एस० सं 254, प्लाट सं 1 फायनल प्लाट स 27, टी० पी० एस० सं 1257, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है । ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वीणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 21—9—1984,

को वर्बोक्त बन्धित के उकित वाकार मृत्य से कम के उर्ध्यमान तिए की मर्ड 8, प्रतिकृत के **अम्ब**रित गर मध्ये बह विश्वास करम कि वधापुनिक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान जीतकाल सी, एरेसे उस्त्रमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दोच्य से उचत् बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं निया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई सिसी जान की वानत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरम के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के सिष्; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी ध्व या अन्य वास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया वशा था या किया जाना बाहिए था स्थिपाने में स्विथा में सिद्ध

अतः अव, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण के, जे, अक्स विभिनियम की भाग 269-थ की उपभाग (1) भी वारीय के किस्सीविक्त व्यक्तियों, वंशीय ह— (1) श्री सुलोचना एस० शेठ, सुन्दकुमार शेठ. रिस्सिकलाल पदमाबेन रमेशभाई अमरीतलाल शहा श्रीर रजनीकांत रमनलाल पटेल 1

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एवरशाईन बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को बह बूचना बादी कारके पृत्रोंक्त बंचत्ति से वर्चन के ज़िए कार्यगहियां कारता हूं।

जनत संपुरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारणः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में जिलबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ निस्ति में किए वा सकेंगे।

त्याकरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्छ विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, को उस वध्याय में दिया गवा

- समाची

"प्रिमायसेस बल्लभभाई रोड में, जो. फायनल प्लाट सं० 27, टी० पी० एस० 3, सर्वे सं 254, प्लाट सं० 1, मी० टी० एस० 1257, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12650/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनांक: 6-5-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाद . टी. एन्. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

माउव वरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/11070/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की वार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों सं ं पलैट सं ं बीं o-41, चौथीं मंजिल, "बीं बिल्डिंग, 251, पालीं हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बिणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम कीं धारा 269 कख के अधींन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीं है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशव से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अगर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, डक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरम मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क रूपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 12—126GI 85 (1) श्री वाईं० पीं० ग्राहुजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश सेठी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

डक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयं करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्य गया है।

अनुसुची

फ्लैट सं० बी-41, जो चौथी मंजिल, ''बीं'' बिल्डिंग, 251, पालीं हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/11070/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2. बम्बई

दिनांक : 2-·5-·1985

मोहर 🖫

प्रकृष आइ. हो. एन. एड.----

भाषक र विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. वम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई-- 2/37~ईई/12763/84--85---- अत: मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिपकी सं० दुशन सं० 6, तलताला, वान्द्रा अनवीम को०--,
ग्राप्त० हार्जीम मोश्यदी वि०, पेरो काम रोड, जंक्णन, बान्द्रा
बस्बई 400 050, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची
में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिपशा करारनामा ग्रायवार
ग्रिवियम की धारा 269 रख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी के
वार्यालय, दस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांड 24--9-1984.

को प्वोंक्त सम्मिति के उप्ति बालार मृत्य से कम के दश्यमान वित्तिका के लिए बन्तरित की गई है, बौर मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बासार स्थ्य, उसके स्थाप प्रतिक्रस से ग्रेसे दश्यमान प्रतिक्रस का पंक्र प्रतिक्रत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्वों) औ बौद एके बन्तरूक के सिए त्य पाया गया प्रविक्रस, निम्निमित्ति चक्रवेष्य से उद्ध बन्तरूक जिल्ला प्रें वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किनी मान की बाबत उक्त मधि-निवंद के मधीन कर दीने के अन्तरक के दावित्व में वाभी करने वा उपने अचने में न्दिया तो लिए
- (ख) एसी किसी आथ या किसी धन वा कत्य जास्तिकों को, बिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं बन्दोरिती ब्वाय प्रकट वहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कि अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमं, अर्थात :--

(1) श्रीं मूलचन्द ठाकुमल सट्टा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी०टी० अडवानी और श्रीमती एम० सी० अडवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी ब्रांधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्वस्त्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनस्थी

"दुकान सं० 6 जो तलमाला, बान्द्रा सनमीम को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटीं लि०, पेरीं कास रोड, जंक्णन, बान्बा, बम्बई 400 050 में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि कि न मं० अई-2/37ईई/12763/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 24-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-2, बम्बई

বিনাজ: 2-5-1985

माहरः

ब्रक्ष बाइं .टी .एन . एत . -----

नासकर निपित्वन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुपीन सुचना

शाउत स्टब्स

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 वस्वई वस्वई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 12535 /84-85 --- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारों को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धता. विचका उचित् वाचार मूज्य 1,00,000/- रा. प्रे अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, ब्लू, नाइल को आपरेटिव हाउँ सिंग सोसायटी 24 वा रास्ता बान्द्रा बम्बई—400050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण से निए त्य पाया ग्या प्रति-क्ष्य दिन्ति वित उद्देश्य से उक्द बन्तरण विश्वत में बास्त्विक क्ष्य से किस्त स्वी क्षित में बास्त्विक क्ष्य से किस्त स्वी क्षित स्वाहित क्ष्य से किस्त स्वी क्षित स्वाहिक

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त विश्विक्ष के वृथीन कुर देने के बन्तरक के दानिस्त्र में आपी कहने वा उक्से क्षने में सुनिया के बिए; क्षक्रि/या .
- (वा) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नारित्यों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर वीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मात या वन-कर वीभीनयम, या वन-कर वीभीनयम, या वन-कर वीभीनयम, 1957 हैं (1957 का 27) वी प्रयोगनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

बतः सब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की सबुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के स्थीन, मिम्मीसियत व्यक्तियों, वर्षात् हि— (1) श्रींमती ज्योती पीं० नोटानीं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निशा पी० हिरनन्दानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत रज्यित यें वर्षन यें सम्बन्ध में सोर्घ भी बाक्षेप ह-

- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि ना तत्संबंधी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, से भी तर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इह सूचना के ग्रव्यन में प्रकाधन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुच किती जन्म स्थानित द्वारा मधोहस्ताकरी के पास निचित में किए वा सकोंने।

स्वकाश्वरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों कीर पत्तों का, को सब्दा सर्विषित्रमा, के मध्याय 20 का को प्रशिक्ष है, वहीं कर्य होगा जो उस सध्याय को दिवा गया है।

. बनुसूची

"फ्लैंट नं० 10 जो ब्ल नाइल, 24 वा रास्ता को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी 24 वा रास्ता बान्द्रा, 4 बम्बई 400050 में स्थित है । "

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/ 12535/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 2-5-1985

मोहर अ

प्ररूप काइ[‡]़ टी_ट एन<u>ः</u> एक_ः ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/ 12605/84-85--म्रतः मृज्ञे, लक्ष्मण दासः,

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० ए/3, तलमाला, "गुलमोहरं, सेन्ट जांन्सन बाण्टींस्ट रोड़, बान्द्रा, बम्बई—100050में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयहर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रां हैं दिनांक 18 नितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय सुन्ना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की आवत, अवस्य अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तर्क को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ख़ुविधा के लिए; और आ/
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिभा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री ज० एक्स, वाझ

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ई० जे० परेरा और स्रींमतीं एस० एल० परेरा

(ग्रन्तरिती)

(4) अन्तरिती) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बार्डी करुके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

"फ्लैंट नं० ए/3, जो तलमाला, "गुलमोर" सेन्ट जान्सन बाप्टीस्ट रोड़. बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।" श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई-2/37–ईई/ 12605 84–85 और जो सक्षम प्राधकारी बम्बई द्वारा दिनाव 18 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, यम्बई

दिनांक :- 2-5-1885

मोहर् 🜜

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/12434/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/24, चौथी मंजिल , क्लिफ्तान को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटंड, बिहा लेन कार्नर, जुह, बम्बई में स्थित है (ग्राँर इसमे उपावड अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 14 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित । इद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उपक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कैपरम्बील नारायण पिल्लई जी० नायर (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश ठाकरशी रामछोड़ ग्रौर श्री जगदोश ठाकरशी पाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए/24, जो चौथी मंजिल, "विलफ्तान" को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, बिहा लेनकानर, • में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई०-2/37 ई० ई०/12434/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिकारी स**हाबक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 2-5-1985

प्रस्प बार्ड ट्रॉ. एन एस :-----

आयकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/12803/84-85—अत मि = 3, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/10, दूसरी मंजिल, पांडुरंग की—आप० हाऊसिंग सोसा० लि०, पांडुरंग वाडी, डी—51, ए० बी० नायर मार्ग, जुटु, बम्बई—49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ड़ी है, दिनांक 25 सितम्बर 1984।

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्निलिखत उद्देश्य से उक्त् अन्तरण निष्ति में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी बक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन् ृतिकारितीयत व्यक्तियों, अधीत् धु— (1) कूमारी सत्या गांधीं।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम रामसे ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक्ष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनसची

फ्लैंट नं० ए-10, जो दूसरी मंजिल, पांडुरंग को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, डी-51, पांडुरंग वाडी, ए० बी० नायर मार्ग, जुहु, वम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि क० सं० अई-2/37 ई० ई०/12803/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई हारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दनांक: 2-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आईं.दी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई०- 2/37 ई० ई०/12802/84-85 अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग 6-सी. संगीता अपार्टमेंट. जुह संगीता अपार्ट०, को आप० हाऊसिंग सोसाईटी लि०, जुह रोड़, वम्बई-49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धार-269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ही है दिनंक 25 सितम्बर 1984।

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को अंगर अंतरिती (अंतरिएयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभ्र के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए;

कतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्मीलीकन व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जवाहर उमेदलाल दोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री चेतन सी० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पर्लंट नं० 9, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 6-सी, "संगीता अपार्टमेंन्टस्", जुहू संगीता अपार्टमेंन्टस् को आप० हार्ऊासंग सोसाईटी लि०, जुहू रोड़, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई०-2/37 ई० ई०/12802/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

प्ररूप बार्ड, टी., एन., एव.: ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-ध्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक र नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अर्ड०-2/37 ई० ई०/12450/84-85—अतः म् \Re , लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी निम्फ को-आए० हाऊसिंग सोसाईटी लि०, फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल, ए० बी० नायर रोड़, जुह पोस्ट आफिस के मामने, जुट्ट, बम्बई-99 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिल्का करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्तम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनंक 14 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रशेमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि बधा पूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंबर्ग्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पालें बेवर्जीस प्राईवेट लिमिटेइ।

(अन्तरक)

(2) श्री जिमी डी० बंलीहोमजी ग्रौर अन्य ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिजाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है ॥

अनुसूची

फ्लैंट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, सी निम्फ को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, ए० बी० नायर रोड़, जुह पोस्ट आफिस के सामने, जुह, बम्बई 400 099 में स्थित है।"

अनुसूची जैमा कि कर सं० अई०-2/37 ई० ई०/12450/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). अजन रंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

प्रक्रंप बाइं टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूग 269-घ (1) के अधीन म्चना

नारल करकार

कार्यालय, महायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देण सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/10456/84-85—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिनकी मं० फ्लैट नं० 53-ए, फलोरिदा ग्रपार्टमेंन्टस् को-ग्राप० हार्ऊिंग सोसाईटी लिमिटेड 33, माऊंट मेरी रोड़, जान्द्रा, वम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रविनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारों के कार्यातय, बम्बई मेंरिजस्ट्री है, दिनांक 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय्या धनया जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना चाहिए था, जिन्ना के निष्

बतः बब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बन्सरण की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् धिना 13—126GI 85

(1) ज्योति टेकचन्द वालानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीण महेणचन्द्र ग्प्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति क अजन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याम 20 क में परिशतियक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया स्था है

अनुसूची

पूलैंट नं 53-ए, जो फलोरिदा श्रपार्टमेंन्टस् को-श्राप सोक्षाईटी लिमिटेड, 33, माऊंट मेरी रोड़, बान्द्रा, बम्बई- $400\ 050$ में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/10456/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-5-1985

माहर

परूप बाहुँ ही एवं गम --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदश सं० म्रई०-2/37 ई० ई०/12428/84-85---म्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं क्लैंट नं 7, रोझ ग्रपार्टमेंन्ट, जुहू चर्च रोड़, बम्बई 400 049 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रन्मृची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसवा करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाव को बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाशिला में कभी करने या उससे बचने या अधिक्षा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थव वा बन्द वास्तिक्षें को बिन्हें भारतीय बाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए।

कतः वक, उकत विधिनियम कौ भारा 269-न कै अनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विश्वास घाटपाण्डे ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल एल० कानोई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रजेक्त सस्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्विविधा पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, है भीतर ध्वेक्ति स्विसी अविन द्वारा;
- (क) इस स्वना के स्वपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किस् जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं कर्ण होंगा जो उस अध्याय में दिस्स गक्ता हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 7, जो दूसरी मंजिल, रोझ ग्रपार्टमेंन्ट, जुहू चर्च रोड़, बम्बई 400 049 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कि कं सं श्रई०-2/37 ई० ई०/12428/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर •

त्रस्य बाह् . टी. एवं ु एवं .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/12129/84-85--- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन मदास आधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मून्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संक्ष्मलैंट नं का 1, हिल व्ह्यू बिहिंडग, हिल रोड़, महबूब स्टुडियो के सामने, बम्बई—400 050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रिधीन रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 14 सितम्बर 1984।

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंवरितियां) के बीज एसं अंतरण के चन्द्र पाया गया प्रतिक्क का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाव की वाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा मी तिए; बीड/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो प्रमीतः, निक्तिरिश्चित व्यक्तियों, अधीत :~

- (1) कुमारी रक्षियान बाहुली स्रौर सर्फराज । (म्रन्तरक)
- (2) श्री नूराली मोहम्मद गोवानी और श्रीमती झरीना नूराली गोवानी । (ध्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित हैं वर्षन के तिकुं कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस भूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकर्णः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदीं का, वो हक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 1, जो हिल व्ह्यू बिल्डिंग, हिल रोड़, महबूब स्ट्डिग्रो के सामने, हिल रोड़, बम्बई 400 050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक करु सं $\sqrt{37}$ ईर्े $\sqrt{12129}$ 84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $\sqrt{14-9-1984}$ को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. दी. एन. एस. ----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/12872/84-85—म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, सनवें म को स्थाप० हाऊसिंग सोसाइटी लि०, पेरी काल रोड़ बान्द्रा, बम्बई 400 050, में स्थित है (श्रीर इसमें) उपाबद्ध श्रनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के खे के श्रिधीन स्थाम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई मे रिजिस्टी है, दिनांक 28 यिनस्वर 1984।

को पूर्वोक्त मम्पित्त के उचित बाजार मूर. से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उन्हें किया गया है:—

- (क) बन्धरम सं हुई देखी भार की दावस उपक शांकि विवस के अधीन अर दोने के बन्दरफ की दासित्व से कमी करने या उससे वचने में सुविधा के तिस्रो;
- (व) एसी किसी अध मा किसी अन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नित्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम । ५०/ (1952 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति। ता अन्ति अन्ति रही किया या सामिया जाना आहिए सा कियाने में सुविधा के सिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात ६—— (1) श्रीमती दयालक्ष्मी बी० चे।कसी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम्ण महाजन।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरिती ।(वह व्यक्ति, जिपके अधिभाग में स्म्युन्ति है)

का यह भूचना जारा कारके प्रतिकत सम्पति। के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त राभ्योत्त क अर्बन क सम्बन्ध मा कं. मी आक्षेप .-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

स्पष्टीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, को उक्ष अधिनियम, के अध्याय 25-क में परिभाष्ट्रक है, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 501, मनबीम परी कास रोड़, बान्द्रा, बम्बई $400\ 050$ में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कर सर्वे श्राहरू = 2/37 ईरुईरु/12872/ 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारा, तम्बई ग्रास ्वैदिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास्. सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

पारूप बाहा टी . एन . एस . -----

जायकार जीधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

।यांनदः महायक अञ्चल नायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश मं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/10510/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन मक्ष्म प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं प्रमुट नं 30, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 5, प्रकाण को - श्राप हाऊसिंग मोबाइटी लिं , सान्ताकुझ (प०), वम्बई 400 054 में न्यित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विजित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, इम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 4 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करन की कार्य है कि प्रभापवित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्ध प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हाइ कि बी नाय की वाबत, उंदित जीभीनयम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दांपिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिक्ष और/बा
- (६) एयो कियो बाय या कियो पन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए.

नतः अव, उक्त निधिनयम की धारा 269-ग के नन्दरण भो, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीनः रिक्रिकीस्तित व्यक्तिसों, नथिति,—— (1) श्री के० पद्मनाभरूया

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिवाजी श्रीधर राव पाटिल

(ग्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) एम० ब्राई० डी० सी०, मरोल, बम्बई। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं

 45 दिन के भीतर उचत स्थानर संपत्ति में हितनवृषं

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शस्त्र

 सिवित में किए वा सक्यो।

स्वस्त्रीकर्णः --- इसमें प्रवृत्त कर्यों और पर्यों का, को अवल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वािक हैं, वही वर्ष होगा को उस मुख्याय में दिया गया है।

ite di

फ्लैट नं 30, जो ती उरी म जिल, बिल्डिंग नं 5, प्रकाश को-प्राप हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सान्ताऋूज (पश्चिम), बम्बई 400 054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि एं ग्रई-2/37 ई० ई०/10510/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि कारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर अ

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस्.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० म्रई०-2/37 ई० ई०/12879/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वश्व करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका सचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, तीसरी मंजिल, सण्ड पेब्लेस, श्राटर्स व्ह्यू प्रीमायसेस को—ग्राप० हाऊसिंग सोसाइटी लि०, पेरी कास रोड़, बान्द्रा, बस्बई 400 050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28 सितम्बर 1984।

की पूर्वोक्त सम्बद्धि के उपित्र बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायवेंक्त सम्बद्धि का उपित बाजार मूक्य, उक्के क्ष्यमान प्रतिकल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंजह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती [बन्दिरितवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिकाल के विस्त से क्ष्यित नहीं किया गया है:---

- (क) गन्तरण वं हुए कियी नाय की वाबस, उपस निविद्या से अधीन कर देने के बन्तरक के कवित्व में कवी कहने या उससे न्युने में नृतिभा के निष्; भीर/था
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या किसी बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्यारिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया खाना चाहिए था, जिनाने वें सुद्धा के बिहा;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० एरिक डिसौजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दयालक्ष्मी चौकणी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग न सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के न्यन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अबेन के सबस् भा का . . . शाक्षा . . .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीध या तरभार प्रकाशन व्यक्तिया र सूचना की तामील से 30 दिन का अवित का मा विविध बाद में समाप्त होती हों, के मोतर विविध व्यक्तियाँ में से किया क्यांका व्यक्तियाँ में से किया क्यांका
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर सकत (आका काम को हिन्दापुर किसी अन्य व्यक्ति प्रकार अक्टूम्स आहे की पाप निधित मों किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभिनियम के २००० १,००० के क्रिक्शिंधस इ⁴, बही अर्थ होगा, जो उस क्रम्यार में दिया मया है :

लग्स कर

पलैट नं 303, जो तीसरी मंजिल, गण्ड वेब्लेस, श्राटर्स व्हयू प्रीमायसेस को स्थाप हार्की प्रसिद्ध लिपिटेड, ग्लाट नं 688, पेरी कास रोड, बान्द्रा, बस्की 400 050 में थ्यित हैं।

ग्रनुसूची जैसाकि कर संरुग्न2/37 ईरु ईरु12879/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ्या दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ात्मग दा १, ्क्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🐔

1 20 93

प्ररूप बाहै दी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं ० ग्रई०-2/37 ई० ई०/12804/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चानः 'उनक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 702, 7वी मंजिल, खार शिव-म्रोम को - स्रापरेटिव हार्जीसंग सोसाईटी, जुहू रोड़, बम्बई 400 052 में प्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नतुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम को गए 269 के खे के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्त्रई में रिजस्ट्री है, दिनांक 25 सितम्बर 1984।

भो पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिय है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गए। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) छै अधीन विजनतिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रितादेवी एस० भासीन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जवाहर उमेदलाल दोशी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कैं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 702, 7वी मंजिल, खार शिव स्रोम को-स्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी जुहू रोड़, बम्बई 400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/12804/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 2-5-1985

त्रस्य बाह् . टी. एन . एस -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बुधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यास्य . सहायक नायकर नायकत (विहासक)

ग्रर्जन रेंज-2, बमबई

बम्बई. दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ई 5/10513/84-85—-श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 302, तीनरी मंजिल, गोदावरी निकेतन, एफ० पी० नं ० 90, पी० एस० छः, फिरोजशाह स्ट्रीट, सान्ताकूझ (पश्चिम) बम्बई - 54 में स्थित है (ग्रीरइन्से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 14 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाब की बाबत, उक्क वीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरफ हैं बायित्व में की कारने वा उससे दचन के सुविधा के लिए: बॉर/बा
- (च) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, कीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन निस्ति कित अधिनक्ष्यों के अर्थात् क्षान्त (1) श्री हरीण मनमुखलाल भगत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चांदमल मोंगीलाल राठोड़ ग्रौर श्रीमती जकुंतला चांदमल राठोड ।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पुत्रेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा मार्केट :

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 302, तीसरी मंजिल, गोदावरी निकेतन, एफ॰पी०नं० 90,टी०प्री०एस० छः,फिरोजणा ह स्ट्रीट,सान्ताकूझ (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसािक के सं० श्रई०-2/37ई० ई०/10513/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्दर्व द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, नक्षम प्राविकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण), ग्रजंन रेंज–2, वस्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🖁

प्रकार बाहु . टी. एत , एस

भागकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) औ स्था 260-घ (1) के बधीन शुक्र ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनां € 2 मई, 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/12537/84 ·85 ---म्रः सुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा हैं), की धारा 269-ल के अधीन राजन राधिकारी को, यह जिल्लास रास्त का कारण हैं कि स्थावर प्राथित, जिसका टिंग बामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 401, वैणालीं श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 15 और 21 जानकी गुटींर जुहू, बन्बई-400 054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्णेका से विधित है), और जिसकीं करारनामा श्रायकर श्रिध नियम के आरा 269 व्यक्त श्रिथींन नक्षम प्राधिकारीं के लायीलय, बम्बई में रिजस्ट्रीं है, तारींख 17-9-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के अचित् वाचार मून्य में कम के स्थमान -प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के भीच एस अन्तरण के निए तय पावा गया धृतिफल निर्मा क्विश्व उद्देष्य सं अक्त अत्रया शिक्त में म्लिक स्थम सं क्विश्व अप सं अक्त अत्रया शिक्त में स्थास से स्थास में ---

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की बाब्त, उक्त विधित्यम से अधीर कर दोने के जन्तरक को दाम्लिय हो कमी करते या तससे कजने में स्विका भीतिए; अंदर/मा
- सं किंद्र हाथ । किमी तन या अध्या अमेरतारों का, जिल्ला महरणाय आयावाय गाएगनसम्, १९५७ (1922 की 11) । उन्हें लोधानयवा, या हानकार गांधानयम्, १९५८ (1957 को 27) के प्रयोचनाथ अन्तरिती देशरा प्राप्त सहा जिल्ला महास्था । (कार्य अस्त चाहिए था कियाने की सुसिया के भना।

कतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, अकत अधिरियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीर, निम्निलिखत यिक्तयों, अर्थात् :--14-126GI|85

(1) लुपींन लेबोरेटराज प्राईवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

- .(2) पीं प्रमार मंद्रे एण्ड श्रोमती भुलोचना पोर्व सप्रे (अन्तरिती)
- (3) अन्तिती (बहु व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कर यह मुख्य अहार एक पूर्वाक्त सम्योत क अर्जन के लिए कार्यवाहियां तुरू करता हुं।

अन्त मक्राप्ति व अंक है सक्रान्य में होई भी जासने '---

- (क) एस क्वर के राजण्य में प्रकाशन की तारीख़ से 45 जिसे की नारिय पर तत्स्वत्री नो क्वयों पर स्वापन की लामील से 30 दिन की अविधि, को भी बक्षि नाथ में समाधा होती हो, की नीतर पूर्वों कर प्रकार में से किसी क्यां कि द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-रेक्स किसी लन्छ स्थावित प्रारा, अशोहरताथरी के ास निज्जित में किस जा सर्वेगे।

ध्यातीश्वरण:---इत्यां प्रयुक्त कार्व्यार दर्दों का, जा उत्यक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहा अर्थ होगा को जास अध्यार में दिया व्या ही।

अनुसूची

स्रनुसूची जैसा ि के कर सं० स्रई--2/37ईई/12537/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, वस्बई द्वारा दिनांक 17--9--1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायः अत्पद्धर स्राधुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रोज--2, बस्बई

तारीख: 2-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देण सं० **अई**-2/37ईई/10414/84-85----- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मध्य प्राध्वारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० वीं -- 1. तलमाला, गाँड ब्लें । कोग्राप० हार्ऊसिंग सोसा० लि०, 1.4वां रास्ता, खार, बस्वई400 052 में स्थित हैं (और उपसे उपावड अनुसूचीं में और पूर्ण
रूप में वाणित हैं) और जिपकीं उरारतामा आयकर प्रधिनियम
कीं धारा 269 के ख के यधीन सक्षम प्राधिकारीं के रार्यालय,
बस्वई में रिजिस्ट्री हैं, तारींख 1--9--1984

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहूड किसी आय को शक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दर्भियत्य मो कमी करने या उसमें अचन में स्थिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखन व्यक्तियों. अर्थात :——

- 1. (1) श्री क्वैयालाल डी० तानी उर्फ तनवरमलानी
 - (2) श्री मंजीव के० नानी उर्फ तनवरमलानी (अन्यक्र)
- (2) । श्रीमता दीप ब्रीनवाल गायने
 - श्रीमती शिली िणन मनकानी।

(ग्रन्तितीं)

को यह ।सूचना जारी करके प्रशंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता ुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या प्रयोग्धी व्याव या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रत्यान की कारीब में 45 दिन के भीतर उक्त प्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य कवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गा है।

अनुसूची

पलैट नं वीं नी, जो तलमाला, गाँड ब्तेण को न्य्राप० हाऊसिंग मोताईटीं निमिटेड, 14वॉ सम्बा खार हिल रोड के नजदील, खार, बम्बई 400 052 में स्थित है।

प्रकृषुची जैला िक० सं० पर्द-2/3755/10्र 4/84--85 और परिलक्षम प्राष्टि गरी, बस्बई क्रांश दिनां $\sim 2-9-1984$ को एजिस्टर्ड स्थिम मन्त्री है।

तक्ष्मण दास पक्षम प्राधि ∴रीं सहत्यक्ष आयार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

माहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. तस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारत सरकार

कार्याज्यः, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां 5 3 मई 1985 निदश सं० ग्रई-2/37ईई/०1141/84-85---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्तैंट नं० 12. दूनरी मंजिल, सी० बह्यू को— आप० हार्जीसंग सोसा० लि०, 14-ए रोड, खार, में स्थित हैं (और इत्तरे उपावद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिनकी करारनामा शायार श्रधिनियम की धारा 269 क खो अबीत नक्षत प्राधिकारों के शर्यावलय, वस्त्रई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके दश्यमन प्रतिकल सं, एसे उन्यमान प्रतिकता का जन्दि का जिल्हा का जन्दि प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में विकित्न बास्तिवाद क्ष्य से किसी नहीं किया गया है :—

- ्रीक) वस्त्रहरूप से हुई विंक्षी काय की बाधत उच्छ अधिनिक्त को वसीन कर दोने की अन्तर्क के सनित्व में कनी करने वां उससे कचने में स्विधा के निष्: और√या
- न्त्रं (नेता कासी आध्य धा किस्ते प्रता का आतं स्त्रात का का स्त्रात का स्त्

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमतीं साचित्रीं हिरालाल लारचानीं (ग्रन्त
- (2) मोहनलाल घनश्याम हुक्रेजा और
- (3) श्रन्तरः (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राभयत्र में प्रकाशन को तारीय में 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर सम्मति में हितनक्ष किसी बन्म व्यक्ति द्वारा बभोइस्ताक्षरी के शब्द निश्चत में 'कए वा सकेंग'।

स्थब्दीकरणः — इस में प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्तः विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

बन्स्ची

"फ्लैट नं० 12, जो हू नरी मंजित, सी० व्ह्यू० को-न्न्राप० हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 14-ए, रोड, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/11141/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म, दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 3-5-1985

भोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक वायकर बाय्कः (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांश 3 मई 1985

निर्देश सं ० ग्रई-- 2/37ईई/12839/84--85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं ० फ्लैट नं ० 1 0 2, वाहेदना अपार्टमेंटम, प्लाट नं ० एन ० ए० 162, हिल रांड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्ता करारनामा आयश्य अधिनियम की धारा 269% ख के अधीन सक्षम प्राधितारीं के बार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीं है, तारींख 25-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किशा नहीं किशा गया है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/पा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स गलक्सी कार्पोरशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान इंग्निशयस गोम्स और श्री नैवींने गोम्स

(ग्रन्तरितीं)

(3) श्रन्तरङ जो पूर्वधारङ था (वह व्यक्ति , जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त आयकर ्राध्यस्यक्षाक कामान्य हानक मा परिभाषित ुं सही अर्थ हाला का रूप अध्याय मा । द्रय

अनुसूची

"फ्लैंट तं० 102 जो वाहेदना प्रपार्टमेंट, ज्लाट तं० एन० ए० 162 हिल रोड, बान्द्रा, बस्बई--400 050 में स्थित है।" प्रमुक्तीं जैं। ि क० गं० अई-2/37ईई/12839/84-85 और जो पक्षम प्राधिभारी, सम्बई द्वारा दिनांक 25-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारींख: 3-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

श्रायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12709/84-85—ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी संव पलैट नंव ए-16, तलमाला, यूनिवर्सल को-हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, सेन्ट वाप्टिस्ट रोड, बान्दरा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनसुची में और पूर्ण रूप से वाणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गइ अन्तरित की -त्रीतफल के लिए विश्वास करन वज्ञ कारण यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसि इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए. और/धर
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिकत्यों, अर्थाह्य हि—

(1) श्रीमती मार्टीना मोन्टेसिओ

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रन्वर इन्नाहिम रूपानी

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती तथा परिवार सदस्य। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षप .--

- (ख) इस सूचना का राजपन में प्रवादान की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

ह्मण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्पी

"फ्लैट न० ए-16, जो तलमाला, युनिवर्सल को-ग्राप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, सेन्ट जान बाप्टीस्ट रोड, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि के० सं० यई-2/37ईई/12709/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3-5-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

The second section of the section of

STER STEET

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-32/3कईई/12831/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 69 के ले कर्नित सक्षम प्राधिकारी को यह लिखास करने का तरह हैं कि स्थावर सक्षित्र जिसका अभिन ताजार रहें 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० दी/104, पहिला मंजिल, वीनस ग्रपार्टमेंटस, चार बंगला, ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपावक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से जिएत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्तियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25-9-1984

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास अपने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह्म प्रतिशव स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।:——

- (अक्ष) अन्तरण रा शुक्त किसी जाय की राज्य, अक्षा अधिक कर वाने के अन्तरक की तायरक को अपने करने का प्राप्त की व्यक्तिया व्यक्तिया की स्थान की व्यक्तिया व्यक्तिया की स्थान की
- शि एसे किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीए जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ कन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए !

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण x^{2} , x^{10} , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् z=-

(1) श्री ग्रशोक गजानन धरत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नसरीन फातमा ग्रविदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थियाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं। 45 दिस की अवधि या तत्त्र अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिष्ठ, जो भी अवधि बाद के स्थान होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए ता सके हैं

स्पाध्यतिकात्र :-- १००० प्रयुक्त त्राच्या अर्थर पाँ का, जां उक्त जोधानियम को अध्याय 20लक माँ परिशाधित हर्द, यहाँ अर्थ हागा कां ्य अध्याय में दिया

बन्स्ची

"फ्लैट नं० वी/104, जो पहिली मंजिल, बीनस ग्रपार्टमेंटस चार बंगला, भ्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।" ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12831/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-8-1985

माहर:

दहर ताई. टी. एव. एव. ----

बामकार बीमिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सुबना

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेज-2, वस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12138/84-85--म्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फरेंट नं० 5, पहिली मंजिल, बैत उश-शराफ को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 29वां रास्ता, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और रूप से विणित है), और जिसकी करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीह एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक हम में की पत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करों या उससे बचने में स्विधा के लिए; के लिए; और/या
- श्वि। एसी दिन्नी शय या किसी अन या अस्य आहरूर को जिल् असरतीय सायकर अधिनियम. 1922 १९२० १ ११) च पाल अधिनियम. 1922 भनकर अधिनियम. 1957 (1937 का 27) के प्रयोज एक अन्तरिती द्वारा पकर नहीं किस्स गया था प्रक्रिया जाना अधिहरू था. स्त्रिपान १ सर्विधा रहे लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, ब्री अन्त परिशियम को धारा 260-व की सम्मान को के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात :— (1) श्री याराबली बैदाली खान

(अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ जे० मार्टेन तथा श्री निर्मला फिलीप जोसेफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पर्ध्वीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दा और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

''फ्लैंट नं० 5, जो पहिली मंजिल, बैत उश-गराफ को-म्राप० हार्ऊासग सोसाईटी लिमिटेड, 29वां रास्ता, बम्बई-400 050 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37/ईई/12138/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्रकप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेंश सं० ग्रर्ड-2/37र्ड $\xi/12525/84-85$ —ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रािकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट मं० 14, दूमरी, मंजिल, राजश्री ऋषी-राज को-ग्राप० हा० मोसाईटी लि०, पोदार स्ट्रीट, सान्ताकूज (पिण्चम), बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित पाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति सों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से एथित नहीं किया गया है:——

- (ए) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी अरने या उससे बचने में स्विधा की लए, अरि/या
- (य) एसी किसी आय था किसी ६ न या अन्य अस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए.

अत: अत, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ए की लण्धारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री हरसुखलाल जगजीवनदास गोडा

(अन्तरक)

(2) भी मुभीर इंदरलाल तालसानीया और श्रीमधी जयश्री सुधीर तालसानीया

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिगेग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी प्रकित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"पलैट नं ० 14, जो दूसरी मंजिल, राजश्री ऋषीराज को-त्रापरेटित्र हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, पोदार स्ट्रीट, सान्ता-कुझ (प) वस्वई-400 054 में स्थित है।"

स्रनुसूची जैसा कि कल्चल स्रई-2/37ईई/12525/84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 17-२-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (नेरीक्षण) स्रर्जन रेंज−2, बम्बई ।

नारीख: 3-5-1985

mer man at according

प्ररूप बाह् , टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीम सूचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० अई-32/37ईई/12741/84-85—अतः मुझे , लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 33, तिसरी मंजिल, राजीव आपर्ट-मेन्टस, प्लाट नं० 313/पी, पाली हिल, शिमझाग रोड, बान्द्रा वम्बई-400 050 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ही नम्निसित उद्देश से उक्त दंतरण निम्बत में बास्तिक स्म बे अधित नहीं किया गया है

- (क) पन्तरण म हुएं किसी लाय की बावध . बक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के निष्; बौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ओस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, दा धनकर लिधिनियम, दा धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा . 69-ग के अनुसरण भें, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—126GI|85 1. श्री मदन मोहन निक्काराम दिदी।

t -r ... 14 ...

(अन्तरक)

2. श्रीयती सिलोनी शर्मा श्रौर अशोक कुमार शर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क सिष् कार्यनाहियां करता हो।

उसत् सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस ब्रम्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिम की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावद्य व्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मींसर उक्त स्थादर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा स्कोगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20 के में परिभाशिका है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिश्हा गवा है।

अन्सर्ची

पर्लंड नं० 33, जो तिसरी मंजिल, राजीव आपर्टमेंटस, प्लाट नं० 313/पी, पाली हिल, क्षिमझाग रोड, वान्द्रा, वम्बई 400050 में स्थित है।"

अनुमूची जैसािक क० सं० अई-2/37ईई/12741/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रिजिस्टर्ड कियागया है।

> लङ्मण दास सदम प्राधिकारी महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, वस्वई ↓

तारीख: 3-5-1985

मोहर ६

प्रकृष नाइं. टो. ६व. एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई. दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश मं० अर्ड-2/37ईई/11140/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 501, पी-विंग, पांचवी मंजिल णालीमार अपार्टमेंट्स, एस० टी० रोड, मान्ताकूज (पण्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिमकी करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (१) अन्तरण मंह्यं किसी अन्य की बावत उवसं रिधिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक वं रियतन ने त्याँ कारने या तससं वाटन में सुविधा के निष्ण, और/था
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपान में स्विधा से निष्।

अत अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अन्मरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 मैंसर्म सकम किशीन एण्ड सन्स,
 प्रोपा० किशीनचन्द मोटुमल जैसवानी (एच० यु० एफ०)

(अन्तरक)

2. श्री मरेण मोहनदाम अडवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं!

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकारत की तारीख़ में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रिवितरों में ति स्प्री जिल्त द्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हालीब में 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित के किसा का प्रकार

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पलैंट नं० 501, जो 5वी मंजिल, बी-विंग, शालीमार अवार्टमेंट्स, स्टेट ट्रान्सपोर्ट रोड, मान्ताऋूज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० म० अई-2/37ईई/11140/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास संअम प्राव्धिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाइं.डी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/12144/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अभीन सक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, पहिली मंजिल, सिल्वरसी प्रीमायसेस को–आपरेटिव हौ० सोसाईटीलि०, जुहु रोड, सान्ताऋज (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अितयम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-9-84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान फ्रिन्दिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित' बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसा नाव की वाबत उक्त निध नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दामिएय में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

खा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती मैना पुरुषोत्तमदास अडवानी। (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण रमेश बालकृष्णन श्रीर श्रीमती शील रमेश नारायन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के याम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त यधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित द , दही अर्थ होरा , जो उस अध्याय में दिश नवा है।

"फ्लैंट न० 12-ए, पहिली मंजिल, सिल्वरसी प्रीमायसेस को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटड, प्लाट नं० 33-सी, जुह रोड, नान्ताऋज (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है।"

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-2/37ईई/12144/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3-5-1985

प्रकथ बाहा, डी. एन. एस.-----

कायकर जोभिनियम, 196 । (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

अवस्त तरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12922/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-इ के अधीन सक्षम शाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लाट नं० 302, है तिसरी मंजिल, ग्राँकार को—आप० हाऊसिंग सोसा० लि०, 18वां रास्ता सान्ताकूज, बम्बई 400 054 में स्थित है (ग्रार इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वाँणा ह), प्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

की पूर्विक्त संस्पत्ति के जीवत बाबार मृत्य में कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गइ आर विश्वास करने का कारण पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **ब**न्तरक (बन्तरका)ं) और उन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ह) एसी किसी जाय या किसी धन मा जत्य बास्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था., लिपाने में स्विधा के बिक्षः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधित को अधित का अधित क्यांत

(1) श्री रिवन्द्र नाथ बाला ग्रौर श्रीमती आशा आर० बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील जे० खुरामा फैमिली ट्रस्ट

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविदि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यास्टीकरणः इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, ६. ००० अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"फ्लैट नं० 302, तिसरी मंजिल, ग्रोंकार को-आप० हासिंग सोसाईटी लिमिटेड, 88वां रास्ता, सान्ताकज, बम्बई-400 054 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क० नं० अई-2/37ईई/12922/84-85 ग्राँर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

ता ीख: 3-5-1985

प्रकप बाइ . टी . एन . इस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा के अधीन सम्बद्ध

भारत सरकार

बार्बाज्य बहाज्य बायकर बाव्यस (विर्वेश्वन) अर्जन रेज-2, बस्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/21604/84-85—अत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 6, दूसरी मंजिल, दिल बहार को-आपरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लि० ईस्ट कास लेन, सान्ताकूज, बम्बई-400 054 में स्नित है ग्रीर इसते लगाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण हम (विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सबम प्राधिकारी के कार्यांत्रय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांदा 19 9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एति दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया नथा प्रतिफल का मंदिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) बन्दरम सं हुइं किसी बाय को बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुणिया है जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों आरतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनाथ अन्तरिती , इतार प्रकट नहीं किया गुझा था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने से सुविधा के सिक्ट;

बतः क्रव उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्तरण कें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, बधित :----

1. श्रीमती कमला जीव जेठवानी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रसुमती तनसुख धानकी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा असी हैं।

बन्स्ची

फ्लैट नं० ६, जो दूसरी मंजिल, दिल बहार को-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लि०, ईस्ट क्रास लेन, सान्ताकृज, बम्बई-400 054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12604/84-85 श्रीर जो सक्षम प्रश्चिकारी वम्बई द्वारा, विनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज−4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1985

प्ररूप बाहु टी. एन. एस. - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक टायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० अर्ड-2/37डेर्ड/11098/84-85—अत, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम. 1991 11961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अधिनियम कहा गया है), की धार 269-स के अधीर स्थान प्रतियम को यह विस्तास करने वा कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीए जिसको सं प्राप्ति नं 5.0 पांचवी मंजिल, माळंट मेरी अवार्टमत्ट्स, वान्द्रा, वस्वई-400 050 में स्थित है (और इससे उपायद्व निस्ची में और जो पूर्णक्ष में (वर्णित है) श्रीर जिसका भारतामा प्रयाग अधिनियम की बारा 269 वज्ज के अतिन मानव प्राप्ताति के भारतिय वसाई दे र्जिस्की है जिनांक 7-9-1981

का पूर्वाच्या राम्पांच्या हे प्रचित्य प्रकार यूर्ग हो कम के इश्यमार प्रतिफल को लिए अन्तरित कि यहाँ ही और मुम्हे यह विश्वास करने का तारण हो कि प्रथमिका न सीन का तारण हो कि प्रथमिका न सीन देशका प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिप्रत से अधिक हो आरे अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित कि प्रशिक्त के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, जिम्मिलिका, जो तीन एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, जिम्मिलिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिका हुए से अनित्य भ्रमा हैं:---

- (क) अनसरण स शुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनसरक के बाधिरय की कामी असने या उन्हें जबने मी सुविका के लिए; और/या
- ्व) इनो दिसी आय था किसा धर वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । १९२२ का ११) ६३ उबत अधिनियम, या त्राचार अधिनेयम, 1957 (1957 का 27) के त्राचि । श्री अन्तरिता उद्यान प्रकट नहीं किया एवा प्रकट नहीं किया एवा प्रकट नहीं किया एवा प्रकट नहीं किया है।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते हैं कि अधिन अधिनियम की धारा 60-ग की ब्राप्थाया (!) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1 श्री किएण राम श्रीर श्री ग्याम राम ।

(अन्तरक)

 श्रीमित अद्धमस सलाम जुना ग्राट श्रा नलोग ई० जुना

(अन्तरिती)

3. श्री भ्रौर श्रीमती शलीम ई० हुआ (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहयां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिक हैं 10 र कि की कर्य द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाम जिमित में किए या सर्लगे।

स्याद्धीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के लाकाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

• ग्रन्सूची

फ्लैट दं > 510. जो पांत्रदी पांजार माऊंट मेरी, अपार्ट-मेल्टम, बान्द्रा बम्बई-400 050 में स्थात है।

ानुसूत्री जेस कि के० के -2/37ईई/11098-/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई कारा, िनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक : 3~ 5~ 19**8**5

मोहर .

प्रस्प बार्इ. टी. एव. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा - 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्यः, सहायक यायका तयुन्य (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10562/84-85---अंत:, म्झे, ्लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्मित हैं सका जीवत बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसेक् सं० पक्षेट नं० 9, क्रीति कुंज को-आप० हाऊसिंग सीसम्बटी, सिं०, 14वां रास्ता खार (पश्चिम),बमबई-400052 में स्थित है (ग्रौर - स्ससे - उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप कित है और जिसका करपुरनामा आयकर अधियम की धारा 269 कर कार्यान सन्तम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई रजिस्ता है जिसके 5 9 1984

हाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य में कम के दश्यकान भीत के किए बत्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथान नेयन समाहित मः उचित भाषार क्च , उसके डश्य्यमा न प्रतिफल से , एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अपि धिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शातफल, निम्ना शिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- विक्री अन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त निधिनियम के अधीन तर लोगे के अधारक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो बाय या किमी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हां भारतीय अल्बन्धर धीर्यानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भिकार अधिनियम, 1957 (1957 का **27**) के प्रयोजनार्थ यस्तरियाँ दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

जतह जब नकन क्रांतियम, को धारा 260-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

∮1. श्रीमती रलाजवन्ती, रामचन्द आहुजा, ।

(अन्नरक)

2. श्रीमती शीवन रमेश वुत्रन्दचनदाती

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में पम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-**बद्ध**िक सी अन्य त्यक्ति हुवारा प्रशहरतः 🚉 पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसुर्च:

फ्लैट नं० 9, जो कीर्ति कूजं, की-अप्प० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड, 14 वां शास्ता, खार (पश्चिम), बमबई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/10562/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, तिनादा 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण उास सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूग १८९-घ (1) के अधीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश मं ० अर्ड-2/37ईई/12952/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 19, वैशाली नगर, एस० बी० रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400 060 में स्थित है (श्रौर इसने उपावड अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिम हा कर रनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

को पूर्शेक्त सम्पति के उचित वाजार मृस्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई नै और मुक्ते यह विश्वास करने का ठारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रहे, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की, वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आरे/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा केंनिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अधीत :——

- 1. (1) सहस फकीर खान और
 - (2) मोहम्मद युसुफ खान ।

(यन्तरक)

2 निमार नहमंद्र कुलेशी।

(अन्तिरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की डबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के शाजपत्र मो प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में दिवनद्ध विशास करिए विशास करिए के पास विशित में किए जा सुकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, कें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

पलैट नं० 403. जो चौथी (मिजिल, बिल्डिंग नं० 19, वैशाली नगर, एस० वी० रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचं जैसा कि कि सं अई |37ईई|12952|84-धार जो सक्षम प्राधित से बस्बई, द्वारत िलांक 29-9-198 को र्याजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी

नडायाः वायाःर आपुकः (**निरीक्षण)** इजेन शेजे— ।, **बस्वर्ड**

दिनांक : 9-5-85

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

मायकर **अधिनियम, 1**961 (1961 का 43) की धरा 269 घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11111/84-85—ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 63, दूसरी मंजिल, पटेल पार्क, 144, नेहरू रोड, बम्बई-400 029 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 10-9-84

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के अवित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रक्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वत किमालिखित उद्देश्य से उन्तर अंतरण निस्ति में बास्तिवक छप कम से किथत नहीं किया ग्वा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- ्थं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः अवः अवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 16—126GI|85 1. श्री नरोत्तमदास जे० पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती भावनाबेन दीपकभाई पटेल।

(ग्रस्ति)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

नन्त्री

फ्लट नं० 63, जो दूसरी मंजिल, पटेल पार्क, 144, नेहरू रोड. बम्बई-400029 में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/11111/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2,

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निदेण सं० ग्राई-2/37ईई/12858/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11,5 वीं मंजिल, वैनाथेया, एस० वी० रोड, विलेपाले, (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अचित वाजार मूल्य से कम के खर्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्वसमान प्रतिफल से, ऐसे द्वसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के व्यीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) होसी किसी बाब बा किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अवकर अधिनवम, 1922 (1922 का 11) वा जक्त अधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

जतः जद, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त वृधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्ति :--- 1. मैसर्स मैजेस्टिक, बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जितेन्द्र कानजीभाई गोरडिया ग्रौर
 - (2) श्रीमती इन्दु जितेन्द्र गोरिडिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिशा गया है।

गन्स्यो

प्लैट नं० 11,जो वैनाथेया, 5 वीं मंजिल, एस०वी० रोड, विले पार्ले, (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क ० सं० स्राई-2/37ईई/212858/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-5-1985 **नोहर** 🖁

श्रुव वार् टी.एन. एवं -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

मारत बरकाड

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37ईई / 1 2915/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 205, दूसरी मंजिल, एच० बिल्डिंग, ग्रन्सा इण्ड० इस्टेंट, साकी, विहार रोड, साकीनाका, बम्बई-400 072 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, की धारा 26 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29-9-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकि रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निए; बाँड/या
- (थ) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तिक् को, जिन्ही भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः वब, उक्त विधिनयम, की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधान, निम्नितिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. मैर्सस ग्रन्सा बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मसर्स एस० इंजीनियरिंग कम्पनी

(श्रन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन के प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्वध्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिहा सवा है के

अनुसूची

यूनिट नं० 205, जो दूसरी मंजिल, एव० बिल्डिंग अन्सा इन्डस्ट्रियल, इस्टेट, साकी विहार रोड, साकीनाका, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रनु सूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/12915/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-5-1984 बोहर :

प्रक्ष नारं . दी . एक . एक . -----

बायकार गींभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंभीन स्थना

SIN TRAIL

कार्यातव, वहायक भायकर मायुक्त (निर्देशण)

ग्रर्ज न रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/11133/84-85----ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर व्यविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के निथान सक्त प्राधिकारों को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० हाउस नं० 14, 15, 17 स्रौर 18, प्लाट नं 28/29, जानकी कुटीर, जुहू, बम्बई-400 049 में स्थित है (स्रौर इस उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम, की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कान के स्वस्थान विकास के निए नन्तरित की गई है अने मूले वह निप्तास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्मित का उचित स्वस्थार मूल्य उसके दश्यकार प्रतिपक्ष हैं पूर्व प्रकार मृत्य उसके दश्यकार प्रतिपक्ष की सूल प्रतिपक्ष का प्रतिपक्ष का प्रतिपक्ष का प्रतिपक्ष की प्रतिपक्ष की प्रतिपक्ष की स्वर्थ प्रतिपक्ष की विद्यु स्थ पाया गवा मित्रिकन, निम्निविद्य उष्ट्यस्य से उसत संसरण की स्थाप स्थ से कारण नहीं किया गवा है :---

- (क) क्यारण वे हुई किसी काम की बावए, उनसे अधिनवर के अधीन कह दोने के बन्दरक के कृष्टित्य के कमी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के सिह्ह क्रीड/वा
- (ण) एंसी किसी जान या किसी पन वा क्या शास्तिकां को जिन्हें बारतीन नामकात अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या भन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से विद्या:

अत: अन, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण कों, मैं, उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निकासिया अधिना, अभीत ं⊸—

1. मसर्स विकास डेवलपर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मोहम्मद, इक्बाल खान, ।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह ब्याना वारी अस्के पृथींतरा सन्पर्देश हो अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता होंदू।

उक्त सम्बत्ति के सर्जन की तंनंध में कोई मी आसी ह---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की सार्यांच है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो दी जबिध नाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपम में भूकाचक की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास सिचित में किए वा सकनें।

त्यक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मना है।

नमसनी

फ्लट नढ़० 14,जो 15,17 और 18 जो प्लाट न ं० 2/8/29, जानकी कुटीर, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/11133/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-5-1985

श्रुष्टप् बार्च . टी. एव. एस्.-----1. नाहर एण्ड सेठ एसोशिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

2. ग्लास इक्विपमेन्ट एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

मारत रुखाः

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/12471/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव ईव तलमाला, नाहर एण्ड इण्डव इस्टेट, प्लाट नं० 29, बी एण्ड डी सिमेन्स, चकाला, ग्रन्धेरी (पूरव), बम्बई-400 093 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के ल्ए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तर्ग से हुई किसी बाब की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (अ) ऐसी किसी अाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत:, नब, उक्त निधिनियम की धारा 269-इ के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗕

को यह सूचना चारी कर्रके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बव्धि, जो भी ब्बिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त <u>म्युक्तियाँ में से किसी व्यक्तिः द्वाराः</u>
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पच्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बी उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगर जो उस कथाय में दिवा गया है।

बन्सूची

यूनिट नं० ई० जो तलमाला, नाहर एण्ड सेठ इण्डाट्रयल इस्टेट, प्लाट नं० 29, बी एण्ड डी, सिमेन्स, चकाला ग्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्राई-2/37ईई/12471/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ङ कियागयाहै।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

माहर 🛭

श्रुव्य वार्ष् व द्रीय पुन्त पुन्न व व व व व

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकाड

कार्वालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

सहाँयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/11022/84-85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट नं० सी-3, प्लाट नं० एफ-11 और एफ-12, एम० ग्राई. डी० सी० मरोल, इण्ड० एरिया, व्यारावली, ग्रन्धेरी बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-9-84 को प्रविक्त सम्पत्ति के उत्तित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह दिखास करने का कारण है कि युवापुर्वोक्त संपृत्ति का उपित् बाजार मृल्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल् का बन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और बन्तरक (बन्तर्कों) और बन्दरिती (बन्दरितियाँ) के बीच एचे बन्दरम के सिए तब्

> (45) जन्तरण सं हुर्इ किसी आय की बाबत उथत विभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वर्ष/या

वाना गया प्रतिकासः निकासिक्य उन्हरोस्य हो उन्त सन्तर्ण सिद्धित में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया नवा ही ह—

(च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त बाँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बाँधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैसर्स रेडिएन्ट डिजाईन्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स केटी कापेरेशन।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुषना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुंचू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्त्यी

प्लाट नं० सी-3, जो प्लाट नं० एफ-11 तथा एफ-12, एम० ग्राई० डी॰ सी॰ मरोल इण्डस्ट्रियल एरिया, व्यारावली, ग्रन्धेरी, बम्बईमें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं०ग्राई-2/37ईई/11022/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :7-5<u>∓</u>1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाषा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० म्राई-2/37ईई/11019/84-85--म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट नं 2, योगायोग, पार्ले, उद्यान, को व्याप हार्जिसग सोसायटी लिं पार्क रोड, विले पार्ले (पू०), बम्बई-400 57 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कल्ल के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्टी है दिनांक 7-9-1984

को पृथा कित सम्पत्ति के उपित बाजार शृंद्य से कां के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार शृंद्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निचित भे बास्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से तुइ किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट/या
- (ब) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नतिस्तामें को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्मम, या भनकर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम हो धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धास 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती वी० एम० कावले और श्रीमती एम० एम० कावले

(ग्रन्तरक)

2. श्री नन्द कुमार, रघुनाथ कासार

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वय्द्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 2, जो योगायोग पार्ले उद्यान को-स्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिम्टिड, विलेपार्ले, (पूरब), पार्क रोड, बम्बई-400 57 के स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं०म्राई-2/37ईई/11019/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एक.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

शारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/12819/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, फिरदोसज ग्रपार्ट मेन्ट, इर्ला-विले पार्ले, (पिश्चम), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 25-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्वमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल से पत्ति प्रतिकल के प्रतिकल के पत्ति प्रतिकल के पत्ति के पत्ति प्रतिकल के पत्ति के पत्ति के पत्ति प्रतिकल के प्रतिकल के प्रतिकल के प्रतिकल के प्रतिकल कर से किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वावत, उनक अभिनिवम के अभीन कर देने के अन्तरक बी दावित्य में कभी करने या उबले वचने में सुविभा के लिए: और/वा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सूनिभा के निए।

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-त के, अनुकरण कों, में उक्त विभिनियन की भारा 269-त की उपभारा (1) को सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ु—— 1. ग्रजीज ग्रब्दुल्ला चुनावाला

(अन्तरक)

2. श्री ग्रमील ग्रमीजी पटेल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को और जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूकें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सर्कने।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

TI UL

फ्लैंट नं 601 जो फिरदोस ग्रपार्ट मेन्ट्स, ईर्ला, विले पार्ले, (पश्चिम) बम्बई-400 056 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्राई-2/3कईई/12819/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० श्रई-2/37ईई/12116/84-85:--- श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या पलैट जनं 1506, जो, 15वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं 351, एस नं 41 (ग्रंश), 4 बंगला वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय

बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984
को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्हिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निक्ति में वास्तिवक रूष से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (‡) के स्थीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—
17—126GI|85

 मैससं लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड नवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

2. मैससं स्टैण्डनं वैटरीज लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा ग्या है।

ग्रनुसूची

पलट नं० 1506, जो 15वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 त्रंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बस्वई—58 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रईर22/37ईई/13116/ 84,-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहरः

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

सं० श्रई-2/37ईई/2574/84-85:—-श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 7, जो, ग्राउण्ड पलोर, पिक स्रपार्टमटम, इमारत नं० ए० 7 बंगला, वर्सोवा रोड, अंधेरी (प.), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा स्राय प्रर श्रिधिनियम की धारा 259 क, ख के भ्रधीन मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, ग्रिगरीख 17—9—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गइ है आर यह विश्वास करने कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है अरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के टिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मैसर्स वर्धन इस्टेटस प्राइवेट लिमिटेड ।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. क्षी निवन चन्द्र के० ऋरोड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, पिंक म्रपार्टमेंटस, इमारत नं० 4, 7 पंगला, वर्सोवा, रोड, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जसा कि क्र मं० ग्रं $\frac{1}{2}$ -2/37ई $\frac{1}{2}$ 12574/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षमप्राधिकारी, गरायक स्नायकर स्रयुक्त निरीक्षण), सर्जन रेंज-2,बस्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर 🗜

प्रकृष बाइ. टी. एव . एव . नननन्तनन्तनन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं ॰ ग्रई-2/37ईई/12121/84-85:--- श्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1905 जो, 18 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावस, प्लाट नं नं 351, एस० नं 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11—9—1984

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एस्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं फिका गया है —

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की जानत, उन्तर जिस्तियम, के अधीन कर दीने के जनारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कुष्णाने में स्थिया के निए?

लतः अव, उक्त विभिनियम की थाडा 269-मृ के बमुखरण वें, में उक्त निधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन नियनलिखित व्यक्तियों, स्वधीतः— 1. मैं सर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(स्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टैण्डर्ड बैटरीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त प्रम्पत्ति के बर्चन के सिष्ट्र कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के एछ निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभागितक, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस जध्याय में दिवा वृक्ष हैं।

वन्स्पी

फ्लैंट नं० 1805, जो, 18वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 3 बंगला, वर्सेवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/12121/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 22-5-1985

योद्धर 🕄

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायक र वायुक्त (निरीक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/12115/84-85:—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1912 जो, 19वीं मंजिल इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

न्ते पृथ्येक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास क का का कारण है कि यथापृबोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया पद्मा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित को बास्तविक क्य से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) नन्तरण ते हुए किसी साथ की नावत उथत गाँध-दिव्य के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे अचने में सुदिशा के शिष्टे. स्टीड/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, विनहीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ कर्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरिया के जिक्कः;

श्रवः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक के, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, संधति :---

 मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पन? (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

2. मसर्स स्टेन्डर्ड बेटरीज।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त बम्पिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप ध--

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा दकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ववा है।

जन्त्र्यी

फ्लेट नं० 1912, जो, 19वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/12115/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 2-5-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - ---

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जनरेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० अई-2/37ईई/12444/84-85:--अतः म्हो, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकज संख्या पलैट नं 1911, जो, 19की मंजिल इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एस० नं 41 (अंश) 4 कंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- [18] जन्तरम इंहुई किसी जाव की बायता, डब्स अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बाँड/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी मन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के खिए ॥

बतः वब , उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसर्थ में , में , उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन , निम्निस्तित व्यक्तियें विधार है— 1. मैसर्भ लोखण्डवाला ६स्टेट्स एण्ड डवलपर्भेट कम्पनी (प्राइवेट) लि॰।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेंडर्ड बेटरीज।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जूरु करता हुं।

उच्छ सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पन्ति में हितः बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय: 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यथा है।

वन्त्र्यी

पसीट नं 1911, जो, 19वीं मंजिल, ६मारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, ६स० नं 41 (अंश), 4 बंगला वसीवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं क्षई-2/37ईई/12444/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के ब्योन स्पना

भारत सुरुक्षर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० वर्ड-2/37ईई/12120/84-85:—श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि सकी संख्या फ्लेट नं० 1909, जो, 19वीं मंजिल, ६मारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41(अंश), ६ दंगला, वसींवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और ६ससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अिधनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिक रूप से किया गया है क्ष्री

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-रियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उसस बचने में सर्विभा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृत्यिध के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेण्डर्ड बेटरीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की वविध, को भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 गक्ष निश्चित में किए वा सकांगे !

स्पक्टीकरण अ---इतमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, को उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मदा हैं

अनुसूची

फ्लैटनं० 1909, जो, 19 वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41, (अंश), 4 दंगला वर्सोवा, ग्रन्धेरी पं०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12120/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर ध

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस-----

भायकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० ग्रई-2/37/ईई/12119/84-85:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 1905, जो, 19दीं मंजिल, इमारत शिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अन्हेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अहिनयम की धारा 269 क, ख के अभीन, सभम शिक्षकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह्स प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उध्कर अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतं: श्राब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तित्यों, अर्थात :---

1. मैंसर्स लोखण्डवाला ६स्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेण्डर्ड बेटरीज।

(ग्रन्तरिदी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चन के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्भञ्दीकरण:—इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1905, जो, 19वीं गंजिल, इमारत शिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, ६स० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि क्र सं० ग्रई-2/37ईई/12119/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) सर्जनरज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985 निर्देश सं० ई-2/3कईई/12123/84-85:--मत मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1906, जो, 19दीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (अंश), 4 दंगला, वर्सोवा, ग्राधेरी (प०), बम्बई-68 में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से व्णांत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन कार दोने के अन्तरक बी दायिल्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला ६स्टेट्स एण्ड डेवलपर्नेट कम्पनी (प्राइवेट लि०)।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेण्डर्ड बेटरीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

ंडक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स् ची

पलैट नं 1906, जो, 19वीं मंजिल, ६मारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं 351, एस० नं 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रन्थरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रमुद्दी जैसा कि के सं० प्रई-2/37ईई/12123/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाड

कार्यांस्य, सहायक अध्यकर बाय्क्त (नि.रीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/12114/84-85:—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1712, जो, 17वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को प्राक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा अं लिए;

भतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 13 —126GI[85 मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेण्डंड बेटरीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनस्ची

फ्लैंट नं० 1712, जो, 17वी मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, बर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/12114/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दांस, सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहुदु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकार जीधीनयम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269-थ (1) के जधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यां स्यापक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्ज न रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मही 1985. सं 37\$ सं 37\$ 37

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 904, जो. 9वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान् प्रतिकत के निए बंतरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाज़ार मृत्य उसके दृश्यान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से ब्रिथक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्मतिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण चंहुई किसी बाब की बाबत्, उपक बीचिन्यत्र के बचीन कर दोने के बंत्रक की दाबित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आब या किसी धन या जन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे लिए;

बतः, बब, उन्न विधिनियम की धारा 260-ग के बनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं मर्स लोखण्डवाला इंस्टेट्स एण्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हवाबाई ग्रमीन परकार।

(अ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनका जिल्हा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 904, जो, 9वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, क्लाट नं० 357, एस० नं० $41 \ (ग्रंण), 4 \ बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई<math>-58$ में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/11132/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/12113/84-85:---ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण टाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 1711 जो, 17वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रम्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्याय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात् ु- मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स स्टेण्डर्ड बेटरीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है ॥

अनुसूची

पलैट नं 1711, जो, 17वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एस० नं 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12113/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 2-5-1985

मोहर 🎖

प्ररूप आइ .टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई, 1985

निदेश/सं० ग्रई-2-37ईई/12122/84-85:--ग्रत मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधींन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1806, जो. 18वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एम० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), वम्बई—58 में स्थित है) श्रौर इसमे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क. ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21—9—1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे द्श्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

करने का कारण है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के **खिरद्ध में कमी करने वा उससे वचने में कृतिधा** के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्टेण्डर्ड बेटरीज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1806, जो, $18\overline{a}$ ों मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र सं० ग्रई-2/37ईई/12122/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-5-1985

मोहर

प्रकम बाहाँ. टी., एन., एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शास्त बरकार

कार्यालया सहायक नायक द नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11108/84-85—ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 49, जो बी-ईमारत, एवर-गाईन अपार्टमेंट नं० 2, प्लाट नं० $142/2/\sqrt{2}$ और बी, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुभ्नें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बास्त, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिख;

कतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् [--- (1) श्री दिनेश ग्रार० पटेल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धरमशी ग्रार॰ पटेल

(ग्रन्तरतीः)

को बृह बृज्वा <u>जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्जन से</u> जिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुत्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीभ, जो भी बनीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. स्कृता के राज्यत्र में प्रकासन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा गवा है।

वनुसूची

दुकान नं० 49, जो डी-इमारत, एवरशाईन ग्रपार्टमेंट नं० 2, प्लाट नं० 142/2/ए और बी, जं० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/11108/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 3-5-1985

मोहर

इक्ष्, बाई, टी, एक्, एक, ----

नायकह वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नधीन स्वता

बारत बडकार

कार्बालन, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12759/84-85—ग्रत:मुझे, लक्ष्मण दास.

बानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब दुकान नंव 7, जो मनिष, विहार को-ग्राप व हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नंव 27, मनिष नगर, जेव पीव रोड़, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, 22-9-1984

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रतिकाल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कक्ष्में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इस्यमान प्रतिकास से, एसे अध्यमान प्रतिकास का मंद्रह प्रतिसत से अधिक है और बंतरिक (बंतरिकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त जिल-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्ते बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए।

(1) श्री भगवान ईश्वरदास गुरीया

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो गुलशन साहनी और, कुमारी गुनीत जी० साहनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हु-

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्रुचना की तामील से 30 दिन की नवींध, जो भी क्यपि बाद में समान्त होती हो, जो भीतर पूर्णेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास बिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूर्य

दुकान नं० 7, जो मनिष विहार को-स्राप० हाउसिंग सोसाइटी प्लाट नं० 27, मिन्य नगर, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कें सं ग्रई-2/37ईई/12759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

मतः ज्ञापः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग छ बनुसर्ध म $_{[g]}$ क् $_{[g]}$ उक्त विधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन $_{[g]}$ नियमिविक व्यक्तिकों $_{[g]}$ वर्षीक् $_{[g]}$

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\pi \sqrt[4]{7}$ ने रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-37/3ईई/12758/84-85—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 103, जो, सी केस्ट इमारत नं० 1, जे० पी० रोड, 7 बंगला, अंधेरी (प), वम्बई— 61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण -रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, 22—9—1984

कायालय, बम्बइ म राजस्ट्रा ह, 22-9-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती /अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् [——

(1) श्रीमती एच० सिक्वेरा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम नारायण शर्मा ग्रौर, श्री जय नारायण शर्मा ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जन्स्य</u>ी

पलैट नं० 103, जो, सी ऋस्ट इमारत नं० 1, ज० भी० रोड, 7 बंगला अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुचची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12758/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ======

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12906/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैट नं० 302, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग आसगेटस-ए, प्लाट नं० 334, चार बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ६प से वर्णित हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, 28-9-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्दृह्द प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बक: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तितालों, अर्थात् ए--- (1) श्रीमती नीरू खत्तार पति ग्रार० के० खत्तार और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रविन्दर कुमार खत्तार।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किसे जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग ऋसगेटस-ए, प्लाट नं० 334, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पिंचम) है बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12906/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राविकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-2, वम्बर्ड

तारीख: 3-5-1985

मोह्र 🖁

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जे बभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3-मई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/12500/84-85—स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 204, दूसरी मंजिल, वर्सोवा, गायती को-ग्राप० ही ० सोसायटी लि०, गायती, वर्सोवा, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (प०) बम्बई-58में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है),ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की घारा 269क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, 17-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गांतफल के लिए अन्तरित का गई है आर मुर्ध यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम बह किसी धन या अस्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्री इन्दरजीत सिंग लालवानी ।

(अन्तरक)

2. डा॰ एम॰ जी॰ पिल्लई।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वृजेन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो दूपरी मंजिल, वर्सोवा गायती को-ग्राप० हार्जीयग सोसाइटी लिमिटेड, गायती, जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12500/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोब: 3-5-1985

ार है :--

· े बार्ड ही एन**.एस**.-----

-प्रभाव अभावत्र । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णलय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12784/84-85--ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इंसके पदचात 'तक्त अधिनियम' कहा ग<mark>या हैं), की पारा</mark> 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 303, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग केनमोर, चार बंगलोज, वर्सीवा, प्रन्धरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-9-1984 को पर्वीता सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित विश्वास करने का है कि यथा-कारण

पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से. एरें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और देशिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया

> ्रिया के हुन्दे किसी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्रोधित को कभी बारने या समझे बचने की अधिकार करित्त और/बा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकेश ग्रार० मलकानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोतीबेन रावणलाल शाह श्रौर श्री ग्रतुल रावणलाल शाह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष्

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा के उस अध्याय में विका गवा हैं।

अससची

फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग केनमोर प्लाट नं० 346, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/12784/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🖑

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैंसर्स ए० मोहन एण्ड कं०।

(ग्रन्तरक)

(2) बशीर म्रहमद खलफे ट्रस्टी, बी० ए० खलफे फैमिली ट्रस्ट।

(ग्रन्तिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12785/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 5-ए, तलमाला, प्राईम रोज बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उछके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स; एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब्र्इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5-ए, जो तलमाला प्राईम रोज बिल्डिंग, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थिर है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/12785/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्रस्प बार्च , डी. एन , एक्-----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के मभीन सुम्मा

STATE STATE

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12805/84-85--- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० एफ ०-4, पांचवी मंजिल, पश्चिम स्रपार्टमेंटस् स्रन्धेरी पूर्व पश्चिम को-स्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, हिल एरिया, स्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरवमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशम से उक्त अन्तरण लिखिद में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी आब की बावत उपस अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को सायित्य में कमी करने या उसने वचने में स्विधा को लिए; सीर/या
- (च) एसी किसी जान वा किसी भन वा बन्न नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नावकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्नम, या भन-कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) ने प्रवोचनार्थ नृत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नृवा था वा किया थाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा में सिक्श;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वशू मोहनलाल पंजाबी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गोदावतीबेन जीवराज गणादा ग्रीर, श्री किरोट जीवराज गणाता।

(अन्तरिक्षीं)

को यह सूचना जारी करके पूक्तेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिकां गृरू करता हुं।

उनद सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 शिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० एफ०-4, पश्चिम श्रपार्टमेंटस्, जो पांचवी मंजिल, श्रन्धेरी पूरब पश्चिम को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गिलबर्ट हिल एरिया श्रंधरी रिकिएशन क्लब के पोछे, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12805/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🛭

अरूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांउ 3 मई 1985

निर्देश सं० अई-- 2₁ 37ईई₁ 129**0**7₁ 84-- 85---- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्ती सं० पर्लंट नं० 402, चौथीं मंजिल, बिल्डिंग कालगेटस्-ए०, प्लाट नं० 334, एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगला, वर्सोचा, अन्धेरी (प०), बन्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 उल्ल के अधीन सक्षम प्राधिआरी के जार्यालय, बम्बई में रिजिल्ट्री है, तारीं 28-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तर में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमतीं पुत्रा खत्तार पति,रविस्दर सुमार और अन्य

(ग्रन्तरः)

(2) श्रींमती नींलम खतार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, अने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्पाक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकरो।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त अब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस ची

पलैंट नं० 402, जो चीथीं मंजिल, बिल्डिंग ऋसांगेट ए०, प्लाटनं० 334, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज बर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2,37ईई,12907/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 3-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन,एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्णन रेंज-2, बम्बई
ब बई, दिनां : 3 मई 1985
सं० श्रई ⋅2/37ईई/11084/84-85---श्चत : मुझे,

लक्ष्मण दास,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिस्की सं० फ्लैट नं० 601, छठीं मंजिल, हेमग्टेट चार बंगला, लोखंडवाला काम्प्लेक्स, ओणिवरा, अन्धेरी (पिक्चम), बष्वई 400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्णरूप से विजित है), और जिस्या करारनामा आयगर अधिनियम की धारा 269 व ख के अधीन सक्षम प्राधिगारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारींख 5--9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितंत्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- ंक) अन्तरण त हुई फिली आध को बाबत, उक्त औध-नियम के अभीन कर बोने के अंतरक के वायित्व के कंकी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्; कीर/श
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियान में सुविधा उं लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिन्धिम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धू— (1) श्रीमती मनीवा ए० खान ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमार रुपिन्दर टी० सचदेव कुमार पृष्पिन्दर टी० सचदेव और श्री हरविन्दर टी० सचदेव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्ध होगा, वो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्स्वी

फ्लैट नं० 601, जो छठीं मंजिल, होमस्टेंड, चार बंगला लोबंडवाला काम्प्लेक्स, ओशिवरा घट्येरी (पश्चिम), घम्बई, 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई -2/37ईई/11084/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी ब बई द्वारा दिनांक 5--9--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिदारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, **ब**स्ब**ई**

तारींख: 3-5-1985

माहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई--2/37ईई/12721/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 56, पांचवी मंजिल, प्रन्हेरी जुहू राधेश्याम अपार्टमेन्ट, जुहू लेन, श्रन्हेरी (पिश्चम) बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची, में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका व राज्यमा आपश्र अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारींख 22-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बनः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्रक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) श्रीमतीं हंसाबेन रतींलाल शाह (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीं कल्याणजीं मोरारजीं गाला और, श्रींमतीं गीता कल्याणजीं गाला (अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त ब्रन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

पत्तैट नं० 46, जो पांचबी मंत्रिन, अन्बेरी जुहू राधे-श्याम अनार्टमेंट, जुहू लेन अन्बेरी (पश्चिम), बन्बई-400058 में स्थित है।

श्रत्भूती जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/12721/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायशर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मोहम्मद अर्ली कासमाली मर्चन्ट ।

(अन्तरक)

बाबफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा 269-क (1) के ब्रुभीन क्वान

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/3-ईई/12691/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्नका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 604, छठी मंजिल, नातंदा बिल्डिंग, 142-143 जें० पी० रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य के धिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रों है, तारीख 22-9-984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कन्न के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरिति में) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्रम निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तियक क्रम के के सम्मानिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तियक क्रम के के सम्मानिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तियक क्रम के के सम्मान अली किया गया है के सम्मान

- (का) अध्यारण से हुई किसी मात्र की बाबत उपल अधि-नियम के अधीन भर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए? और/मा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम या भन- कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तिरती इतारा प्रकट नहीं किया गया का साम के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1! के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (2) श्र दिलीप बाबुलाल वखारिआ (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रों पत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उथ्ह अधिनियम के अध्याय 27-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिसा गया है।

अन्स्ची

पतैट नं० 604, जो छठी मंजित, नालंदा बिल्डिंग, 142: 143 जैं२ पी२ होड, अन्त्रेरी (पडेनम), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुभूकी जैताकि के सं अई-2/37ईई/12691/ 84-85 और जा तत्तन प्रशिक्षित, बम्बई द्वारा दिनांत 22-9-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकारी सहाजक आजकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप गाइ. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्वय . महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देण सं० अई-2, 37ईई $_{l}$ 12740, 84-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधित्यम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, महावीर अपार्टमेंटस नं० 2, वर्सीवा लक्ष्मी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में स्रौर पूर्णक्ष्प से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धःरा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, विम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्ति विक रूप ने किथान नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण सं हाई किसी आय की बावत, उबक्ष अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रभाजनार्थ अंतरिकी दुराया प्रकार करते हैं कि पर था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त बांधानियम की धारा 269-ग कं अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 20—126GI|85 (1) श्री एन० एस० राव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीना आर० राव और, श्री राव राघवेंद्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मस्पित्त को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप ---

- (क) इस मुचना ने राजधन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की जनिथ या तत्यम्बन्धी न्यक्तियाँ पर मुक्ता की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी न्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 104, महावीर अपार्टमेंट्स-2, जो वर्सोवा लक्ष्मी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रताप सोसायटी के सामने, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12740/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांदा 3 मई, 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/11105/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दाम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पज्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 10. अन्धरी विश्वगीत को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहली मंजिल, जे० पी० रोड़, चार बंगला, अन्धेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्प से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय, बम्बई में रजिस्ट्री है. नारीख 10-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अहरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और पंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्च अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरम दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मानविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री सुभाष चुघ

(अन्तरक

(2) डा० केतन पी० पारीख ग्रौर, डा० श्रीमती प्रज्ञा केतन पारीख मैसर्स इलेक्ट्रानिक्स कन्सल्टन्सी सर्विसेस (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

पलैट नं 10, अन्धेरी विश्वगीत की-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहली मंजिल, प्लाट नं 143, जे पी रोड़, चार बंगला अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि सं अई-2/37ईई/11105/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5**-**1985

मोहर 💸

प्रकृप बाह् , टी. एन्, एत् ...----

बावकर् विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के वधीन स्पना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11106/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए०-4, सुनीला निवास को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 89-90, चार बंगलो के पास, लोखंडवाला काम्प्लेक्स रोड़, अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अस्तिवधा के लिए;

नत:, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती रुपा के० इसरानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला सतील मथाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार्टी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्वन के बिए कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4/5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सै 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पस्तकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थी

फ्लैंट नं० ए०-4, सुनीला निवास को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 89-90 चार बंगलो के पास, लोकमान्य काम्प्लेक्स रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जसािक कि सं अई-2/37ईई/11106/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाइ .टि. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 3 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2, 37ईई/10586, 84–85–अत : मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट न० 304, तीसरी मीजल, वसींवा गायती, की-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, गायती, जे० पी० रोड़, अन्येरी (पश्चिम) वस्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुखी न श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिमका करारतामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 कख के अवीन सजन प्रिंधकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5 -9-1984.

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित् :---- (1) श्री प्रताप सिंह लालवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री नरसी ए० झ। गिआनी ग्रौर, श्रीमती मोहिनी एन० झांगिआनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयं हम्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेये।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननश्र की

पत्नैट तं 304, जो तीसरी मंजिल, वर्सीवा गायती को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड गायती, जे पी रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई 400058 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि का सं अई-2/37ईई/10586/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लय्मण दास मक्षम प्रांधकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - - ----

রাধকর জাখিনিষ্ট . 1961 (1961 का 43) की । গ্যাং 200-ম (1) के अर्थान स्कान।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-2, वम्बई
वम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11116/84-85—- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर जांधानयम, 1963 (1961 क। 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबट अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हां कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रहः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, "सी०" बिल्डिंग, पंचवटी ग्रपाटमेंटस् जह लेन ग्रन्धेरी (पिष्चम), वम्बई 400058 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबाद ग्रनुस्ची में ग्रांर पूर्ण-रूप से विणत है), ग्रांर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिन्यम का वारा 269 कख के ग्रवीन सदम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ग्रतिफल के जिए अन्तरित का गई है ग्रीर मुक्ते ग्रह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वाक्त समित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रमान प्रतिफल का प्रस्त ख्रमान प्रतिफल का कन्दह ग्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितिग्रत) के बांच एस अन्तरण को जिए तथ बागा मया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण सिवान में अधिक है और अन्तरण को जिए तथ बागा मया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण सिवान में अधिक है सिवान में अधिक है की स्वान नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण सं हुई किसी अध का बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के निष्टु; और/अ।
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी भग या जन्म आस्तियों कां, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1925 (1922 कर 11) या उबस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था छिपाने मा सुविभा क सिन्ध, अ

अकः अव, उक्त अधिनियम की भारा 209-ग के अवतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ वं उपभाग्य (1) क्रुं अधीत निम्नक्तिभित व्यक्तियों, अधार (1) श्री किरोट एन० दलाल और श्रीमती हिमानी के० दलाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र वी० दलाल ग्रीर, श्रीमती देवीला डी० दलाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना बारा करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स्व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मी किए जा सकीये।

स्याद्धीकरण:—इसमें प्रयुवत शावों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 21. जो ''सी०'' विल्डिंग, पंचवटो अपार्ट-मेंटस्, जुहू लेन अन्धरी (पश्चिम). बस्वई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/11116/84-85 श्रोर जो पक्षम प्राधिकारों, वम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11045/84-85—ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

हासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 211/12. बिल्डिंग नं० 42, मनीपनगर, दूसरी मंजिल, "सी०" विंग, जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पिंचम), बस्बई 400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्प से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के द्यायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए: बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती नर्गीस एस० सिम्राल ग्रौर कुमारी ज्योती एस० सिम्राल ।

(अन्तरक)

(2) श्री थमाटूर मोहनदास

(अन्तरिती)

स्त वह वृत्रका बाड़ी करके पृत्रों कर सम्मृतित के वर्षक के विषय कार्यवाहियां करता हूं।

वन्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोध्ड--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकासन की तार्शित से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी वर्वीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, वा उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मन्स ची

फ्लैंट नं० 211/212, विल्डिंग नं० 42, मनीप नगर, जो दूसरी मंजिल. "सी०" विंग, जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रमुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/11045/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रेंज-2. वस्वई

नारीख: 3-5-1984

गोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

आरत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12686/84-85—-श्रत : मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 107, पहली मंजिल, ग्रन्धेरी ग्राशियाना को-ग्राप० हा० सोसा० लि०, ग्राम्बिवली जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

- को पूर्वीवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमाण् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक्ष निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्ष्य अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के राधित्य में कामी कारत या उसस रचने में स्विधा के सिए, और था
- (अ) एरेरी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा कं निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ध—

(1) श्रीमती फातमा गुलाम हुसेन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी लुथा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

डक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप कि-

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की ज्विध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के ग्जपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्में का, वा उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्पी

फ्लैंट नं 107, जो पहली मंजिल, अन्धेरी आशियाना को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं ए०-3, आम्बिवली, जे पी रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थत है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं ग्रई-2/37ईई/12686/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) ाई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षक)

ग्रजन रेंज-2, वस्वई

वम्बई. दिनांक 3 मई, 1985

निर्देश सं ० ग्रई-2/37ईई/11036/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर मंपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिपकी सं० फ्लैट तंत्र 405, बाँथी मंजिल, बिल्डिंग बेलामेंट चार बंगला बसोंबा, ग्रन्धरो (पश्चिम) वम्बई-400058 में स्थित है (ग्रांग इत्ते उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), ग्रौर जिनका करारनामा ग्रायक्तर ग्रिधिनियम को धारा 269 के, खे के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यात्र में रिजिन्ही है, तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बाला-जिक कुछ से क्षित नहीं किया क्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उपक्त अधि-विश्ववा को अधीन कर बोचे को अन्तरक के बारिएच में काली करने वा शवाले बचने में मुन्मिका के फिए; बार/या
- (स) एसी किसी बाव या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, सा धन कर अधिनियम, सा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) द्यी नारायण एम० इतरानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रघवीर सिह विकी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीगर प्यांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गृह जिस्ति में किए सा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रश्नुवत शन्दों और पदों का, जो उक्त जिम्हीनयम के जध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 405, जो चौथो मंजिल, बिल्डिंग बेलमान्ट प्लाट नं० 340, एत० नं० 41 (पार्ट), चार बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धरी (पिंचिम), वस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि० सं० श्राई-2/37ईई/11036/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🖫

प्रकार बार्ड. टी. युन्. एड. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बारत सरकात

कार्यालय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज-2. वस्बई वस्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देण सं० म्रई-2/37-ईई/12783/84-85-म्प्रतः, मृझ, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की चारा 269- व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की वह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मून्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 406, बौथी मंजिल, बिल्डिंग केनमोर, चारबंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुका से कम के दश्यमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एटा विशेषित का किसी धन वा अन्य बास्तिको वा विवास का स्वास्तिको स्वास्तिका वा अन्य किसीन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रकोषनार्थ क्लार्ट्सिया प्रकट कहीं किया स्वास्तिका आना काहिए था, छिपाने से अधिका के लिए;

जत जब जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 21—126GI85

1. श्री अन्वास भाई हुसैनी भाई खे।कावाला

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० वाय० साकरवाला

(अन्तरिती)

को बह सुषमा बारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां काउता हैं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इब स्था के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिया की समृद्धि वा तत्त्वस्थाने व्यक्तियों पर भूषना की तामील से 30 दिन की सर्वित, वो भी सन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को जीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्य अधिनत द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निस्ति में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सधी

पलट नं० 406, जो चौथी मंजिल, विल्डिंग केनमोर प्लाट नं० 346, एस सं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम). वस्बई-400 058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कर संरु श्रई-2/37—ईई/12783/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीच: 3-5-1985

मुक्ष बाह् . टी. एम. एव. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन स्थान

TIST RETAIN

कार्यालय, तहावक बायकर वायुक्त (विरक्षिक)

श्रर्जं न रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं ० ग्रई-2/37-ईई/12722/84-85--ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वासार 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 56-ए, पांचवीं मंजिल, ग्रन्धेरी जूह राधेश्याम श्रपार्टमेंट्स, जुहु लेन, श्रन्धेरी, (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वामा नया प्रतिफल, विस्निविद्य उद्ववस्य से उक्त बन्तरण विस्निविद्य उद्ववस्य से उक्त बन्तरण विस्निविद्य उद्ववस्य से उक्त बन्तरण विस्निविद्य अपनिविद्य से सम्तिविद्य के विद्या नवा है स्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत विधानियम के वधीन कर दोने के क्लदरक की कादित्व में करी करदे वा उसके क्लूबे में कृषिया के लिए; बांदि/बा
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या इन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया धावा चाहिये था, कियाने में सुविधा के दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

1. डा० रतीलाल के० शाह

(ग्रन्तरक)

2 श्री मुनीत कल्याणजी गाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिभ बाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं 56-ए, जो पांचवीं मंजिल, ग्रंधेरी जुहु राधेश्याम ग्रपार्टमेंट्स, जुहु लेन, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई- 400.058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र $\frac{1}{2}$ $-\frac{1}{2}$ $-\frac{1$

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

प्रकृष प्रार्के दी एक एक ---

बायुक्त वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन नुमना

ब्रारव बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12934/84-85--ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302/बीं, लैण्डस् एण्ड लोखंड-वाला काम्पलैक्स, ग्रन्धेरी (पिश्चम), वम्बई-58, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफच से, एसे दश्यान प्रतिफन का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (ज्लारितियाँ) के बीच एसे बन्हर के निए तय थाया क्या मृतिफ न निम्नुनिचित उस्टिंस् से उस्त बन्दर कि विद्वा में शस्तिक रूप से किया नहीं किया व्या है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाक्तियम मो कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के जिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- 1. श्री श्यामलाल गुप्ता

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रौर श्रीमती नरेश कुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति। के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्वना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाड़ा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितब इध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधाहत्ताक्ष्री के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पृक्षें का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वही बर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 302/बी, लैण्डस् एन्ड लोखंडवाला काम्प्लैक्स ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/12934/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-198o

मोहर 🖁

प्ररूप आह².टने.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ३ मई 1985

निर्देश सं ० अई $-\frac{1}{3}$ 7-ईई/11027/84-85--- म्रतः मुजे, लक्ष्मण दानः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भ्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 43, ज्यूबिली दर्शन, चौथी मंजिल, यारी रोट, बार्मोबा, श्रन्धेरी (पण्चिम), बम्बई— 400 058 में स्थित है। (श्रीर इन्से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप बीणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम शाबिकारी के कार्यालय मे रजिस्द्री है, दिनांक 5-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह किश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके त्रव्यासः (निकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदान स अध्यक्ष है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिति (अंतरितियों) के स्वय एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलाखन उद्देह, से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किश्व नहीं किया गया है:—

- (क) अतरक स हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंध-नियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्थ में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए

। श्रीमती धून नोणिर धल्ला।

(ग्रन्नरक)

2. श्री पी० ए० वीरर्जा

- (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अशीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

फ्लैंट नं ० 43, ज्युविली दर्णन जा नाथां मंजिल, यारी रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पण्चिम). बम्बई-400 058 में स्थित है।"

यनुसूची जैसा कि क० सं० यई-2/37-ईई/11027/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्य वस्वई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजिस्टर्ड शिया गया है।

्व द लक्ष्मणः
पक्षम् प्राधिकारी
महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)
स्रावंन रेज-2, त्रम्बई

नागेख: 3-5-1985

मोहर .

म्बन् बार्ड्डी हुन् पुर

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुधीन स्पना

ब्रारत तर्कार्

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्वाक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37—ईई/11481/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल, ब्लू चीप को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० डी० वर्फीवाला रोड, विले पार्ले (पिष्चम), श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाम की बामत, उक्स बिशिनियम के बजीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिश् के लिए; बीर/बा
- (ख) एसी किसा आय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, बिन्हें भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया को ब्रिया के ब्रिया

श्रतक्ष जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री जी० एस० बन्साल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रमेश एच० बहिरवानी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चाडी करके पूर्वोक्त संब्दित के वर्षन के विष्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में कियु वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स बिक्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

ग्रन्सूची

प्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, ब्लू चीप को-म्राप० हौ० सोसायटी लिमिटेड प्लाट सी० टी० एस० नं० 513 (1 से 6), 487 मी० डी० बर्फीवान्ना रोड़, विलेपार्ले (प०), म्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्राई-2/37—ईई/11481/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-5-1985

प्ररूप बाई टी.एन. एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाकक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/12883/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8/54, रामेश्वर दर्शन को-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, चार बंगला, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक कार्य अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:---

 श्री लारेंस फर्नान्डीस ग्रार श्रीमती ग्रेसी फर्नान्डीस।

(अन्तरक)

2. श्री इन्दरजीत सिंह ग्रदाण श्री श्री मनजीत सिंह ग्रदोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध मा काई भा आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में पॉरशाषित है, वहीं अर्थ होंगा का उन क्याय में दिया गया है।

अनुबुद्ध

फ्लैंट मं० 8/54, जो समित्रक द्विन को-श्रापरेटिक हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, द्वार वंगला, श्रन्धर्श (पिचम) बम्बई-400.058 में प्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर्व श्राई-1/37-ईई/12883/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टई किया गण है।

> लजनग दास ाक्षम प्रादिकारी सहायक प्रायक आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्वई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ ुट. एन. एस. - - ---

करवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्वई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/12773/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, छठी मंजिल, बी—विंग, विल्डिंग नं० 2, 3, 4, ग्रन्धेरी मनीष गार्डन, को-म्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, मनीप नगर, चार बंगला, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (प०), वस्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रमुस्ची में ग्रोर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 2 अक, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री -है, तारीख 24-9-1984

को प्लोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के स्थमान डितिफल के लिए कन्तरित की गई है और बुके यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से किशत नहीं फिया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय की बाबत उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरूक के द्वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्कृतिया के लिख्क और/या
- (क) होती किती जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के बनुबरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) को अधीत, निम्निनिक्ति व्यक्तिसयों, स्थाद् श्री राजकुमार ए० सिंघल श्रीर श्रीमती सुधा एच० सिंघल।

(ग्रन्तरक)

 श्री सतीश शांताराम नागरकट्टी ग्रौर श्रीमती भारती सतीश नागरकट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को ववधि, को भी नृक्षि बाद में समाच्य होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजफन में प्रकाशन की तारीखः से 45 दिश के शीतर उनस स्थावर सम्यक्ति में हिस-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त विधिनयमा के बध्याय 20-कामें परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

arrest.

फ्लैट नं० 602, जो छठी मंजिल, बी-विंग, बिल्डिंग नं० 2, 3, 4, अन्धेरी, मनीष गार्डन को-आप० हार्जिसंग सोसाईटी लिमिटेड, मनीष नगर, चार बंगला, जे० पी० रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्राई-2/37–ईई/12773/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-5-1985

माहर:

प्ररूप काइ . टी. एन . एस

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के वधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/12888/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'6!9-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, तिसरी मंजिल, बर्सोवा, मनीष को-श्राप० हार्डीमंग सोसायटी लि०, मनीष नगर, अन्धेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मतित के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रावमान प्रतिफल के एसे द्रायमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तारक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए द्राय क्वा नृत्य प्रतिकत, विश्वधिक स्कृष्ट के स्वरं क्वा क्वा मुक्त प्रतिकत, विश्वधिक स्कृष्ट के सिए द्राय क्वा मुक्त प्रतिकत, विश्वधिक स्कृष्ट के सिए द्राय क्वा मुक्त प्रतिकत स्था से क्वा क्वा क्वा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त विधिषयम के वधीन कर देने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंदी किसी बाव या किसी धन या जन्य वास्तिवों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निरन्दिस्थित अधितयों स्थात् क्ष- 1. श्री फांसीस थॉमस ग्रहफान्सी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चित्रा सनदी

(ग्रन्तरिती)

बी यह सूचना आर्डी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर स्म्पित्त में हितबद्ध स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में विराणका रखेंगे।

स्पष्टीकरण: - श्रिमों प्रयुक्त शब्दों और पदों कता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सू ची

फ्लैट नं 305. जो निसरी मंजिल, वर्सोवा मनीष को-श्राप इ। इसिंग सोसाईटी लिमिटेड, मनीष नगर, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37—ईई/12888/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28–9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-5-19इ5

बाहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस .-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/12463/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 309, तिसरी मंजिल, बिल्डिंग त० 31, एस० एस० नगर, ग्राम्बोली विलेज, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-9-1984

निश्च पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कश्नै का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संदुर्द किसी नाथ की बाबत, उसत नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त में कमी करने या उससे बचने को सृद्धि। के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा छै लिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मं, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तिवों, अर्थात् क्ष--- 22-126GI[85

1. श्री वी० बी० पटेल एण्ड कं०

(मन्तरंक)

2. डा० एम० जी० शेट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्प्रीति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

अनुसूची

''फ्लैंट नं० 309, जो तिसरी मंजिल, बिलिंडग नं० 31, एस० एस० नगर, श्राम्बोलो वीलेज, श्रन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।''

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37—ईई/12463/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🗯

प्ररूप बार्ष ु टी. एन. एस. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन स्मना

भारत वरकार

कार्बासन, बहायक आमकार आयुक्त (निर्देशका) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12893/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 601, छटी मंजिल, "पुरुषोत्तम रुक्मिणी पुरुषोत्तम को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, 21, जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पिष्चम), वम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम सं हुई किसी बाय की बाबल, उला बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने के उसस बचरे में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति स्ती द्वारा अन्ति गृही विकास गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बे, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री गिरीक ग्रमृतलाल मेहता ग्रौर श्रीमती इचावेन ग्रमृतलाल मेहता।

(ग्रन्तरक)

 श्री महेन्द्र ग्रम्वालाल उपाध्याय ग्रौर श्री जगदीण ग्रम्वालाल उपाध्याय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वय्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

''फ्लैंट नं० 601, जो छठी मंजिल, "पुरुषोत्तम" रुक्मिणी, पुरुषोत्तम को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 21, जे ० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।" ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/12893/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

श्रक्ष बाइ .टी. एन. एस------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/12843/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1003, गाम्बस टावर्स, चार बंगला, श्रन्धेरी (पिष्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269π , ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री नरेन्द्र डी० वीर।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रकाश टी० वासु ग्रौर श्रीमती ध्रुव प्रकाश वासु।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र क्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

"फ्लैंट नं० 1003, गोम्बस टावर जो प्लाट नं० 15 (पार्ट), जुना सी० टी० एस० नं० 100, नया सि० टी० एस० नं० 1368, चार बंगला रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37–ईई/12843/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 3-5-1985

मोहार 😗

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सुचता

शास्त्र सरकार

कार्यांसय, सहायक नायक र नायुक्त (विरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12712/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 003, जो प्लाट नं० 159, इमारत बी०, समुन्दर दर्शन के:-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पं०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत, तक बिंधीनगर के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कार्यों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1929 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स एवरशाईन एसोशियेट्स

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश किशिनदास वाधवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वन्स्ची

''फ्लैंट तं० 003, जो प्लाट नं० 159, इमारत नं० बी०, समुंदर दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वर्सोवा, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37—ईई/12712/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ब्र

तारीख: 2-5-1985

हरूप बाई .टी एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ(1) के बधीन सुचना

वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (तिरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई $-2_1 37$ ईई $_1 12708184-85-36$ ः मुझे, लक्ष्मण द।स,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 27,जी, है तथा जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेटस, न्यू लिंक रोड़, ऑफ विरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है ग्रंग इसमें उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किथत नहीं किया गया हैं

- (क) सन्तरण में हुई किशी बाब की बावस, जक्त ब्रांशनियम के सभीन कर दोने के बन्दरक के दाबित्व में कजी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रांग्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिय था, किया में सुद्धिम की जिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)} बों अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों के वर्षात् ः— (1) मेसर्स नूतन कन्सट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री शिशिर गोर्धनदास शहा ग्रौर कुमारी रूपल विक्रम शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्ी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं ' 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, बो उक्त क्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, बो उस क्ष्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

युनिट नं० 27_l जी जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेटस न्यू लिंक रोड़, आफ विरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई $_{1}$ 12708 $_{1}$ 84-85 स्त्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई,

दिनांक 2-5-1985

श्ररूप बाई'.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/12588/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 305, जो, बसेरा अपार्टमेंटस, ए-विंग, प्लाट नं० 47-48, ऑफ 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित. सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के भीच एस धन्तरच के लिए तय पाया गय प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्तित हैं बास्तिवक रूप से किया नहीं किया नवा है हैं

- (क) अन्तर्भ वं हुई किसी नाय की नायत, उनके विभिन्नियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य को कभी करने थे। उससे स्वयं में स्विशा के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसो अय या किसी धन या उत्त्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मंसिबधा के लिए;

बतः बद, उक्त विधित्यम् की भारा 260-ग कै बनसरण् बी, मी, उक्त विभिनियम् की भारा 269-च की उदधारा (1) चे बधीग्_र निकासियतं व्यक्तियों, अमृत्यि डे— (1) एस० एस० डेव्लपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुराज एम० शर्मा ग्रीर श्रीमती राजवती आर० शर्मा।

(अन्तरिती)

को बह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वृर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास विकाश कार्या होती हो, के भीतर प्रविकास कार्या होती हो, के भीतर प्रविकास कार्या होती हो, के भीतर प्रविकास कार्या है किसी कार्या है किसी कार्या है किसी कार्या है के सिक्सी कार्या है किसी कार्य है किसी क
- (ख) इब सूचना के राजधन में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वन्स्की

फ्लैट नं० 305, जो बसेरा अपार्टमेंटस, ए-विंग, प्लाट नं० 47-48, 4 बंगला वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12588/84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🔢

प्रस्त्य बाह्नं. टी. एन. एस :

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12683/84-85-3 लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 705, 7वीं मंजिल, सिद्धी इमारत नं० 1, कल्याण नगर, यारी रोड़, ऑफ ज० पी० रोड़, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्यकान प्रतिक ल के निए अन्तरित की गई है बाँर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित काषार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफ स से एसे दश्यमान प्रतिफ स के पन्तद् प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) बाँर बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबके, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ १ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या या या किया जना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) दर्यनानी (इंडोस:यगन) कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश सिंह हरीराम सिंह रायकवार। (अतरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्र मो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा:
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

वन्स्व

फ्लैट नं० 705 जो 7वीं मंजिल, सिद्धी इमारत नं० 1, कल्याण नगर, यारी रोड़, ऑफ जे० पी० रोड़ वर्सीवा ग्रंधेरी (4), बम्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/12683/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई -2/3755/10467/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, जो 1ली मंजिल, रोटरी पार्क व्हयू को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० कुश अपार्टमेंटस प्लाट नं० 4, क्यू -1, विरादिसाई रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिवीं (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नीलिखत उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शम्सिल इप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं िकसी आय की आखत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विश के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् धू—

- (1) मेससं ठक्कर एन्ड कारवा एसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्री विस्वास दत्तःतय घाटपांडे । (अन्तरिती)

क्षे बहु सूचना कारी करके प्योंक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उनत सम्परित के नर्सन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीनर उक्त स्थावर सन्पत्ति मों हितबद्ध किसी ब्रन्थ व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्ची

पर्लंट नं० 102, जो 1ला मंजिल, रोटरी पार्क व्हयू को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कुश अपार्टमेंट, प्लाट नं० क्यु-1, विरा देसाई रोड़, ग्रंबेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ई\$/10467/84-35 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को रिक्टिंड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

६ ल्प अहर . टी एन . एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

धारत मरकार

कार्यालय महायल आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12601/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकान 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीर सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 34, जो 3री मंजिल बी विंग, प्लाट नं० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्ना को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० नं० 41 (ग्रंग), ग्रोशिवरा 4 बंगला, ग्रंधरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1984

को पूर्वोक्त मम्पित के उण्णित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यप्रभित्र सम्मित का रिक्त माजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के रिक्त प्रतिकत से अधिक है कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एक अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के अधिरत में अभी करने या उसमें अचने में सुनिभा अधिराह और या
- (क) एमः किलं अप या किली धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम या धन-ना अधि एकः, 1957 (1957 को 17) की प्रमाणनाथ के जिल्लो कुशन एक नहा किला गया था या पिका काल नाहिए था। विस्तान मा मुनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अ अधीन किस्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ३— 23—126GI|85 (1) ट्रोडका कन्स्ट्रक्णन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू विनायक पै, और श्री विनायक रामनाथ पै।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या राहम्बन्धी निर्मा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीनार रण्या स्थानर समात्ति में हितवद्ध िन्में नाम सान्ति क्वारा संधानस्थासम् वे साम विकास में किए जा सकोंगे।

स्पब्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के लध्याय 10-क मा परिभागपर हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वनसर्ची

पलैंट नं० 34, जो 3री मंजिल, बी विंग, प्लाट नं० 24, श्री स्वामी ममर्थ प्रसन्ना को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० नं० 41 (ंग्रंश), ग्रोशिवरा विलेज, 4 बंगला, वर्सोवा श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12601/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बस्वई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काश्रीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं अर्ड-2/37 ईई $_{l}$ $1\,2\,6\,0\,0/8\,4-8\,5$ — अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारफ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 11, जो. 1ली मंजिल, ए- विंग, प्लाट नं० 24. श्री स्वामी समर्थ प्रमन्न को० ऑप० हाउसिंग मोसायटी लि०, ग्रीणिवरा विलेज 4 वंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), वम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में एकिया चे लिए?

कतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) ट्रोइका कन्स्ट्क्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री भीमराव यल्लापा घोडके।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुवर्ध [कसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनुस्दी

प्लैट नं० 11, जो 1ली मंजिल "ए"—विंग, प्लॉट नं० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० एम० नं० 41 (श्रण) श्रोणिवरा विलेज, 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), वम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई -2, 37ईई, 12600 84-85 स्त्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज –2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) हरासिद्ध क।परिशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

(2) श्रीमती डोरोस डिसोजा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37ईई·12575/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चारा 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1 जो 3री मंजिल बेस्टल प्लाट नं० 78 युनिट नं० 638 श्री स्वामी एस० एस० प्रसन्न को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि० ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-9-1984

को पर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय वाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए: और/या

अतः अवः, उक्षतः अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 📭 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर फर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध बहुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया . बया है।

अनुसूर्चा

फ्लैट नं० 1 जो, 3री मंजिल, बेस्टल, प्लाट नं० 78. युनिट नं० 638, श्री स्वामी एस० एस० प्रसन्न को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित

अनसूची जैसा कि कम सं० अई-2, 37ईई/12575/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

प्राप्त की कि पूर्व

नाथवर विधिनिस्पः, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) वे वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-्, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 वम्बई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12769/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 19: (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम अहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जितका टिचल बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. संअधिक हो

ग्रीर जिसकी स० पर्लंट नं र (त.र्थ स.ईड), जो, 1ली मिजिल, "अलपोन" प्लाट वैजरिंग सी० टी० एस० नं 406, जय भवानीमःता मार्ग, अ.फाससर रोड़, ग्रंबोली, ग्रंधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित है।

(श्रीर इसने उपायद्ध जनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269श, ख के अधीन पम्बई मिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में राजम्ही है, तारीख 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्लाजिसित उद्देश्य से उक्त अर्एण लिखिए भी बास्तिबक एप से कथित नहीं किया गया है:---

बन्तः से हुई शिसी आय की शक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के सन्तरक के शामित्य मा अधी करने वा उनसे वसने में सुविधा

्रक्षं एनेती किसी शाम सा किसी भन सा अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१०४२) जेए (1) या उक्ते अधिनियम, या पन-क्षण कर बीए वस 1957 (1937 का 27) की प्राप्तिक शन्तियों द्वारा नक्ते वहा किया एका था या किया जाना चाहिए था, कियाने से श्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण ओ, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को क्षीन, निम्निसिंश व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गिरीराज एसो सएटस।

(अन्तरक)

(2) श्री संदीप सुरेण अवरसेकर श्रीर श्री प्रदीप सुरेण अवरसेकर।

(अन्तरिती)

को यह सुमना कारी करके पूर्वोक्त सम्मिति कं अर्चन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति
 व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्यन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरां के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

पिष्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दां आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अन्सूर्चा

पलैट नं ० 4 (नार्थ सम्इड), जो, ाली मंजिल, "अल्पीन" प्लॉट बेअरिंग सी० टी० एस० नं ० 406, जय भवानीमाता मार्ग, ऑफ सिसर रोड़, थ्रंबोर्ला, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसारिक कस सर अई-2/37ईई $_{j}12769_{j}$ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 2-5-1985

प्ररूप बाइ े टी. एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/11069/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे/406, जो, ज्यूणिटर ग्रपार्ट मेंटस ओशिवरा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावछ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारोख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण कि खिट में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हाई किसी आय की बाबत, नकत अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के सायत्व मो अभी करने का उक्तों सबने को ट्रियंग की लिए, बाई/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिल्हां भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । ज्ञपाने से स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :— (1) हिरानंदानी विल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश के० ग्रारोरा और श्रीमती बेला एम० ग्रारोरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 करिक्तयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा मकी में :

हमस्यिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों अदि पदों का, जो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्यी

पलैट नं० जे/406, जो ज्युपीटर ग्रपार्टमेंटस, ओशिवरा अंधेरी (प), बम्ब ξ -58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं ग्रई-2/37ईई/11069/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

प्रकार आर्ष . टी . एन . एस

(1) मेसर्स मिनू जिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

बाबकार अभिनित्रकः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अभीन सुपना

(2) श्रीमती विस्मीता वी ग्राशर।

(ग्रन्तरिती)

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

म्रार्जन रें ज−2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/12774/84-85--अत. मुझे, लक्ष्मगदास

बायकर ब्रीभीनयम, 1961 (१)61 ब्रा 43) (जिस इसमें इसके प्रवाद 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है"), की भाष 269-ज के स्थित मक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- का से जिलक हैं
और जिसकी कांव पलैट कांव 1 और 4, जो, 7वीं कीजल, और दिरेग, "मिलू मिलार", बीना देसाई रोड़, अंधेरी (प), वस्यई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में ओर पूर्ण कप से विणान हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की वारा 269क, क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय वस्वई में रिजस्ट्री है, तारीक 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल को नए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रविशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से वर्गथत नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण हा क्रुष्ट िंगानी सहस्र करि सावता, सबत नामित्रक चार्चिक राज्या हिंदी के हिंदी के स्वाधित अपने साम्बिधा को नाम्द्रास्तरण केरार्चिक स्वाधित केरार्चिक साम्बिधा
- (क) एसि किसी अध या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, प्रजन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922 । 1922 न्या 11) या उत्तत आधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के रिष्ए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करतः ह*ूं* ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को ताचपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद भी समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त प्रात्तर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकेंगी।

स्यध्यीकरणः — इसमे प्रयक्त अब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

पस्पैट नं० 1, और 4, जा, 7वीं मंजिल, और टेरेस, "मिनू मीनार", दीरा देसाई रोइ, अंबेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रमुस्ची औसा कि त्रम २० श्रई--2/37ईई/12774/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टई जिया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्य । मं, मं देक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपकर ।।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 2-5-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12828/84-85—ग्रन: मुक्त, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं एन०-402, जो नेपच्यून अपार्टमेंटस, कोजिवरा, 4 बंगला, अंधेरी (प), वम्वई-58 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा यायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-9-1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्शोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित को कीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ॐ, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ♣ अधार, निम्निलिषित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) हिरानंदानी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती धुभा कांचन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट २० ६न-४०२, जो नेपच्यून ऋपार्टमेंटस,ओशिवरा, ४बंगला, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/12828/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बर्ड द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ाझम प्राधि ारी यद्यायक श्रायकर जायक्त (विरीक्षण) श्रर्कन रेंच – 2, बस्बई

दिनांक : 2-5-0985

Service and the service of the servi

प्ररूप काई जो एन.एड. -----

শ্যামত ব্যক্তিন্ত, 1961 (1961 **বন 43) কী** খাৰ 268 ম (1) চিন্তালী কুম্বনা

गारत मश्वतर

कार्यालयः, सत्त्रणः अध्यक्ष र भण्यतः (निरीक्षण) ग्रर्थनः रेंज्∼2, अस्वर्ष

वमवरी, दिनांक 2 मही 1985

निदेश सं० ग्र \hat{s} -2-37िं $\hat{s}/12848/84$ -85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आरकर अधि। नगर १५०० (१९५) का कड़, जिस इसमें इसमें परकार १५०० (१४५) का कहा गर। तै।, की भारा 269-इ के प्रधान सकल अर्थात्री को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थापन राज्यीत, जिल्ला जाना अध्यार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिस्की सं० फरैंट नं: 6010, जो, मर्क्युरी अपार्टमेंटम ें हिरानंदानी इस्टेट, अपना नर के पीटे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विचित्र है) और जिसका करारानामा आयकर अविनियम की भारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय वस्वई में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवन वाजार सुला है कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्के यह विश्वास् करहा का कारणाती हो असमान है और मुभ्के यह विश्वास् मूल्य उसके स्वयमान हो लिएता है है ए एमिन शिंदाहत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरित्यों) के बीक एमें अन्तराह के निए तय भाषा म्या मृतिकान विकासित उद्योग है उसके वात्रक निविद्य से बास्तिक रूप से क्रिक्ट नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक स हुई कसी नग की गावश शक्स बाविनियम के अधीन अस्तर्ग के अन्तरक की बाविक्ष में कभी गणी अ हमसे अधने मी पविका अधिक, वरिया
- (ख) एभी किसी आस था निया अन्य आस्तियों की. विक्रं अरोधि राष्ट्रका किंदरने, १०३० (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, शा अप्रकार अधिनियम १८०० की प्रयोजनार्थ जैतिरती द्वारा प्रकार नहीं किया ज्या था गा किया प्रमार अहिए था. व्यापा के सिद्धः

भतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (१) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :— (1) भेसर्भ हिरानंदानी विलड्भी।

(भ्रन्यरक)

(2) जस्मिन ए० साव, आय स्रशोक कुमार साव।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचनः भारी कानके ग्राहित सम्पत्ति के अवन के जिल् कार्रिकाहित्र करता हूं।

उक्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में खोई भी मार्खपः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अभावन की तारांख से 45 दिन की अविष् वा रासव है। व्यक्तियाँ पर मूचना की तामाल से 30 को प्रतिमान की तामाल से 30 को प्रतिमान की तामाल होती हो, के मीलर प्रविक्त अधिरायों में य किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजधन भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के कीसर उन्धा स्थापर अभित्त में हितजब्ध किमी जन्म का जिल्ला ह्वारा एथोह्न्स्या के नास निवित्त वा प्रकार का स्थापर ।

धन्स्ची

पलैट नं ० 601-ए० जो महयूरी चपार्टभेटम, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के नीटे, अरेणिवस, अंधेरी (प), वस्वर्ट-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि त्रम सं० अई-2/37ईई/12848/ 84-85 और जो सक्षम धाजिलारी, वस्पर्व द्वारा दिनांक 26~9-1984 को रिजम्पर्व किया गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षम प्राधितारी रहायक प्रयासक सम्बद्ध (निरीक्षण) यार्चन रेज-2, वस्वर्ड

दिनांक : 2-5-1985

मोहर ः

प्रकृष् बार्च . टी. एव . र्व . ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाछ 269 च (1) के बधीन स्चना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2मई 1985

निर्देश सं० ऋई--2/37ईई/10593/84--85---- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 403, जो, ईमारत नं० एफ--26, यमुना नगर प्रोजेक्ट, ओशिकरा, श्राफ जे० पीं० रोड, वसींचा, अंधेरीं (प०), बाबई--58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूचीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसवा वरारनामा आयश्य श्रिधिनियम कीं धारा 269 व, ख के अधींन सक्षम प्राधिशारीं के वार्यालय, बत्बई में रिजरहीं है, दिनांव 5--9-1984 को प्वार्थित के उचित बाबार मृन्य से कम के ख्यमान शितफल के लिए बंतरित की गई है बार मुक्से यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृबेंक्त संपत्ति का उचित बाबार ब्रूब, उसके दथ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्झह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक किंचिय में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाब की बावत, अस्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के सक्तिय में कभी करने या असते बचने में सुविशा के सिर्द; और/वा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिओं की जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् ध—— 42—126GI|85 1. मेसर्स जय जय कन्स्ट्रक्शन, कंपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीं प्रवींण दत्तात्रय पोतदार और श्रीमतीं प्रज्ञा प्रवींण पोतदार ।

(ग्रन्तरिती

को यह स्वना बारी करके वृवॉक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निर्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कुर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए वा सकोंगे।

स्वस्त्रीकरण: ---इसमें प्रवृक्त शब्दों बौर पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा घों उस अध्याय में दिका वसा हैं।

ग्रनुसूची

फ्लैट सं 403 जो इमारत नं एफ-26 यमुना नगर श्रोजेक्ट, मोशिवरा, आंफ जे० भी० रोड वर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/10593/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरीं ब-बई द्वारा दिनां ⇒ 5-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेन्च-2, बन्बई

दिनाक: 2-5-1985

माहर 🖁

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

्यबर अधिनियस. 196। (1961 का 43) की - रूप 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायंक भागकर उद्यास्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-२, बम्ब**ई**

वम्बई दिलांक 2 मई, 1985

निदेश सं० अ**ई**-2/3 **र्ईई**/12**585/84-85-** अतः सहो, लक्ष्मण वान

कपकार श्रीधानियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १८०० वे अधीन ४८ म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि श्रीधावर नम्पीतः, विश्वका उचित प्राजार मूला 1.1(1.900/- रह. से अधिक हैं

को जिनकी चेउ० य्तिष्ट नं० 32/एम, जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल स्टेट, बाइडा फ्लोर, न्यू निश्च रोड, एक्स्टेंबन, अंक्षेरी (प), वश्वई-58 में स्थित है (बीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण- हम में विविद्ध है). और जिल्हा र पारनामा आयवार अधिनियम की बाबा 269 जिल्ही है। तारींक्ष 18-9-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान पित्रा व क लिए अरारित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का लारण हैं कि यथाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यभाग लिए व सं, एसे दश्यमान प्रविक्त का अलह प्रतिपत्त से कथिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और धानरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तव पाया रूप प्रतिपत्त, नियालितित उद्वंदय से उक्त अन्तरण लिखित मां वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनिध्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कभी करने का उससे बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एकी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा १९९-घ की प्रणधारा (1) के अधीज, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) में तर्न लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट।

(ग्रन्तरङ)

(2) मेनर्स नावल्टी प्रिटर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीदारणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनिषम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

"यूतिट नं० 32/एम, जो. लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्राउन्ड फ्रों . न्यू नि ए रोड, एकाटेंशन, अंग्रेरीं (प), ब-बई-58 में स्थित है।

प्रमुची जैना िक लं॰ घई-2/3.ईई/12585/84-85 औं ता माराबितारी बन्बई बारा दिनाँउ 18-9-1984 की रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयऊर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, **बन्बई**

तारींख: 2-5-1985

राहर

प्ररूप बाह्र' दी एट पुस

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

मारत सरकार

कार्याक्य, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-2. बम्बई

बम्बई दिनां र 18 मई, 1984

निदेस सं० ग्र**ई**82/37**ई**/11081/84-85 ----भ्रतः मझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिमकी सं० फ्लेट नं० 502, जो, 5 वी मंजिल, इमारत रेगन्त्रीं-बीं, प्ताट सं० बीं-3, एं: नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंग्रेरीं (प), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्चनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा म्रायक्तर मधिनियम 1961 की धारा 269 एख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के अधीन तारीख 5-9-84 का पदावत संपंतित यो उपवेश याजार मुख्य म कन ज धरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करन का कारण हैं कि यभापनाक्त संगत्ति का उचित नाजार मन्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसं धश्यमान प्रतिफल अर्थ बन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय वाया गया गीतफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण त्निब्त मं बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/व्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कत्य अस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या कित अधिनियम, 1927 को अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट प्रहों किया बना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधार : रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेनर्स जीं० आर० इन्टरप्राईने ।।

(अन्तर:)

(2) जोहन िंह मल्होता और अन्य।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सर्पात्त के बाबन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कांई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राक्ष श 45 दिन की जबिध या उत्सबधी व्यक्तियां पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जां और अविधि बाद से समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्यागः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान विशेषन च विशेष का सकती।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उत्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में प्रश्निश्च इ., बही अर्थ होना जो उस अध्याम भें शहरा राष्ट्र कृति

अन्स्ची

अनुसूची जैसा ि क ०सं० शई-2/37ईई/11081/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरीं बन्बई द्वारा दिन्छे. 5-9-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिः।री सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 18-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 मई, 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/12847/84-85-- ऋतः मझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० एम/509, जो ६ वी मंजिल, मरक्यूरीं, अवार्टमेंट व , हींरान न्दानी इस्टेट, आजिवरा, अंधेरीं, (प), बम्बई-58 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के वार्यालय में रिजस्ट्रीं हैं तारींख 26-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेर्स ही यनदानी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रींमिति श्रान्तीं बीं० मेहता, कुमारीं डीं०टीं० पंडित, और कुमारीं देवल टीं० पंडित।

(अन्तिग्तीं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं ० एम/509, जो, 5 वी मंजिल, मरक्यूरी अपार्टमेंटस, हीरानन्दानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि का सं० अई-2/37ईई/12847/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड शिया गया है।

> लक्ष्मण दास तक्षम प्राधिकारी सहााक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 2-5-1985

प्ररूप बाई .टी. एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बन्बई
अन्बई, विनोक् 2 मई, 1985

निर्देश सं० ऋई--2/3', ईई/12736/84--85----ऋत: म्झे लक्ष्मण दास,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लेट नं० 701, जो, 7वी मंजिल, इमारत इमारत स्वाय लार्क, प्लाट नं० 89 एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओणिवरा, वर्सीवा, अंधेरीं (प) ब बई 58 में ियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जित्तका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ाख के अधीन सक्षम प्राधिवारीं के कार्यालय में रिजरहीं है, तारींख 22-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने के 'स्विधा के किएं: बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

जत: जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त जांधनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मसर्स लोखंडचाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि., (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रझियानीं हमींद शेख (अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना को राजपक 'में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिण नया है।

अन्स्ची

"फ्लेट नं० 701, जो, 7वी मंजिल, इमारत स्ताय लार्क, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई ·2/37ईई/12739 84--85 और जो सक्षम प्राधिशारी बाबई द्वारा दिनांक 22-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिः तरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 2-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन भुषाना

भारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--2, वन्ब**ई** बम्बई, दिनां ' 2 मई, 1985

निर्देश सं० ४**६** $\cdot 2/3$ । ईई/ 1 2735/84 -85 -- मुझे लक्ष्म य चात

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिन्नी सं० पतट नं० 203, यो 2री मंजिल, इमारत अब्होरी हाईटन, लाट नं० के एव० नं० 4 (अंग), 4 बंगता, चर्नीया अंग्रेरी (प) ब बई 58 में स्थित हैं (और इन्धे उनाबद्ध अनुपूत्री में और पूर्णका से विणित हैं), ओ कि कि अपीत को आगा 269 कब के अभीत नक्षम प्राप्ति गरी के अपीलन, बम्बई में किस्टी है, तारींख 22-9-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अर्न्तारत की गई है और मृभे यह दिश्वास करने का कारण है

िक यथा पूर्विभित सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-िलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) रेन्ट्य स हुई जिल्ही का की बायता, उनके बाजियम की अधीन कर दीन को अन्तरक की दिल्ला में कनी करने या उससे बचने में सुविका क लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर आंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधर के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (¹) मैं खं लाइंडवाला प्रिमानसेन प्राइवेट लि० (ग्रन्तरक)
- (2) मैं तर्स कौशिन ामबाईन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के ितए जायनाहिया जरता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ह

- (क) इस सूचना कं राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, कं भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है ।

अनुसूची

"फ्तैंट नं० 206, जो 2रीं मंजिल, ग्रव्होरीं हाईटस इमारत, प्लाट नं० 1, एत० नं० 41 (अंश), 4 बंगला वर्सोवा अंग्रेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैजाकि कर तंर अई-2/37ईई/12735/ 84-85 ओर जो नक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा विनांक 22-9-1984 को रजिस्ट किया गया है।

> (लक्ष्मग दान) तंम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2, बम्बर्ध

तारीख: 2-15-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई, 1985

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उवत अधिनियम कहा गया है). को अपन 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जित्तकों सं० फ्लैंट नं० 103, जो ग्ली मंजिल, सिनू मीनार, वीरा देनाई रोड़, अंधेरीं (प), वम्बई--58 में स्थित है (और इन्से उपावद्ध अनुभूचीं में और पूर्णरूप से विजित है), और जिता अगरनामा आयकर अधिरियम की धारा 269 एक के अधीन सक्षम प्राधिवारीं के नार्यालय, बन्बई में रजिस्ट्रीं है, तारींख 3--9--1984

का पूर्वांक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (जंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मिम्निलिंकत उद्देश्य म अक्त अम्लरण जिल्लित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय को बाबत, नक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक की डाशिस्य में कमी करने या उससे बचन मा सुविधा को लिए अपि/या
- (ख) होती किसी आय या किसी धन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हैं प्रयोचनार्थ अन्तरिती दूआरा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना के हिए या छिणानं के सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, विम्निसित व्यक्तियों, अर्थात क्ष-- (1) मैं तर्न मिनू बिल्डर्स

(ग्रन्तरकः)

(2) मिठालाल जुगराज जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप ए-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यांक्तयाँ में सं किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पाड

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस**नी**

"प्लैट नं० 103, जो ग्लीं मंशित, मिनू मीनार, वीरा दे**ाई** रोड़, अंग्रेरीं (प), ब द**ई** 58 में स्थित है।

अनुसूची जैना ि क० सं० १ई -2/31ईई/१०४०८/ 84-85 और जो उन्नन प्राधितारी ब बई द्वारा दिनोड 3--9-1984 को रुजिस्ट िया गया है।

> लक्ष्म ग दास सक्षम प्राधि .ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **ब वर्ड**

तारींज: 2--5--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बग्बई, दिनांक 2 मई, 1985

निर्देश सं० अई ·2/37ईई/21619/84-·85---अत: मुझे लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' **कहा गया है), की धारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 103, जो 'ली मंजिल होमस्टेड प्लाप्ट नं० 337, ए५० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सीवा अंबेरी (प), ब बई .58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्सूतीं में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका वारा नामा आयार अविधिम की धारा 269 वस के अवीं ।, सक्षम प्रावि । रीं के यार्यालय में बम्बई रजिस्ट्री है, तारीख 19--9--1934

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल**, निम्नलिसित** उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नद्रीं किया गया है :---

- (क। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

े उत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गंधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- () मैतर्स लाजंडवाता त्रिमायसेत प्राइवेट लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीं के० रामचंद्र नायर

(ग्रन्तिरतीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्दुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 103, जो 'लीं मंजिल, होम स्टेंड प्लाट नं० 337, ए२० नं० 41 (अंग), 4 वंगला वर्सीवा अंबेरी (प) बःबई -58 में स्थित है।

अनसूनी जैजा हि क० सं० अई 12/3 ईई/12619/ 84 - 85 ओर जो सभन प्राधि गरीं व वई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को दिज्ञिटर्ड िया गया

> लक्ष्मण दाप न्यम प्राधि गरी सहाय: आयार साय्कत (निरीक्षा) ग्रर्जन रेंज-12, बन्वई

तारींख: 2-.5-.1985

मोहंद :

त्रस्य बार्'. टी. एर्. एस्. वस. .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 **प**ई 1985

निदेश सं श्र झई-2/37-ईई/12856/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पर्लंट सं 004, जो, तजसरी मंजिल, हरमनज-बी प्लाट सं 0343, एस० सं 041 (अंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत) और जिसका करारनामा आयकर श्रीक्षितयम की कारा 269 कछ के श्रधीन सक्षम श्राह्मकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 26-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिकृपित के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्टोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बन्तत उक्त सिंध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; बहि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या भन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अभिनियम, या भ्य-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया अपना काहिए वा, कियाने में स्विभा के सिए;

बतः तथ, उसर विशिवस की भारा 269-व के अन्छरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के इंगीन, निम्निलिखत ब्यक्तियों, अर्थात् रे—— 5——126GI|85

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि० । (ग्रग्तैरक)
- (2) श्री भास्कर मखर्जी । (अन्तरिवी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्क्रमाँता से उर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइं भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवार, बधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्चीं

"फ्लैट सं० 304 जो, तीसरी मंजिल, हरामनी-बी, प्लाट सं० 343, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी, (प्), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सं श्रई-2/37ईई/12856/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्श किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राप्यक रेज-2, बम्बई

विनांक : 2-5-1985 ्र

ाहिंदु ३

प्रकार शाह . टी. वर . दुव

नाव्यक्तर निधानसम् 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के स्पीन क्ष्मा,

STATE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ; बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ग्रईई/12743/84-80 मुझे, लक्ष्मण दास,

लासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवते इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्या गवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सभन प्राधिकारी को यह विकास करने का कात्रण हैं कि स्थानर संपरित, विस्तान उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- हा अस्तरण व हुए किसा बाद की गामल, अकल वीधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के गामिल्य भें कार्यी करने या उपाये क्यमें में सुविधा के लिए; बीर/या
- एंसी निस्सी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जाल-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपला विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ धन्तरिती स्वाराप्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था कियाने से स्थिता वे स्वारा व

नतः अस, तक्त निधीनका की भारा 269-व के, बनुसरण भी, भी, उक्त निधीनयम की भारा 269-ज की उपधारा (1) की निध्नेतिनिक स्थानितयों नर्भातः :---

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला श्रिमायसेस श्राइवेट लि०। (म्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कौशिक कम्बाईन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रक्ष सम्मित्ति के क्षर्यम को सम्बन्ध में काई थी वाक्ष्य :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हनारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रकाकरणः -इसमें प्रमुक्त मन्दां और पदों का, उसं उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गड़ा ह

क्ष्मसर्ची

"फ्लैट सं 102, जो, पहला मंजिल, ग्रव्होरा हाईटस इमारत, प्लाट सं 1, एस सं 41 (श) 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरा (प), बर्खई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-2/37ईई/12734/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रोज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर् ७

शस्य शाह . टी . एन . एड . ----

बायकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

HISO BYON

कार्याख्य, सहायक जायकर जायूक्त (निर्क्षिण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37/ईई/12931/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट ० 1901, जो, 19वीं मंजिल, मग्नम टावर्स, प्लाट सं० 2357, एस० सं० 41 (अश), 4 बंगला, ओश्रिवरा, वर्सोवा, अधेरी), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूँणरूप से वीणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क खके अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है, दिनांक 29—9—1984,

का पृष्ठिक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान मित्र के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से अधित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण **हं हुई किसी** शांच की बानत, उन्तर विधिनयम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दाशित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा **से हिन्छ; बीर**/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कम्य कारिसवीं को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दीरतो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा से लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सर्थ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तिरुगों, व्यादि क्र-

(1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मैक्स इंटरनेशनल ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के फिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पूष सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीध. जो भी वर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ्लैट नं 1901 जो, 19वीं मंजिल, मग्नम टावर्से, प्लाट सं 357, एस सं 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० सं श्रई-2/37ईई/12931/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं बम्बई द्वारा दिनांक ैं29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🛭

श्रुक्य बाइ. टी. एन. एव. - - - ---

धायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत बरकाड

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/12620/84-85-म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेंट सं० 1012, जो, 10वीं मंजिल मग्न टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (अ), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-9-1984, को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरफ (अंतरका) और अंतरिती (कन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गवा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बनारण सिक्त में बास्वीवक रूप से कियत नहीं किया गया हैं क्ष्म

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, धक्त जाका नयम, के अधीन कर दोने के बन्तरक के रादित्व में कमी करने या उससे बचने में अविधा के लिए: बॉर/श
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकां को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत∴ अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरम मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरेंद्र रिवद्रनाथ डिगनकर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क)। इस स्थान के राजधन में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो ती विधी बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाश;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बिखित में किए जा कर्क थे

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जा उक्ल जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 1012, जो, 10वीं मंजिल, मैग्नम टावर, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि के० सं० म्रई-2/37ईई/12620/84:— 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9— 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण), धर्णन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियः., 1961 (198; का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/10614/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परवात् 'उसत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1109, जो, 11वीं मंजिल, मग्नम टावस, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंघरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5—9—1984, में प्रकेषित सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ' उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसस लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलगमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(अन्तरक)

(2) सिडनी स्टिफन पिटो।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सिंही अन्य स्थितित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरचः -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

. "फ्लैट सं० 1109, जो, 11वीं मंजिल, मग्नम टावर्स, फ्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/10614/84-85 भीर जो सक्षम अप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन र्रेज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

बस्य बाइ. टी. एत . एस. -----

बाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/10615/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभानवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1609, जो, 16वीं मंजिल, मग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंभ), 4 वंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन , सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 5–9–1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, गिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्युत में वास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क्ष) एने किसी अय या किसी धन या बन्ये बास्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया याना चाहिए था, जिन्हों के बिक्त के किए;

आतः धव, उक्त समिनियम की भाषा 269-म को सन्सरण में, भे उक्त अभिनियम की भाषा 269-म की उपभास (1) के अशीन, निम्निणिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्डं डें वलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल चिमणलाल सेहगल ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्थवाहियां सुरू करता हुं।

उबस संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्थीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वक्सपी

"फ्लैट सं० 1609, जो, 16वीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ्श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-2/37ईई/10615/84-85 ग्रोर जो सक्षम ब्रें प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाई .टी.. एन . एस . ------

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-भ (1) के मधीर स्थार

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन र्रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/12787/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1106, जो, 11वीं मंजिल, प्रिमि-यम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41(ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

भीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम के की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-9-1984,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उस्यमान प्रतिफल में, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक कन निम्नितिस्त उद्देश्य से उसत अंतरण विश्वत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- ेकों कन्दरण **वे हुई किसी नाय की वायत उपस्** श्रीकित्वक के स्थीन कर दोने के अन्तरक से बाकित्य में कनी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ध्रेसी किसी बाय या किसी धन या बन्त बास्तिवाँ नां, जिन्हों भारतीय याय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्दी अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेट एण्ड डेबलपर्मेट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जया हरीहरन श्रौर श्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गवा है,

अनुसूची

"फ्लैट सं० 1106, जो, 11क्षो मंजिल, प्रिमियम टावर, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/12787/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

गोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन. इस.

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निवीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/3ईई/12854/84-85--- ग्रतः **मुझे**, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्नाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं फ्लैट नं 1101, जो 11वीं मंजिल मग्नम टॉवर्स, प्लांट

सं 357, एस० सं 41 (ग्रंश), 4 वंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, भ्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भ्रौर इससे उ पाबद्ध ग्रनुसूर्चाः में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उसके दश्यमान प्रतिफल बाजार मृल्य, रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तीनिवन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उँक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

३त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(भन्तरक)

(2) श्री नारायण दास भाटिया।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाख;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र है किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"फ्लैट सं० 1101, जो, 11वीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (श्रंश), 34 बंगला, श्रोशिवरा, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कर सं० स्रई-2/37ईई/12854/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाँक : 2-5-1985

प्रत्न बार'. टी. एन. एड.

बायकर जिधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायकत (निराक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं॰ अई-2/37- ईई/12788/84-85--अत:, मुझें लक्ष्मण दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस है परकार 'स्वर अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है- कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बोर जिसकी सं पहेंट सं 1105, जो, 11वीं मंजिल, प्रिमियम टावर, प्लाट सं 351, एस० सं 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, (अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका कराइनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिलत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-स्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गमा प्रमुक्तिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में कार्यम्बक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा 'के लिए; और/वा
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 26—126GI|85 (1) मेसर्स लोखण्डवाला ६स्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रार० हरीहरन और श्रीमृती जया हरीहरन। (म्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेष रू

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की कनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की जनीथ, जो भी जनीथ नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रजानत व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्स्थ किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किस का सकेंगे।

स्वक्याँकरण:----इसमें प्रवृक्त सक्यों बीर पढ़ों का, को उक्त विधिनियम को बभ्याय 20-क में परिभावित ही, बही वर्ष होना जो उस बभ्याय में दिवा गवा है।

अनुसुची

"फ्लैट सं० 1105, जो, 11वीं मंजिल, प्रिमियम टावर, क्लाट सं० 351, एस० सं० 41(अंग), वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-2/37ईई/12788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायकं म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🗈

अस्य सार्वः ती. एवः एवः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 व (1) की अभीर वृत्रना

भारत गरकार

कार्यानय सहायश अस्टिन्स सम्बक्त (निर्माक्षण) यर्जन रेज-2, बस्व

बम्बर्ड, दिनांक 2 मही 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12653/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियश, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें

और जिसकी सं० 604, जो, 6वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 351, एना गं० 41 (अंश), 4 बेगला, वसींवा, अधेरी (प), दम्बई--58 में स्थित है (और इसने उपाबद शनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कर है अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में प्रांस्ट्री है दिनांक 21-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के एचित ताकार कुल्क के दान को स्वकास प्रतिकान के लिए अस्मित की गई है भीर मुखे कर विकास करने का कारण है कि सभाव में एपे के का उपित वाजार मूल्य, उसके द्वायकान प्रतिकल में, एपे के का उपित को जार पन्द्रहु प्रतिकत के अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ पावा गया प्रतिकत निमालिखित उद्देश में उपत अन्तरण निवित्त में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- ्क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत ; सन्ध 'विभिनियम के जगीन कर दोने के बन्तरक को दारित्य से किसी सारने या उत्तरसे क्षत में इतिथा को लिए;
- भं होंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य नाहिनाई यों, किहा प्रश्नीत आवन्त वेलान्यम, 1922 (1922 के हो या अबत वेबिनयम, या धन-वेद के स्थान 1937 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था से किया के समझण है, केश्वर में सम्बन्ध होकार

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को लाधारा (१) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मेसर्स लोखण्डवाला ६स्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती धनवन्ती टी॰ दामरा और श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठींकत सम्पत्ति के अर्थन के किए

सक्त संपत्ति हे बर्जन के जिंग में छोड़े भी सामेष :--

- (क) इस सुकता की राणपण की प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिक तात्संबंधी व्यक्तिकों पर सुनना की ताशील से 30 दिन की व्यक्ति को भी जनकि काद को सनाप्त होती हो, को भीरू पूर्वोज्य स्विक्कों में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजगुर में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति के दिस-गम्ध हैकेसी अन्य गामिक बनाया अधोहरनाक्षरी के गुरु निक्तिय में फिए वा सर्वेचे

भ्यक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त कुन्यों और पदों का, वो उक्क उत्पत्तिसम को अध्यक २००४ में \परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में विवा राह हों।

पनृश्चो

"फ्लैंट सं० 604, जो, 6वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 351, एस० सं० 41 (अश), 4 बगला, वर्सोवा, प्रन्धेरी (प), बम्बेई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि %० सं० ग्र \hat{s} -2/37ईई/12653/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

लक्ष्मण दोस सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2--5-198**5**

मोहर 🚁

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (रिनर्धाक्रक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मुई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/12658/84-85--- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कांभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी का बहा विश्वाक करने का कारण है कि स्थावर क्षम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1301, जो, 13वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 351, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, ু, वर्सोवा,अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध , अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के संधीन, सक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-9-1984, कर्ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमा। प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है कोर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गर्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी चैन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस, एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(ग्रन्तरक)

2) श्रीमती जगदीप कौर।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उदलें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ःनुसूची

"फ्लैट सं० 1301, जो, 13वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, फ्लाट सं० 351, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० से० अई-2/37ईई/12658/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वई ।

दिनांक: 2-5-1985

. .

प्रकल आर्थः, डी. एतं. एव.,----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासम्, तक्ष्यक मामकर मामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12659/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कामकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनिषम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, जिसका उक्ति वाचार सृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैट सं० 1302, जो, 13वीं मंजिल, प्रिमियम फ्लाट सं० 351, एस० सं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 269 कख के श्रवीन, सक्षम श्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 21-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्व से कम के दश्यमान श्रतिकल के लिए बन्तरित की मई हैं और मूझे वह विश्वमस करने का कारण है कि बजाप्वेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिभत से अधिक हो और अन्तरिक (बन्तरकार) और अन्तरिक (बन्दरितकार) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उन्त कन्तरण निविक्त में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तरन से हुई किनी बाब की बाबत, उक्त विश्वनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसे किसी आद का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, या धन-कर अधिनयमें, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्व: त्य, उपन किनिकन की भास 209-न के, अनुतरण में, में, उपन किनिकन की भारा 269-म की उपनारा (1) के जभीन, निकारिक किम्बार्स, अभृति :---- (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी, (प्राइवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरदीप कौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4,5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये का सकती।

"पलैंट सं० 1302, जो, 13वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 351, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

य्रनुसूची जैसा कि कु० सं० य्रई-2/37ईई/12659/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रंज-2, बम्ब

दिनांक : 2-5-1985

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

प्रथम बाह् हो. एन. एह.

नायकर निधनियक, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के नधीन क्षना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12930/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 1902, जो, 19वीं मंजिल, मैग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधरी (प), बम्बई →58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणिद्ध है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 29— 9-1984.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्य प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (संतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकात, निम्मितिबात उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बालसिक स्य से किया नहीं किया न्या है:---

- (क) मृत्तरण से हुई किसी नाग की नागत, उक्त विधितियम के जिलीन कर दोने के अन्यरक के दाविस्कामें कनी करने ना उक्त विभाग में सुनिका से सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जॉधीनयक. 1922 (1922 का 11) या उकत जिथीनयक, या धन-कर जॉधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में सभीन, निस्निहित्त व्यक्तियों, स्थांत ह— (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि॰ ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मैक्स इण्टरनेशनल ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचमा चारी करके पूर्वीकत संपृत्ति के बर्जन के किस कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्मित्त के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ४१ सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोड्डस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सक्तेंथ।

स्पर्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सं० 1902, जो, 19वीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/12930/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहर 🖫

क्षा बार्षः हो. एव. एव.----

बायकर अधिनियम: 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ:(1) के क्योंन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/10572/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सभम अधिभारी को यह विश्वाल करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित नाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट सं० 1610, जा, 16वीं मंजिल, मैग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, ए २० स० 4 : (अंश), 4 वंगला, वर्सीत्रा, ग्रंधेरी (प), वन्बई-58 व स्थित है (भोर इतंस उपाबद्ध जनु-सूची में और पूर्ण रूप ने बणित हैं), अंद जिसना करारनामा श्रायकर श्रधिनियम का धारा 269 ख़ के श्रधान, सक्षम प्राधि-कारो के कार्यालय, बस्बई में रिएट्: है, दिलांक 5-9-1984. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीचर जावर मुख्य र क्रम के दरवभाग प्रतिफल के लिए अन्तारत का गइ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्योत्त का दोचत बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से., एंसे इध्यमान प्रीतफल का पेंग्रह प्रीतचत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत शंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण म हुद्धा । अभी आय की बायत, उक्त अधिनेयम । प्रवीप कार होंग । अंतरक के बामित्स को हाल ४०० । किन्न वस्त में मुग्निस के लिए, अपर्यका
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की बिन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किस नहीं किया गया था या किसा नार्थ सिंहर् से अधिन में जुल्या की विष्

बत: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) औं अधीन निगनलिखत व्यक्तियों, अधित :--- (प्राइवेट) लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक निमणलाल सेहगल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूक्षना जारी करके कुर्नोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए व र्यवर्तहरूमं करता हो।

जबत मन्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (कों इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की मणीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ठामील से 30 वर्ग को भवीप, जो भी बर्वीप बाद को राजाया होती हों, के भीतर पूर्वीकर राजस्वार में से उन्हों क्षील द्वारक
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हों। जो उप अध्याय में दिया

श्रन्त्त्री

"फ्लैट सं० 1610, जो, मैंग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, बर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई— 58 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसी कि क्र० सं० ग्रई-2/37ईई/10572/84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2,वम्बई

दिनांक : 2-5-1985

प्ररूपं बाह् . टी. एन. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

लारह सर्कार

कार्यक्तम, बहामक वायकर जान्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12618/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार विश्विनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इबके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के बचीन सक्षम अभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संबक्ति, जिलाका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स नामक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 603, जो, 6वीं मंजिल, प्रिमियम्न
टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (श्रंश), 4 बंगला,
वसींवा, ग्रंधरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित है), शौर जिसका करारनामा
श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1984,
को पूर्वोक्व सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं- और मूक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाए वैक्वित सम्पत्ति का उचित दाबार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रिनिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतिकतिसों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
जिम्मीकिंसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किंधत नहीं किया गया है इ—-

- (क) अतिरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक अर्के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का_11) या उक्त आधिनयम, शर्भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को एयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुक्सिन के लिए।

बतः अव, ज़क्त अधिनिग्रम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, राक्त अधिनिग्रम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, बर्धात:—

(1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीरानन्द ताराचन्द कमानी और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप 🌤

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (का) इस सुचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िसका में स्थित हो।

ल्यक्तीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दों शरे पदों का जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गता है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 630, जो, 6वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है:

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37ईई/12618/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🦠

प्रस्य बाह^र् टी. पुन<u>ः</u> एत<u>ः</u> ------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के वधीन सूचना

प्रारुव बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/12614/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें इसमें वश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा नवा हीं), की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उनित बाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1011, जो, 10वीं मंजिल, मैंग्नम, टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (श्रंण), वर्सोवा, 4 बंगला, श्रंघेरी (प), बम्बई-58 में में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जस्य की बाक्त, सकत अधिनियम के अभीन काइ दोने के बन्तरण औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिश्रा के सिए; बीर्/शः
- (श) एती किशीं नाय या किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत विविनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निश्तीसिकत, व्यक्तियमें, अर्थात् क्ष्म (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रविन्द्रनाथ डी० डिंगनकर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चक्करों सूरके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत तम्परित के वर्षन के संबंध में कोई नी बाखेंप 🗫

- (क) इत बूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीय से े45 दिव की सबीध या तत्त्वज्वन्त्री व्यक्तियों कर बूचना की तानीय से 30 दिन की जविष, यो भी अविष ग्रह में समाप्त होती हो, के जीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकासन की तारीब से 45 बिन के भीनार उक्त स्थावर सम्बद्धा में हित- बब्ध हैन्सी जन्म न्यनित स्वादा अभोहरताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्ह जीभीनदम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, दहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा ही !

गन्सूची

"फ्लैट सं० 1011, जो, 10वों मंजिल. मैंग्नम टावर्स, प्लाट सं० 357, एस० सं० 41 (ग्रंश), वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई— 58 में स्थित है।

म्रानुसूची जैसा कि कि सं मई-2/37-ईई/12614/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास् । सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर ः

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/11129/84-85--- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 903, जो, 9वीं मंजिल, मंग्नम टावर प्लाट नं० 357, एउ० नं० 41 (अंग), वर्सीवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और विस्का करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क्ख के अधींन, सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांश 10-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत से कम के अवमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित वाजार मृत्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं बौद बन्तरक (अंतरकों) बौद बंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तक वाबा जबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिरूथ में कभी करने था उससे वकते के सुविधा के सिए; श्रीद्र/वा
- (ख) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बावकर बिधिनयनम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ बिधिनयम, वा धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का राजिया बाता चाहिए था, खियान में सुविधा के लिए:

जतः वथ, उनत निधिनियम की धारा 269-न के नन्तरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विक्तिलिखत न्यक्तियों, अर्थात् :--- 7-126 GI|85

(1) मैलम् जीखण्डसास इन्छेटन एण्ड डिबल्समेंट तस्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमिन विश्वर परतार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन इचना के सबप्त में बनाकन की तारील के 45 दिन की अवधि या तत्स्वकारी न्यवित्वों पर स्वना की मामीन से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टौकरणः इसमें प्रयुक्त कर्जी और पर्ती का, की उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-म में परिभावित ही, वहीं कर्म होगा, का एक अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

'फ्लैंट नं० 903, जो, 9वीं मंजिल, मैग्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 वंगला, वर्सोवा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

स्रतुसूची जैजा कि कि सं श्रई-2/37ईई/11129/84-85 और जो जक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दितांक 10 9-1984 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक 2-5-1985 **मोहर**ः

शक्य वाहं ही पुन पुन

आयक्द मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

The Russ

कार्यासय सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) श्रजैंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10616/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिंपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1110, जो, 11वीं मंजिल, मॅग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस०नं 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्राय पर ग्रिधिन्यम की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी हैं, दिनांक 5-9-1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के क्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कस निम्निलिखित उद्वेषय से उचत कन्तरक हिस्सिव में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जलारण वं हुई किसी बाब की बावत , अक्स अभिनिव्य की सबीत कर दोने के दालपुरू जी दासित्व में कमी करने या उत्तवे अचने में सुनिका के सिक्: कार/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अपकर अधिनियम, या अपकर अधिनियम, या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए जा, स्थिपाने से स्विष्ण की विष्ण

वतः वन, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण वॉ, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिक्स व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) मैं सर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डिवलपमेंट सम्पनी (प्राइवेट) लि॰ ।

(ग्रन्तरक)

(2) सिडनी स्टिफेन पिटो ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त स्री अर्थव के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्ट हर्मित् के वर्षन के सम्बन्ध में सोई भी नासीए र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्काक्षरी के पार लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं 0 1110 जो. 11वी मंजिल. मॅग्नम टावर्स, प्लॉट नं 0 357, एम० नं 0 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सीवा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि मं ग्रई-2/37ईई/10616/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 2-5-1985

मोहरु 🛮

मुरूप नाइ • टी॰ एन॰ एस॰ – नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुभीव सुभ्या

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक कायकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12926/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नाथकर निधित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरफे परचात् 'उक्त विधित्यम' कहा नया ही, की भाषा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1302, जो, 13वीं मंजिल, मॅग्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीं है, दिनांक 29-9-1984

नमें शूर्वों कत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसाय में तेष्णल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण है कि यथाप्यों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके उपमान प्रतिषक्त के एसे अवमान प्रतिषक्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ते रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिषक्त, निम्निशिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिखित में बातिक कम के किया नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरन से हुई किसी नाव की वाचक, उनत व्यक्ति नियम के व्यक्ति कर बने के बन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बटा था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा के तियः;

नतः अव, उत्तत निर्मित्यम की धारा 269-ए की निर्मश्य में, में, उन्त निर्मित्यम की धारा 269-ए नी उपधारा (1) के अधीन, निर्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डिवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि॰।

(अन्तरक)

(2) श्रीं प्रिभ ए० मेरानीं।

(अन्तरिती)

को वह बुचना वारी कृतके पुर्वोच्य सम्मरित के वर्जन के दिवह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यक में प्रकाशन की तहरीख से 45 दिन की बनीच ना तत्संबंधी व्यक्तियों एर ब्रुचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बचीच बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 1302, जो, 13वी मंजिल, मग्नम टावर्स, फ्लाट नं० 357, एन० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिवारा, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई--58 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा हि क० सं०-अई--2/37ईई/12926/84--85 और जो सक्षम प्राधिारी वस्बई द्वारा दिनांक 29--9--1984 की रजिस्टर्ड क्या है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बग्बई

दिनांक: 2-5-1985

श्रुव बाह् .टो. एन्. एक व्यवस्थान

बायकर बॉभिंभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर अध्वक्त (निरीक्षण)

हार्यन रेज-2, वस्व**ई** यमपड़ी जिल्हा 2 मई 19**8**5

निदेश सं ० २.६-५/ . . ६६/ 1.4853/84--85- अतः मुझे, लक्ष्मण दारः,

बायकर अधिनियम . 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिक्दों आधानियम कहा गया है), की धारा 269-म के अधान स्क्रम . अधारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिनकी कं फर्नेट गर् 1102 जो 11वीं मंजिल, मॅम्नम टावर, प्लॉट नं 357, १०००० वर् (गंग), ओशिवरा, 4 बंगसा, दशीं ए विशेष (वे), द्यादी 58 में सिवन है (और इससे उपाध्य ए पूर्व में गार एकं पर से विणित है), और जिमका करारतामा आए उर प्रदेशीयम की धारा 269 दश्च के अधीन, सलम प्राधि 11वि वे व्यक्ति, दम्बई में राजस्ट्री है, दिनांक 26-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तव बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के दिए जलाए हैं कि एलाव्योचन सम्पत्ति का जांचत बाजार करने का कारण है कि एलाव्योचन सम्पत्ति का जांचत बाजार ब्रुच्य, उसक दश्यमान प्रतिफल का संस्ति इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत के बाज है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हणनाचन नद्भविषय से उन्त अन्तरण विचित के बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आप की बाबत उक्त अधि-ेत्रया के अपीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में असे प्राप्त का जन्मी अचने में सुविधा के लिए अपि प्रा

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, जिस्में अधिक अधितयों, जभारत हरू (1) मेसर्स लोखण्डवाला इस्टेटर एण्ड डिवलपमेंट कम्पनीं (प्राइवेट) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण दास भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यासलगों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी बनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहने अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अमृत ची

"फ्लैट नं र 1102, हा । तो मंत्रिय संस्था टावर, प्लॉट नं 357, एनर नं स्था (अंत), अवगार ऑशिटरा, वसीवा, अंधेरं (प), वस्बई 58 में स्थित है।

अनुसूत्री जैता कि कर नंद अई-2/37ईई/12853/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्ते। 26-9-1984 को रिकस्टई क्या गया है।

तक्ष्मण दास राज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

िनांक: 2-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आईं.टी.एन्.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-स (1) के ब्योव सूच्या

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12927/84-85--अत: **मुझे**, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रोर जिन्नी मं० पनैट नं० 1301, जो, 13वीं मंजिल, मॅग्नम टावर, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश), ग्रोशिवरा, वर्सोता, 4 वंगला, ग्रंधेरी (न), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसने उत्ताबद्ध अनुचनी में ग्रार पूर्ण इस से वर्णित है), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई सें रिजस्ट्री है, दिनांक 29—9—1984

को पूर्वोक्त संपित्त् के उचित् बाबार मृत्य से कम् के स्वमाद् प्रतिफल को लिए अन्तरित को गर्द है बार मुक्ते यह विश्वाद्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिखल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अस्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत. जह, इक्त व्यक्षितियम की धारा 269-म के जनुसरण म. भी, उक्त विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क वधीन, निम्निजिसक व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डिवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा पी० मेरानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की जनिभ वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिभ, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोह्स्ताक्षरी के पाद निवित में किए वा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

'फ्लैट नं० 1301, जो, 13वीं मंजिल, मॅंग्नम टावर, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सीवा ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई 12927/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बार है ही, एन एक -----

कावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सूचना

पारत पुरकाड

कार्याजय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

म्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई 12112/84-85—अतः मुझे. लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित नाजार मृन्यु 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1901, जो, 19वीं मंजिल, इमारत मैग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान घित्रकत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल् से एसे दृश्यमान प्रतिफल् का पृन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरण् के लिए तय पावा क्वा बतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया वचा है कुन्तरण्

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बारिस्तयों को, जिन्ह भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम वा धनकर विधिनियम वा विद्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बत इ वब, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिमित व्यक्तिरांं, अभीन स——

(1) मैसर्श लोखण्डवाला इस्टेटस ्ण्ड डिवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लिल ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स स्टैण्डर्ड बैटरीज लिए।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में केहिं भी बाहोप्

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, ज्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याद में दिया गया है।

वन् सुची

"पलैट नं 1901, जार 19की मंजिया, इमारत मंजम टावर्स, प्लाट सं 357, एस के 41 (अंग), 4 वंगला वसीवा संवेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं जई-2/37ईई/12112/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 11-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नध्मण दास नक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

िनांक 7-5-1985 **मोहर ≟** प्रकप बाइं_टी..एन, एस. -----

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/3-ईई/11114/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उत्तित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 202, जो, दूसरी मंजिल, होमकोर्ट प्लाट नं० 336, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा ग्रंधेरी (प०), वम्वई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपापद्ध अनुसूची, में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अित्यम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरक हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविख्त व्यक्तित्वों, संचित्र ह—

- (1) मैसर्भ लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰ । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम कुमार आनन्द । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बाह्री करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप "--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवात;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाझ सिखित में किस जा सकाँने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो जक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, नहीं नथें कोगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुषूचा

"प्लैट नं० 207, जो, दूसरी मंजिल, होम कोर्ट, प्लाट सं० 336, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/11114/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: -5-1985

मोहर 🛭

ाः प्ररूप आहर्ः टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार कार्यां वय, सहीवक वावकर वाब्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11085/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट मं० 703. जो, 7वीं मंजिल, होम कोर्ट, फ्लाट नं० 336, एम० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा ग्रंथेरी (प०), वम्वई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयमर अधिनयम, की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के द्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूलय, उसके द्रस्यमान प्रतिफल से एसे द्रस्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंकरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का से परित का सिता से साम्याह है क्लरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का से स्थान महाँ किया पथा है क्लरण की लिए तय पाया गया प्रतिक का से स्थान से से सिता से साम्याह है के से स्थान स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्था

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधनियम के अधीन कर देने के बन्सहक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे वचने में सृविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वा या विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

बतः तक, उक्त विधिनियम का धारा 269-ग के वनुतर्भ को, को, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अर्थान. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायनेस प्राह्वेट (ल०) जनसम
- (2) कुमारी विनाः वक्षीः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के िरण् कार्यवाहियां करता हो।

उन्स तम्मील के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यवित्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्वयोकरण:—इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नुर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया वहा है।

जनस्थी

"फरैट सं० 703, जो, 7शें मंत्रिता तोमकोई, प्लाट सं० 336, एस० सं० 41 (ग्रंश), ट्रांग , वर्षोवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11085/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

बक्ष बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासब, सहायक बायकर बाय्क्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/1057/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, मोन्टाना सी, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला वर्सीवा, ग्रंथेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण ६५ से विणक्ष है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5—9—1984,

की प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान बितिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पायः गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के , दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा र किस्ता, स्वीर/मा
- शासी किसी अगय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्पीन निम्नितिक्कित व्यक्तियों, अर्थात:——28—126 GI|85

- 1. मेसर्भ लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि॰ । (अन्तरक)
- 2. श्री फिरोज दोसमन मोती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जे भी बत्री बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में एकाफा को ताना स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगः

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकर गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, मोन्टा-नासी, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/10570/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

प्रकथ काइ टी. एन. एस. ...---

engannenn og eggessjorkeligende i en af trend i segens - det tilger halpstelligen i en Degensylderingsgesjorkeligen om eller sit en degensylde i en delet blevet blevet blevet blevet blevet blevet b

सायकर ऑधनियम. 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन मुचना

वारत सरकार

कामालय, सहायक बायकर वायक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांव 7 मई 1985

निदेश सं० अई--2/37-ई%/10569/84--85---अतः मुझे, लक्ष्मण ास्स,

बायकर अनिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसक क्षावन विकास अधिनियम कहा गणा है), की भारा 264 की अधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 308, जो, 3री मंजिल, स्काय लार्क, ए प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 वंगला, वर्सोवा, ग्रंथोंरी (प०), वम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायह अनुसूर्या में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारतामा व्यवर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रवीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, साराख 5-9-1984,

को पर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन या कारण है कि प्रथापनेक्त संपत्ति का इतित बाजार मूल्य है उत्थान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियां) के बीच एमें बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरक से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा हो लिए; और/या
- हैंग) कोसी किसी बाय या जिसी पन या अन्य आस्तियों को किसी कार विधिनयम 190% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रीधिनयम, या धनकर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिकी देवारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना धीटिंग था दिस्पाने में सिविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है तथीन निकालिकिय व्यक्तियों, अर्थात --- 1. मेसर्व लोखंडवाला त्रिमायसेस प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

 श्रीमती राजश्री वासूदेव कृत्गा ग्रीर मास्टर राहुल वासूदेव कृतिगा।

(अन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कायबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पात्त को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है ।

अन्स्की

"फ्तैट नं० 308, जो, 3री मंजिल, स्हाय लार्क-ए, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगता, वर्सोत्रा, ग्रंबेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

जनुसूची जैसा कि करु संर जई-2/37 ईई/10569/84-85 और जो सन्नम प्राप्त नम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

वाद्ध-

ब्रक्ष्य बाइ. टी. एन. एस. - - - --

जायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वासन्, बहायक आवकर गाएक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निर्देश सं० अई-2/37-ईई/10574/84-85--अतः मुझे,

लक्ष्मण दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार मूक्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, प्राईम रोज, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1984,

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बाक्स किक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाधत, उथ्य वीधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के खाँबरव को कमी करने या उससे वचने में सुविधा के श्विष्; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्ड प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मुविका; के लिए :

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मं, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- 1. मेसर्स लोबंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि० (अन्तरक)
- श्रीमती सेतिंदरकौरग्रौर श्री हरेंदर पाल सिह ।

(अन्तिरिती)

की बहु सूचना बारी फरके पूब्तिस सम्मिति के वर्जन के तिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्छ किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिखा गवा है।

वन्स्या

"फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, प्राईम रोज, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोत्रा, ग्रंबेंरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई 2/37-ईई/10574/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्पई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ुलक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बध्धई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, उहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांके 7 मई 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/10573/84-85—अतः मुझें, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, स्काईलार्क ए, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी अध्य की बाबत, सक्त बीधनियम के वृधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि॰

(अन्तरक)

 श्री बासूदेव वेन्सीमल कानूगा ग्रांर श्रीमती राजश्री बासूदेव कान्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षान के बिह्द कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति 🔊 सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे इक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया य्या हैं।

मन्स्यी

"फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, स्कायलाके-ए, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (अंग्र), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनु तुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/10573 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🛊

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/11083/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृभ्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, सिन्फोनी—ए, प्लाट नं० 344, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया हवा प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण विश्वास और बास्तिक रूप है कियत नहीं किया पत्रा है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत., उचक बीधीनयम के अभीन कर दोने के जंतरक के धायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए। और/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हुं भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

नतः नब, उनत निधिनियम की धारा 269-म के ननुसदण में, में, उनत निधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) भै नधीयः निध्यविधित न्यन्तियों, वर्षात् :—

- 1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लिं०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरी चंद्रमौली सुन्नमणियम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपहित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी वार्शय:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

.'फ्लैंट नं० 102, जो, 1 ली मंजिल, सिम्फोनी-ए, प्लाट नं० 344, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37—ईई/11083/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12615/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो, 2री मंजिल, ''प्राईम रोज", 4 बंगला, वर्सोत्रा, वस्वई—58 में स्थित है (स्रीर इतसे उपावद्ध स्रनुसूचों में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, छ के स्रधीन, वस्वई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि०।
 (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रव्वासभाई हुसेनीभाई खोवावाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुझा है।

बनुसुची

"फ्लैंट नं० 204, जो, प्राईम रोड़, 4 बंगला, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37–ईई/12615/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्प त (निरीक्षण) ग्रजन रेज–2, बम्बई

तारीख^न: 7-5-1985 **मोहर** ध प्ररूप बाई. टी. एन. एह.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

नि श सं० म्रई-2/37-ईई/12661/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रोर जिक्तो मं० पर्नैट नं० 501, जो, प्राईम रोड़, 4 बंगला, वर्तीवा, बम्बई-58 में स्थित है (घ्रोर इनते उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसवा करारनामा स्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ब्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में में रजिल्ही है, तारीख 21-9 1984

की पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का षन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उसस अचने में सविधा के लिए, अरेर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसा धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आर्धानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं जकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--

- 1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शितल गोयल ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

फ्राँट नं 501 5 वीजो मंजिल, प्राइम रोझ 4 बंगला, वर्सीवा बम्बई-58 में स्थित है।

अनुस्वो जैना को कसं अई-2/37-ईई/12661/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी वस्वई द्वारा दिनांक 21-9-1984 के रजोस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/म 7-ईई/12654/84-85--ग्रतः मुझे, ल मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसक पन्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर मंपीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 605, जो, मोन्टाना—ए, 4 बंगला, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिल्हा बरारनामा आयक्तर ग्रिक्षिनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के ग्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

का वृत्यत स्वतंत्र के उन्ति बाजार पत्य से स्व के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्क यह विश्वाण करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निच्चित में अस्तिक रूप सं किथत नहीं किया गया है .---

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स आधानयम क अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कालए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा क लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मा, उक्त आधिनियम को धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती महरूख एस० मेहता।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति मो हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित मों किए जा सकरो।

स्पष्टिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अन्सूची

"फ्लैंट नं० 605, जो, मोन्टाना-ए, 4 बंगला, वसोंव, ग्रंबेंफी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37-ईई/12654/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाईं ुटी ुएन .एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशिका) अर्जान रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/12655/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'. कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, जो, हरमनी-ए, 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नम्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तिय. को जिन्ही भारतीय बायकार ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोचनार्च बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के बिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निध्नतिक्षित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰। (ग्रन्तरक)
- (2.) श्री भरत पारेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

"फ्लैंट नं० 203, जो, हरमनी—ए, 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है।

श्रन्धुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37–ईई/12655/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्चना

नारत तडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/11113/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, जो, 6वी मंजिल, प्राईम रोड, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई –58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया नहीं किया नहीं किया

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाय की बाबस, उपह अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स), एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः क्ब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्र.यवेट लि०। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सेमी जे० चोकसी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत् में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

"फ्लैंट नं० 603, जो, 6वीं मंजिल, प्राईम रोजी, ट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधरी (प०), बम्बई -58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि मं अई -2/37 ईई /11113/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी ,वम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर 🛭

प्रकेष बाइ'.टी. इन्. एव .-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

MISO EXCELS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

. बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई -2, 37 -ईई, 12441, 84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त समिनियस के समीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य से कासी करने या उससे बचने में सुविधा से जिए: न्येर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, विन्हुं भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था, खिपाने में खिवा के सिए:

कतः अत्र, उक्त विभिनियम की धारा 269-व के वृतुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात ह—

1. मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट एण्ड डेवलपमेंट कं० (प्रायवेट) लि०।

(अन्तरक)

2. मेसर्स मेकनेल एण्ड मागोर लिमिटेड। (अन्तरिती)

सी यह सूचना बादी करके पृश्वीकत सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तु सुम्पृतित् के वर्षन् की सम्बन्ध् में कोई' भी बाक्षोर 🏣

- (क), इंड स्पूजा के राजपुत्र में प्रकासन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पा सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्दित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकर्षः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और वदों का, को उससे विभीन्यम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्य

"फ्लैंट नं० 904, जो, 9वीं मंजिल, इमारतिप्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि सं० अई-2/37-1ईई12441/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर ह

प्रस्य, बार्ड . टी . एन . एड . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2,37 ईई/12660/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, जो, 2री मंजिल, प्राईम रोज, प्ल.ट नं० 308, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), वम्बई – 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट्र प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मं बास्तावक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण सं हुई किसी बाय की बाबस, उनस् ब्रिधिनियम के अधीन कर देने के बन्धरक के सावित्य में कभी करने या उससे बचने या मृथिया के किए; बहुर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

- 1. मेससट्ट लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि० । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती आर० जी० चोथारामाणी। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्मृत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्घी

फ्लैंट नं० 203, जो, 2री मंजिल, प्राईज रोजी, प्लाट नं० 318, रा० तं० 41 (प्रंग), 4 गंगल , वर्सीवा, प्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क. सं० अई-2/37—ईई/12660/84—85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर :

श्ररूप बाईं.टी.एँन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12979/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं य्निट नं 47-ए, दूसरी म्ंजिल, सत्यम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरी, बम्बई-400060 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-1984 को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिकल का बन्तर प्रतिकत सं अधिक है कोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवास में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरए में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैं० सत्यम बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स चन्द्रकांत एन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रमृत्रत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैंट सं० "यूनिट नं० 47-ए, सत्यम इण्डस्ट्रीज, जो दूसरी मंजिल, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-400 060 में स्थित है।

अनुरूची जैसा कि कि सं अई -2/37 -ईई/12979/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37 -ईई/12991/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 502, पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग नं 12-ए० बेहराम बाग के पीछे ग्रीशिवरा विलेज जोगेश्वरी, बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री झियाउदीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती साबेरा गनी तरमनका

(ग्रन्तरिती)

ंको यह सूचना खारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, बि० नं० 12-ए, एस० नं० 41 (पार्ट), श्राशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2137 ईई, 12991, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5+1985

मोहर .

शक्त बाहुं हो हुन् हुन्

बायकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

नारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई -2, 37 ईई, 12999, 84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, किवता को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, टी० पी० एस०-3, प्लाट नं० 611, 15वां रास्ता, खार, बम्बई-400 052, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है) तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किंग्य नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुइं किसी जाय की बाबत, अक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; बीट्/बा
- (क) ऐसी किसी बाब मा किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना था, छिपाने में सविधा के बिए;

करा कब, उक्त अधिनियम की थारा 269-न के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री प्रकाश इस्सारदास गंगवानी।

(अन्तरक)

 श्री गोवर्धनदास खेमचन्द थावानी ग्रौर श्री लीलाराम खेमचन्द थावानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

पलैंट नं० 7 जो किवता को-अ।परेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड. टी० पी० एस० नं० तीन, फ्लाट नं० 611, 15वां रास्ता, खार, वम्बई-400 052 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2,37-ईई,12999, 84-85 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर :

l. . .

MEN AIR . CO. ES . CS . ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक लायकर बाय्क्ट (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं अई -2/37 — ईई/197690/84 — 85 — अतः मुझे, लक्ष्मण द्रास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अत्राज्य हैं कि स्थावर गंपरित, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० 25, जो, सातवीं मंजिल, गुरुकृषा अपार्टमेंटस, एन० सी० केलकर रोड़, दादर, (प०), बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल में. गूमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ते जिए; बौर/का
 - (स) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः अब, उट त अधिनियम की धारा 269-श के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क अधीन कि निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स बिल्कान कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ग्रंजना नरेन्द्र दोशी, ग्रौर श्री नरेत्रद्र रमणिकलाल दोशी तथा अपूर्व नरेन्द्र दोशी (अज्ञांन)।

(अन्तरिती)

स्थे यह सूचना चारी करके प्रारंक्त सम्परित के वर्जन के लिए जार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बयस सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी वासंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मं किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अस लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

फ्लैंट नं० 25, जो, सातवीं मंजिल, "गुरुक्रुपा" अपार्ट-मेंट्स, एन० सी० केलकर रोड़, दादर, (पश्चिम), बम्बई 400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के संबज्जाई -2_{l} 37 - ई ξ_{l} 1969 0_{l} 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है। $^{\circ}$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप 'बाई'. टी. एन . एस------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० अई-2, 37-5ई, 19687, 84-85-3त: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् भूगके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फलट नं 13, जो, चौथी मंजिल, गुरुकृपा अपाटमेंट्स, एन सी फोलकर रोड़, दादर (पश्चिम) बम्बई-400 028 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

भो प्यों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) वितरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तर अधिनियम। के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए: और/या
- [िंख) ऐसी किसी आय या किसी धन बा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयं, था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविध, कर लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम का वारा 269-ग क अनूसरण रू, मूँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 30—126GI/85

1. मेसर्स बिल्कान कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त केवलचन्द शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्या करना भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्या करा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्भ, है।

दार संची

फ्लैंट नं 0.13, जो चौथी मंजिल, गुरुक्कपा श्रपार्टमेंटस एन सी केलकर रोड़, दादर (पश्चिम), बम्बई -400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई -2,37 -ईई 19687, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 3-5-1985

मोहर 🛭

विस्त कार्य . टी. पुन. पुन. ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा व 269-प(1) के मधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई. दिनांद 3 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/19689/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, दूसरी मंजिल, गुरुकुण अपार्टमेंट्स, एन० सी० केलकर रोड़, दादर (पिश्चम), बम्बई—400028 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की श्रारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्ये, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे कथ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कौथत नद्गीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; आंर/या
- (स) एंसी बिस्ती आय या किसी धन मा अन्य आरितयों स्तं जिन्हों भारतीय आयश्यर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदरा कविनियम, हा धन-कर अधिनियम, हा धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इशास अपन्य नहीं किया प्रया ना या किया बाना वाहिए सा, कियाने में मुनिया के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— 1. मेसर्म बिल्यान कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पाबेन लिलाधर शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के शिष्क कार्यक्षित करता हुए।

जनत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिन की सदीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविध, को भी जविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिस्तित में किए वा स्कोंने।

स्वर्धीकरणः :—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अवस विधिनियम को नभ्याक 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा वो उस ज्थ्याय में खिला गया है।

मन्स् ची

फ्लैंट नं० 7, जो दूसरी मंजिन, "गुरुकृषा अवार्टमेंट्स" एन० सी० केलकर रोड़, दादर (पश्चिम), बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई /19689/84-85 क्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक. 21-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-5-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आइ^{*}.टी.एन∴एस. ======

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्रम)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं 0^{4} अई-2/37अईई/126/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 33, जो, 9वी मंजिल, गुरुकृषा अपार्टमेंट्स ,एन० सी० केलकर रोड़, दांदर (पिइचम), बम्बई—28 में स्थित है (ग्रौरं इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयदार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकल सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उस्त बिधिनयम के अधीन कर दोने की अन्तर्क के खियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य बास्तिवों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आजा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के टुनए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मै० बिल्जान कार्पीरेशन।

(अन्तरक)

- 2. 1. श्री नरेन्द्र साराभाई शाह, और
 - 2. हंसाबेन नरेन्द्र शाह, तथा
 - 3. कु० हितेश नरेन्द्र शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सुध्याय में दिसा जवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 33, जो 9वी मंजिल, गुरुकृपा अपार्टमेंटस, एन० सी० केलकर रोड, दादर (पश्चिम), बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसा कि कि में अई-2/37 ईई/19686/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 3-5-1985 माहुरु ध

शक्य बाह् .टी.एन.एव

बाधकुद्ध वांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

गारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बन्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सैं॰ अई-2/37 ईई/12914/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर संवीत्त जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शेष्ठ शिवश्यक्ती इण्डिस्ट्रियल द्राष्ट्री इस्टेट के सामने, जैन याम्पाउण्ड, सुभाप शेड़, जोगेश्वरी (पूरव), वम्बई—60 में स्थित है (ग्रीर इसप उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) ग्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख, 29—9—1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित ब्राजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित्त का उचित ब्राजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/ए।
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिलाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० शिवशत्ती इण्डस्ट्रीज,

(अन्तरक)

2. श्री डी० एम० परमार।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वस्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) १स सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से

 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 50 दिन की प्रविध; जो भी

 शवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोवन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

'स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थम सुची

शेड जो शिवशत्ती इण्डस्ट्रीज, आघाडी इस्टेट के सामने जैन कम्पाउन्ड, सुभाष रोड जोगेश्वरी (पूरव) बम्बई-100060 अनुसूची जैसा कि क० सं० अई/ 37 ईई/12914/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) " अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 3-5-1985

मोहर 💈

श्रुक्य बाइं, टी. एनं, एस.- - = ====

बायकर व्यिभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ं ग्रर्जन रिंज-2• बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निर्दीस सं० ग्रई-2/37/ईई/19688/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु: से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, चौथी मंजिल, "गुरुकुपा अपार्टमेंटस", एन० सी० केलकर रोड, दादर (प), बम्बई-400028 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने बणिन है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख न्द्री-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में हास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है :—

- (का) बन्तर्ग से हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनयम के जभीन कर देने के बन्त्रक के बादित्य में कमी करने का उससे तचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
 - (क्ष) एसे किसी जाय था किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बढ़ वर्व, उक्त अधिनिजम की धारा 269-व के कन्सरण कों, मीं, उक्त विधिलयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिख्यों, वक्की धु—— (1) मेसर्स बिल्कान कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र नागेन्द्र कातकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिवियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 0.15, जो चौथी मंजिल "गुरुकृपा ग्रपार्टमेंटस", एतः सी केलकर रोड, दादर (प), बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम संबंधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सदाम प्राधिकारी अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुक्त रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-5-1985

मोहर ं

प्रकृष बाह् : टी. एन. एस.----

बायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारस स्रकाद

कार्यांनय, सहायक वायक र वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं ० ग्रई - 2/37ईई/22441/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैट नं० 39, जो दसवीं मंजिल, गुरूकृषा अपार्टमेंटस, एन० सी० केलकर रोड, दादर (पश्चिम), वस्बई 400028 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य,, उसके द्रश्यभान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक है पर से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

्बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, अधीतः (1) मेसर्स बिल्कान कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण साराभाई णाह और श्रीमती धरमशीबेन प्रवीण कुमार शाह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित के पित

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और ध्दों का, जो उत्तर जिम्मीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

बन्स्चीं

प्लैट नं० 39, जो दसवीं मंजिल, "गुरूकृपा श्रपार्टमेंटस", एन० सी० केलकर रोड, दादर पण्चिम), बम्बई-400038 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/22441/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षमः प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🚜

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, र्गदनांक 3 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12978/84-85--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं धुनिट नं 12 ए, सत्यम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, तलमाला, जोगण्यरी, बम्बई-400060 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 कि, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान -प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स सत्यम बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल मेघजी परमार और श्रीमती कांचन नटवरलार परमार ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट मं० 12 ए, जो सत्यम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, तलमाला जोगेश्वरी (पूरव), बम्बई-400060 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/12978/ -84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बात्य, सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 3 मई 1985

निदेश मं० ग्रई-2/37ईई/12977/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दाग

शायक ः शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमार्स इसके परचार 'उक्त विधिनसम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वृतिट नं० 7, तलमाला, सत्यम इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, जीगेश्वरी (पूरक), बस्वई-400060 में स्थित है (और इसमे उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनाम प्रविद्य प्रक्षितियम 1961 की धारा 269क,ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

को पर्योवत संपन्ति के उचित बाजार मन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किश्त नह किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक अ दर्भयत्व में कर्म। अरने वा उससे गवने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी अय वा किसी चन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के व्योधनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या था वा किया जाना पाहिए वा किया में स्थित के निए;

शतः कह, स्थतः अधिनिष्यः कौ धारा 269-म के समुहारक थैं, मैं लाक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1), है अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियां, अधीत् ः-- (1) मेसर्स सत्यम विन्हर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र ग्राप्य ग्रामेण फीमकी इस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पर्वोक्त राम्मित के अजेन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु-

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो सी अविध बाद रें प्रमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी है
 पास निश्चित में किए जा सुकाय ।

स्यक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

जन्**स्**ची

युनिट नं० 7, जो तलमाला गत्यम इण्डस्ट्रियल इम्टेट, जोमेश्वरी (पुरव), बम्बई-400060 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋम मं० अई-2/37/ईई12977/

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37/ईई12977/ 84-85 और जो सकम प्राधिकारी, वस्बई हारा दिनांक 29-9-1984 को रिजस्टर्श किया गया है ।

> लक्ष्मण दास -संबंध प्राधिकारी उहायक आयकरे आयुक्त (भिरीक्षण)

दिनांक : 3-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाइ".टी.एन.एस.----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

धारत गरकार

कार्यांसद, सहावक वायकारु वाय्वेत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 वम्बई बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई[/12988/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-103, "ग्रल-मार्ना" मिल्लतनगर, बहरामबाग के पीछे, ओशिवरा विलज, जोगेश्वरी, (पश्चिम) बम्बई-400058 में स्थित है और इससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रोी है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान अगतिएल के लिए अन्तरित की गृह है तोर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक ही शायित्व में करी लग्ने या उगमें बच्चे के निष्: के निष्: बॉर/बा
- (ब) प्रेरी विस्ति काय या किसी धन या अल आस्तियों भी. जिला भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनलर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंटरिती ब्वास प्रकट नहीं किया । एत या किया में अधिन में अधिन में के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (१) बे अभीतः भिन्नियिन व्यक्तियाँ अर्थातः—

31—126GI/85

(1) श्री सियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

- (2) कु० कैसर जहान, ग्रझीझ कादर खान । (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके क्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थालर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य प्यक्ति दुवारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीक दुण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित, ही, चही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गवा ही।

ग्रनुसूची

पलैट नं ए-3/103, जो "श्रल—मार्श" मिल्लतनगर, बहराम बाग के पीछे, ओशिवरा वीलजं, जोगेश्वरी पिण्चम), बग्बई-58 में स्थित है।

जनुसूची जैसा कि त्रम सं $\sqrt{37}$ ईई/12988/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रॉजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-5-1985 सोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (196 हैं का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश २ कई-2/37ईई/12849/84-85--- त्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं ए/604, नेबुला अपार्टमेंटस, हिरानन्दानी इस्टेट, ओणिवरा अन्धेरी (पिचम), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप । बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः (1) मेसर्स अपेक्स कन्सप्रकशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नूतन राज, और श्री रिव के० राज।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पत्नैट नं० ए/604, जो नेबुला ग्रपार्टमेंटस, हिरानन्दानी इस्टेट, ओणिवरा अन्धेरी (पण्चिम), बम्वई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि वि ग्रई-2/37ईई/12849/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी महायंक ग्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

माहर .

प्ररूप गाइं, टी. एन. एड.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्पना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12846/84-85--ग्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, े जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं ० पलैट नं ० 702, सातवीं मंजिल, अंटलास बिल्डिंग. हिरानन्दानी इस्टेट, चार बंगला के सामने, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रीहफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिबिक रूप से कश्यित नहीं किया प्या है है-

- (क) सन्तरम् सं हृद्दं किसी बाद को बावत , कला बांधीनसम के दधीन कर 'दोने के बन्तरक के बाजित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए: गोर/गा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या कन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: बंब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण-, मैं, उक्त अधिनियम करे धारा 269-व की उपधारा (1) ह वर्गान निम्नालिश्वत व्यक्तिशा, वर्णातः--

(1) मैसर्भ ग्रहेक्स कन्स्ट्रकशन ।

(भन्तरक)

(2) श्री ए० बिस्वास और श्रीमती गीता बिस्वास ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :- -

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की वर्गांध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों. की भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्, (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं बर्थ होगा, वा उस अध्याय में दिया महा कि ।

ग्रनुसूचा

फ्लैट नं० 702, जो सातवीं मंजिल बिल्डिंग अटलास हिरानन्दानी इस्टेट, चार बंगला के सामने, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-2/37ईई/12846/ 84-85 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षण दास सक्षण प्रतिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंश-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

माहर 🖫

प्रस्प काई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक बायकर आगूक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12797/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं दुकान नं 1, प्लाट नं 29, जे पी रोड के सामने, चार बंगला, बर्सोबा, अन्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-9-1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुध यह बिश्वास करने का कारण है कि कि यथा पूर्णवत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे उस्थान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित प्रहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीग कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) एशियन इवेल्पमेंट कार्पोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लीलाधर तेजकी शाह और श्री स्रकोक लीलाधर शाह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की बबीध, जो भी बवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधौहस्ताक्षरी के पास हिहीखत में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट निश्चिमसम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्परे

दुकान नं० 1, जो प्लाट नं० 29, जे० पी० रोड के सामने, चार बंगला, वर्सोबा अन्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/12797/84-85 और जो सक्षेम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांव : 8-5-1975

मांहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० अई०-2/37ईई 10472/84-85—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

-को पूर्वोक्त संमंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक क न, निम्नितिश्वात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने, या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्भ अपेशस हनसद्वागत ।

(अन्तरक)

(2) श्री इस्माइल अहमद वांगडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

पलैंट. नं० ए/603, जो नेबुला अपार्टमेंटस, ृहिरनंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ब्राशिवरा , ब्रंधेरी (पश्चिम), वम्बई-480058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अईस्-2/37ईई/10472/ 84--85 स्रोर जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-5-1985 मोहर : प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. -----

कालकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं अई-2/37 ई12829/84-85 — अतः मुझे, सक्ष्मण दास,

कायकर आंधिनियस, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियसं कहा गया है), की धारा 263-क ही अधीन सक्षण प्राधिकाण है। यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिराकी सं० फ्लैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल ए—विंग, स्कामवादार, हिरनंदानी इस्टेट, जपना घर के पीछे, ग्रोशिवरा ग्रंधेरी (पश्चिम), यस्वई—58 में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसान कर राजा समान साथकर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अजी। राज्ञम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है, नारील 25-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गई है और मुक्के यह प्रश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल स, एटा क्ष्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकार में राधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिकार, निक्कोलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में स्तितिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय का बक्दर, उक्त कियाम के अंबीन कर दोने के अन्तरक के दाभित्व में कसी जरने वा उसन उचन में सुविधा को लिए, कौरंध
- (ख) एका किया बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाएकार अन्तिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रश्लेकार जाताती ध्वार प्रकट नहा किया गया था या किया जाना बाहिए था छिमान स

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग क बनुसरण में, में, स्वत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स अपेक्स उन्सट्टक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री-के श्री वर्मा श्री शोक वर्मा ग्रीर श्री हरीश वर्मा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके प्याना नामाति के जावन के किन कार्यवाहियां करता हो।

उपत समाल के अपन के सच्य मा कोई भी जाक्षण ---

- (क) इस म्बान के राजान मा प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर प्रवैक्ति व्यक्तियों में कि की त्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्तिस्त में निराप का स्केंगं।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त रूज्या और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् श्र्षी

फ्लैट नं० 701, जो सातवी मंजिल, ए-विंग, स्काववाकर हिर्नदानी इस्टेट, अपना पर के पीछे, ओशिवरा ग्रंधेरी (पश्चिम), वस्वई—400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं अई-2/37ईई/12829/ 84-85 और जो सक्षम प्राध्यकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984को रजिस्टई लिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर:

श्रहण दार . टी. एत . एड . -----

कथ्यकर अभिनियम, 196; (1961 का 43) की) भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर लायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, तम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश ... सं० अई 2/37ईई/12438/84-85—ातः मुझे लक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने को कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिक्का डॉचन याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं पलैट गं 603की विंग स्कायवा तर, अपना घर घर के पीछे, हिरानंदानी इस्टेट, ग्रीशिवरा अंबेरी (पिक्चम) बम्बई-400058 में स्थित है (प्रौर इससे अपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणित है) ग्रौर जिस हा करारनामूा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, - तारीख 14-9-1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उिषत के कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति की उिषत के कि मृत्यास मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे, अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित व बास्तिवक हम से कि एसे किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के . बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। तीज या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा स्टें किए।

बत: अब उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ बधीय. निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत (1) मेसर्स अपेक्स अन्सद्वशन्स ।

(अन्तरक्र√

(2) श्रीमती रमा चम्पकलाल दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस शें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचान के राजपत्र मा प्रकाशना की तारी खा औं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उत्सर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका प्याह

वन्ष्यी

फ्लैंट नं० 603, जो बी विग, स्कायवाकर हिरानंदानी इस्टेंट, अपना घर के पीछे, ग्रोशिवरा ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची ज़ैवा कि कम सं० अई-2/37ईई/12438/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक । 14-9-1984 को रिनस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दासे संसम प्रात्विकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वर्ड

दिनांके 7-5-1985 मोहर प्ररूप आई टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 4.3) की धारा २६० म (1) के बागित मुचना

भारत सरकार

कार्यां नथ महायक आयक्तर यायुक्त (निरक्षिण)
 अर्जन रेंज-2. तम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० जर्द-2/37ईई/12424/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास झे आयकर जिल्लामण त्रास झे आयकर जिल्लामण त्रास १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कच्चात 'जन्द अधिनियम' 'हहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का भारण है कि स्थायर एस्पांच, जिल्लामा उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० पलैट नं० 104, पहली मंजिल, "बी विग सी क्षेल, सान बंगला लोड, वर्सोबा, प्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (बौर इससे उपाबड़ कनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ह, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है, तारोख विस्न-1984

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मिल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यह लोग्यन कर्णा का कारण हो कि यह लोग्यन कर्णा का कारण हो कि यह लोग्यन कर्णा का प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिल्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-बाँधनियम के टाधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी अरते या त्यसे बचने में सुविधा के निस्ह; क्रीन 40
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपने स्थिनियम, या धन- एर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत :--- (1) मेसर्स चेतन डेवेनपसंटम ।

_ (अन्तरक)

(2) श्री गोरीजंकर सराफग्रांर श्रीमती संतोष मी० सराफ।

(जन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके वृजीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के त्रज़न के सम्बन: में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के एजपत में प्रकाशन की टारीख है 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सृचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जा भी अदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस्ते ज्न्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, लो उक्त ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लेंट नं० 104, जो प्रहर्ली मंजिल, "वी" विंग सी शेल, सात बंगला रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (पश्चिम), वस्वई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० , अई-2/37ईई/12424/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रिजस्टिई शिया गया है।

> लंक्सण दास नक्षम प्राधि प्रारी महायश जायकर जायका (लिरीक्षण) सर्जन रेंज-2, वस्बई

· दिनांक 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

ष्ठायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ई/37ईई/12419/84-85--- अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 702, सातकी मंजिल, सी शल, "ए" विग, सात बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बौच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत , उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दावित्य में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 32—126GI/85

(1) मेसर्स चेनन इवेल्पमेंटरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामकली धनानिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 702, जो सांतवों मंजिल, "ए' विग, सी शल, सात बंगला, वसींवा, अंधेरी (पश्चिम्), बम्बई-40058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12419/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्डकियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1 \$85

मोहर 🖫

शक्ष आहें.दी.एम्.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/12420/84-85--ग्रतः मुझे

ग्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, पाकिंग स्पेस नं० 9, "ए" विग, सी शल, सात बंगला, रोड़ अंधेरी '(पिश्चम), बम्बई—58 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रविनियम 1961 की वारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दल्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स चेतन डवेल्पसेंटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पिताम्बर एल० धनानिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट नं० 701, जन सातवीं मंजिल, तथा पाकिंग स्पेस नं० 9, "ए" विग, सी भल, वर्सोगा, सात बंगला रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसा कि क्रम सं क्राइन् 2/37ईई/12420/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा विनांक 14-9-1984 को रजिष्टर्श किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्राधुन्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

· दिनांक : 7-5-1985

मोहर ह

प्ररूप बाइं. टी. एव : एड :-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के ब्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्वेक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बन्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12321/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 504, पांचवीं मंजिल, पार्किंग स्पेस नं० 13, "बी" विग, सी शेल, वर्सोवा, बात बंगला, रोड़, अंधेरी (पिश्चम), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14—9—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर देने के अंतरक को अधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/का
- (श) ऐसी किसी बाब या किसी धृत या बन्ध बास्सियों को, जिन्हों भारतीय अगवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृत नार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्रिरती द्वारा प्रकट गृही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुनिश्चित व्यक्तियों, वर्षात व (1) मेसर्स चेतन इवेल्पमेंटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशकुमार शिवकुमार चौधरी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनतु सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में दिये आ सकते।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में श्वित गुवा हैं।

अनुसुची

पलैट नं 504, जो पांचकी मंजिल, और पार्किंग स्पेस नं 13, वर्सीवा, सात बंगना रोड़, अंधेरी (पिंचम), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्र $\xi-2/37$ ई ξ 12321/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

सोहर 🏻

प्रकल कार्य हो. युक्त पुर हुक हुक्तानावाता

बायकार ऑधीनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्भन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12485/34-8**5--म्र**तः

मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधितियस, १००६ (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् उक्त अधितियम' कहा गया ही, की पाष 269-ख के अधीत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ राज्य में अधिक ही

और जिसकी मं० पर्लंट नं० 60%, छठी मंजिल, "बी" विग, सी जेल, वर्सोवा, मात बंगला रोठ, अंधेरी (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मुन्य के हम रे प्रश्न प्रतिफाल के जिस्स अन्तरित का गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अपप्रिक्ति संपर्धित का उचित बाहार मूल्य उसके दश्यमान अतिफल से, एसे दश्यमान अतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल का संभव महीं किया गया है ह

- (क) अन्तरण १ ६ हो । एकी आप की बागत, उक्त, अक्त, अक्ति, अक्ति, अभित कार दोने की अन्तरक, की दायित्य में कमा करते था उससे बचने में सुविधा के बिक् अपि कर करते था उससे बचने में सुविधा
- (क) एसी किसी जाय भा किसी भन या जन्य जास्तियाँ की जिन्हों भारतीय जायकार जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, मा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिता ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में सुविधा के निष्

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्मरण बो, बो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, नियनिविधित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) मेसर्भ चेतन इवेल्पमेंटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र सालियन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं 0 604, जो छठी मंजित, ''बी'' विग, सी शेल, वर्सोबा, सात बंगला रोड़, अंधेरी (पण्चिम), वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुचची ऊँसा कि क स० श्रइ-2/37ईई/12845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहरू 😢

प्रकृप आर्च . हो . एन . एस

आयक्द बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/12425/84-85--ग्रत[‡] मुझे लक्ष्मण दास

बायकर बिंचियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 501, पहली मंजिल, "ए", विंग, सी भेल, सात अंगला रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), वम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयज्ञर अधिनियम की धारा 269 क ब के अधीन वुम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारी ख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किला आय या किसी धन या जन्य आस्तिक। का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को निए;

हत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म को बनुकरणी मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स चेतन डवेल्पमेंटस्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार तेरहून और श्रीमती सुशीला कुमारी तेहरहून ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी कैन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

पलैट नं० 501, जो पहली मंजिल, "ए" विंग, सी शेल, सात बंगला रोड़, वर्सोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/12425/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रार्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मांहर

शक्य मार्ड, टी. एवं, एवं, ---

जावकाः अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की पाला 269-थ (1) थीं अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यानय, बहायक बायकर बायकत (गिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12426/84-85—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-च को अधीन सक्ष्म प्रवेशकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्माति, जिसका उधित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, पांचवीं मंजिल, विग, सी शेल, वर्सीवा, रोड़, अंधेरी (पश्चिम), सात बंगला बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269क, ख कें अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय वम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मून्य से कब के क्षमान प्रतिकात के निए अंतरित की नहीं हैं बार बुझे वह विश्वास कर्ते का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, ससके क्षमान प्रतिकात से, एसे क्षमान प्रतिकात का पन्नह प्रतिकार से अधिक ही बाँद अन्तरक (जन्तरकों) बाँद अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरिक्ष के जिए तथ पाना नवा ब्रीत्यका, विश्वदिक्ष उपयोग्ध के जिए तथ पाना नवा ब्रीत्यका, विश्वदिक्ष क्षमा क्षमा क्षमा है है क्षमा का है है कारविक क्षम से ब्रिया बाई है क्षमा नवा है है क्षमा का है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा है है क्षमा नवा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा है है क्षमा नवा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा नवा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा से हैं क्षमा नवा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा से हैं क्षमा नवा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा से हैं क्षमा नवा है है कारविक क्षमा से ब्रिया क्षमा है है कारविक क्षम से ब्रिया क्षमा से हैं क्षमा नवा है है कारविक क्षमा से ब्रिया क्षमा है है कारविक क्षमा से ब्रिया क्षमा से हैं क्षमा नवा है है कारविक क्षम से क्षमा से क्

- (क) बच्चाय संहुदं किसी बाच की बाबत, उक्द बिश्विक्त के स्थीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व में क्षेत्री करने या उचले दयने में गृविधा के जिए; और/गा
- (क) एंडी किसी बाग या किसी धन वा बन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-न की अनुसर्ख कें, में उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) में अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाट :— (1) मेसर्स चेतन इवेल्पमेंटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार तरहून आर श्रीमती सुशीताकुमारी रेट्टूनी

(अन्तिर्ति)

को यह सुधना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- , (क) इत स्वन के त्रवरण में प्रकाशन की हारीश हैं 45 दिव के बीतर उन्ह स्थायर त्रकारिय में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहरताकारी के पाछ सिश्चित में किस का सकेरी

व्यव्यक्तिरणः -- इत्तमे प्रयुक्त सम्बं तीर गर्दो का, तो स्वत्य विविवय के सध्याय 20 के में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा से उन शन्याय में रिका बना हैं।

प्रन्यूची

पलैंट नं 502, जो पाचको मंजिल, "ए" विग, सी भेल वसींवा रोड़ अंधेरी (पालम), सामाजंगला, विम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि केट केट अट-2/375डी 12426/ 84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, अध्वर्ध ोरा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सम्म प्राधिकारी महायक कायकर अर्क्ट (निरीक्षण) अवस्य रज--2, तम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

प्रकल बाह् . दी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारर 269--व (1) के अभीन सूचना

गारत सर्कार

कार्यातस, सहायक वाबकार शायुक्त (निर्धाक्तण) .

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12422/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसके पण्डात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), कौं भारा 269-व के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्धील, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 102, पहली मंजिल, "ए" विंग, सी शेल, सात बंगला वर्सोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को वृद्धीयत मंगीरत के उदित बाजार मृन्य से कम के क्षयमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है बीर बन्तरक (बन्तरका) बोर बन्तरिती (बन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरक के बिए स्थ बाया गया प्रतिफल निम्नतिषित उद्दोरव हे उसक बन्तरफ सिशित मा नास्त्रतिक कुम से कांचित बहुरि व्यक्षा गया है:---

- (क' मन्तरमा ने तुमं किसी शाप की तावस उपने शीय-रियम के सभीन कर दोने के सन्दरक के बाधितन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करि/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य वास्तियों की, बिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जवत निधिनयम या धन कर किंवीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यास प्रकट नहीं किया बचा था था किया बाना चाहिए था कियाने में सविधा के किया

वतः वतः उत्तर अभिनियम की भारा 269-व के वनुकरण में, में, जनसंभूगीधीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वर्णीन, निम्मीविश्वत व्यव्यवस्थिति वर्णीय ह (1) मेसर्भ चेतन उवेल्पमेंटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केरसी जाल अंकलेश्वरीया और श्रीमती जाल होर्मसजी अंकलेश्वरीया।

(अन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त समास्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप ह-

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जबिश या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की जविश, जो भी बचीच वाद में सनाप्त होती हो., जो नीतर पूर्वेच्छ व्यक्तियों में से किसी स्वविस द्वाछ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख के 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्प्रित में हितवक्ष किती जन्म व्यक्ति इतार अधोहस्ताकारी के शब लिखित में किए जा सकोंने।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्वी

पलैट नं 102, जो पहली मंजिल, "ए" विग, सी शेल, सात बंगला, वर्सोवा अधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/12422/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एत. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/12844-84-85--म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 503, पांचवीं मंजिल, पार्किंग स्पेस नंव 12, "बी" विंग, सी भेल, वर्सोवा, भ्रितात बंगला रोड़, अंधरी (गण्चम), बम्बई -58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामां आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीत मक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई म रजिस्ट्री है तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कै स्ववास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उबत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, हैनग्निलिखत व्यक्तियों, वर्षात् क्र---

(1) मेसर्स चेतन इवेल्पमेंटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शशिदेवी सुरेशकुमार चौधरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अफहुन्ताअपी के गांस लिखित में किए जा सक्तेंगे ।

लाडीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय थी। दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 503, जो पांचबीं मंजिल, और पार्किंग स्पेस नं० 12, "बी" विग, सी शेल, वर्सोवा, सात बंगला, रोड़, अंधरी (पिष्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/12844/84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सद्घायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) स्रायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🗈

प्रकप बाह्". टी. एन. एस. -----

जामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालग, बहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई 12423/85-86 अत मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्हे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मृल्यं 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, "बी" विंग, सी शेल, सात बंगला रोड, वर्सोवा, स्रवेरी (पश्चिम), बम्बई--400 058 में स्थित है (ग्रौर इसले उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-9-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की नावत, सकत जिसीनयम के प्रकीत कर दोने के अन्तरक की गामित्व में कभी करने के स्वतं के स्वीतक। के लिए; बार/बा
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय कायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिष्ट:

अत: अब उक्त अधिनियम भी धार। 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मेसर्स चेान डेवल्पमेंटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गौरीणंकर चौधरी ग्रौर श्रीमती रीटा जी० चौधरी।

(अन्तरिंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए श्विकारिया करना हो।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई नामाप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस इपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गवा है।

अनुसूची

ं फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, "बी" विंग, सी शेल, सात बंगला रोड़, वर्लोबा,ग्रधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12423/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 7-5-1985

: ----

प्रकपः बाह्रं, टी. एन. एस. - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन सुमना

शारत गुरुतर

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अर्ड-2/37ईई 12696/84-85—अत्ः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो, पहली मंजिल, श्रंव्होरी हाउस, लाट नं० 6, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा,, ग्रंधेरी (प), बम्बई-5के में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुचची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रिंप्स्ट्री है, तारीख 22-9-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के उस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजर मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किषत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण वे हुई किती बाब की सब्दा , उनके वीधित्वृत वी वधीन कर दोने के बच्छरक ही दायित्व में कमी करने या उत्तवे वध्-ें में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

बद्ध बन उन्त निमिन्तिम की भारा 269-व से समुद्धरक् में, में, उन्त निमित्ति की भारा 269-व की उपभारा (1) के नभीत, निम्निनिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रा० लि० (अन्तरक)
- (2) मेसर्स कौशिक कम्बाइन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तार्द्रीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिक्टित में किए जा सकीं हो।

स्थाकरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

्फ्लैट नं० 104, जो पहली मंजिल, श्रव्होरी हाइटसे, प्लाट नं० 1, एस० नं० 41, (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची ूर्जैसा कि कम सं० अई-2/37 ईई/1266/84-85 स्त्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्ब ई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर ध

त्रकेष् बाइ ुटी. एन. एव .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12698/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें एक्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उत्तित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो, 7वीं मंजिल, हरमनी-बी, प्लाट नं० 343, एस० नं० 46, (ग्रंश) 4 बंगला, ग्रोशिवरा वसींवा, ग्रंथेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-9-1984

को प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अस्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य, जिन्नितिष्ठ उद्दोद से उच्छ यन्तरण सिषित में वास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) मन्द्रपण वे हुई किसी नान की राज्य उपस् विध-निवन में वृधीन कर दोने के मन्तरक के संविद्ध के कवी करने वा उससे नचने में सुनिधा के बिबे; बरि वा/
- (ख) एंती किसी जाब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना जाहिए था, जियाने में बुविधा है सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिकित व्यक्तितयों, अर्थात् हि—<

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) डा० नितिन विद्यसुधर गोडबोले । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो और विधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्वी

पलैंट नं० 704, जो, 7वीं मंजिल; हरमनी-बी, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला; ग्रोशिवरा वर्सीवा, ग्रंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12698/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहरु 🛭

त्रकृष बाहु टी. एव. एव.----

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के अभीप भूचना

PROPERTY

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज−2, वम्बई

बम्बई, दिनांश 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/12857/84-85--अतः मझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'रक्त अधिनियम' कहा का हो), को पारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्ना उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फर्नेट नं० 603 ग्राँर 604 जो, 6वीं मंजिल, स्टिलिंग टावर, जाट नं० 36. सर्वे नं० 41 विलेज ग्रोजिंगरा, वर्मोत्रा, श्रवेगी (ए), वस्वई—58 में स्थित है (ग्रोर इस्ता उपायड गांधूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रोर जिस ता जरारनामा आयहर अधिनयम की धारा 269 त, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में राजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

का पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया प्रतिकात रिक्ति विश्वासित अद्देश्य में ३४० अंतरण निष्टित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अंतरण में तूट किसी क्ष्य की बाबता. उक्त मंदित पर दा नवीर कार दार के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिय का जिन्हों भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्क ग्रीधनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, प्राधनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के अधिकनार्थ अन्यास्तिय स्वास्तिय स्वास्तिय स्वास्तिय स्वास्तिय स्वास्तिय स्वासिय स्वासिय

(1) मेसर्स आर० जी० विल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री मृष्ण प्रताप माले 🗀

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत बृचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारी खरें 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पार किरण:— इसमें प्रमुक्त बाब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैट नं० 603 त्रीर 604. जो 6वीं मंजिल, स्टॉलग टावर, प्लाट नं० 36, सर्वे नं० 41 आफ विलेज ओणिवरा वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), वस्वई-58 ों स्थित है।

अनुसूची बैसा कि कम मंश्राहिस-2/37ईई/12857/ 84-85 जोर जो सिनन पाखारी, तमबई द्वारा दिनांक 26-9-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयगर जापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

आयांत्रय, सहायकः अस्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/1!473/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

ायकर अधिनवण, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परणात उपत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी कों, वह विस्वास करने का कारण है। क स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्यू 1,09,000 रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 803 ग्रौर 804, जो, स्टर्लिंग टावर प्लोट सं० 36, ग्राफ जय प्रकाश रोड, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 केख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनॉक 11-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) स्पारंभ स हाइ ाकती बाद की बाबत, उक्त बाधांत्रवम के बधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ प्रकारिती द्वारा एकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मेसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री म्रशोक दुग्गल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्य संपत्ति के वर्षन के बिध

उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहाप :--

- (क) इस बुजना के राजपन में प्रकासन की तारीस से 45 हिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अमिथ, जो भी अनिष् वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पन्ति में हितबक्थ किसी अन्य यादित द्वारा अधोहस्माक्षरों के वास विश्वी कर में किए के सकानः

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया श्या है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट सं० 803, श्रीर 804, जो, स्टर्लिग टावर, प्लाट सं० 36, श्राफ जय प्रकाण रोड. 4 वंगला के पास, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-2/37ईई/11473/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🐔

प्ररूप बार्ष . टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं ं ग्रई-2/37ईई/12694/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाय.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रमास करने का कारण है कि स्थापर सम्पिका, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 103, जो, पहली मंजिल, हरमनी ''बी'', प्लाट सं० 343, एम० सं० 41 (श्रंश), 4 वंगला, वर्सोबा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 वख के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाँक 22-9-1984.

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए बय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनेयम के अधीर कर दोन के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किभी काय या किसी अन का कन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय अवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निष्ध।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ः

- (1) मेसर्स लोखण्ड वाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सामिष्ठा ग्रश्विन ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रूक्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की जविधि, जो भं
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

धवसपी

फ्लैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, हरमनी-बी, प्लाट सं० 343, एस० सं० $41(\pi)$, 4 बंगला, वर्सीवा मंधेरी (प), वम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि क० सं० श्रई-2/37ईई/12694/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोह्नरु 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एवं -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/10514/84-85—- अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है । क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्रिमायसेस नं टी र जो, टाईप -ए, तीसरी ग्रौर 4थी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम वाग, वर्सोवा, ग्रोशिवरा विलेज, सवें नं 41 (ग्रंश), ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करार गामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बासब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तिया को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिकार्यक, निम्मविधित व्यक्तियों, अर्थात : -- (1) संजीव विल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेणूगोपाल और श्री माला वेणूगोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्लूभ किसी ब्यानिक क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास गवा है।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ला अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद दें दिया गया है।

अनुसूची ं

प्रिमायसेस नं० टी० 5, जो, तीसरी और चौथी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, ग्रोशिवरा विलेज, सवें नं० 41 (ग्रंश), ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/10514/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वस्वई

दिनर्कि : 7-5-1985

मोहर:

The the of the the commence of the second

पायकर आधारि १००० १६६ । १ के.स. छार द्राप्तान १६ में कारोब सुवन

कार्यालयः, महायस कार्यकार कार्यका (निरक्षिण) ग्राजीन रेजि-3, यान्वई

वस्वई, दिनांक 7 मई 1985

बायकर अधिनियस, 1961 (196) का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थित, जिस्का उधित बाजार बृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 306, जा. पहली मंजिल, होम कोर्ट, प्लाट सं० 336, एन० सं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोबा, श्रंधेरी (1), बस्बई-58 में स्थित है (शोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्षि ए है), श्रें र जिस्का करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 इस्बंच श्रधीन सक्षम प्रधिकारी कार्यालय बम्बई में रिष्ट्री है, विनास 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भित की गई है और सुफो, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभाग मिना का प्रिक्त का कारण है कि प्रभाग मिना का प्रकित्त का प्रतिपत्त का प्रतिपत्त का प्रतिपत्त का प्रतिपत्त का प्रतिपत्त का प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कोच एक बनायण में जिल्ला तम प्राप्त मिमालिखत एक्सेड्य ए उक्त जनारण निर्मेखत में बास्तिक एम से कथित नहीं किया एमा है :—

- (क) कन्तरण र नुर्ध जिसी ब्राय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा क न्यिए। बीटर बर
- (का) धेती किसी बाब था किसी वन या कर बास्सिकी हैं। विकास बारिसिकी कार-कर बिधिनियस, 1922 को किसी के किसी कार-कर बाधिनियस, 1922 को किसी कार बादिनियस (1957 को 27) के प्रधाननाथ कम्मिसिकी क्रिकेश कार कार्य कहीं विद्याप्त के कि किसी कार्य कार्यिक के किसी कार्य कार्यक कर्यों किसी कार्यक कार्यक कर्यों किसी कार्यक कर्यों कार्यक कर्यों कार्यक कर्यों किसी कार्यक कर्यों किसी कार्यक कर्यों किसी कर्यों कार्यक कर्यों किसी कर्यों कार्यक कर्यों किसी कर्यों क्रिकेट कर्यों क्रिकेट कर कर्यों क्रिकेट क्रिक

जर अब, उक्त अधिरियम की धारा 209 म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेनर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेम प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) शीयती शीला सोन फर्नाई ए खँर प्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिलां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के जर्नन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रेप :--

- (क) इस सुक्या के समयम में प्रभावन की ताड़ीब है 45 दिन की जनश्वि या तत्त्रक्रियों के ब्रावित की अविध्या तत्त्रक्रियों के सूक्या की तामील से 30 दिन की अविध्य जो भी अविध्य माद में इसाम्य हाती हा, ये भीतर पूर्णेक्त मार्थित की से किसी स्वित्व स्वास्त्र
- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में विश्ववस्थ विकास कर्यों के पास विकास में किस जा सकी थे।

स्पष्टीकरणः इतमें प्रयुक्त शन्दां और परों आ, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. को तक अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 103, जां, पहती पंजिल, होम नार्ट, प्लाट सं० 336, एस० सं० 41~(50%), 4~7गला, बर्मीबा, ग्रंधेरी (प), तस्वई-58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कर संर सई-2/37-ईई/12694/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, वस्पई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रिषस्तई किया गया है ।

लक्ष्मण दास स्थाम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेज-2, वस्वई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/12928/84-85---ग्रतः म् झे, लक्ष्मण दास.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 203, जो, दूसरी मंजिल, रिम्फोनी— बी, प्लाट सं० 344, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 वख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 29-9-84.

का प्बांक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्र-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण संहुई किन्ती आय की बाबक सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में धिविधा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथाँत :---- 34---126GI/85

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इंदरपाल कौर । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **ब से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्लिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 203, जो, दूसरी मंजिल, सिम्फोनी-बी, प्लाट सं० 344, एस० सं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12928/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्षः टी. एव . एस , सम्मारण्यासम्मान

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन क्ष्मन

भारत सहकार

आर्णनय, सहायक वायकर वायक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2. वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13239/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 002, जो, इमारत सं० ए-7, ग्रपनाघर यृनिट सं० 2 को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रोणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ग्राफ जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-9-1984.

कां पूर्वंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में शास्तिकर हुए में किश्व नहीं किया गया उ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे क्याने में सृविधा के लिए; बरैर/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

जब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 769-ग की उपधारा (1) चे कार्यक्र तिकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतिष रामकृष्ण माणगांवकर । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्वनाहियां करता हुएं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीध वा तत्संबंधी व्यक्तिकों कर बूचना की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध कितों अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पक्षें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

प्लैट सं० 002, जो, इमारत सं० ए-7, ग्रपनाघर यूनिट सं० 2 को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ग्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगला के सामने, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/13239/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

मोहर 🛚

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

बारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/12851/84-85—श्रतः मृझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लाक्ष करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 103, जो, पहली मंजिल, प्राईम रोझ, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रंथायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) अद्भैर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्यों से उक्त बुन्तरण निवित् के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत बिधिनयम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या शा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा है सिए;

बत्स बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के विधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, वर्धात् हु---

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रहण ग्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी करिवरानों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिनम मवा है।

वप्ता

प्लैट सं० 103, जो, पहली मंजिल, प्राईम रोझ, प्लाट नं० 318, एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37ईई/12851/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🛭

प्रस्थ बार्स हो । एव । एव । -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/12929/84-85--- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पहचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 फ. सं आधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 307, जो, तीसरी मंजिल, मोन्टेना, प्लाट सं० 4, एस० सं० 41 (श्रंग), 4 बंगला, अधेरी (प). बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29—9—1984,

का पुत्री कत अम्पिटित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तीरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का अन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है बीर बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पाना गया प्रतिक कम विक्नानिक उद्देश्य से उच्त बंतरण विचित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) क्लारण संहुई किली बाव की बावध समझ बीध-नियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए कैश/बा
- (ख) एकी किसी नाव ना किसी भन वा कन्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय नायक विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उनता कृषिनियम, वा धन-कट विधिनयम, वा धन-कट विधिनयम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाम चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमतो बद्रून्नीसा जैंड, काझी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिख्य कायवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगा

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 307, जो तीसरी मंजिल, मोन्टेना, प्लाट सं० 4, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12929/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एनं.एस.-----

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12702/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

हायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरेण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० दुक्तान सं० 3 ग्रीर 7, जो, विंग-एच, "सिल्वर ग्रंकलेट", यारी रोड, वर्सीवा, श्रंघरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विंगत है), ग्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा को धारा 269 कल के श्रयोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है, दिनांक 22-9-1984,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे एसे दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के श्रम्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि मानिलिस्त उद्देश्य से उक्त बंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संग था किया बाग बाहिए था, जिमाने बें खुनिधा के लिए;

- (1) मोनोकास्ट डेव्हलोपर्स एण्ड बिल्डर्स। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्यारेलाल रामराज यादव । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूरू करना हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में ट्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ती बिभिन्न के अध्याय 20-क में परिधाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया हैं।

अनुसूची

दुकान सं० 3 और 7, जो, विग-एच", "सिल्बर ग्रंकलेट", यारी रोड, वर्सोवा, ग्रंधरी (प), बम्बई-61 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12702/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🗓

प्रस्य बार्ड .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

BISG ESTA

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10493/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीप्र जिसकी सं व्यूनिट सं 30/एम० ई०, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, ग्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रबोन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण शें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ६(1) मेसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स क्वालिटी डाइंग ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

यूनिट सं० 30/एम० ई०, जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सर्टेशन, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं॰ ग्रई-2/37ईई/10493/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

बाहर 🛭

पुरुष . बर्ह्य . टी<u>. एन .</u> ए**व**ा = = = =

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के बधीद स्थ्ना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/12692/84-58---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान सं० 2, जो, विग-एच, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, "सिल्वर श्रंकलेट", यारी रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिन्नका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कुछ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाव की बाबता, सबस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या छससे वसने में सुविधा के निष्; बांदु∕वा
- (ब) एसी किसी जाम या किसी अनु या जन्य कारितयाँ को, जिन्हों भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ जल्लिरिती द्वारा प्रकट नहीं कि एर एट भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा को विद्या

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण कों, पी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मोनोकास्ट डेव्हलोपर्स एण्ड बिल्डसं । (ग्रन्तरक)
- (2) पंचन लाल ललता प्रसाद शर्मा। (भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् ते संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र जें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण ु--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जुन सुजी

दुकान सं० 2, जो, विग-एच, ग्राउंड फ्लोग्नर, "सिल्वर श्रंकलेट,"यारी रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12692/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1985

गोरर 🛭

प्रकप नाहं. टो. एन. एस. -----

(1) मेतर्स प्रकाश कन्स्ट्रवशन धमानी। (अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गुलबान् हसनग्रली लालानी ।

भारत सर्कार

(ग्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12731/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भाग 269-स वो अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशारा;

श्रीर जि:की मं० दुकान नं० 20, जी, ग्राउंड फलोग्नर, ग्रमित नगर, गरी रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रोर इतसे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम को धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है दिनांक 22-9-1984

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए मा सकेंगे।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल क लिए अतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एर दम्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) **बीर अंतरिती** (अन्तर्रितयो) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय वाया गया। अतिफल, निम्नीलीसत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शया हुः

(क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्याधारण मा अ.मी करनं या उसने बचने में सुविधा क ंन्य, और छ

अनुस्ची

(ख) एंसी किमी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व्हे लिए;

दुकान सं० 20, जो ग्राउण्ड फ्लोग्रर, ग्रमित नगर, यारी रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

<mark>अनुसूची ज</mark>ैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/ 12731/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास **नक्षम प्राधिकारो** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षण), म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

कत. बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व **की उपधारा (1**) 🕦 ऋधीन निरूपितसित व्यक्तियाँ, अर्थात ६----

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी .एन . एस . -----

अ:स्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत् सरकार

कार्यांलय, सहायक नामकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12940/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आध्कर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी नं० यूनिट स० 4-एफ, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंगन ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिस्ता करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूर्विका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) . कं अधीन . पेनप्निसित व्यक्तियों , अर्थत् '── 35—126GI/85

1. मेसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट ।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स स्टिलराँक इंजीनियरींग वर्क्स । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त गंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध यां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संस्थि

यूनिट सं० 4-एफ, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन , ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12940/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप आइ.ट. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई. दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/11029/84-85—-म्रतः मुझे. लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं यूनिट सं 15/एल , जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, ग्रंधेो (प); बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्विक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नियिक अधिनायों, अर्थान :— (1) मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम० के० इंजीनियर्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप उ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुमूची

यूनिट सं० 15-एल०, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रनुस्वा जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/11029/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर

क्ष बार्ं व रां प्रक स्वान्य

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

बार्व बरका

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11469/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रुज्य है अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 4, जो, पहली मंजिल, ए-विंग, साजिद टॉवर, 58/59, एस० वी० रोड, ग्रंबोली, ग्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अडि/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया द्या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) मेसर्स चौहान एण्ड ब्रॉस।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुख देव सिंग पतियाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षण हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

मनसची

फ्लैंट सं० 4, जो, पहली मंजिल, ए-विंग, साजिद टॉवर, 58/59, एस० वी० रोड, श्रम्बोली, ग्रंधेंरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/11469/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राजिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, **बस्बई**

दिनांक: 7-5-1985

मोहरु 🕄

प्ररूप बाई., टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 क्ट्या मं ्यर्ज-2/27र्दिश 1045-2/84-

निदश सं० श्रई-2/37ईई/10453/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिन्नो सं० फ्कैट सं० 104, जो, होमस्टेड, प्लाट नं० 337, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, 4 वंगला, ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन्-सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कखके अधीन सक्षम प्राधि-कारो के जायानिय, तमनई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984 क्र' पूर्वोक्त संपत्ति को उचित गावार मृन्य में कप को अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववित संपत्ति का उचित बाजार मुल्य तमके दश्यमान प्रतिफल से, एभे व्ययमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय-पाया भवा

प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्लारन से हुइ कि बी बाय की वाबत उच्च साध-निवम के अभीन कर दीने के बन्तरक को दिल्ला में कनी करने या उससे बचने में खुविशा को लिये; बीड/बा
- ्त्र) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सा किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उस्त बीर्थीयवर, की भारा 269-व की नवृत्तर्थ। मों, मों, उस्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्यात्:——

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पूनम श्रार० कुमार श्रौर श्री रवो कुमार , (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख है। 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ५ केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

व्नसुची

फ्लैंट मं० 104, जो, होमस्टेंड, प्लाट मं० 337, एस० मं० 41 (प्रंश), 4 बंगला, बर्मोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/10453/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1985

मोहर 😗

मुरुष बाहुं हो होने पुरुष —

कायकार विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के व्यक्ति सुम्ना

वाउप प्रकार

कार्यानय, सहायक वायकर वामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

. निदेश सं० अई- $\cdot 2/37$ –ईई| 10452/84–85–अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औरजिसकीं सं० फ्लैंट सं० 702, जो, टेरेस के साथ, 7वी मंजिल, होनस्टेंड, प्लाट न० 337, एन० सं० 41 (अंग), 44 वंगला, वर्गीवा, अंबेरीं (प), वम्बई 58 में स्थित हैं (अर इस्ते उपायढ़ अनुसूची में और पूण कर ने विश्व हैं), और जिन्हा करास्तामा आगएर अबि नियम की गांच 269 एख के अधीन सक्षम प्राधि-हारी के हार्यालय वस्थई में एश्रिस्ट्री हैं, दिलांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबल रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दाकित्य रें कमी करने दा उससे बचने में बुद्धिमा के तिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन क्रिक्ट

- (1) मेर्स लोखण्डवाला प्रिमायसे । प्राइवेट लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) मेससं परेण फैमिली ट्रस्ट श्री ओम प्रशाण मित्तल और श्रीमतींसुशींला डी० मित्तल । (अन्तरिती)

की यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिख् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स कार्या भी से कि हो अविक इस्तरा;
- (ब) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का को सक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याब में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैट सं० 7.02, जो, टेरेन के साथ, 7वी मंजिल, होमस्टेड, प्लाट सं० 337, एग० स० 41 (अंत), 4 बंगला, चर्सोंचा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

शनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई $\cdot 2/3.7$ ईई/1.0452/8.4-85 और जो सक्षम प्राधि गरों, बप्बई द्वारा दिन्छ <math>1-9-1.984 को रजिस्टर्ड शिया गया है।

नक्ष्मण दास मझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

দিবাক : 7-5-1985

मोहर 🗈 🦼

प्ररूप आई.टी.एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रोंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं ग्रई 2/3 7ईई/1 855/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिस्की सं पूर्व में 2(जिस्हारी मंदित, ग्रीन्फिल्डर, फ्लाट नं 333, एस ज्वं 41 (अंज) बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में रियत है (ग्रींग इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है दिनांक 25 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल ग, एति द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिभा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु——

- (1) मेश्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रींमतीं मुशींला खिमेसरा और श्रीं संजय खिमेसरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्धन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसीखत में किस जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट सं० 204, जो, दूसरी मंजिल, ग्रींन फिल्डस, प्लाट सं० 333, एस० सं०न 41 (अंग), 4 बंगला, ओशिचरा, घर्सोचा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक: 7--5--1985

मोहर 🕄

म्बर्ग बर्ग व दी अस्त हर्

बायकार अधिनियम । 1961 ((1961 का 43) की भारत 269-व (1) के ब्रेपीन सूच्या

BITCH BROWN

कार्यां लय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12852/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 404, जो, 4थीं मंजिल, सिम्फोनी वी, प्लाट सं० 344, एम० सं० 41 (अंग), 4 वंगला. ओफिवरा चर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूवी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारतामा आया र अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीं है, दिनांक 26-9-1984

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजाह मून्य से कम के स्वयमाय हितफल के सिए जन्तिरत की गई हैं जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बभाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ज़ब्द, उतके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिस्त से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तहकों) और बंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाना स्वा प्रतिक कस निम्नितिष्त उद्देशक से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तहिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक की दायित्य में कमी काउने या उससे बचने में सुनिशा को सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुविधा के जिहा;

बतः बबः स्वतः विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण के, में, अन्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीतः, निश्मितिबत व्यक्तियों, अभृति ह—

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि० । (अन्तरक)
- (2) श्रीं यानेश जे० राना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यनाहिमां करता हूं।

उन्त रम्पति हो नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद बिबिट में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शबें और पदों का जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

पलैट सं० 404, जो, 4थीं मंजिल, सिम्फोर्नी—बीं, प्लाट सं० 344. एम० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सोंचा, अंधेरीं (प), वम्बई—58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37ईई/12852/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 26-9-1984 को रजिस्दर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : . 7-5-1985

मोहर 🤞

प्ररूप आइ^६.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2 वस्वई अस्पई, दिनोंड 10 मई 1985

निदेग मं० ग्रही-2/37ईई/10590/84-85--सतः मुझे. लक्ष्मण दास.

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राज से अधिक है

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि ध्रित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधितिय कर देने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित अधीनतयों, अर्थात :—

(1) भीयनी गौरी राष छ्मानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगदेव किणिनदान नालरा और श्रीमती वींना वाशदेव सालरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

परैद सं० ए-43. जो सुती । विवाद को० रूपप० हाउसिंग सो तब्दी विभिटेड. 89 90 जे०पीं० रोड, चार बंगवा, के पास अंब्रेगी (विश्वन). बम्बर्ड 400 958 में स्थित है।

अनुभूतों जैसा कि कम० मं० ग्रई 2/37ईई/10590/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई हारा दिनाक 5-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज⊶2, बम्बई

दिनांछ : 10-5-1985

मोहर 🛢

प्रकल आहे. टी. एन, इस . ------

वायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्स)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई- 2/37ईई/11062/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचास् 'उक्त निधिनियम' कहा ज्या हैं), की बारा 269-ख में नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 100,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 42, चौथी मंजिल, जस्मीन अपार्ट-मेंटस, एस० वी० रोड, ग्रंधेरी (पिच्चम), बम्बई-68 में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984,

की पूर्वोक्त सम्मित के जीवत वाचार मृत्य वे कम के वस्त्रमान प्रतिफल के लिए अन्तीरत की गई और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त सम्मित का उचित वाचार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एंटे क्ष्यमाण प्रतिक्रस का पन्तह प्रतिक्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम वाचा नवा प्रतिक्रम, निम्नोंति वित उन्दर्भ है उसल अन्तरण निक्त में मान्सिक रूप से काचित नहीं किया यहा है हु---

- (क) जन्तरण से हुई फिली बाय की वासत, इक्क जर्रविवय के क्यीन कर देने के अन्तरण के वास्तित्व में कमी करने वा उक्क वसने में वृश्विधा के ज़िए; और/वा
- (क) एसी फिली बाप ना फिली पन ना बच्च बास्तियों को, विक्ते बारतीय बाय-कर व्यक्तियव, 1922 (1922 का 11) या उत्तर व्यक्तियव, ता धव-कर व्यक्तियवा, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तरिती इवारा प्रकट नहीं विकास्ता था वा किया जाना चार्रहिए था, कियाने जें सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्मिमिकित व्यक्तियों, अवस्ति :-----36---126GI/85 (1) हाजी न्रमोहम्मद हाजी आदम ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद याकूब मोहम्मद हुसैन ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्मत्ति के वर्चन के हैंबए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत ब्यान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अनिध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी नवीं नाम में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकावन की तारीय है 45 दिन के भीतर उचत स्थानर सम्पत्ति में दिख-नव्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट सं० 42, जो चौथी मंजिल, जस्मीन अपार्टमेंटस, एस० वी० रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुवची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/11062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1\$85

मोहर ः

the area of the second of the

प्रारम बाइ'.डी.प्र.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज--7, बस्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश मं भई-2/37ईई/10606/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 203, जो दूसरी मंजिल,, गोल्डन गोल्डन चेर्अट को०आप० हाउ० सोसा० वर्सोवा, प्रोशिवरा, ग्रंथेरी (पश्चिम), वस्वई 400058, में स्थित है ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई सें रजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को नई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिहत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किनी शाय की बायत, उक्का शीधनिया के अध्यान की अन्तरेख, को शीधनिया के अभी जिल्लामा उपनो प्रधान को स्विति। वी सिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियाँ को चिन्हुं भारतीय बायकर जिमिनच्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वी सिक्;

वतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में . उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुरैच्या शैत ।

(अन्तरक)

(2) मोहिन्दर सिंह राजपाल ।

(अन्तिरिती)

न्हीं बहु सूचना चारी करके प्रशासित सम्पृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हि—

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- .(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाष्टित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया स्वा ही।

वन्सूची

फ्लैट सं० 203, जो दूसरी मंजिल, गोल्डन चेरिअट को०— आप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट सं० 15-5-ए, और बी, एस० सं० 41 पार्ट), वर्सोवा, ब्रोशिवरा, ग्रंधेरी (गश्चिम), बम्बई-400 058 सें स्थित है।!"

अनुचची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/10606 84-85 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाई .टी.एन.एस .-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारतं सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० अई-/37ईई/11482/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1002, 10वीं मंजिल, गाम्बस टावर्स, चार बंगजा, वसींवा, ग्रंबेरी (पश्चिम), बम्ब ई-400058 में स्थित है (ग्रार इससे उपांबद्ध अनुसूची सें ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), ग्रार जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिक्यों) के बीक्ष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर दिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री राजेश चेल्लाराम मदनानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम कौर दुग्गल ।

(अन्तरिती)

न्त्रे बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के हिंत्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट सं० 1102, जो दसवीं मंजिल, गाम्बस टावर्स, चार बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/11482/84-85 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984. को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🛚

रहाप बार्च. टी. एन. एस्.----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक I 0 मई 1985

ांनर्देश मं० अई-2/37ईई/11475/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें स्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), करों भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० ए०/302, तीक्षरी मंजिल, वि० नं० 31, मनीप चैताली को०-आप० हाउसिंग सोसा० लि०, मनीप-नगर. चार वंगला, व अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इसने उपावड अनुचची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कड़ के अबीन सजम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल उन्तक वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पन्त्रह प्रतिश से प्रधिक है और बन्तरक (अन्तर को) और अन्तरितो (अन्तरितिपी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निसिख नहें स्थ से चन्त प्रस्तर निन्ने के वास्तिक स्थ से स्वित्त वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (सं) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; और/या

सतः अव. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग ओ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की √रधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, वर्षात् ह—

- (1) 1. किसन नारायण लिगारकर,
 - 2. श्री रमेश नारायण लिंगारकर,
 - 3. चन्द्रकान्त नारायण लिगारकर,
 - 4. श्रो मधुकर नारायण लिंगारकर

(अन्त रकः)

(2) 1. श्रीमती निशी ए० बांगा, ग्रौर

2. श्री के० सी० बांगा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्चेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा जो उस अध्याय में दिया बंबा हैं।

वन्स्ची

फ्लैट सं० ए-302, बिल्डिंग सं० 31. जो तीसरी मंजिल, मनीषनगर, मनीष चैताली को०-आप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, चार बंगला, जे० पी० रोड, प्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई-2/37ईई/11475/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

योहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई10427/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 202, दूसरी मंजिल, सनस्वेप्ट-ए बिल्डिंग, चार बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (पिंचम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्प से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रौतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इन्हानूर बी० कलेफी।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश संजीवा शेट्टी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 202, दूसरी मंजिल, सनस्वेप्ट-ए बिल्डिंग, प्लाट सं० 353, एस० सं० 41 (पार्ट), चार बंगला, वर्सोंबा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई 2/37ईई/1042क/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984, को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

महिर 🖫

प्रस्थ नाइ'. डी. एवं. एवं. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

मारत् सरकाड

कार्यान्य, सहयक वायकर वायुक्त (निर्देशिक्) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/1046084-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० ई-2, तलमाला, गीता प्रकाश को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (गिश्चम), बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रौर इसक्षे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त बर्मिशनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्वर्ध, और/सा
- (च) ऐसी किसी आग या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा को लिया,

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित ह—

(1) श्रीधर एम० शेट्टी

(अन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल अर्जुनदास विजन ग्रौर श्रीमती भागीरथ एस० विजन ।

(अन्तरिती)

को मह कुलना जारी करके पृथानिय सम्मतिय से सर्वय के विश्व कार्यनाहियां करता हो।

उच्छ सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यं :---

- [क] इस पूजा के राजपन में प्रकारण की तारीय हैं
 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पूज
 सूजन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 नविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधाहम्तः अरी में पास निधित में किए दा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ इत्तात, को उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रनमुचो

पत्तैट सं० ई-2, जो जनाना,गीता प्रकाश को॰-आप॰ हाउसिंग सोतायटी ति मेटेड, प्राट सं० $143/2/\sqrt{10}$, जे॰ पी॰ रोड, ग्रंबेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।" अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/10460/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड विद्या गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

दिनांवः : 10-5-1985

मोहर 🔞

प्रकृष् वार्रं, टी. एन्. एवं ,,-------

नायकर निधनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

मारत बरकार

कार्यां स्था सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/10463/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वांबार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 207, निर्माण काटेज, यारी रोड, वर्सोवा, ग्रंघेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारणामा आयकर अधिनिधम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान वितिक से लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के अन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निवित्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निव ने बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण थे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वार्षित्व में कभी करने वा उससे यचने में सविधा से सिए; सौर/वा
- (च) एसे किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिष्ट ।

नतः नन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ने सभीन, निध्नतिकित व्यक्तियों, नर्धातः——

- (1) श्री टी॰ पी॰ जान ग्रीर श्री टी॰ पी॰ मैथ्यू। (ग्रन्तरः
- (2) श्री एफ० एस० कापडिया ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के तिह

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जानेंद है---

- (क) इस बुष्या के रावपुत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सुष्या की सामीन से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के समप्त में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दिकरण :— इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुड़ा हैं।

अनुस्ची

पलैंट सं० 207, निर्माण काटेज, यारी रोड, प्लाट सं० सिटी एस-1036, वर्सोवा, ग्रंधेर (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/10463/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

इस्य बाह् .टी.एन.एस. -----

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्थना

TIES SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 **म**ई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12453/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् वाबार मृत्ये 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 14/ए, एवरशाईन अपार्टमेंटस सं० 2, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी, प्रताप कालोनी के पासे, ग्रंधेरी पश्चिम), बम्बई 40 00 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरट्री है, दिनांक 14-9-1984, को पूर्वों कत सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमाध शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्मति कम उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमाध शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्मति कम उचित बाबार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल कम नन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) क बीच एसी अन्तरण को लिए तम पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से किया नहीं किया वसा है है

- (क) बन्तरण वं हुइं किन्ती बाद की बादछ उच्छ बीधीनयम की बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए: ब्रॉर/बा
- (का) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाब-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

क्त: कथ उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—— (1) श्री जयकुमार जोशुआ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल देवी श्री मनमोहन कुमार ग्रौर श्री शाविनी कुमार ।

(अन्तरितो)

की यह तुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष 🦟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवृधि, वो भी सर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकरें।

स्पण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषिट है, वही वर्ष क्षेणा, को उस अध्याय में दिवा प्या है।

त्रनुबुची

फ्लैंट नं० 14/ए, जो एवरशाईन अपार्टमेंटस सं० 2, /जे० पी० रोड, प्रताप कालोनी के नजदीक, ग्रंधेरी पश्चिम), बम्बई— 400058 में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12453/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप, बार्ड, टी. एन्ड एस्.------

नायकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के बधीन स्थना

भारत स्रकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/27ईई/12527/84-75--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 305, जो तीसरी मंजिल, बेलामोंट बिल्डिंग, चार बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पिष्चम), बम्बई—400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनौंक 17—9—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में भास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्याना चाहिए था छिषाने में सृविधा के निए:

- (1) श्रीमती मोहिनी श्रार० रामचन्दानी । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शिला सिंग ग्रौर जयश्री सिंग । (ग्रन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निध कार्यवाहियां झुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

अनुसूची

पलैट सं० 305, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग बेलमोंट, प्लाट सं० 340, एस० सं० 41 (पार्ट), चार बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12527/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर ऋष्नित (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, यम्बई

जतः अष. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

37-126GI/85

प्ररूप जाईं, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12507/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 205, सी, क्रेस्ट-2, सात बंगला, वर्सोवा रोड, ग्रंधेरी (पिचम), बम्बई-400058 में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उक्ष देव से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है उ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिए: और/या
- ्थं। एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती इंबास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए:

बत. अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुरेन्द्र पी० सिंग। श्रीमती शीला सिंग।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष सालरिया ।

(अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 205, जो सी क्रेस्ट-2, सात बंगला, वर्सोवा रोड, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/12507/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

ब्रक्क्य कार्द. टी. एन. एस. -----

जावकर विधानयन, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-व (1) के ब्रधीन क्ष्मा

बारत स्टब्स्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

् निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12501/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस्हे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 308, जो तीसरी मंजिल, बि० सं० ए-21, ग्रपना घर यूनिट सं० 5, को० ग्राप० हाउसिंग सोसा० लि०, जे० पी० रोड के सामने, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को बूबोंक्त सम्बंति के उपित बाबार मूल्य ते कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके कश्वमान प्रतिफल से, एसे कश्वमान प्रतिफल का पंद्रह मृतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्वा शित्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष् भारे/शा
- (क) इसी किसी जाब या किसी धन वा बन्य आस्तिकों की, जिल्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि—

(1) श्री ग्रोम प्रकाश ग्रग्नवाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह बामराह।

(ऋन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिखु कार्ववाहियां करता हुं।

उबत संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताक्ष्री के पास विविद्य में किए वा सक्टेंगे।

स्ववदी करणः ----इसमें प्रयुक्त कृष्यों नीह पदों का, को सक्क नियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वही नुर्व होगा, को उस मध्याय में दिना गना है।

मगस ची

प्लैट सं० 308, जो बिल्डिंग सं० ए-21, तीसरी मंजिल, भ्रपना घर यूनिट सं० 5 को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड के सामने, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/12501/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्ररूप गाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना भारत सुरकार

71/1/12/14/

थार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12125/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 404, चौथी मंजिल, वर्सोवा चेतना को०स्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जे०पी० रोड के सामने, संधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-9-1984.

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उकके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियल में कमी करने या उससे बचके में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ठाकोरदास विठ्ठलदास कारिमा ग्रौर श्रीमती शिला ठाकोरदास कारिग्रा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती धून नोशिर धल्ला ।

(ग्रन्तरिती)

को अह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों औं व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की दारीज से 45 दिन के भीतर कनत स्थायर सम्पत्ति में हित्यहूथ किसी बन्स कानित हुगारा मधोहस्यासही के पाद चिकित में किस या सकीये।

रक्किरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्या का, ची उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., रही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लैंट सं० 404, जो चौथी मंजिल, वर्सोवा चेतना को० म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड के सामने, म्रांधेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/27ईई/12125/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. .======

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,बम्बई रिक्टंस 10 स्ट्री 10

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12104/84-85--- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

अभवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने अप्र अपर है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1104, ग्यारहवीं मंजिल, माउंट बिल्डिंग, जे० पी० रोड़, न्सोंवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

क्षेर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के स्विय तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्त-का जिल्ला में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धभ या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुदिशा के लिए।

बत् बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) इन्दर कुमार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र नाथ धोडी

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यर्थनाहियां शुरू करता हूं।

क्करा सम्पर्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया नका है।

वन्स्ची

पलैट नं० 1104, जो ग्यारहवीं मंजिल, माऊन्ट बिल्डिंग, जे० पी० रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-2/37ईई/12104/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्रस्य बाइं.टी. श्व. एड. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

जारत वरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्वई, दिनांक 10 मई, 1985

निर्देश सं० स्रई-2/37ईई/12779/84-85—-स्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं ए०-24, विल्डिंग "ए०", दूसरी मंजिल, सुनील निवास को-ग्राप० हार्डीसम सोसा० लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) मन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उबत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/भा
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ह---

(1) श्री विजय मंगलानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एफ० एम० मिस्त्री श्रौर, श्रोमती एच० एफ० मिस्त्री

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस जूबना के राजपन में प्रकाशन की तारी है से
 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की ताजीन से 30 दिन की अनिध, जो भी
 बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वरी

फ्लैट नं० ए०-24, जो दूनरी मंजिल, बिल्डिंग "ए०", सुनील निवास को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 89 म्रौर 90, चार बंगला, जे० पी० रोड़, म्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रन् सूची जैसािक क० सं० श्राई-2/37ईई/12779/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985]

मोहर:

प्ररूप आई .टो.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/12652/84-85—न्त्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 405, चौथी मंजिल, सागर तरंग, पिकिनिक काटेज, वसींवा रोड़, अन्धेरी (पिक्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-9-1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ग्राशा गुरु बछनलाल ग्ररोरा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रोशन नवाब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लैंट नं० 405, जो चौथी मंजिल, सागर तरंग बिर्लिंडग, पिकिनिक काटेज, वर्सोवा रोड़, ग्रन्धेरी (पिंचम), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसािक कि सं ग्रई-2/37ईई/12652-84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर:

शस्य बाई., टी. एन., एस., - - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 गई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10626/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है कि पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत सावार स्था 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 33, प्लाट नं० 7/8, मनीष-नगर, चार बंगला, जे० पी० रोड़, श्रन्धेरी (पिष्टिम), बम्बई 400058 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वींगत है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में, यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शायर सूमा प्रीच-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखिक में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाद की बाबद, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बच्चने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ब्लें अगोजनार्थ अनिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गय भा या किया जाना चाहिए ना, खिपाने में सुविधा के लिए:

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में एक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री अशोक एस० रोहरा और,श्री गोपोचन्द एस० रोहरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शामजी शिवजी निशर ग्रौर । श्री शिवजी परबात निशर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

दुकान नं० 33, प्लाट नं० 7/8, मनीषनगर, चार बंगला, जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (पिक्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है।

म्रन्सूची जैसािक क० सं० म्राई-2/37ईई/10626/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्ररूप आइ^९.टी.एन.एस.-====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/125म4/इ.4-85--- अतः मुझ, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 301, ब्लू चिप को०-ग्राप० हा० सोसायटी लि० ब्लू चिप ग्रपार्टमेंट्स, सी० डी० वर्फीवाला रोड, जुहू लेन, ग्रंधेरी (पिष्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38—126GI/85

- (1) म्राशू इंजीनियर्स म्रौर प्लास्टिक्स प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० के० नारायण ग्रौर श्रीमती एल० विजया नारायण।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसची

फ्लैंट सं० 301, जो ब्लू चिप को०-ग्राप० हाउसिंग सोसा-यटी लिमिटेड, ब्लू चीप ग्रपार्टमेंट्स, सी० डी० बर्फीवाला रोड, जुहू लेन, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में रिश्त हैं। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12534/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

ब्रहा बाहें. हो. एस. एस. -----

बाधकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारत श्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 108, पहिली मंजिल, वी० नं० 1 झकेरिया ऋाघाडी सं० 1 को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, यारी रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), वस्वई 400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्टी है, दिनांक 5-9-19854,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के अधिक अध्यक्त मन्य से अध्यक्त के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसं दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरण (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एंधे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नीलिखित उद्योक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोरे के अन्तरक के दायित्व में कमी करते ए। उससे करां में सिद्धा के लिए: और/या
- मंत्री किसी आय ए। फिनी धन या अन्य अहिनदों को जिन्हें भारतीय अपकर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिनी अस्य प्राप्ट नार्वितिया गया था या विद्या गाना चप्तिए था, छिपारे में भगिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उनत अधिनियम को धारा-269-घ की उपवार, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--

(1) श्री बहाद्र जमरोदजी हंसी टिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता विद्यासागर जंगवाल । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता है।

टक्त मर्शात के वर्जन के यंबंध हैं कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगं।

प्रिकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया युवा है।

अनुसूची

पलैट सं० 108, पहिली मंजिल, बिल्डिंग, सं० 1 झकेरिया स्राघाडी नगर सं० 1, को०-स्राप० हा उसिंग मोसायटी लिमिटेड. यारी रांड, वर्मोबा, श्रंधेरी (पिचम), वस्दई-400 058 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कु० सं० अई-2/37ईई/10598/84-85 आर ना नजन प्राधि हारी, बमबहै द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजन्टई किया गया है।

> लक्षण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांतः 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह . टी. एव. एख . -----

बायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्राधीन सुवना

बारत सहकाड

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2-बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10455/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 303, सी, केस्ट-2, केस्ट को० श्राप० हा० सोसा० लि०, सात बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को वृबोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविभा के लिए;

मतः बन, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-व के बनुसर्भ मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध— (1) श्री सुभाष सालरिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञानदेवी धरमचन्द तिकिया, श्रीर श्री राजेन्दर कुमार धरमचन्द तिकिया । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

वनस्यी

फ्लट सं० 303, जो सी केस्ट-2, सी केस्ट को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सात वंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कं सं ग्रई-2/37ईई/10455/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्रकृष बाह्य, टी. पुन्न पुर्व क्रान्यकाल

बायकर बाउँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के जधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-, 2 वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10478/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 769-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने अ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य /,00.000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 5, पहिली म जिल. ठाकर्स स्रपार्ट मेंटस, 203 सी० डी० वर्फीयाला मार्ग, अंधेरी (पश्चिम), वस्वई—40005 से स्थित है (भ्रौर उनगे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप संविणत है), सौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 क्ख के स्रधीन, यस्वई स्थित नक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय वस्वई में रिजिस्ट्री है. दिनींक 3-9-1984.
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य में कम के क्यमाद अविकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथा गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाह की बायत, उक्त बिधिनियम के संधीय कर इने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे यचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) पुरेती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बहाः वय उत्तर विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, वधाँत :—— (1) श्रीमती ताला के पटेल ग्रौर श्री कान्ती एन पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजित मनसुखलाल ग्रम्वानी ग्रौर श्रीमती प्रतिमा ग्रजित ग्रम्बानी।

(ग्रन्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के नुर्वन के तिए कार्यनाहियां करतर हो।

उक्त सरपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख जं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्दीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिपियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

क्टबर्स

फ्लैंट सं० 5, जो पहली मंजिल, ठाकर्स ग्रपार्ट मेंटस 203, सी० डी० बर्फीवाला मार्ग, ग्रंधेरी (पिष्टम), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37ईई/10478/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनिक् 3-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मल दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई., टी., एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/10433/84-85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सदान प्राध्यकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201. दूसरी मंझिल, जमुना अपार्टमेंटम, अन्वेरी (पिण्चम), वस्वई--400058 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसला रूपालामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन पक्षन प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनों 1 लितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक खे दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा कंलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं को धारा 269-गं के अनुसद्रण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कों बधीन, निम्निकिक्षित अधिनियमों, अधिकि ।—— (1) श्रीं विपीन श्रमृतलाल शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी प्रबोधिनी जयकुमार शुक्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

''फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंझिल, जमुना ऋपार्टमेंटस ऋन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ।''

ग्रनुसूची जैसाकी क० मं० ग्रई-2/37-ईई/10433/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖫

इस्व बार्ड टी. एन. एस_{्स}

बारकर विशिवयम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-क (३) के स्थीन स्वता

शास्त सरकार

कार्यातम, सहायक वायकर वायकर (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० अई-2/37–ईई/11104/84–85–– अत‡ मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० (1) दुकान नं० 6, विल्डिंग "जे" तल-माला, झकेरिया ग्राघाडीं नगर. वर्सीवा अंधेरीं(प), दम्बई (2) दुकान नं० 7, तलमाला, वित्डिंग "एं, झकेरिया ग्राधाडी नगर, धारीं रोड़ अधेरी (प), वम्बई में स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण हप से विणत है), और जिसका करारनामा आयण्य प्रविनियम की धारा 269 क ख के अवीन सक्षम प्रविवशरी है टायिल्य बम्बई में रजिस्ट्रीं है दिनांड 10 सिनव्यर 1984

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पर्इ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ स् दिम्बिलियत स्थान स्थान के लिए तय पाया गया प्रतिफ स् दिम्बिलियत स्थान से उच्छ कन्तरण विविद्य में सास्तीवक रूप से क्रिथन नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में सरिवध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीं रिवन्द्र ठप्पर और श्रीमती ग्ररूणा एस कुमार

(ग्रन्तरकः)

(2) श्राः रिवन्द्र थापर और कुमारी ग्ररूणा एस० ग्रार**्कु**मार।

(अन्तरिती)

का यह स्था भारी करकं प्रविश्व सपत्ति के जुर्बन के निष्

उक्क सम्मित्त में वर्जन के सम्बन्ध में कोई' मी बाधांपु:--

- (क) इस स्वना के एवपन में प्रकाशन की वारीय हैं
 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की वामीन से 30 दिन की ववधि वो भी
 स्वृति का में समान्य होती हो, के मीत्र प्रविक्त व्यक्तियों में सिक्ती व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निसित् में किए ना सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, पही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

- (1) दुकान नं० ६ जो नलमाला, बिहिड्ग "जे" ज्ञकेरिया श्राघाडीं नगर, वर्सीवा अंधेरीं (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है नथा ।
- (2) दुकान न० 8 जो तलमाला, विस्डिंग "ए" अकेरिया स्राधाडी नगर. यारी रोड़ अंधेरी (पश्चिम), वस्बई-400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैमाकी कर मंश्र प्रई-3/37-ईई/11104/84-85 और जो मक्षम प्राधिवारी, वम्बई द्वारा दिनांक 10 मितम्बर 1984 को रजिस्टई निया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्रश्य बाहं .टी.एम.एस., -------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

जारुत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निद्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई--2/37-ईई/ 12103/84--85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 207 दूसरी, मंझिल, हिमाचल बिह्डिंग, जुहू लेन स्प्रामी, विवेकानन्द रोड़, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार नामा ग्रावरण ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिनारी के वार्यात्रय वम्बई में रजिस्ट्रीं हैं दिनांक 11 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इस्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के बृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के बृल्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में धूबिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अहे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ड——

- (1) श्री गुमानमल टिकूचन्दजी बनींगोटा । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री रमेश चिमन लाल शाह ओर श्रीमतीं चन्द्रावेन चिमणलाल शहा । (स्रतिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पट्टित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त इयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्द किरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अग्राज्य

पलैट नं० 207 जो, दूसरी मझिल, हिमाचल बिल्डिंग जुहू लेन, स्वामी विवेशानद रोड़ के सामने अन्धेरी (पश्चिम) वम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37ईई / 12103 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज;2 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖫

इस्त बाहें. टी. एन. एस्. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सवना

धारत सुरकार

कार्यालय, महायक जासकार बायुक्त (निरीक्षण) अगन रिज-2, बस्बई

वम्बई, दिनांद 10 मई 1985

निदेण मं० यर्ड--2/37-ईई/10559/84--85--- प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्का अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैंट नं० 404. चौथी मंजिल, हिमाचल बिल्डिंग, जूह लेन अलेके (पश्चिम), वम्बई,-400058 में स्थित है (और इनके उपावड अनुसूची में और पूर्ण से बिणित है). और जिन्हा करारनामा आवकर अधिनियम की धारा 269 असे अपीत असमाधि तरीं कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है विशोध 5 पितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि सभावनों का तंपित का उचित अधार मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया उति-का निम्नितियत उद्देश्य से सम्बद्ध अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उमत बिध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नित्य; बार्ड/या
- (ब) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हा भारतीय आयक र आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रजित कनभुख तल ग्रम्बानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीं सोराव जमणीय मुत्रारकी और श्रन्य ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कौंद भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वत्समा में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वार वधोहस्ताक्षरी के पान (लहेबत संकित के पान (लहेबत संकित के किए जा सकति।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यार में दिया एका हो।

अनुस्ची

फ्नैंट नं० 404, जो चौथीं मंझिल, हिमचाल बिल्डिंग जुहू हिमाचन को-श्रापरेटिय हाउिलग मोसायटी लिमिटेड जुहू लेन, अंबेरीं (पिण्डम), बन्धई-400058 में स्थित है।" श्रनुसूबी जैनाको कर मंर श्रई-2/37-ईई/ 10559 84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 नितम्बर 1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षंम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेजें - 2, बस्बई

दिनांग :- 10 -5 -1985

-

प्रका बार्ड .टी .एन .एक .------

कायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अधीन सूचवा

बारत बरकार

कार्यालय. सहायक बायकर आयुक्त (निरीका) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/ 11093 /84-85-अतः मुझे लक्ष्मण दास भागकर गण्यानगर, 1951 (196) जा 43) (ज्युक्त असम् इसके परवात् 'उक्क अधीनसम् कहा गया है), जो भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने के कारभ है कि स्थाबर मुख्यति, जिसका दिए राजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6 हिमाचल बिल्डिंग तल-माला जुहू हिमाचल को अपारेटिव हार्डीसंग सोसायटी लि० चुहू लेन अन्धेरी (पिक्चिम) बम्बई -400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधि-नियम 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5 सितम्बर 1985

को प्रॉक्त सम्झाल के उभित बाजार मृन्य से कम के अस्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्मत्ति का उभित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पाना भवा, प्रतिकृत, निम्नीसिक्त उद्योग्य से उन्त अन्तरण विधिक के बाक्तरण विधिक के बाक

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्छ विधि-नियम को अधीन कर दने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आमयर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भरा-र अधिनियम, १३५७ (1957 का 27) प्रियोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ विषदः

बाह कर, सकत विधितियम की भारा 269-व के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थात् :— 29—126 GI/85

- (1) श्रीमती कुलसूम अब्दुल देडिया । (अन्तरक)
- (2) श्री विज्य पुरषोत्तमदास-सिरोया । (अन्तरिती)

को यह सूचना बाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यक्रिक्षां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कंतर्ड : १ पुरुष '----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो , को भी तर पूर्वोकर स्विस्तयों मों से बिसी व्यध्य राजरीं,
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर तथानर स्थान के कि के कि किस क्यां का क्यां के अपने अपने स्थान के किस किस के किस सामित किस सामित के किस सामित किस सामित के किस सामित किस सामित के किस सामित किस सामित के किस सामित किस सामित के किस सामित किस सामित किस सामित कि किस सामित किस सामित कि

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें विका गया हैं।

धन्स्भी

दुकान नं० 6 जो तलमाला हिमाचल बिल्डिंग जुहू हिपाचल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमीटेड जुहू लेन अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058 में स्थित ' है।"

अनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ अई-2/37-ईई, 11093/ 84-85 जीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्रकथ बाह् ं टी. एव. एव. प्रकार

बायकर जीप्रशियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारतः सरकार

भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

कार्यासय, सहायक कांगकर जाबुक्त (दिद्धीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ई ई/12563/84-85—-ग्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त मिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृश्य 1,06,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं दुकान नं 103-बी, तलमाला लारम सेंटर प्रीमा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० वी० रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्दों है तारीख 17 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के जीवत बाबार मृत्य से कम के कावान निकास के प्रतिस्तान के जीवत बाबार मृत्य से कम के कावान निकास के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्ष सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिकत्त सं, एसे दश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है, और अंतरिक (अंतरितों) को बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिबक रूप से किमत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें आरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वे विद्युः

जता: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के कभीन, जिम्नीलिकत व्यक्तियों कर्यात् क्रिस्ट 1. श्री रमेशभाई एस० गांधी

(अन्तरक)

2. श्री ध्रुवकांत कानजी जाधव

(ग्रन्तरिती)

को यह तुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्ववाहियां सद्भाता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री बाक्षेप र--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी दविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवेशत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, • वहीं वर्ध होता, जो उस वध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दुहान नं ० 103 वी जो तलमाला, एस० वी० रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), लारम सेंटर प्रीमायसेस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि क सिं अई-2/37-ईई/12563/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष वार् हो एन एक ------

क्षायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

METAL SERVICE

कार्यांतव, तहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश स० अई-2/37-ईई/12780/84-85—अत , मुझे, लक्ष्मण दास,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्जे इत्तर्जे परभात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की पादा 269-ज के अधीन तभान शिक्षकारी कां/ यह विश्वात करने का कारक है कि स्वावर सम्पत्ति, चित्रका उचित्र वाबार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० पलैट न० 6-ए, दूसरी मजिल, उजाम्बा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जोगेश्वरी (पूरव), है, तथा जो बम्बई-400060 में।स्थत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है 24 सितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शिषक को सिए बंतरित की गई है और बुक्के यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्रतित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे अथान प्रतिकृत का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया च्या प्रतिकृत निम्निसदित उच्च देव से उक्त कनारण जिल्ला में सास्ति क

- (क) कमारण वे हुई किया बाव की बावल, उचल अभिनियम के बधीय कर दोने के अन्तरण क खबिरण में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; बीक्ट/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जनतिहती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना आहिए था, जिनाने से स्थित के किया जाना,

कतः अव, उक्त कैंपिनियम की भारा 269-ग के अनुपरण गं, गं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् हम्म 1. श्रीमती जयत्। एस० कामथ

(अन्तरक)

2 श्रीमती उमा रानी गर्ग

(अन्तरिती)

3 (अन्तरिती) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहिना करता हूं।

उनत सम्पर्ति के वर्जन के कुम्बन्ध में कोई बाबोद है---

- (क) इस स्वार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षारी के पास हिसीकत में किए जा सकेंग्रे ।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त जीभीनयन के बध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं।

वन्त्यी

फ्लैंट नं 6-ए, जो दूसरी मजिल, उजाम्बा, को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, जोगेश्वरी (पूरब), बम्बई-400060 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ई ई/12780/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ं लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

with It

प्ररूप भाष्ट्रं, टी. पुत्र, एस.,----

अगमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12916/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किती इसमें इसमें इसमें परकात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उच्चित काबाद मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

मीर जिसकी सं पलैंट नं 201, प्लांट नं 740 जमीत एफ गी नं 40, टी जमीत एफ तीन, (फायनल), 7वां रास्ता, सान्ता कुझ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (म्रौर और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), मौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अवीन सजम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 29 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्तिक याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया एक प्रविक्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण मिनिखत में शंसरिक रूप से सिंगल नहीं किया यशा है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अभीत कार येने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरन या उससे क्यने में मृतिका की सिए; बीड/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पर या किया जाना किया जाना किया और मा किया जाना किया की स्था

मतः वयः वक्त विधिनियमः, की भारा 269-व की अनुसरण कों, कीं. जबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वथीं: नियमितिसित व्यक्तियों, जबति ३—— 1. उपा बालकृष्ण कलखामकर

(अन्तरक)

2. सफारी बिल्डर्स

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आअप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की बर्बीश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन को जबिश दो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाइस्ताक्षरी के शक्क विविध्य में किए का खकेंदे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वा उक्क अधिनयम के बध्याय 20-क में परिभावित है, कहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में किल्ड़ बसाही।

सर स्टब्री

पलैट नं० 201, प्लाट नं० 740, जमीन जिसका एफ० पी० नं० 40, टी० पी० एस० (फायनल) — तीन, जो 7वां रास्ता, सान्ताकुझ (पूरव), बम्बई-400055 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कै० सं० आई-2/37,-ईई, 12916, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 29-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाक: 2-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ष. टी. एंन. एस.-----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धाद्रा 269-छ (1) के अधीन स्वना

ब्रारव सरकार

कार्यालय, सहायक_्ायकर आयुक्त (निरीक्षण) • अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12841/84-85--- मतः मुझे, स्रक्षण दारः,

कायकर मधिनियम. 1965 (1961 का 43) (विसर्वे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव जमीन, एफव भीव नव 40, टीव भीव एसव तीन, 7वां रास्ता, सान्ताकुज (पूरब), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुचची में और पूर्वरूप से वांगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरट्टी है, तारीख 26-9-1984

की प्रवित उट्यंति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाय प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके कायमार प्रतिकल को, एसे क्ष्यमार प्रतिकल को पंक्र प्रतिकल को पंक्र प्रतिकल के पंक्र प्रतिकल के पंक्र प्रतिकल से विधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरियों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिकल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा इं लिए; और/या
- न) एसी किसी नाम या मिसी धन वा अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्:

जत: मस, उनत सिंपिनियम की भारा 269-ग के जनसर्थ में, में, एका अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिनिसिट व्यक्तियों, अर्थात् ह्र— (1) डा० २श्मीकुमार बाबुलाल बोरा

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं सफारी विल्डर्स

(भ्रन्तरितीं)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उबद सम्बद्धि के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासोद:--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में हिंद अप मकते

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय - 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जमीन जोएफ० पी०नं० 40, टी० पी०एस० (फायनल) सान्ताकुज तीन, 7वां रास्ता, सान्ताकुज (पूरव) बम्बई 400055 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सिं अई-2/37ईई/12841/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनोकः : \ 6-5-1985

प्रकल बाइ .टी. एव . एव . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के विधीन सूचना

मारत सरकार

धार्यासय, सहायक बायकर नाब्वद (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12564/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें स्वकं प्रकात 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269- क ने नथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का नाएव हैं कि स्थावर संपत्ति किसका उचित बाबार स्थ

1,00,000/-. रत. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट न 6, राधा-निवास प्लाट नं 718/2, खीर पाली रोड़, बम्बई-400052 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियस की धारा 269 कख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री, तारीख 17-9-1984

को प्रॉक्ट संपंत्ति के उपित वाजार मृत्य सं कम के दश्यमान शीतफल के लिए जन्ति रिंत की गई है और मुक्के मह विश्वकृत करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्मत्ति का उपित वाजाद मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरका) और वंतरिती (वंतरितिवा) के बीच एसे वंतरण के तिए तब श्वा गया प्रति-फल निम्निविचित उद्देश्य से उन्त क्यूट्स निविच्त में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (ख) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाजत उपस विधिनियस को संधीन कर दोने के बन्सरक दायित्य में क्यी करने या उससे वचने के सुविधा के सिए; खरि/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धव कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, कियाने में बुरियमा के बिद्ध।

सतः कव, उत्तत विधित्यम की धारा 269-न के बनुबर्ज में, में, उत्तत विधिनियम की धारा 269-न की उपधाराः (1) से वधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्षात् रे— (1) श्री ग्रमर ग्रार० गेरा और, • प्रभा ए० गेरा

(मन्तरक)

(2) श्री प्रकाश ग्राई० गंगवानी

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तंरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी कारके पूनोंका चंपरि के सर्वत के सिक कार्यवाहियां करता हूं।

वनत बम्परित के सर्पन के सम्बन्ध में मोद्दे भी बाक्षेप :---

- (क) इंत स्थान के राज्यम में प्रभावन की ताहींब के 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की राजील से 30 दिन की स्वृधि, को भी तर प्रभावत का का साम की साम
- (ख) इत स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारींख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर तम्पत्ति में हितवद्ध किसी क्या व्यक्ति इवारा वधोइस्ताक्षरी के वास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिका गया है।

अपृस्यी

फ्लैंट न० 6, जो राधानिवास, प्लाट नं० 56 718/2 खार पाली करोड़, बम्बई 400052 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/3-ईई/12564/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-5-1985

महिर 🖫

प्रस्य बार्'्टो प्र. एव .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा "धारा 269-च (1) के ब्राधीय ब्राज्यना

बारत स्टब्स

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)
प्रार्वेन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/ 11080/84-85 — ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एक में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधिक वाबार ब्रुच्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं,

वार जिसकी सं फ्लैट नं 2, जो बारवी मंजिल, सी विम, कान्ती अपार्टमेंटस् माउट मेरी रोड, बान्त्रा बम्बई 400050 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वांणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिन नियम की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारी 7-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई हैं और अन्ते बहु विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरित को बीच एते बन्हरण के बिए तब पाया स्था प्रविकत, विभवित के स्थाप की स्थाप की

- (क्क्) 'पण्यप्रम से हुद्दं किसी साथ की बावस, उपय वीधीन्यम के सभीन कर दोने के बल्हरक के दामित्य में कभी करने मा उससे बचने में शूनिया के लिए; सीर/या
- (थ) एंसी किसी बाद वा किसी पन वा बन्ध नारित्वों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत विधिनियम, वा भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था. खिपाने में तृष्या के सिह्द;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भाषा 269 म की उपभाष्ठ (1) के ब्रधीव, निम्मलिखिक व्यक्तियों स्थित् ह---

- (1) श्री मदन दौलतराम हरजानी
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बीना हिरनन्दानी

(अम्तरिती)

मा यह स्पना बारी करके प्यानित सम्पत्ति से सर्थन के सिए कार्यवाहियाँ कंपुता हुई भ

क्वत कम्पित के अर्थन के मध्यम्भ में कोई भी बाखेय:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की ब्दिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी बदिष बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर प्राॅक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्बस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाल निवास में किए जा सकेंगे।

संस्थितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस सध्याय में विका म्या हैं हो

वन्त्र्यी

फ्लैट नं० 2, जो 12वीं मंजिल, "सी०" विग, "कांन्सी प्रपार्टमेंटस् माउंट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/3ईई/11080/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक .7-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहाँयक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक :- 2-5-1985 मोहर् ३

प्ररूप बाह्र , टी. एन ह एक : -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना .

HE'S SENS

कार्याल**व, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** ग्रर्जन रेज--2, बस्ब**ई**

बम्बई, दिनाक 2 मई 1985

निदेश स० अर्ड-2/37ईई/10411/84--85----अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 'परण है' कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

कौर जिसकी त० माला न० 203, दूसरी मजिल, यू श्रीपाल प्रीमा० वो-ग्राप० हाउसिंग रोसा० लि०, श्रीपाल इण्ड० इस्टेट, ग्राणियरा, एस० थी० रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई—60 मे स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुज्यी मे और पूर्ण स्प में र्राणित), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 269 कख 1961 की धारा कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्चमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते बह बिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का

बन्द्रह प्रतिसत ने अधिक है और अनरक (अवरकों) और अतरिती प्रतिसितयों) के प्रीच एसे जारम के लिए तय पाया गया

प्रतिकाल, निम्निशिवत उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित में में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया नवा है :— • ५ ५२ से से हुई किसी बाद की बादन, उससे विभीनयम से अभीस कर दोने के अन्तरक की

4. (KO: 数1) 社

एसी किसी नाय वा किसी धन या बन्न नास्तिबी को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निविधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधित्तियम, या धन-कर जिधितियम, या धन-कर जिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था वर्ष किया वाता चाहिए था, हिन्याने में सुविधा औं स्थितः

लाहिए में कभी करने का उससे वजने के सुविधा

कर लव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स बिपी इन्टरशाइज

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सेझ सिस्टेमेटिक्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्मत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में काहां भी काहांच ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना का तामील स 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविका ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति हुआरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्षीकरण:—इसमे प्रयूतत शब्दों और पदों का, बा उप्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

ष्टनुगुची

माला न० 203 जो इनरी मजिल,न्यू श्रीपाल श्रीमा० को,श्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, श्रीपाल इण्ड इस्टेट, ओशिवारा, एस० बी० रोड, जोगेस्वरी (पश्चिम), बम्बई 400060 में स्थित हैं

श्रनुसूची जैसाकि के० ६० श्रई-2/37ईई/10411/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया

> लक्ष्मण दास है सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायक भायकत (निरीक्षण), धर्ज रेंज र2, बस्बई

दिनाक : 2-5-1985

प्रकृष कार्ड टी. एन. एस

असमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12796/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धश्यात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के नियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट जो दूसरी मंजिल, एवं शिशीर इमारत गैरेज के साथ, 15-ए० जुहू तारा रोड़, बम्बई 400056 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है म्ल-

- हुँक) नंतर्य से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के जधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के निए; ब्रीट्√या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं , किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृतिथा के लिए;

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ वधीन , निम्निसिश्चित व्यक्तियों , अर्थात् क——
40—126 GI|85 (1) जे० एन० एन्टरप्रोइजेज ·

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 कल्याणजी शामजी गाला और, 2. श्रीमती सोबना कल्याणजी गाला, तथा
 - 3 मास्टर भावित कल्याणजी माला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपणे में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य / व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

फ्लैट जो दूसरी मंजिल, तथा "शिशिर" इमारत के साथ जमीन, जो 15-ए० जुहु तारा रोड़, बम्बई 400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि० सं० श्रई-2/37ईई/12796/84-95 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक /24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-5-1985

मोहरू 🖺

त्रुक्त् बाइं.टी.एन.एस्.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धार 269-व (1) के विधीन सूचना

बारत रहकार

कार्यास्य, सहायक अध्यक्त आय्क्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 मई, 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/12886/84-85--म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पर्लैट नं० 007, तलमाला, बी० नं० बी०— 1, ग्रपना घर नं० 2 को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रोशिवरा, जे० पी० रोड़, के सामने श्री स्वामी समर्थनगर, ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रेधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28—9—1984

का प्वाक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कह क दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और गूझे यह निक्तास करने का कारण है कि दथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाबार ब्रूप, उसके रण्यमाय प्रतिफल है, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से सिथक है बीर अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरिक के सिश् तय पास क्या प्रतिक फल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) मण्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबक, उक्त अद्विधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्कृत और/या
- (क) एसी किसी बाब बा किसी धन वा करण कारिनेयाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादकार्य बन्दिशी द्वारा प्रकट नहीं देख्या नवा वा बा किया बाना कार्यक् वा, क्रियाने के सविधा के किए।

वर्तः अय, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के जुनुसरम में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विधिन निम्मितिक व्यक्तिकों वर्षात् हु--- (1) मैं समर्थ डेवल्पमेंट कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर दामोदर लाधव

(ग्रन्तरिती)

श्री यह सूचना चारी करके पृशींक्त सम्पृत्ति श्री अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनव बुम्पित के प्रवंद के बुम्बुम्प में कोई भी बायोद्ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों क्य व्यक्तिश्वों में से किसी व्यक्तिस्त दूरारा;
- (ड) इस स्वान के राज्यम में प्रकाशन की दारीय ते 45 दिन के भोशर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्द किसी बन्य व्यक्ति इतारा नभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में विद्रा जा सकी ।

ल्क्डीकरणः -- इसमें प्रयूक्त दाक्यों और पर्यों का, को उत्तर अधिनियत, के ब्ध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा हो।

ग्रनुसूची

प्लैट नं० 007 जो तलमाला, बिल्डिंग नं० बी०-1, ग्रपना घर युनिट नं० 2, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड. ग्रोशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, जे० पी० रोड़ के साम्मो, ग्रन्धेरी (पिचम) बम्बई 400058 में स्थित है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर ए 🗸

इंक्न बाइं_,टी. एन्. एत. ----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के ब्योन सूचना

SIZE THESE

कार्यां लय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12924/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम, 'उक्त अभिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 308, तीसरी मंजिल, विल्डिंग न० ए०-22, ग्रपना घर युनिट 4 को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्री स्वामी समर्थ नगर, ग्रन्धेरी (पू०) बम्ग्इ-58 में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्द हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, √नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्निक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वाँ दशक्त को कती करने वा उद्युख ब्यूचने के सुविधा के लिए; बीर/धा
- (ख) एंसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में इतिका के निए;

बंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स समर्थ डेवल्पमेंट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) कुमार न्यूटन रेमेडिज और श्रीमतो मारिया फलोरिंदा रेमेडिग्ररा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तानील से 30 दिन की नविष, जो भी ब्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुक्ता;
- (क) इद् कृष्णा के राष्प्र में प्रकारम की वार्तिक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्य-बहुण किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकते ।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसस अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ डांगा. को उस अध्याय में दिया गया डें

अनुसूची

पलैट नं० 308, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग ए०-22 अपना घर यूनिट नं० 4 को-आपरेटिंग हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रीशिवरा श्रीस्वामी समर्थ नगर, जे० पी० रोड़ के सामने, चार बगला के सामने, अन्धेरी पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक कि० सं० ग्रई-2/37ईई/12924/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-5-1985 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कामीनम, वहायक मायकर नाग्नत (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12887/84-85—-श्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- र. से अधिक है
और जिसकी सं पलैंट \$04 चौथी जल, बिल्डिंग
नं० ६०-19 अपना घर यूनिट नं० 5 को- ेि हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, प्रन्धेरी
(प०), बम्बई 400058 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष
अनुसूची में और पूर्णस्प से बाणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कछ के ग्रधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है, तारीख
28-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृत्व प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निचिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्त में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं कि या गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक बैं दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की बिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैसर्स समर्थ डेवल्पमेंट कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमलाकर हरीचन्द्र पटील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकेंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतरे उक्त स्थावर संपीत मेरू हिनबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए०— 19, अपना घर युनिट नं० 5 को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, चार बंगला के पास, अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई 400058 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसांकि कि सं प्रई-2/37ईई/12887/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई क्वारा दिनांक 28-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

मोहर :

प्रस्प बोई. टी. एमें. एसे. ========

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 12674/84-85-7गतः मझे, लक्ष्मण दास.

अग्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्लाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पेत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 404, चौथी मंजिल बि० को ग्रापरेटिक हार्जीसग सोसायटी लि० ओशिवरा ग्रन्धेरी बम्बई—400058 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्र दिनांक 21 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तुर्वे पाया गया प्रतिक क्या विम्निक सिंद उद्वेष से उपन बन्दरण बिक्ति में बाक्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तर्भ से हुइं किसी बाब क्रांश्वितता उक्त वर्षितियम के वर्षीनं कर दने के बुन्तें एक के वर्षितियम के वर्षी करने या उससे बुन्तें में स्ट्रेनिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी यन या बन्ध आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः नव, उक्त निमिनयम् की धारा 269-व क अनुसरण में, में. उक्त निमियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधील, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थाते :---- (1) मैसर्स समर्थ डेवलंपमेन्ट कींपीरेशन

(ग्रन्तरक)

(1) श्री महावीरप्रसाद जगन्नाथ शर्मा। (ग्रन्तरिती)

को कह बहाना बाडी कंटके पूर्वों का ब्रोमीटें के बहान के बिक् कार्यनाहियां कटका हैं]

चनत् सम्पृत्ति के नर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी वासीएं:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों गर्दे पर्दों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभारिकत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास मुबा हुई।

अने सामी

पलैट नं० 404, जो बीधी मंझीलं, बिल्डिंग नं० ए-22 अपना घर युनिट नं० 4, को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि० ओ! शवरा, चारबंगला के पास, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा की कम० सं० ग्रई-2/37ईई/12674/8485 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्रारा दिनांक 21 सितम्बर 1984 को रहिटई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 वस्बई

दिनांक :-- 7-5-1985 मोहर 🛭

महा बाइंट टीट पुन् पुर्व व्यवस्थान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुखना

HIST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/12673/84-85-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाउ 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैंट नं० 403, चौथी मंजिल, बि० नं० ए-8, ग्रपना घर युनिट नं० 2 कोग्रापरेटिब हाउसिंग सोसायटी लि० श्री स्वामी समर्थ नगर, ओशिवरा, ग्रन्धेरी (पिश्चम) बम्बई-4000058, में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्िक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बीधीनबम् के बधीन कर देने के अन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जार मा किसी धन या बन्य जानित्यों की, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, ता अनकर ब्रिमिन्सम, ता अनकर ब्रिमिन्सम, ता अनकर ब्रिमिन्सम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था था किया बाता बाहिए या कि जन में ब्रिया के निए;

लतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् हि—

(1) मैसर्स समर्थ डेवलपमेंन्ट कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पांडुग रामगडे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूंबा का सम्पत्ति के बुर्चन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त लम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया दवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403 जौ चौथी मंजिल नं० ए-8 ग्रपना घर युनिट नं० 2को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमीटेड, ओजिवरा, श्री स्वामी समर्थ नं० के० पी० रोड़ ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-4000058 में स्थित है

ग्रानुष्यो जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/ 12673 84-85 और जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक :- 7/5/1985 मोहर ::

प्रस्य बाइं टी एन एव : ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) क्रांजन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/ 37ईई/12885/84<math>-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सहस्वर विश्विम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्क विश्विमयम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के वधीन सक्तम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्कावर सन्यत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० पलैट नं० 203 दूसकी मंजिल, वि० नं०

और जिसकी से पलट ने 203 दूसरा माजल, विव ने ए, श्री ग्रपना घर युनिट नं 4 कोग्रापरेटि हार्डासग सोसायटी लिं , ओशिवरा, चार बंगला के सामने अंधेरी (प॰), बम्बई— 400058 में स्थित (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री दिनिक 28 सितम्बर 1984

को वृशेषित सम्बन्ति के उचित वाजार मूल्य ते कम के दरमान प्रतिक न है लिए सम्बन्धित की पर्द और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्स सम्मत्ति का उचित बाजार एच्य, उसने दर्यमान प्रतिक्ष में प्रतिक प्रतिक का पन्तह प्रविकात से अधिक हैं जीड अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तर्गितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाद निम्मसिक्ति उपूर्विय से उच्छ अन्तरण निल्तित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- हिंदा) अन्तरण **तं हुई जिल्ही बाव की बावत, उन्हर्य** अधिविषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिक्त में कनी ए त्ये या उसने जनने में सुनिका के निराए; और/या
- (क) गंबी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रक्षेज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मृतिधा के सिए;

बतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक को, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--

- (1) मैसर्स समर्थः डेवलपमेन्टः कार्पोरेशन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रपर्ण विवेक तलपदे । (ग्रन्तरिती)

को यह क्ष्या बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां कन्नता हूं।

उबत सन्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी बबी बाद में ब्रजान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजवन में त्रकाचन की तार्रींच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितक्य्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तालरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वकारिका के प्रमान के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

पलैट नं ० 203, जो दूसरी मंजिल, बिंठ नं ० ग्रपना वर युनिट नं ० 4 को-ग्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटी लिमीटेड ओशिवरा, श्री समर्थ नगर, जे० पी० रोड़ के सामने, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37ईई/ 12885 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 28 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 ब्म्बई

दिनांक :- 7-5:1985 **मोहर** ६ प्ररूप भार्यः, टी । एन , एस् ,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निड्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मुई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/12508/ 84-85--म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इ. सं अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० बी - 503 मंजिल ग्रपार्टमेंटस यारी रोड़, वर्सोवा गुलमोहर गार्डन्स, सामने, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई - 400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 के खे के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान क्रित्तिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा णया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निक्य के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्विध के लिए कार/या
- (क) एसी जिसी बाय या किसी धन या अच्य अस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मैसर्स एशियन कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश स्राई० देसाई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूजाँकत सम्पृत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की खबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की बबींच, का भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी एक क्ति इसा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपृत्र में श्रक्तावन की ताहीं के 45 विन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिस्त्यव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौ का, को उसते बिधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० बी०-503, लिला ग्रपार्टमेंटस, यारी रोड़ वर्सोवा , गुलमोहर गार्डन्स के सामने ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058 में स्थित है ।"

ग्रनुसूची जैसािक ाँ० सं० ग्रई-2/37 ईई/12508/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1985 को रिजस्टिई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक :- 7-5-1985

बोहर 🖁

प्रकप मार्च_ा टी_ट एन व एस_{्ट}=----

भागकर जाभानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं अई-3/37-ईई/11033/84-85--- स्रतः मुझे लक्ष्मण दास्र,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० पलैंट नं० 1301-बी, ब्रायटन टावर, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (ग्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, जो ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पीया गया प्रतिफल, विम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिश्नत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उन्नचे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निष्क

1. श्री ग्रशोक जी० खिरन

(ग्रन्तरक)

2 श्री गियादाद एच० केवलरामानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह)सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ कें
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गुवा है।

अन्स्ची

"पलैट नं० 1301-बी०, जी, ब्रायटन टावर्स, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगलो, वसोंवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37—ईई/11033/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक. 7–9–1984 को रिज्स्टर्ड किया ग्रया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 9-5-1985

प्ररूप कार्थे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12786/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, ग्रकार्ड—बी इमारत, प्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पं०), वस्वई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावह अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रीर जिसकी करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 2695, हा के ग्रंधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-9-1984 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसत् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर देने के बन्तरण के दंगीराच्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 'में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थान् :— 1. मास्टर भूपिंदर जे० चोप्रा।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रशोक वि० गांधी ग्रोर श्री राजेण वी० गांधी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख (के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि---नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा

अन्स्यी

"फ्लैंट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, स्रकार्ड-बी इमारत, फ्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, स्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37–ईई/12786/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24–9-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

नक्ष्मण दास प्रथम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

बायकर अध्यानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीद,

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

्बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश स ० म्रई-2/37-ईई/10424/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्तू अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, जो, 5वीं मजिल, कान-कार्ड ए० इमारत, प्लाट नं० 16, एस० नं० 11 (ग्रंश), 4 बंगला, वसींवा, ग्रंधेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंजह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्त (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, जिन्मी स्थित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक स्य से कारण कहीं किया जवा है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धून या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निकिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विना जे० चौधरी।

(अन्तरक)

 श्री मायकेल डिसोजा ग्रौर श्रीमती ग्रंनी डिसोजा।

े(ग्रन्तरिती)

ा मह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गर्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी क्षिमी के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इत बूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अच्च ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

"फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, कानकाई-ए इसारत, प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं $2\sqrt{37-\xi\xi}/10424/84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिजस्टिं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी प्रहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/12528/84-85--- ऋतः मुझे,, लक्ष्मण दास,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं० 306, जो, 3री मंजिल्ल, बेल्मोन्ट इमारत, प्लाट नं० 340, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्स्ममान प्रतिकृत के लिए ज्तिरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है

कि यथा पुनेबित सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपक्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिपक्त के पन्त्रह प्रतिक्षत से विधिक ही, और बंतरिक (बंतरिकों) की प्रविचित्ति (बंतरितिबों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कृथित. नहीं क्रेगा गया है:--

- (क) अक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रकाश ग्रार० रामचन्दानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंग।

(अन्तरिती)

न को यह बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संघत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन, की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हिस-ं बब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अनस्ची

''फ्लैंट नं० 306, जो, 3री मंजिल, बेल्मोन्ट इमारत, फ्लाट नं० 340, एस० नं० 41, 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट-2/37—ईई/12528/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17–9–1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बाधकर जीधीनवम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जारकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं ० ग्रई-2/37-ईई/12656/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43). (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की वारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बत्ति, जिसका उचित वाचार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, हरमनी —ए इमारत, प्लाट नं०, 343, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला; ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम, प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 21-9-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य भ कर के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरित की गई है जोर यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल को एसे व्यवस्थान प्रतिफल का पन्छ प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिश्वी (अन्तिरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय प्रतिकल, निम्निश्चित उद्देश्यों से उत्तर अन्तरण कि चित्त से वास्तिक स्थ से किया गया है है

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी सम्ब की नायत उस्त सिंध-नियम से अधीन कर देने के अन्तरक के दायिह्य में कभी करने या उनके सचने में तृतिधा के लिए; सीर/या
- (म) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हों बारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर बिधनियम, वा धन-कर बिधनियम, वा धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया बना था का किया बाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के सिए;

बसंद बंब, उक्स क्षिनियम की भारा 269-म के बनुसरण की, की, उस्त बीचनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, निकामिसित व्यक्तियों, क्ष्मीत हु----

- 1 श्री माया राम हिंगोरानी ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री वोरा ग्रंशुमन नवीनचन्द्र्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामचाहियां करता हूं।

, उक्त सम्मिति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन की जनीत ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिष्म, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स-संस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पट्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, जी सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, हरमनी—ए इमारत प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि कि स्रई-2/37—ईई/12656/84–85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21–9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मांहर :

प्ररूप आहें .दों .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेज सं० अई-2/37ईई/10611/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्टैट नं०, 6 जो, डी-इमास्त, न्यू चन्ट्र को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० आफ वीरा देसाई रोड़, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका अरारनामा आयं इर श्रीदानयम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है नारील 7-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-स्कित (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तीबक रूप से किथा नहीं किया गया है:-

- (क) अंतरण ते हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-निषम के जधीन कर दोने के अंतस्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकाशिक्त व्यक्तियों, वर्धात् :---

- श्री सुमन कुमार भाईचद गोसालिया।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री अधिवन रमणीकलाल बोराडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 6, जो, डी-इमारत, न्यूचद्र को-आप० हाउिंग सोसायटी कि०,आफ वीरा देसाई रोड़, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में रिथत है।

अनुसूची जैशा कि कि सं अई-2/37ईई/10611/ 84-85 और जो सक्षम प्राज्यगरी द्वारा बम्बई दिचांक 7-9-1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज+2, बम्बई ं--्र वम्बई, दिनांक 9 मई 1.985

निदेश सं० अई-2/37ईई/1323क्/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसेकी सं० फ्लैंट नं० 54/ए, जो, वंदना श्री कोआप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रम्बोली वी० डी०रोड़ अंधेरी (प०), बम्बई-58 से स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्वतः क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बिट्ठल कपार मेडस

(अन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ गिरधर पाटील।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

, जो, बंदान श्री लक्ष्मी को-आप० हा सि सोसायटी लि०, ग्रंबोली बी० डी० रोड़, ग्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई/37अईई/13232/ 84-85 सौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक

17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया भया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

माहर:

मुक्त नाइं.टी.एन.एस -----

लामकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्याव्य, सहायक जायकार बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 मई 1985
निदेण सं० अई-2/37-ईई/11107/84-85--अतः मुझे;
लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं... कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु.. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 1,9, जो 5वीं मंजिल अंधेरी जय भारती को-आप० हाउमिंग सोसायटी लि०; मिसर रोड़, अंधेरी (प०), वस्पई—58 में स्कित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारूनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, खबें अधीन, नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारोख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कब के द्रियमान प्रतिकाल के जिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रुवमान प्रतिकाल से, एसे द्रुवमान प्रतिकाल का पन्द्रहा प्रतिकात से बिधक है बार अंतरक (अंतर्का) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिकाल निम्मलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :----

- कि बंदरण है हुई कि ही बाद की पावत, उसक विधितित्व के अधीन कर देने के बंदरक के विधित्व में कवी करने या उसके वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा क्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में क्रियान के लिए;

बह: सब, डक्स बधिनियम की धारा 269-व के बनुसरम को, में, उसत बधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :--- 1. श्री उत्तम राबजी गाडा।

(अन्तरक)

2 श्री जोस फासीस परेरा ग्रीर श्रीमती दामासिन परेरा।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 39 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सबम्दा होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किस के भीतार उक्क स्थावर तक्की से हिस्सबप्थ किसी बस्य व्यक्ति इवारा, अभोहरताक्षरी के पास लिखित के किसे वा सकोंगे।

स्याच्योकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बी उनस बीचनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा करे उस अध्याय में दिया क्या है।

मन्युचीं

"फ्लेट नं० 19 जो 5वीं मंं,जिल ग्रंधेरी, जय भारती को-आपं० हाउसिंग सोसायटी लि०, सिसर रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि कर मंर् अई--2/37ईई/11107/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राप्तेकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणै) अर्जन रेंज्र 2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग्र-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं ० अई-2/37/ईई/12531/84-85 - अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रार जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, रंगन्सी

ए इमारत, प्लाट नं० बी-3, एस० नं० 41 (श्रंश)

4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरा (प०), बम्बई-58 में स्थित है के (श्रार इससे उपाबड अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस्का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खैं के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में र जिस्की के तारीख 17-9-1984 किने पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पुन्दह प्रतिशत से अधिक है अरे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स गोएल इंडिया।

(अन्तरक)

2. श्री रनजीत कमार राय।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्द}, वहीं अर्थ/होगा जो उम्र अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, रेगन्सी-ए इमारत, प्लाट नं० बी-3, एस० नं० 41 ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/12531 84-85 श्राँर जो सक्षम प्राधिकारी ग्रम्बई द्वारा ।दनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायं र आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

महिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वतः

WITH STEEL

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2. वम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांक 9 मर्ड 1985 निर्देश सं० अर्ड-2/37 र्डडी/11082/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को बहु विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- क) अन्तरण-तेहुई किमी आय की बाबत, उस्त अधिनिष्य के अधीन कर कोरे के अन्धरफ के बादित्व में, कामी करणे या उससे क्याने को सन्धिक क निष्: अधिन्यः
- (व) ऐसी किसी जाब वा किसी धन वा अन्य आरिश्वर्धी करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, ,922 (1922 का 11) या ताक्त अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती क्ष्मरा प्रकट नहीं किया गया वा वा विकास चाना चाहिए था. क्रिपान में सुविधर वे विष्:

कतः कम, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, अकत अधिनियम को भारा 269-थ की उपधाना / ़ी के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात :---

शुमारी पूजा शरांन फोज्दार।
 (अन्तरक)
 श्रीमती बी॰ मुदालीयार।
 (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शन के शिव्य कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के किए आ सकी ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ववस्थी

"पलैट नं० 702, जो. 7वीं मंजिल, हरमनी-बी इमारत प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरो (प०), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि त्रः सं अई-2/37ईई/11082 84-85 ग्रौरंजो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकरो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

आहेर 🗷

प्ररूप बार्द : दो . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायंकर जाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

्रिनर्देश सं० अई -2/37-ईई/10420/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 22 जो 6वीं मंजिल ''ए'' विंग निर्माणाधीन इमारत आशीर्वाद प्लाट नं 11 एसं नं 41 (ग्रंश) विलेज ग्रोशिवरा तालुका ग्रंधेरी (पं) बम्बई में स्थित है/(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्यें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में बास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुए किसी मान की बान्छ, उनस् विधिन्यम की मधीन कर दोने के बनसूरक हैं वादित्य में कभी करने वा उन्नते वन्ने में सुविधा से निए; नहिंग्या
- (थ) एसी किसी बाव या किसी धन वा अन्य अपिस्ता को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था वा किया जाना चाहिए था। कियाने में सुविधा की लिए;

मं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियां अधीन, श्री सोहनलाल शेषमल जैन विमलाबेन सोहनलाल जैन ग्रीर ज्योत्सना प्रकाश जैन।

(अन्तरक)

 श्री किशोर एल० मोटवानी ग्रौर श्रीमती रेश्मा के० मोटवानी।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपीत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वांक्षेष :---

- -(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिचित में किए जा सकती।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास गया है।

वन्स्यी

"फ्लट नं० 22 जो 6वी मंजिल "ए" विंग निर्माना-धीन इमारत आशीर्वीद स्रोशिवरा प्लाट नं० 11 एस० नं० 41 (स्रंश) विलेज स्रोशिवरा तालुक स्रंधरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/10420/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण द्रास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2 बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🖫

प्रस्ति साह^र्टो . एवं . एवं . प्रतासन्तरमञ्जा

बायकृर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई वम्बई दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37 ईई/12559/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण द।स

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावहर संपंतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० पर्नेट नं० 602 जो 6वीं मंजिल कान-काई—ए० इमारन व्लाट नं० 16 एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 वंगला वर्सीवा प्रधेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावह अनुसूची में ग्रीर पूर्न रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में हाजस्ट्री है तरीख 17-9-1984

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति कि हप से किथित नहीं किया गया है:——

- कि मन्तरण सं हुए किसी नाम की वान्त, उनस् नाभिनिष्य के श्रीम कर दोने के स्थारक के दासिक में कनो करने म उत्तसे नमने में सुन्धा की निष्; मीर/शा
- (क) एमी किमी आह या किसी धन या अन्य जासित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है अब अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है अब अधिनियम, 1957 (1957 का या प्रकट नहीं किया गया का ने का ने का जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-गि की उपधारा (1) के अधीनः विकासित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती विमलादेवी आर० गोयल और अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री अहमद खान।

(अन्तरिती

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोंकन मध्यिति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर, प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

ननसर्वी

'फ्लैंट नं० 602 जो 6वीं मंजिल कानकाई-ए इमारत प्लाट नं० 16 एस० नं० 41 (अंग) 4 बंगला वर्सीवा अंधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2,37 ईई,12559,84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी वेम्बई हारा दिनांक,17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास यक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहार 😘

क्ष्म बार् ं हो. हर व

आवकर क्षितिवस, 1961 (1961 का 43) की के धारा 269-भ (1) के बभीन सुमान

१ बार्ड बहकार

कार्यालय, सहायक अायकर जायुक्त (निर्धिक)

म्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37 ईई/12850/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० ए/3 जो ग्राउण्ड पिलोअर सुनिल निवास को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० जे० पी० रोड़ 4 बंगला ग्रंघेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-9-1984

कारा क कायालय म राजस्ट्रा ह ताराख 26-9-1984 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उनित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वों का सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, इसके द्ध्यमान प्रतिफल से एस द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता क्ला प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्ते श्नित्रण निवित्त में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की 'बाबत उक्त अभिनियम के ख्यीन कर देने के अन्तरक कें, खियत्व में कभी करने या उससे जचने में सुविधा के जिए; आंड/बा
- (न) इ.न. किसी बाय या किसी धन या अन्य बारिस्थां कां, जिन्हों भारतीय लालकर अिंग्लिय , 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या धनकर विश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगाय प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1), दे सभीन, निम्नितिधित स्पीक्तवों, सभीव

1. श्री कुलवंत एस० अरोरा।

(अन्तरक)

2. श्री ए० एल० मनेन्जीस

(अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके प्वांक्त संपत्ति के वर्जन के निष्कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाअप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर विस्तर्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (के इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

अन्त्या

"फ्लैट नं० ए/3 जो गाउण्ड फ्लोर सुनिल निवास को-अ।प० हाउसिंग सोसायटी लि० जे० पी० रोड़ 4 बंगला ग्रंधेरी (फ्०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/12850/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.-2 बम्बई

तारीख: 9-5-1985

माह्य 🛭 🐪

and the state of the continue प्ररूप बार्ड. टी. एन. उस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं०अई-2/37-ईई,12688/84-85-अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख · के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व

1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20 जो 3री मंजित विंग मनिष नगर जे० पीं० रोड़ अंधेरी (प०) 58 में हेश्यत है (ग्रीट इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपं से विशित है) " ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकररी के कार्यालय में राजिस्टी है 22-9-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास का कारण हैं कि अधापूर्विश्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अंधक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/श
- (स) एसे किसी आग्र या किसी धन रू अने लाभ्यकी टारे,/ विन्ही भारतीय आपकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या डंक्न अभिनित्त, या धर-बार विधिवयन, 1937 (1987 वर १२) के एए करान अनोस्ती दवारा प्रकार नहीं िया एक था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए:

वतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269,न के वन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--

1. श्री सुरेश सी० अनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री रंजनदास

(अन्तरिती)

को यहः स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन 🖷 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध. बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

"प्लाट नं० 20 जो अरी मंजिल "बी" विंग मनिष नगर जे० पी० रोड़ श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित

अनुसूची जैसा ि क० मं० अई -2/37-ईई/12688/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 💚 22-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 9-5-1985

प्रकर बाह ं दी पुन : पुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, वस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं व स्रई-2/37-ईई/12576/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्जार मृल्य/ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जी/127, जो, ग्रंजली इमारत, सर्वे नं० 121, नं० 3, जनक दीप के के पीछे, जे० पी० रोड़, 7 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०) बम्बई 61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधियनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18 9-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से क्रम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयस के अधीन कर येते के बन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के किए; बौर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसा धन या जन्म आस्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

मत: ग्रंग, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त विधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) में बधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री क्लीफोर्ड जें० कोरीया।
- श्रीमती एन० घोष ग्रौर सुमित्रा एस० घोष।

(ग्रन्तरिती)

. (स्रन्तरक)ः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनरें किन कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अत्रिध बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपव में अकाशन की तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी पास लिक्ति में किए जा सकेंगे

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजत जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्च

"फ्लैट नं० जी/127, जो, श्रंजुली इमारत, सर्वे नं० 121, प्लाट नं० 2, जनक दीप के पीछे, जे० पी० 7 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/12576/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया। गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दम्बई

दिनांक: 6~5~1985

मोहर्रः

श्रह्य ब्राइ . सी. एन . एस . - - - - - -

बायकर अधिनियम. 1931 (1961 का 43) की थारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

THE THEK

कार्यालय, सहायत्र आयाज्ञर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 9 गई 1985

निदेश मं० ग्रई-2/37-ईई/11135/84-85--- ग्रतः मुझे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् ' 'उक्त अधिनियंस' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिनत बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० एफ्र-301, जो. 3री मंजिल, सिमर ग्रपार्टमेंट्स, जे० पी० रोड़, 7 बंगला, व्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई--58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गौर जिसका करारनामा स्रायकर स्वितियम, 1961 की धारा 269%, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कोरण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्धयमान, प्रतिकल सं, एसे द्धयमान प्रतिकलं का पन्द्रह प्रशिक्तल से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकार) बार बंतरिती (अन्तरितियाँ) हे बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल. निम्लिलिल उद्वर्षस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति। बक रूप से कीशत नहीं किया नमा है :---

- (क) क्यतरण में हुए। फिसी बाद की बादत, उपल मधिरोगरस को सभीत कार होने के अन्तरक ने शीयस्य वो सनी करने का समस् बचने वो बहिया । के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय मा किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

1 थोमती अनीता नरेंदर उमगव

(ग्रन्तरक)

2. श्रोमती रेश्भा ए० खान।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करवी पूर्वीवत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वर सुचना को तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी . अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति से द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए अ मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

"फ्लैट नं० एफ-301. जो, 3री मंजिल, संमिर ऋपार्ट-मेंट्स, जे० पी० रोड़, ७ वंगला, दर्योवा, ग्रंधेरी (प०), वम्वई-58 में स्थित है।

श्रन्मुची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37-ईई/11135/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बमाई द्वीरा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर शाय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, बम्बई

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कु / तारीख: 9-5-1985 में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद ह-

माहर :

ब्रुप. बाइं टी. एन. एड. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. 269-**म (1) के अधी**न सूचना

भरित सरकाडु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10426/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का आरख है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से विभिक्त है बीर बन्तरक (बन्हर्कों) बौर बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्तित में वास्तृत्वक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बतरण से हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बर्डिंग
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन ए। इन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. कुमारी विमला नारायणदाह मलकानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंग ग्रलवाडी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्ब्र्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो ,, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इस क्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकींगे।

स्युक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यापित्यम के अध्याय 20-क में परिश्वाधिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय, में दिया गया है।

वतुस्ची

"फ्लैंट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, ग्रका 'ड—ए, इ.मारत फ्लाट नं० 17, एस० नं० 41, 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/10426/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

ध्र**रप् नाइ**ं टो ् एन् एस् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बुरकार

, कार्यानय, सहायक आयकर्र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/10481/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवास जिल्ला अधिनियम कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका अधिक त वामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 505, जो, 5वीं मंजिल, रेगन्सी ए-इमारत, प्लाट नं० बी-3, एस० नं० 42 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्री है, तारीख 3-9-1984

को पूर्नीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से. कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम माया गया प्रतिफल, निम्निवित उन्द्रविस से उक्त संतरण निवित में बास्तुविक रूप से कायत महा किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी बाब की बाबल, उक्त अधिनियम के अभीप कर दोने के अन्तरक के दावित्य के किसी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भव या जन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञान था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्र-- 1. मैसर्स गोएल इंडिया।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० ग्रानन्द

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थर के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षि बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के उक्कापन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के नीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, न्धोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंचे।

स्वच्छोकतृत्व अन्य अपन्त अन्यों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होती. जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 505, जो, 5वीं मंजिल, रेगन्सी ए-इमारत प्लाट नं० बी-3, एस० नं० 41(प्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा प्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37–ईई/10481/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दांस सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (जिस्तीक्षण) स्रजन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 9-5-1985

यांहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एव. एस.----

अस्यकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जनै रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० अई -2/37 ईई/11097/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं. ए-4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रोम-जोशी को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लल्लूभाई पार्क रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमाग प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्भित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरितों (अन्तरित्यार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय करी बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पाउनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा ने लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

 श्री फतेहचंद्र जी० मेहता, नितिन एफ० मेहता भ्रौर श्री रमेश एफ० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुंकारा कनाका दुर्गा वाईफ ऑफ ग्रंजैया। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसूची

पलैट नं ए-4, जो ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रोम-जोशी को-आप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, लल्लूभाई पार्क रोड, ग्रंबेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/11097/

अनुसूची जंसा कि के० स० अई-2/37-ईई/11097/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बृम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणं दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9 5-1985

मोहर 😲

प्ररूप **बाइं**.टी.एन.एस ् ========

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यास्य, हहायक सायकर बायुक्त (दिहास्य)

ग्रर्जन 'रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० अई -2/37 ईई/12863/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-001. जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं० 10, साई सदन को-आप० हार्डासंग सोसायटी, लि०, 4 बंगला, ग्रंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितिक्कों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहृद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कथी करने या उसते बचने में बृद्धिणा के किए। स्वीर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्स आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः वब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग क वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ब्योन, निम्निविधित व्यक्तियों वर्षात् है— 1. श्री पदम कुमार मोरेश्वर तलपदे।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिता ¹⁰ मल गप्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वम्ब्र्य

"फ्लैंट नं० सी-001, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं० 10, साई सदन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, ग्रंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/12863/1286384-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक /12886 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्यालय, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० अई-2,37 ईई,12562/84-85-अतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, वेस्ट एन्ड अपार्टमेंट, 4 बंगला रोड़, जे पी रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17—9—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

1. श्री राजेन्द्र लक्ष्मणदास पंजवानी।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चंदूलाल अनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.।

मनुसूच,

"फ्लैंट नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, वेस्ट एन्ड अपार्टमेंट 4 बंगला रोड़, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (\mathbf{v} ०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई -2/37 ईई, 12562/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

प्रकृष बाद . ही. एन्, एस .----

भामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-व (1) के अधीन सचना

मारुष सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12766/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित विस्तका त्रिचत बालार अस्थ 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं फ्लैंट नं डी/32, जो, ग्राउण्ड फ्लोर वर्सीवः ज्योति को-आप० हाउसिग सोसायटी लि०, 131/17 बंगला, जें० पी० रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई -58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), ग्रीर जिसक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यीलय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-9-1984 को प्रविद्य सम्बन्धि के उचित याजार मूल्य से कम के द्रशमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्के यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अलारण सं हुए किसी बाब की बाबत उक्त अधि-निष्ठम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्तृतिधा के लिए, आर/या
- (क) ऐसी किसी आय म किसी धन वा अन्य आंस्त्यों को, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नतिषित व्यक्तियों, वर्धात कि

1. श्रीमती शक्तला अजगी।

(अन्तरक)

2. श्री इंद्रजीत बारूहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करकं पूर्विक्त सम्मत्ति के कर्षन के सिए कार्यवाधियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जन्म ची

"फ्लैंट नं० डी/32 जो ग्राउण्ड फ्लोर वर्सीवा ज्योति को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 131/1 7 बंगला, जे० पी० रोड़ ग्रंधेरी (५०) बस्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/12766/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गर्या है।

लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप बाई .टी.एन.एस .-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12842/84-85/-ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो इमारत नं० 40, मिनष नगर, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मुख्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तिस्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्रया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिग्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा दिग्यत्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री गुल एस० गुलराजानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री. सुरिन्दर पाल सिंग म्रालूवालिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसके प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के, अध्याध 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

> लक्ष्मण टास सक्षम प्राधिकारी ^{अचा}पक स्रायकर स्राय्**क्व** (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज−2, ^¹बम्बई

तारीख: 9-5-1985

प्रकृप कार्ड. की. इन , एस. -----

माय्त्रार व्यथितिक्टक, 1961 (1961 का 43) की माधा 269-म (1) के अभीत स्थाना

शार्व सहस्रार

कार्यस्वयं, मुक्कायं कायंकर कायंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिन्नांक 9 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/10621/84-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कावकर विश्वीनयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें इसमें परचात् जिस्ता व्योभीनयम काहा गया हों), की धारा 269-क के वभीन क्षाम प्राधिकान्ध को, मह विद्यास करने का कारण ही कि जनकर अस्त्रीत. किम्मा सकिस बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से क्षिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9. जो, सिस्पल ग्रपार्टमेंट, नव श्री पित को-ग्राप० हाउभिंग सोसायटी लि०, ग्रंधेद्वी (प०), बम्बई – 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनू-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-9-1984

को पूर्वोक्त संस्थित के इभित बादार मूल्य वे कम के छ्यमान प्रिक्ति के जिए इश्वर्धित की पर्द है कीर मुक्ते यह विकास हिर्म के का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्बद्धि का उन्ति छ्वार मूच्य , उन्ने सम्बद्धा प्रिक्ति के अभिक है और अंतरिक्त के एसे छ्व्यमान प्रिक्ति का पंद्रह प्रतिका से अभिक है और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के बीध एसे अंवरण के बिए इय पाया गया प्रसि-ध्या, विकासितिय उद्देश्य में उन्ति अन्तरण सिवित में भारतिय छ्वार मां इस्म में क्षित में भारतिय छ्वार मां इस्म में क्षित में भारतिय छ्वार मां इस्म में क्षित में भारतिय छवार मां इस्म में क्षित महीं मिया गया है:--

- (क) मन्त्रद्रण से हुएई किसी भाव गर्त बाबल, सक्स साभितिक्य के अभीत कर होने के वस्त्रके के क्षित्रस्थ बोल्क्सी करते या समसे बचारे में सुविभा के लिए; सर्पर्
- (क) एसी विस्ती काय या किसी भन का बन्त आस्तियों को, फिल्हें भाएसीय वानकंद् अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ता अधिनियम, वा भन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतरिकी इवारा प्रवाट नहीं किया गुरा था राजिया नाम साहिए था, किया में गुविधा की लिए;

1. श्री वी० वी० धरारुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री हरेण डी० मोटवानी ग्रौर श्रीमती ग्रंजना मोटवानी।

(अन्तरिती)

को सह सूचना चाड़ी करनी पूर्वोक्त संपरित के अर्धन के लिए कार्यवाहिना करता हुं।

उक्त तस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस त्यना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अव्धि, को भी वस्थि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों तो से किली व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाबन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों द्विप्रबद्ध सिनी बन्य व्यक्ति द्वाय अभोहत्वाकारी के पास लिखित में किस का सकींगे:

स्थव्यक्रियण : --- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, ेवो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राचित हैं, वहीं अर्थ होगा जो नग सक्ष्ताव में दिया न्या है।

अन्सची

पलैट नं० 9, जो, सिम्पल ग्रपार्टमेंट्स, नव श्री पती को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37—ईई/10621/84—85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7—9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 9-5-1985

मोहर:

अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्योंग कि निकासिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह

प्रक्ष वार्ड.टी.एन.एव.

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुमा

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनं रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10620/84-85-अतः मुझे तक्ष्मण दास,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 59-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का र्र्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं गैर जिसकी संव पलैट संव 34, जो, तीसरी मंजिल, इमायत ंव 8, वसींवा व्यहू कोव आपव हाउसिंग सोसायटी लिव गंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मं ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर गंधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-9-1984,

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमन तफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विक्रवास रने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार ल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिकल का इह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती गंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पा प्रतिफल निम्नसिचित उच्चक्य से उक्त अन्तरण लिचित्र बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी माम की बाबता, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उसने वजने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अव. उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)। अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
44—126 GI/85

(1) श्रीमती जयदेवी टी० नारंग ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम प्यारेलाल रोहेरा ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पृश्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बदीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी करिए बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अभाहेस्स्यक्षरी के गास विकास में किए दा सकोंगे।

स्पादीकरण क्यां प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उनके अधिक्रियम के अध्याद 20 क में परिभाषित है, वही कर्ष होगा को उसा सम्माण में दिया। स्वाहरी

मन्स्थी

'फ्लैंट सं० 34,जो, तीसरी मंजिल, इमारत सं० 8, वसीवा व्हय्को० -आप० हीउसिंग सोसायटी लि०, ग्रंधेरी (प०), वम्बई -58 में स्थित है।

अनसूची जैंसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/10620/8/4-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारु दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज –2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई . दी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के लेभीन प्यना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37ईई/12678/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास्,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूज्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० कमरा नं० 1, जो, इमारत नं० 1, आजाद नगर कालोनी, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनं सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 21-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के. इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) तन्तरण सं हुई किसी जाय की रावत, उक्क अधिनियम के स्थीन कर दोने के संतरक के दावित्य में कमी करने या उससे व्यने में सृष्धि के लिए; स्रूर/वा
- (ब) हुनी किसी जाम वा किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः शव, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरणं बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम स्विजारा 269-ग की उक्शारा (१) के अधीन, रनम्मीनिवित व्यक्तियों अधीन क्ष्मार (1) श्री प्राणवल्लभ सी० दसाई.।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ श्रीमती वि॰ आर॰ शिरवायकर । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उन्ते सम्पत्ति के वर्णन हां सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के संजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वनीं को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुपना के राजपुत के प्रकारण की साड़ीन से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति के हितनसूच किसी जन्म स्थानित द्वारा, जथाहस्ताक्षरी के पास सिहित के किस सा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, के उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं वर्ष होगा अने उस अध्याय में दिया-प्या है।

बनस्थीं

कमरा नं 1, जो, इमारत नं 1, आजादनगर कालोनी जे पी रोड, ग्रंधेरी (प), वम्बई – 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसी कि कि० सं० अई -2/37ईई/12678/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :

9-5-1985

प्रकप बाह् दी पन एस ..----

बीयकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के मधीन सुक्रमा

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश स०. अई -2/37ईई/11020/84-85 — अतः मुझे, लक्ष्मण दास्

शायकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलेट सं० 36-ए, जो, सी-विग, तिसरी मंजिल, श्रोल्ड वर्सोवा, शांती निकेतन को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 7 बंगला के पास, श्रधरी वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित्त का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा हिएक निन्तिविद्य से स्थित वृद्धों किया वृद्ध है उसक वृद्ध है विद्या विद्या से अधिक स्थ से स्थाप के सिए तस पाया गवा

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उपल नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर∕या
- (क) एसी किसी बाब या किसी बन या बुब्ब बारिस्ट्यों को, चिन्हें बारतीय बायकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवन, या पन- के विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के हवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं दिवन चया वा या दिवन खाना खाहिए था, कियान में सुनिव्धा की विकास

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुकरण बों, बों, उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन - विक्तिविक्त व्यक्तियों, बर्धात् ध—

- (1)) कुमारी सुमन अंबादास नाडकर्णी । (अन्तरक)
- (2) श्री रोशन नूर मोहम्मद मर्चण्ट, ग्रौर श्रीमती रिजया रोशन मर्चण्ट ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूजीं कर संपरित के वर्षान के जिल्ला कार्यनाहियां क दुता हूं।

उपत सम्पत्ति नके श्वान से सम्बन्ध में कोई भी वाकोष उ-

- '(क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की ताबील से 30 दिन की बर्बीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्विन्त्यों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
 - (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास जिल्हा में किए वा सकतें ।

'स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उपक जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया ही।

वनसर्पा

पलैट सं० 36-ए, जो, सी-विंग, तीसरी मंजिल, स्रोल्ड वर्सीवा, शांती निकेतन को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 7 बंगला के पास, स्रेधेरी वर्सीवा, बम्बई -61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई -2/37ईई/11020/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज -2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

STATE IN

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

औयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अभीत सुचना

शारस बहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,

अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37ईई/12875/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

वायंकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या है, की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं पलैट सं 23/37, जो, 6वीं संजिल, आशिष को -आप हा उसिंग मासायटी लिं , गुरूनगर, 4 बंगला, वर्सीवा रोड. ग्रंघेरी (प), बस्बई -58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा अयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984

को पूजाया सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्तर्क दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बोस्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है :—

- (क) अनरण सं हुई किसी आम की बाबत, डक्त गांधनियम के क्रीने कर दोने के जंतरक के धांपित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; और का
- (क) एंसी किसी अध्य या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भोरतीय आयकार अधिनियम, 1922 के 1922 की 13) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं: उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अर्थ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ७ -: (1) श्रीमती चन्द्रा कांता ए० सचदेव

(अन्तरक)

(2) कुमारी झुबदा सुलेमान मर्चेण्ट ।

(अन्ति रिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यतिह के अर्जन के सिर्क कार्यवाहियां करता हूं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ब्रब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वित्यों में से किसी स्वित द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के शास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और घदों का, जो उक्त वीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, वहीं मुर्थ होंगा को उक्ष अध्याय में दिव गवा है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 23/37, जो, 6वी मंजिल, गुरूनगर, आशिष को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, वर्सीवा रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसी कि कि से अई -2/37ईई/12875/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-194 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/12132/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राजार मूल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एलट सं ए/45, जो, 4थी मंजिल, समीर प्रिमायसेस सोसायटी लिं०, 169, एस० वि० रोड, श्रंघेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायंकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ ाकसा आय का, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ग्रश्विन प्रविगचन्द्र संघवी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिनोद दौलतराव देसाई।

(अ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

"फ्लैंट सं० ए/45, जो, 4थी मंजिल, समीर प्रिमायसेस सोसा-यटी लि०, 169, एस० वी० रोड, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि के० सं० सई-2/37ईई/12132/84-85 यौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्कत (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर ः

शक्र भार . ४१. एर. एष. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संद्रकात

कार्वालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/12762/84-85-- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 2, जो, बी-विंग, फ्लावर ब्लोम को ०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिलवा करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की घारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्या-स्या, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

कारे पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्निलिश्चित उद्देश्य से उच्च अन्तर्ण लिश्चित में वास्तिवक स्थ से किथत नहीं किया गया है के

- (क) जैतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्स प्रत्यान के कारत कर कर के स्वत्यक के दाखित्य में कभी करने का उससे वसूने में सुविधा के तिसु; और/या
- (क) एसी किसी कार्य या किसी पन या जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या पन-जिन्हों विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के ब्रवोजनार्थ जन्तिरती द्वारा श्रुकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, जियाने में ब्रुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, मिम्निलिखत व्यक्तियों, वर्धात् कि

- (1) श्री श्याम मेहना ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ज्योती नरेन्द्र शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेड्:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवश्यिया तत्संबंधी व्यक्तिकों पर मूचना की बामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को औी अवश्य बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के बाह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है वही धर्य ोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूर्च

'फ्लैट सं० 2, जो, बी-विंग, फ्लावर ब्लोम को०-ग्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, विरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

् ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12762/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🔅

प्रस्त् बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य श्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 501, जो, 5वीं मंजिल, रेगन्सी ए इमारत, प्लाट सं० बी-3, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 वंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उ पाबद्ध **ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर** जियुका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 तख के स्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एर्से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकां) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में **बास्तविक रूप** से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स गोएल इंडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुल राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्य-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रम सची

"फ्लैंट सं० 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत रेगन्सी-ए, प्लाट सं० बी-3, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (Ψ) , बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं $^{\circ}$ ग्रई-2/37ईई/12530/84-85 ग्रीर जो पक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-5-1985

मोहर 🗄

शक्य आई.टी.एब.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६७ म (११ के अधीन सुप्रमा

भारत परकार

कार्यास्य, सहायव आण्कर आमक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रुई-2/37ईई/12589/84-85—मृत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'एकरें अधिनेटाय' कहा रण हो।. की धारा 269-ख के अधीन सत्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जितिको सं० पलैट सं० 410, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 28-मी० विंग, मिनप नगर, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उणावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कतम से विंगित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति हो उचित वाजाए मूल्य में एक हे स्प्रमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथपुवाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल ले, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलियिश उद्देश्य में उच्य बंतरण लिखित में लिस्तिक एप में कथित नहीं किया एगा है:—

- (क) मंतरण से हुए जिल्ही मध्य की बावल कर विष् किए विद्यार की कमीन कर होगे हैं। सन्तरक की ए एपिएन हों काओं कारने या उससे बचने में जुविधा का निवार और/अह
- ेस) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को िन्ते भारतीय आग-कर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गर-कण विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गरा प्रकृत किया प्रकृत के किया के किया

शब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण उक्त अधिनियम की भारा 269-म को लयभारा (1) निम्नीलिखन व्यक्तियों, अभित :---- (1) श्रीमती इंदरपाल कौर।

(अन्तरक)

. (2) श्री गोसेफ पिटर सिक्वेरा ग्रौर श्रीमती क्लाग सिक्वेरा।

(अन्तरिती)

a.

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनः के राजपात को एकाशा की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 कि भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरि के पास लिसित में किए वा स्कर्ण।

न्यब्दीकरणः - इशमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय, 20-क में ध्परिभाषित ही, बही अर्थ होगा ना कर करान का विसा गया है।

क्षत्रमधी

"फ्लैंट न० 410, जो. 4थी मंजिल, इमारत नं० 28—सी, मिनिष नगर, जे० पी० रोड, ग्रंबेरी (η), बम्बई—58 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसाकि कि० सं० सई-2/37ईई/12589/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, वस्वई

दिनांवः : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985 .

निदेश सं॰ अई -2/37ईई, 12892/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 10, जो, पहली मंजिल, रचना अपार्टमेंट वि० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई –58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28–9–1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय एा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीन :---

45 - 126 GI/85

(1) श्री सुरेश कुमार एसूं० शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सलिम ससदूदीन जिवानी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सू सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---, इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतसची

"फ्लैट नं 10, जो, पहली मंजिल, रचना अपार्टमेंटस, वि पी रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सैं० अई-2/37ईई, 12892/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्राच्य बाहु . टी, एन . एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्देशक)

अजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12876/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार है69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी नं प्लैंट नं ए, 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, वसींवा में सिंगर को ल-ऑप हाउसिंग सोसायटी लिं, अविनाश के पीछे जे पीं रोड़, 7 बंगला, ग्रंधेरी (प), वम्बई -58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किय गया है:—

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाब को बाबत उसत अधि विवस के लशीर कर दोरे के बन्दारक के द्वारित्य के कसी कारने वा उसते बणने याँ स्टिशा की जिल बीड/सा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी घन वा अन्य वास्तिव को जिन्ह भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें स्विधा के सिक्ष:

धतः थव उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बन्यरण में, में, सकत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (१) के विधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्धात् क्रि-- (1) श्री रमेश कृपलानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा दोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी क्राउके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिष् कार्यनाहियां करता हूं।

सकत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ड-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचरा की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्षता के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के क्षत्र विकित में किए वा करें।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं॰ ए, २, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, वर्सोवा समिर को० – ऑप॰ हार्जीसग सोसायटी लि॰, अविनाश के पीछे, जे॰ पी॰ रोड, ७ वंगला, ग्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12876/84–85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहरु 🤢

प्रक्ष बार् .टी. एन .एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (। नरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई १ बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12710/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी नं० पलैट नं० 1, जो, प्रिया इमारत, ग्राउण्ड पलोअर, जुहू लेन, जुहू लेन झोपडपट्टी के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृज्य से कम के ड्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथावू बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में इस्तिवृक्त इस से कृतियत नहीं हिन्दा गया है हिन्दा

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस के बधीन कर दोनें के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों की किसी, जिन्हें आर्तीय बायकर बिधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या धन कर बिधिनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तिरिती स्वारा प्रकृट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियान में सुविधा के किसी

अतः अब , उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें , उक्तं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को स्थीन ा निम्नितिखंड अधिनायों हा स्थानि हैं 1: श्री दिपक माथुर ।

(अन्तरक)

2 श्री किशोर के० गणाता श्रीर श्रीमती गिता के० गणात्रा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति व वर्षन स निष्

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ा-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की ब्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी ब्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक् ब्रवित्यों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्ष्म किसी क्ष्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास विक्रित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया ग्या है।

"फ्लैंट नं 1, जो, प्रिया इमारत, ग्राउण्ड फ्लोअर, जुहूँ लेन, जुहू लेन झोपडपट्टी के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई -2, 387ईई, 12710, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🔢

प्ररूप बार्ड, टी., एन., एस...----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

श्रारत सरकार

कार्यां नव, सहायक बायकर अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई -2/37ईई/12469/84-85-2अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से विधिक है

श्रौर जिसकी सं ब्लाक नं ए, 6, जो, "इला दर्शन" को ब्लाक नं ए, 6, जो, "इला दर्शन" को ब्लाक नं ए, 6, जो, "इला दर्शन" को ब्लाक सं स्थान है। लि बिन्बर्ट हिल, श्रन्धेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक कि 15 −9 −1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से विधिक है और अन्तरक (अक्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से दिथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के सावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्तिधा कि लिए; अल्प्रिया
- (क) ऐसी किसी अाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उस्त निमिन्नम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त निमिन्नम की भारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नधीत् हि— (1) श्रीमती मालती जे शुक्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरूभाई डी० देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण्य — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

"ब्लाक नं v_I 6, जो "इला दर्शन" को-आप० हाउसिय सोसाईटी लि० गिरबर्ट हिल ग्रंधेरी (प) बम्बई -58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कै अई -2/37ईई/12469/84 -85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सझम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 **बम्बई**

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

श्रुक्त नार्'् ही, प्रमुख प्रमुख कर कर है

आयकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारते सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
वम्बई, दिनाक १ मई 1985

निदेश सं श्र म्हे- 2/37ईई/12416/84-85--- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 310/सी, जो, वर्सीवा जनकदीप को०— श्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी, 7 बंगला, वर्सीवा, बम्बई →61 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रोपकर श्रिधिनियम की धारा 269 कुख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 14-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनुवित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रे (तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पांचा म्बा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी-आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिंह; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्त्यां को, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमोहिनी गिड्मल ।
- (2) श्रीमृती रेहमूनिसा पिरबक्स दाउदः।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्यांहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकती।

शुसुची

फ्लैंट नं ० 310/सी, जो, वर्सीवा जनक दीप को ०-ग्राँप० सोसायटी, ७ बंगला, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/12416/84– 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहरु 🖁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर महिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्थीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12124/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० एफ०/3, जो, वर्सोवा सिल्वर व्ह्यू को०—ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, 35, जे० पी० रोड, वर्सोवा, वस्बई—61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-9-1984,

कारे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के अवनमान ब्रितफल के जिए अन्तरित की गई है जीर मूक वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्येक्ति संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके करयमान प्रतिफल से, एसे करयमान प्रतिफल का मुल्यह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिष् सब पाना गना प्रहित-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण ते हुई किती जाव की वाचत, उद्धः अभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में तृतिभा के हुँसए; और/था
- (क) एती किया बाव या कियी थर या अन्य आसिक्यों को, किन्हें बाहतीय बावकड व्यिनिन्द्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यिनिन्द्य या धनकर विधिनिन्द्य, 1957 (1957 का 27) के ब्र्योक्नार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, स्थिनने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री स्रनाहीता फिरोज छापगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रीतू दिवान ग्रौर एन० एन० उपाध्याय । (ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करफे पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के किए कार्वनाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तानील से 30 दिन की अविध , को भी स्विध विष के समाप्त होती हो, को भी तर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दिख-वर्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास निविद्य में किए का सके ने 1

स्पष्टीकरण:—-इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किश्यास के प्रभाव १८०० में जीरास्त्रीकर हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया ही ।।

अन्सूची

"फ्लैंट सं० एफ०/3, जो, वर्सीवा सिल्वर व्हयू को०-श्रापि हारुसिंग सोसायटी, 35, जे० पी० रोड, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37ईई/12124/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🔞

प्रकृत **वार**्ष टर्जिन पुत्र न प्रकृत सत्त - स्टब्स

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीत स्थाना

मायुव बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/12578/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक सं० 14, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, रुक्मणी पुरुषोत्तम को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधि-कारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 18-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिली आप की धावत, सक्त अधिनियम के अधीग कर दोने के क्लारक के बादित्व में कभी अरले का जससे स्वाने में सुविधा के लिए अधि-/या
- (ख) एली किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कैं बनुतरण क्रें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव, निम्मिलिखत व्यक्तिकां, अर्थात् ह— (1) ग्रासोसिएटेड इंजीनियर्स

(ग्रन्तस्क)

(2) श्री प्रदीप कुमार सन ग्राफ चन्द्री का प्रसाद श्रीवास्तवा ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्क्ष के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बतु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वास क्यांहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकेंगे

स्पट्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्शावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया असा हैं।

ग्रन्सूची

"ब्लाक सं० 14, जो, ग्राउण्ड फ्लीग्रर, रुक्मणी पुरुषोत्तम को०-ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12578/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहरु 🛭

प्ररूप बाहे. टी. एन. एस. ----

आयुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

ं भारत सरकार

श्रायांलय, सत्त्रयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/10413/84-85--- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के लभीन सक्षम भाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट सं० 203, जो, दूसरी मंजिल, बोकलीन को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 वंगला, ग्रंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वों कत संपत्ति के उच्चित बाजा मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बम्हरूच से हुए किसी बाय की वाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसके उचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाब वा किसी धन वा अन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट तृहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में - उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यंक्तियों, अर्थात ह— (1) श्री राम प्रसाद गप्ता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल डी० तन्वर मलानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के दिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िखित में किए का सर्कींगे।

र्निष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिसा ग्या हैं।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 203, जो, दूसरी मंजिल, ब्रोक्लीन को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, म्रंधेरी (प), बम्बई- 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० सं० श्रई-2/37ईई/10413/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षमं प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांव : 9-5-1985

प्रस्प बाई. टी. एव. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/10501/84-85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 9, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 39, श्री गुरू नगर, 4 बंगला, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मून्य से कम के दरममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्मित्त का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्कमान प्रतिकल से एसे दश्कमान प्रतिकल के पन्सह इतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिकित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 46---126 GI 85

(1) श्रीं धरमजीत तुलसीराम रत्तन ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री चन्द्रकांत ग्रनाजी बछाव।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अगीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थम के राज्यन में त्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्वी

"फ्लैंट सं० 9, जो, पहली मंजिल, इमारत सं० 39, श्री गुरू नगर, 4 बंगला, जे० पीं० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/10501/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🕄

हरूप बाहुं टी व एन. एक -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ऋई-- 2/3 7ईई/12452/84--85----- मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 302/सी, जो, तीसरी मंजिल, इमारत सं० 9, लक्ष्मी रतन को०--ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, ग्राफ जे० पी० रोड, अधरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं) और इससे उपावद्व अनुभूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसका करारनामा अध्यक्ष अधिनयम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 14-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आहेर मुक्ते बह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) कम्तरम से हुए किसी बाद की बादत, स्वर्ध विधिनयम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अन्, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, को, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीं राजीवा कुमार ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्गस एस० सयाल और कुमारी ज्योती एस० सयाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्तु सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कार्ड भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाहित्य हैं ---इसमें प्रयुक्त शब्दों की पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंसा हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 302/सी, जो, तीसरी मंजिल, इमारत सं० 9 लक्ष्मी रतन को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, ग्राफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रमुस्चो जैसा कि ऋ०सं० ग्रई-2/37ईई/12452/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण), क्रजन रोज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

ं प्ररूप√आइं . टी . एन . एस . ------

आयक्त अधिनियम न 1961 (1961 का 43)) की भारा 269-व (1) के ब्यीन स्वना

भारत सरकार

खार्यंत्र , सहायक नायकार नायुक्त (नि<u>र्</u>विक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं ॰ ग्रई-2/37ईई/11034/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 1301/ए, जो, 13वी मंजिल, ब्राईटन टावर इमारत, प्लाट सं ० 356, एस० सं ० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यं से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम् के बधीन कर देने के बंतरक के शिक्ति में कमी करने या उससे बुबूने में सुतिथा के निष्; ब्रीट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती विद्री जी विद्यानी।

्र (अन्तरक)

(2) श्री ग्रजय जी व केवलरामानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन के निष्
कार्यवाहियां क्रता है।

उन्त सम्मति के नर्जन के संबंध में कोई भी नार्शप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास दिवस्त में किये जा सकेंगे।

स्युष्टाकरण हु—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा वृक्षा हैं।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 1301-ए, जो, 13वी मंजिल, ब्राईटन टावर इमारत, प्लाट सं० 356, एस० सं० 41 (अंश), 4 वंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), वस्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/11034/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन । निम्नितिखित व्यक्तियों। अर्थात् ह

दिनांक: 9-5-1985

मोहर ।

प्र**क्ष** आर्ड्, टी. एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बस्बई, दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं ० ग्राई-- 2/3 गईई/11137/84-8 5--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, "सी" इमारत, न्यू चन्द्रा को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विरा देसाई रोड, अंधेरी (प), वस्वई--58 में स्थित है (और इससे उपादद ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिटिनियम की धारा 269 कख के ग्रिटीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-9-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशित्तक को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महेशचन्द्रकांतींलाल शेठ, कर्ता आफ एम० के० शेठ, एच० यू० एफ० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योती हरेशकुमार सोमैया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध / किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 6, जो. ग्राउण्ड फ्लोग्नर, "सी" इमारत, न्यू चन्द्रा को०--ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विरा देसाई रोड, अंग्रेरी (प), वम्बई--58 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि कि सं मई-2/37ईई/11137/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है.।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🛭

इस्य नाइ । हो । इसे प्रस्तान

भारत वृद्धित्वम् अ 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

HEE SECTION

कार्यास्य, बहायक वायकर बायुक्य (विद्धीस्य)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11035/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सज़म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का आर्ड हैं कि स्थावह स्थावि, जिसका उन्ह वावाह मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 602, जो 6वीं मंजिल, श्रकार्ड ए० इमारत , प्लाट सं० 17, एस० सं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ध्यमान श्रिकत के निए बन्धाइत की गई है जाँद मुझे यह विश्वास करने का काइल है कि युवापूर्वोक्त जमित का स्तिह बावाड़ मृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एवे क्यमान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिकत से विभिन्न हैं जार बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरम के बिए एय गया प्या श्रीक्कत, विश्वतिशिव उद्योक्त से उक्त क्लाइम् विश्वत में बास्तिक रूप से क्षित वहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरक से धूर किसी बाब की बावल उनक् स्वित्वस्य के स्थीन कर दोने के बन्तरक से सायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आध या किसी धन या बन्य क्रास्तियां को, चिन्हें धारतीय बाय-कड विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उचत विधिनवम, 17 चन-कड विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिमाने में सूविधा के सिव्ह;

बक्द कवा उत्तर विधित्वक की भारा 269-म के अनुसरण वै , वै उत्तर विधित्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) से बचीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्षाद्य क्रिक (1) श्री विनोद कुमार चौप्रा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मार्था मंधोर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वयस बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के नर्जन के विष्

उपत समारिता के अर्थन के इच्यान्य में कोड़ औं बाकोप ८---

- (क) इस स्कूजा के सक्तान में अन्यासन की दाडीस से 45 कि की स्वीत या स्टब्सन्थी स्वीत्त्यों पर सुक्ता की सावीस में 30 दिन की मनिन, जो भी क्तृपि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर स्वीतस्वा में से किसी व्यक्तिस ब्वास;
- (क) इन्हें सूच्या के अवपन में प्रकाशन की तारीत से 45 फिन के शीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध क्विती कब्द ध्यक्ति ब्वाय नृष्हिस्तास्त्री के वास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्व

"फ्लैंट सं० 602, जो, 6वीं मंजिल, ग्रकार्ड-ए इमारत, प्लाट सं० 17, एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37ईई/11035/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सहयिक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

मोहर 🕄

श्रुप बाहुं हो । प्रवट प्रवटना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीद सूचना

भारत शरकार

कार्यानय, रहायक नायकुर वाबुक्त (निर्द्शक्त)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/11038/84-85--म्रतः मुझ, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट सं ० 406, जो. 4थी मंजिल, बेल्मोण्ट इमारत, प्लाट सं ० 340, एस० सं ० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्भित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिकल से, एसे उश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निक्कृतिबल समूद्रिय से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिबक अप से कथित नहीं किया प्रा इंड---

- (क) बन्तरण सं शुद्धं किसी आय की बावत , उनव अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में ऋभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर∕वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हें आरतीय बायकड़ विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, जिपान में सुविभा के निहा;

अतः अवः, उन्ते अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कों। मैं उन्ते अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीना निकालियिक व्यक्तियों। वर्षात है—

(1) श्री नन्दलाल एम० इसरानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बलवन्त कौर विकी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना लाडी कड़कें पूर्वोक्द सम्परित कें अर्जन की जिए कार्यनाहियां कड़ता हूं !!.

उत्तर सम्मत्ति हैं वर्जन के सम्बन्ध में कोई शी वाशीप क्ष-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को औ ब्रह्मिं बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हनारा;
- (क) इस स्थान के रावप्त में प्रकारन की तारींब से 45 दिन को भीदर उक्त स्थानड़ सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, नेधोहस्ताक्षद्वी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त करून हु-इसमें प्रयुक्त कर्न्यों बाह्न पूर्वे का, को उनले व्याप 20-क में परिभाषित विकास है। वही वर्ष हुए। को उस क्ष्माय में दिया क्या हुए।

ज्ञान सु

ग्रनुसूची जैंसा कि कि एं ग्रई-2/37ईई/11038/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 7-9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण): ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप नाहरें. टी. एन. एस. ------

बायकर विधिवयंत्र, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वर्षीय स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गवक आवकर आवक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/10419/84-85--- ग्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 310, जो, डी-विंग, तीसरी मंजिल, वृन्दावन , वीरा देसाई रोड, श्रृंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा स्नायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजिस्दी ॅहै, दिनांक 1–9–1984**,**

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान **इतिक्य के किए जन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास** का कारण है कि ववापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य ज्यके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल के पेंद्रह प्रविवत से अधिक है और अन्तरक (अन्वरका) और अन्तरिती (बंदरितियाँ) के कीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फन, निम्नतिसित उद्दूष स्व ते उनत निस्त में वास्त्विक रूप से वास्तिक स्पा ते कथित नहीं किया गुवा है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारियत्व में सभी कहने या उत्तरे वचने में सुविधा के विष्टुः बीष्ट्र/या
- (प) हेरी किसी वाय या किसा धनका अन्य बास्तयाँ को, जिन्हें भारतीय वाबकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, सा बनकार विविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, खिपाने कें स्विषा के खिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बंधीन - निम्नीलिकत व्यक्तियाँ, अर्थात् 🛌 👚

(1) श्री एस० जी० खातू ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० पंजरे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इंड सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्त्वस्थल्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिंन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) हुत सूचना के त्याचपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीकर उच्छ स्मावर सम्मत्ति में डिस्टबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंगे।

लाक किरण: इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, वो उक्छ की पनिवन, के बच्चान 20-क में परिवर्तिक हैं, कही बर्थ होगा को उस स्थाप में दिया नया है।

ग्रनुसुची

"फ्लैट सं० 310, जो, डी-विंग, तीसरी मंजिल, वृन्दावन, वीरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/10419/84-

85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-

1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12757/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० सी०-303, जो, वस बा रतन नगर को०-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि० 4, वंगला, वम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-9-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके व्ययमान प्रतिष्ठन सं, एसे व्ययमान प्रांत्रकल का पन्तह प्रांतशत से अधिक हैं आँर अन्तरक (अन्तरकों) आँर अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अंतरिष के बिए दय पाक नया प्रांत्रकत, निम्मिनिकट उद्देश्य से उसत अंतरण निविद्य में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) बंदरण संहूइ किली भाग की बखत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उग्नस बचने में सुविधा के सिए; सार/पर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए,
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्युवितयों, अर्थात् :---

- (1) श्री अशीय में हता और श्रीमती शृहतला में हता (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती सुनन्दा नारायण राउत ग्रौर प्रकाश नारायण राउत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त बुम्पित् के वर्जन के बम्बन्ध में कोई श्री बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से \$5 दिन की खबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् राचना की तामील हो 30 दिन की बडींच, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उसत स्थापर स्थापित में हिल बढ़्थ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के शक्त किसी हिला में किस का सक्तें ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० सी-303, जो, वर्सोवा रतन नगर को०-ग्रॉप० हाउंसिंग सोसायटी लि०, 4 बंगला, बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/12757/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनांक: 9-5-1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

ब्राइत सर्कार

कायानयः, सहायक जायकरु नायुक्त (ति. शिक्षक)

म्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11130/84-85 — अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 605, जो 6 वीं मंजिल, अकार्ड-ए, इमारत, प्लाट नं० 17, 4 बंगला, वर्सोवा अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मित्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्कर अधिनियम के सभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में मृतिभा को लिए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय कर अभिनियम । १९४२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के निष्

्बतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 47—126 GI/85 (1) श्री अशोक रामचंद।

(ग्रन्तरक)

(2) अनील जेक पंजाबी और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के तिए कार्यकाहियां करता हुं।

जनत सम्पुतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनुसुची

पर्लंट नं० 605, जो, 6 वीं मंजिल, प्रकार्ड-ए, इमारत प्लाट नं०17, 4 बंगला, वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/11130/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तरीख: 9-5-1985

प्ररूप बाई . टी . एन . एस-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश संo ग्रई-2/37ईई/11123/84-85---अत:

मुझे, लक्ष्मण दास्,

आयंकर जीवनिष्य, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें वह विद्यास करने का कारण है कि स्वावद सम्बन्धि, जिसका उच्चि बाजार मृत्य 1,00,000/- का बोजार है

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगईं है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंक्त वृवोंक्स सम्पन्धि का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के वन्सह प्रविक्रत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित वों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नील सित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित के वाल्किक रूप से किया नहीं जिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए: और/सा
- (हा) ऐसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १६८७ (1957 का 27) ते प्रकोबनार्थ अपनियम हिए बारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

वत: कव, उन्ह अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नितिषक मिलतमों, मुर्भातः (1) श्री जॉन रोझारिओ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति के० एस० स्रात्मारामानी।

(ग्रन्त(रती)

कर्न यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी धाक्षेप रू—

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अवीध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस तुन्ता के राज्यत में प्रकाषन को बारी के वे 45 दिल के भीतर उक्त स्थायर सम्मीत में दिला-बहुध कि की भीतर उक्त स्थायर सम्मीत में दिला-बहुध कि की अपन क्योंकत व्यापा अधीक्ताकारी के पास सिविस में किए जा सकींगे।

स्थल्दीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिभिषयम के सभ्यास 20-क में परिभाषित है, बह्मी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंका है।

अनुसूची

पलैट नं सी-003, जो, इमारत नं 7, को - म्रॉप वहाउसिंग सोसाइटी लिं, 4 143/2/बी, सर्वे नं 143, अंधेरी, है।

ग्रानुसूची जैसा कि क सं० ग्राई-2/37 रहा 1112 जा ० ४ ०० और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-5-1985

मोहुर 🛭

प्रस्त केंद्रिक की कुष्य में प्रश्न के के के मानवार रि

भारकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की कास 269-म (1) के विभीण सुमार

alza eraid

कार्बालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/12602/84-85—म्रत. मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह किस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र वाचार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जो पहली मंजिल, मोहोटटा इमारत प्लॉट नं० 95, श्री राजस्थान हाउसिंग को ग्रापरेटिव सोसायटी, जे० बी० नगर, अधेरी पूर्व) बम्बई—59 में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और सूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री के विकास 18 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिद्यक्त के बिष् बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पायक ध्या शित्रकल, विम्निचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किश्विष्ठ में बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबते बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल बी अबी करने वा अबंब क्यने के बुविका के जिल् अदि/बा
- (क) एसी किसा नाम या किसा भन ना नत्म जास्तियाँ की विन्हें भारतीय नायकर निविन्नमा, 1922 (1922 का 11) या सन्त्र निविन्यमा, या सन्त्र जीवनियमा, या सन्त्र जीवनियमा, या सन्त्र जीवनियमा, या सन्त्र जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ निवासिय प्रकट नहीं किया स्था या या किया माना चाहिए था। कियाने, जे स्थिया के सिक्ष;

जतः अव, उक्त अधिनियम की थाए 269-घ के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की वाब 269-घ की डपवास (1) के अधीर, निम्नेशिविष व्यक्तियों, वर्षक क् (1) श्री नेमीचंद द्वारकादास प्रग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश शिव प्रसाद रूंगटा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीकत संपत्ति के वर्षन के किए कार्यग्रीहर्ण करता है

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी बालंध :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की बारींब से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्या की सामील से 30 दिन की वर्षीय, जो की कंपीय वास में समान्त होती हों, के भीतर प्रकेंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कवारा:
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की हारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बन्ति में हिल बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बड़ोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण क्यामें प्रयुक्त क्यां और पतों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होसा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

मग्स्थीं-

्षलैट नं 10, जो पहली मंजिल, मोहोटटा इमारत, प्लॉट नं 95, श्री राजस्थान हाउसिंग को ग्रापरेटिव सोसाइटी जे बी नगर, श्रंबेरी (पूर्व), बर्म्बई-59 में स्थित है। ग्रमुस्ची जैसाकी का सं ग्राई-2/37-ईई/ 12602/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहस्वक जावकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन | रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37म्रईई/ 12993/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वाषकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से बिधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट ने० 17-बी, जो इमारत नं० आनंद प्रकाश सुयोग को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि सी० टी० एस० नं० 75, क्रोंडिविठा रोड़ अंधेसे (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर इसिंगियम की धारा 269 क ख के अधीन दिनांक सक्षम प्राधीकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ते कम के क्षममान बितिपन्त के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे षच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन या जन्म जास्तिबों को जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बाधन-कर अधिनियम, बाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरियों इबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उसत अविनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, जों, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निचिधा व्यक्तियों, अर्थात् हु— श्रोहर :

- (1) थामस बी०, ग्ररान्हा।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वासंली एस० शेट्टी.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उपत सम्मत्ति के अर्जन के सन्धन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र वा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, सा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्वाहै:

धन्ष्यी

"फ्लैट नं० 17 बी, जो इमारत न 1, आनंद प्रकाश सुयोग को-स्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, सी० टी० एस० नं० 75 कोडिविटा रोड़, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसाकी कि सं श्रिड्स 2/37 ग्रईई/ 12993/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को र्राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

श्रक्ष बाइ .टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

"निदेश सं ॰ अई-2/37ईई/12555/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 101, जो, 1 ली मंजिल सी०एस० नं० 439, विलेज, कोंडिविटा गावठाण, 60 फिट डी०पी० रोड, जे० बी० नगर, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के, लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों)। और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्छरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिमिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गणेश डिवलपर्स।
- (अन्तरक)
- (2) श्री संजीवा करकेरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

पलैंट न $\overset{\circ}{0}$ 101, जो $\overset{\circ}{0}$ 1 ली मंजिल, सी०एल० नं० 439, विलेज कोंडिविटा गावठाण, 60 फिट डी०पी० रोड, जे०बी० नगर श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/12555/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 17-9-1984को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहरू .

प्ररूप बार्ड , टी , एन , एस , ----

अगळक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12139/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दासः

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० ब्लाक नं० 12, जो, 2 री मंजिल, गुलम।र ए, गुल-ई-बाग को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माउन्ट मेरी, एस० बी० रोड, ब्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजत है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उसत बिधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरकं के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जता बन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में प्रदेश अनत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स— (1) श्री हसन जिवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री कासमअली जे० तेजानीं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बंबन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावः सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीर्धानयम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

बन्स्**चीं**

ब्लाक नं 12, जो, 2 री मंजिल, गुल-ई-बाग को -आप ० हाउसिंग सोसाइटी लि०, गुलजार-ए, माउन्ट मेरी, एस० बी० श्रांदा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/12139/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-5-1985 मोहर 🖟 प्रस्य बाह . टी . पुन . पुत .----

बायकर अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक बायकर बायकत (निर्जीक्षण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 9 मई 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/12559/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं पलैंट नं 203, जो, 2 री मंजिल, सी एस नं 439, विलेज, कोंडिविटा गावठाण, 60 फिट डी पी रोड, जे बी नगर, संघेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है। (स्रौर इस उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-9-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रंत्र का प्रतिफल का प्रंत्र प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्वरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरमं से हुन् किसी काव की बायदा, उनत अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन श निम्मनिष्ठित व्यक्तिकार्थें स्व अधीन श्री किस्सी स्व (1) श्री गणश डिवलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुमल घनश्याम दास सुखानीं। (अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभान्न तारा से पास विस्ता में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होमा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

पलैट नं 203 जो मं2री जिल सीं एस नं 439 विलेज कोर्डिविटा गावठाण 60 फिट डी पी रोड जे बी नगर अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-2/37ईई/12559/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अर्जन एच० सचदेव।

(अन्तरक)

बायुक्र वृधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमतीं सविता एस० छात्रिया।

(अन्तरिती)

बार्य गुरस्र

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अजन रेंज-2, बन्बई

बन्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई 10604/84-85— अतः मुझे लक्ष्मण दास

भावकर विधिनियम, 1965 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ध के अधीन सक्षम विधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट णं० 52 (ग्रंग) जो वीन्स कार्नर प्रिमाय सेस को०-आप० हाउसिंग सोस इटी लि० प्लैट नं० 65, 16 ग्रीर 29 रोड बांग्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसक कर।रन मा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बारार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तर्रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत उक्त बाँध-रिवृष्ट के स्थीर कर दोने के अन्तरक के ताबित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविशों के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करे, जिन्हें भारतीत बायकर कृधिनियस. 1922 (1922 का 11) श अक्त अधिनियस. या धन-कर अधिनियस 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, जिन्नाने में सुविधा के लिए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर् में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नजिमित अकित्यमें, अर्थात् को वह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन है विष्

उक्त सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में के के भी आक्षेत्र :===

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

reactions of pages for the first of the firs

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 52 (ग्रंश) जो, क्वीन्स कार्नर प्रिमायसेस को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी प्लैट नं० 65, 16 ग्रीर 29 रोड, ब्रांदा बम्बई-50 में स्थित है।

अनसूची। जैसािक क सं० अई-2/37ईई 10604/84-85 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारादिनांक 7-9-1984 को रजिस्ट ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🤌

प्ररूप बाइं.टो.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निरेश सं० अई-2/37ईई/12481/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मृत्य 1,00,000/- रज. से अधिक हैं

अरे जिसकी सं ० फरैट नं ० 11, जो, 2री मंजिल, वरोडा अपार्टमेंटस को ० ग्रोप ० हाउसिंग सोसायंटी लि०, फरैट नं ० 170, म्युनि संपल नं ० 10, वरोड़ा रोड़, बांद्रा, बम्बई—50 में (स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण हप से विणित है) ग्रीर जिन्न शा करारनामा आजा र अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के ग्रीति बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है, तारीख 15—9-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्ह से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल के निए तक के निए तब गया गया प्रतिफल के निए तक हों किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सविधा के लिए; कौड/सा
- (इ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 102% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1)-श्रीमती डिलाईला एम० कारवाल्हो ग्रीर श्रीमती हिपोलिटो बी० कारवाल्हो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेर्था मरीया डिकास्टा श्रीर श्रो एन्थोनो इमिलिग्रो रोक्षारीग्रो डिकास्टा।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी अवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति ह्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रपत्नि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गृह किसि में किए था क्योंन।

स्वव्यक्षिक्षरणः — इसमें अमृक्त हब्दों और पदी का, जा उक्स अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विव्या कृत हैं के

वन्स्वी

फ्लैट नं० 11, जी, 2री मंजिल, वरोड़ा अपार्टमेंटस, को० स्रोप० हांउसिंग सोसायटी लि०, प्लैट क्रं० (170), म्युनिसिपल, नं० 10 वरोड़ा रोड़, बांद्रा, बम्बई--50 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क्रम सं० अई-2/3/ईई/12481/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धाँरा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्वई, दिनांक 9 मई 1985

लक्ष्मण दास

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार्त कला अधिनियम' कहा गया है"), की भाग 269-क के अधीन मक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 12-ए, जो "पदमदीप" उदीता को० श्रोप० हाउसिंग सोसत्यटी जिं०, माहीम, बम्बई में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिस हा करा रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ड़ी है, तारीख 19-9-1984,

का पूर्वीकत मंपरित को उचित बाबार मृत्य से कम के कामकान अतिकल के लिए अंतरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का करिंग है कि यथापूर्वोक्त सध्यत्ति का उपित बाजार मन्द उसके दरयमान पीतफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्दह बतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पावा नवा श्रीतफल, निम्नलिखित उद्योग्यों से उस्त बन्तरण निकल में थास्तरिक अप से कथित नहीं किया नवा है :----

- (क) बानरण में हुई फिसी जाब की बास्त, ्ि अप के अभीन कर इने के बन्तरक औ बादिल्य के कमी करने क उससे स्थने में गरिक्क में सिए; वरि/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आफ्तियां का. जिन्हें भारतीय असकार अधिनियम, 1922 (1922 का है। या उक्त अधिनियम, या धर-कर उधिनियम, 1957 (1957 का 17) बे पयोजनार्थ नंतरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया था 😕 किया जाना चाहिए था कियाने में सकिया S. Caller

अतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसैरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात :--

(1) श्रीमती रोस बरेट्टो।

(अन्तरक))

- (2) श्री महेश मनोहर कुबल ग्रीर श्री मनोहर वासुदंव ।
- (3) स्रीमती रोझनरेट्टो

(अन्त रती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह शुक्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाही शुरू करता हूं।

टक्त सम्पर्टि को नर्जन को संसंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दा और पदा का, जो उक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका है।

ग्रनुस्ची

प्लैट नं ० 12-ए, जो, "पदमदीप" उदीता को ० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, माहीम, बम्बई में स्थित है।

अन्सुची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई 126/21/84-85 श्रीर जो सञ्जम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँ ह 19-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अधुकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 9-5-1985

प्रारुष नाइं. टी. एन. एस. -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई [`]बम्बुई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/11094/848-5--अतः मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक'हैं

ग्रीर जिनेकी सं० फ्लैट नं० 701, जी, 7वीं मंजिल, विग ए "हाईलैंड कोर्ट इमारत, प्लाट बिन्नरिंग सी० ठी० एस० बजार रोड़, म्युनिसिपल मार्कीट के पास, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिन्न हा करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारीं के कार्यालय में र्जुजरहों है, नारींख 7-9-1985

का पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर द्वीने के जन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स रिजवी इस्टेटस एन्ड हाटल्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरीअम सलिम घोरजीवाला और श्री सलिम गफार घारजीवाला।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन् अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

पतिट नं० 701, जो, 7वीं मंजिल, विंग ए हाईलैंड कोर्ट इमारत, प्लाट बिर्जीरंग सीं० टा० एस० नं० 325, 327 फ्रौर 336, 342 बजार रोड़, म्युनिसिपल मार्कीट के पास, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं अई-2/37ईई/11094/ 84-85 धौर जो अभ्रम प्राधि गरी, वम्बई हारा दिनांक 7-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> े लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

इस्प नाइ'.टी.एन.एख.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई 11095/84-85--अतः **मुझे** लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्लाट नं० 103, जो 1लो मंजिल, बी-विग"हाईलैन्ड कोर्ट इमारत, प्लाट नं० बेर्जारग सी० टी० एस० 2325 से 327 ग्रीर 336 से 342, वजार रोड़, म्युनिस्पल मार्कीट के पास, बांद्रा, बम्बई—57 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनाम। आयार अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 7-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के शिक्तियम के अधीन कर दोने के बंतरक के शिक्तियम के अधी करने वा सससे बचने में सुनिधा के लिए: बॉर/वा
- (श) ऐसी किसी बार्य मा किसी धन मा बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने ने सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स रिजवी इस्टेटस एन्ड होटल्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) मञबूल रभाई श्रौर स्वाबवाई गुलाम हुसेन।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

बन्स्पी

फ्लैट नं 103, जो, 1ला मंजिल, बो जिंग, हाइलैंन्ड कोर्ट" इसारत, फ्लैट बेऑरिंग सी० टी० एस० नं० 2325 से 2327 भ्रौर 336 से 342, म्युनिसिपल मार्कीट के पास, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/11095/84-85 श्रांरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप आइ².टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12613/84-85--- प्रतः ्मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1-961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न ० 302, जो निशांत, मालवीय रोड़, सर्वें नं० 83; एस० नं० 15, विले पाले (पूर्व), बम्बई—83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के/उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आयाया किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानाँसों स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कांचनबेन गोविन्दलाल पटेल ग्रौर श्री गीविन्द लाल छगनलाल पटेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीती सुनिल शेठ ग्रौर श्री नटवार लाल शेठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

प्लैट नं 302, जो निशांत मालवीय रोड़, सर्वे नं 83, एच नं 15, विले पाले, बम्बई - 83 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं ग्राई - 2/37ईई/12613/

अनुसूची जैसा कि कम सं अर्ड-2/37ईई/12613/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी पक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्रकार बार्ड . टी. एव. एस् .----

'बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचनः

बारत सरकाड .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11122/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बांयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्यें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय को बाबत उक्त बाय-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; बार/बा
- (ख) एंसी किसी बाय वा किसी थग वा बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए;

पत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसर्भ भं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री भगवानदास खेमचन्द पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री अनुप सिंह अवतार सिंह छधा।

(म्रन्तरिती)

को वह सूचना बादी करके पृक्तित सम्मृतित के सर्वत के तिए कार्यवाहियां शूक्ष करता हुं।

उनत रूपरित के वर्षर के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर्ड :-

- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ नर स्थान की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इद वृषता के राज्यन के प्रकारण की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पार् विकल में किए वा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

पलट नं 0 102, जो डिलाईट डन, सब प्लाट नं 9, प्लाट नं 3, ग्राफ इर्ला नाला, विले पालु ग्रीर ग्रंधेरी के बीच, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कमसं० ग्रई-2/37ईई/11122/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्रकार बार्ट टी. एन. ६व. ----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11028/84-85--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रलैटननं 1, जो, ग्रांउन्ड फ्लोर, "द्वारका" सरस्वती - रोड़, सांताकुज, (प), बम्बई - 54 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-9-1984

को पर्वोक्त समानि के उचित बाजार में समें यह विश्वास करने शितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह शितश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण बिखित में बास्तिवक 'हप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्या जातिए।

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-्य की उपधाराः (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री नन्दलाल द्वारकाप्रसाद ग्राचार्य।

(म्रन्तरक

(2) श्री बन्सीलाल किशनदास सराफ।

fi)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् ची

फ्लैंट नं ० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, "द्वारका", सरस्वती रोड़, स्राताकुज, बम्बई-54 में रिथत है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/11028/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :9-5-1985

प्ररूप 'आइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12951/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है .

श्रीर जिसकी सं० 7, जो, 2री मंजिल, राजगिर मैंशन, खार दांडा, झोपडपट्टी के सामने, 16, श्रम्बेडकर रोड, खार, बम्बई – 52 में स्थित है (श्रीर इसे उराबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हः) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दृह पी 0 नागपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ललित एम्० वाधवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में 'हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत कि अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पलैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, राजिशरमेन्शन 16, श्रम्बेडकर रोड, खार दांडा झीपडपट्टी के सामने, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/12951/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मांहर :

प्रका बाह् : डी. एन. एक

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्चना

मारत वरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं ० अई-2/37ईई/12792/84-85-अत: मुझे, ंलक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 5, जो, पहली मजिल, इमारत सं० 6,रामा कृष्णा को०-अप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० रोड सं , जै० बी० डी० एस०, बम्बई-49 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधी. सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-9-1984,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाचार मृत्यं से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफूल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक । (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए इब पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देश्य से जेक्स अन्तरण चित्र में बास्तिनक रूप से किथत नहीं किया नदा है ह-

- (क) बंदरण से हुई किसी आप की बावस, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के बंदरक के दाबित्व में कमी करने या जुतते बचने में सविधा - न्दे निए: वरि/वा
- (क) धेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अास्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर बाधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ब्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निरः

बाद: अबं, उन्त आधानयम का धारा 269-ग क बनुसरण , मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की डपधारा (1)人 के सधीन : निय्वत्तिखत् अवितर्शे , वर्षात :---49-126 GI/85

- (1) श्री प्रेमचन्द थन्वरदास लाखवानी ।
 - , (अन्तरक)
- (2) श्री चेताराम गंगाराम भगतानी ग्रीर श्रीमती लक्ष्मी चेलाराम भगतानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड ष्यमित्यों में से किसी व्यक्ति दुनाय;
- (ब) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

"फ्लैट सं०ु5, जो, पहली मंजिल, इमारत सं०, रामा कृष्णा को०-आप० हाउसिंग सोसायटी, एन० एस० रोह नं०, ंजे० वी० डी० एस०, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12792/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

RIEG COM

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37अईई/12151/84-85-ंअतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे। इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 11, जो, दूसरी मंजिल, जलदेव को०-आपं० हाउसिंग सोसायटी लि०, लैट सं० 491, परोड़ सं० 33, टी० पी० एस० 3, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), मौर जो करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14क 9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रम्यमान क्षितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रीक्षशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई कि ती बाव की वावत स्वयत विध-विषय को बधीन कहा दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के बिए;

अतः अन्तः, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मं, उन्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नविचित व्यक्तियों, अर्थाह् —

(1) श्रीमती नीता पिटूलाल लूल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुराद अली अब्दुला वाग ।

(अन्तरिती)

(3) श्री मुराद अलो अब्दुल्ला वागच ग्राँर उनका परिवार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यव्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

नन्स्ची

"फ्लैंट सं० 11, जो, दूसरी मंिल, जलदेब को०-आप० हाउसिंग- सोसायटी लि०, फ्लैंट सं० 496, रोड नं० '3, टी० पी० एस० 3, बांद्रा, बस्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/12151/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंजर-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्रस्त् बार्षं . टी . युद् . एवं क्रानेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का धारा भाडा 269-भ (1) के अधीन सना

ब्राह्म ब्रह्मक

कार्यांनय, बहायक वायकर वायुक्त (निर्दाशक)

अंर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/11032/84-85--अतः मुझे, 'लक्ष्मण दास

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ से वधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 22, जो, गणेश को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, रोड नं० 5, प्रभात कालोनी, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-9-1984,

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए।

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् है— (1) श्रीमती कावनबनं मोतीलाल शहा ।

(अतरक)

(2) श्री बाबूभाई आर० पंचाल

(अन्तरिती) -

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यम्त्यी

"फ्लैट सं० 22, जो, गणेश को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, रोड़ नं० 5, प्रभात कालोनी, सांताकुज (पूर्व), बम्बई— 50 में स्थित है,।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11032/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं भारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं॰ अई-2/37ईई/12725/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 6, जो तीसरी मंजिल, बॉम्बीनो अगर्टमेंट, फ्लट सं० 39, वर्ष एवेट्यू 18वां रास्ता, सांताकुज (प), बम्बई में ज्यित है (म्रोर इससे उपाबढ अनुसूची में मीरें पूर्ण रूप से विणित है), मौर जिल्हा एउरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के बिके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजरही हैं, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के हरमभान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए हब पाया गक्ष प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गलदीय सिंग ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनदास अहूजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शम्ब्र बार पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

"फ्लैट नं० 6, जो, तीसरी मंजिल, बाम्बीनों अपार्टमेंट, फ्लैट मं० 39, नाय एवेन्यू, 18वां रस्ता, सांताकुज (प), बम्बई म । स्थत है !

ं अनुसूची जैसा कि कि कि अई-2/37ईई/12725/84-85 ग्रोर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी हिंधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दनोक : 9-5-1985

मोहर 🗧

प्रस्प बाह'. टी. एव. एव.-----

मामकार मुचिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-य (1) के मधीन क्यांग

मार्त सरकार

कार्यात्रमः, वहानक नामकर नामुक्त (निर्याक्षण)

मर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं॰ मई-2/37ईई/12923/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है'), की वाख 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है' कि स्थावर संपरित प्रसंका अधित काजार स्वय 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० पर्लंट सं ० 16, जो, प्राउण्ड पर्लोग्नर, शिव निवास को०-ग्राप । हार्जासग सोसायटी लि०, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राह्मित्यम की धारा 269 कछ के ग्रधीन, सक्षम प्राह्मितारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-9-1984,

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान जीतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कारने का कारण है कि सभार्जीक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकास सं, होसे क्यमान प्रतिकास का अन्यक्त प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकित में बास्त-विक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत सक्त निध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/वा
- ेश) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सृविधा से बिए;

बतः अप, इंक्स बीधनियम, की घारा 269-न के जन्सरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीसीवत व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) कुमारी कमलाबाई और श्री हेमनदास थावूमल । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीकांत जे० शोक और श्रीमती प्रतिमा श्रीकांत सेक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कर्को पूर्वीक्त स्थ्यति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्थन के संबंध में कांड्र भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निष्कृत में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण: इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

"फ्लैट सं० 16, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, "शिव निवास", को०-भाप० हार्जासग् सोसायटी लि०, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/12923/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी हायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

: प्रद्वित

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के वधीन बुचना

HISE EXCUS

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ग्रईई/12896/84-85-ग्रतः मुझे [लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फेलैंट सं० 2, ई-4, विजयनगर अपार्टमेंटस मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), वस्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित को स्पित बाजार मूल्म से कम के स्रक्रमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल के वंद्रह् प्रतिक्षत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पावा मदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्या अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबब, उक्क अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की बिन्हों भारतीय आय-कर स्थिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए आप, खिपाने में सुनिया के चिह;

वतः अव, उक्त अधिनियम की भास 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीग, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री शौकत एच० टायरवाला ।

(अन्तरक)

(2) केशवीजी दामजी शहा और मन्य । (ग्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वों कर सुम्पृतिक के स्वीम के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

डक्ट संपृतित के मूर्वप के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह----

- (क) इस त्यमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी जन्भि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के द्वाज्यक में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंदे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राधित्र है, बही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिका यस हैं।

अनुसूच।

"पलैट सं० 2, जो, इ-4, विजय नगर ग्रपार्ट मेंटस, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/12896/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🜮

प्रस्य बाह्र दो .एन .एव

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यासव, सहायक जायकर जायकत (विद्वीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12718/84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त कि धिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, बिसका अचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट सं 13, जो, शांतीनगर इमारत सं ए, शांतीनिर को०-ग्राप० हाउसिंग सोसा० लि०, प्लाट सं० डी० 5 और डी०-6, जे० बी० नगर, अंबेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रहिनियम की धारा 269 के, ख के ग्रधीन सक्षम श्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया थया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्छ अधिनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्के बचने में सुविधा के खिए; आर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अप्तिति व्वाचा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए का किया में सुविधा के निक्त

बता अब , ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कंवल प्रताब सिंग और देविदरपाल सिंग कोहली। (ग्रन्तरक)
- (2) सुखदेव सिंग और अन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहिया सूक्त करता हुने।

उपत तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के स्वयंत्र में श्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्स्वश्वनधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत स प्रकाशन का तारिक दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पीत्त में दितवय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस जन्याय में दिसा गया है।

धनुसूची

"फ्लैट सं० 13, जो, शांतीनगर इमारत सं० ए, शांतीनिर को०-आप० हार्जसग सोसायटी लि०, प्लाट सं० डी-5 और डी-6, जे० बी० नगर, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12718/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षरा दिनांक 22-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🥫

ANN AUG CEL UN GREETER

भावकर जर्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

शारत चुड्रकार

कार्यांसय, सहायक बायक र बाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/12106/84-85-मत: मुक्के, लक्ष्मण दास,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'विश्वस्त उच्चित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विश्वक है

और जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 31, जो विजय नगर, मरोल विलेज उन्देरी पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रानियम की छारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-9-1984,

की र्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजहर मृत्य से क्या को क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवसान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिशत स पविक है और अंतरक (अंतरकों) और अंदरिकी (अंतरितिमों) के बीय एसे अंतरण को लिए तय पामा क्या प्रतिफल निम्मलिखित उच्चरिय से उच्छ बंतरण सिवित में वास्तिक क्या से याचित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण हं हुई किसी आय की बाबत, उक्त कीशीयहम के वशीन कर दोने के बंतरक के बावित्व में कबी करने या उसहें वसने में नृतिशा के शिए; और/का
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य द्रास्तिकों , कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का "11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ कंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया धाना वाहिए था, जिया औं अधिभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सुन्दर जी० मेंडन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमणलाल पी॰ पुरोहित।

(म्रन्तरिवी)

को यह सूचना जारी फर्के पूंचीक्स सम्मत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्त्रक्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाश्वन की टारीश से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्वस्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त सुन्धी और पदों का, को सबत विभिन्नम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा

वन्स्ची

"फ्लैट सं० 31, जो, विजय नगर, मरोल विलज, अधरा (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम० सं० अई-2/37ईई/12106/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/12505/84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पलैट सं० औं जो, पहली मंजिल, "मीनाक्षी ग्रपार्टमेंट", सर्वे सं० 160, ए० सं० 3, सी० टी० एस० सं० 945, मरोल मरोशी रोड, विलेज मरोल, अंधेरी पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्पिनियम के क्पीन कर दोने के अन्तरक के खिटल में कमी करने ना उससे बचने में त्रिया के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब दा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर। अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविका के जिल्ह;

भतः वयः, उक्त वर्षिनियम का धारा 269-ग क अनुसरण भां, मां, उक्त अधिनियम की धार 269-व की उपधास (१) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्याः, अर्थात् :----50—126GI|85 (1) मेसर्स विराट कन्स्ट्रेनशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती फरीदा फिरोज मचट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पाश विस्ति को किए वा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय / 20-क में प्रिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिरा पका हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 6, जो, पहली मंजिल, "मिनाक्षी अपार्टमेंट', सर्वे सं० 16, मरोल मरोशी रोड, विलेज मरोलं, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{5}{2}$ $\frac{12505}{84}$ $\frac{85}{2}$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{17-9}{2}$ $\frac{1984}{2}$ को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचरा

भारत सरदार

कार्यां लय, सहायक आयकर बाय्वत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-2, वस्वर्ड

वनबई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/12767/84-85—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्स इसमें इसके प्रचांत् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लब्ध के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ज है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एहस्मान प्रतिफल है, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिती) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच पूर्व बन्तरण के जिए तय पावा पथा प्रक्षिक्त , निम्निक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि है हास्त्रीविक रूप में किथत नहीं किया नमा है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाल्स, उनकर अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक थे दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तित्यों, अर्थान :--- (1) मेसर्स विराट कन्स्ट्रक्शन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० रदी कुमार और एम० टी० कुमार वास् ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादिशं करता हूं।

उत्तर संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविष या तत्संग्रंथी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी जमिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के मीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

यम्स्यी

"फ्लैट सं० एमं०-3, जो, प्राउण्ड फ्लोग्नर, मिनाक्षी ग्रपार्टमेंटस सैंबें सं० 160, एच० सं० 3, सी० टी० एस० सं० 94, मरोल मरोशी रोडू, विलेज, मरोल, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कल्संल ग्रई-2/37ईई/12767/84-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षम दास स जङ प्रािकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बारी स्वात

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० े ग्रई-2/37ईई/12666/84-85---ग्रतः मुझे, 'लॅक्सण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षमें प्राण्यिकों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुक्त से अधिक ही

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अथ, उनंत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, टीं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती माधुरी देवचन्द शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरूपा एच० मनियार ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सच्यात्स से अर्थन से लिए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोइं भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकने।

स्पब्दीकरण:-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

"फ्लैट सं० 103, जो, पहली मंजिल, (साउथ वेस्ट), प्लाट सं० 367, अर्रावद कालोनी लेन, ग्राफ एस० वी० रोड, इंदिरा नगर, झोपड़पट्टी, मिले पार्ले (प), बम्बई-में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/12666/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनांक 21-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :: 9-5-1985

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37मईई/10492/84-85--म्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, जो, "ए" इमारत, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, "निर्माण पार्क", 369-37, जिजामाता रोड, धंप हाउस, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बंणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, दिनांक 3-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबंद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी काय या किसी धन या क्रम्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा असिया के सिस्।

बतः बनः, उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) हो वभीन, निम्नलिवित व्यक्तिवर्षों, अवति है—

- (1) श्रीमती उषा विष्णु साठये और ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश वामण काणे। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्मृत्सि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए खा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का को उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 3, जो, "ए" इमारत, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, "निर्माण पार्क", 369-37, जिजामाता रोड, पंप हाउस, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सि ग्रई-2/37ईई/10492/84-85 और जो सक्षम प्रसुधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ°. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 12504/84-85--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जो दूसरी मंजिल, "मिनाक्षी अपार्टमेंटस, सर्वे नं० 160 एच० नं० 3, सी० टी० एम० नं० 94 मरोल मरोशी रोड़, व्हिलेज मरोल, अंधेरी (पूर्व) बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 17 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने, में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना जाहिए था, उपाने में स्विका के किया के किया

अतः जब उक्त जाधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैसर्स विराट कुन्स्ट्रवशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पांडुरंग बलवंत पाटील।

(अन्तरिती)

को यह अचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया।

क्रम्स्

"पलैट नं० 10 जो दूसरी मंजिल, "मिनाक्षी ग्रपार्टमेंटस सर्वे नं० 160 हिस्सा नं० 3 सी० टी० एस० नं० 94 मरोल मरोशी रोड़, व्हिलेज मरोल, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसािक के० ग्राई-2/37ईई/12504/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास क्षिम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 9-5-1985

प्ररूप जाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रहीन रेज-2 वस्बई

गम्बई, दिनाक 9 मई 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ईई/ 12131 /84-85--ग्रत मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी ५० पलैट २० ४, जो, प्राउड फ्लोग्रर, प्लाट २०, 332. टी० पी० एस० 5. विले पार्ने (पूर्व), वस्वई— 57 मे स्थित है (जार इससे उपावक अनुमूची मे ओर पूर्ण रूप मे व्हारत है) और जिमदा करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 268 के खे के प्रधीत सक्षम अधिकारी के दार्यालय स्वह में रिजस्ट्री है दिनाक 14 मितम्बर 1984।

को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाण त्या पितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण व हड़ा िकसी आय का बाबत, उक्त ग्रीधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर जिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कार अक्ष, एवँन अविभाग की धारा 269-व के अनुसरण को, को, अक्षत अधिनियस की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीर किमलिसित, व्यक्तियों. सर्वात् क्षान

- (1) मेसर्भ मिन् कन्स्ट्रवशन कम्पनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मालती रामद्य प्राप्ते और श्री रामद्य प्राप्ते। (ग्रन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अन्स्ची

"क्नैट ग० 4 को क्राउट प्रकार, प्लाट न० 332 टी० पी० एम० 5, बिले पार्वे (पूर्व) बम्बई -57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की नम० म० ग्रर्ड-2/37 ईई /12131 84-85 और जो सक्षम प्राप्तिकारी वस्वई कारा दिनाक 14 सिनम्बर 1984 का राजस्टर्श किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-5-1985 मोहर - प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मर्रे 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 13007/13008/84-85 ग्रमे: मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चान्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स हैं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-5 जो, ग्राउंड फ्लोग्नर, सेल्फ हेल्प को-ग्रापरेटिंव हाउसिंग सोसायटी, सेंट प्रान्सीस रोड़, विले पार्ले (प), वम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है (और जिसका करारतामा ग्रायकर ग्राधिनायम की धारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास गरने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोरे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी स्वीकात के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौं, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती इंदिरा खुवचन्द पुनवानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी वि० भावनाती । (ग्रन्तरिती)

THE IN SECURE WITH THE SECURITY SECURIT

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"फ्लैट नं० डी-5, जो आउंड फ्लोग्रर, सेल्फ हेल्प को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी सेंट फान्सीस रोड विले पार्ले (प), वम्बई-56 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि० स० ग्रई-2/37ग्रईई/13007/13008 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

 सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2 वस्वई

दिनांक : 9-5-1985

प्रस्प बाइं. टी. एत. एस.----- (1)

बायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहीयक मामकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 यम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं० श्र $^{6}-2/37$ र्हिं/ 12580/84-85 —-श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

क्षायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त लिधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कमरा नं० 56 जो पहली मंजिल, रोशन लाल अगरवाल शापिंग आर्केंड, ओशिवरा एस० नं० 41 (अश), वसावा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख सक्षम अधीन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 18 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हुए से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त किथिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के इप्रीधन्त में कभी करने के उम्मे बचने के स्विभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिए। की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, के भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने अयोजनार्थ अन्तरिती पुटारा प्रकट नहीं किया गण थे। या किया जाना चाहिंगे था, खिपाने में सिक्षा क विदर्श.

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्भ, स्रार्ण एन० ए० विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री मल्लिकार्जन एम० ग्रतयार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत संग्यान के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरों।

स्पष्टोकरण:—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुचची

"कमरा नं० 66, जो पहली मंजिल,रोशनलाल अग्रवाल शापिंग स्रार्केड मोशिवरा, एस० न० 41 (अंश), वर्सोवा अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसाकी के० सं० ग्रई-2/37ग्रईई/ 12580 और जो सर्ौुम प्राधिकारीं, वम्बई द्वारा 18-9-84 के रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्राप्कृत (निरीक्षण) श्रर्जन रेजं-2 बस्वर्ड

दिनांक :- 10-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कामांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 12583/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103 जो 10वीं मंजिल सारंगा टावर रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लेक्स, श्रोशिवरा, वर्सोवा एस० नं० 41 (श्रंश,) श्रपना घर के पास श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 18 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया यस प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कभी करने या उक्के दचने में ख्रीया के लिए; आरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रेपीट नियनिवित व्यक्तियां, अर्थात :--- 51-126 GI/85

(1) मैसर्भ ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ब्रार० के० शंकर एण्ड कंप्रनी । श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में बैमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकतें।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिका स्वा है।

ब्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 103, जो दसवीं मंजिल, सारंगा टावर रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लेक्स, ग्रंशिवरा, वर्सीवा एस० नं० 41 (ग्रंश), अपनाघर के पास, ग्रंधेरी(प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि $\sqrt{4}$ ं श्रई -2/37—ईई/ 12583/ 84—85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18 सितम्बर 1984 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. ******

क्राधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षर, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/ 12584 /84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 93, जो 9वी मंजिल, सारंगा टावर, रोशनलाल श्रग्रवाल काम्प्लेक्स, श्रोशिवरा, वर्सोवा एस० नं० 41 (श्रंश)', श्रंधेरी (प), वम्बई—58में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रू। से वर्णित है), श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 18 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हूं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, लक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1). के अधीन, विक्तिलिक्क व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स ग्रार० एन० ए० त्रिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स के० शंकर एण्ड कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ,45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया गया हैं;

अनु सूची

"फ्तैट नं० 93 जो 9त्रीं मंजिल, सारंगा टावर रोशनलाल स्रग्रवाल काम्प्लेक्स, स्रोशिवरा, वर्सीवा एस० नं० 41 (स्रंश) स्रपनाघर के पास, संधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है। स्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० स्रई—2/37/ईई/ 12584/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 18 सितम्बर 1984 को रजिस्ट्रई किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 10-5-1985 मोहर :

क्ष्म बाहु : ही , वृष , एष , क्ष्मान्य

वायकर विधितयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन वृचना

शास रहकार

कार्यातव, सहायक वायक इ वायुक्त (निरक्षिण)

. स्रजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12629/84-85---म्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा बवा हैं), की धरण 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उच्चित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बंगला युनिट नं०1 जो सताष बंगला ए-टाइप रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लेक्स ग्रोशिवरा एस नं० 41(ग्रंश) अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19 सितम्बर 1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; स्टीप्र/का
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के निए;

ब्दः बद, उक्त किनियम की बारा 269-य के बन्द्राच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिनतयों अर्थात् ह (1) मैसर्स आर्0 एन० ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) डा श्री संजीव मधुसूदन लेला और कमलेश बी० पटेल (ग्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पृथ्येंक्त संप्रित के बर्जन के तिए कार्यनाहियां, घुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध , जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में |दिया गया है।

वनस्य

"बंगला युनिट नं०1, जो संतोष बंगला, ए- टाइप रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लेक्स, स्रोशिवरा, एस० नं० 41 (ग्रंश), ग्रपना-धर के पास अंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं० ग्रई-2/3ईई/12629/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :-10-5-1985 ------

मोहरू ध

प्रकर बाह् , ही. एवं , इंद्र , ॥ व ॥ ल्ला

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

पारत बदकार

कार्याजय, बहायक वायकर वायुक्त (रिनरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/ 12776/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं फ्लैट नं० 111 जो 11वीं मंजिल, सारंगा टावर रोशनलाल अग्रवाल काप्म्लेक्स वर्सीवा आफ जे० पी० रोड़ एस० नं० 41 (ग्रंश) अपनाघर के पास अधेरी (प) बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विजत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम घारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टई है दिनांक 24 सितम्बर 1984

को प्वोंक्त संपर्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान शितफन के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ब्रितिशत्त से अधिक है और बन्तर्क (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा ब्रितिफन, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि खिद के बास्तिक रूप से कन्तरण विश्वद को बास्तिक रूप से किंपित वा वा है है क्या वा स्था कि कि

- (क) बन्तरण संहुद्धा कसा नाय का बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुकिशा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के स्थि।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाष 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिद, व्यक्तियों , वर्षाद् क्र-

(1) मैसर्स ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला एस० रामरखानी ललिथ एस० रामराखानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वोक्त संपति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

धनत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"फ्लैट नं० 111 जो 11 वीं मंजिल, सारंग टावर एस नं० 41 (ग्रंश), ग्रपनाघर के पास ग्रंघेरी (प), बम्बई 85 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/ 12776/ 84-85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> र्लक्ष्मण दासी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हुर्ज-2 बम्बर्ड

दिनांक :-10-5-1985 मोहर : प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- च (1) के ब्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों सं० फ्लैट सं० 94, जो, 9वी मंजिल, मंजू टावर रोशनलाल अप्रवाल काम्प्लेक्स, वर्सीवा, आफ जें० पीं० रोड, एस० सं० 41 (अश), अपना घर के पास, अवेरी (प), बम्बई— 58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वी में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसमा करारनामा आयार अविनियम की धारा 269 कुछ के अवीन सक्षम प्राविशारी के क्रायिख, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनास 24-9-1984,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमाक्ष्म प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से किश्वत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आग की बाबस, वक्स मुधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक को द्यीयत्व में कमी करने या उससे वचने यें कृष्टिया के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाव वा किसी अब वा अब्ब वासित्यों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा वृद्ध कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविवा की बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक्)

(2) श्री प्रमोद राणे।

(ऋन्त रितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त रूपित के वृर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का कैकों।

स्पृष्टीकरण हु—इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, जो उनस विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा हैं।

वन्स्यी

"फ्लैंट सं० 94, जो, 9त्री मंजिल, मंजूटावर, रोशन्लाल अप्रवाल काम्प्लेक्त, वसींचा, आफ जे०पीं० रोड, एस० सं० 41 (अंश), अंबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/12775/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 24-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन र्रेज-2, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

बाहर 🛭

हरूप गाइं. टी. एन्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वा

बारद सहकाडु

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० ग्रई--2/37ईई/10500/84--85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाकार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० पर्जंट सं० 004, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत सं० ए-26, श्रपना घर यूनिट सं 3 को-श्राप० हार्डीसंग सोसायटी लि०, ओशिवरा, श्रीं स्वामी समर्थ नगर, श्राफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध श्रनुसूवों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसहा करार-नाम श्राय और प्रितियम की धारा 269 उख के श्रधींन, सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय, बस्बई में रजिस्ट्री है, दिन क 4-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान बन्तरित की गडु 퓽 प्रतिकल के लिए बौर मुभ्ते यह विश्वास करने कारण कि पथापूर्वा कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित** नहीं किया गया हैं :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत ; उनते बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी पन वा बन्च आस्तिसों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया नवा था य किया बाना बाहिए था छिपाने में स्विधा के निए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक के, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मेसर्स समर्थ डेचलपमेंट कारपीरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पनः ग्रग्नेलो फर्नान्डीस ।

(ग्रन्तरितीं)

को वह सूचना चारी करके पृत्रों क्यू संपृत्ति के वर्षन के सिष्ट्र कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेष 🏣---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्प्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

"फ्लैट सं 004, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत सं० ए-26, ग्रपनाघर यूनिट सं 3 को ग्राप ह उर्सिंग सोस्नायटी लिंठ, ओशिवरा, श्रीं स्वामी समर्थ नगर, ग्राफ जें० पीं० रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि क 0 सं 0 श्रई 2/37ईई /10500/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 4-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2. बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

शायकर जीधीनयभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुक्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० म्रई--2/37ईई/10603/84--85----म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 408, जो, 4थीं मंजिल, इमारत सं० ए-25, अपनाघर यूनिट सं० 4 को०-आप० हाउपिंग सो गाटी लि०, ओशिषरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे०पीं० रोड, अंग्रेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इनसे उपाबद अनुसूबी में और पूर्णी पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका वरारनामा आयर अधिनियम की धारा 269 वख के अधीन, सक्षम प्राधिशारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य. उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्क) अन्तरण संहुई किसी आय की बावल, उपका अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे वचने में दृषिधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बाना बाहिए था, ख्रियाने में सुविभा के सिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरक कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मेससं समर्थ डेवलपमेट कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पीं विजया राघवन और श्रीमती गिया विजया-राघवन ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व श्वं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

वन्स्यी

"पलैंट सं० 408, जो 4थीं मंजिल, इमारत सं० ए-25, 25, अपनाघर यूतिट सं० 4 को०-आप० हाउिं मं सोसायटीं लि०, ओशिचरा, श्रीं स्वामीं समर्थ नगर, आफ जे० पीं० रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरीं (प), ब बई 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई ·2/37ईई/10603/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बन्बई द्वारा दिनां राजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 90-5-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरोक्तक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिपकों सं० फ्लैट सं० 006, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत सं० ए- 25, ओजिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर 4 बंगला के पास, अं रिरी (प), ब वई • 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रृसूची में और पूर्ण कर से विजित है), और जिमान करारनामा श्रायकर श्रीविताम की धारा 269 कुछ के श्रवीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-9-1984,

को प्रवीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी औय या किसी धन या जन्य जास्तियों वलो, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) समर्थ डेवेलपमेंट नारपोरेशन ।

(अन्तर ह)

(2) श्री ग्रशोह भगवान नार्वेकर ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्यस्टोकरणः - इसमें प्यावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो वस अध्याय में दिया नथा

वन्स् ची

"फ्लैट सं० 006, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत सं० ए--25, ओशिचरा, श्रीं स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पात, अंबेरीं (प), बन्बई -58 में स्थित हैं।"

अनुसूवी जैसा िक क० सं० अई --2/37ईई/10600/84--85 और जो सक्षम प्राधि :ारीं, बम्बई द्वारा दिनां : 5 -9--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां : 10--5--1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सह० ग्रई-2/37-ईई/11044/84-85--श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सढ़० फ्लैट नं० 007, जो, ग्राउंड फलोर, इमा-रत नं० ए-5ए, ग्रग्नाघर यूनिट नं० [1] की-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, श्रांफ जे०पी० रोड, 5-9-1984 श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिका वे के कार्यालय, प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्री सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिण्ल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ब्रन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाय्तिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--52--- 126 GI/85

- (1) मेसर्स समर्थ डेव्ह्लोपमेंट कार्पोरेशन i
- (अन्तरक) (2) श्रीमती सुप्रिया सतिष चौबल ग्रीर

श्री सितष वसन्त चौबल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप ा

- (क) इस.सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 007, जो, ग्राउंड फलोर, इमारत नं० ए-5ए, ग्रपनाघर यूनिट नं० 1 को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ग्रांफ जे०पी० रोड, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि किंक् सं श्रई-2/37-ईई/11044/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-5-1985

मोहर ह

त्रक्य बाह् . टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

शारत सरकार

आयोनिस महास्था काथकर बाय्क्स (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सढ़० म्रई-2/37-ईई/10602/84-85—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करवात 'रावत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 007, जो, ग्राउंड फलोग्नर, इमारत नं० ए-5, ग्रपनाघर यूनिट नं० 1 को-ग्रांप० ग्राउसिंग सोपाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रन्, सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5 -9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें वह दिश्वास करने का ज्यरण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान वितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पासा गया प्रतिफल निम्निलिकत उददेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिकत उददेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिकत में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुए निल्ली साथ को स्थान, उस्क यकिन्धिस के स्थीन कर नेने के सम्तरक के शायित्व में त्यकी करने मा उसमें वचने में सविधा ने जिला और/स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९२३ (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सुविधा है जिए ।

वतः अध्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स समर्थ डेवेलोपमेंट कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनील डी० ग्राठले ग्रौर श्रीमती सुहास सुनील ग्राठले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उन्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, कही अर्थ कृष्ण जो उस अध्याथ में दिया। भया है।

वगत्रपरि

"फ्लैंट नं० 007, जो, ग्राउंड फलोर, इमारत नं० ए-5, ग्रपनाघर यूनिट नं० 1 को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क०सं० श्रई-2/37-ईई/106022/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 10-5-1985

प्ररूप : आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सढ़० ग्रई-2/37-ईई/12905/84-85----श्रतः मुझे,

ृलक्ष्मण दास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1;00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, "ए" विंग, 3 री मंजिल, श्री पदमावती डेवेलोपर्स, प्लाट नं० 54, एस०नं० 41 (श्रंश), श्रोशिवरा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 28-9-1984

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशंत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ह——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एेसी किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, हैनक्नलिकित व्यक्तियों, अधीतः :— (1) श्री पदमावती डेवेलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती माधुरी डी॰ शहा श्रौर देवचढ़द उमरशी शहा।

(अन्तरिती)

को यह क्ष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 4, जो, "ए" विंग, 3 री मंजिल, श्री पदमा-वती डेव्हलोपर्स, प्लान्ट नं० 54, एस०नं० 41(ग्रंश), श्रोशि-वरा, ग्रंधेरी (प०), बुम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/12905/84-85 और जो सक्षम प्रार्धिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई, टी. एव. एस. -----

नायकरं निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12625/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्थे इसके पत्चार 'तक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 67, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग, स्रभिषेक, स्रोशिवरा, प्लाट नं० 12, एस०नं० (ग्रंश), ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 19-9-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिश्वत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निसित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिसिती में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के निए: और/स
- एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त जीर्धानयम, या धन-जर अधिरिष्टम. 1957 (1957 का 27) की त्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए 🖰

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्राशिर्वाद इन्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश जसवन्तराय देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ्लैट नं० 67, जो, 4थी मंजिल, सी-विंग, श्रभिषेक, श्रोशिवरा, प्लाट नं० 12, एस०नं० 41(ग्रंश), (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-2/37-ईई/12625/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

प्रक्ष काइं.टी.एन.एच.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1985

नदेश सड़० ग्रई-2/37-ईई/12641/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिनको सढ० फ्लैंट नं० 63, जो, 6 वी मजिल, श्रमीत इस्टेंट, प्लांट नं० 44, श्रांथफ जे० पी० रोड, 4 बगला, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 21-9-1984।

को पूर्वोक्त, सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्2पितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्त मिनियम, को धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के भयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुलिक्षा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात

(1) मेसर्स ग्रर्बन डेव्हलीपर्स ।

(अन्तरक)

(2) डां० प्रतापिंसह एल० सपत ग्रौर 'श्रीमती रजनी पी० सढ़पत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के सजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता है राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग्रे ।

श्यक्षीकरण । र्-इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उसत माध-नियम के बह्याय 20-त में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिथा गया है।

अगलकी

"पलैट नं० 63, जो, 6 वी मंजिल, ग्रमीत इस्टेट प्लांट नं० 44, श्रांफ जें०पी० रोड, 4 बगला, वसेवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० अई-2/37-ईई/12641/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजीस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🛭

प्रक्रम बाइं.डी.एन एस

बारकर विधानयम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाक 30 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/11458/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सूक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सढ० फ्लैट नं० 306-बी, जो, तीसरी मजिल, बिझ, प्लाट नं० 25, एस०नं० 41(श्रश), 4 बगला, श्रोशिवरा, वसेवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीहै, तारीख 11-9-1984।

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पेव्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त- विक रूप से क्षिण नहीं किया ग्या हैं---

- (क) बन्तरक संहुई किसी बाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा अस्पि, और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922°का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

ब्राडि, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण की अनुसरण कि, गि, डक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधादा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसस रवीराज बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी स्रभा पुरोहित।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के किए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्द संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वग्ररा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिवा नया है।

बन्स् वर्ग

पलैंट नं० 306 बी, जो, 3री मंजिल, ब्रिझ, प्लांट नं० 25, एस०नं० 41(श्रम), 4 बगला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंगा की क०सं० ग्रई-2/37ईई/11.458/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुखत (निरक्षिण) म्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-4-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

ब्ह्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 30 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-32/37-ईई/11455/84-85---- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 "बी", जो, 4थी मंजिल, जिझ, प्लांट नं० 25, एस०नं० 41(ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशि-वरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क,ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिनार्य के वाय रूप द्रार्ट् में रजीस्ट्री है, तारीख 11-9-1984 .

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त किसी किसी के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मेसर्स रवीराज बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चौधरी कौटीक ग्रर्जुन।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गवा है।

वन्स्यी

फ्लैंट नं० 401बी, जो, 4थी मंजिल, ब्रिझ, प्लाट न० 25, एस०नं० $41(\pi)$, 4 बंगला, म्रोशिवरा, म्रंधेरी (40), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋं०सं० ग्रई-2/37-ईई/11455/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

ंतारीख: 30-4-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 30 म्रप्रैल 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/11452/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, ग्राउंड फलोग्रर, सिटीजन, प्लाट नं० 27, एस०नं० 41(ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वसेवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 11-9-1984।

'का पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स रवीराज कांपीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नहदा ए० व्हाबी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्स्ची

दुकान सं० 5, जो, ग्राउंड फलोग्रर, सिटीजन, प्लांट नं० 27, एस०नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-2न37-ईई/11452/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म्ण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायज्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 30-4-1985

प्ररूप , बाइ , दी. एन , एस् , - - - -

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा .269-म (1) के वभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/10613/84-85—अतः मुझ, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, तीसरी मंझिल, कमल कुंज विवेक कमल सोसाईटी, इर्ला ब्रिज, एस०वी० रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारींख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एसे द्श्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा औं तिए;

् अंतक्ष ज्ञाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नोलिखित व्यक्कियों, अर्थात् ए— (1) जगदीश चन्दर नरुला।

(अन्तरक)

(2) श्री . किरीट बी॰ देसाई, ग्रौर श्रीमती कुंजलता के॰ देसाई।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतंर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 16, जो तीसरी मंझिल, कमलकुंज-ए, विवेक कमल सोसाईटी, इर्ला क्रिज, एस०वी० रोड, अन्धरी (प०), बम्बई 400~058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2-37/ईई/10613/84-85 श्रीर जो सक्षम। प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोह्नर 🖫

53—126GI]85

ंग्रहण, बा**द**ं, औ. **एन**, एस., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई र

बम्बई, दिनांगः 10 मर्ड 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/11466/84-85---- एतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, रिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० पलैट नं० 401 जो, 4 थी मंशित, बी-

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401 जो, 4 थी मंशित, बी-इमारत, पिंक अपार्टमेंटस, 7 वंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), वम्नई-58 में स्थित है (ग्रीर इंपसे उपावद्ध लहुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 लख के अधीन, सक्षम प्राधित्यरों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 11-5-1984।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) अर्थ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल से, निम्मलिखित उद्योदय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- 'क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस वे उधीन कर दोने के रन्तरक के दायित्व में कामी करने वा उससे बचने में सविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, शाधन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रारोजनार्थ अस्तीरती इसरा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्ति व्यक्ति सी, अर्थान् :~~ (1) मैसर्स वर्धन इस्टेट्स प्राइवेट लि॰ ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्र रमननान चुडगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस चिक्ति में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

BAUT

"फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, बी-इमारत, पिक अमार्टमेंटस, 7 बंगला, वर्सीया, ग्रंघेरीं (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि केश्सं० प्रई-2/37-ईई/11466/84-85 प्रोर जो सजम प्राधिकाण वस्वई द्वारा दिनांक 11-9 1984 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

नारीष : 10-5-1985

मंदर :

श्रुक्त आह'्टी. रून . एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक खायकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० अई-2/37ईई/10601/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भावकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (बिदे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी स० पर्नैट नं० 40, जो, 4थी मजिल,
इसारत न० ए-5(६), अपनाघर यूनिट न० 1 को-जाप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी स्मर्थ नगर,
आफ जे०पी० रोड, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है
ग्रोर इसमें उजाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ग रूप से विणत •
है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा
269 ह, ब के अबीन, सझन ग्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजीस्ट्री है, तारी ब 5 9-1984।

को पूर्वोक्त संम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिकृत से मिश्रक है और धन्तरक (बन्तरकों) और धन्तरिकों (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बान्तिक क्ष्य से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें घारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किका गया या या किया चाना चाहिए था, क्रियाने में मुख्ळा के जिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अभीन है निम्निजींखत व्यक्तियाँ के अभीत् ड— (1) मैसर्त समर्थ डेव्हलोपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विनया विनायक कुलकर्णी। ' (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्य बम्परिए के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवर्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त बिधिनयम, के कथ्याय 20-क में यथा परिस्ताबत हैं, नहीं कर्य होगा को उस कथ्याय में दिया सका है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 40क, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० ए-5(ए), अपनाघर यूनिट नं० 1 को-आप० हाउसिंग सो तः इटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ऑफ जे० पी० रोड, 4 बंगला के सांमने, ग्रुप्रेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० जई-2/37/ईई 10601/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राविकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकर बार'ं टींड पुरु पुरुष्टि-----

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थारा 269-व (1) के व्योग बुख्या

HISTO RECEILS

कार्यालयः सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 1 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37/ईई 12631/84-85—अत: मुझ लक्ष्मण दास

आय । प्रविधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चर्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बंगला न० 3, जो, ए टाइप (यूनिट नं० 3), सारगा बगना, रोशनला । अग्रवाल कम्पलक्स, ग्रोशिवरा एस नं 41 अंश), वसींता, अपनाघर के पास, ग्रीर (प०), बम्बई- 58 में रिथत है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुशूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रोर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधींन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है तारी ख 19-9-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स आर० न० ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) सुरेश भाई लाल भाई पटेल और भरत गांधी।

(अन्तिरतीं)

का यह सूचना बारी करके पृश्नित सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हां।

बक्द समारत में वर्षद के सम्बन्ध में कोई भी वासेष ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिण के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए या सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

"बगला नं० 3, जो, ए टाइप (यूनिट 3), सारंगा बगला, रोशनलाल अग्ररवाल काम्पत्रैक्स, स्रोशिवरा, एस० नं० 41 (अश), वर्सोवा, अपनाधर के पास, संबेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा कि कि शं अई-2/37-ईई 12631/84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप् आई ्टी एन एसु - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

. निदेश सं० अई-2/37-ईई/12105/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्फ के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित एहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरः। में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स आर०एन०ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा दिलीप कर्णिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैंट नं० 41, जो, 4थी मंजिल, मंजू टावर, रोशनलाल अगरवाल काम्प्लेक्स, वर्सीवा, ऑफ जे०पी० रोड, अपना- घर/लोखंडवाला के पास, एस०नं० $41(\pi)$, ग्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० ग्रई-2,37-ईई/1.2105/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

वस्य था**इं**. टी. एन<u>.</u> एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नाम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, वम्बई

धम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० अई-2/37-ईई $/10488_{j}84$ -85—अत. मुझे, लक्ष्मण द।स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, "एफ" ब्लॉक, "सिमर", 7 व्याला, वर्सीका, ग्रधेरी (प०), सम्बई-58 म स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हो), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अवीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय, वम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा

पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गोबिद के० दर्यनानी।

(अन्तरक)

(2) श्री राम बुलचंद मेहानी ग्रौर श्री मुकेश राम गेहानी।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

"पलैंट न० ± 0.4 , जो, ± 4 थी माजिल, "एफ" ब्लाक, सिमर, 7 बंगला, वर्सीवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करुसं० अई-2/37-ईई/10488/84- 85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 3-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई ्टी.एन.एस.

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

वारत सरकार

कैं कार्यालय, सहायक आयेकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/ 12867/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मङ्घ दास

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा .269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं 1202, जो, 12 वी मंजिल, एवरेस्ट इम।रन, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी. (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उप।बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका क।रारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के क।र्यालय, बम्बई मे रजीस्ट्री है, त।रीख 28-9-1984।

को पूर्वोक्त संपर्तित वे उचिन बाजार यूल्य से लम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबेत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने के पूष्पिष के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अपित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मूर्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपागरा ।) के क्षीन, विकासित व्यक्तियों, क्ष्मीत् ह— (1) मेसर्पनहार शेठ एण्ड जोगानी आसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश शोभराज चुग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 1202, जो, 12 वी मंजिल, एवरेस्ट इमा-रत, जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा अधेरी (प०), बम्बई-58 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/12867/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 10-5-1985 मोहर :

प्ररूप बाइं टी. एन. एस. -----

आधवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बंई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12920/84-85—अतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० •810, जो, 8 वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जें॰पी० रोड. वर्सीवा, ग्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणत है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29 -9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नहार शेठ एण्ड जोगानी आसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री परीक्षित रमेश पुरोहित।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैंड नं० 810, जो, 8 वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाण नारायण रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/12920/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्वई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एंस.-----

साएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-2₁37-ईई₁12599₁84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतः अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000%- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संबद्धान नंव 3, जो, ग्राउंड फैलोअर, बसेरा अपार्टमेंटस ए-विंग, प्लांट नं० 47-48, आंफ 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका कर।रनामः अध्यकर अधिनियम की धारा 259 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्दी है, तारीख 18 -9-1984।

को एवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्यत्व भे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अर्/या
- (ख) एगी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जि.ही भारतीय आण्कर अधिनियम, ·(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स्त ध्मकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपधारा (1)

के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

(1) एस ९ एस० डेव्हलोपमैट कांपीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमरनी हेब्बर, श्रीमती म। लिनी हैब्बर, श्री के० वासूदेव हेब्बर (एच०यू०एफ०), श्री रघुराज शर्मा, श्रीमती राजवती शर्मा श्रोर ंश्री एन० शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कड़को पर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संघत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना क्री तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फलोअर, बसेरा अपार्टमेंट ंए-विंग, प्लांट नं० 47-48, आंफ 4 बंगला, वर्सोवा अंधेरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०स० अई-2/37-ईई/12599/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप वाह'. टी. एन. एस.----

आयवर अधिनिण्यः 1361 (1961 का 43) की अस ३७५ छ (।) के अभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालबं, रहायक आयकर आयुर्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बरबई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश मं० ग्राई-१ 37-ईई/12560/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें हरूके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-र के आरेन अक्षम पाधिकारों की, वह विश्वास करने का कारण रा कि स्थादन अधिक हैं। विश्वास विश्वास करने का 1,00,009/ रु से अधिक हैं।

म्रोर जिसकी गं उपलैंट नं उ 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं उ ए -20 ग्रपना घर यूनिट नं उ 5 को आप इसिंग सोसाउ लिं ओण विरा, श्रो स्वामी जमर्थ नगर ग्राफ जें जी दौड़, 17-9-1984 शन्रेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबर अन्मुची विकार पूर्ण च्या ने विध्यत है), ग्रीर जिसना बराररामा अधार नाजियम की धारा 269 के ख के अधीन मक्षम प्राणिस्ती के आर्जिस, बम्बई में रिजस्ती है, दिनांक 17 विवस्तर 1981।

कार ना स्मित शाहार मून्य से कस के दश्यमान प्रीति के ला सार्य की गई है और मुक्ते एक विश्वस अंशित के ला सार्य की गई है और मुक्ते एक विश्वस अंशित का उचित बातार मूल्य असके दश्यमान प्रीतिकार में एके दश्यमान प्रीतिकार को एके दश्यमान प्रीतिकार का पन्द्रह अंशिय से सिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तिगितिया) के लिय एसे सन्तर्ध के निम्मत्वय पाया ग्राह्म प्रीतिकार, निम्निमित उद्देश्य से उन्तर सन्तर्ध विविद्य में दन्तर सन्तर्ध विविद्य में दन्तर सन्तर्ध विविद्य में दन्तर सन्तर्ध विविद्य में दन्तर सन्तर्ध किया सन्तर्ध की दायन सन्तर्ध की साम्तर्ध की साम्तर्ध की साम्तर्ध कर से किथन नहीं किया सना है :--

गप्तरण स हुइ जिला बाद की बाबत, उदह जिथिनियम के गर्भात कर दाने के जन्तरक के वाधित्व में कामी कारने वा उद्देश क्या में मृत्रिया के लिए: और /गा

एमी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों हो, निन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1972 । 1922 था 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में गुविभा के लिए,

(1) मैंसर्स समर्थ डेहलोपमेट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता प्रदीप अवनिस ।

(म्रन्तिरती)

की यह सूचना धारी करके पृथींक्य सम्पृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्वा की तामील से 30 दिन की नविध, को भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय,
- (ख) इस्ल स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षशी के पास तिस्ति में किए जा सकों में।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभान्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थो

"प्लट नं० 202, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० ए-20, आनाघर य्निट न० 5 को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा,श्री स्वामी समर्थ नगर, आंफ जे०पी० रोड, 4 बगला के सामने, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क०स० अई-2/37-ईई/12560/84-85

अनुसूचा जसाका क०स० अइ-2/37-इइ/12560/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वैम्बई द्वारा दिनाक 17-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी मडायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अत अब, उक्त आधीनयम की भारा 269-ग के अग्सरण मं', मंं, उका अधिनया को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 10-5-1985 **मोहर** .

प्रकप बाद .टी. एन .एव .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक् बायकर बायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/12598/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खे के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० पलैट नं० 006, जो, ग्राउंड फ्लोर इमारत नं० ए-9, अपनाघर यूनिट नं० 5 को-आंप० हाउसिंग, सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आंफ जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के जल्लक टे दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) श्रेडी किसी जाय या किसी वन या अन्य आस्कियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, जें उक्त विधिनियम की धारा 269-त की ज़पधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेससं समथं डेव्हलोपमेंट कांपेरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेणूगोप।लन ग्रीर श्रीमती प्रसन्ना वेणुगोपालन।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उबत संपत्ति के अवर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तार्राच्य स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बस्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थण्डीकरणः—हसमें प्रयुक्त बद्धों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 006, जो, ग्राउंड फलोर, इमारत न० ए-9, अपनाघर यूनिट न० 5 को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आंफ जे० पी० रोड, 4 बंगला के सामने, श्रधेरी (प०), बम्वई-58 में स्थित है (

अनुसूची जैसाकी क०स० अई-2,37-ईई,12598,84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर 🖫

भक्त हाई टी. एन. एस.

भारकर कॉमॉनस्थ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन स्थान

बार्ख सरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश स० ग्रई 2/37-ईई/12427/81-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास

भागकर अधिनियम, 196 (176 ए 43) (किश प्रमाँ इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निक्नास करत का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति. जिसकर कीकर नाकार प्रमुख 1,00,000/- रु. पे अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट न० 008, जो, ग्राउड फलोर, इमारत न० ८-६, ग्रपनाघर य्निट नं० 1 वो-ग्राप० हाउमिंग सोमाइटी लि०, ओश्यारा, ग्राप, जे०पी० रोड, 4 बगला के सामने, श्री स्वामी समर्थ नगर, अधेरी (प०), वम्बई में स्थित है (और इससे उपावक हू ग्रम्मुची में और पूर्ण म्प से विणित है (ग्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राध्कारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय का बाबत, उक्त इर्डेंश्विक्ष के अर्थान कर वंगे से अर्थाक स वर्डेंश्विक के ककी कारने वा स्टार्ट्स रहा। अं टिंड का रिक्स कर क
- "ष्ठ) ल्ली किला आव का किली पन भा जन्य अवस्त्रण" को, जिल्हा आरतीय आव-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा चन-कर अधिनियम, मा चन-कर अधिनियम, मा चन-कर अधिनियम, मा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, शक्त अधिनियम को भारा 269-न के अबूधरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260 प की उपभाग (1) के अधीन, निम्मिसिकत व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) मेसर्स समर्थ डेव्हलोपमेट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रारती दीपक देसाञी।

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन क । तक् जावंकतिहया करता है।

तकत सम्बंशि के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष १----

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में अकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध मा तरसबंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबीच, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर '' नित्र स्विक्श को में दिन्हीं उपित्र की का
- (क) इस शुक्रमा को सक्यम को प्रकाश को रार्गा है की 45 दिन को नीतर एका के घर आधीर के लिए एक किसी बन्ब व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव रिक्ष में किस के किस व सकते हैं।

नक्षीकरणः - इन्हें प्रभूक हरूने और धन्ते का, की उन्हें क्षितिहरू, के अध्याद 20 के के दिशाधित ही. क्षी अध होरा के तस हरूत के विवा समाह है।

अनुसूची

"पलैट न० 008, जो, ग्राउउ पलोग्रर, ६मारत नर्० ए-६, ग्रपनाघर यूनिट न० 1 को ग्राप० हार्जीसा सोमाइटी लि०, ओशिवरा, ग्राफ जे०पी० रोड, 4 दगता के शमने श्री स्वामी समर्थ नगर, अधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०६० ग्रई-2/37-ईई/12427/84-85 अर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा विनाक 14-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास नलम गाधितारी महायक आयाहर ग्राप्युवत (निरीक्षण) ग्रर्धन रेज-2. तम्बई

तारीख : 10-5-1985

प्रस्पु बाहै . टी . एन . एस ु - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्माण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12140/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा नया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिस्दास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 406, जो, 4 थी मंजिम इमारत नं० ए-21, अपनाधर यूनिट सं० 5 को-आंप० हाउ० सोसाइटी लि०, ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका

करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 क,ख के. अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है,

तारीख 14 सितम्बर 1984।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सरवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया कम प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण निखित क वान्तरिय स्वार्थ के वान्तरिक रूप में कार्य मही थिया गया है देन्न

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाम की बावत , उन्ह बीधनियम के अधीम कर दोने के बुग्तुस्क की खरिस्त में कमी करने या उसने बचने में खुदिया के रेसण; बीर/बा
- (ख) एसे किसी आए मा जिसी धना या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

कतः ब्रुब, उक्त विभिनिषम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स समर्थ डेव्हलोपमेंट कार्पौरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेम चंद् निलकंठ मिराशी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उनत सम्परित को वर्षन के सम्बन्ध में कोंड़' भी वार्धिय ह

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी जन्म व्यक्ति इतरा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्बद्ध अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा डैं।

ग्रन् सूची

"फ्लैंट नं० 406, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० ए-21, ग्रपनाघर यूनिट नं० 5 को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रन सूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37-ईई/12140/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायुकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

प्ररूप बार्ड .दी.एन.एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12418/84-85——ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सकाम शिक्तारी को यह निश्वास करने का अगरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 006, जो, ग्राउंड फलोग्नर, इमारत नं० ए-6, श्रपनाघर यूनिट नं० 1 को-श्रांप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, श्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हे) श्रोर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम की धारा 269, ह, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजीस्ट्री है, तारीख 14-9-

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रिक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दक्षमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्क्ष प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतिकर्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिनिश्चत उद्धश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिविक हैंप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उच्च गाँचनियम के अधीन कर दोने के बलारक के शाबित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधः; के निष्; गाँर/या
- (वा) एसी किसी साय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय साब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्वार:

वतः वन, उनत विधिनियम कौ धारा 269-ग कै कनुसरण में, मैं, उनत अधिनेत्रक की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नीनियत व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) मेसर्स लमर्थ डेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री उमाकात मलकार्जुन नारीगें। (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितवद्ध कि कि सन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:---इतमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

श्रन्यूची

''फ्लैंट नं० 006, जो, ग्राउंड फलोग्नर, इमारत नं० ए-6, ग्रपनाघर यूनिट नं० 1 को-ग्राप० हार्जीसग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगलाके पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

त्रानुसूची जैसाकी क०सं० ग्राई-2न37-ईई/12418/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 149--1984 ा को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहरः

प्ररूप जाहें. टी. एन. एस.-----

कायकार अधिनिगन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

धारत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर जाबूक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई 📕 शांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई- $\frac{7}{2}/37$ -ईई/12498/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिल्लका उचित बाबार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4 थी मंजिल, इमौरत नं० बी-5, ग्रपनाघर यूनिट नं० 6 को-ग्रांप० सोसाइटी लि०, ग्रोणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ग्रांफ जे०पी० रोड, 4 बंगला, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 16 सितम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्यू से कम के इत्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और अपने यह विश्वास करने का कारण है कि बथानुवाँक्त समप्रदेश का उत्तित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल को, एसे स्वर्वनान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशक्त से जिथक है और जन्तरक (ब्रम्डरकों) और अंतरिती (क्रन्ति रित्यों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पावा नवा प्रति-क्रिक जिक्का जिक्का जिक्का कि का प्रतिकाल के प्रतिकाल के सिए तब पावा नवा प्रति-

- (क) अन्तर्य ते हुई किसी बाद की बावत, उपक विश्वीतवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी गाय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या शन-कर अधिनियम, या शन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया द्वा वा वा अध्या जाना वाहिए वा, जिनाने के स्विमा के लिए;

अस" अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक हों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हों अधीन किम्मीलिखित व्यक्तियों। अर्थात् क (1) मेसर्स समर्थ डेव्हलोपमेट कांपीरेशन।

(अन्तर ह)

(2) श्री विनोद नारायण चव्हाण।

(अन्तरिती)

श्रा कह बुचना बारी करके पृत्रों कह सम्मित्त के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्द सम्बन्धि के वर्षन के नम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवित्य ना इत्साव्यन्थी व्यक्तिस्ता प्र सूचना की सामीस से 30 दिन की मनिथ, जो भी मनिथ नार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिस स्वीव्यक्ति में से कियी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपर्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध फिक्की बन्च स्थीवत द्वारा अधोहरहाअरी के पास निवित्त में किए या सकेंगे!

स्वक्षेत्ररणः — इडको प्रयुक्त कको ग्रीह करों का, को उक्क व्यविद्यन, के नध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० बी-5, श्रपनाघर यूनिट नं० 6 को-श्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, श्रांफ जे०पी० रोड, 4 बंगला के पास, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर्०सं० श्रई-2/37-ईई/12498/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1984-को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ड

तारीख : 10-5-1985

मोहर ८

मुख्य बाह्" हो या एर

बायकार विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37-ईई/12520/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट ं० 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत तं० ० 2, श्रपनाघर यूनिट तं० 1 को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण हप में वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 259 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, सारीख 17-9-1984।

को प्रविक्त संपत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्योक्त मंपीत्न का उचित जाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है .—

- (क) बन्तरण से इ.च. कि.सी लाव की वावसा, इन्स्त विभागियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्य में कभी करने वा उन्ने वचने से स्थितः के लिक्ष: और/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी अर या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या अस्त विधिनियम को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिति? व्वारा प्रकट नहीं जिल्ला बाबा का या किया जाना काहिए या कियाने कि विधा के विधा के

(।) समर्थ डेव्नोपभेट कांपेरेणन ।

(अन्त ५)

(2) श्रीमती विणालवक्षी चटर्जी।

(स्रन्तिक्ती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में साहै भी माशोद 🚁

- (क) इस सूचवा क राजपत्र मा प्रकाशन का ताराख ने 45 विन की जबीच या तत्सम्बन्धी स्वित्तियाँ हर सूचना की तामीन से 30 दिन की मधीच, मो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्वित्ति द्वारतः
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख ल 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबल्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यादीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिसापित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 406, जो, 4 थो मंजिल, इमारत नं० ए-2, अपनाघर यूनिट नं० 1 को-आप्० हाउमिग सोबाइटी लि०, ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, 4 बाला क प्रा. अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क०सं० ग्रई-2/37-ईई/12520/84-85 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ल ने गण नाप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई

प्रकृप बाद'्टी.पन्.पन्.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं ं अई-2/37ईई/12561/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी र्सं० फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत न० ए-21, अपना। घर यूनिट नं० 5, को०बआप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 26 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 17-9-1984,

को पूर्वोश्यत संपत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दृश्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत विभिक्त है और वन्तरक (वन्तरका) वौर वन्तरिती (वंतरितिवा) के बीच एसे वंतर्च के लिए तय पाया गया प्रतिक कब, निम्नीविचत उद्देश्य से उच्त बन्तरण लिखित में वास्त्विक कम से कियत नहीं किया गया है है--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दरिवस्य में कभी करने या उसने वचने में दुविधा के हिनए; बॉड्र/ना
- (ख) एंबी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अब्बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) । प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विश्वा के लिए;

नतः नज, 'उन्ह अधिनियम की धारा 269-म के अनुसन्तण मं, मं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन. निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीतः :— 55—126GI/85

- (1) मेसर्सं समर्थ डिवलपमेंट कारपोरेशन। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रसाद माधव धावलीकर। .(अन्तरिती)

को बहु सूचना बाड़ी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के बर्जन के जि़ब्ह कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबहध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स तिस्ति में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरणु '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में शिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

फ्लेट नं॰ 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० ए-21, अपना घर यूनिट नं० 5, को०-आप० हार्जीसंग सोसाइटी लि० ग्रोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे०पी० रोड, 4 बंगला के सामने, ग्रंधेरी (प), बम्बहै-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क़ सं० अई-2/37ईई/12561/84-85 ग्रीर जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास लक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी :एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ेअजंन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/3 ७ईई/12137/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिगम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट न० सी-4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, अमीरित, सी इमारत अमरीत को०-आप०, हाउसिंग सोसाइटी लि० 22, कार्टर रोड खार दांडा, बम्बहै-52 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 260 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14-9-84 को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाव्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है लौर अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिकों) के बीच एके बन्तरम के सिक् तब पाम ग्रा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वावत., उक्त अधिनियम के जभीन कर देगें के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का !!) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इंतारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमति अरूणा जियांती ट्राडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित मरीअम ख्वाजा अख्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की जनिध या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के द्वाचपत्र में प्रकाशन की ताइतीय से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्मित में हिम्बूह किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकर्षः:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो बन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्शावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसूची

"फ्लेट नं० सी-4, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, अमरीत सी इमारत, श्री अमरीत को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 22, काटंर-रोड, खार दांडा, बम्बई-52 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/12137/8485न्त्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रें ज-2. बम्बर्ड

तारीख: 9-5-1985

प्रकार कार्य ुटी हु एत हु एत हु ॥ = = ====

बायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वभीन स्वना

श्राद्धत सहकाड

कार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

'बम्बई, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12581/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं कमरा नं 54, जी, 1 ली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिग आर्केंड, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, एस नं 41 अंश), अपना घर के पास, ग्रंधेरी (प), बर्म्डब-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निनिल्ल में बास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण हो हुए किसी बाव की वाक्स, समक्ष जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसके बचने में स्विधा के लिए बार/या
- (क) एसी किसी नाव ना किसी का ना नाव नास्तिनी को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के निएश

(1) मेसर्स आर० एन० ए० बिस्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोबिन्द दीपचंद पंजबानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां करू करता हुं।

उचत सम्पत्ति की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी इस स् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थव्होकरण इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

"कमरा नं 54, जो, 1सी मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आर्केड, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, एस० नं 641 (ग्रंश), अपना घर के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/12581/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बहै श्रद्धारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

कर में, मं, उक्त अवस्तिम•का वारा 209-व को उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अथार्त् ह— 10-5-1985

मोहर ः

प्रस्य बार् ु टी ु एन ु एस ु--------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यां सम, सहायक गायक र बायुक्त (विरोध्यक)

अर्जन रें ज-2, वम्बई वम्बई दिनाक 10 मई,1985

निदेश स० ग्रई | 2, 37ई हे | 12448, 84-85-- अत मुझे लक्ष्मण द(स,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 009, जो इमारत न बी-2, अपनाघर यूनट न० 3, को०-आप हार्जासग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, आफ जे०पी० रोड, 4 बगला ग्रघंरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-9-1984,

द्वां पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गृहं है और मृक्षे यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूनोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आंद्र अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय थाया प्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बावत बण्ड काँच-निवस के ब्रथीन कर दोने के जन्तरक के बाजित्व में कभी करने या उत्तचे बचने में सुविधा के जिये; व्यक्तिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषत्राचे बन्तरितों स्वारा प्रकट नहीं किया नवा बा.वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूरीविधा से बिदा;

अश्वत जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-क के जनुसरक के, जे, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क जभीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थाद क्र--

(1) मेसर्स समर्थ डवलपमेट कारपोरेशन।

(अन्तरमः)

(2) श्रीमति नर्गिस सलीम मर्चेट।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्चन के निष् क्रार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्टित के वर्षन् के सम्बन्ध् में कीई श्री बाखेद ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की बरीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रास्तः
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के श्रीतर जनत स्थावर संपरित में हित-बच्च किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रम लिखित में किए जा करोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अन्सूची

फ्लेट न० 009, जो, ग्राउन्ड फ्लोर,इमारत नं० बी-2, अपना-घर यूनिट न० 3, को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, आफ जे०पी० रोड, 4 बगला के पास, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कस० अइ-2,37इइ,12448,84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिक।री वम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई, 1985

निर्देश सं० अई-37/ईई 1 2 5 8 2/84-85— अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लैट न० 113, जो, 11 वी मजिल, सारग टॉवर, रोशनलाल अग्रवाल, कम्पलैवसा, प्रोशिवरा, अपनाघर के पास, प्रवेरी (प), बम्बई-58 में स्थिन (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अविनियम को धारा 26 कख के अवीन, सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख़ 18-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किला तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलार एसे का गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० मोहन एण्ड कम्पनी।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० ा13, जो, 11 वी मंजिल, सारगा टावर, रोशनलाल अग्रवाल कम्पलैक्स, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, अपनाघर के पास, ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि त्र स० अई-2/37ईई/12582/84-85 ग्रोर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 18-9-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज्-2, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर 🛢

रक्ष बाहं . टी हुन . एक :----

बाब्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) को बधीर स्वना

शारत श्रुकात

कार्यांचय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई । बम्बई दिनाक 10 मई, 1985 निर्देश संब्अई 2/37ईई 12630/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० बंगला यूनिट नं० 2,जो, ए-टाईप, संतोष बंगला
रोशनलाल अग्रवाल कम्पलैक्स, ग्रोशिवरा, वर्सोवा; एस० नं० 41
(ग्रंश), अग्ना घर के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है
ग्रौर इसवे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),
ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधियम की धारा 269 कख
के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कायर्यालय बम्बई में रिजस्ट्री
है, तारीख 19-9-1984,

क्रो पूर्वोक्त सम्भीत्त के उचित् बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निष् तय वाया गया प्रतिक कम, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त संतर्ण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बोध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अभीन, निम्नसिखित व्यवितयों अर्थातः— (1) मेसर्स आर॰एन॰ ए॰ बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री भाई लाल देसाई भाई पटेल।

(अन्तारती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्थ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अब्धि, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया हैं।

अनुस्षी

बंगला यूनिट नं० 2, जो, संतोष बंगला, रोशनलाल अग्रवाल कम्पलेक्स, त्रोशिवरा, वर्सीवा, एस० नं०41 (ग्रश), अपना घर के नास, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई 12630/84/85 ग्रीर जो सक्षम प्राक्षितरों, बमबई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, बम्बई

नारीक :- 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाह्र हो एत. एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/12981/84-85— अत. मुझे, लक्ष्मण दास.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 202, जो, कृष्ण कुंज को० अप-हाउसिंग सोसाइटी, 4 रोड, ग्रधेरी (प), बम्बई-58 मे स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची से ग्रौर पूर्णहप विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम की धारा 269 कख के क्षिन सक्षम प्राधिकारी के कार्णलय बम्बई मे रंजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहं है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथमपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किशी नाय की शबत, नजस अधिनियम के जधीन कर दोने क अन्तरण के क्षी ... में कमी करने वा उत्तर बचने के मुक्सि। को लिए.. आह/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या दिनी किया गार्म का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तदिती द्वान प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के जिस्

बतः बब, उक्त बाँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, (1) कपीला एम० थकी।

(अन्तरक)

(2) पेरूबबा एस० नारायनी अमल ग्रौर पेरूबबा गगाधर राजेश्वरी।

(अग्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जासेच 🦫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वाक्रीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नथा है।

धनुसूची

फ्लैट नं 202 कृष्ण कुंज, को ०-आप० हार्जीसग सोसा० लि० प्लाट नं 015, 9 बगला रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई 53 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/12981/84-85 ग्रौर जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-9-1989 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास स्थाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख : 1-5-1985

मोहर

प्रकृप बाह्ं, टी. एन. एक पुरुष्टराज्यसम्बद्धाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-2, बग्वई बम्बई, दिनाक 1 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12995/84-85- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया की), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 311, जो 3री मंजिल, वृदावन एम-वीरा देमाई रोड, संधेरी (प), वस्वई में श्वित हैं और इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रौर पूर्णस्य से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं. तारीख 20-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गई ह् और विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) जन्तरण हे हुई किसी गाय की बाइट, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चंहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

(1) मेसर्स मनीष कन्स्वकान कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीविपीन जयन्तीलाल शाह और श्री जयन्तीलाल के० शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त रामित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करीं अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मनुसुची

फ्लैट ने० 311, जो, 3री मंजिल, वृदावन एस-2, वीर देसाई रोड, ग्रंबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैना कि क सं अई-23/ईई 12995/ 84 ह8 है श्रीर जो सक्ष्म प्राधिकारी, वस्वई बारा दिनाक 2-9-1984 को रजिश्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास
यक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 1-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13003/84-85—ग्रतः, भुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्राँर जिसको सं० फ्लैट नं० जीं 4, तलमाला, रेसिडेन्सीं बीं चार बंगला, वर्सोवा, अन्धेरीं (प०), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसकी करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारोख 29 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1'922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 56—126GI 85

1. मैमर्स लोखंडशला श्रींनायसेस प्रा० लिमिटेड

ु(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रकान्ता जे० भर्मा । -

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन को ताराख भ 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

पलैट नं० जीं 4, जीं तलमाला, रेसिडेन्सी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंला, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा कि के० सं० आई. 2/37/ई ई 13003/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारीं, वस्वई द्वारा दिनांक 29 जुलाई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दासे मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 1-5 1985

प्रकप बाई .टी .एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई दिनांक । मई, 1985

निर्देण सं० अर्ड 2/37र्डिं/ 12983/84-85— अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० फ्लैंट नं० 41, ग्रंजली 7 बंगला, ग्रंधेरी, (पं०) बम्बई 61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणितहै) ग्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 2 सितम्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (म) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) वाम्बे हाउसिंग कार्पीरेशन ।

(अन्तरक)

(2) स्यामनारायण मिश्रा।

(अन्तिरतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

फ्लैट नं० 41, ग्रंजली, फ्लैट नं० 2, एस० नं० 121 7 बंगला, वर्सोवा विलेज, ग्रंबेरी (पं), वम्बई 61 में स्थित है अनुसुची जैमा कि ऋम सं० अई-2/37/ईई/12983/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख : 1-5-1985

रक्ष बाह्य हो. एष. एष

बाधकर ज्ञिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के बधीन क्षता

प्राच्या ब्रुट्याड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निदेश सं० अई 2/37ईई/12700/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उच्छित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा जो, "मझदर हिल',' नाम से पहचाना जाता है श्रौर जो मौजे श्रंधेरी तालुका बम्बई मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनाम. आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय बम्बई मे रजिस्ट्री है तारोख 123 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् वाकार मूल्य से कम के स्थवनाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाचा गया प्रतिफल निक्तिचित स्व्यंद्ध से उच्छ अंतरण निक्ति में वास्तिक्ष स्थ से स्विष्ण स्था विका ग्या है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीधितब्ब के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा से सिए; साह/वा
- (व) ऐसी किसी नाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया स्त्रा चाहिए सा ज्या किया के ब्रिश्या के बिस्ट;

बत्य शब उत्तर विधिनियम की धारा 269-न के वनुबर्ध में, में, उत्तर विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नतिख्त व्यक्तियों, वर्धात् है— (1) डा० बसन्त नारनती देसाई, भालचन्द्र नारानजी देसाई तथा भास्कर नारानजी देसाई।

(अन्नतरक)

(2) मेसर्स आयर् एम० बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक आरव्ही क़ुलकर्णी ग्रौर वाय एन० कन्ट्रक्टर ।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां **सूरू करता ह**ै।

डक्त बुम्बीत के बर्चन के सम्बन्ध में नकोई भी बाक्षेप अ--

- (क) इत बुचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख़ ब 45 दिन की जनिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज़ से 30 दिन की जनिए, को भी बक्षि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के मीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हिए-बह्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वध्रोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकेंथे।

स्वक्रीक रणः इ-इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं वृष्ट होगा जो उस अध्यार में दिया नया हैं।

ननुसुची

जमीन का हिस्सा जो "मझदर हिल" नाम से पहचाना जाता है, श्रौर जो मौज श्रंधेरी तालूका, सालसेट रिजस्ट्रेशन सब डिविजन ब्राद्रा, ओल्ड सर्वे नं० 64/पी०1/4 श्रौर सर्वे नं० 109 एफ नं० 1, यू एस० नं० 64-ए1, एच ० 1, श्रौर जो बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-2/37ईई/12700/84-85 ग्रोर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

तारींख : 1-5-1985

मोहर 🔢

प्ररूप आई .टो . एन . एस . -----

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत शरकारु

कार्यां स्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, वम्बई .बम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निदेश स० अई-2/37ईई/12992/84-85— अत. मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर गर्भात, विश्वका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० जमीन का हिस्ता जिसका फ्लैट न० सी० टी० एस० नं० 644 ओर 645, जय प्रताण रोड, अधेरी (प), बर्न्बें 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में आर पूर्णरूप से वर्णित है) स्रोर जिम ता करारनामा आयकर जिल्लाम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के व्यक्तिय वस्वई में स्थित है, तारोख 27-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफन के लिए बंचिरत की गई है और गुभ्ने गृह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दर ।।। प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिती (बंतरितों) को बीच एसे अंतरश के लिए तय पाया कथा प्रतिफल फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- र्षेक्ष) बंतरण तं हुइं किसी काय की बावत, सत्तक वीपीन्यम को लघीन कार वोने की बंतर्क की वाबित्य में कामी कारने या उसमें बचने में सुविधा को सिए, बॉर/सा
- (क) एसी किसी काम या किसी धन या कस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का ६१) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रमोजनार्थ अनिरित्ती हुआरा पमट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वी जिए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्री मोहम्मद अहमद नाथानी, श्रीमती फातेमा मोहम्मद नाथानो, श्री हुसून अहमद धर्मसी श्रोप श्रीमती झैनन हुसून धरममी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सरकार विल्डर्स ।

(अन्तिरती)

(3) दो भाड्न।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे पम्पात्त है)।

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पित्त को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हि... बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधिहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी०एस० न० 644 म्रौर 645 है ग्रीर जो जयप्रकाश रोड, ग्रधेरी (प), वम्बई 59 मे स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/12992/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 27-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप बाइं. टी, एन. एस.,----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा विकास की धार विकास

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/12463/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 309, तीसरी मजिल, बि० नं० 31, एस० एस० नगर, ग्राम्बोली विलेज, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269π , ख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-9-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने, की कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं या धन कर ब्रीधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गर्म का या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्

1. श्री वी० बी० पटेल एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. डॉ॰ एम॰ जी॰ शेट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी तब बि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

म्यष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

फ्लैट नं० 309, जो तिसरी मंजिल, बि० नं० 31, एस० एस० नगर, भ्राम्बोली वीलेज, भ्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुस्वी जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई--/12463/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🖰 -

प्ररूप बार्ड हो दुन एक -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-2, बैंम्बई वम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/10627/834-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 402, वि० न० 46/ए, मनीष कृष्णा को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, चौथी मजिल, मनीप नगर, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हे, तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- र्डुंक) बन्तरक् से हुइं किसी बाय की बाबत उक्त विधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक की द्यायत्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; खीर∕या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने से स्विभा के लिए;

जतः वय, उक्त विधितियम की धारा 269-न के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृथित् ध--- 1. श्री उन्नीकृष्णन एच० के०।

(ग्रन्तरक)

2 (1) श्री जाफरर्ल्ला ग्रार० मुकादम ग्रौर (2) श्रीमती खुशिद जे० मुकादम। (ग्रन्तरिती)

भी वह क्षता वाही करके पृत्रों कर सम्पृत्ति के वर्षन के क्षिय कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के बर्जन के स्म्बन्ध में कोई सी बाखेस् :--

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी
 वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वा उक्त जीभनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं:

वन्स्यी

पलैट न० 402, जो बिल्डिंग नं० 46-ए, विग मनीष कृष्णा को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी ,चौथी मंजिल, मनीष नगर, जे० पी० रोइ, ग्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सि ग्रई-2/37–ईई/10627/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5–9–1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आईं. टी. एन ु एस . ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

धारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/10425/84-85--ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्भाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल, सनस्वेप्ट -ए विल्डिंग, चार बगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), क्रिम्बई-40058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क्, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- क निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित में वास्तिवक कप से कांधत नहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिन्यत्र के अधीन कर दोने के अतरक के बाबिन्य में कभी करने या उसमें त्रवने में स्विधा के लिए, जीर था
- (स) हुरी किसी बाव वा किसी धन या अन्य आस्तिवा का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री बशीर ग्रहमद खलफे ट्रस्टी बशीर श्रहमद खलफे फैमिली ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एम० संजीवा रामा शेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕾 —

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की ज़बीध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्क करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्पी

पलैंट नं० जी-4, 201, जो, दूसरी मंजिल, सनस्वेष्ट -ए, प्लाट नं० 353, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-400058 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37—ईई/10425/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 1-5-1985 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भावकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, वम्बई वम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12807/84-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, सातवी मंजिल, डी-िश ग्रिभिषेक ग्रपार्टमेट्स, चार बंगला, वसोंवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका, करारनामा बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के स्थिए हम पाना गया प्रतिक क्ष्य निम्नितियात उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में बास्त- विक स्थ से स्थित महीं जिल्ला क्या है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-विज्ञा में सभीन कर दोने के सन्तरक के दाजित्य में कती करने वा सकते वचने में सुविभा के फिस्: मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, कः धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. मेयर्स अोमप्रकाश एप्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी कल्पना वी० जटाविया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त निक्षित मों किए वा सकोंगे।

ह्यक्टीकरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध हुगेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैट नं० 702, जो मातवी मंजिल, डो०-विग, ग्रिभिषेक ग्रपार्टमेंट्स, ई० एस० ग्राई० सी० नगर के पीछे, चार वंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी, (पश्चिम), वस्वई-40008 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि नं ग्रई-2/37–ईई/1280784-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीख: 1-5-1985

मोहर 🤋

शक्ष्य बाइ¹. टी. एव. एख_.--=---

बायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की ाय 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत हरकार

श्रार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निदेण स० ग्रई-2/37-ईई/11067/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जो/903, 9वीं मंजिल, गलिक्टका हिरनन्दानी इस्टेट, ओशिवरा, ग्रन्धेरी (पं०), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावछ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1984

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वित्य संवित्त का उचिद बाचार मूल्य, उनके स्थवमान प्रतिकाल के सम्पद्ध प्रतिकाल के सम्पद्ध प्रतिकाल के सम्पद्ध प्रतिकाल से स्थिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सब बाया गया प्रतिकाल, निम्मिलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण किखित में नामाविक अप से कथित कहीं किया गया है:---

- (का करनरण से हुइ किसी वाय की बावस, उसक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक की समित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के िए: और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या जन्म बास्तियों को, जिन्ही शारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था का किया जाना वाहिए या ख्याने में स्विधा निवा

1. मेसर्स ग्रपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

 श्रीं सी० डी० मोटवानी ग्रीर श्रीमती एच० सीं० मोटवाना।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के दिक्ष् कार्यवाहियां कारता हुन्।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुनना को राजधन में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर
 सृदना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी
 अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राख सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याव में दिया ववा ही।

नन्स्ची

फ्लैट नं जी 903 जो वो मंजिल, गलिटका अपार्टमेंट्स, हरनन्दानी इस्टेट, गो शवरा, अन्धेरी (गश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-2/37ईई/11067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रिजस्टिं किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज -2, बस्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37नईई/21958/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिसकी संवरूम नंव 1, 3री मंजिल, (नियोजितं इमारन में 62 रानडे रोड, दादर, बम्बई-400028 में स्थित है) ग्रौर इससे उरावद अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप न वर्णित है), ग्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, , 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सेक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-9-19 4 को पूर्वीक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे 'अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सी० एस० देशपांडे एन्ड अशोसियेटस
 (अन्तरक)
- 2. श्री अरूण पुरुषोत्तम भडासावच।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं॥

अनृश्वी

रूम नं० 1, 3री मंजिल (निर्माणाधीन इमारत में) जो, 62 रानडे दादर बम्बई 400 028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई /21958/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 28-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), - अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 10-5-1985

लक्ष्मण दास,

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एत्..----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यालय. सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

जर्जन रेज-2, बम्बई बम्बर्ट, दिनाक 1 मई 1985 निदेश स० अई-2/37अईई/12643/84-85--अत मुझे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स# फ्लैट न० 201, 2री मजिल, सी-विग हावा अपार्टमेट्स, महाकारी केव्हज रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-40 093 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ब्रार पूर्ण रूप से वणित है) ब्रोर जिसना करारनामा आयकर अधि।नयम, 1961 को धारा 269कख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे राजिस्ट्री हे, तारीख 21-9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से शुर्व किसी जाब की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक को दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (195<mark>7 का 27</mark>) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, जब, उक्त वाँधनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, भी, खबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. जहागोर ।बल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री हरून मेहता।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिन में किए जा सकरी।

ल्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट न 201, जो, 2री म जल, सो-विग, हवा अपार्टमेट्स, महाकानी केह्नज रोड, शन्धेरी (पूर्व), बम्बई-40 093 मे स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/12643/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-9-1989 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर 🤰

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय मर्ग्यक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई, विभाक 1 मई 1985

िविश मं० ाई-2/37ईई/11066/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सदान प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि राधावर मध्यस्, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिपकी सं० पनैट एं० 502/ए 5वी मंजिल बी-विग, स्वायवावर हेरनन्तानी इस्टेट, ग्रोशिवरा, अन्धेरी, वम्बई-58 में स्थित है (प्रोर इनसे उपायद्ध असूनुची में ग्रौर पूर्ण रूप स्ते विणित है) प्रोर जनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई रिथत सक्षम प्राधिकारी है के प्रायंज्य में रिजरटर्ड है, त'रीड 5-9-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और मंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्हिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्हिविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्क गिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधार के लिए, और/या
- (स' एसी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कृता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)-के ज्ञानि, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स अपेक्स कान्स्ट्रेक्शन्स।

(अन्तरक)

 श्री इराज फराबो और श्रीमती शहनाज फराबी।

(अन्तरितो)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (б) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुंसूची

फ्लैंट नं० $502/\nabla$, जो पाचवी मं f जल, बीं, विंग, स्कायवाकर बिलिंडग हिरनन्दानी इस्टेट, अपना घर के पींछे ओशिवरा, अन्धेरी (पश्चिम), बस्बई 400058 मेंस्थित है

अनुसूचीं जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37अईई/11066/84-85 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

मेलर्स आमत्रकाश एण्ड कस्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेण वीं० जटाकिया।

(ग्रेन्नरितीं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजन्य, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निदेश स० ग्रई-2/37-ईई/12808/84-85--ग्रतः मूझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकीं म० फ्लैट न० 701, जो, 7वीं मंजिल, डी-विंग, अभिषेक अपार्टमेंट्स, चार बंगला, वसींवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में रिथत है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रू: से बणित है), और जिसका करारनामा आयमर अधिनियम, 1961 की धारा 269:, के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राविधारी के कार्यालय में रिमस्ट्री है, तारींख 19-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रति अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनारण के लिए न्य पाया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्षेत्र अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- का यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी .अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त यिवतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तग ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 701, जा, सात्र म जिल, डी-विंग, स्रिभिषेक विलिंडग, ई० एस० प्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगला, वर्सोवा, प्रन्मेरी (पिंचिंग), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैना कि कि कि सि ग्राइन्2/37ग्रईई/12808/84न्85 और जो सक्षम प्राजिनारी, बम्बई हारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय अगयबर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज-2, वस्बई

तारींख 1--5--1985 **मोहर**:

प्रक्ष नार्षं. ठी. एव., एव.,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के ब्योन ब्युना

THE RESIDENCE

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

ग्रर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10582/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण ्दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, बजाज पर्ल, प्लाट नं० 28-30, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिपना रारारनामा ग्रायार श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 , ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे क्सरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उपस अधिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (क) एसी किसी नाय का किसी भन का जन्म नास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नृतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती अमल श्रानन्द।

(म्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश खेमचन्द चावला।

(ग्रन्तरितीं)

3. ग्रन्तरितीं।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्द सम्मित्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेय :--

- (क) इस सूचना के राज्यन ने प्रकाशन की तारी है थे 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 502, जो. बजाज पर्ल, प्राप्ट नं० 28-30, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है। अनुसूचीं जैसा ि क० मं० ऋई-2/37-ईई/10582/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजिस्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण.) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींख: 8-5-1985

मोहर 🖫

बरूप बाह्र . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, वस्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० अई--2/37--ईई/12982/84--85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ्र फ्लैंट नं० 207, अंजली बिलिंगड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी, (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिस ा वर्रारनामा ग्राया प्रशिविधम, 1961 की धारा 269:, ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारींख 29-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरणः, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं वाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतीं लींला एस० लाल।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करीता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 207, जो, अंजिल तिर्हिश, प्लाप्ट नं० 2, एस० नं० 127, सात बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरीं (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37–ईई/13982/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29–9–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिशारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंह--2, बम्बई

नारींख: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ'.टी.एन,एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

यांत रे बम्बई

बगवर्र दिना । एई 1985

निर्दोश म० ऋई- 2/37 ईई/13005/84 ·85-----ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम पाधिकारी हो. 1ह विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 106 पहली पिल्ल, रेसीडेन्सी -बी, चारबगला, अप्रेरी (प०) वम्बई 58 में रिथा है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व में योग पर्य करा विचा है), और जिसका परारनामा आकार स्वितियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधान, वम्बई रियत पक्षम प्राविकारी के सार्यात्य में रिजिस्ट्री है, तारीख 29-9:1984

को प्वोंक्स सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मगीन का जिस्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल म एम्ये दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और ननरक (अतरक) और नतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के जिस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उक्त अतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- क भारक सह है। दी तया । वा स्तार-निक्य का कभीन बार दीन की बल स्था को सामित्व मां कभी करन या उसरा उपने का स्विधा की सिक्स: कीर/बा
- को, जिसी नाय या किसी भन या जाय आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आकर्कार मिश्रीनवस 1922 (1922 का 11) या उनत जानित्रमा, या धन-कर अभिनित्रमा 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ कर्राता प्रवास प्राप्त नहीं किया ग्रास का बा किया बा, जाहिए था छिश्रम से सुद्रभ के निष्

कत कव, उन्त अधिनियम कि ग्रांग 269-क के अविका मैं, मैं, उन्त अधिकिम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निकासित व्यक्तिया, अर्थात

1 मसर्न ल।ब्रडघाला प्रिमायमप पा० লিনিট্ড। (ऋनरः)

2 श्री निर्मि के निर्मा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स-बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ' के पास लिखिन में किए जा स्परेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, के उस अध्याय में दिसा गया है।

बनस थी

फ्लॅंट न० 106, जो ४४लीं मजिलू रेसीडेंमीं-नीं, विल्डिंग विल्डिंग, प्लाट न० 38 एए० न० 41 (पार्ट) चार बंगला, ग्रन्धेरीं (पश्चिम) यश्वर्ड- 400 058 में स्थित है।

अनुसूची बैना ि क० न० अडी-2/37-ईई/13005/ 84-85 ओर ना अन प्राधिकी विषयी द्वारा दिनाए 29-9-1984 की रिक्टिंग निर्मात है।

> लक्ष्मण दाप सक्षम प्राधिकारी पहारा पास प्राधिकारी पर्वत रेज- 2 विस्वर्ड

नारीं ज 1-3 1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज--2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० ग्रई—2/37-ईई/13004/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण वाम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिमकी सं० फ्लैंट नं० जी-2, तलमाला रेसींडेन्सीं-बीं, वसींवा, ग्रन्धेरीं (प०), वस्बई-400 058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पुर्ण रूप से वर्णित है), और जिस्ता इस्तरनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, तारीख 29-9 1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के उत्पमान प्रतिभाग के लए अन्तरित का गर्द है और एमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया श्रीतफल., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाब को वाबत उक्त बाध-नियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/श
- (क) ऐसी किसी जाब कर किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957-का 27; के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं कि प्रयोधा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं कि प्रयोधा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं कि प्रयोधा या किया अन्तरित साहिए आ, जिल्ला में विषय के सिष्ट;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात कि

- (1) मेसर्स लोखडवालः प्रीनायमेम प्रा० लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामतोः चन्द्रकान्त जे० शर्मा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिश्चित में किए जा हत्तेंगे।

स्पष्टीकर्ण: --इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है?

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-2, जो तलमाला, रेसिडेन्सी-बीं बिलिंडिंग, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगला, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पिंचिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37ईई/13004/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षेम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 1-5-1985

मोहरः :

क्रम । दी एन एवं -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-2, वस्वई बम्बई दिनाक । मई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/10630/84 85→-ग्रतः मुझे, इमण दास '

वामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

अौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1201, 12वी मंजिल, गंरेज नं० 6, माउंट, जे० पी० रोड, वसींवा, अन्धेरी (पश्चिम,) बम्बई 400 058 में स्थत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, के अधींन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्रीं है, तारींख 5-9-1984।

को पूर्वित सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पासा गया प्रतिकल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं पाया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में मन्त्रधा के किहा; बौर/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का को से उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान से स्विधा है जिए,

अतः अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण का, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामशंकर एल० श्रांफ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रींमतीं इंदिरा रानीं हार्डी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (कं) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षित्रिका, के अध्यास 20-क में प्रिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गवा हैं।

मन्स्ची

"फ्लैंट नं० 1201, जो 12 वी मंजिल, गंरोंज नं० 6 के साथ, माऊंट बिल्डिंग, जे० पी० रोड, वर्सेवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

श्रनुसूचीं जैसा की ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/10630/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारीं, वम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर अ

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाव 1 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/12730/84-85—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास /

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लैट न० एम/705, मक्युरी अपार्टमेन्टस, हिरनन्दानी इस्टेंट, अपना घर के पीछे, ओशिवरा के पास, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), धम्धई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण हर से वर्णित है), अं र जिसवा वरारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 व, के अधीन सक्षम प्राविकारी के आर्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 25-9-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय अयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मेसर्स हिरनन्दानी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रींमतीं लता एस० जितानीं।

(ग्रन्तरितीं)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं॰ एम/705, जो मम्युरी अपार्टमेन्टस्, हिरनन्दानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओशिवर्ण, के पास, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

ग्रनसूची जैसाकी कर्सं० ग्रई-2/37ईई/12830/84-85 और जो पक्षन प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1984 को रजींस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

जतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ख—

तारीख: 1--5--1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) वो सभीत स्थान

भारत स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बच्चई

वम्बई दि ॥ : 1 मई 1985 निर्देश सं० हाई-2/37ईई/10558/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, कमरहुज "ए". इली किल, 214-एम०वी० रोड, प्रत्येरी (पश्चिम), वम्पई 400 058 में स्थित है (और इन्ने उपाबद्ध प्रतस्वी में और पूर्ण रूप में राणित है), और जिस ा ररारतामा आप र अबि तिथम की धारा 269 का के अबील सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय, वम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-19-1984। का पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूच्य से कम के स्थमल प्रतिफल के लिए जनारित की गर्वे हैं और प्रक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापकी त सम्पत्ति या अचित बाजार मूच्य, उसके स्थमान प्रतिफल ता, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरदार्ग) और अन्तरिती (अंतरितिथा) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिक का निम्मोजिक उपस्थ से उस्त करना निम्मोजिक की सिंग स्था है करना की लिए तय प्राया गया प्रतिक

- (क) अन्तरण पे हुई फियी बाय की बावत करत स्थि। नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी कर्ड का उत्तर्थ क्यूने में सुविधा के जिए; कीर/मा
- (स) एसी किसी क्षाय या किसी थन या कन्य आस्तिनी की, विन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ अन्तरिसी ध्वारा अकट नहीं किया गया या किया जाना चाहए था. छिपान से सुजिया की निए;

अतः अब, उक्त क्षिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण भें में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, (1) जगदींश चन्दर भारता।

(ग्रन्तरक)

(2) हिरीट्युमार बी० देलाई।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोयस्त सम्पत्सि के अर्थन के निवक आर्थवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्स 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी तब धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (ছ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

भवन्द्रीकरण — इसमें प्रयुक्त कर्नो और पक्षों का, जा शक्स अधिनियम के अध्याय 2े-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होता को तस अध्याय हों कि। यस है।

अनुस्ची

फ्लैंट न० 16, जो कमल कुज "ए" विल्डिंग, इली ब्रिज, 214, एम०वीं० रोड, ब्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० सं० अई-2/37ईई/10558/84-85 और जा सक्षम प्राप्ति कारी, बम्बई द्वारा दिनांक-5-9-1984 को रजिंस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राविदारी सहायक श्रावकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख 1-·5 ·1985 मोहर :

प्ररूप बाह . टी. एन. एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज-2. बम्धई बस्बई दिनांः 1 मई 1985

िदेग सं० ग्रई-2/37ईई/10489/84-85 -- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों सं० फ्लैट नं० 108, पहिलों मंजिल, विश्नं० 1, झकेरिया आघाडी नगर नं० 1 को-आप०हो०सोक्षा०लि,० गलमोहर गार्डनः, यारी रोड, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिमी) बम्बई 400 0058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वेणित है), और जिस्ता करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 अ,ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्री है, तारींख 3 9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफ्नें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्द स्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबरा, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना बाहिए था, टिक्रपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त आधानयम, का धारा 269-ग क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री बादुर जमशेदजी हंसोटिया।

(ग्रन्तरः:)

)(2) श्रीमती कान्ता चिद्याक्षागर जंगवाल।

(अन्तरितीं)

को यह सूखना चारी कहके पूर्वोक्त सम्मतित के नर्वन के लिए कार्यनाहियां कहता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अवधि बाद में हमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ध्यवित थीं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिम्मित्यम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, जहां जर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा अधा है।

अनुसूची

पलैट नं० 108, जो पहिलीं मझिल, बिल्डिंग नं० 1 झकेरिया ग्राघाडीं नगर नं० 1 को-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोता-ईटी लिमिटेड, गुलमोहर गार्डन्स, यारी रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

प्रास्त्री जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37बईई/10489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां उ 3-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बई

तारींख 1--5--1985 **मोहर**ः प्ररूप बाईं.टी.एन.. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई, 1985

निर्देश सं० $$\hat{\xi}$ -2/37 $\hat{\xi}\hat{\xi}$ /10577,84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 606, टेरेस के साथ, छठी मंझिल, बनमोअर-बी बिल्डिंग, लोखंडवाला कप्पलेक्स, वसींवा, अन्धेरी (प०), बम्बई 400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाइड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीरट्री है, तारीख 5सितम्बर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गइ है के लिए अन्तिरत प्रतिफल की यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री निर्मलु कुमार सरोअगी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतलादेवी सरोअगी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी इन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 606, टेरेस के साथ जो छठी मंजिल केनमोर-बी बिल्डिंग, प्लाट नं०.246, लोखंडवाला काम्पलेक्स, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

अनुसूची जसा की कि० सं० अई-2/37 ईई, 10577, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षमप्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12449/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 31, तीसरी मंजिल, गौतम जि़्तास, वर्षा को-आप० हाऊसिंग सोसा०लि०, सांत बंगला के पास, अन्धेरी (प०), बम्बई-58; स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 14-9-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्टित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (!) के बधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) आर०सी० कपूर

(अन्तरःः

(2) श्री मानेक करसेट जी पटेल।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका है।

ग्रनुसूची

पलैंट नं० 31 जो तीसरी मंझिल, गौतम निवास, वर्षा को-आपरेटिब हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमीटेड, सात बंगला के पास, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37ईई/12449, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप बाह' टा . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 मई 1985

निर्देण सं० दर्ड-2,37ईई,12657,84-85—अत्मूझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-फ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, दूसरी मंजिल, विल्डिंग—
कांसांटस—बी चार बंगला, वसींवा, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई58 में स्पित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से विज्ञत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-9-1984।
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
बन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी बारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (१) च अधीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) मेसर्ससुनील किशानी फीमली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) जोजाक्विन सोअर्स एण्ड ेइमीटेरिय्रो फ्रान्सिस सोअर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अर्जन .--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अपिट या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त एक्षातर संपत्ति में किंवनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्नाक्षरी के पास । निर्माण में सिए आ किया।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षा रहे हैं

पर्लंट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, क्रासगेटस-बी विलिड़ंग, प्लाट नं० 334, एस०नं० 41(पार्ट), चार बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400~058 में स्थित है।)

अनुसूची जैसाकी कि०मं० अई-2/37ईई $_{\rm J}$ 12657/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिक।री, धम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गय। है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप. नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर वाय्क्त (विरोक्षण)

म्रर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० अई-2,37ईई12617,84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन इक्षम शाधिकारी को वह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उपित गावार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, तलमाला, ग्रीनिफिल्डस बिल्डिंग, प्लाट न० 33, एस०न० 41(पार्ट), चार बगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मेग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनाम। अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई मे रजीस्ट्री है, तारीख 19-9-1984।

को प्योक्त संपत्ति के उपित वाबार क्रूज्य से कम के द्रावमान व्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थित का उपित वाजार भूका उसके द्रावमान प्रतिफल से, एसे द्रावमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिवात से जिपक है और जन्तरक (जन्तरकों) वार जन्तरित (जन्तरित्यों) के वीच एसे क्रूब्य से जन्तरकां निष्ट त्यू पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से अवस्था जन्तरण निश्चित वें वार्स्तिक हम से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की वावत, उक्त जिपितियम के जभीन कर दोने की जन्तरक के दामिल्य में कभी करने या उससे नजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

बत: क्षतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बें, में उक्त अधिनियम की धारा 769-च की उपधारा (1) के अधीनः नियनलिखित व्यक्तियों, अधीव ----

59-126 GI 85

- (1) कुमारी झरीना रहिम था(हलानी ग्रौर अन्य। (अन्तरक)
- (2) किर्ण प्रभुदास ग्रीर अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन् के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 15 दिन की नविध या तत्वंबंधी . व्यक्तियां पूत्र सूत्रता की सामील से 30 विश की वार्यांथ, को और कार्या कर संगाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीका कार्यकारों में से चित्रती क्षांचस ह्वाका;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतंत्र उन्ह स्थानद सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी व्यक्ति द्वादा, अभोहस्वाक्षणी के शह तिबिद्ध में किए जा सकींगे।

ग्रन्धूची

दुकान नं० 4, जो तलमाला, ग्रीनफिल्डस बिल्डिंग, प्लाट नं० 333, एस०नं० 41 (पार्ट), चार बगला, वसीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क० स० अई-2/37ईई/12617/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 1-5-1985

माहर ;

प्रकथ काइं. टी. एव. एव.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक । मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12587/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा । ६९-स अधान स्थान प्रतिभागार का, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, , जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं दुकान नं 28, ज्युवेल शापिंग सेन्टर, प्लाट नं 1, सात बंगला, वसींवा, अन्धरी (पश्चिम) बम्बई 400 058 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1984।

भी पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्ति किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिल्लाने में मुविधा के जिला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ह--- (1) झैनाब अमीर हाजी।

(अन्तरक)

(2) विष्णु गुलूमल असवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिभ या तत्स्वभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित बहुध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

अध्योकरण: इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, वो उचक विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्बाहै।

बन्स्ची

दुकान नं० 28, ज्युवेल शापिंगसेन्टर, प्लाट नं० 1, सात बंगला, वसीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क्र॰सं॰ अई-2्र37ईई्र1258784-85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्रस्पः अस्दं . टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योन सूचना

गारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं अई-2/37ईई/11043/84-85--- म्रुतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404, विग-"डी" बिल्डिंग नं० 2/3/4, अन्धेरी मनीष गार्डन को-आप० सोसोईटी, जे०पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई 400 058 मे स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचि । बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संपत्ति का € उचित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से लिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात :--- (1) ग्रमीरली रजाबली खोजा और

(म्रन्तरिती)

शबनम ग्रमीरली खोजा।

(2) श्री प्रदीप एस० बदकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अधन के लिए / कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्स्ची

पलैंट नं० 404, विंग "डी" जो बिल्डिंग नं० 2/3/4, ग्रन्धेरी मनीष गार्डन को-ग्राप० हाऊसिंग सोसाईटी, जे०पी० रोड, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।" ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/11043/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 1-5-1985

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बबीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काशक)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/10412/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्षमण दास.

बायकरं बिभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसके पश्चात् 'उक्त बिभिनियम' कहा गया है), की 269-स के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारे 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, 3री मंजिल, मुनील शांपिम सेंटर, बिल्डोंग, 108 ए, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प०) बम्बई 400 058 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से जीणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 19-1984।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिबिक रूप से किथत नहीं किया वया है -

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उंकत अधि-रिजयम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कजी करने या उससे बचने में श्रुविधा के जिला और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्किथा के लिए:

 अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) रामावतार पुरुशोत्तभलाल पोद्दार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिना महेशकुमार शाह और. श्री महेशकुमार जयन्तीलाल शाह।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की बविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण ह---इतमें प्रयुक्त कव्यों और पदी का, को उन्ह अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्सूची

. फ्लैंट नं० 41, जो, 3री मंजिल, सुनील शांपिंग सेंटर बिल्डींग, 108 ए, जय प्रकाश रोड, अन्धेरी, बम्बई-400 058 में स्थित, है।

ग्रनुमूची जैसा की किल्सं० ग्रई-2/37ईई/10412/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त(निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर

प्रस्य बाद'.टी..एन्.एड्,------

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की " धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

बारत बरका

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/11037/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर बीधिजयम, 1961 (1961 का 43) (विसं रसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 404, चौथी मंजिल, होमस्टेट-ए बिल्डिंग, चार बंगला, वर्सोवा, ग्रन्थेरी (पिश्चम), ब्रम्बई 400 058, में स्थित है (और इससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्राय-कर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिज्ञुस्ट्री है, तारीख 5-9-1984

को प्वां क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसका अधितियम, की मधीन कर बाने के अन्तरक अधिवास हो सिविधा के लिए; और/वा.
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

ं अतः अतः, उत्तत जाभावनमं की भारा 269-नं के अन्तरण मं, मं उत्तत अधिनियमं को धारा 269-त्र की उपधारा (1) के क्षारीय विकास व्यक्तियों, स्थान:— (1) श्री राहबीर सिंग विर्क।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोनाल्ड विन्सेन्ट डिसौजा।

(ग्रन्तरिती)

को वहं सूचना करने करके पूर्वोक्त प्रमात्त के बर्चन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की वर्षा मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वाध, वो भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इशरा;
- (च) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के बीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनस्थ कियी बन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताकरी के पास 'तिथित में किए वा सकेंगे :

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निया, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका पदा हैं।

अन्स् ची

फ्लैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग होमस्टेट-ए प्लाट नं० 337, एस०नं० 41(पार्ट), चार द्वंगला, वर्सोवा,, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा की किल्सं० अई-2/37-ईई/11037/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-2,बम्बई

'तारीख: 1-5-1985

गोह्रर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, तहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10594/84-85—- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने क्रम कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल प्लेग्नट पार्क, प्लाट नं० 15/2, ओिशिंचरा बीलेज, चार बंगला के सामने, ग्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सह म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूक्य से कम के दंश्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाबार मूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे उस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से बिधक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतिक्ती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नितिखत उद्दिश्य से उचत अंतरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृत्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिखित श्रीक्तयां, अर्थात् —— (1) श्री मुकेश जशवंत्राई देसाई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनी उर्फ पुष्पा हरीराम राजानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बन्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अपनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस कूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थञ्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, प्लेग्नंट पार्क, प्लाट नं० 15/2, ओशिवरा, बीलेज, चार बंगला के सामने, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/10594/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 5-9- 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

प्ररूप आई.टी एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/12506/84-85---अत मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एक से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 1, स्प्रिंग लीफ, सात बंगला वसौंवा, ग्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई 400 058 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षिनयम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 17 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कींथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चुहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अविनियंग की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्रीमती इतेल्विना सी० फर्नाडीस और श्री अंन्ड्रयू एच० फर्नाडीस । (स्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश एम० शामदासानी,
 2. श्री चन्दू एम० शामदासानी और
 श्री मोईन एल० शामदासानी।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सू 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो स्प्रिंग लीफ, सात बंगला, वसींवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा की कि० स० ग्रई-2/37ईई/12506/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखः 1-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.इस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11068/84-85---ग्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य के,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 502/धी, 5वीं मंजिल, बी-विंग स्कायवाकर, हिरनन्दानी इस्टेट, ओशिवरा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 16 61 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विखास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) इसी किसी बाब या किसी धन का जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जर, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त जिथनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्णन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शहनाझ फराबी और श्री इराज फराबी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजिपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किछ था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

न्लीट नं० 52/बी, जो पांचवी मंजिल, बी-विग, स्काय वाकर बिल्डिंग, हिरनन्दानी इस्टेट, ग्रपना घर के पीछे ओशिवरा, ग्रन्धेरी (पिण्चम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/11068/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के क्योन स्चना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/11134/84-85---ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, ग्रनिता ग्रपार्टमेन्टस्, चार बंगला, जे०पी० रोड के सामने, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-9-1984,

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य सं कम की स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित काकर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (कां, अन्तरण सं हुई किसी वास की पावत उक्त और नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्त में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 60-126 GI 85

(1) मेसर्स एशियन कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मनीषा सोऊण्ड सेन्टर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह तब्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप रिकन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भन्ना हैं।

बनस्की

दुकान नं० 2, जो ग्रानिता ग्रापार्टमेन्टस्, चार बंगला, जे०पी० रोड के सामने, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/11134/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनी रेज-2, बम्बई

तारीख : 1-5-1985

मोहर

प्ररूपः **सार्घ**ः टी. एनः **एस्. - -** · -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर)क्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/10502/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 1, तलमाला, ए-विग, विवनंव 33, किरण चन्द्र को-ग्रापव हौसिंग सोसाविलव, मनीवनगर, जेविनीव रोड, ग्रन्धेरी (पिण्चम), बम्बई 400 058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 4-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का बारण है कि ध्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित अवार मूल्य उसके दृश्याण पितफल में, ऐसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य है उक्त अन्तरण से सिका गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में गस्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित में निक्षित नहीं किया गया है उन्तरित निक्षित नहीं किया गया है उन्तरित में स्वीक स्वास्तिक अप में किशत नहीं किया गया है उन्तरित निक्षित नहीं किया गया है उन्तरित निक्षित नहीं किया गया है उन्तरित से स्वास्तिक स्वासिक स्वास्तिक स्वासिक स्वास्तिक स्वासिक स्वास्तिक स्वासिक स्वास

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व म कमी करन या उमसे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- एमां किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्व जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा क लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री रामलाल बोध रांय ग्रारोरा।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री धनमुखनाल छोटालाल दलाल,
 - 2. श्रीमती लक्ष्मीबेन धनसुखलाल दलाल और
 - श्री उमेश बनसुखलाल दलाल ।

(अ

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्नि के अर्जन के धम्तन्य में कोई भी आक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 पदर के अविध के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ब्योशन द्वारा जधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित ह^व, दही अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया ंया है।

वम्स्यी

पलैट नं० 1, ए-विग जो तलमाला, विल्डिंग नं० 33, किरण चन्द्र को-श्रापरेटिव हाउमिंग सोलाईटी लिमीटेड, मनीषनगर, जे०पी० रींड, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।

ं ग्रनुसूची जैसा की कि० मं० ग्रई-2/37ईई/10502/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखं: 1-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-2, बम्बइ

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश संज श्रई-2/37-ईई/126/24/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 27, पहिली मंजिल, बी-विंग, ग्राशिविदि, ग्रोशिवरा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400.058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 घी धारा 2,69क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पृत्रों कर सम्पत्ति को उजित बाजार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित को वास्तिवक स्प से कृथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिरूप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए:

वतः अव, उक्त अधिनियमं ही धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नितिखिद्य व्यक्तियों, अर्थात्

1. मैं । स्राशिर्वाद एन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरक)

2. स्क्वाड़न लीडर जॉय प्रकाश छेट्री श्रौर श्री पुलीन कुलवंत राय मलहींदा। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 27, जो पहिली मंजिल, बी-विंग, आशिर्वाद बिल्डिंग, ओशिवरा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37—ईई/12624/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख़: 1-5-1985

मोहर

प्रस्य बाह्य. टी. एस. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 मई 1985

निर्देश स० अई- 2/3 /- ईहे/12491/84-85---श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 42, वौथी मजिल, बी-विग, ग्राभिषेक, ग्रोशिवरा, ग्रन्धेरी (प०) वम्बई-58 मे स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधोन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री ह तारीख 16-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित शाबार मूल्य न कम के दश्यमान प्रतिकाल के निए अन्तरित की गई है और मूओ वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वास्त सपिता का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकान र एके दश्यमान प्रतिकाल के पन्तर प्रतिकाल र एके दश्यमान प्रतिकाल के पन्तर प्रतिकाल के पिष्ट एवं अन्तरण के लिए एवं मांगा गया प्रतिकाल, निम्मलिशियत उद्देश्य से उत्तर जन्तरण चिक्तत में वास्तिक क्ष से किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसं अय की बाबत, उस् अधिनियम के अर्थी हर दन के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उक्तम क्यने में मृतिभा के सिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में मूबिधा के लिए।

अतः अवं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की, वनुसरफ बं, में उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, भिन्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् .—— 1 मै० ग्राशिवदि एन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती मीना क्पाडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, को और अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा का हस्तप्कारी के णात्र लिखिन में किए जा सक्ती

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जा उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है

वम्स्य

फ्लैंट न० 42, जो चौथी मजिल, बो-विंग, अभिषेक बिल्डिंग, ग्रोशिवरा ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कि ग्रई-2/37–ईई/12491/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16–9-1984 को रिजर्स्टड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 1-5-1985,

मोहर 🥫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. - - -

नायकर वाधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 घ(1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 1 मई 1985 निर्देश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/12472/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख क' अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, चौथी मंजिल, बी-विंग, ग्रिभिषेक, ग्रोशिवरा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-9-1984 को पूर्वैक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मंग्रे यह विज्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखत उद्देश्य से खक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप कर से किथत नहीं किया। वा है कि

(क) बन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बर्चने में सुविधा के लिए बार/या

एसी। कसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए!

कतः अब उक्तः, अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरम में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मै० प्राशिवाद एन्टरप्राईजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुकेश मनहरलाल कपाडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 जिन का अवार, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयन्त राज्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मन्त्यी

फ्लैंट नं० 43, जो चौथी मंजिल, "बी" विंग, श्रिभिषेक स्रोशिवरा, स्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क़ ं सं० ग्रई-2/37—ईई/12472/84-8.5 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🤢

मक्त नार्द की एक एक ,----

मेसर्स श्रोम प्रकाश एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री बालकृष्ण ग्रार० चौधरी।

(ग्रन्तरिती)

भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वो मधीन सुमना

प्राप्त वहकार

कार्यालय, सहायक शायकर शाब्क्त (विरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बध्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/11127/84-**8**5---श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाद 'उक्त मिनियम' कहा नवा ह"), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैंट न० 601, छठी मंजिल, बी-विंग, ग्रिभिषेक ग्रंपार्टमेंट्स, चार बंगला, वसींवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूस्य से कम के दक्ष्यका हित्यका के निए अन्तरित की नहीं हैं कौर मूख्ये यह विद्यास करने का कारण ही कि बजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कारण मूस्य उत्तके दक्ष्यका प्रविक्षण हैं हो हुन्दे हक्ष्यकान प्रतिक्षल का पन्तह प्रतिकृत अधिक ही और अंतरक (अंतरका) कीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरित के बिए स्थ पना नवा प्रतिकृत, निम्नितियाँ उन्हें किया क्या ही स्मा

- (क) अन्तरण से हुए जिसी बाद की वायर, उक्त अधिनियर के अधीन कर योगे के बन्तरक के कहित्य में क्सी करणें वा उससे वचने में सुविधा से सिह्यू: कहिं/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भव या व्यव्य व्यक्तिस्तरणें को जिन्हें भारतीय नानकार जिपितवस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधितियन, या अन-व्यर अधितियन, या अन-व्यर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के जिए।

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्ररण वाँ, गैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को विधीन, निकालिकित व्यक्तियों, वर्षात् हु— को यह बूचना बार्री अस्के पृत्रीक्त सम्पर्टेल में वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के शर्मन के तंबंध में कोई भी शर्म ह----

- (क) इस त्वना के रावक्त में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ सूचना की तासील से 30 दिन की संवधि, को धी जनिथ नाह में समाप्त होती हो, ने शीलर क्वीं का क्वित यो से किसी क्वित द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपन में मूकापन की सार्याच हैं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्म स्थानित स्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए या सकते।

त्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका यहां है।

वन्स्य

फ्लैट नं० 601, जो छठी मंजिल, बी-विंग, ग्रभिषेक ग्रपार्टमेंट्स, इ० एस० ग्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37—ईई/11127/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-5-1985

मोहर :

प्रकृत बार' टी. एत . एव . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (१) ने अर्धन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण्) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12806/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें भूमके प्रकान 'उनन अधिनियम' उहा गया हैं), की भार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट, नं 604, छठी मंजिल, सी-विंग, ग्रिभिषेक ग्रपार्टमेंट्स, चार बंगला, वसोंवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-9-1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्दा किसी आय की बावन, । उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विध। श्रीतिष्ठ; बार्य/या
- (क) एसी किसी लाय या किसी भन ्या अन्य कारिस्टक्षों की, जिन्ही भारतीय जायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बंत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:——

1. मेसर्स ग्रोम प्रकाश एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बिपिन बी० जटाकिया।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुष्यना बारी करके प्वींक्स अम्पत्ति के अर्जण के बिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाओप :-+

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत को प्रकाशन की तार्रीय है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगैं।

ब्बार कि का निर्मा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिश

अनुसूची

पलैंट नं० 604, जो, छठी मंजिल, सी-विग, स्रिभिषेक स्रपार्टमेंट्स, ई० एस० स्राई० सी० नगर के पीछे, चार बंगला, वर्सोवा, स्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई $_{\mathbf{k}}400058$ में स्थित है।

्य्रनुसूची जैसा कि कि सं 2/37-ईई/12806/, 84-85 ग्रौर जो सक्स् प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनिक 27-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2;बम्बई

दिनांक 1-5-1900 बोहर छ प्रकथ बाह'. टो. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाम 260-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय , गहासक बायकर नायुक्त (निरीक्षणः अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 मई 198

निदेश सं० ग्रई-2/37-जी०/3665/सेप्टे**०84--**ग्रतः

मुझ, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० प्रापर्टी एण्ड दांडा, "दि शेल्टर" इमारत, प्लाट नं० 52, 21, टी० पी० एस० 4, सांताकुज, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने विणत है), र्याजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1961 1908 (1908 को 16) के ग्रधीन, तारीख 28-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एने दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया यहा है :—

- (क) बन्तरण से हुई किथी बाय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्थित के कभी करने शासित करने में सुविधा के लिए; और/या
- 'क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जेना चाहिए था, छिपाने चा चाहिए को लिए.

1. (1) श्री श्रासूदोमल हुकुमतराय, (2) श्री खूबचंद मेघराज, (3) हरिक्षणनदास होतचंद, (4) ताद्दराम घेहीमल, (5) मोटूमल जेटानन्द, श्रौर (6) कीपवद टिल्मल।

(ग्रन्तरक)

(1) श्रीमती परमेण्वरी देवी तलों हिना छुधा,
 (2) श्रीमती जसबीर कौर जीतेंसिंग छुधा,
 (3) श्रीमती प्रिथपाल कौर जोगेन्दर सिंग छुआ
 ग्रीर (4) श्रीमती दर्शन कीर टी० छ बा।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रितरों में से कि जी अधित द्वारा.
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साक्ष किकिट में किए का सकते।

स्थाकरण . इसमे प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट करिक्तियम है अध्याय 20-1 के दिसापित है, तहीं, प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिसा स्था है ।

ग्रन्**स्ची**

श्रनुसूची जैमा कि विलेख सं० डिड ग्रार० --3213/63 ग्रौर जो उप रिजम्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 28-9-84 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षेत्र और उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-जी०/3666/84-सेप्टे**8**4+-ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/5 शेग्रर इन दि प्रापर्टी लाइंग एण्ड बिइंग एट जुहु, ग्रलोग विथ स्ट्रक्चर स्टैडिंग देयरग्रान, बेग्रिरिंग सीं० टी० एँस० न० 483 (1 से 3), 3137 स्क्वेयर मीटर्स, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह चिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में वृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क स निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण निष्कित में वास्तिवक क्य से कथिय नहीं किया भवा है ।

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; बॉर/वा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

बतः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण को, में उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :——
61—126 GI/15

1. श्री रेवाभाई टी० शहा।

(ग्रन्नरक)

- 2 (1) रामजीभाई के० पटेल, (2) किरोट कृमार वी० जहा, (3) एच० यू० एफ०, (4) प्रविणचंद्र जे० शहा, (4) वसंत वि० शहा, (5) जयंती लाल के० पटेल, (6) ग्रश्विनी बी० शहा, (7) सुरेखाबेन ग्रार० शहा, (8) कांताबेन एम० पटेल, पार्टनर्स ग्राफ मेसर्स केतन विल्डर्स।
- (1) श्री लीलाधर डी० शहा, (2) ग्रार० बी० शहा, (3) मिणलाल जी० शहा, (4) ए० पी० मेहता, (5) ग्रार० ए० ठक्कर, (6) वि० एस० देसाई, (7) डा० वि० वि० शेठ, (8) ग्रार० बी० उघे, (9) बी० एच० पंडया, (10) फायालाल बी० धोबी, (11) ब्रजलांत टी० शहा ग्रीर (12) ग्राय० टी० शहा।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

- 4. (1) ईश्वरलाल टी० शहा, एच० यू० एफ०,
 - (2) जयंतीलाल टी० शहा, एच० यू० एफ०,
 - (3) ब्रजलाल टी० शहा, एच० यू० एफ०,
 - (4) रमन लाल ए० शहा, एच० यू० एफ०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधो-हस्ताशरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिनबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस ब्यूना के राजपत्र में प्रकासन की तारी हुई 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्ति को पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी क्यक्तिस ब्राया ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भींदर उक्त स्थानर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त **करिपनियम, के कथ्याय** 20-क में परिभाशिक **हैं, वहीं कर्ष होगा जो** उस अध्याय में विकर मुखा हु⁸।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख स० एम०-1666/79 ग्रौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 28-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-5-1985

बोडर ६

सघ लाक सवा आयान

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, दिलम्बर, 1985

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1985

सं. फा. 7/2/85-प.-। (स)—-राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, ना सेन तथा वापु सेना स्वन्धों में प्रवेश होत्, जुलाई, 1986 से आरम्भ होने वाल 76 वें समके लिए संघ लोक सेना आयोग द्वारा 27 दिसरका, 1985 वें एट परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (अन्य सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

विशेष ध्यान—उम्मीटवार को आवेदन पत्र के कालम 7 में यह

स्पष्ट रूप में अनलाना होगे हैं। वह किन भेवाओं
के लिए वरीयता कम में विचार किए जाने का
इच्छाक हैं। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि
वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उननी दरीयताओं का उल्लेख करो ताकि योग्यता कम में उसके
रौक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय
उसकी वरीयताओं पर भली भानि विचार किया
जा सके।

उम्मीदिशारों को ध्यान रखना धाहिए कि केवल उन्हीं स्वाओं पर उनकी नियुक्ति हो तिचार किया जाएगा जिन के लिए वे अपनी बरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेना या सेवाओं पर नहीं उम्मीदिवार द्वारा अपने आवेदन प्रपत्र में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/परिनर्तन के निरुष्ध को आयोग स्वीकार नहीं करगा।

आयोग द्वारा आयोजित निस्तित परीक्षा नथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा निध्यत परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदशरों के लिए आयोजित बॉदिश्वक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपयुक्ति कीस में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (स) अकादमी में प्रवेश होत् शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सचना के सम्बन्ध में क्रम्ण परिशिष्ट 1,2 और 3 में विस्तार सं सम्मन्तिया गया है।

िष्णा : - तरीः । को स्था जिल्लां के प्रश्न-पत्रों मां केवल प्रस्तपास प्रश्न ही होंगे। समने के प्रश्न सहित अन्य किश्रण को रिष्ण कृपया परिशिष्ट ६ में 'अर्थान्यां को प्रसाध विवरणिकां' देख ले।

ा परिकार है मोर र अगानना, अहमदाबाद, एजेल, हराहाबाद, बंगरीय गोपार रायवर्ड, कलकता, चण्डोगढ, काँपीर, गटक, १६ के रिन्यर (गोहाती), हर्दराबाद, बर्ध्याव हैनानगा भागा, जबस उपेराट, लाहिसर नम्बन्छ समूख्य, गापाय ५ की (संस्थ) पणा, पीर्ट माण्य राष्ट्राप्ट बिलांगा, व्यवस्था सिद्धारि शिक्षेक्षम, गटा ५ और अ।यांग यदि साह ता उवत परीक्षा के उपयुंक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनको पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाएगं तो नी आयोग परिष्यितवहा किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सजला है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश दो दिया जाता है उन्हों समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दो दी जाएगी। (नीचे पैरा 11) दोखा।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन स सम्बद्ध अनुराध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता हो जा उसने उक्त परीक्षा होतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सिचव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा आंचित्य बतात हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्-रोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 28 नवम्बर, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 3 पात्रनाकी **शर्त** ⁴
- (क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो---

- 1. भारत का नागरिक हो, या
- 2. भूटान की प्रजा हो; या
- 3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
- 4. भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
- 5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्वेष रहे पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भृतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मलावी जेरे तथा इथ्योपिया और वियतनाम से प्रवजन कर आया हो।

परन्त उपर्याक्त वर्ग 3, 4 और और 5 के अन्तर्गत साने ताला उम्मीउवार एसा ब्याचिन हो जिपको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पा प्रतार किया हो।

पर नपात के गोरेखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-एत्र बारायक नहीं होंगा।

(प) आयु सीमाए, लिंग और वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही अधिवाहित पुरुष उम्मीदशर पात है जिनका जन्म, 2 जनगरी, 1968 से पहले का तथा पहली जलाई. १८७० के बाद था न हो।

टिपाणी — जनम की नारील केंग्रल वहीं मान्य होगी को मीय-कंलेशन/हायर सैकण्डरी या समवक्ष पशीक्ष, भाग पर में लिखी गई हो।

(ग) दिसक याग्यतार राज्य शिक्षा बार्ड या राज्यता प्रत्ने जिन्ने विश्वविद्यालय की हायर मैंकेण्डरी परीक्षा या समकका। व तम्मी-विश्वर भी गर्ड शिक्षा की 10+2 प्रणाली से . री 1 ही था री परीक्षा पर कर ती हैं।

एसे उम्मीदवार भी बावेदन कर सकते हैं जिन्ह अभी हायर सैकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कृती शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत 11वीं परीक्षा गाम करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अहाता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 4 जुलाई, 1985 तक अपने मैट्रिक लेशन एवम् या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मृत रूप में, सेना-मृख्या-लय रिक्ट्रिंग 6 (एस. पी) (ए.), वेस्ट ब्लाक, 3 बार. के. पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तृत करने हॉगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड विश्वविद्योलय के दवारा अभी तक प्रमाण-पत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिए गए मृत-प्रमाण पत्र भी बायोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां/फोटोस्टेट प्रतियां स्वीकार नहीं की जाएगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी एमें उम्मीदवार कों इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से यक्त न होने पर. भी शैक्षिक रूप से बोग्य मान सक्ता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों आयोग के विचार से जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश दोना उचित ठहराता हो।

टिप्पणी 1 :— वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैंकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करनी है और जिनकों संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमित दे दी है, नोट कर लें कि उनकों दी गयी यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैंकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रन्त करना है और बोर्ड /विश्विवद्यालय परीक्षा के देर में आयोजित कियो जाने परिणाय घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण में इस तारीख कां और आगे बढाने से सम्बद्ध विमी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी 2 :-- जो उम्मीदनार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदनारी खद की जाएगी।

- 4. आवेदन के साथ देय श्लंक :-- रु. 28.00 (अट्ठाई स रुपए) [अनुसूचित जातियाँ /अनुसूचित जनजातियाँ के लिए रु. 7.00 (सात रुपए)]। जिन आवेदन-पत्रों के साथ ग्रह निर्धारित शूर्ल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।
- 5. शुल्क से छ्ट :—(1) बायोग, यदि चाह्रे तो निर्धारित शुल्क से छ्ट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि बाबेदक भूतपूर्व पर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तृत विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1064 और 25-3-1971 के बीच की अविध में भारत मे प्रवृजन कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन कर चुका था या वह बर्मा से बस्तृत प्रत्यावर्तित भारतीय मल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके गढ भारत में इवजन कर शामा था या वह श्रीनंका से बस्तृत प्रत्यावर्तित मलन भारतीय व्यक्ति है जो अक्तुबर, 1964 के भारत श्रीलंका सम

भौते के कल्लगत 1 नकम्बर, 1004 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्भारित शुल्क देने कि स्थिति में नहीं हैं!

- (2) थल सेना के जूनियर कमीशंण्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य र कों और भारतीय नासेना तथा भारतीय वाय्सेना के समकक्ष र कों के बच्चों और थलसेना के भृतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भृतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भृतपूर्व अन्य र कों और भारतीय ना सेना तथा भारतीय वाय्सेना के समक्षक र कों को बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुक्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्निलिखित शतें प्री कर देते हैं, अर्थात् :—
 - (1) व मिलिट्री स्क्लों (पहले किंग जार्ज के स्क्लों के नाम से जात)/सैनिक स्क्ल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहें सैनिक स्क्लों में शिक्षा पा रहें हैं, और
 - (2) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अन्शंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कूल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी:— मिलिट्री स्क्रालों / सैनिक स्क्रालों के उम्मीदवारों के समबद्ध स्क्रालों के प्रधानाचार्यों द्वारा अग्रेषित आवेदन-पत्रों की संवीक्षा आग्रोग के कार्यालय में यह निक्चय करने के लिए की जाएगी कि क्या एसे उम्मीदवार उपर्यक्त नोटिस के पैरा 5 (2) के अंतर्गत शुल्क से छ्रट के हकदार है। किन्तू मिलिट्री स्क्रालों / सैनिक स्क्रालों के प्रधानाचार्यों को अपने स्क्राल के विद्यार्थियों के आवेदन पत्र आग्रोग को अग्रेषित करने के पहले संत्रष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं को प्राकरते हैं। आग्रोग प्रधानाचार्यों के कृताकृतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

- 6. बावेदन कैसे किया जाए:—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी बरीक्षा दिसम्बर, 1985 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए बावेदन-पत्र ही लिए जाएगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा बायोग, धालपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने जाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न म्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—
 - संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनी-आडरे या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखां-कित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
 - 2. दो रुपये नदाद दोकर आयोग को कार्यालय के काउन्टर पर;
 - 3. निकटतम भती कार्यालय, पिलिटी एरिया/सब एरिया मुख्यालय/वाय् सैनिक चयन केन्द्रों, एन सी, सी. एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों से निज्ञल्य।

आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड उम्मीदवार अपने हाथ में ही स्याही या बालपीन से भरें सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिएं रोबाओं या बिन्दाओं में नहीं। अधूरा या गृत्रा भूरा हुना प्रायेदन पर रव्द कर दिया जाएगा।

उम्मीदिवार यह ध्यान रहों कि बावेदन-पत्रों की भरते समय भारतीय अंकों के बन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1,2,3, बादि) का ही प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में लिखी हो तो भी उम्मीदिवार यह सुनिश्चित कर ल कि वह जो आवेदन-पत्र प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करे। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बावेदन-पत्र में की गई पविष्टियां स्पष्ट और मणात्य हों यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भामक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भूम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदिवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवे-दन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप मा भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को आयोग को सीध आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा. भले हो वह नियाक्ता को आचिरी तारीख के पहले प्रस्तृत किया गया हो।

लोक उपक्रमा मं सेवारत व्यक्तियां से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में मृचिन कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों का यह नांट कर लेना चाहिए कि यदि आयोग को उम्मीदवारों को नियानताओं से कोई पत्र उम्मीदवारों को परीक्षा हुत आवदन करन/प्रविष्टि हाने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो ऐसी स्थिति में उनके आवदन-पत्र को अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारों रदद कर दी बाएगी।

जा' उम्मौदवार सशस्त्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवे-दन-पत्र अपने कमांडिंग आफिसर को प्रस्तृत करने चाहिएं जो पृष्ठाकन (आवदन-पत्र के भाग ''ख'' के अनुसार) को प्रा करके आयोग को अग्रीषत करेंगे।

टिप्पणी:—भारतीय नौ मेना के नाविक (बाल या कारीगर प्रशिक्ष साहत) पहली तरजीह भारतीय नौ सेना को दे। उनके आवंदनां पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर दूवारा विधिवत् अनुशंसित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालंज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जात) दहराद्न के कौडेटों, मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलां के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी इवारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम सं, अपने आवेदन-पत्र भेजने जाहिए।

7. भरा हुआ आवंदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउस, नई दिल्ली-110011 का 26 अगस्त. 1985 (26 अगस्त. 1985 से पहले किसी तारीख से असम मेघालय अरुणाचल प्रदेश. मिजोरेम मणि-पर. नागालैण्ड, त्रिपरा, सिक्किम, जस्म और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल भौर स्पीति चिले, खंबा जिले के पांगी उपमडल, अंडमान और निकोबार

द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदशों में रहने वाले और जिनके आवेदन-पत्र उपय्कत में से किसी भी क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीदवारों के मामलों में 9 सितम्बर, 1985) तक बा उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वय आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारौख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजारेम, मणिपूर, नागालण्ड, त्रिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 26 अगस्त, 1985 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजारेम, मणिपूर, नागालण्ड, त्रिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी 1: जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले अवदेत की प्रस्तृति होतू अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हों आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप में निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

दिप्पणी 2: उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे॰ अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं. लो. से. आ. के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो आवेदन-पत्र को साथ प्रस्तत किए जाएं:--

(क) सभी उम्मीदवारा द्वारा :---

उ. 28.00 (अट्ठाईस रुपये) अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00 (सात रुपए)] का शृल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर को जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मृख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डा़फ्ट के जरिए भेजा जाए।

टिप्पणी : - जम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तृत करते समय बैंक डॉफ्ट की पिछली बोर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। बार्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर की पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विव श में रहने वाल उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राज्दुत या विद श स्थित प्रतिनिध जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस जनु-रागेंध के साथ जमा कर जिससे वह "051 संध लोक सेवा आयोग परोक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लंकर आवेदन-पत्र के साथ भेज दे।

2. बायु का प्रमाण पत्र:— आयोग जन्म की वह तारी स्वीकार करना है जो मैट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विद्विवय्यालय द्वारा मैट्रिक लेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुर-क्षित मैट्रिक लेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

उम्मीदवार पूर्वोक्त मैट्रिक लेशन या समकक्ष प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित /प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करं। किन्तु जिस उम्मीदवार ने हायर सैकेन्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह हायर सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तृत कर सकते हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्ताबेज जैसं जनमकुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलंख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य एस ही प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किए जारोंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए ''मैंट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के अंतर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सीम्मोलत है।

कभी-कभी मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एस मामलो में उम्मीदवारों को मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस सस्था के हैंड-मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमा-णित प्रतिलिपि मंजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गईं उसकी जन्म तारीख वास्तिवक आयु लिखी होनी बाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाली है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-प्रपत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

- टिष्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने कें बाद प्राप्त माध्यिमक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बन्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ को अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
- टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीं को स्वीकार करेगा जो कि आवंदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीं को मीट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र म दर्ज हो बार इसक बाद उसमें परिवर्तन के किसी बनुरांध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

- टिप्पणी 3 उम्मीदवार यह भी नाट कर लूं कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर दोने और आयोग द्वारा उसे अपने अभि-लेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - 3. शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतियां :--- उम्मीदवार को इस आशय के प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तृत करमी चाहिए कि उसके पास पैरा 3 (ग) मे विहित गोग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मी-द्वार द्वारा उसके इस प्रकार अजित कर लेने की संभावना है कि पैरा (ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पत्र प्रस्तत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को दने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्व-विद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित भमाणित प्रतियां प्रस्तुन नहीं की जाती हैं तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह बतानी चाहिए और एसे अन्य प्रमाण प्रस्तृत करने चाहिएं जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुण-वत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इससे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नही होगा।
 - (4) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
 - 5. उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी.×7 से. मी.) के फोटो की एक जैसी तीन प्रतियां जिनके उजपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान परु चिपका दोनी चाहिए।

- 6. लगभग 11.5 सें. मी. ×27.5 सें. मी. आकार केंद्रों बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।
- (स) अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जन जातियों के उम्मीद-पारों द्वारा — अनुसूचित जाति /अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिकाब्द में (क) पर दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रभाण-पत्र की जन्प्रया-णित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करता है तथा जो एक राज्य/सध राज्य क्षेत्र से अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रकृजन कर चुका है उसे अपने दावे के समर्थन में परिशिष्ट IV में (क) पर निहिष्ट, प्रपत्र में प्रमाण-पत्र कहै अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत कृरनी

- (ग) शुल्क स छूट चाहने वाले उम्मीदवारो क द्वारा --
 - (1) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या समद या राज्य विकास मंडत के सदस्य से लिए गए प्रभाण-पन की अधिकारी प्रभाणित प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमो यह प्रमाणित किए गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित राज्य दन की स्थित से नहीं है।
 - (2) वस्तुत विस्थापित /प्रत्यावर्तिन व्यक्ति होने के दावें के समर्थन में निम्न त्यीरान पारिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिन्त विश्थापित व्यक्ति
 - (1) **बण्डकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों या विकित्स** राज्यों के राहत शिक्षिणे का विकास कार्मांडेट।

अथग

(2) उम इलाके का जिला मजिप्ट्रेट जहा पर वह फिलहाल गृह रहा हो।

अथवा

(3) अपने जिले के शरणाथीं पूनर्वास प्रश्नादी अति-रिक्त जिला मजिस्ट्रिन।

अथवा

(4) सब-डिबीजनल अफसर अपने अधीनस्थ मब-डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

- (5) शरणाथी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिम बगाल/निदशक (पुनर्वास), कलकत्ता।
- (स) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित --श्रीलका में भारत का उच्चायांग।
- (ग) बर्मा से प्रत्यावित ---

भारतीय राजदाताबामः, र गन या उस इलाको का जिला मिषस्ट्रीट जहा पर तह रत्रा हा।

- (घ) तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्राजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के शिविर कमोडीट।

अथवा

(2) जिस इलाके का वह फिलहाल निवासी है वहा का जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(3) अपने जिले में श्ररणाथीं पूनर्वास का प्रभारी अति-रिक्त जिला मजिस्ट्रट।

अथवा

(4) अपने प्रभार के अतर्गत सब-डिवीजन के अदर सब-डिवीजनल अफसर।

अथवा

(5) उप-शरणाथी —-पुनर्वास—-आयुक्त ।

टिप्पणी --- उम्मीदनारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आवे-दन-पत्र के साथ भजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अन्-प्रमाणित/प्रमाणित भिरा। पर अपन हस्ताक्षर करके भोजों तथा उस पर तारीख भी लिखें।

- 9 शुल्क का जापसो आवदन को साथ आयांग को अदा किया गया शल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों का छाउकर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरो राष्ट्रा या इसन के लिए स्रक्षित रखा जा सकता है
 - (1) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा म बैठन नहीं दिया, उसको रु 15.00 (पद्गह रुपए) [अनुसूचित जालिया/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामतों म रुपए 4 00 (चार रुपए)] वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर को है आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि लम्मीदवार हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुतीण हुआ या होंबर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुतीण हुआ या होंबर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तोण हान का प्रमाण निर्धारित तारींख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मजूर नहीं की जाएगी।
 - (2) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1984 या मई, 1985 में आयाजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो अर इन एरीक्षाआ के परिणाम के आधार पर किसी, कार्स के लिए उसका नाम अनुशंसत हुआ हो तो उनक मामले में रु 28 00 (अट्ठाई स रुपए) [अनुसूचित जगीतयों/अनुसूचित जनजातियों के मामूले में रु 7 00 (सात रुपए)] का शुक्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी हैं कि दिसम्बर, 1985 की राष्ट्रीय रक्षा अवादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुक्क वापस पान के लए उस उम्मीदवार का अनुरांध आयोग के कार्यालय मा 15 फरवरी, 1986 या उससे पहले पहुच जाए।
- 1 . आवंदन-पत्र की पावती आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवंदन-पत्र की जिसमें दोर से प्राप्त आवंदन-पत्र सिम्म-लित हैं, पावती दी जाती हैं तथा अवदन-पत्र की प्राप्त कें प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवंदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी जाती हैं। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा कें आवंदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अतिम तारीख से एक मास के अदर पावती नहीं मिलती हैं तो उसे तत्काल आयोग सें पावती होतु सपक करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार का आविदन पजोकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं हैं कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयाग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11 आवंदन का परिणाम अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवंदन के परिणाम की सूचना प्रिक्षित्र शुक्क होने की तारीस से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उस परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल सप्फ करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मादवार अपन मामले में विचार किए जाने के अधिकार से विचत हा जाएगा।
- 12 परीक्षा में प्रवेश किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के सबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग में प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—
उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे बाबेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सुचना को छिपाए। उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत मं वे किमी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न कर्र और न फेर-बदल किस गए/ जाली प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अपर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनको अनुप्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्ध या असंगति हो तो इस अयगित के बारे में स्पष्टी-करण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग इवारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करन्प्र; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तृत होना; ब
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तत करमा; य
- (4) जाली प्रलेख या फरे-वदल किए गए प्रलेख प्रस्तृत करना: या
- (5) अशुद्ध या असत्य बक्तत्व्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनृचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना; या
- (8) उत्तर पृस्तिकाओं पर असंगत बाते लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दूर्व्यवहार करना; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग दवारा नियुक्त कर्म-चारियों को परोशान करना या अय प्रकार की शारी-रिक क्षति पहुंचाना; या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा दोने की अनुमति दोते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदोश का उल्लंघन करना; या
- (12) उपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदा-चार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अति-रिक्त:--

> (क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग ट्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (स) (1) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
 - (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियमित के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्मेदण्ट अधिय के लिए अंपवर्जित किया जा सकता है

किन्तु धर्त या है । के इस नियम के अबीन कोई शास्ति नब तक नहीं दी पाएगी जब नक- -

- (1) उम्मीदिवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह दोना चाहे प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो; आर
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तृत अभ्यावेदन पद, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।
- 14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रग्त्तिकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के जाधार पर से. च. बोर्ड के साक्षात्कार में अहाँ ता प्राप्त कर लेते हाँ उन्हों साक्षात्कार के तक्रता प्राप्त कर लेते हाँ उन्हों साक्षात्कार के तक्रता बाद अपनी आय तथा शैक्षिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र मृख्यालय, आर.टी.जी. 6 (एस.) पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक आर. के. प्रमा, नई दिल्ली-110022 को प्रस्कृत करने ह्मॅगे।
- 15. आवेदन के सम्बन्ध में पत्र-व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लांक सेवा आयाग, धौलपुर हाइस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमे निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए :—
 - (1) परीक्षाकानाम
 - (2) परीक्षा का वर्ष और महीना
 - (3) आवेदम पंजीकरण मंख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हों)
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पृरा और माफ लिखा हुआ)
 - (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिय है।

विशेषु ध्यानः ---(1) जिन पृत्रों में उत्पर का ब्यौरा नहीं होगो, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

- (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होना है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनक्षमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- 16. पते मे परिवर्तन:— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि अवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाए। पतों में जो भी परिवर्तन हों उसे उत्पर के परेरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीष स्चित कर दोना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा उन् शंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्ष्म के लिए आवेदन करने के बाद, रूपना पता बदल लिया हो तो उनको चिन्हा कि परीक्षा के लिखिब भाग, के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए. जी., ब्रांच रिक्टूटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक 3 विंग-1 रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को पिनत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदोशों का पालन नहीं करोग वह सेवा चयन बर्डि के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावें से वंडिचत ही आएगा।

्यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान दोने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस सम्बन्ध में वे अपने उत्पर कोई जिम्मेदारी नहीं ले स्कते।

17. जिस्ति परीक्षा में योग्य उम्मीदनारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पृछताछ:—जिन उम्मीदनारों के नाम सेना चयन बोडें के साक्षात्कार होतू रिपोर्ट करने के लिए अनुशंक्षित हैं उनकों अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पृछताछ और अनुरोध सीधे सेना मृख्यालय, ए. जी. बांच रिक्रुटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रमाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को भेजे गए सम्मन-पत्र द्वादा सृचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षास्कार के लिए पहुंचना है। साक्षात्कार को स्थिगित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थियों में और प्रशासनिक सृविधा को ध्यान में रखकर ही बिचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण मेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग इवारा जारी की गई अंतिम योग्यता मूची में है यदि उनके बहले दिए गए पते में बोर्ड परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूच्या मृख्यालय ,ए. जी. बांच रिकर्टिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मृख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनृदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनृदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परीणाम की घ्रेषण : — योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार — अंतिम परिणामों की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश: — संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्युगतम अहाँ प्राप्त अंक करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना-नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा बायू सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीक्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदनार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर हाकर अपनी ही जांखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षितपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे चाहे वह किमी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति होतू थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यनतम अहाँक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जायोंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा, (2) अधिकारी क्षमता

परीक्षण, (3) पायलट एप्टीच्यट परीक्षण में अलग-जलग न्यन-तम अहीक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि बायोग द्वारा उनकी निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। इन कार्ती पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके दवारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कल अंकों के आधार पर योग्यता को बंतिम क्रम में दो बलग-बलग सुनियों में -- एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दासरी बाय सेना के लिये—रसा बाएगा। जो उर ट्वैटवार सेवा के सभी संगों के लिये बर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी नाम दोनों योग्यता मुखियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा बकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयम थल सेना तथा नौसेना की प्रोग्यतास्ची में से रिक्लियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जीएगा और वायसेना विंग में प्रथेश के लिए अंतिम चयन वायसेना की योगयता सची में मे रिक्तियों की संख्या को दोवते हुए योग्यता के कम में किया जायेगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी गतों में उपयक्तता के बाधार पर होगा। जिन उम्मीद-वारों के नाम दोनों योग्यता सुचियों में हैं उन पर दोनों सुचियों में चयन होत् विचार उनके बरीयता क्रम को क्षेत्रते हुए होगा और उनके एक स्ची से अंतिम रूप से चन लिये जाने पर दासरी स्ची में उनका नाम रदद कर दिया जाएगा।

विकार ध्यान :— नाय मेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वाय मेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक मण्यात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीक्वार पायलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के बाबू सेना बिंग या जनरल इ्यूटीज (पायलट) बांच या नेबल एयर आर्म में प्रवेश के लिए बावेदन नहीं कर मक्का।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा. र., अकादमी कोर्स में पायलट एप्टोच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अहरता प्राप्त कर लेने की स्चना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वाय सेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के गरीं जाम किस क्यां में और किस प्रकार स्चित किये जायों इस बात के निर्णय आयोग अपने आप करोगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई। पत्र-व्यवहार नहीं करोगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र में अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को निय्कित प्राधिकारी को संत्ष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अनहीताएं :—जो उम्मीदनार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहरे नोर्म में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी सूलभ विशेषणाओं के व्याव के व्यारण या अनुशासनिक आधार पर बहां में जिकान विये गये थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्त जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले सब्दीय रक्षा अकादमी से बापस ले लिया गया हु या जिन्होंने—अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सका है बशतों कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शतों प्री करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफंसर ट्रॉनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान बिवाह पर प्रतिबन्ध: - उम्मीदवारों को इस बात का वचन दोना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं हांगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जा उम्मीदवार अपने आवंदन की तारीख के बाद शादी कर लेटा है उस हो प्रशिक्षण के लिए चना नहीं जाएगा। चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापिस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा चर्च किया है वह सब उसस नितृह्ण किया जाएगा।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होत उम्मीदवार विजरिणका'' शीर्षक सं. एक समूल्य पृस्तिका छापी है इसका यह उद्देश्य है कि इससे सं. लो. से. आ. की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उक्त प्स्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल आर्डर द्वारां या नकद भगतान पर लिया जा सकता है। यह प्रितका केवल नकद भगतान पर (1) किताव महल, रिवोली मिनेपा के भामने, एम्पोरियम दिल्डिंग, मैं ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नर्ड दिल्ली-110001, (2) उद्योग भनन, नर्ड दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शासा के बिक्री कालण्टर और (3) गवर्नमैन्ट जाफ इण्डिया ब्रक डिपो, 8 के. एम राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है। जक्त मेनडल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मफरिसल शहरों में स्थित एजेन्टों के पाम भी उपलब्ध है।

एम बालकृष्णन, उप सचिव

परिजिष्ट--1

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिस्नि परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :——

| विषय | समय | मिधिकतम श्रंक |
|--|--------|---------------|
| 1. भंग्रेजी | 2 घंटे | 250 |
| 2. गणित प्रश्न-पद्म 1 | 2 वंटै | 125 |
| प्रश्न-पक्ष 2 | 2 घंटे | 125 |
| 3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्न 1 (विज्ञान) | 2 घंटे | 200 |
| . प्रश्न-पत्न 2 (सामाजिक ग्रष्ट्ययन | | |
| मूगोलत या सामयिक मामले) . | 2 घंटे | 200 |
| | | 900 |

- 2. सभी विवार के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया किर्रिकाष्ट-5 में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरण का देख लें। प्रश्न-पत्र (परीक्षा प्रस्तका) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएगें।
- 3. प्रश्न-पत्र में जहां भी आवश्यक होगा, काल तील और माप की मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ एँ लिखने जाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाल की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

- परीक्षा के एक या सभी विषयों के अही क अकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।
- 6. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (प्रश्न प्रस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिए केलक लेटर प्रयोग में लाने की अनुमित नहीं है। अत: उन्हें केलक लेटर परीक्षा भवन में नहीं लाने चाहिए।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अग्रेजी:—-अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रचार का होगा जिससें उम्मीदवार की अंग्रेजी की समक्ष और शब्दों के कृशल प्रयोग का परीक्षण हो सकें। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समा-हित ही जैसे व्याकरण और प्रयोगिविधि, शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतू विस्तारित परिच्छोद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

गणित

प्रश्न-पत्र---1

अनंक गीणत

संख्या पद्धितियां—धनपूर्ण संख्यांक, पूर्णीक परिमेय और वास्तिविक संख्याएं, मूल संक्रिया—जोड, घटाना, गुणा और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एिकक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रति-शतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समान्पात विचरण।

प्रारम्भिक संख्याएं सिद्धांत—विभाजन को कलक विधि अभाज्य, और भाज्य संख्याएं 1,2,3,4,5,9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन, गुणन/खण्डम, प्रमेप । महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्ष, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुणुणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

अधारभत प्रक्रियाएं: साधारण गणनसण्ड । श्रंथ फल प्रभेय,, बह पदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्त्ये: दिवधात समीकरणों का हल, इसके मूल और गृणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तितक मल विचार किया जाय) हो अज्ञान राणियों में युगपत समीकरण——िरङ्लेषण और ग्राफ संबंधी हन। प्रायोगिक प्रकर्ण निर्मे दो चरों में दो युगपत रीखिक मभीकरण वस्ते हैं या एक रहे में दिवधात समीकरण तथा उनके हल सम्च्यय भाषा तथा समुख्यय अंकन पद्धति, परिमेय, व्यंज्क तथा सप्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम।

विकोणमिति

ज्या×, कोटिज्या×, स्पर्श रेखा जब-× 0° ≤× ≥ 90° ।

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा का मान क्योंकि— \times 0° 30° 45°, 60°, ग्रौर 90°, सरल व्रिकोणिमतीय तत्समक ।

विकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अवाद्यों भीर दूरियों के मरल कोण।

62-126GI|85

प्रका-पत्र 2

ख्याभिति

रेखा और कोण , समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:---

- (1) किसी बिन्दु पर कोणों के गृण-धर्म,
- (2) समान्तर रेखाए,
- (3) किसी त्रिभुज की भुजाए और कोण।
- (4) त्रिभुजों की सवींगसमता।
- (5) समरूप तिभुज।
- (6) माध्यकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन,
- (7) समांतर चतुर्भुजों, आयात और वर्ग के कोणों, भूजाओं के विकर्णों के गुण धर्म,
- (8) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रोखा तथा अभिलम्ब, भी शामिल हैं।
- (9) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन

वर्गी, आयतों, समांतर, चतुभूंजों, त्रिभुजों और वसों के क्षेत्रफल उन आकृतियों के क्षेत्रफल जा इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्रवाही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब, वृत्तीय शंकुंजों और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन। सांहिसकी

सांस्थिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणायन। आले वी निरूपणबारम्बारता बहुभुज, आयत चित्र, शलाकाचार्ट, पाई चार्ट आदि। अपरिष्कृत आर सामूहिक आंकडों का परिकलन माध्य।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न-पत्र होंगे।

प्रका-पत्र (1)—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगाः और

प्रश्न-पत्र (2)—-इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्म-लिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयांगों को, सर्वोंग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के एसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य , विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढग से समभने की मेघा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र--- 1

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र । में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होंगा :---

(क) ब्रद्ध के भौतिक गुण अर्थ वण विश्वतिया सहिति भार, आयर्ग स्वाप निश्वद गुरुत्वाकर्षण। आकिमेडीज का नियम दान, वायुदाव भागी। बिंब की गति। वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेगा। वल समांतर चतुर्भूज। पिंड का स्थायित्व और संतृलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और उर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

उन्हमा का प्रभाव। तापमान का नाम और उन्हमा । स्थित परिवर्तन और गृप्त उन्हमा। उन्हमा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरगें और उनके गुण धर्म। सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋतुरेखीय चरण। परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्पण और लेन्सेस, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत। चालक और अचालक। आमि नियम—1, साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश, तथा चुम्बकीय प्रभाव। वैद्युत शक्ति के माप। प्राथमिक और गौण सेल। एक्स-र के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धान्त।

सरल लोलक। सरल घिरनी, साइफन, उत्तालक, गुब्बारा, पंप। हाइग्रीमीटर, प्रेशर क्लकर, थर्मल फ्लास्क, ग्रामोफोन-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइकोस्कोप, नाईक दिकस्चक तिणत चालाक स्रक्षा फ्यूज।

(ख) भौतिक तथा रसामनिक परिवर्तन तत्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत सूत्र और सरण रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोडकर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड रिजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई आक्साईड की रचना और गुण धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल, क्षारक और लवण।

कार्बन--भिन्न रूप।

उर्वरक--प्राकृतिक और कत्रिम।

साबुन, कांच स्थाही, कागज, सीमन्ट, देंट, दियासिलाई और गन पाउडर, जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए प्रयक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, उरमाण तृल्यमान और वण्भार अनभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड और चेतन में अंतर।

जीव को विकाया, जीव तर और उत्तदों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान। सामान्य महासारियां उनके कारण तथा रोकने के ८००।

बाद--मनुष्य के लिए कर्जा का स्त्रोत। श्राय का सबटन।

संतृतित आहार।

सौर परिवार। उल्का और घूमकेत्। ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को उपलाब्ध्या।

टिप्पण्डें --इस प्रश्त-पत्र के अधिकतम अंकों से- सामान्यतथा
भार (क). (स) और (ग) के लिए कमशः 50
प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्त-पत्र ।।

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले।)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा:---

> (क) भारतीय इतिहास का मोटे-तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विरुष जानकारी। भारत का स्वतंत्र अन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और साम्दायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान सर्वोदय, राष्ट्रीय, एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रमाणित करने वाली खिक्तयां, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संप्राम। फ्रासीसी कांति, औद्योगिक कांति, रूसी कांति, समाज पर विज्ञान और औद्योगिक का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। प्रचशील, लोकतंत्र समाजवाद, साम्यवाद वर्तम्या विश्व से भारत का योगदान।

- (ख) पृथ्वी, इसका आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय। संकल्पना। अंतर्राष्ट्रीय तारील रेखा। पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भाव-चट्टानें और उनका वर्गीकरण।
 - अपक्षव-रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी। महासागर धाराए और ज्वार भाटे।

वायुमंडल और इसका संघटन। तापमान और वायुमंडलीय दाब भू-मंडलीय पवना, चक्रवात और प्रतिचक्रवात आर्द्गता। द्रव्यण और वर्षण जलवाय के प्रकार।

विदव के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक, वनस्पति, खिनिंज और शिक्त साधना, कृषि और आद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण। महत्वपूर्ण समुद्री पतन, भारत के मुख्य समुद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मद्री।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विष्वं घटनायें।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल ह¹।

टिप्पणी:---इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया या भाग (क), (स) और (ग) के लिए कमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवार की बुनियादो बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मीखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिर गग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान दोने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्भीदवारों की मेधाशिक्त की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न कैवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितृ इनसे उसको सामाजिक विशेषताओं तथा सामाग्रिक घटनाओं के प्रीत विकायस्थी का भी पता चलोगा।

परिशिष्ड-।।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी : -- उम्मीदवारों को निर्भारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए हुर्.।

बहुत से अह ताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा ले।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी। होगी। अकादमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्ही उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ बोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थाणी रूप से अयोग्य बोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जाम-कारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी रूप में दिए गए निर्धारित दारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना अध्यक्षक है।

- (क) उम्मीदनारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें एेसी बीमारी अञ्चलता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजार शारीरिक गठन/दोहिक दाेष या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157 5 में मी. (मैरिना के लिए 157 से.मी. तथा वायु सेना के लिए 182.5 से. मी.) का हो। गोरेखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कमायू के व्यक्तियों का 5 से मी. कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्युनतम कद में 2 से.

मी. की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और अजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद ग्रीर वजन के मानक

| प्तेंटीमीटरो म कद (बिना जूता) | | | किलोग्राम मे | | | ों वजन | |
|----------------------------------|---|---|--------------|--------|---------------|--------|--------------|
| (।বাশ। সুর | | | | - | 15—16 वर्ष | | 1718 वर्ष |
| 152 | | | | | 41.0 | 42.5 | 44.0 |
| 155 | • | | | | 42.0 | 43.5 | 45.3 |
| 157 | • | | • | | 43.5 | 45.0 | 47.0 |
| 160 | • | • | • | | 45.0 | 46.5 | 48.6 |
| 162 | | • | | | 46.5 | 48 0 | 50. |
| 165 | • | | | í • | 48.0 | 50.0 | 52. |
| 167 | • | | | • | 49.0 | 51.0 | 53. |
| 170 | • | | | | 51.0 | 52 5 | 55. |
| 173 | | | | | 52.5 | 54.5 | 57. |
| 175 | | | • | | 54.5 | 56.0 | 59. |
| 178 | | | | • | 56.0 | 58.0 | 61. |
| 180 | | | | •, | 58.5 | 60.0 | 63. |
| 183 | | | | | 61.0 | 62.5 | 65. |

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसतन वजनं से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अंदर माना जाएगा। किन्तु भारी हिड्डियों वाले लंबे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1:--एसे मामलों में जहां चिकित्स: बोर्ड यह प्रमाणित कर दोता है कि उम्मीदनार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें.मी. की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2:—वायु सेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति होतु टांग की लंबाई जंघा की लंबाई तथा बैठे हुए लंबाई की स्थीलकर्ज जन निम्म प्रकार होगी:—

| | | म्यूनतम | ¥ | धिकतम |
|-----------------|------|---------|-------|----------|
| टांग की लम्बाई | | 99.00 | 120 | सें० मी० |
| जंघा की लम्बाई | | | 64.00 | सें० मी० |
| बैठे हुए लम्बाई | | 81.50 | 96.00 | सें• मी० |

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीदवारों की कम उन्न के कारण 5. ● तें. मी. तक उत्चाई में 2.5 सें. मी. (न्यूनतम) तक टांग की लंबाई में और 1.0 सें. मी. (न्यूनतम) तक बैठे हुगूर उत्चाई में गुजाइस दी जा सकती है बकारों कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढ़ात्तरी हो सकती है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अषेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

(क) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम् फौलाव 5 तें. मी. होना चाहिए। मान इस बस्ह कीला लगा कर की जाइनी कि इसका निचला विकास समने चूचक से लगा खड़े और फौते का उप्पर भाग पीछ स्वक्थ फलक (शाल्डरब्लेड) के निम्म काण (क्यिर एन्गिल) को छन्ते रहना चमिहए। छाती का एक्स-र कस्ना जरूरी है इससे

यह जानमें की निए किया जाएमा कि अति को कोई रोग ती नहीं।

(ङ) शरीर में हिड्डियां और जोड़ों का कोई रांग नहीं होना चाहिए उम्मीदिवारों की रीढ़ की हड्डी का एकस-रो। नेमी तौर पर नहीं किया धाएगा किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गृणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्त्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

वायु सेना के लिए मेरुदण्ड की हालत

- (च) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य कृत वायु सेना के लिए अभाग ठहराने बाला है:
 - (1) मरेन्द्रण्ड या तिरङ जोड़ों की एसी बीमारी चाहें उसके बास्तिविक लक्ष्मण हों या न हों—जिसकी बजह से उम्मीदवार शारीरिक रूप से सिक्रब जीवन सफ्खतापूर्वक न बिता सकता हो।
 - (२) प्रोलेप्स अंतराक श्रीरुक विंच तथा उस अवस्था के लिए शब्द चिकित्सा।
- (छ) मेरावण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी आकृति स्थानिक कामलता, यदि कोई है, मेरावण्ड की हरकत आद्धिशामिल है केवल हवाई कमी के कार्य के वास्ते उम्मीदवारों के लिए किटिविक केशराक का एक्स-रे (ए. पी., तथा पार्शिवक दश्यता किया जाना है।
- (ज) हलका काई फोसिस या लोडोसिस जहां विरूपता मुश्किल से दिखाई दोती हैं जहां दर्द की वह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।
- (झ) दिखाई पड़ने वाले स्कांलिओं सिस के या अन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरादण्ड की विरूपता का जो मामूली से अधिक हो—संदेह होने पर मेरादण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है और प्रतिकार्थी को विश्वेषक की सवाह होतु प्रस्तुत करना है।
- (छ) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नौलिखित अवस्थाएं वामु सेना में प्रवेश होतु अयोग्यता का कारण मानी जाएंगी:—
 - 1. मेरादण्ड की ग्रैन्यलोमेटस बीमली
 - 2 आर्थराइटिस/स्पोन्डिलोसिस
 - 3. काबपद्धित से वथामापित स्कारिनयोसिस जो 15° से अधिक हो।
 - 4. मामूली सं ज्यादा काइफोरिस/लोडारिस
 - स्पेण्डिलोसथीसत्र/स्पेण्डिलसिस
 - हरौनएटिड (न्युक्लिअपलपोसङ्ग)
 - 7़ बोशराक का संपाडन विभंग।
 - स्वैरमेन की बामारी।
 - प्रदर्शनीय तंत्रकीय या परिसंचारी अभाव के साथ ग्रेव पर्श्वाता।
 - 10. मरेजदण्ड संबंधी अन्य अश्वामान्यदा गींद विशोधन का एता मत्त हरी।
 - '(ट) उम्मीदनार भागितक निकृतित या दाँर' एक्ने का विकास रोपी नहीं होना चाहिए।

(ठ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सून सके। उम्मीदवार का इस योग्य होना चाहिए कि वह शान्त कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें. मी. की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कर्णनासिका की पिछली या अबकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

बाय सेना के लिए श्रव्यतामितिक परोक्षण किए जाएंगे। 250 एच. जैड. 400 एच. जैड के बीच की आवर्तियों में श्रन्यतामितिक कमी + 10 डेसिबल से अधिक नहीं हो।

- (ड) हृदय या रक्तवाहिकाओं से संबंध में कोई कियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य ही।
- (हं) उदरपे द्वियां स्विकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के आन्तरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
- (ण) यदि किसी उम्मीदवार को हिनया है और उसको शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हीनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जल्म भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।
- (त) हाइड्रोसिल, वेरिकोसिल या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (थ) मृत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमानता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हों जाएगा।
- (द) अशक्तता लाने या आकृति विगाड़ने वाली चर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।
- (ध) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंस से एनक सहित या एनेक बिना नौसेना के लिए एनेक बिना 6/6, 6/9 और वाय सेना के लिए केवल एनक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 डी. तथा हापरमेट्रोपिया 3.5 (एस्टिंगमेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानन के लिए अंख में कोई रोग तो नहीं है अंख की अन्तरिक परीक्षा औपथलमारेकाप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दिष्ट अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दिष्टि का मानक सी. पी. स्थल सेना के लिए सी. पी. 111 होगा। उम्मीदवार में लाल वहरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम एस टी द्वारा सी. पी. तथा रात्रि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस अञय का प्रमाण-पत्र दोना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रखाँधी अन्ने का रोग नहीं हुआ है।

नौसन। के उम्मीदवारों का इष्टि मानक-दूर की दिष्ट---6/6, 6/6 तक शोध्य 6/9, पास की दिष्ट--प्रत्येक आंख एन . --- 5.,

वर्ण दिष्ट---कुम, एक. ट्री. द्वास सी. पी. 11

अपेक्षाकृत अञ्ची आंख में मायोपिया 0.5 डावायास्ट्रेस से बढ़े नहीं और हायपर मट्रोपिया 1.50 डायप्ट्रिस स अधिक न हो और अपेक्षाकृत बराब आंख में 2.50 डायांष्ट्रीस से अधिक न हो।

डप्टिसंबंधीपेशीसंतुलन—मेडाक्स रोड टैस्ट के सा**थ** हैद्रोफोरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो :---

- (1) 6 मीटर पर -एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 🕆 8 प्रिज्मडायोध्द्रेस हाइपरकोरिया 1 प्रिज्म डायोध्द्रेस
- (2) 30 सें जी पर एक्सोकीरिया 16 प्रिज्म डायीप्ट्रेस एसोकीरिया 6 प्रिज्म हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रैस।

बायु सेना के लिए निम्नलिखित मानदण्ड हैं:

. 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9 दूर की दृष्टि पास की दृष्टि 📑 . प्रत्येक म्रांख की एन०-1 . सी॰ पी॰ (एम॰ टी॰ एल॰) वर्णदुष्टि . मनीफैस्ट हाइपरमेट्रोपिया . 2.00 डी० से ग्रधिक नहीं मायोपिया 000 कुछ नहीं स्टिगमेटिज्म . 00+0.75 ही 0 पेशी सन्तुलन :---

गेडडीक्स रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित सें ग्रधिक हो :— ़

(1) 6 मीटर पर एक्सीफारिया एसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोग्ट्रेस प्रिज्म डायोप्ट्रेसं

हुाइप०/हाइपीँ-फोरिया

प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(2) 33 सें० मी० पर

एक्सोफोरिया

6 प्रिज्म हायोप्ट्रेस

एसोक्:। रय

6 प्रिज्म हायोप्ट्रेस 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

ह्याइपर हाइप. ∴ारया द्विनेसी दृष्टि

ग्रन्छी द्विनेत्री दृष्टि का म्रनिवार्य है (प्यूजन तथा स्टर-योप्सिस) तथा साथ में अच्छा

भ्रायाम व गहनता

(न) (3) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजब्त दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 वांत होते हैं।

उम्मीदवार को तीव पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(प) वायसेना के उम्मीदवारों के लिए राटीन ई. सी. जी. तथा ई. ई. जी. सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

परिशिष्ट-।।।

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

- 1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने ह्योंगे :---
- (क) इस आशय का प्रमाण-कत्र कि वह यह समभक्ता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाये या उत्पर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा अावरयक किसी सर्जिकल आपर शन या संवेदनाहरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसुमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यू हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुजावजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होंगा।
- (ख) इस आरोग की वंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जी उसके नियन्त्रण में समभ्ते जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस जाना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर दरेता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन वस्त्र पर किए गए व्यय

तथा दिए गए वतन और भरत भी कृत राशि या उसनी गोक को सरकार निश्चित करो उसे बापस करनी होगी।

2. बावास, पुस्तकों, वदीं, बोडिंग और चिकित्सा सहित् प्रशिक्षण के सर्च को सरकार वहन करगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक स यह जाशा की जाती है कि उम्मीदवार का जोब सर्च वे सुद बर्दास्त करेंगे। सामान्यतया इन सर्ची 75.00 रापये से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कौडेट के माता पिता या मंरक्षक इस खर्च को भी प्रा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दुसरो वर्ष के लिए रत. 75 00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसर वर्ष। के प्रशिक्षण के लिए रु. 80.00 और थल सेना/ नौं/वाय सेमा प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशष्ट के प्रशिक्षण रः. 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय रत. 500.00 या इससे अधिक हो वे इस वित्तीय सहायता के पात नहीं होंगे। पित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अवल सम्पन्तियां और सभी माधनों से हाने वाली आय का भी ध्यान रखा जल्गा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की विसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छाक हों तो उन्हें अपने पृत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रिश्चिक्षण के लिए अंतिम रूप में चुने जाने के तरन्त रात अपने जिले के जिला मिजिस्ट्रोंट के माधम से एक आवंदन-पत्र दोना चाहिए जिसे जिला मिजिस्ट्रोंट अपनी अनुशसा महिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, संडक्षकासला, पणे (411023) के कमांडट का अग्रेपित कर दारा।

. अञ्चलको में प्रशिक्षण को लिए अतिम रूप में चूने गए, उम्मीदरारों को आने पर कमाडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राज्ञि जमा होगी:—

| (क) प्रतिमास 75.00 रु० के हिसाब से पाच धड़ीन का | . | |
|---|----------|-----|
| जेब धर्म | 175 | UU |
| (ऋ) वस्त्र तथा उपस्कर की मर्डो के लिये | 650 | 00 |
| (ग) । सेमिस्टर के दौरान प्रामगिक व्यय | 151 | 0.0 |
| योग | 1175 | 00 |

उम्मीदवारी का वितीय महायता मजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नोचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी --

- (क) 75.00 क० प्रति माह के हिसाब से पाँच महीने का जेब खर्च 375.00 (ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मदों के लिए लगमग 475.00
- 4 राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित ।छत्रवृत्तियां उपलत्ध ह⁴ं—
- (1) परशुराम भाऊं पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्र-वृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रा. 350.00 तथा रा. 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कडेट राष्ट्रीय रक्षा अवादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहोगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कडेटे का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसकी माता-पिना की आए निर्धारित सीमा में कत रहे। जिल कडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार में अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी

- (2) कर्नन के डिल फ्रेंक मंगोरियल छात्रवृत्ति :--यह छात्र-वृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पृत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार स प्राप्त वित्तीय सहायता के क्रितिरिक्त होगी।
- (3) करेर संह ममोरियल छात्रवृत्ति . यो छात्रवृत्तियां उन दो के डेटों का प्रदान की जाती है जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हों। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37 00 रु. प्रति मास की हो तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, दोहरादून तथा वायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा नौसेना अकादमी, कोचीन में जहां के डेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दो जाती रहोगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहोगी जब के डेट उपयुक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहो।
- (4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :— दो छात्रवृत्तियां असम के के डेटो को प्रदान की जाएगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु. प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम के डेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जायंगी। जिन के डेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की आर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।
- (5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृतियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 रु. प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैंडेटों को तीन छात्र-वृत्तियां मिलेंगी, उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेंगी।
- (6) करल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए 480 र. की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा. अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए करेल राज्य द्वारा उस कैंडेंट को दी जाती हैं जो करेल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा. र. अकादमी होतू अखिल भारतीय स. लो. से. आ. प्रत्येक प्रदेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। एसा करते समय कैंडेंट के पिता संरक्षक की आर्थिक स्थित पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारी लाल मदािकनी पुरस्कार :--वह 500.00 राज्य का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बगाली लड्के को अकादमी से प्रत्येक कार्स के लिय मिलता है; आवदन प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :— तीन छात्रवृत्तियां एक थल सेना, एक नौसेना तथा वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 क. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जा उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी है। इनमें से वो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जायंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय के. 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति कि उसके माता-पिता दा अभिभावकों की आय को ध्यान में स्था उसके माता-पिता दा अभिभावकों की आय को ध्यान में

- (9) परिचमी बगाल सरकार छात्रवृत्तिया .--- निम्नलिसित वर्गी की छात्रवृत्तियां परिचमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडटों को दी जाएंगी जो परिचमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:---
- (क) वर्ग 1:—ये छात्रवृत्तियां—(थल सेना, नाँसेना तथा वायू सेना के लिए एक-एक) 360.00 रापये प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संख्या में चौथे वर्ष के लिए 480.00 राज्या इसके अतिरिक्त 400.00 राज्ये परिधान वृत्ति। यह उन किंडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं है।
- (स) वर्ग 2:---तीन छात्रवृत्तिया 100 रापये प्रति वर्ष एक मृदंत सरकारी वित्तीय सहायता के अतिष्कित दी जाएगी।
- (10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी मेमोरियल छात्र-वृत्ति:——रः. 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति एसे केडेट को दो जाती है जो वायु सेना केडेटों के चौथे सत्र के अंत में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अविध के लिए होगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगड कर दिया गर्या हो या इसके प्राप्त करने की अविध में छोड़ कर चला गया हो। जो केडेट इस प्रकार की पहले से ही कोडें योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।
- (11) हिमाचल षदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—हिमाचल प्रदेश के इंडिटो को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलंगी। यह छात्रवृत्ति उन कंडिटों को मिलंगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कंडिट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलंगी।
- 12. तिमलनाडू सरकार की छात्रवृत्ति :—तिमलनाडू सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु. प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 रु. सज्जा भत्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी अविध के दौरान केवल एक बार) दोना शुरू किया है जो उस कैंडेट को दिया जाएगा जो तिमलनाडू राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय 500 रु. से अधिक न हो। पात्र कैंडेट अपना/आबंदन कमांडेट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- 13. कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां : कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां 9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोसों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोसों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कर्डटों को दी है जो सैनिक स्कृल, बीजापुर या राष्ट्राय इंडियन मिलिट्री कालेज, देहरादून में अपनी शिक्षा प्री करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480.00 रुपये प्रति वर्ष है।
- रा. 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियां (दो प्रतिशत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्कूल बीजापुर राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज दहरादून के अनावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।
- (14) एलबर्ट एकका छात्रवृत्ति :— बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 50/- रु. पतिमास की 25 योग्यता छात्र-वृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छ समुयाविधियों के पूर

समय के वास्त एक बार और 650/-रु. वस्त्र तथा उपस्कर के वास्ते दोना शुरु किया है। जिस कैंडेट को उपर्युक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायना का पात्र नहीं होगा। पात्र कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमान्डेट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शतें राष्ट्रीय अकादमी, खड़कवासला, पूर्ण (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

- 5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तरकाल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।
 - (क) अंग्रेजी
 - (ख) गणित
 - (ग) विज्ञान
 - (घ) हिन्दी
- (क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सेकेंग्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेंग्डरी परीक्षा के स्तर से उन्चा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भवीं होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए उदासीन न हो जाए।

प्रशिक्षण

- 6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नांसेना और वायू सैना के लिए चूने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहलं ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैंडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली दुवारा बी. एस. सी./बी. ए. डिग्री प्रदान की जाएगी।
- 7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडोट भारतीय सेना अकादमी, दोहरादून, में नौसेना कैडोट/ कैडोटों के प्रशिक्षण पोत में और वायू सेना कैडोट, हो. एफ. एस. विदार जायों से।
- 8. भारतीय तेना अकादमी में सेना कैंडोटों को 'जेन्टलमेन कैंडोट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। तािक वे इन्फैन्ट्रों के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर वन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलनैंग कैंडोटों को उनके शेष शारीरिक दिट से योग्य होने पर सैकेण्ड लैंफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाना है।
- 9. नौसंना कौडोटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना का कार्यपालक इन्जीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिए कौडेट प्रशिक्षण पात पर समुद्री प्रशिक्षण दिया उपना है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशिपमैन नौक में पदोन्नत किया जाता है। संबद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैफ्टिनेट के रैक में पदोन्नत किया जाता है।
- 10. क्षायु संना कौडोटों को हवाई उड़ान का डोढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनिन्तम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीश्रन

प्रदान किया जाता है। उसके बाद छ. महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अविध के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफनर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्ते

11. थल सेना ग्रधिकारी

(1) वेतन

| | वेतनमान |
|---|-----------------|
| | ६पये |
| | 760-790 |
| | 830-950 |
| | 1100-1550 |
| | . 1450-1800 |
| | . 1800-50-1900 |
| | . 1750-1950 |
| | . 2000-50- 2100 |
| | . 1900 नियत |
| | . 1950-2175 |
| , | . 2200-2400 |
| | 25001-125-2750 |
| | 3000 प्रतिमास |
| | . 3250 प्रतिमास |
| | |

(2) योग्यता वेतन और अनुदान

ने पिटनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निधारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रः. 2400/- रः. 4500/- रः. अथवा 6000/-रः. के एक मृश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'खं) 70/- रः. दर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

(3) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफमरों को इस समय तिम्निलिखत भत्ते मिलते हैं :---

- (क) रिग्विलियन राजपितित अफररों पर समय-समय पर लाग् दरों और श्र्री के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिए जाते हैं।
- (स) रु. 75/- प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदोश भत्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतशत तक होगा।
- (घ) वियुक्ति भत्ता : जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 रु. प्रतिमास दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार हाते हैं।
- (ङ) सज्जा भत्ता प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु. 2100 प्रथम कमीशन की तारीख से रु. 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे के दावे का भगतान किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में बिगेडियर स्तर तक मृफ्त राशन दिया जाता है।

तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कही भी तैनात किए जा सकते हैं।

- (v) पदास्त्रीतया
 - (क) स्यायी पदीश्रति

उच्चतर रैंको पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीनाएं है :--

| (i) समय वेतनमान से | न्यूनतम सेवा सीमा |
|--|-----------------------------|
| सैपिटनेन्ट . | 2 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा |
| कैप्टन , , , , | 6 वर्ष कमीश्रन प्राप्त सेवा |
| मेजर . | 13 वर्ष कमीशन प्राप्त |
| मेजर से लैफ्टिनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा | 25 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा |
| पदोन्नति न हुई हो . | |

| (ii) चयन | द्वारा | | | न्यून | तमः | प्तेवा सीमा | ſ | |
|------------------|--------|---|---|-------|-------|-------------|---------|------|
| लैपिटनेन्ट कर्नल | | | | 16 | वर्ष | कमीशन | प्राप्त | सेवा |
| कर्नल . | | | | 20 | वर्ष | कमीशन | प्राप्त | सेवा |
| ब्रिगेडियर | | | | 23 | वर्षं | कमीशन | प्राप्त | सेवा |
| मेजर जनरल | | • | | 25 | वर्ष | कमीशन | प्राप्त | सेवा |
| लैपिटनेन्ट कर्नल | | | | 28 | वर्ष | कमीशन | प्राप्त | सेवा |
| जनरल . | | • | • | कोई | সনি | बन्ध नर्ह | Ť I | |

(ख) कार्यकारी पदोस्नति

निम्नलिखिन न्यूरतम सेना सीमाएं पूरी करने पर मेफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पास होने बशरों कि रिक्तियां उप-लब्ध हों:

| कैप्टन . | • | • | | | • | 3 | वर्ष |
|------------------|---|---|---|---|---|----------------|--------------|
| मेजर . | | | | | | 6 | वर्ष |
| लैपिटनेन्ट कर्नल | | | | ٠ | | 6] | वर्ष |
| कर्नल . | | | • | | | 8 1 | व र्ष |
| विगेडियर | | • | | • | | 12 | वर्ष |
| मेजर जनरल | | | | | • | 20 | वर्ष |
| लैपिटनेन्ट जनरल | • | • | • | | - | 25 | वर्ष |

12 नौसेना ग्रफसर

(1) वेतन

| ~ | | वैतनमान |
|--------------------------|---|---|
| रॅंक | | मानान्य सेवा नौसेना विमानन भीर पनहुब्बी |
| | | ₹o 8o |
| मिडशिपमैन | | 560 560 |
| कार्यकारी सब लैफ्टिनेन्ट | | 750 . 825 |
| सब लैपिटनेन्ट . | | 830-870 910-950 |
| लैपिटनेन्ट | | 1100-1450 1200-1550 |
| लैफ्टिनेन्ट कमांडर . | | 1150-1800 - 1450-1800 |
| लैपिटनेन्ट कमाडर . | • | 1806-1900 1800-1900 |
| (चयन ग्रेड) | | |
| कर्मांडर . | | 1750-1950 1750-1950 |
| कमांडर (समय वेतनमान) | | 1900(नियत) 1900 (नियत) |
| कमांडर (चयन ग्रेड) | | 2000-2100 2000-2100 |
| कैंप्टन . | • | 1950-2400 . 1950-2400 कोमोडोर को वहीं जैलन मिजता है |
| | | िसका वह कैंग्टन के रूप में भपनी वरिष्ठता के भनुसार हकदार है। |
| न्यिर एडमिरल . | | 2500-125/2-2750 |
| बाइम एडमिरल . | | 3000 प्रतिमास |
| | | |

वाइस एडमिरल (वी०सी०एन०एम०/एफ०ग्रो०सी०इन०सी०) 3250 प्रतिमास्

योख्यता वतन/अनुदान भी निम्माला ७० का प्राह्म ह[°] --

कुछ निर्धारित योग्वताए रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रीन्क के अफसर की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रह., 2400/- रह., 2500/- रह. या 6000/- रह. के एकमुक्त अनुदान के हकदार है। ए इस इस्योक्टर नेवीगेटर श्रेणी क और ख कमश 100 रुपय और 70 रुपये प्रतिमास के अहाँक वेतन के हकदार।

(2) भत्ते

- (क) प्रतिप्रक (नगर) भत्ता और महागाई भत्ता उसी दर और उन्ही शर्ती पर ग्राह्य है जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारियों पर लागू है।
- (ख) किट अनुरक्षण भत्ता 75 रु प्रति मास की दर पर।
- (ग) जब भारत से बाहर समुद्र तंट पर या कछ दोशान्त्र रीय और अक्षाशीय सीमाओं के पार जहां ज पर हों तो निर्वासन भत्ता। दर्र र क के अनसार 50 रुपय प्र. मा स नेकर 250 रापय प्रति मास तक अलग अलग है।
- (घ) जहाज पर मंबारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मल बन्दरगाह से दार हाने की अविधि के दौरान 140 रुपये प्रमा की दिर पर नियुक्ति भता।
- (ङ) षहली बार कमीशन िमलन पर 240 ●/- राज्यये परिसण्जा भत्ता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/- राज्ये नवीकरण परिसण्जा भत्ता।
- (च) नौरोना में कमाडारे स्तर तक मफ्त राशन दिया जाता है।

नौसेना के उड्डयन अधिकारी मासिक दर पर और वास्सेमा अधिकारियों के सगत रैन्कों पर लागू शतों के अधीन उडान वेतन के हकदार है।

उण्यंक्त के अतिरिक्त नौस्का, अधिकारी कुछ विशेष रिया-यतों के भी हकदार हैं जो उनके साथ लगी शर्तों पूरी कर देने पर दी जाएगी नौसे हार्डलाइ गंमनी, सबमरार्टन एलाउन्स, सबमरार्डन पे, डाइविंग पे और सबों बाउण्टी।

(3) पदोन्नितया

(क) मत पदानिति

उच्चतर रन्तों पर कार्यकारी पदोन्नितयों के लिए निम्म-लिखित स्वा सीमाए हैं --

| 11 14 14 11 11 11 11 11 6 | |
|---------------------------|--------------------------------------|
| समय वेतनमान द्वारा | |
| सब लैपिटनेस्ट | 1 वर्ष |
| लैफ्टिनेन्ट | 2 वर्ष (वरिष्ठता लाम |
| | ग्रावर्ती के ग्रधीन) |
| लैफ्टिनेन्ट कमान्टर | नैफिटनेन्ट के रूप में 8 वर्ष |
| | की वरिष्ठता । |
| कमांडर | 24 वर्षं भी कमीशन प्राप्त |
| | सेवा (गदि चयन द्वारा |
| | पदोष्ठानि नहीं हुई है) |
| , चयन हारा | |
| कर्मांडर कार्यपानक शाखा | ^{कै} ण्टिनेस्ट कमाडर वे रूप |
| | ग 2−8 वष की वंरिष्ठ ता । |
| कपाडर वजीनियर भाषा | नेपिटनेन्ट कमाचर के रूप |
| | म २-१० वर्षकी वरिष्ठता। |
| | |

| | | |
|----------------|-----------|--------------------------------|
| क्माइ र | ' ₹त शाखः | कमांडन्त कमोदर के कप म |
| | | 2-10 वर्षकी वरिष्ठता। |
| कैंग्डन | | क्यांडर के रूप म 4 वर्ष |
| | | की वरिष्ठता। |
| न्यिर ए | डमिरल | ा ई प्रतिबन्ध नही । |
| वाइस गः | इभिरल | कार्दे प्रतिबन्ध नहीं। |
| | | |

(ख) कार्यकारी पदोन्नित

लैंपिटनेन्ट कमांडर के रैन्क को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर को लैंपिटनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदोन्तृति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13 वायु सेना अफसर

| (i) वेतन | |
|--|--------------|
| रैंक | वेतनमान |
| | ह पये |
| पाइलट भफसर | 825-865 |
| फ्लाइग अफसर | 910-1030 |
| फ्लाईंग लैफ्डिनेन्ट | 1300-1550 |
| स्कवाडून लीडर | 1650-1800 |
| विग कमांडर (चयन) | 1750-1950 |
| विग कमाडर (सभव वेतनमान) | 1950 नियत |
| प्रुप कैप्टन | 1950-2175 |
| एयर कमांडर | 2200-2400 |
| एयर वाइस मार्शल | 2500-2750 |
| एयर मार्शल | 3000 |
| एयर मार्शल [(बी० सी० ए० एस० झौर ए० झो० | |
| एम० सी० (इन सी०)]। | 3250 |
| एयंर चीफ मार्शन (सी० ए० एस०) | 4000 |

(ii) भत्ते

(क) उडान बेतन — उड़ान शास्त्रा के प्रधिकारी (पाइलट तथा नेवि-गेटर) निम्नलिखित दर पर उडान वेतन पाने के पान हैं—

| | य० प्र० सा⊕ |
|-------------------------------|-----------------|
| पाइलट अफसर से विग कमाडर तक | 750 00 |
| ग्रुप कप्टन से एयर कोमोडीर तक | 666.00 |
| एयर वाइस मार्शेल तथा इससे उपर | 60 0. 00 |

(ख) उड़ान शाखा के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले प्रधिवारी निम्नलिखित दर पर योग्यता वेतन ग्रनदान के पांत हैं:--

| | infantion of a | ,, ., | | 6 | |
|--------------|----------------|-------|------|--------|--------|
| | | | | ₹0 5 | ा० मा० |
| धोग्यता | वेतन | | | | 100/ |
| | | | | £13 | ৰো 70/ |
| / योग्यता | श्रनुदान | | | | 6000/ |
| | | | | ग्रथवा | 4500 |
| | | | | | 2400/ |
| | | | | ग्रथवा | 1600/ |

- (ग) किट अनुरक्षण भत्ता 75/- रापए प्रतिमास की दर पर मिलेता है।
- (घ) निवर्तन भत्ता किसी दश में जहा वायू सैना अधिकारियों के लिए ट्रंप के अग के रूप में जाना अपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल ततीय सचिव/विवतीय सचिव/प्रथम सचिव/काउन्सलंर को ग्राह्य विदेश भत्ते का 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत तक (धारित रैन्क के अनुसार)।

- (ङ) वियुक्ति भत्ता :--एयर वाइस मार्शल और इससे उत्पर को रैक वाले जिन निववाहित अधिकारियों की तैनाती उन यूनिटों/ फार्मेशनों में की जाती है जो भारत सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए अ-पारिवारिक रूप में अधिसूचित स्टेशन/क्षेत्रों में स्थित हैं तथा जहां परिवार को साथ ले जान की अनुमति नहीं है वहां पर नियुक्त होने पर उन्हें 140/- राज शातमाम वियुक्ति भना मिलेगा।
 - (च) परिसज्जा भत्ता :---अधिकारी को जो व**र्दी/उप**स्कर अपने पास रखने पड़ने हैं उनकी लागत के लिए शुरू में 2100/- रूपये (र मध-समय पर यथा आजारिधत) .और हर सात वर्ग के बान रनके नवीकरण के बास्ते 1800/- रतपये।
 - (छ) बाग मेर्ग में गयर कमाडोर स्तर तक अफ्त राशन दिया जाता है।
 - (३) पदोन्नितयां
 - (क) मूत पटोन्निट

उच्चतर नकों पर मल पदोन्ति के लिये निम्तिति सेवा मीगाग है --

| समय बैतनमान हार | T | | |
|--|-------------|---------|--|
| पलाईंग झफसर पलाइग लैफ्टिनेन्द स्ववाड्न लीडर विग कमीडर | ŀ | | 1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सैवा 5 वब शो कमीशन प्राप्त सैवा 11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सैवा ि चयन द्वारा प्रवीचनि न हुई ो भो 24 वर्ष की कमीशन ग्राप्त सेवा पूरी कर ली हो। |
| चयन द्वारा | | | कान्त तथा भूग कर ला हा। |
| विंग कमीडर | π. • | 95 • | 1९ वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी। |
| ग्रुप कैप्टन | • | • | १२ वर्ष कृत कमीशन प्राप्त सेवा |
| एयर कमीडर | | | गिनी आएंगी। |
| MS . | • | | 24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी अभरगी |
| ध्यर वाइस मार्शल | • | • | 26 वर्ष कुल कमीशन प्रप्त सेवा किटी काएगी। |
| प् यर गार्बस | ₽ ₩3 | د | ८ वर्षे कृष्य समीमन प्राप्त सेवा विरे पाएकी ।# |

(6) क्यकेंकारी प्रवोद्धति

धफसरीं की कार्यकारी पदाश्रित ह लिये ग्रेपेखित व्युननम् सेवा बीमा इस प्रकार है '---

क्लोइयं लैपिटमेन्ट स्कबाइन लीडर

विंग कमोडर अर्थ (स्मादर्शन अहेक्स् के हैक् में एक वर्ष की सेवर के बाक) ।

1:-1/2 वर्षे (विंग कमीहर-मोर एयर कोमोडोर क्षण की पहल की पहलू में 3 वर्ष की कुंगा के बाद)।

एयर बाइस मार्गल 15 वर्षे (विद्वा कमोत्रर, वृत्र कैप्छल भीर एयर कमोकोर के रैकों मैं ८ वर्षं कि सेना कि बाता)।

25 7

काइडिस असिक^म को भागिल करके।

14 सवा निवृत्ति लाभ

पंकान, उपदान और ग्रेच्युटा अवार्ड समय-समय पर् लागु नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. **छ**ुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार होगी। परिशिष्ट (V

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति होतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीद-वारों द्वारा प्रस्तुत किये जान वाल प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित िक्षा ज्ञाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* ़ . . सुपुत्र/सुपुत्री^{*} श्री . . जो गांव/कस्बा जिला/मडल * . . . राज्य/संच * राज्य क्षेत्र . जाति/जन जानि "के/की "ह" जिसे निम्न-लिखित के अधीन अनुस्चित जाति/अनुस्चित जनजाति के रूप में भान्यता दी गई है ---

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950@। संविधान (अन्सचित जन जातिया) आदश, 1950@। संविधान (अनुसूचित जातियां) (सच राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951@1

सविधान (अनुमचित जन जात्वां) (तंत्र राज्य क्षेत्र) जादेश, 1951@1

[(अन्सचित् जातियां आर्रि अनसचित जन जातियां सूची (आशोधन) जीदेश, 1956, बस्वर्ड पर्राठन अधिनियम, 1960, पजाल पूर्नगठन अधिनियम, 1966, हिम्बिल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1976 और उत्तर पूनी, क्षेत्र अधिनियम, 1971 और अनुसृचित जातियां तथा अनुसृचित जनजातियां आडेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा-सञाधित) 🕽

संविधान (जम्म और कश्मीर) अन पचित जातियां आदेश, 1956@1

संविधान (बंडमान और निकाबार दवींपसमूह) अनुस्थित। अनजातिया आदश, 10 - @ जनसचित्र आहित और अन-स्चित जन शानिसां याद श (मज्ञाभाग) क⁹ध⁹नयम, 1976 ददारा यथा सहारिभृत ।

मंबिधान (दालरा और नागर हवेली) अनस्चन जानियाँ नादश, १०५७@।

संविधान (बादरा और अगर स्वीर्ग) अनुसचित जन जातियाँ आदेश, 1962@।

सिवधान (पंडिचरी) बन्सचित जातिया छार्ने म. 1064@ संविधान (अन्सचित कन कातिथा) (उत्तर ।दंदा), अहरा, 1967@1

संविधान गाँआ, टमन आर टिक्क) अनमस्ति जातियाँ সদইश, 196,8@।

संविधान (गोजा, दमन और दियु) अन्सूचित जन जातियाँ आदेश, 1068@।

(नागालीड) संद्विधान **अस्ति** क्रन्मातियां नादश्व 1970[@]1 संविधान (सिक्कम) वनुसुचित जातियां बादश, 1978@1 संविधान, जनजातियां बाद्धेश, (सिक्काम) अनुस्कृ चित 1978[@]1

%2. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के एसे अधिकत्यों के मामले में लागू हैं जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अधातन से अधुक्तन कर जुन्हें हैं

यह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीनती/कृतार्शं रें रें प्राम/
कृत्वा रें ति ति ति ति ति विकार श्री रें विकार से विकार से

(कार्यालय की मोहर सहित) राज्य/संक राज्य क्षेत्र

स्थान ् र छ । तारीख . . र र

*(जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें)

[@]कृपया राष्ट्रपति का विशिष्टि आदेश उद्भृत कर¹।

[%] जो पैरा लागू नहीं है उसे कृपया काट दै।

टिप्पणी:—यहां प्रयुक्त ''आमतौर से रहतूं/रहती हैं'' का अर्थ वही होगा जो ''स्थिने होगा निकास प्रकट् । 1950''की भाषा 20 में हैं।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पृत्र जारि करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों की सुची।

- (1) जिला, मीजस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजस्ट्रेट/
 कुलैक्टर्र/हिस्टी क्रीमक्तर/एडिशन्ल हिस्टी कृमिः क्तर्यक्टर्र/हिस्टी कृमिक्तर /प्रथम श्रेणी कृ स्टाइपंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मेजिस्ट्रेट/ंसव डिलीजुनल मैजिन स्ट्रेट/ताल्ल्क मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्पृटिव मैजिस्ट्रेट-एक्स्ब्रा असिस्ट्रेट कृमिक्नुरा
 - ां (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मृंजिस्ट्रेट से काम बाहदे का नहीं)
- (2) जीफ प्रोसीडोन्सी मेंजिस्ट्रोट/एडीशनल खीफ प्रोसीडोन्सी मेंजिस्ट्रोट/प्रोसिडोन्सी मेजिस्ट्रोट।

- (3) रवन्यं अफसर जिसका बाहदा तहसीलदार, सं कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-दिबीजन्स अपसर जहां उम्मीद्र-वार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) **इंडिमिनिस्ट्रेटर /इंडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेब्लप-**मेन्ट अफसर, "लक्षद्वीप"।

परिशिष्ट 🗸

उम्मीदवासं को समनार्थ जिल्हामा

क्रु वस्त्रुवहुक पुत्रक्षिण

आप जिस परोक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परी-क्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपकों उत्तर जिस्तर नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसका आगे प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिए कहें स्कुकाए गए उत्तर जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) हिए जाते हैं। _उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक की लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विषंदिणका का उद्देश्य आपका इस पद्मिशा के बारे में कृष्ठ जानकारी दोना है जिससे कि पद्मिशा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ब ु परीक्षण का स्वरूप

प्रकल पत्र "प्रकल पृस्तिका" को रूप में होंगे। इस प्रक्रिका में कम संख्या 1, 2, 3— नाबि को कम से प्रकांश होंगे। इस प्रकांश को नीजे a, b, c, d, जिल्ला के साथ स्भाए गर्मे प्रकांश को नीजे a, b, c, d, जिल्ला के साथ स्भाए गर्मे प्रत्य हों को नीजे को मामका काम एक सार्थ या यदि आपका एक से अधिक प्रत्युक्तर सङ्की नगें तो इनमें से सर्वोद्धम उत्तर का ज्वान करना होंगा (अंत में बिस्से गर्मे नमुने के प्रकांश देखे लें) किसी भी क्यित में प्रत्येश प्रकांश को बिस्स आपका एक ही बही प्रत्युक्त का ज्वान करना होंगा। यदि आप एक से अधिक खुन लेते हैं तो आपका प्रत्युक्त गलत माना जाइगा।

ग् उत्तर देने की बिश्वि 🛭

परीक्षा भवन में आपको बुलग पुक्र उत्तर पत्रक दिया जायेगा। जिसुकी एक नमूना प्रति आपका अपने प्रवेश -पत्र के साथ भेजी जायेगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस, उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़ेकर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नीशों की संख्यायें 1 से 160 तक चार सण्डों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, चिह्न वाले बृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पृत्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्यृत्तर सही या सर्वोत्तम् है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले बृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अधिकत कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर द्वानि के लियें) नीचे दिसाया गया है। उत्तर पृत्रकृ हो बृत्त की काला अनान क नय स्थाहर्र का प्रयोग नहीं करना लाहिये प्र

> 1 0 0 0 0 2 0 0 0 4 0 0 0

वह जरूरी है कि :--

- 1. प्रश्नाशों के उत्तरों के लिब केवल कच्छी किर्रंग की एच. बी. पंक्तिल (पंक्तिलें) हा लाए और उन्ही का प्रयोग क्रें
- 2. गुलत निशान का बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से मही उत्तर पर निशान लगा है। इसके लिये आप अपने साथ एक रवड़ भी लाये।
- 3., उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई एेसी अमावधानी न हो जिससे वह फट जायें या उससे मोड़ वृष्टिलवट आदि पड़ जाये या वह सराव हो जाये।

घ., क्रुछ महत्त्वपूर्ण विनियम।

- 1. आपका परीक्षा आरम्भ करन के लय निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. प्रीक्षा शुरू होने क 30 मिनट बाद किसी की प्रोक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- · 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोडने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक अधीक्षक पर्यविक्षक को सींप दे। आपको प्रश्न पृष्टिका परीक्षा भवन से बाह्य ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।
- 5 अपका परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण करना होगा, आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण क्टब्स्थ भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेज दिये जायोंगे।
- 6. प्रक्ल पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपका साक्धानी से पहने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि सदिग्ध हैं, तो उस प्रकांश के प्रत्यूत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लावें, आपको अपने साथ एक एच. बी. पेंसल, एक रबह, एक पेंसल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या

हार बार न कार ने कार में कार्य जिन पर कुछ ित्सा न हा। आपको परीक्षा भवन में कोई साली कागज या कागज का ट्रकड़ा या पंमाना था आर पन उपकरण नहीं लान है क्यों कि उनकी जरूरत नहीं हाणी। मागने पर कच्च काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायगा। आप कच्चा काम श्रूरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीस लिस और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने-अपने उत्तर पत्र के स्थ मर्मकेशक की सापस कर दें।

क विशाध अन्द्रिक

गर्गाश्या अवन वा क्यां स्थान पर बैंट करने को नाद अधीक्षक कायकरे जनार प्रांक के गर्न का बाद का प्रीक्षत स्वना भर दें। यह जाम दरा कान अर्थ बाद अधीक्षक बायकरे प्रांन प्रित्तका देंग। प्रकृत प्रित्तका लिखने पर आप बहु, अवक्ष देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है या अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रकृत प्रित्तका को खोलने से पहलें उसके प्रथम प्रकृत पुर अपना अनुक्रमांक लिखा दें आपको प्रकृत प्रित्तका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेशक एसा करने के लिये न कहा।

व. कुछ उपयोगी सुभुव

यद्यिष इस परीक्षण का उद्योध्य आपको गति की अपेका शृद्धता को जांचना हूं, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। सन्तृतन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं हो पाते हों नो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मानूम पड़ें उन पर समय व्यर्थन करें। दुसरे प्रश्नों की और बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में निचार करें।

सभी प्रवनांशों के अब समान होंगे। उन सभी के उत्तर दूर। बापके द्वारा बिकत सही प्रत्युत्तरों की मख्या के बाधार पर ही बापको अक दिये जायेगे। गलत उत्तर के लिये अक नहीं काटे जायेगे।

छ. परोक्षण का समापन

जैसे ही प्रविक्षक आपका लिखना बद फरन का कहे, आप लिखना बद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहाँ खब तक अधीक्षक आप के पास आकर आपसे सभी आवश्यक बस्तूयें न ले आयें और आपको छोड्ने की अनुमति न दें। आपकों ध्रिन पृथ्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का काग्य परीक्षा भवन स बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हां।

नमुने के प्रश्नाक (प्रश्न)

(नोट्य--*सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करना है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत उज्जाह पर पर्वताराहियों के नाक तथा कान से निम्न-लिखित में स किम कारण से रक्त साव होता है?

- (a) रक्त का दाब धायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- (b) रक्त का दाब वायमण्डल के दाव से अधिक होता है।
- (c) रक्त वहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के अनुरूप धटता व बढ़ता है।

2 (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voter at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. দুবি

, घरहर के फुलों का झड़ना निम्नलिखित में से क्रिसी एक उपाय से कम किया जा सकता हैं।

- *(8) वृद्धि नियसक इारा छिस्काव।
- (५) दूर-दूर वीश्वे लगाना
- (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
- (d) बोडे-थोडे कासले पर शैधे सगाना
- 4. रसायत विज्ञान

H3VO4का एनडाङ्गाइक निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- *(a) V₀₃
- (b) Vo4
- (c) V204
- *(d) V₂₀₅
- **5 धर्षशास्त्र**

श्चम का एकाधिकारशोषण निम्नलिखित∖ में सेकिस क्यिति में होत। हे?

-) *(a) सीमाम्त राजस्व उत्पाद से मखदूरी कम हो।
 - (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर हों।
 - (c) मजदूरी मीमान्त राजस्व उत्पाद में अधिक ही।
 - (d) मजदूरी सीमान्न भौतिक उत्पाद के नराबर हो।
- 6 बेखुत इजीनियरी

एक समक्ष रेखा को आपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि C कृक्त अन्तराख में सचरण वेग दर्शाता हो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3Û
- 14,
- S(0) 0/3
- (A) Mia

प्रमुक्ति।स

बपाल्य में प्लेजिशाबलेस ल्या होता है है

- (8) वामिगाक्लज
- ६(०) अम्रोडोराय्ड
- (७) एःबादट
- (८) एनाकार्धक
- ८. पचित

कुल बिन्तु है मूजरने वाला धोर $d^{a}y$ $dy=\varnothing$ समीकरण $\overline{d imes ^{a}dy}$

 क्षणंत रखने वाला त्रक-परिवार निम्नलिकित में से किस से विविध्य है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y-ax
- (c) y=aex+be--x
- "(d) yacx--a

प क्षीतिकी

एक श्रादर्भ ऊल्मा १७न 400° के भीर 300° K के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। हमकी अमता निर्म्तालिस्त में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. सांख्यिकी

विव हिएउ विकर गः माध्य ६ है हो इसका वसरक विश्वलिकित वें के नशर होगा ?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d)-e

11. पूरोख

वर्सी के रिक्रियों पान की प्रत्यविक समृद्धिका कारव निम्निखिति के समा है ?

- (a) यहां पर वानिज साधनों का विम्रुल मण्डार है।
- (b) वर्मा की प्रधिकांश नदियों का हेल्टाई धाग है।
- (C) यहां खेष्ठ वन संध्यदा है।
- (d) देश के धविकांश तेल खेब इही काग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्निलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बोद्ध ध्रमं के उत्कृष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनु-यायियों की संख्या नहात अधिक थीं।
- (b) बाह्मणनाथ महत्त् कांचक कर्मकांड वर्षर आउम्बर से पूर्व धर्म था।
- (त) कृष्टिमणकाद को अंश्वेदय, को साथ, किल सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाकों को प्रकट करने के लिये धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. दर्शन

निम्नलिखित में से निर्लिश्वरबादी दर्शन समूह कौन सा है?

- [™](a) बौद्ध, न्याय, चार्वांक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेणिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अद्वत, वेदान्त, सांस्य, चार्वाक, योग
- (d) बांदूध_{ि सांस्थि।} मींबांसा_{यः} शानांस्क

14. राजनीति विज्ञान

- "वृतिगत प्रतिनिधान्" का अर्थ निम्निलिष्टित में से क्या है? व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
 - (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समृदाय के पक्ष का समर्थन
 - (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
 - (4) श्रीमक संघां द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15 मनोविज्ञान

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्दा**रेशन करती** हैं?,

- *(क) लक्ष्य सम्बन्धी जावश्यकता में वृद्धि।
- (b) बन्तर्नोद ववस्था के न्यूनता।
- (c) व्यावहारिक अधिगम।
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम।

16. समाजशास्त्र

भारत में पंचायती राज संस्थानों की दोन निमन में से कौन सी हैं?

- ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजार वगों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) जुबाजूत कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गी के लोगों को भुस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी क्षे उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपय्क्त नम्ने के प्रश्नाश (प्रश्न) अनेवल उदाहरण के लिये हिये गये हैं और यह अरूरी नहीं है कि ये इस परौक्षा की गान्यखर्म की बन्सार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd June 1985

No. F.6|85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered that Shri P. Bhujanga Rao, Retired Editor, be re-employed as Editor, Supreme Court Reports, in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of June 3, 1985 to December 31, 1985, in public interest,

R. SUBBA RAO, Registrar.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st May 1985

No. 7K.PRS|114.—Consequent upon his completion of the deputation tenure in this Commission Shri Brij Bhushan, SEN (C) of Railways, who was officiating as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission deputation basis is relieved of his duties in this Commission and his services are placed at the disposal of Ministry of Railways with effect from the afternoon of 31st May. 1985.

The 10th June 1985

No. NK-PRS-063.—Consequent upon her appointment a Dy, Secretary Director in the Department of Coal, Smt. Mal Srivastava, IAS (MP · 71). Commissioner for Departmenta Inquiries in this Commission, is relieved of her duties with effect from the forenoon of 27th Mey, 1985 to enable her to take up the new assignment.

No. OK PRS|062.—Consequent upon his promotion to the grade of Collector of Customs & Central Excise-Level II in the scale of pay of Rs 2250-125|2-2500. Shri M. K. Zutshi, IRS (C&CE: 66). Director in the Central Vigilance Commission. is relieved of his duties with effect from the foremon of 10th June, 1985 to enable him to take up his new assignment.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. for Cenrtal Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-11, he 3rd June, 1985

No. 3/23/85-AD-V—The Director/CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint the following Inspectors too ciate as Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation of ad-hoc basis from he date mentioned against their names until further orders 1:—

| Name of the off | iceir | | | _ | Brnach to which posted | Date of ad-hoc prom tion |
|-----------------|-------|---|---|---|------------------------------|--------------------------|
| . 1 | | | | | 2 | 3 |
| S/Shri | , | | | | | |
| 1. R.K. Bhakta | | | | | CIU (P) | 5/2/1985 |
| 2. K.N. Gupta | • | • | • | • | Special Unit | 13/5/1985 |
| 3. N.N. Singh | • | • | • | • | Special Unit | 30/3/1985 |
| 4. D.C. Sorari | • | | | | Head Office | 30/1/1985 |
| 5. P.P. Jha | • | • | • | | Special Unit | 8/2/1985 |

No. A-35016|10|84-AD.V.—The Services of Shri K. N. Gupta, Superintendent of Police Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal

of Indian Oil Corporation Ltd., New Delhi with effect from the forenoon of 22nd May, 1985, on deputation as Senior Vigilance Officer for a period of 2 years from the date he takes over charge.

The 4th June 1985

No. 3|24|85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Vasudeva, IPS (Haryana, SPS) as Superingendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17th May, 1985 and until further orders.

The 6th June 1985

No. A-20023|3|75-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Ravindran a Prosecutor from Kerala State presently working on deputation with the C.B.I. as Public Prosecutor as Senior Public Prosecutor C.B.I. (Group 'A' Gazefted) on 'transfer' basis with effect from the forenoon of 22nd May, 1985.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI.

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

The 1st June 1985

No. A.12012|1|84-Admn-II.—Shri E. A. Michigan, Tech Supdt. (Cy) of D.C.P.W. has been promoted to the post of E.A.D. (Cy) in a temporary capacity in D.C.P.W. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- w.e.f. the forenoon of 1st May 1986, until further orders.

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 3rd June 1985

No. O.II-1971 84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as J.M.O. in the CRPF on ad-hoc basis wef. 24-12-84 (FN) for a period of 3 months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.

No. O.II-1971|84-Estt.—The Driector General, CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy, as J.M.O. in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17-11-84 to 8-12-84 AN or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.

No. O.II-1971 84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. T K. Roy in the CRPF as J. M. O. on ad-hoc basis w.e.f. 16-8-84 (FN) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 5th June 1985

No. O II-11/73-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint Shri J. F. Ribeiro, IPS (Mah: 1953) Commissioner of Police Bombay (Maharashtra) as Director General, Central Reserve Police Force, with effect from the forenoon of the 5th June, 1985, until further orders.

ASHOK RAJ MAHEEPATH!
Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th June 1985

No. E-32015(4)|15|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Suraj on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit ASP Durgapur with effect from the forenoon of 15th May, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary upto

24-9-85 or till such time require appointments are made, whichever is earlier.

7 he 10th June 1985

No E-32015(4) 38/85 Pers I—t a appoin ment on deputation Shri Prabhu Dage a turned charge of the post of Assistant Commandant Clot Unit BHFI Hard var with effect from the forenoon of 1st May, 1985

> P K. TiWARI Assistant Inspector General (Pers)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoone, the 10th June 1985

No. 2|6|81-EST --Shri R S Bahti, a permanent Superintendent and presently working 1s 'A sont Administrative Officer in the LBS National Academ of Administration, Mussoorie, has been appointed on a regular basis to the post of Assistant Administrative Officer (Choup 'B'--Gazetted) in the scale of pay of RS 155 30-740-55-1 R 40 960 with effect from 24-5-1985 and until 10 th 10 dets

No 4|4|81-EST—Shri K. C. Saxena, an officiating Deputy Librarian in the Lil Pahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoule, is confirmed in that copicity with effect from 29-11-1984

A. KUI SHRESHTHA

Dy. Director

.P.

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasık Road, the 17th I se 1985'

No 136|A.—In continuation of No cation No 451|A dated the 17th November, 1984 the tenure of ad-hoc appointment of Shri Sripati Ram as Administrative Officer-II in the India Security Press, Nashik Road which had expired on 3rd May, 1985, is further extended for a period of six months with effect from the 4th May, 1985 or till regular appointment is made which yet is earlier

Sd|-P S. SHIVARAM General Manager

OFFICE OF THF ACCOUNTANT GENFRAL

(ACCOUNTS) I BIHAR RANCHI

Ranchi, the 4th June 1985

Memo No. Admn Promo 573.—The Accountant General (Accounts) I Bihn Rinch has been pleased to Promote Shri Daud Yax... a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of R. 840-40-1000-1 B-40-1200 with effect from 30-4-85 (FN)

P. SENGUPTA St. Dy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MAHA-RASHTRA (A&E)

Bombay-400 020, the 29th May 1985

No Admin I Gen 131-V 1 11 C-1(1) 39.—The Accountant General-I (Actionnts & Entitlement) Maharashtra, Bombay is

pleased to appoint this P. G. Nanckai, Section Office to officiate as Accounts Officer with effect from 23-5-1985 F.N., until further orders.

S. VISWANATHAN Sr Dy Accountant G notes Almn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 7th June 1985

No. Admn.1/8-132/85-86/38—S11 N. Guruswamy, Audit Officer, office of the Accountant General (Audit) Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the afternoon of 31-5-1985.

Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THF ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KFRALA

Trivandrum, the 6th June 1985

No. Entt & Cash|1|10-3|85-86|31 —Shri T. Achutha Warrier, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on 31-5-1985 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN
Accountant General

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIFS SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 3rd May 1985

No. 15|85|G.—Shri S. P. Batra GM (in SAG Level II) and IOFS officer retired from service w.e f 1st Mar 84|FN consequent on his permanent absorption in M|S Burn Standard Co. Ltd., Calcutta, with effect from the same date.

V. K. MEHTA DDG|ESTT

MINISTRY OF COMMFRCE

MINIST TO A MENT HE PERSONNEL TO MINISTER OF THE MANAGEMENT AND A STREET OF THE MENT OF TH

Createstand to the service page-seas and

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 3rd June 1985

N. A-12025(ii) 3 80-Admn III—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri Lalu Toppo, Assistant Director Grade-II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Guwahati under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 30th April, 1985

V. K. AGNIHOTRI Additional Development Commissioner of Handlocoms

MINISTRY OF STFEL AND MINES. DEPARTMENT OF MINES INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 31st May 1985

No. A-19011(211A) 80-Fstt A—The President is pleased to appoint Shri I Somaiah, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the foremon of 12th May, 85 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion

Committee Union Public Service Commission, whichever is earlier.

No. A-19011(178)|84-Fett.A.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Rao, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the foremoon of 29-4-85, for a period of 6 months.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

the second control of the second control of the second party of the second control of th

Nagpur, the 3rd June 1985

No. A-19011(371) 85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri S. S. Chahande has been appointed to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13-5-85.

Sd|- ILLEGIBLE
Asstt. Admn. Officer
for Controller General Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun"the 10th June, 1985

No. C-6208/718 A—The undermentined officer is appointed to officiate as Establishment and accounts officer (G.C.S. Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 84-40-1,000 EB-40-1,200 with effect from the date as shown against him, on regular basis:—

| Sl. No. | Name & | Designation | Unit/Office | With effect from |
|---------|------------|-------------|--|------------------------|
| 1 | 2 | | 3 | 4 |
| Sup | . Sharma . | t, Surveyor | . Map Re- 1 cord & Iss Office (MP) Dte.) Dehra Dun | |

G.C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th June 1985

No. 4(71)|82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. K. Sharma as Programme Executive at All India Radio, Shimla in a temporary capacity with effect from 9th May. 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROAD-CASTING FILMS DIVISION

Bombay- the 3rd June, 1985

No. A.31014/2/84 Est.I—The competent authority hereby appoints the undermentioned officials in the Films Division 64—126 GI[85]

in the substantive capacity in the post of Asstt. Administrative Officer with effect from the date shown against each :—

| SI. Name of the No. | | | Date | |
|-------------------------------------|------|------|----------|------------------------|
| · 1 2 | | | | 3 |
| S/Shri 1. N.N. Sharma 2. S.N. Singh | | • | • | 29-3-1976 29-3-1976 |

VIJAY SASNUR Director of Administration

New Delhi, the 30th May 1985

No. A-32014|1|81-Est.I(RC).—On the recommendations of the Departmental Promotoin Committee, the competent authority has appointed Shri A. Somasundaram, Pmt. Asstt. Maintenance Engineer, Films Division, Bombay to officiate as Maintenance Engineer in the same office with effect from the forenoon of 10-4-1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 24th May 1985

No. A-12011|3|85-Exh.A.—Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shri P. N. Khurana, Exhibition Assistant to officiate as Field Exhibition Officer in a purely temporary capacity on ad-hoc basis at the Field Exhibition Unit of this Directorate at Nagpur with effect from the forenoon of 17th April, 1985.

G. P. BHATTI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

NÀRORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr the 3rd June, 1985

No. NAPP/Rectt/29/Feb-85/5/7091—Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints the under mentioned Scientific Assistants 'C' to officiate a Scientific Officer/Engineer Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650—30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 in Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of February, 1, 1985 until further orders:—

| Sl. No. Name | | | Present Designa- tion | Grade to which appoin- ted |
|--|------|---|--------------------------------|--|
| 1 2 | | | 2 | 4 |
| S/Shri 1. Hanuman Prasad | • | • | Scientific Assistant 'C' | Scientific Officer/ Engineer Grade-SB |
| · 2. S.A. Farooqui 3. L.K. Maheshwari | | • | Do. Do. | D ₀ . |

R.N. SHUKLA Administrative Office

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 31st May 1985

Ref. No. DPS|41|1|85-Admn.|1374—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chowannur Vijayan, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 18-3-85 (FN) to 1-6-85 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN, Admn. Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 31st May 1985

No. NFC|PAR|0704|1118.—Deputy Chief Executive (A), NFC appoints Shri S. Raghavendra Rao, Selection Grade Clerk, to officate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis from 25-5-1985 to 25-6-1985 or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangafore-560 009, the 2nd May 1985

No. 6|39|84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division. Department of Space, is pleased to appoint Shri C.H. Dasaradha Ramaiah as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-4-1985 and until further orders.

K. M. G. WARRIER, Admn. Office-I for Chief Engineer

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560 017, the 30th May 1985

No. 12|49|78-Admin.—The Programme Director, APSU appoints Shri V. Ravi in QAS, Auxiliary Propulsion System Unit of Department of Space as Sci. Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from April 1, 1985 (FN) and until further orders.

A. UNNIKRISHNAN Adm. Officer

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 25th May 1985

No. GN.021.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project Department of Space is pleased to appoint Shri MVP Panicker as Assistant Purchase Officer in the INSAT-1 Master Control Facility. Hassan, with effect from the forenoon of 24th May 1985 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR, Admn.Officer-II for Project Director

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

INDIA METEOROLOGICAL DE-PARTMENT

the 4th June, 1985

No. A. 38019/II/83 E.I.—On attaining the age of superannuation the undermentioned Assistant Meteorologist of India Meteo-

rological Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names

| S. No. | Name | | | Designation | Date on which officer retired |
|--------|-----------------|---|------|-------------|--|
| 1 | 2 | | | 3 | 4 |
| S/S | hri | | | | |
| 1. S.P | . Punj . | | | Asstt. | 31-1-1985 |
| | | | | Meteorolo- | |
| | | | | gist | * |
| 2. I.B | , Sutradhar | | | Do. | 31-1-1985 |
| 3. Ha | rnam Singh | | | Do. | 28-2-1985 |
| 4. D. | K. Gupta . | | | Do | 28-2-1985 |
| 5. V. | A. Venkatarama | n | | Do | 28-2-1985 |
| 6. H. | Dhan . | | | Do. | 30-4-1985 |
| 7. J.N | 1. Moolchandani | | | Do. | 30-4-1985 |
| 8. S.I | O. Piri . | | | Do. | 30-4-1985 |
| 9 T N | 1. Kamble . | | | Do. | 30-4-1985 |

, K. Mukherjee Meteorologist (Establishment) Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

'New Delhi, the 30th May 1985

No. A.38013|1|85-EA.—Shri P. A. Menon, Asstt. Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Bombay, retired from Government Service on the 31-3-85 on attaining the age of superanuation.

G. B. LAL, Asstt. Dira Admn. for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 14th May 1985

No. A.32013|3|84-EA.—The President is pleased to appoint the following Officers to the grade of Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 13-2-1985 or from the date they actually take over the charge of the post, which ever is later and until further orders:—

Sl. No . Name

1. SShri R. S. Raikar

2. " V. V. Divakar.

3. " E. Joseph

4. ., K. C. Biswas

5. " S. L. Biswas

6. " C. B. Yadntaik 7. " S. A. Krishnan

7. " S. A. Krishnan 8. " A. C. Das

9. " Y. P. Sawhney

10. " G. B. Singh

11. " M. S. Rawat

12. " J. P. Kapoor

13. , N. C. Edbore14. , P. N. Dhanraj

15. ., A. C. Jassal

16 " S. B. Kamble

17. " H. B. Khurade

18. ., D. K. Jain

19. .. R Sampath 20. .., I. C. Kartania.

G. B. LAL, Asstt. Dir. Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th June 1985

No. 15|85.—Shri S. V. Ranganathan, lately posttd as Supdt. of Central Excise (Gr. B) in the Collectorate of Central Excise Guntur, on his appointment as Inspecting Officer (Gr. B) vide this Directorate General of Inspection order C. No. 1041|47|84 dt. 29-3-85 assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Central Regional Unit of the Directorate General of Inspection, Customs and Central Evcise at Hyderabad w.e.f. 3-5-85 (FN).

A. C. SALDHANHA, Dir. Genl. of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 4th June 1985

No. 23-TR(2)|85.—The Director General of Shipping is pleased to appoint Shri B. S. Chauhan as Lecturer (Life Boat) in the L.B.S. Nautical & Engineering College, Bombay with effect from 22-12-1984 on ad-hoc basis until further orders.

AMITAB CHANDRA, Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, 10th June 1985

No. A-19012|1087|85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promtion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Bharat Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-5-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on prabation in the grade of E.A.D. |A.E. in the Central Water Commission for a period of two years iwth effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA, Under Secy. (C) Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th May 1985

NOTICE

No. 10(4) DCEC-VII]III]1737.—Sh. Gauri Shanker, Son of Shri Ram Chander who was working as Motor Lorry Driver in Mechanical Workshop Division was given a notice of termination of services vide this office Memo No. 10(4) DCEC-VII[E-III]746 of 14-3-85 that his services will be treated to have been terminated with effect from 13-11-81, if he failed to report for duty in the office of Executive Engineer (Elect.), Mechanical Workshop Division, within one month from the date on which this notice is served upon him. In this connection, he was again informed vide this office No. 10(4) DCEC-VII[E-III]1120 dt. 24-4-85 that his services will be treated to have been terminated with effect from 13-11-81 if he failed to report for duty in the office of the Executive Engineer (Elect.) Mechanical Workshop Division within one month from the date this notice is served upon him and the leave applied for by him was refused. Since he has failed to comply with these orders, his services are treated to have been terminated with effect from 13-11-81.

Sd. ILLEGIBLE
Superintending Engineer Delhi
Central Elect. Circle-VII C.P.W.D.,
New Delhi.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 6th June 1985

No. 30|4|82-ECI.—The President is pleased to confirm the following Assistant Executive Engineers (Civil/Elect) recruited as probationers to Central Engineering Service Group 'A' and Central Electrical & Mechanical Engineering Service. Group 'A' in the Central Public Works Department on the basis of the Combined Engineering Services Examination 1972 on their appointment in the grade of Assistant Executive Engineer with effect from the dates mentioned against their names:—

- (CIVIL)
 1. Shri O. P. Bhatia—29-11-1975
- ELECTRICAL)

2. Anil Puri-10-1-1976

MRS. NEENA GARG, Dy. Director of Admn. C.P.W.D. Nirman Bhawan New Delhi

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 27th May, 1985

No. 300/85. F. N. 22/1/85-Admn. I (B)—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Asstts. to the grade of EAD/AE of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the date noted against each:—

| Sl. No. Name | | | | | Date of appointment as EAD | |
|--------------------------------|-------|-----|---|---|----------------------------|---------|
| 1 2 | | | | | | 3 |
| S/Shri 1. Prabhat Ranjan La | 1. | • | • | 4 | • | 29-4-85 |
| 2. D.G. Vernekar. | ٠. | | | | | 6-5-85 |
| 3. Tappan Kumar Ma | ındal | | | | | 3-5-85 |
| 4. Shyamal Kanti De | v . | . 1 | • | • | • | 1 -5-85 |

(R. SESHADRI) Under Secretary for chariman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. United Sizing and Processing Co. Private Limites

Bombuy-400 002, the 1st June 1985

No. 679|16957|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Compaines Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. United Sizing and Processing Co. Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Lokhandwala Finance & Chit Fund Private Limited

Bombay-400 002, the 1st June 1985

No. 676 16522 560 (3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Lokhandwala Finance Chit Fund Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Association of Fertilizers Mixing Firms & Dealers

Bombay-400 002, the 1st June 1985

No. 677|17016|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mis. Association of Fertilizers Mixing Firms & Dealers. unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O P. JAIN, Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mir. Crus (Engineers) Associates Private Ltd.

Pangalore-9, the 4th June 1985

No. 49/5[560]85.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mis. Cras (Engineers) Associates Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cras (Engineers) Associates Private Ltd.

Bangalore-9, the 4th June 1985

No. 38.44|560|85.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. 8. K. Foams Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd|- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX, COCHIN, ERNAKULAM SOUTH,

(INCOMETAX)

Cochin-682016, the 10th May, 1985

C. No. 1(9)/(B)/GL/85-86 Order No. 1/85-86—In exercise of the powers conferred son me under sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) and in supercession of all the previous Notifications under this section is such in this behalf from time to time. I. the Commissioner of Incometax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-nown of 10th May, 1985, the Incometax Officers mentional in Column 3 attached to the Incometax Circles specified in Column 2 against serial No. 6 of the Schedule attached to Notification C No. 1(9)/(B)/GL/73-74 dated 12/7/1972 shall be odified as under :-

| Si. Name of Circle No. | | Designation of the I.T.O. | Area of Jurisdiction | | |
|---------------------------|---|--|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | | |
| Circle-I, | | A Control of the Cont | of the designation of the state | | |
| 6. Ernakulam | | (i) Incometax Officer A/Ward, Circle-I. | (i) All cases of Communies within the Jurisdiction of the following Incometax Circles: Aiwaye, Erna- kulam & Mattancherry, other than those cases specifically as- signed to the IAC (Asst) u/s. 127. | | |
| | | (ii) Incometax Officer B/Ward, Circle-I. | All Managing Agents and Directors, having substantial interest within the meaning of section 2 (22) (e) of the IT Act, 1961, who are residents in Kerale, of Companies falling within the area mentioned above, other than those cases specifically assigned to the IAC (Asst.) u/s. 127. | | |
| | | (iii) Incometax Officer, C/Ward, Circle-I. | All cases specifically assigned under 124, 126 or 127 of the IT Act, 1961. | | |
| | | (iv) Incometax Officer, D/Ward, Circle-I. | | | |
| Circle-II Ernakulam | | (i) Incometax Officer, A/Ward, Circle-II. | All persons (other than pursons carrying on a profession mentioned u/s. 44AA (I) of the IT Act, Juris- | | |

1 2 3

diction over whose case is vested with ITO, C-Ward Circle-II, Ernakulam and Contractors Jurisdiction over whom vest with ITO, B-Ward, Circle-II and those cases specifically assigned u/s. 124, 126 or 127 of the IT Act, 1961.

- (1) in whose cases the total income/ loss is not less than Rs. 100000/as per.
 - (a) the latest two completed assessments as on 31/3/1985.
 - (b) the return of income furnished for the first time for any A.Y. after 31/3/1985.
- (2) Who are partners of Firm or Members of Associations of persons or of Bodies of individuals which (Firms, Association of Persons or Bodies of Individuals) are liable to be assessed by this ITO under (1) above.
- (3) who are spouses or minor children of Individuals liable to be assessed by the ITO under (1) of (2) above.
- (4) Trusts whether religious, charitable or otherwise.
- (5) Whose cases have been or may be specifically assigned u/s. 124 126 or 127 of the IT Act, 1961.

All persons (other than (a) those carry ing on a profes ion mentioned under section 44AA(1) of the Ir Act, 1961 & (b) those, pussicion over whom vests with the Incometax Officer 'A' Ward, Circle-II, Ein kulam and E-Ward, Circle-II, Ernakulam.

- (1) in whose cases the names as spelt in English being with any of the letters from 'A' to 'I'.
- (2) who are partners of firms or members of Association of Persons or of Bodies of Individuals, which (Firms, Associations of Persons or Bodies of Individuals) mentioned under (1) above, provided that if any such person is partner or member of firm/Association of Persons/Body of Individuals liable to be assessed by the ITO, A-Ward, Circle-II, Echakulam, the jurisdiction over such persons will vest in the latter ITO.
- (3) who are spouses or spouse, or minor inildren of Individuals at serial (1) and (2) above.
- (4) who are Contractors to whom the provisions of section 194C and section 285A of the 1T Act, applies for any assessment year commencing on or after 1/4/1982 irrespective of whether the total income/loss is less than Rs. 100000/-.
- (5) whose cases have been or may be specifically assigned under section 124, 126 or 127 of the IT Act, 1961.
- (1) All persons within the area of inrisdiction specified in the pream-

Incometax Officer, B/Ward Circle-II.

Incometax Officer, C/Werd, Circle-II.

1 2 3

ble to this order, other than those, jurisdiction over whom vests with the ITO, A-Ward, Circle-II, Ernakulam, B-Ward, and E-Ward, Circle-II, Ernakulam.

- (1) in whose cases the names as spelt in English being with any of the letters from 'Q' to 'Z'.
- (2) who are partners of fimrs or members of Associations of Persons of Bodies of Individuals which (Firm, Association of Persons or Bodies of Individuals) mentioned at (1) above provided that if such person is also partner of a firm, Member of Association of Persons or Body of Individuals liable to be assessed by the ITO, A-Ward, Circle-II, Ernakulam, the jurisdiction over such person will vest with the latter I.T.O.
- (3) who are spouses or minor children of Individuals at Serial No. (1) & & (2) above.
- (4) who carry on a profession mentioned under section 44AA(1) of the IT Act irrespective of whether their total income/loss is less than Rs. 100000/-.
- (5) whose cases have been or may specifically be assigned under section 124, 126 or 127 of the IT Act, 1961.
- All persons (other than those, the jurisdiction over whom vests with the ITO, * A-Ward, B-Ward, C-Ward or E-Ward, Circle-II, Ernakuiam.
- (1) in whose cases the names as spelt in English begins with any of the letters of the English alphabet from 'J' to 'P'.
- (2) who are partners of firms or members of Associations of Persons or Bodies of Individuals which (Firms, Association of Persons or Bodies of Individuals) mentioned at (1) above provided that if such person is also partner of a Firm, Member of Association of Persons or Body of Individuals liable to be assessed by the ITO, A/Ward, Cirlce-II, Ernakulam, the jurisdiction over such person will vest with the latter ITO.
- (3) who are spouses or minor children of Indiviauals at Serial No. (1) & (2) above.
- (4) Addi Direct Refund cases.
- (5) whose cases have been or may be specifically assigned under section 124, 126 or 127 of the IT Act.

Incometax Officer, E/Ward, Circle-II.

- (1) All new cases discovered in the course of survey operation in the territorial justisdiction of Incometax circles at Ernakueam and Mattancherry other than those in which total income-loss returned is not less than Rs. 100000/-.
- (2) All new cases discovered in the course of survey operation in the territorial jutisdiction of Incometax Circles at Ernakulam and Mattancherry.

Incometax Officer, D/Ward, Circle -II.

| 1 | 2 | 7% | 3 | 5 |
|---|---|----|---|--|
| - | | | | |
| | | | | (3) All persons whose cases are here inafter be transferred to the Income tax Officer, under section 127(1) o the Incometax Act, 1961. |

^{2.} This Order will take effect from 10/5/1985.

ORDER No. 2|85-86.—In exercise of the powers conferred on him under sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961, (43 of 1961). The Commissioner of Incometax, Cochin, hereby directs that the Incometax Officer, A-Ward Circle-II, Ernakulam, shall also be known as Incometax Officer, Foreign Section, Ernakulam and will have the following jurisdiction in addition to the other jurisdiction assigned to him:

- "Persons not domiciled in India and not previously assessed anywhere in India who apply for a Certificate under sub-section (1) of Section 230 of the Incometax Act, 1961".
- 2. This Notification shall take effect from the fore-noon of tht 10th day of May, 1985.

ORDER UNDER SECTION 7 OF THE GIFT-TAX ACT, 1958.

Order No. 4/85-86—In supersession of all the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-moon of the 10th day of May, 1985, the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in Col. 2 or 3 (or both of the Schedule given below, in respect of the area, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in his office Notification C. No. 1 (9)(B)/GL/85-86 dated 10/5/1985 (Order No. 1/85-86), relating to the respecive circles and the Notification C. No. 1(9) (B)/GL/73-74 dated 12-7-73 (Order No. 1/73-74), shall be modified accordingly.

SCHEDULE

| Cl. No.1 | Col. No. 2 | Co. No. 3 |
|---|---|--|
| 1 | 2 , | , 3 |
| Designation of the Incometax Officer. | All functions of a Gift-tax Officer other than those mentioned in Col. 3 of the Schedule. | All functions of a Gift-tax Officer under Chapter VII of the Gift-tax Act, 1958, including issue of notice of demand under section 31 of the Act in respect of tax, interest, penalty, fire, or any other sum payable on consequence of any order passed under any provisions of the other Chapters of the Gift-tax Act, 1958. |
| 1 | | 3 |
| Incometax Circle, Circle-I, Ernakulam | | |
| Incometax Officer, A/Ward Ernakulam | Functions mentioned in Col. No. 2 above. | |
| Incometax Officer, B/Ward, Ernakulam | Do. | store taged |
| Incometax Officer, C/Ward, Ernakulam. | . Do. | James andress |
| Incometax Officer, D/Ward, Ernakulam. | . Do. | desires reside |
| Incometax Circle, Circle-II, Ernaxulam. | • | |
| Incometax Officer, A/Ward Ernakulam. | . Functions mentioned in Col. No. 2 above. | |
| Incometax Officer, B/Ward, Ernakulam. | , Do. | initial come |
| ncometax Officer, C/Ward Ernakulam | . Do. | General security |
| Incometax Officer, D/Ward, Ernakulam | . <u>D</u> o. | |
| Incometax Officer, E/Ward, Ernakulam. | . Do. | |

The 25th May 1985

ORDER No. 4|85-86.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). I, the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby direct that a new Ward in I.T. Circle, Canhanore, viz. E|Ward, I.T. Circle, Cannanore, shall be created with effect from 27-5-1985

ORDER:

- Sub := Fold Mishmood Promotion to the cadre of Income-
- C. No. 2 Estt | Con | 85-86. Shri P. G. Leslie, Inspector of Income-tax is promoted to officiate as an Income-tax Officer,

Group 'B' in the scale of Rs. 650—1200 with effect from 27-5-1985 or the date on which he joins duty, whichever is later.

- 2. He will be on probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

M. J. MATHAN
Commissioner of Income tax
Cochin

FORM ITNS-----

The second secon (1) M/s Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1).OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jassy Sequire.

(Transferee)

TOV. R AS NOT OF INDIA

METICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE II **BOMBAY**

3 m box 100 099 the 8th May 1985

Ref. AR II[37LE]17566|84 85 - Whereas, I, LAYMAN DAS,

LAYMAN DAS, being it competent author of under section 269B of the Income at Act 19 1 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the air Act) it is reason to believe that the immovable propert, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and beauting No Flit No 212, 2nd Floor, Vidyadalni Co-op Housing Soc., Sahar Village, andheri (E), Bombay-400 069 (and more filly denited in Schedule annexed hereto), and the competition of the second of the

and the guernent is remarked under Section 269AB of the Incominar 1ct 1061 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17 9-1984

for an ar, rest consideration which is less than the fair market valve of the aforesa'd property and I have reason to believe that it fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fileen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his new been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any ncome arising from the transfer andlor

(4) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferee for the remains of the full income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 10 " ("" 15 16 18)

Now the errore in pur nance of Section 269C of the said Act, I hereby in an proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 212, on 2nd Floor, Vidyadalni Co-op. Housing Soc, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400 069

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12566|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II. Bombay

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Chandok Amanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. K. H. Surve and Mr. H. D. Surve. (Transferee)

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|11025|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 13, Building No. 6, Plot No. 1, Bhawani Nagar, Marol, Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 13, Building No. 6, Plot No. 1, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400. The agreement has been registered by the

Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11025|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate pressedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
65—126 GI/85

Date: 8-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Subhadra Karthi Kayade.

(Transferor)

(2) Rony Nicholas D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12648|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A Flat at Building No. 8, 1st floor, Block No. 4, Plot No. 2, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat at Building No. 8, 1st Floor, Block No. 4, on Plot No. 2, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Marol, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]12648[84-85] on 20-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8 5-1985

(1) Mis. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF IMDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12488|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 6, 1st floor, Building No. 1, Plot No. 6, Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

situated at BoZmbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plor No. 6, 1st Floor, Building 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12488|84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Income Tag
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-5-1985

(1) M|s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shankar Shripati Kuskar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12487|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 5, 1st Floor, Building No. 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons aamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, 1st Floor, Building No. 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37EE | 12487 | 84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Ms. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Komal Mohan Das.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12097|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 506, 5th Floor, Building No. A. Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any/income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Building No. A, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay. The currentent has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|12097|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-5-1985

Seal

- (1) Deepak Builders Private Ltd.
- (Transferor)

(2) Mr. Vijayan M.

(Tranferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EE|11024|84-85.Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000|- and bearing
Flat No. 5, 1st Floor, Building No. 5, Plot No. 6, Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E) Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
and the agreement is registreed under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 5-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Floor, Building No. 5, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11024|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, seemely:—

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Vasudevan Raman Nair.

'Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

AR. 11|37EE|10589|84-85.—Whereas I, No.

Ref. No. AK. HISTAGE ACT. 1961. Authority under Section 269B of the lineome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 5, 1st Floor, Building No. 2 Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5th September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, 1st Floor, Building No. 2, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 1058 84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 8-5-1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M1. Iqbaljit Singh Semi

(Transferee;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

age is the company of the company of

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Boribay, the 8th, May 1985

Ref. No AR. II 37EF 12685 84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7 & 8. 2nd Floor, Building No 4. Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incompetate Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22nd Sapte after, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any measures or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7 & 8. 2nd Floor Building No. 4, Plot No. 8 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under \c AR II 37EE 12685 84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomb y

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Akhtar Hussain and Hussain S.A.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

AR. II]37EE|10588|84-85,-Whereas I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 3, Building No. 6, Plot No. 8 Bhawane Nagar,

Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

and or

Bombay on 5th September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ing persons, namely:— 66—126 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expeanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 3, Building No. 6, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andherf (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|10588|84-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

Seel:

(1) Smt. Pawan K. Rathore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamed Hussain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th, May 1985

No. AR. II 37EE 12910.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 13, 3rd Floor, Building No. 4, Plot No. 15, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59₄ situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Floor, Building No. 4, Plot No. 15, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bomhav-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12910|84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

No. AR. II|37EE|12684|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Bombay-400 059.

Flat No. 11, 3rd Floor, Building No. 5, Plot No. 8, Bhawam Nagar, Marol Maroshi Road, Andherí (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed heretoo),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Building No. 5, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered, by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12684|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

FORM NO. ITNS-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hameeda Hasan Shaikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

AR. II|37EE|12909|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/· and bearing No. Flat No. 10, 2nd, Floor, Building No. 2 Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Rombay 50

Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or off it assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the an income ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

know, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd Floor, Building No. 2, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II]37EE]12909[84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Date: 8-5-1985

Scal :

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Henry Victor D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

AR. II|37EE|12908|84-85.-Whereas, I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 6, 1st Floor, Building No. 4, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. in the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imit able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Building No. 4, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12908|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) M/s. Sahakar Builders.

(Transferor)

(2) Shri Sadashiv Vishnu Dere.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12493/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding

immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing p No. 6 on Ground Floor, 'SAROJ APARTMENT' IS. No. 13|37|2, Village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (F), Bombay-400 099

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground Floor, 'SAROJ APARTMENT', C.T.S. No. 13|37|2, Village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12493|84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(1) M/s. Shree Shakti Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh M. Shah (HUF).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

AR. II|37EE|12645|84-85.--Whereas, I. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 103, 1st Floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol Maroshi Road, Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12645|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravindranath Babu Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

AR. II 37EE 12568 84-85.—Whereas, I. Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Rajendra Co-op. Hsg. Soc. Chakala, Andheri (E), Bombay-400 099.

situated a Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 4 on Ground Floor, Rajendra Co-op. Hsg. Soc. Chakala, Andheri (E), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12568|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Met. Treat & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. D. Soparkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985 AR-II|37EE|12663.—Whereas, I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Indl. Shed No. 40, Ground Floor in phase-3, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the afdresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--67 126 GI/85

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Indl. Shed No. 40, Ground Floor in phase-3, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12663|84 dattd 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Mr. Shailesh R. Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sonali Bhattacharya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12634.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Plot No. 24, Sr. No. 57, Hissa No. 4K5, Village Mulgaon Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 8 Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Plot No. 21, Sr. No. 57, Hissa No. 4K5, Village Mulgaon Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12634 dt 19-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Shri Kailash B. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohinder Pratap Ghai & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

AR-II | 37EE | 12890.—Whereas I, No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable to the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 301, Shanta-Sadan, C.T.S. No. 33, at North of Irla
Nalla, between Ville-parle and Andheri Middle Garage,

Andheri, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period-of 45° days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period et 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Shanta-Sadan, C.T.S. No. 33, at North of Irla Nalla, between Ville-parle and Andheri Middle Garage,

Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12890 dt. 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-5-1985

Scal:

(1) Mr. Gajendra N. Gahkar.

(Transferor)

(2) Mr. K. Krishnan Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37LE|12791|84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and

Rs. 1,00,000₁- and bearing No. Flat No. 204, Amarnath Apartments, CTS No. 75, Gundavali Village, Andhen, Kurla Rd. Andhen (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cell instance. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. SECT/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Amarnath Apartments CTS No. 75, Gundavali Village, Andheri Kurla Rd Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12791|84 dated 24-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act i hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 3-5-1985

(1) Mahinder P. Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. A. H. Mehta & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12744|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and

bearing No. Flat No. 53, in Bldg. "Crystal" at 71, Gulmohar Rd. Juhu Vile Parle (W), Bombay-49 (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, Bldg. "Crystal" at 71, Gulmohar Rd., Juhu Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]12744 dated 22-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Dated: 3-5-1985

(1) Sh. Laxmichand S. Shah.

(Transferor)

(2) Miss Aruna V. Choksi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12499|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000¹- and bearing No. Flat No. 5, 1st fl. Bldg., 3-B, Kumar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Dayaldas Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computent Authority at Bombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st fl. Bld. 3-B, Kumar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Dayaldas Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-H|37EE|12499|84 dated 15-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 3-5-1985

Seal

- (1) Rajendra Ratilal Savani.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Manglaben M. Mehta & Ors.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12565|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 22, Crystal C.H.S. Ltd. Bldg. No. 11, J.V.P.O. Scheme, Gulmohar Cross Rd. No. 10, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Crystal Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Bldg. No. 11, J.V.P.D. Scheme, Gulmohar Cross Rd. No. 10, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12565|84 15-9-84.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-5-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Indu Srivastava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. S. Padda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12840|84.--Whereas, I,

Ref. No. AR-II|37EE|12840|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 401, Gee Jumbo Darshan, 4th Fl. Terrace flat, Koldangri, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the schedule approved hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as att defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No. 401, Gee Jumbo Darshan, 4th fl. Terrace flat, Koldengri, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12840|84 dated 26-9-1984.

_AXMAN DAS, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dat 3d: 3-5-1985

(1) Ms. Indico Construction Co.

(Transferor) (Transferee)

(2) Mrs. P. R. Shetty.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12567|84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Flat booked in Vidyadaini Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Flat No. 105, 1st fl. Sahar Village, Andheri (E),

Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

68-126GI 85 -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Vidyadaini Co-op, Hsg. Socty. Ltd. Sahar Village, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37FF|12567|84 dated 17-9-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bornbay.

Dated: 3-5-1985

(1) M/s. Omex Builders & Constructors.

(Transferor)

(2) Mr. S. V. Kocharekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

No. AR-II|37EE|12570|84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

bearing No. Flat No. 302, 3rd fl. Rajendra Co-op. Hsg. Sct. Sahar Rd. Chakala,

Andheri, Bombay-99.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 302, 3rd fl. Rajendra Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chakala, Andheri (E), Bombay-99.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE[12570]84 dated 17-9-84.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Dated: 3-5-1985

(1) Ms. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ambooken K. Johns

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12571|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. 202, *2nd fl. Rajendra Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Sahar Rd. Chakala, Andheri, Bombay-99. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 202, 2nd fl. Rajendra Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Sahar Rd. Chakala, Andheri, Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12571|84 dated 17-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 3-5-1985

(1) Anupkumar P. Doshi,

(2) Sh. S. P. Mehta.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 31d May 1985

Bombay, the 10th May 1985

No. AR-II|37FE 11064 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

to as the 'said Act,' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - nd

bearing No Unit vo. 77, 31d fl Rutnajyot Indl. Estate, Irla Gauthan, Vile Parle (E).

Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has be n tunsioned and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comptent Athority at Bombay on 7-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afer-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) inclinating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of th-publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 77, on 3rd fl. Ratnajyot Indl. Estate, Iila Gauthan Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|11064 11064|34 dated 7-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated 3-5-1985

(1) Sh. Rajiv Prabhudas Mandavia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rajesh Narang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12590|84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 12, 2nd Fl. Zunobia Bldg. Plot No. 8|1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-49. (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd fl. Zunobia Bldg. Plot No. 8 1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/12590/84 dated 18-9-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 3-5-1985

(1) Mr. Vasant M. Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena D. Joshi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMERIAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31d May 1985

Ref. No. AR-II', 37EE 12098.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and bearing No.
Plot No. 411, City Survey No. 1541(p), 1560(p), 1561(p)
and 1562(p) Mangal Prabha Apts. Vile-Patle (E), Gujarati
Mandal Rd. No. 4, Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tran-terred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 411, S. No. 1541, 1560, 1561 (parts) and 1562 (p) vile Parle (b), Gujarati Mandal Rd. No. 4, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12098 dated 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(2) Mr. Jawah 1 Singh N. Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Zain Jawadwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11474|84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 19, B-Bldg Sukhayak Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Andehri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 11-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, B-Bldg., Sukhdayak Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Andheri(E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37FE]11474 dated 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Mr 'P. K. ZACHRIAH.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Kumar Gupta & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The region and the second of t

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

POUISITION RANGE-II BOMBAY

Rombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12726|84.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000; and bearing No. Flat No. 12. Silver Beach Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Gulmohur Rd. No. 12, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule ansexed hereto),

has been transferred and the agreement is regeistered under section 769 AB of the income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-9-1984 market value of the adoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as forces if a regein consideration therefore by more

aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tauly stated in the said insurance of reaster with the object of

(a) favilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian income (x /.ct. 1)22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (17 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Silver Beach Co-op, Hsg. Sci. Ltd. Gulmohur Cross Rd. No. 12, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-U[37EF]12726 dated

LAXMAN DAS Connetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the assue of this notice under subjection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-5-1985

(1) M/s Irolette Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Radha Balaji & Mrs. S. K. Balaji. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12639|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 201 on the second floor in Irolette Villa Being constructed on Plot Bearing CTS No. 976, S. No. 16, H. No. 4 of Juhu Village, Near Bombay Flying Club, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

96—126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on the 2nd floor, in Irolette Villa Being constructed on Plot No. bearing CTS No. 976 S. No. 16, H. No. 4 of Juhu Villag, Near Bombay Flying Club Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12639|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Navbharat Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Saeeda Abdulla Mukadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12887|84-85.—Whereas, I, LAYMAN DAS.

LAYMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No. Flat No. 4, 4th floor, Bharti Apartments-C 1290 Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule appared hereic)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afercaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor Bharat Apartment-C, 1290 Sherly Road Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE 12887 83-84 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-[I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M|s. Irolette Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lygia Fernandes & Mr. Randolph L. Fernandes

GOVERNMENT OF INDIA

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR-II|37EE|12447|84-85,--Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,006/and bearing No.

Flat No. 302 on Third Floor in Irolette Villa, Being Constructed on Plot No. CTS 976, S. MO. 16, H. No. 6 of Juhu Village, Near Bombay Flying Club, Bombay 400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whickever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) (accidenting the reduction or evasion of the liastifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No.-302 on Third Floor in Irolette Villa being constructed on Plot No. CTS 976, S. No. 16, H. No. 4, of Juhu Village Near Bombay Flying Club, Bombay-400 049.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II 37EE 12447 84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR. Il|37EF|10592|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 32 C. In the Kanara Goud, Saraswati Co-op Hsg. Society Ltd., at araswati Bang, Ismalia Village Jogeshwari (E) Rombay-400060

(E), Bombay-400060

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the voject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri, Keshav Datta Kare & Mrs. Shalini Keshav Kare.

(Transferor)

(2) Rajendrasingh C. Kushwaha.

(Transferee)

(3) (a) P. R. Wagh

(a) F. R. Wagn (b) Shri T. T. Nikam (c) S M. Jayakar (d) Shri S. V. Mohite (e) Shri A. V. Kulkarni.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32 C. in the Kanara Goud, Saraswati Co.-op. Hsg. Society Ltd., at Saraswati Baug, Ismalia Village Jogeshwari (E), Fombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|1052|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

~(1) Mr. Shakeel Abbas Khan.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX 'ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR.II 37EE 12462 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Flat No. 601 on 6th floor of Bldg. No. 16 forming part of
S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug,
Jogeshwari (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1984

nombay on 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as moresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of `notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any the conservation of the control of the conservation of the conservation of the control of the co

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor of Bldg. No. 16 Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug Jogeshwari (W). Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12462|84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1985

FORM ITNS ---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashafaque Hosain Hamiduddin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

AR.II 37EE 11065 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No. 603 on 6th ficol of Bldg. No. 14 Forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 062 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the correspond to registered under

his been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comp. tent Authority at Pombry on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat, No 603 on 6th floor of Bldg. No. 14 Forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bc mbay-400 062.

The greement has be n registerer by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 11065 84-85 on 7-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

(2) Dr. Mohammad Moshin Saifi.

(Transferee)/

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. AR.II|37EF|12707|84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- a.d bearing No. Millat Nagai, Behind Behram Baug, Oshiwara Jogeshwari

(West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by many than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Millat Nagar Behind Behram Baug. Oshiwara Jogeshwari

(West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12707 84-85 on 22-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Sabira Ismail Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12610/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 402 on 4th floor of Bldg. No. 19, formings part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 19-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, wi.hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor of Bldg No. 19 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug., Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12610/84-85 on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Salauddin Ismail Khan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12611/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 401 on 4th floor of Bldg. No. 19 forming part of
S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshari (W), Bombay-58
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor of Bldg. No. 19 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12611/84-85 on

19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—
70 —126GI|85

Date: 8-5-1985

Scal: .

gy grannigetter in higher statement of the desiration of the section of the secti FORM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Anwar Gani

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ret. No AR II/37EE/10587/84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No Flat No. 402 on 4th noor of Bldg. No. 15 forming part of S. No. 41 of village Cshiwara, Behind Behiam Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreem at 18 registered under section 269 AB of the income to Act, 1961, in the Office of

Completent Authority at Bombay on 19.1984

at Bombay cu. 19.1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be it losed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 402 on 4th floor of Bldg No. 15, forming part of S No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W). Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II 37EE/10587/84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date 8-5-1985

(1) Mr Ziauddın Bukharı

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Suhail Abdul Jabhar Shahbazker.

(Transferee)

GOVE NMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref No AR II/37EE/12505/84-85 —Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

Flat No 204 on 2nd floor or Bldg No 14 forming part of S No 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

on 17-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and the state of t consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever pured expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 204 on 2nd floor of Bldg No 14 forming part of S. No. 61 of village Oshiwara, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/12509/84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue- of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date · 8-5-1985 Seal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohd. Hanifa Mohd. Habib.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12470/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearing.
Flat No. 102 1st floor Bldg. No. 6, forming part of S. No. 41 ot village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg No. 6 forming part of S No. 61 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12470/84-85 on 15-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI. Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

FORM ITNE-

(2) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Kulsumbi Gulam Mohd. Parkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12665/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing

Flat No. 504, on 5th floor of Bldg. No. 9, forming part of S. No. 41, of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwaii (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the !ra me-ax Act, 1951, an incoffice of the Competent Authority at Bombay on 21 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 50, on 5th floor of Bldg. No. 9, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12665/84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, we the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Sajida Begum Syed Rizwi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) UF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8 h May 1985

Ref. No. AR-II₁377 12680 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair narket value exceeding Rs. 1.00.000] and bearing

of S. 40 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor of Building No. 12 forming part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug. Bombay-58

The egreement has been registered by the Competent Authority. Bombay hinder No. AR-II/37EE 12680/84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Abiullah Qudri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12723|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No 103, on 1st Floor of Bailding No. 13, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984.

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on 1st Floor of Building No. 13, Forming part of S No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]12723[84-85 on 22-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Mis. Yasina Junaid Khan.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No AR-1 1 37EE 12781 $_{1}$ 84-85.—Whereas, I, I A \gtrsim M \searrow DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Flat No. 602, 6th Floor, Building No. 9, Forming part of ot S No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58

(and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (s) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax number the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any ether person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Building No. 9, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]12781[84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Rizvana Shaique A. Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE]12782|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 704, 7th Floor Building No. 2, Forming Part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984.

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71—126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall/have the same meaning as given

Flat No. 704, 7th Floor Building No. 2, Forming Part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12782|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(2) Mr. Rubab Ahmed Khan.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12795|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Flat No. 601 on 6th Floor of Building No. 2, Forming Part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug,

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dete of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the savice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, on 6th Floor of Building No. 2, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara Behind Behram Baug, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]12795[84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

San1:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Mirza Abdulla Husain Alias Bachubhai H. Engineer.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II]37EE|11103|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Building No. 7 Survey No. 41, of Village Oshiwara Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Building No. 7, Survey No. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]11103[84-85 on 10-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Mrs. N. M. Nerurkar.

(Transferor)

(2) Mrs. D. Ranganayakamma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME CAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II[37EE|11059|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 38, A|1, Arvasu Co-op Soc. on Ground floor, San-

tacruz (W), Bombay-59.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 38, A|1, in Arvasu Co-op. Soc. on Ground Floor, Santacruz (West), TPS. VI, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11058|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

Date: 8 5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. N. AR-II|37EE|10579|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Sections 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 2nd floor, Office No 2, Shri Balan Daishan, Tilak Road,
Santacruz (W), Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bhagwati Builders.

(Transferor)

(2) a. Shesyh Narayan C. Shukla,b. Jagatpal C. Shukla,c. Indrapal C. Shukla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor, Office No. 2, Shri Balaji Darshan, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) M|s. Sanket Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mohan S. Deshpande.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12706|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 11, IV Floor, on proposed building on F. P. No. 1262 (A), T.P.S. IV Mahim, Prabhadevi, Bombay-400 025. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULL

Flat No. 11, IV floor on proposed Building on F. P. No. 1262 (A), TPS. IV Mehim Prabhadevi. Bombay-400 025. The agreement has been registered by the Copmetent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12706|84-85 on 22-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10517|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Office No. 2, 2nd floor, Shri Balaji Darshan, Tilak Road Santacruz (W), Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bhagwati Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Sheshanarayan C. Shukla, Mr. Jagatpal C. Shukla, Mr. Inderpal C. Shukla.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 2nd floor, Shri Balaji Darshan, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10517|84-85 on 4-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Shri Mukul Ghosh.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Yeshaswinee Merchant

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37FF|10591|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, on 1st floor of Building known as Sagar Sangeet of Sagar Sangeet Co-op. Hsg. Sty. Juhu, Bombay.

Flat No. 4, on 1st floor of Building known as Sagar Sangeet of Sagar Sangeet Co-op. Hsg. Sty. Juhu, Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority.

the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 A here period of a 8 later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, on 1st floor of building as known as Sagar Sangeet of Sagar Sangeet Co-op. Hsg Sty. I td., Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II 37[F 1/2] 1 84 85 cm 7 9 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Face: 8-5 1985

(1) M|s. Delite Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Parvaz C. Shroff & Gulshan C. Shroff.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M|s. G. S. Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 8th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II|37EE|12677|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Shale Rock Plot bearing CTS. No. C-41, Somnath Lane, Bandra, Off. Hill Road, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Shale Rock, Plot Bearing CTS. No. C 41, Somnath Lane, Bandra, Off. Hill Road, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent hority, Bombay under No. AR-II|37EE|12677|84-85 on 21-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

72—126GI|85

Date: 8-5-1985

; 41;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12651|84-85.—Whereas_ I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the reserved to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. Plot Bearing No. 24-A of the Town Planning Scheme No. 111 and Street No. 58 of V. P. Road, and C.T.S. No. 1295, Vila Parle (W), Bombay (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Rombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Collitating the concealment of any income or any the best assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Suryakanta R. Shah, Rajendrakumar Gagaldas Shah, Ketan Rajendrakumar Shah and Padmaben R. Shah.

(Transferor)

(2) Mis Evershine Builders

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Bearing No. 24A of the Town Planing Scheme No. 1II and Street No. 58 of V.P. Road, and C.T.S. No. 1255, Vile Parie(W), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II|37EE|12651|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dite: 6-5-1985

Shri Ganesh Developers
 Smt. Kamladevi R. Naik

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12557|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of, 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shop No. 2, C.S. No. 439, Village Kondivita Goanthan, J. B. Nagar, 60, D. P. Road, Andheri (E), Bombay-400 059. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und r Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the officealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, C.S. No. 439, Village Kondivita Goanthan, J. B. Nagar, 60' D. P. Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the COMPETI'NT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II|37EE|12557|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

(1) Shri Ganesh Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sukhdevsingh Bhatti

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12558|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authord, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a) the 'said Act), have reason to believe that the immuvable property, having a fair market value exceeding Ps. 1.03 (101) and beginn No.

Rs. 1,03,000 and bearing No. Shop No. 5, C.S. No. 439, Village Kondivita Goanthan. J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-400 059.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- h) in arming the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is
- the facility the necessiment of any income or any more in a other a sec. with have not han or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act. 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth fax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the made signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouse in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, C.S. No. 439. Village Kondivita Goanthan. J. B. Nagar, Andheri(E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II 37EE 12558 84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:-

Date · 6-5-1985

(1) Wallace Flour Mills Company Ltd.

(Transf vor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok M. H. Bhawani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> A QUISITION RANGE II. BOMBAY

> Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10566|84-85.-

whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereingster referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing. and bearing

Flat No. 15-A, Laxmi Estate, Old Nagardas Road, Andheri

(E),Bombay-400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair mariet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noteice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 15-A, Laxmi Estate, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the COMPETFNT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II|37EE|10566|84-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date · 6-5-1985

(1) M|s Jayashree Builders (India)

may be made in writing to the undersigned '-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Deepak Dabir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10595|84-85.-

Whereas, !, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Final Plot No. 147, T.P.S. No V., Vile Parle (E), Bombay-

400 057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the

tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said propers

(b) by any other person interested in the said Immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Final Plot No. 147, T.P.S. No. V., Vile Parle (E), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR-II|37EE|10595|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-5-1985

Scal:

(1) Shri Vallabhbhai Hansraj Mistry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

(2) Sou. Anuradha Anirudha Phatak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-II 37EE 11096 84-85 .--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing No. Flat No. D-401, 4th Floor, Kalpita Enclave, Sahar Road, 1,00,000 and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-401, 4th Floor. Kalpita Enclave, Sahar Road, Andheri (F), Bombay-400 069. The agreement has been registered by the COMPETENT

AUTHORITY, Bombay under No. AR.II 37EE 11096 84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Bombay

Date + 6-5-1985

Seal ;

(1) Smt. Koushilya Anandram Vaswani

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Balvantrai Muljibhai Gandhi Mr. Shantilal Ravjibhai Malde Mrs. Bhanumati Anopchand Mehta

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 6th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acaquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Ref. No. AR.II|37EE|10623|84-85.whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competert Authority under Section 269B of the incorne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the impossible transfer the content of the c property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

shop No. 7A, Ground Floor, Anand Bhuvan, Bajaj Road, Vile Parle(W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Pombry on 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beer truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that

Chapter.

(a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 13 respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Shop No. 7A, Ground Floor, Anand Bhuvan, Bajaj Road, Vile Parle(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No AR.II 37EE 10623 84-85 Authority, on 5-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which c_{u_k} ht to be duclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following zrons, namely:-

Date: 6-5-1985

(1) M/s Embee Construction Co. Tvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Economic Transport Organisation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR,II|37EE|12753|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Gala No. 2, Ground Floor, 8-B Building Samhita Ware-housing Complex, Village Mohili, Of Kurla, Andheri Road,

Bombay-400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

has been transferred and the agreem int is registered has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Ac, 1961 in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons accounts: ing persons, namely:-73—126GI|85

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LATIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 2, Ground Floor, 8-B Building Samhita Ware-housing Complex, Village Mohili. Off Kurla-Andheri Road, Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II|37EE|12753|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Ms Embee Construction Co. Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Maharashtra Pariyahan Pyt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12752|84-85.-

Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Gala No. 9, Ground Floor, 8-B Samhita Warehousing Complex, Village Mohili, Off-Kurla—Andheri Road, Bombayplex, V 400 069.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andlor

Gala No. 9, Ground Floor, 8-B Samhita Warehousing Complex, Village Mohili, Off-Kurla—Andheri Road, Bombayplex, V

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12752|84-85 on 22-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 6-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Embee Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Economic Transport Organisation

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12754|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Gala No. 1, Ground Floor, 8-B Samhita Warehousing Complex, Village Mohili, Off-Kurla—Andheri Road, Bombayplex, V, 400 069.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 1, Ground Floor, 8-B Samhita Warehousing Complex, Village Mohili, Off-Kurla—Andheri Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12754|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date · 6-5-1985

(1) Ms Oshwal Enterprise

(2) Kirti Khimji Khona

(Transferoi)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10418|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing 43. Ratan Jyot Ind. Estate, Irla Gauthan, Vile Parle(W), Bombay-400 056.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

43, R. tan Jyot Ind. Estate, Irla Gauthan, Vile Patle(W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II|37EE|10418|84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,

Date 6-5-1985

Seal .

(1) Shri Rajesh K. Shah and Smt. Hansaben K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Kumar Khandelwal Family Trust (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12987|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 207, New India Industrial Premises Co-op. Soc.

Ltd. Mahakali Caves Road. Andheri (E), Bombay-400 093. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 207, New India Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd. Mahakali Cayes Road, Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II 37EE 12987 84-85 Authority. on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-5-1985

(1) Vijav R. Mebta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indiakumar Khardelwal Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of not ce on the respective persons whichever period expides later;

Ref. No. AR.II 37I E|12986|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR.II 37I E|12986|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No.
Gala No 208 2nd Floor, New India Industrial Premises Co-op. Soc I td Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 0.39 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less tehan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .— (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

'(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Gala No. 208, 2nd Flooi. New India Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Mabakali Caves Road, Andheri (E) Bombay-400 093

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR III37EE 12986 84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

D & (-5-1985

(1) Smt. Shakuntaladevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Maan Constructions Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10469|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 3, 10th floor, Wing-C, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-400 050 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984 for an annatent consideration which is less than the fair

tor an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 10th floor in Wing-C of Kanti Apartments, Mount Marry Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10469|84-85 on 3-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-If Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sulochana S. Sheth, Surudkumar Rasiklal Sheth Padmaben Rameshbhai Amritlal Shah and Rajanikant Ramanlal Patel.

(2) Ms. Evershine Builders.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR-III37-LE|12650|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Previous situate at Vallabbbbai Road, Vile Parle (E). S. No. 254, Plot No. 1, Final Plot No. 27, TPS III, CTS 'to. 1257, Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Borrbay on 21-9-1984

for an aparent consideration which is les sthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises situate at Vallabhbhai Road, Vile Parle Being Final Plot No. 27, Town Planning Scheme No. III, Survey No. 254 Plot No. 1, CTS No. 1257, Vile Parle (E), Bornbay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12650|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-5-1985

(1) Shri Y. P. Ahuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satish Methi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1985

Ref. No. AR II|37-EE|11070|84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B-41, on 4th Floor of 'B' Building, 251, Pali Hill Road Bandra, Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—74—126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-41 on 4th Floor of 'B' Building, 251, Pali Hill Road, Bandia, Pombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II]37EE|11070|84 85 on 7-9-1984.

I LAXMAN DAS
Comp tent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-5-1985.

°€al

FORM ITNS ____

(1) Shi Mulchan I Thakman I Satta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. T. Advarı & Mis. M. C. Advanı.

(3) It was lying Vacant

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE!I BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. ARJI 37 FE 12763 84-85 - Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Shop No. 6 on the Ground Floor of the Bandra Surbeam Co-operative Housing Society Ltd. June ion of Perv Closs Road, Bandia, Bomb. v 400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the egreement is registered under Section 269 vB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

Shop No. 6 Ground Floor Bandra Sunbeam Co-operative Housing Society Ltd., Junction of Perry Cross Road and Pali Mali Read, Bandra Bombay 400 050

The agreement has been registered by the Competent Authorit, Bombay under Serial No. AR II 37EF 12763 84-85 on 24-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DIS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Jyoti /P. Notani, Clo N. J. Badlani, 14, Guru Kripa, Road, No. 5 Liberty Garden, Malad (W), Bombay 64.

(2) Mrs. Nisha P. H. Hiranandani.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12535|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov--able. property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 10, Blue Nile. 24th Road, Co-op. Housing Society.

Bandra, Bombay-400 050 (and n ore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Bernard Co on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Blue Nile Co-operative Housing Society, 25th Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12535|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :--

Date: 2-5-1985

(1) J. X. Vaz.

(Transferor)

(2) E. J. Pereira & S. L. Perira (Mrs.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Non one else besides self and wife.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No . AR.II|37EE|12605|84-\$5.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Sestion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Flat No. A 3 Having an carpet area of 560 sq. ft.
Ground Floor. Gulmor St. Johnson Baptest Road,
Bandra, Bombay-400 0.50.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the moresaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitation the reduction or evesion of the liability of the timesferor to pay tax under the said Act, in respect de any income arising from the transfer; and /er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nc. A|3 having an carpet area of 560 sq. ft. Ground floor, Gulmor St. Johnson Baptest Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12605|84-85 on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref No AR II 37EE 12434 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

Flat No. A 24, on 4th floor in the Cliton Co.op. Hsg. Sty. Ltd. situated at Biba Lane Corner, Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mr. Kayiparambil Narayan Pillai G. Nair. (Transferor)
- (2) Mr. Ramesh Thakarshi Ramchhod & Mr. Jagdish Thakarshi Pala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A|24, on 4th floor in the 'Clifton" Co.op. Housing Society Ltd. Situated at Biha Lane Corner, Juhu. Bombay.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12434|84-85 on 14-9-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 2-5-1985 Seal :

- (1) Miss Satya Gandhi.
- (2) Shri Shyam Ramsay

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II, 37EE | 12803 | 84-85. - Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No.

The Pundurang Co.c. Housing Soc. Ltd. Flat No. A/10, 2nd Floor, D-51. Pandurang W. di. A.B. Nair Marg. Juhit. Bombey 49 (and more July described in the Schedule annexed hereto), has been the specified and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25.9-1984 on 25-9-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transition as agreed to between the parties has not been unity moted in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Pandurang Co-op Housing Society Ltd., Flat No. A[10, 2nd Floor, D-51, Pandurang wadi, A. B. Nair Marg. Juhu, Bembuy-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 12803 84-85 on 25 9 1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date . 2-5-1985

The second secon

(1) Shri Jawahar Umedlal Doshi

and the second s

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chetan C Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No AR II 37EE 12802 84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'saul Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing Flat No 9 on 1st Flooi Bldg 6C in "Sangeeta Apaitments", known as Juhu Sangeeta Apaitments Co. 20 Housing Society. LAXMAN DAS,

Known as Juhu Sangeeta Apartments Co op Housing Society Ltd Juhu Road, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered in the office of the Competent Authority at Bombay, on 25-9-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

That No 9 on 1st Floor, Bldg, 6C in "Sangeeta Apartments', Known as Juhn Sangeeta Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bomb 1y-400 049

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR III37EE 12802 84-85 on 25 9 1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Pate: 2-5-1985

(1) M/s. Parle Beverages Priate Limited

(Transferor)

•(2) Mr. Jimmy D. Belihomji & Ots.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE'12450|84-85 - Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Sea Nymph Co-operative Housing Society Ltd., A.B. Nair Road, Opp. Juhu Post Office Juhu, Bombay-400099.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument " t angfor with the object of " -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SGHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) incilitating the concraiment of any income or any meneys or other namets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 ef 1957):

Sea Nymph Co-operative Housing Society Ltd., A. B. Nair Road, Opp. Juhu Post Office Juhu, Bombay-400099

The aigreement has been registered by the Competent utherity, Bombay under Ser at No AR.II/37EE/ Authority, Bombay un 12450/84 85 on 14-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 2-5-1985

(1) Shri Jyoti Tekchand, Balani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Mahesh Chandra Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II]37EE|10456|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immortable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/and bearing

53|A Florida Apartments, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-400050.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 75—126GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

53|A, Florida Apartments, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/10456/84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Shri Vishwas Ghatrande

(Transferor)

(2) Shri Shankerlal L. Kanoi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-(AY ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref No AR II 37FE 12478 84-85 —Whereas, I LXMAN DNS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income for A t 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/--ind b aring No.

and bearing No. 7 Rose A afficient Juliu Chirch Road, Pombay 400049.

situ te Lat Bomb iv

(and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been tansier a and the agreement is registered under section 759AP of the moon-tax her 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Romba of 149 1984

for an apparent consideration which is less than the fair on 'o' v' o' the efforesaid property and they reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fattern ner cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of —

- ral facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in trapect of any income prising from the transfe;
- b) facilitating the concealment of any income of any trees of other assets which have not been or within ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acr. 1922.

 11 of 1927) of the said Act or the Warthers of 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said act, a horeby initiate proceedings for the acquisition of the said Act to the following actions namely the said Act to the following actions of the said Act to the following actions of the said Act to the following actions of the said act.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Rose Apartments Juhu Church Road, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR II 37EE/12423 84-85 on 14-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bon bay

Date 2 5 1985 Se. 1 :

(1) Miss Razia Bchuali & Sarfaraj Bachuali.

(Transferor)

(2) Mr. Noorali Mohmed Govani & Mrs. Zarina Noorali Govani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12129|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 1, Hill View Building, Hill Road, Opp. Mehboob

Studio, Bombay-400 050

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Hill View Building, Hill Road, Opp. Mehboob Saudio, Bombay-400050.

The aigreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriel No. AR.II/37EE/12129/84/85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquirtion Range-11, Bemb a

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-5-1985

(1) Mrs. S. Dayalaxmi B. Choksi,

(Transferor)

(2) Mr. Aroon Mahajan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> > ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12872|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe, that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 501, Sunbeam Perry Cross Road, Bandra, Bombay-400050

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latent
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamber.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Sunbeam Perry Cross Road, Bandra. Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II|37EE|12872|84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Date: 2-5-1985

(1) Mr. K. Padmanabhaiah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shivaji Shridharrao Patil.

(4) M.I.D.C. Maiol, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Ref. No. AR.II|37EE|10510|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 30, on Third Floor, Building No. 5, situated at Prakash Co-operative Housing Society Ltd., Santacruz (W)

Santacruz (W), Bombay-400054. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, on Third Floor, Building No. 5, situated at Prakash Co-operative Honsing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10510 84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bomo s the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12879 84-8..--\vhercas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 196!) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor. Sand Pebbles. Ofters View Premises Co-op. Housing Society Ltd Plot No. 688, Perry Closs Roud, Bandia. 1 op bay-50 situated at Pemblay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred a a the agreement is registered under section 269AB of the Inc. mo-tax. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the r foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the substitute of any moones or any moneys or of the set which have not been er which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act to the following persone namely :--

(1) Dr. Eric D'Souza.

(Transferor)

(2) Mrs. Dayalaxmi Chokshi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sam nearing as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Sand Pebbles, Otters View Premises Co-operative Housing Society 1td., Plot No. 688, Perry Cross Road, Bandra, Bombay 50.

agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37Exi/12879[84-85 on 28-9-1984.

> I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II,

Date: 2-5-1985

(1) Mrs. Ritadevi S. Bhasin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jawahar Umedlal Doshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12804|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Incoine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000)- and bearing No. Khar Shiv-om Co-operative Housing Society Flat No. 702, 7th Floor, Juhu Road, Bombay-400052.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market, value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Khar Shiv-om Co-operative Housing Society Ltd., Flat No. 702, 7th Floor, Juhu Road, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12804|-84-85 on 25-9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Harish Mansukhlal Bhagat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandmal Mongilal Rathod, Mrs. Shakuntala Chandmal Rathod.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10513|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd Floor, Godavri Niketan, F.P. No. 90, Flat No. 302, Nr. Beingselse Street Sentence (West), Rombay 50.

T.P.S. VI, Phirozsha Street, Santacruz (West), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

Bombay on 4-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Godavri Niketan, F.P. No. 90, T.P.S. VI, Phirozsha Street, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10513|84-85 on 4-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely: persons, namely:-

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref No AR II 37EE 12537,84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improved the interpretation of the competent white restaurant to the competent when the competent with the competent property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

401, Vaishali Apartments Plot No 15 & 21 in Janki Kutir,

Juhu, Bombay-400054. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; FLOID FOR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following errona namely ---76---126GT85

(1) M|s, Lupin Laboratories Pvt. Ltd. 159, CST. Road, Kalina, Santaciuz (W), Bombay-400098.

(Transferor)

(2) Mi. P. M Sapre & Mis Sulochana Sapre 401, Janki Kutii, Vaishalı Apartments, Juhu, Bombay-400054

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

401. Vaishali Apaitments, Plot No 15 & 21 in Janki Kutir, Juhu, Bombay-400054

The agreement I's been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No ARII 37EE/ Authority, Bembay und 12537/84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Ik Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Mr. Kanayalal D. Tani (alias Tanwarmalani) Mr. Sanjeev K. Tani (alias Tanwarmalani).

(2) Mrs. Deep Brijlal Tawney. Mrs. Shirly Kishan Malkani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|10414|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Near Khar Pali Road, Flat is Bearing backside of the Bldg. God Bless Co. op. Housing Society Ltd., 14th Road, Khar, Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"God Bless Co-op. Hsg. Society Ltd., 14th Road, Near Khar Pali Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombas under Serial No. AR III37FL₁10414184-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 2-5-1985

(1) Smt. Savitri Hiralal Bharawani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal Ghanshamdas Kukreja & Smt. Renu Mohanlal Kukreja. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 3rd May 1985

> (b) by any other person interested in the said immerpublication of this notice in the Official Gazette.

able property, within 45 days from the date of the

Ref. No. AR-II|37EE|11141|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing No. Flat No. 12, 2nd floor, Sea View, Co-operative Housing Society Ltd., 14-A, Road, Khar, Bombay-52 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 12, 2nd floor, Sea View Co-op. Housing Society Ltd., 14-A, Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|11141|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following approximation. ing persons, namely:-

Date: 3-5-1985

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR II 371 E 12839 84-85 — Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, Wahedna Apartments, Plot No. NA. 162,

Hill Road, Bandra. Bombay 400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agi era not registered under section 269 and or the Intonic try Act, 156 on the Office of Consecuent Authority

at Bombay on 25-9-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have pearon to believe that the four marker value or the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of t ansfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said! Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---

(1) Mh. Galaxy Corporation.

(Transferor)

- (2) Mr. John Ignatius Gomes & Mr. Neville Gomes.
- (3) Previously occupied by transferor. (Person in occupation of the property)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Fla No 102, Wahendna Gomes, Hill Vew 2, Plot No. N. V. 162 Hill Road, Bondra, Bombay-400 050

The igreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II 37LE 12839 84-85 on 25 9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1985

(1) Mrs. Martina Monteiro.

(Transferor)

(2) Mr. Anwar Ebrahim Rupani.

(Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferee and his family members. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR II|37EE|12709|84-85. -Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing
Flat No. A 16, Ground floor, Universal Co-op. Hsg.
Society, Ltd., St. John Bapti St. Road, Bandia, Bombay-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the Agreement. So such a under section 209 AB of the Income tax Act, 1561, in the Office of Competent Authority

at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the formal market value of the content of property and I have reason to believe that the foir market true of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such trinsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of the consideration of the consideration of the consideration and the consideration for such trinsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of the consideration of the consideration of the consideration of the consideration and the consideration of the consideration of the consideration of the consideration of the consideration and the consideration of the consider with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. A-16, Ground floor, Universal Co-op. Housing Society Ltd., St. John Baptist Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE[12709]84-85 on 22-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

3 5-1985

FORM NO. ITNS-

(1) Mr. Ashok 'Gajanan Gharat.

(Transferor)

(2) Mrs. Nasreen Fatma Abidi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR. II,37F1 12831 † 84-85 -Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

Hat No V₁104, 1st Floor, Venus Apartment, Four Bunglows Andhen (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomb is on 25-9-1984

at Bomb is on 25-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in t instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issure of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No V|104, 1st Floor, Venus Apartment, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II 37FF 12831 84-85 on 25-9-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date 3-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|12138|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 5, 1st Floor, Bait Ush-Sharaf Co-op. Housing Society Ltd., 29th Road, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 A3 of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Yarabali Baidaali Khan.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph J. Martin & Mrs. Nirmala-Phillip Joseph. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 5, 1st Floor, Bait Ush-Sharaf Co-op. Hsg. Society Ltd., 29th Road, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EF|12138|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II 57FF 12505 84 85. -Whiteas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 14, 2nd foot, Ealistui, Rishiraj Co-op.
Hsg. Society Ltd., Podar No. 2. Saatacruz (W), Bombay-400 054.

(and more filly dis abid in the Schedule annexed hereto), has been tronsferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Incorrectar Act. 1961, in the Office of the Competent Annualty, at Bombay on 17-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market vame of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax or 1957 (27 of 1957):

2 A 1/4 Company and the second control of th (1) Shri Hercukhla' Jacliwandas Goda.

(Transferor)

(2) She solved by the collection and Mrs. Jayrhree Sudhir Talsania.

(Transferee)

 Self - coupled. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Hat No. 14, 2nd floor, Rajashri, Rishiraj Co-op, Housing Society I td. Podar Street Samacusz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombey under Scholl No. AR B[37&E]12525[1984-85] on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: .

Date: 3-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Madan Mohan Nikkaram Diddee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Siloni Sharma & Ashok Kumar Sharma, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12741|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat No. 33, on 3rd Floor in Rajiv Apartments on Plot No. 313.B Pali Hill, Zig Zag Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 33 on 3rd Floor in Rajiv Apartments on Plot No. 313|B Pali Hill, Zig Zag Road, Bandra, Bombay-400 050
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11|37EE|1274|84-85 on 22-9-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—77—126GI 85

Date: 3-5-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Rukma Kishin & Sons,
Prop. Kishinchand Motumal Jeswani (HUF),
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Mohandas Advani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|1140|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 501, B-Wing, 5th theor. Shalimar Apartments, State-transport Road, Santacruz (W), Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Ircome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 10-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 501, B-Wing, 5th floor, Shalimar Apartments State transport Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37FE|11140|84-85 on 10-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12144 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 12A, 1st Floor, Silversea Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 33C, Juhu Road, Santacruz (W). Bombay-400 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section '269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Maina Purshotamdas Advani.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Ramesh Balakrishnan and Smt. Shilu Ramesh Narayan.

(Transferee)

(3) Transferor pursuant to transfer. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 12 a, 1st Floor, Silversea Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 33C, Juhu Tara Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12144|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|12922|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, Omkar Co-op. Hsg. Society Ltd., 18th Road, Santacruz, Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Ravindra Nath Batra & Mrs. Asha R. Batra.
 (Transferor)
- (2) Shri Sunil J. Khurana Family Trust.

(Transferee)

(3) The Vendors Themselves.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 302, 3rd filloor, Omkar Co op, Hsg. Society Ltd., 18th Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12922|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1985

(1) Smt. Kamla G. Jethwani.

(Transferor)

(2) Smt. Rasumatı Tansukh Dhanki.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref No. AR.II|37EE|12604|84-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No Dil Bahar Co-op Housing Society Ltd, East Cross Lane, Santacruz, Bombay-400 054

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferror for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Dil Bahar, Co-op. Hsg. Society Ltd., East Cross Lane, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12604|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11098|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

5th Floor, 510, Mount Mary Apartments, Bandra, Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Icometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mr. Kiran Ramsay & 2. Mr. Shyam Ramsay.

(Transferor)

(2) Mrs. Almas Salim Judha & Mr. Shalim E. Hudha

(Transferee)

(3) Mr. & Mrs. Shalim E. Hudha.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 510, Mount Mary Apartments, 5th Floor, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|11098|84-85 on 7-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-5-1935

(1) Smt. Lajwanti Ramchand Ahuja.

(3) Transferor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheetal Ramesh Bulchandani.

(Transferee). (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10562|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving the same of the said Act') in the same of the said Act's area of the said Act's as a same of the said Act's area of the said Act's are able property, having a fair market value exceeding

Flat No. 9, Kirti Kunj, Co-operative Housing Society Ltd., 14th Road, Khar (W), Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Kirti Kuni, Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 436, 14th Road, Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/10562/84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|12952|84-85.—Whereas, I, LAKMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the im-

to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No. Bldg. No. 19 Known as Vaishali Nagar, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-400 060 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Syed Fakir Khan & 2. Mohamed Yusuf Khan.

(Transferor)

(2) Nisar Ahmed Qureshi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 19 Known as Vaishali Nagar, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-400 060

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12952|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|11111|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. G-63 on 2nd floor of Patel Park 144 Nehru Road,

Bombay-400 029.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-78—126GI 85

(1) Shii Narottamdas J. Patel, 18, Ganga Vihar Society, T. B. Hospital Rd., Vadodara, Gujarat.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavnaben Deepakbhai Patel, G-63, Patel Park, 144 Nehru Rd., Santacruz East. Bombay-400 029

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No G-63 on 2nd floor of Patel Park 144 Nehru Road, Bombay-400 029.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|11111|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date · 3-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12858|84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 11. Vainatheya, 5th floor, S. V. Road, Vile Parle

(W), Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Computent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ms. Majestic Builders

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kanjibhai Goradia & Smt, Indu Jitendra Goradia.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nc. 11. Vainatheya, 5th floor, S. V. Road, Vile Parle (W), Bombay-56. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II/37FE/12858/84the Competent 85 on 26-9-198

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely:

Date: 3-5-1985

(1) Ms. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Ms. Ace Engineering Company.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UTCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12915|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 205, 2nd floor, B. Bldg. Area Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bomoay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of note on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 205, 2nd floor, B. Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12915|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons. namely:—

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Vikas Developers.

(Transferor)

(2) Mohommed Iqbal Khan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

CQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR II 37EE 11133 84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing House Nos 14, 15, 17 and 18 on Plot Nos. 28|29, Janki Kutir, Juhu, Bombay 19

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mailel value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

House Nos. 14, 15, 17 and 18 on Plot Nos. 28|29, Janki Kutır, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARI 3711 11133 84-85 on 10-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1985

- (1) Nahar & Seth Associates.
- (Transferor)
- (2) Lab Glass Equipment & Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12471|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Unit No.-E on Ground Floor in Nahar & Seth Industrial Estate, Plot No. 29, B & D Nr. Siemans Chakala, Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :--

period of this (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No.-E on Ground Floor in Nahar & Seth Industrial Estate, Plot No. 29, B & D Nr. Siemans Chakala, Andheri. (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H | 37EE | 12471 | 84-85 on 15-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11022|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. C-3 of Plot No. F-11 and F-12 of M.I.D.C. situated at Marol Industrial area, within the village Limits of Vyaravali, Andheri in Greater Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

- (1) M/s. Radiant Designs.
 - (Transferor)
- (2) M[s. Kaytee Corporation.

(Transferee)

(3) The Clothing Export Processing Zone Industrial Co-operative Estate Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) M.I.D.C. As Lessors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 Whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No C-3 of Plot No. F-11 and F-12 of M.I.D.C. situated at Marol Industrial area, within the village Limits of Vyaravali, Andheri in Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 11022 84-85 on 7-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

- (1) Mrs. V. M. Kavle & Mrs. M. M. Kavle
 - (Transferor)

(2) Shri Nandkumar Raghunath Kasar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11019|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Yoga Yog, Parle Udyan Co-operative Housing Society Lt.!, Vite Parle (E), Park Road, Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-bix Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper'y may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No 2, Yoga Yog, Parle Udyan Co-operative Housing Society Ltd., Vile Parle (E), Park Road, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 11019 | 84-85 on 7-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 7-5-1985 Seal:

(1) Shri Aziz Abdulla Chunavala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(f) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrı Kamıl Amiji Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR.II|37FE|12819|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. Flat No. 601, Firdos Apartment, Irla, Vile Parle (W), Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 601, Firdos Apartment, CTS No. 482, Irla Vila Parle (W), Bombay-400056".

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II[37EE]12819[84-85 on 25-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985.

FORM IINS----

(P) Ltd. (1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (Transferor)

(2) Mls. Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II 37EE 12116 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 1506, 15th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1506, 15th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12116|84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985.

Seal:

79--126GI|85

(1) Ms. Vardhan Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Navindhandra K. Arora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12574 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Shop No. 7, Ground Floor, Pink Apartments, Bldg. No
A, Seven Bunglows, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authori y at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ac-in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment asy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); of any income

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following he persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground Floor, Pink Apartments, Building No. A. Seven Bungalows, Versova Road, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12574|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range-II Bombay

Date: 2-5-1985, Seal:

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.
(Transferor)

RESERVED IN THE SELECTION OF A PERSONNEL OF A

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EE|12121|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 1805, 18th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058

(and more tully Jescribed in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1805, 18th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12121|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-II
Bombay

New, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) M|s. Standard Batteries Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EE|12115|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat N. 1912, 19th Floor, Building Nagnum Towers, Plot No.
357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri
(W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the aforesaid property b) he is up of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1912, 19th Floor, Building Nagnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12115|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-II
Bombay

Date: 2-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mis. Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EE|12444|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1911, 19th Floor. Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay 400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, unit/or

(b) facilitating the concealment or any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein seare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that chapter.

THE SCHEDULE

Flalt No. 1911, 19th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12444|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Standard Batteries Ltd.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EE|12120|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 1909, 19th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Connectent Authority,

at Bombay on 11-9-1984

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 1909, 19th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12120|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-II
Bombay

Date: 2-5-1985. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE INCREATING ASSISTANT COMMIS

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mis Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EE|12119|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ir movaproperty having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing

No. Flat No. 1905, 19th Floor, Building Premium, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformal exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1905, 19th Floor, Building Premuim Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-100 053.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12119|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisitoin Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985

FORM IINS-

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Standard Batteries.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR II 37FE 12123 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1906, 19th Floor, Building Prtmium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheii (W), Bombay-400 058

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Boinbay on 11-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1906, 19th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.II]37EE]12123]84-85 on Authority. 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission f Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12114|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

bearing Flat No. 1712, 17th Hoor, building Magnum Towers, Plot No. 357 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following ins persons. namely —

80-126GI'85

- (1) M|s, Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.
 (Transferor)
- (2) M/s Standard Batteries.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1712, 17th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12114|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 2-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Huwabai Amin Parkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II 37EI 11132 34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. bearing Flat No. 904, 2th Floor, Buolding Magnum Towers, Plo No. 357 S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Permbay

situated at Dombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competen. Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904, 9th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Rombay 400 058.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11132|84-85 on 10-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner, of the Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2 5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPÉCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|12113|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fiat No. 1711, 17th Floor, Building Magnum Towers. Plot No 357 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or offer assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Ms. Standard Batteries.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1711, 17th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357 S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12113|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Lokbandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Standard Batteries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Rcf. No. AR II|37FE|12122.84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/and bearing No.

Flat No. 1806, 18th Ficor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andherr (W), Bombay-400 058

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

at possibly on 11-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afercasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1806, 18th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been C petent Authority, Bombay under N on 11-9-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afrecaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985

(1) Dinesh R. Patel

(Transferor)

(2) Dharamshi R. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref No. AR.II|37LE|11108|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No 49, 'D' Building, Fvershine Apartment No II, Plot No. 142/2/A&B, J.P. Road,

Andheii (W) Bonibav-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 49, 'D' Building, Evershine Apartment' No. II, Plot No. 142|2|A and B. J.P. Road, Andheri (W) Bombay-

The agreement has been registered b Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 11108 84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-5-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhagwan Ishwardas Guria.

(Transferor)

(2) Mrs. Gulshan Sahni and Miss Gunit G. Sahni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOLISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12759|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 7, Manish Vihar Co-op. Hsg. Soh. Plot No. 27, Manish Nagar, I.P. Road, Andheri (W) Bombay-400 058 and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Manish Vihar Co-op. Hsg. Soc. Plot No. 27, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12759|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-5-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Hyacinth Sequeira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ram Narain Sharma and and Jai Narain Sharma.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No AR.II|37EE|12758|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 103, Sea Crest Bldg., No. 1, J.P. Road, Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Sea Crest Bldg. No. 1, J.P. Road, Seven Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been resisted by the Competent Authority, Bombay under No. AP !! 3711 !2758 84-85 or 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Mrs. Neeru Khattar, wife of R. K. Khattar and others.

(Transferor)

(2) Ravinder Kumar Khatter.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref No. AR.II 37EE 12906 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 302, 3rd Floor, Building Crossgates-A,
Plot No. 334, S. No. (41-Part) Four Bunglows,
Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the as eement is registered under Section 269AB of the Income-tax Art. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein -23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 302. 31d Floor, Building Crossgates-A, Plot No. 334, S. No. 41 (Part), Four Bunglows. Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been legistered by the Competent Authority. Bombay under Schild No. AR.II|37EE 12906|84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Mr. Inderjit Singh Lalwani

(Transferor)

(2) Dr. M. G. Pillai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR II|37EE|12500|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 204, 2nd Floor, Versova,
Gayatti Co-op. Hsg. Soc Ltd., Gayatri J.P. Road,
Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

on 17-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the provider that the consideration therefore the provider that the consideration for such transfer as agreed to between the provider that the consideration there are the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that the consideration that the consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration that t ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expeires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Versova Gayatri Co-op. Hsg Soc. Ltd., Gayatri J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12500|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

81—126GI|85

Date: 3-5-1985

(1) Mukesh R. Malkani.

(Transferor)

(2) Motiben Rawanlal Shah and Atul Rawanlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|371 F|12784|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor. Building Kenmore, Plot No. 346, S. No. 41 (Part), Four Sunglows, Versova,

Andheri (W) Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed b ythe transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the "ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 31d Floor, Building Kenmore, Plot No. 346, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registred by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37BE|12784|84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ugs for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, narrely:

Date: 3-5-1985

- (1) M/s. A. Mohan and Co.
- (Transferor) (2) Bashir Ahmed Khalfay Trustee B.A. Khalfay Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOM'BAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12785|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Shop No. 5-A, Ground Floor, Building Prime Rose, Plot No. 318, 'S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Veisova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5-A, Ground Floor, Building Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part). Four Bunglows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 12785 84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Vashu Mohanlal Punjabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Godavatiben Jiviai Ganatra Shri Kirit Jyrai Ganatra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II 37EE. 12805 84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No Flat Γ-4, Paschim Apartments, 6th Floor, Andheri Purab Paschim Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Gilbert Hill Area, Behind Andhen Recreation Club, Andhen (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under a continuous and the Agreement is registered under the continuous and the Agreement is registered under the Agreement is registered and the Agreement is registered and the Agreement is registered under the Agreement is registered and t section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . --

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or who hought the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Paschim Apartments, 6th Floor, Andheri Purab Paschim Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Recreation Club, Andheri (W) Bombay-400 058.

regisered by the Competent Serial No. AR-II|37EE.|12805| The agreement has been Authority, Bombbay under 84-85 on 25-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. AR-II|37EE |12907|84-85-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No Flat No 402, 4th Floor, Building Crossgates-A, Plot No.

334, S No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds th eapparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, decretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mrs. Puja Khattar wife of Ravinder Kumar and others.
 - (Transferor)

(2) Neelam Khattar.

(Transferee)

Objections, if way, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 402, 4th Floor, Building Crossgates-A Plot No. 334, S. No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bcmbay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE 12907|84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11084|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 601, 6th Floor, Homestead, Four Bungalows, Lokhandwala Complex Oshiwara, Andheri (W), Bombay-

400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

in the office of the Registering Office

at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Manisha A. Khan

(Transferoi)

(2) Ms. Rupinder S. Sachdev. Ms. Pushpinder T. Sachdeva & Mr. Harbinder T. Sachdeva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Homestead, Four Bungalows. Versova, Andheri (W), Lokhandwala Complex, Bombay-400 058.

The agreement has been regisered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11084|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-5-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. AR-II | 37EE | 12721 | 84-85—Whereas, I, LAXMAN

DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 56, 5th Floor, Andheri Juhu Radheshyam
Apartment, Juhu Lane, Andheri

Apartment, Junu Lane, Andheri
(W) Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay- on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons. namely:-

(1) Smt. Hansaben Ratilal Shuh

(2) Shri Kalyanji Morarji Gala and Smt. Geeta Kalyanji Gala

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 56, 5th Floor, Andheri Juhu Radheshyam Apartment, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 085.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II|37EE|12721|84-85 on Authority, 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-85

(1) Shri Mchamedali Kasamalı Merchant

(Transferoi)

(2) Shri Dilip Babulal Vakharia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. AR-II|37EE|12691|84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 604, Nalanda Building 6th Floor, 142-143 J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, Nalanda Building 6th Floor, 142-143, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-11|37EE|12691|84-85 on 22-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-85

(1) Shii N. S. Rao

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A@T, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 31d May 1985

AR-II|37EE|12740|84-85-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. Flat No. 104, Mahavir Apartments No. 2 Versova Laxmi Co-op. Hsg. Soc Ltd, Opp. Pratap Scciety, Andheri (W).

Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Connetert Authority at Bombay on 3-9 1084

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

82-126GI 85

(2) Mrs. Leena R. Rao and Mi. Rao Raghavendia (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Mahavir Apartments, No. 2, Versova Laxmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Opp: Piatap Society, Andheri (W), Bombay-400 058

The ar coment has been registered by the Competent Authority Borthay under No. AR-II|37EE|12740|84-85 on 3-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-85

(1) Mr Subhash Chugh

(Transferor)

MOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

AKIND OF THE TOTAL

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOMETAX,

ACCULATION RINGSON BOMBAY

Bombay, the rt May 1985

Ref. A2 (13) Et 111 (1348) - Whereas I, LAXMAN O.5, being he Co pt ht. Antonny under Section 269B of the Income-tax Ant. 1961 (12 of 1961) (herematier referred to as the 'stad Act'), have reason to believe that the immovible property, having fair thanket value exceeding Rs. 1,600 and Unit 10 of 12 of 12 of 13 of 160, 160, 160, 17 of 160 of 189 of 160, 160, 160 of 160, 160 of 16

- (a) ficulitating the reduction or evasion of the liability

 trin ** It is the said for in

 respect of any mounic arising from the transfer

 and/or
- (b) facilitating the conceilment of any mome or any moment of other seasons which is easy mean of which is there for the purposes of a had a income tax. Act 1922 (11 of 11.22) or as said Act to the Mealth or Act 1957 (27 of 1957);

(2) Dr Ketan P. Parikh Dr. Mrs. Pragnya Kethan Patikh Mls. Electronics Consultancy Sei

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garrette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period Januage 1 for
- (b) by any other person merested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the library on of this rence in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used notin as red fred fred in Chip r XXA of the said Act shall have the same manning at given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Andheri Vishwageet Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 1st Floor, Piot No. 143, J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W) Bombov-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11105|84 85 on 10-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in russiance of Section 269C of the said Art 1 for his nature proceedings for the acquisition of the aforesait rocks by the said of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 3-5-85

(1) Mrs. Rupa K. Islani

(Transferor)

(2) Mrs. Vimla Satish Matai

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31d May 1985

Ref. AR-11|37EE|11106|84-85-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. A-4, Sumla Niwas Co-op. Hs. Soc. Itd., Plot No. 89-90, Noar Four Bungalows, Lokhandwala Complex Read, Andhen (W), Ecmbay-460 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the was not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi catton of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-4, Sunda Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 89-90, Near Four Bungalows, Lokhandwala Complex Road, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II 37EE 11106,84 85 on 10-9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of his notice under subrection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons namely :--

Date: 3-5-85

THE STATE OF STATE OF

FORM ITNS-

(1) Mr Pratap Singh Lalwani

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Narsı A Jhangiani and Mrs Mohini N Jhangiani

(Transfe cc)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref No AR II|37+ E 10586 84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1 00 000; and bearing No Flat No 304, 3rd Floor Versova Gavatri Co-op hisy Soc 1 tJ., Gayatri J. P. Road, Andheri

(W) Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), h 3 been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Compotent Authority at Bombay on 5-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) incilitating the redwering or crashes of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the cloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 3rd Floor Versova Gayatii Co-op Hsg Soc Ltd., 'reyatii J.P. Road, Versova Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serril No AR-III37FF 10586 84-85 on 5-9-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bomb y

Date 3 5 85 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. AR-II|37EE|11116|84-85-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to believe that the 'annovable and the said Act'), have reason to be action to the 'annovable and the said Act'), have reason to be action to the 'annovable and ' property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. Flat No. 21, 'C' Building. Panchav Apartments, Juhu
Lane Andheii (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect for any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mr. Kirit N. Dalal and Mrs. Himani K. Dalal

(Transferor)

(2) Mr. Dineshchandra V. Dalal Mrs. Devila D. Dalal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 'C' Building, Panchavati Apartments Juhu Lane, Andheri (W) Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II|37EE|11116|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-85

The same series and the same series and the same series are same series are same series and the same series are sa FORM ITNS-

(1) Mrs Nargish S. Syal and Miss Jyoti S. Syal

(Transferor)

(2) Shri Thamattoor Mohandas

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGL-II, BOMBAY

Bombay, the '1a May 1985

Ref. No. AN-H:371 F:111045 84 85.—Whereas, I.

TAXMAN DAS, being th. Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 211 12, Budding No. 42, Manish Nagar, 2nd Floor C-Wing J. P. Road. Andheri

(W) Bombay-400 058 (and more fully describe 1 in the schedule annexed hereto), has been trunferred and the Agreement is registered under section 26°AD of the I cone for Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 5-9-1984

market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nearth which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 211,12, Building No 42, Marcil, Negar, 2no Floor, C-Wing J. P. Read, Andheri (W) Bembay-4(4) 058

The agreement has been registered by the Competent Au heavy, Bombay under No. AR-H 37EE 11045 | h4-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 3 5-1985 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

MANAGEMENT OF THE WAS TRANSPORTED TO THE PARTY OF THE PAR

(1) Smt. Fatma Gulam Husein

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vimla Devi Luthra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, shichover period expires later;

Ref. No. AR-II|37EE|12686|84-85--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 107, I Floor, Andheri Ashiana Co-op. Hsg. Soc

Ltd. Plot No. A-3 Ambivali J. P. Road, Andheri

(W) Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at I the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 - of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

THE SCHEDULE

&ct, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 107, I Floor, Andheri Ashiana Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. A-3, Amb.valı J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12686|84-85 on 22-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely:-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-1985

(1) Mr. Natain M. Israni,

(Transferor)

(2) Mr. Raghbir Singh Vilk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 11036 84-85 - Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 405, 4th Floor,
Building Belmont Plot No 340, S. No.
41(Part), Four Bungalows, Versova
Andheri (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the office of the Competent Authority at Bombay on
5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 405, 4th Floor, Building Belmont, Plot No. 340, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR.II|37EE|11036|84-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 3-5-1985

(1) Mr. Abbashhai Huseinibhai Khokhawala.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Y. Sakarwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

No. AR II|37LE|12783|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovas the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing bearing No. Flat No. 406, 4th Floor, Building Kenmore Plot No. 346, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discuosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 406, 4th Floor, Building Kenmore, Plot No. 346, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andhri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE]12783|84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person 1 namely:—83—126GI 85

Dated: 3-5-1985

(1) Dr. Ratilal K. Shah,

(Transferor)

(2) Sh. Sunit Kalyanji Gala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No AR.II|37EF|12722|84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the Sand Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000|- and bearing No Flat No. 56A, 5th Floor, Andheri Juhu Rodneshyam Apartment, Juhu Lane, Andheri (W) Bombay-400 058

Andhert (W) Bottbay-400 056 (and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been tensfeered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9 1984

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer is with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said act, in tenct of any income arising from the transfer, and or
- n) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date-of publication of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 56A, 5th Floor, Andheri Juhu Radheshyam Apartment, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12722|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-5-1985

(1) Sh. Shyamlal Gupta.

(Transferor)

(2) Sh. & Smt. Naresh Kumar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II[37EE]12934[84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No 302, B. Lands End,

Lokhandwala Complex, Andher₁ (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to -believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- iv; fastitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (3.1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 B, Lands End, Lokhandwala Complex, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE[12934[84-85]

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-5-1985

(1) Mrs. Dhun Noshir Dhalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(2) Mr. P. A. Virji. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11027|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competer: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Flat No. 43, Jubilee Darshan, 4th Floor, Yari Road, Varsova, Andheri (W), Bombay-400 053

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apporant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by-any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Jubilee Darshan, 4th Floor, Yari Road, Varsova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agrement has been registered by the Competent Authority, Bomby under Serial No. AR-II|37EE|11027|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 3-5-1985

(1) Mr. G. S. Bansal.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11481|84-85.--Whereas, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and

bearing No. Flat No. 201, 2nd floor Blue Chip Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot CTS No. 513, 513 (1 to 6), 487 C.D. Barfiwala Road, Vile Parle (W), Andheri (W), Bcmbay-400 058

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any missieys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, thereform, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Ramesh H. Bahirwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Blue Chip, Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot CTS No. 513, 513 (1 to 6) 487, C. D. Barfiwa'a Road, Vile Parle (W), Taluka Andheri (W), Bombay-400 058.

Taluagrement has been registered by the Competent Aut. 11.0.1884

11-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay.

Dated: 3-5-1985

(1) Mr. Lawrence Fernandes and Mrs. Gracy Fernandes.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II 37EE 12883 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 53 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and

bearing No. Flat No. B|54, Rameshwar Darshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalows, Andheri (W),

Bmobay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961,, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Horesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beg which ought to be disclosed by the transfer the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, in the Weal Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(2) Mr Inderjit Singh Arora and Mr. Manjit Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda X \Lambda$ of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|54, Rameshwar Darshan Co-op. Housing Soc. Ltd., Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 12883,84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subSection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 3-5-1985

FORM J.T.N.S.

(1) Mr. Rajkumar A. Singhal Mrs. Sudha H. Singhal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satish Shantaram Nagarkatti Mrs. Bharati Satish Nagarmatti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12773|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 602, 6th Floor, B Wing,
Building No. 2-3-4, Andheri Manish Garden
Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish
Nagar, 4 Bungalows, J.P. Road,
Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the noome-tax Act, 1961 (43 cf 1961), in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, B-Wing, Building No. 2-3-4 Andheri Munish Garden Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, Four Bungalows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400058. The agrement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37FF 12773 84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-5-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-EAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

'ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12888|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the conafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 305, 3rd Floor, Versova Manish Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the noome-tax Act. 1961 (43 of 1961), in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Francis Thomas Alphonso.

(Transferor)

(2) Mrs. Chitra Sanadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd Floor, Versova Manish Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12888|84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformation from the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-5-1985

FORM ITNS ---

The state of the s (1) V. B. Patel and Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. G. Shet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12463|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 309, 3rd Floor,
Building No. 31, S. S. Nagar,
Amboli Village, Andheri (W),
Bombay-400 058
(and moré fully described in the scedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961),
in the Office of the Competent Authority at Bombay on in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ing persons, namely :--84-126GI | 85

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following process.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd Floor, Building No. 31, S. S. Nagar, Amboli Village, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12463|84-85 dated 15-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-5-1985

FORM (TNS----

(1) Gi sn Amratlal Mehta Smt Ichaben Amr a'lal Mehta..

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 143 OF 1961)

(2) Mahendra Ambalal Upadhyaya Jaedish Anibalal Upadhyaya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIST ON RAVEL II, POMBAY

Bombay, the 2rd May 1985

Ref No AR-II/37I E/12893/84-85 -- Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the 'ompetent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 161 (4) of 1961 (perematter referred to as the 's ad Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs 1.00,000; a 1 bearing to Flat 1 o 601 6th Fin's 'Pursboth'.

Rukhman Pershottam Co-op Housing Soc Itd, 21, JP Roll Andhri (W. Bombay 59 (and nore filly decired in the Schedule annexed hereto), has ber the circulant heagement is egistered under section 269AE of the reconctant part, 1945 (43 of 1961), in the One of the Co. Ant. By at Pombly on 28.6.1984. 28-9-1984

for an opposite con action which is less than the fair man' is the of the court of property and I have reason to believe that he fair market value of the property as arones and exceeds the area of the apparent consideration and that the conclusion for the operation of the property of t the prities has not been truly stated in the said instrument of a asfur with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transfero, to pay tax under the said Act in respect of any record arising from the transfer und/or

(b) facilitating the conctalment of any income or any there's it officer sets which have not been or war are a to be disclosed by the transferge for כעד ניים גע ne the indian In work far Act 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;
- o) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

LXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th Floor, Purshottam Rukhmani Purshottam Co-op Hsg Soc Ltd 21, J.P Rond Andheri (W), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under S and No AR 7/37EE 12893 84-85 on 28 9 1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Cartien 269D of the said Act, to the following persons. persons, namely:-

Dated: 3-5-1985

(1) Narendra D. Veer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prakash T. Vasu and Mrs. Dhru Prakash Vasu. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ret. No. AR-II|37EE|12843|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tan \(\text{ct}\), 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said \(\text{Act'}\)), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1003, Gambs Tower, Plot Bearing No. 15, (Part) Old CTS No. 100, New CTS No. 1368 Four Bungalow Road, Andheri (W),

Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961), in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. Enerefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid present by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said exoperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid, persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1003, Gambs Tower, Plot Bearing No. 15, (Part) Old C.T.S. No. 100, New C.T.S. No. 1368, Four Bungalow Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE|12843|84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-17 Bombay.

Dated: 3-5-1985

ieai :

- (1) Mis. Evershine Associates
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Kishindas Wadhwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days mon the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

Ref. No. AR-II|37-EE|12712|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Flat No. 003, Plot No. 159, Building B, Samundar Darshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the evaporiou or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

THE SCHEDULE

Flat No. 003. Plot No. 159, Building B, Samundar Darshan Co.-p. Housing Soc. Ltd., Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II|37-EF|12712|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Data 25 L 00 Seal .

(1) M|s. Natan Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Shishir Gordhandas Shah and Mis Rupal Vikram Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-H|37EE|12708|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing.
Unit No. 27|G, Laxmi Industrial Estates, New Link Road,
Off: West, Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058 Off: W situa

combay

Combay the Competent Authority at ≀he,∂

Bomba 229-1984

The an expanded consideration which is less than the fair market value of the property as allowed weeds the apparent consideration therefor by in a limited consideration for such transfer as agreed to between figuraties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27 G Laxmi Industrial Estate, New Link Road, off. Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37-EE]12708[84-85, on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-5-1985

FORM IT.N.S.

(1) & S. Development Corporation

The second secon

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

===

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref No R II | 57 1 E | 12588 | 84 85 —

Where is, I, I AAMAN DAS,
being the Competent Author by under Section 2698 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
se the said Act), have a ason to believe that the
immovable property hing a tir maket value
exceed in Rs 1000 to a boat No
Flat No 305, hase a boat in the
flat No 305, hase a boat a Andren (West), Bombay400058, situated at I is by
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred indice agreement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered under
Section 269AB of home a greement is registered
Section

(2) Mai Baghuraj M Shaima and Mrs Rajvati R Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever puriod expires later,
- (b) by any other person interested in the movable property within 45 days from the publication of this nouse in the Officer.

Explanation—The terms in expressions used herein as are defined a Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay ax once the said Act, in respect of any income ar ing from a transfer, and/or
- (b) racilitating the concealment of any mome or any moneys or other pasts which have a bin or which ought to be pastissed by the transfer e for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Fiat No 30) Basera spar monts A-Wing, Plot No 47-48, Four Englors "assist Andher (West), Bombay-400 058. The ige mint his been registed by the Competent Authority Combas unde N AR II 37-EE 12588 84 85 on 18-9 198

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the experion of the potice under subscition (1) of Section 269D of the and A though the inflowing persons, namely—

Date 2.5 1985 Seal

- (1) Daryanani (Indo Saigon) Construction Pvt. Ltd.
- (Transferor) (2) Mr. Jazosh Singh Hariram Singh Raikwar (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT. OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12683|84-85.--Wherear, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinselter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing No.
Flat No. 705 7th Froor, Siddhi Bu'lding No. I, Kalyan Nagar, You Read, off J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 658, situated at Bombay

(and more fully described in the otherule anaexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in , the office of the Commetent Authority at Bombay on 22-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under and section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immor able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the saul Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th Floor, Siddhi, Building No. I, Kalyan Nagar, Yari Road off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-JI|37-EE|12683|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-5-1985

- (1) M/s. Thakkar & Karva Associates

(Transferor) (Transferce)

(2) Shri Vishwas Dattatrava Ghatpande

NOTICE UNDER SITTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-1 E|10467|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing. Flat market value carreing and partial file for the following society Ltd., Kush Apartment, Plot No Q-1, Veera Desai Road, Andheri (West) Bombav-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor. Rotary Park View Co-op. Housing Society Limited, Kush Apartment. Plot No. Q-1, Veera Desai Road Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II|37-EE|10467|84-85 on

3-9-1984

LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bomb, v

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 2 5-1985

Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43. OF 1961) (2) Smt. Manju Vinayak Pai, Shri Vinayak Ramnath Pai

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12601|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00 0001- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 34, 3rd Floors, B-Wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Piasanna Co-op. Housing Soc. Ltd. S. No. 41 (Part), Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 situated

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

the office of the Competent Authority at Bombay 18-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons namely:

85--126 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd Floor, B-Wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., S. No. 41 (Part), Oshiwara Village, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12601|84-85 on 18 9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 2-5-1985

(1) Troika Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhimrao Yellapa Ghodke

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12000|84-85.— Whereas, I. LAXMAN DAS,

S. No. 41 (Part), Oshrwara Village, Four Bungalows, Ver-S. No. 41 (Part), Oshwara Vinage, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds "he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

-THE SCHEDULE

Flat No 11, 1st Floor, A Wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Co-op. Housing Soc. Ltd., S. No. 41 (Part). Cshiwara Village Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12600|84-85 on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax · Acquisition Range-II Bombay

How therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sora is namely :--

Date: 2 5 1985

(1) Harasiddh Corporation

(Transferor)

(2) Mrs. Doiis D'Souza

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12575|84-85.—

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 1, 3rd Floor, Nestle, Plot No. 78, Unit No. 638
Shri Swami S.S. Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Andheri
(West) Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd Floor, Nestle, Plot No. 78, Unit No. 638, Shree Swami S. S. Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12575|84-85, on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OR 1961)

(1) M|s. Giriraj Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Sandeep Suresh Avarsekar and Mr. Pradeep Suresh Avarsekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12769|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
Flat No. 4 (North Saide) 1st Floor, 'Alpine' Plot Bearing
CTS No. 406, Jai Bhawanimata Marg. off. Ceaser Road,
Amboli, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
the office of the Competent Authority at
Bombay on 24-9-1984

Bombay on 24-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 4. (North Saide) 1st Floor, Alpine Plot Bearing CTS No. 406, Jai Bhawanimata Marg, off. Ceaser Road, Amboli, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12769|84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985

- The second sec

FORM FINS

(1) Hiranandani Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Mukesh K. Arora, Mrs. Bella M. Arora

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11069|84-85.— Whreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1|406, Jupiter Apartments, Oshiwara, Andheri (W),

Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-faz Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any-other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE /

Flat No. J-406 Jupitar Apartments, Oshiwara, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11069|84-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Mis. Minoo Builders

(Transferor)

(2) Smt. Vismita B. Ashei

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

the same plant to be a second to the same plant of the same plant

TROVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUIATION RANGE-II BOMBAY

Bonb., the 2nd May 1985

Ref. No AR-II 37 1 H | 1277 + | 84-85.

Whreas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 |- and bening

Flat No. 1 and 4 on 7to 1160 & terrace 'Minoo Minar', Veera Dosai Road, Andbei Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfer ed and the agreement is registered under Section 269AB or the income. Not, 1961 (43 of 1961) in the office of the count tent Authority at Bombay on 24-9 198+

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tear quarket salue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay a under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 and 4 on 7th Floor and terrace, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12774|84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Hiranandani Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Shubba Kanchan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12828|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. N-402. Neptune Apartment Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transferr and/or.

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. N-402, Neptune Apartments, Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (Wcs*), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pounds (under No. AR-III37-EE)12828]84-85 on 25-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 2-5-1985

Seal

(1) M/s Hiranandani Builders

(Transferor)

MODICE UNDER SET THOS MALE OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jasmine A Sadh Ashok Kumar Sadh.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUIST PANOFIL BOMBAY

Bombas the 21d Mos 1985

Ref No AR II 37EF 12348/84-85 - Whereas I. LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authori; under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000; and bearing Rs 1,00 000; and bearing Hat No. 601-4 Merchiny Apartments. Hiranandani Estate, Behind Apra Gho; (white, i.e., Andheir, (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more tible of tible on the Schoolule appeared herete).

fand most pill, destibut in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the content Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the tent of Arthory at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the our missel value of the property as afore-said exceeds he ipp no one distinct therefor he more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer might the fer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) fullitative to, increament of any income or any moneys of the as which have not been or which out it to be it sclosed by the transferee for the purposes of he Lidian Income tax Act. 1922 :11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 14 195' (" of 1977);

Now, therefor n parsance of Se tion 2690 of the said Act, I hereby initiate prove ding for the acquisition of the aforesaid property by the is us of this notice under section (1) of Section 2697 of the said Act of the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the iste of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fator:
- (b) by any oth a person interested in the said immovable property, with a 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLAN (DIOY The terms and expressions used herein as are Jeaned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ra given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 601-A Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar Oshiwwa Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been egistered by the Competent Authority, Bonepay under No AR II/37FF/12848/84-85 on 26-9 1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspirity Accordant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date . 7-5-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/10593/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000- and bearing
Flat No. 403, Building No. F-26, at Yamuna Nagar, Project situated at Oshiwara, Off. J. P. Road, Versova, Andheri

(West), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
86—126 GI|85

- (1) M/s. Jay Jay Construction Co.
- (2) Mr. Pravin Dattatray Potdar and Mrs. Pradnya Pravin Potdar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Building No. F-26, Yamuna Nagar, Project situated at Oshiwara. Off. J. P. Road, Yersova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10593/84-85 on

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date . 2-5-1985. Seal :

5-9-1984.

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Novelty Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12585/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 32/M, Laxmi Industrial Estate, Ground Floor, New

Link Road Extension, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this noticec in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32/M, Laxmi Industrial Estate, Ground Floor, New Link Road, Extersion, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/12585/84-85 on

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transftr, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date . 2-5-1985, Seal:

400 058.

18-9-1984.

(1) M/s. G. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Johan Singh Malhotra and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|11081|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 502, 5th Floor, Building Regency-B, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is the strict under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority Authority at Bonnoas on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of usinsfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in a spect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 502, 5th Floor, Building Regency-B, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11081/84-85 on 5-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons; namely:--

Date: 2-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12847/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. M|509, 5th Floor, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Hiranandani Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Arti B. Mehta, Miss Jignasha T. Pandit & Miss Deval T. Pandit. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M/509, 5th Floor, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12847/84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I learney initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-5-1985.

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Raziabı Hamid Shaikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR II/37EE/12736/84-58.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 701, 7th Floor, Building Sky Lark, Plot No. 89,
S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,
Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ambsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, Building Sky Lark, Plot No. 89, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12736/84-85 on 22-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985.

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd., (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
ROMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No AR.II|37EE, 12735|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 206, 2nd *loor, Building Ivory Heights, Flot No. 1, S. No. 41 'Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair resuket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mis. Kaushik Kombine.

may be made in wrising to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice at the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd Floor, Building Ivory Heights, Plot No. I, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12735|84-85 on 22-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Ms. Minoo Builders,

(Transferor)

(2) Mithalal Jugraj Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10468.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 103, 1st Floor, Minoo Minar, Veera Desai Road,

Andheri (West). Bombay-400 058.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUL

Flat No. 103, 1st Floor, Minoo Minar, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10468 84-85 on 3-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd., (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Ramachandra Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12619|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (Lereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 103, 1st Floor, Homestead, Piot No. 337, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Home Stead. Plot No. 337, S. No. 41 (Part). 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12619|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Bhaskar Mukherjee.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12856 84-85 .-- Whereas, I,

I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule-exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 304, 3rd Floor, Harmony-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Part) Four Bungalow, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 038. situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—87—126 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Harmony-B, Plot No. 343 S. No. 41 (Part) Four Bungalew, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12856 84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

(1) M's. Lokhandwala Premises Private Ltd., (Transferor)

(2) Mis. Kaushik Kombine.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12734 34 85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 102, 1st Floor, Building Ivory Heights, Plot No.
1, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400 058
situated at Bembay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall nave the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating

THE SCHEDULE

Flat No. 102 1st Floor, Building Ivory Heights, Plot No 1, 5 No. 11 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 958.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR II 37EE 12734 84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estate & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Maks International.

(Transferee)

21581

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMB \Y

Bombay, the 2nd May 1985

Ref No AR.II|37EE|12931|84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1901, 19th Floor, Magnum Fowers, Plot No. 357,

S. No. 41 (Part), Four Bungalows Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-400 053.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1901, 19th Floor, Magnum Towers. Plot No. 357 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andren (W), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II|37EE|12931|84-85 on 29-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **Bombay**

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE 12620 84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 1012, 10th Floor, Magnum Tower, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungatows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

- (1) M¹3. Lokhand wala Estates & Development Co. (P) Ltd.
 - (Transferor)
- (2) Mr. Virendra Ravindianath Dingankar. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1012, 10th I loor, Magnum Tower, Plot No. 357, No. 41 (Part), Four galovs, Versova, Andheii (W), ombay 58 Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EE|12620|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date : 2-5-199

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

(2) Sydney Stephen Pinto.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10614|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

Flat No. 1109, 11th Floor, Magnam Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Rombay-400 058.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 \B or the Incomesax \ct 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propertey by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of period of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heerin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1109, 11th Floor, Magnum Towers Plot No. 357, . S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andhen (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE:10614/84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mt. And Chimanlal Sebgal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay inc 2nd May 1985

AR II|37LF 10015 51 55 -Whereas I, Ref. No LAXMAN DAS

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No 1609, 16 h Foot, Magarim Jowers, Plot No 357, S. No. 41 Part), For Bringarows, Versova Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the object of is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Composent Authority at Bombay on 5.9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason () believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1609, 16th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) Four Bungalow, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|10615|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Date 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE¹12787₁84 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 1106, 11th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent, Authority at Bombay on 24-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M's Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

(Transferoi

(2) Mrs Jaya Hariharan and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1106, 11th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part). Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Component Author. Bomber under Secol No AR-II 37EE|12787|84-85 on $^{2}4-9-1984$

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. I okhandwala Fstat s & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Narain Das Bhatra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II.
BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II 37EL 12854134-85.--Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 1101, 11th Floor Magnum Towers, Plot No 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalovs, Oshiwara, Versova, dheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herote), has been transferred and the pareement is registered under Section 269AB of the Income for Act, 1961 43 of 1961) in the office of the Competer Authority at Pombay on 26 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for which purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or tht said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th Floor Magnum fowers, Four Bungalos, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Cshiwara, Versova. Andheri W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12854|84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. Haribaran and

(P) Ltd.

(Transferor)

Mrs. Jaya Hariharan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1935

Ref. No. AR.II|37EE|12788|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

I lat No. 1105, 11th Floor Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Development Co.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1105, 11th Floor, Premium Towers Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37FE/12788/84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 2-5-1985 Seal:

88-126 GI 85

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12653|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 604, 6th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri(W),

Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.
- (2) Mrs. Dhanwanti T. Kamra & Others.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE 12653|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 2-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(2) Mrs. Jagdeep Kaur

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12658|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there nafter referred to 33 the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1301, 13th Floor. Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Ardheri(W), S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Bombay-400 058.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to sowing persons namely:-

THE SCHEDULE

Flat No. 1301, 13th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova. Andheri(W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12658|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985 Seal:

the survey was appropriate and the shall state the state of the state

(1) Ms. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hardeep Kaur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ret. No. AR.II|37EE|12659|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000; and bearing No. Flat No. 1302, 13th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, 'S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tonly tated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

a) facultating the reduction of evanton of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 1302, 13th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12659|84-85 on 21-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:--

Tate: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Manager and the state of the second state of t

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. Ak.il 1714 10930 34-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Fiat No. 1902, 19th Floor, Magnum Towers, Plot Nc. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(2) Ms. Maks International

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1902, 19th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 12930 84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(2) Mr. Ashok Chimanlal Sehgal

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IF. **BCMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Acf. No. AR.II 37EE 10572 84-85.-

veing the Competent Authority under Section 269B of the ... one-tax Act, 1961 (4) of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable market basing a fair market value exceeding property, having a fai, market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

riat No. 1610, 16th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. 110. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,

Andheri(W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomhay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has 10% been trully stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in expect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Loitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1610, 16th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova. Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|10572|84-85 cn 5-9-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12618|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 603, 6th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(2) Mr. Hiranand Tarachand Kamrani & Others
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the *said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andhen (W), Rombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12618|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-5-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12614|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1011, 10th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,

Andheri(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Dombay on 19-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Max Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following prisons namely—

- (1) M|s, Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.
- (2) Mr. Ravindranath D. Dingankar

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1011, 10th Floor, Magnum Towers, Prof No. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andhem (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12614|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11129|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Flat No. 903, 9th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova.

Andheri(W), Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the rear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration are the transfer. consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--89—126 GI 85

- (1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.
- (2) Mr. Amin Vazir Parkar

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MAPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 903, 9th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova. Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|11129|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date · 2-5-1985

- (1) M|s, Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.
 - (Transferor)
- (2) Sydney Stephen Pinto

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10616|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1110, 11th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Permbay 400,055

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Rombay on 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45'days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1110, 11th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Pombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|10616|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-5-1985

21597

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co.
(P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr Pribh A. Meraney.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]12926|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1302, 13th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357,
S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,
Andhen(W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 29 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) fazilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHÉDULE

Flat No. 1302, 13th Floor Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova Andneri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 12926 84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition, Range-II,
Bombay

Date: 2-5-1985

FORM I.T.N.S.~

- (1) M/s Lokhandwala Estates and Development (P) Ltd.
- (2) Mr. Narin Das Bhatia

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12853|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1102, 11th Floor, Magnum Tower, Plot No. 357, S No. 41(Part), Four Bungalows. Oshiwara, Versova,

Andheri(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte .

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

Flat No. 1102, 11th Floor, Magnum Tower, Plot No. 357, S No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bc nbay under Serial No. AR.II]37LE|12853|84-85 on 26-9-1984

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the sa Act. I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 2-5-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 12927 | 84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heretnafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |- and bearing Flat No. 1301, 13th Floor, Magnum Towrs, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. (and more rully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 29 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Lokhandwála Estates and Development Co. (P) Ltd.

(2) Mrs. Pushpa P. Meraney

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1301, 13th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12927|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-5-1985

(i) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd, (Transferor)

(2) Ms. Standard Batteries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12112|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 1910, 19th Floor, Building Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Burgalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mering as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1910, 19th Floor Building Magnum Iowers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12112|84-85 on 1,-9-1984.

LAXMAN DAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prem Kumar Anand,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11114|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, 2nd Floor, Home Court, Plot No. 336. S.
No. 41, (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- I ne terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Home Court, Plot No. 336. S. No. 41, (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Pombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|11114|84-85 Competent on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(2) Miss Veena Bakshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR-II|37EE|11085|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 7,00,000/and bearing No.

Flat No 703, 7th Floor, Home Court, Plot No. 336, S. No.

41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West) Rom-

bay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the ooffice of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 703, 7th Floor, Home Court, Plot No. 336, S. No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|11085|84-85 on 5-9-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons. mamely:

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Dev Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Firoz Dosman Moti.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10570|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing

Flat No. 407, 4th Floor, Montana-C, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th Floor, Montana-C, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 The agreement has 'been registered 'by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|10570|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incorrectax Acquisition Paneedl, Bombay

Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

90—126 GI 85

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTE # UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Rajashree Vasudeo Kanuga and Master Rahul So Vasudeo Kanuga.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM'S SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EF|10569|84-85.—Whereas, I, I A'IMAN DAS,

the Laman DAS, being the Component Authority under Section 269B of the Laman tan Act 1901 43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immerable, purply, having a fair mirket value exceeding Rs. 1.00.000]—and being Flat 140.008, 3rd Floor, Sky Lark-A, Plot No. 89, S. No. 41 Part), Four Bangalows, Versova, Andheri (W), Bembay-400.058 setured at Rombay.

400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under see or 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984. at Bombay on 5-9-1984.

for ar a parent consideration which is less than the fair mark: slue of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe, sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the adduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer: ned /or
- (b) facilitating the separate and income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd Floor, Sky Lark-A, Plot No. 89, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE|10569|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Nov therefore, in pursuance of Secreta 269C of the said Act, I neleby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid respect by the issue of this notice under subtriber of Section 269D of the said Act, to the following fadiocias, namely :-

Date : 7-5-Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10574|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 403, 4th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Satinder Kaur and Mr. Harender Pal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The control has been registered by the Competent Value, to Poul a under Serial No. AR.II | 37EE | 10574 | 84-85 on 5-4 local

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

WANTED

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Vasudeo Vensimal Kanuga and Mrs. Rajashree Vsaudeo Kanuga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10573|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing No. Flat No. 307, 31d Floor, Skylark-A, Plot No. 89 S, No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Fas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end de
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and explanations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd Floor, Skylark-A, Plot No. 89, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400.058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II,37EE|10573|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harı Chandramouli Subrahmaniam. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11083[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No

Flat No. 102. 1st Floor, Symphony-A, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Symphony-A, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 11083 84-85 on 5-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely:—

Date . 7-5-1985

seai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-I₁37EE|12615|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 204, 2nd Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Abbasbhai Husainibhai Khokhwala.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12615|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheetal Goyal & Others.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

ACQUISITION RANGE-II .BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 7th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II|37EE|12661|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 501, 5th Floor, Prmie Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Prmie Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/11113/84-85 on 21-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followg persons namely :---

Date: 7-5-1985

FORM NO. ITNS-

- (1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Mahrukh S. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12654|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.

and bearing No.

Flat No. 605, 6th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No.
41 (Part), Four Bungalows Versova, Andheri (W), Bombay-

400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984.

are some apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and the perties has not been truly stated in the said instrument of gapater with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S No. 41 (Part), Four Bungalows Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12655|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspec ing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for thee acquisition of the eafforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

FORM NO. I.T N.S.-

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev Co. (P) Ltd (Transferor)

(2) Mr Bharat Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR-II|37EE|12655|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 203, 2nd Floor, Harmony-A. Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedul; annexed nereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-9-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-H | 37EE | 12441 | 84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:—
91—126 GI 85

Date: 7-5-1985

THE PARTY OF THE P

FORM ITNS---

- (1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Γιαη.sferor)
- (2) Mr. Samy J. Choksey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1 AX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May, 1985

Ref. No. AR-II 37FE||11113||84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Comp tent Authority under Section 269B of the Incom-tax and 1961 (44 of 1901) (tenenafter referred to to 18 the State of the Income to believe that the immovible property having a fifty market value exceeding Rs 1,00 000l- and bearing No

Flot No. 603, 6th Floor, Plime Rose, Plot No. 318, \$ No. 41 ("ort) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400,058

(and more colled and the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984.

for an apparent constitution which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any morevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) o the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Others! Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same accausing as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 658

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37EE|11113|84-85 on 10-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferoi)

(2) Ms. Macneil & Magor Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12441|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 904, 9th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904, 9th Floor, Building Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 12441 84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1985

Scal :

- (1) Ms. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. R. G. Chotharamani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE, 12660|84-85.-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 203, 2nd Floor, Prime Rose, Plot No. 318. S. No. 41 (Part), Versova Andheri (W) Bombay-400 058. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office the Competent Authority

at Bombay on 21-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable roperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Prime Rose, Four Bungalows, plot No. 318, S. No. 41 (Part), Versova Andheri (W), Bom-

bay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12979|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Pate: 7-5-1985

(1) Satvam Builders.

(2) Ms. Chandrakant Enterprises.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II[37EE|12979|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 47-A, In Satyam Industrial Estate, 2nd Floor at
Jogeshwari (E), Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Gansfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that | Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 47-A, In Satyam Industrial Estate, 2nd Floor at Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12979|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 3-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Sabera Gani Tamankai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

the control of the co

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II-3VEE-12991-84-85. -- Whereas, I. I AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the inn-

raevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;— and
Flat No. 502, On 5th Floor, of Building No. 12-A. Forming Part of S. No. 41, Of Village Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 502, on 5th Floor, of Building No. 12-A, Forming Part of S. No. 41, of Village Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12991|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date . 3-5-1985

(1) Mr. Prakash Issardas Gangwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gordhandas Khemchand Thawani and Mr. Leelaram Khemchand Thawani. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12999|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Residential Flat, Plot No. 611, 15th Road, Khar, Bombay-

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of votice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. Plot No. 611, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12999|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 3-5-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana Narendra Doshi, Mr. Narendra Rmniklal Doshi & Apurva Narendra Doshi (Minor).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 7HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

No. AR.II|37EE|19690|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 25 on 7th Floor in 'Gurukripa Apartments' N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and the consideration for each that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and tor

(b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given le that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 on 7th floor in 'Gurukripa Apartments', N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay und 19690/84-85 on 21-9-1984. Authority, under Serial No. AR.II/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 3-5-1985

- (1) M/s. Bilcon Corporation.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
- (2) Chandrakant Kevalchand Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|19687|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|-and bearing Flat No. 13 on 4th floor in 'Guruktipa Apartments', N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay 28. situated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any hroneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 on 4th Floor in 'Gurukipa Apartments', N.C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay 28.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/ Authority, Bombay und 19687/84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing nersons, namely :-

92-126 GI 85

Date: 3-5-1985

(1) M/s. Bilcon Corporation,

(Transferors)

(2) Smt. Champaben Liladhar Shah.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EL|19689|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Author'ty under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable per 1 for a fact worker value exceeding Rs. 1.00.0001- and Flat No. 7 on 2nd floor in 'Gurukripa Apartments', N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bembay-28.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been t an ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as according to the consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been teals tried in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income ariety from the Camber. and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 2nd floor in Gurukripa Apartments', N.C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19689/84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1985

(1) M/s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra Sarabhai Shah, Smt. Hansaben Narendra Shah, Master Hitesh Narendra Shah.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|19686|84-85,--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 33 on 9th Floor in 'Gurukripa Apartments',
N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at

-Bembay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 33, on 9th Floor in 'Gurukripa Apartments', N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19686|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-5-1985 Seal:

(1) M/s. Shiv Shaktı Industries.

(Transferor)

(2) Shri D. M. Parmai

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSFECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE, 12914|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competente Authrity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Area 500 sq. ft. C/o Shiv Shakti Industries, Opp. Aghadi
Estate, Jain Compound Subhas Road, Jogeswari (E),
Bombay-60.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule and executed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sast Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alea 500 sq ft C o Shiv Shakti Industries, Opp. Aghadi Estate, Jain Compound Subhas Road, Jogeswari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II/37EE/12914/84-85 on 29-9-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rombey

Date : 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II[37EE|19688|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 15 on 4th floor in 'Gurukripa Apartments',
N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; TO VOICE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Bilcon Corporation.

(2) Shri Ravindra Nagendra Katkar.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 on 4th Floor in Gurukripa Ayartments', N.C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19688/84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the spid Act, to the following persons, namely .-

Date: 3-5-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Bilcon Corporation,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

AR.II 37EE 2241 84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS.

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 39, on 10th Floor in "Gurukripa Apartments",
N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 18 Act to the following persons, namely :-

(2) Shri Pravin Sarabhai Shah & Smt. Dharmisthaben Pravinkumar Shah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 39, on the 10th floor in 'Gurukripa Apartments', N.C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/22441/84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date · 3-5-1985

(1) M/s. Satyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natwarlal Meghii Parmar & Smt. Kanchan Natwarlal Parmar...

(Transferor.)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref No. AR.II|37FE|12978|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and and bearing
Gala No. 12-A, in Satyam Industrial Estate, Ground Floor at Jokeshwari (E), Bombay-69.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to eblieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 12A in Satyam Industrial Estate, Ground Floor

at Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/12978/84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 3-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37E|12977|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair respect to the income. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Gala No. 7 in Satyam Industrial Estate, Ground Floor at Jogeshwari (E), Bombay-60. situated at Rombay

(and tane fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen in cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any. rachitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the ruppos's of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Satyam Builders.

(Transferor)

(2) Shri Mahandia R. Ajmera Family Trust.

(Transferec)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 7 in Satyam Industrial Estate, Ground Floor at Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37FE/ Authority, Bombay under 12977/84-85 on 29-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-5-1985

Seal .

(1) Shri Ziauddın Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Qaiser Jehan, Shri Aziz Kader Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR.II|37EE|12988|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
A-3-103, "AL-MARWAH", Milat Nagar, Behind Behram
Baug, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay-58

situated at Bombay fand more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A-3-103, "AL-MARWAH", Millat Nagar, Behind Behram Baug, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/ Authority, Bombay und 12988/84-85 on 29-9-1984.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—
93—126 GI 85

Date: 3-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mls. Apex Constructions.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nutan Raj Mr. Ravi K. Raj.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12849 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, he ving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. A|604, Nebula Apartments Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W). Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traity states in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and exerctions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ray tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer;

Flat No. A|604, Nebula Apartments. Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12849|84-85 on 26-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person:, namely :-

Date: 7-5-1985

(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Qaiser Jehan, Shrı Aziz Kader Khan.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12988|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A-3-103, "AL-MARWAH", Mılat Nagar, Behind Baug, Vıllage Oshıwara, Jogeshwarı (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—93—126 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A-3-103, "AL-MARWAH", Millat Nagar, Benind Behram Baug, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/12988/84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX AC 3 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nutan Rai M1. Ravi K. Raj.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|12819 84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, laving a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing Flat No. A|604, Neoula Aprilments Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Andreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Mandreas (and more fully described in the Schadula and Man

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been trainy streed; the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of prolication of this notice in the Official Gracus on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and Art tonk used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. A|604, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheii (W), Bombay-400 058.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12849|84-85 on 26-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Pombry.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person.., namely :--

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A Biswas and Mrs. Geeta Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR II 37FE 12846 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000\[-\] and bearing Flat No. 702, 7th Floor, Building known as Atlas Hiranan-Estate, Off Four Bunglows, Andheri (W), Bombaycani.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 732, 7th Floor, Building known as Atlas Hiranandani Istate, Off Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-

The agreement has open registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II|37EE|12846|84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Date: 7-5-1985

(1) Asian Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Liladhar Teishi Shah and Ashok Liladhar Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7tn May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]12797[84 85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 1, Plot No. 29. Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay described in the Schodule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income 1x Act, 1961, (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intitate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Plot No. 29, Off J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andhe. 1 (W), Bombay-400 053.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12797|84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 2-5-1985

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ismail Ahmed Wangde.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BO:MBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10472|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. A₁603, Nebula Apartments, Hiranandani Estate,

Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. A 603, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Benind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10472|84-85 on 3-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 7-5-1985

(1) Mis. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. K. C. Vatma, Mr. Ashok Varma and Mr. Harsh Varma.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR II 37EE | 12829 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the basis Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and hearing No.

and bearing No. Flat No. 701, A-Wing, 7th Floor, Skywalker, Hirananderi Estate, Behind Apna Ghai, Oshiwara, Andheri (W),

Bombay-400 058, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period f. 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, A-Wing, 7th I loor, Skywalker, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. U.57FE [12829]84-85 on 25-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

FORM ITNS-

(1) Ms. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rama Champalkak Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II,

BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR.II 37EE 2433 34 85 - Where is, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as th 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00 0001- and hearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No 603 B Wing, Skywalker Hiranandani Estate,
Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been 'ransferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1935

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 603, B-Wing, Skywalker, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12438|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gaurishankar Sarat and Mrs. Santosh G. Saraf.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II 37EF1: 2124|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 104, 1st Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow Road, Versova Andreu (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 104, 1st Floor, 'B' Wing Sea Shell, Seven Bunglow Road, Versova Andheri (V'), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II 37EE 12424 84-85 on 14-9 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

(1) Mis. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mrs. Ramkali Dhanania.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12419|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 702, 7th Floor, 'A' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:-94-126 GI|85

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, 'A' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37LE|12419|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

(1) M|s. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mr. Pitamber L. Dhanania.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12420|81-85 —Whereas, I. A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 701, 7th Floor and Parking Space No. 9, 'A' Wing, Sea Shell, Versova, Seven Bunglow Road. Andheri (W), Bombay-400 053. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-and Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the action (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7h Floor and Parking Space No 3, 'A' Wing, Sea Shell, Versova, Seven Bunglow Road, Andheri (W), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 37EE 12420 84-84 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 7-5-1985

Seal .:

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mr. Sureshkumar Shivkumar Choudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12421|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No 504, 5th Floor, and Parking Space No. 13, 'B' Wing, Sea Shell, Versova Seven Bunglow Road, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the proses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid, persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever seriod expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, and Parking Space No. 13, 'B' Wing, Sea Shell, Versova, Seven Bunglow Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12421|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1985

Scal r

(1) Mis. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Devendra Salian.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12845|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 604, 6th Floor,
'B' Wing, Sea Shell, Versova Seven Bunglow Road,
Andheri (W), Boinbay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have hot been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th Floor, 'B' Wing Sea Shell, Ve Seven Bunglow Road, Andheri (W), Bombay-400 058. Versova.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12845|84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mr. Surendrakumar Terhoon and Mrs. Sushilkumar Tarhoon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985,

Ref. No. AR.II 37EL 12425 84-85---. Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, 1st Floor, 'A' Wing, Sca Shell, Seven Bungalow Road, Versova, Andheri (W), Bombay 400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforces persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neven are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 1st Floor, 'A' Wing Sea Shell, Seven Bunglow Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12425|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority ecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269°D of the said Act to the following porsons mamoly :-

Date: 7-5-1985

Scal:

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Surendrakumar Terhoon and Mrs. Sushilkumari Terhoon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITE)N RANGE-II EC BAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12426|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 502, 5th Floor,
'A' Wing, Sea Shell, Versova Road, Andheri (W),
Seven Bungalow, Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th Floor, 'A' Wing Sea Shell Versova Road, Andheri (W), Seven Bunglow, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12426|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely:-

Date: 7-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

AR.II 37EE 12422 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 102, 1st Floor,
'A' Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versova,
Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mr. Kersi Jal Anklesaria and Mr. Jal Hormusji Anklesaria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, 'A' Wing Sea Shell, Seven bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12422|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shashidevi Sureshkumar Chaudhary (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|12844|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503, 5th Floor and Parking Space No. 12 in

'B' Wing, Sea Shell, Versova, Seven Bungalow Road, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferoi to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the carre meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor, and Parking Space No. 12 in 'B' Wing 'Sea Shell' Versova, Seven Bungalow Road, Andheri Wing 'Sea Shell' Verse (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12844|84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

(1) Ms. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UND

TO POST OF HIE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gaurishankar Choudhary and Mis. Reeta G. Chaudhary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No $\;$ AR II|37EE|12423|84-85.—Whereas, I, LAXMAN $\;$ DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs 1 00 000/- and bearing Flat No. 103, 1st Floor. 'B' Wing Sea Shell, Seven Bungalow Road. Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AP of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bungalow Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. Seven

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12423 84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-II' nbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the follows: persons, namely :-

95-126 GI 85

Date: 7-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M|s. Kaushik Kombine,

anne dell'amminia amminia dell'amminia dell'

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12696|84-85 ---- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 104, 1st floor, Ivory Heights Plot No. 1, S. No. 41 (Part), Four Bungalows Versova,

Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Ivory Heights, Plot No. 1, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement nas been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12696|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

.

FORM ITNS-

(1) Ms. Lokhandwala Premises Private Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Niteen Vidhyadhar Godboles

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bornbay, the 7th May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|12698|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 704, 7th Floor, Harmony-B. Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement in registered

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

Flat No. 704, 7th Floor, Harmony-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12698|84-85 on 22-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1985

(1) M|s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Krishan Pratap Malik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12857 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

on 26-9-1984

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 603 and 60-, 6th Floor, Sterling Tower, Plot No. 36. Survey No. 41, Oir Village Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bonbay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, and 604, 6th floor, Sterling Tower, Plot No. 5, Survey No. 41 Off Village Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 12857 84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-II Bombay

Date: 7-5-1985

(1) Ms. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Duggal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR, II | 37 | E | 11473 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Comp teat Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said. 'ct , have leason to be leve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 803 and 804, Sterling Tower, Plot No. 36, Off Jay Prakasa Road, Near Four Bungaiows, Andheri (West), Boutbay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been tansiered and the agreement is rejistered under Section 26)AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a posted of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 803 and 804, Sterling Tower, Plot No. 36, Off Jay Prakash Road, Near Four Bungalows, Andheri (W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]11473[84-85] Authority, Bor on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-II Bombay

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mrs. Saamistha Ashwin Shah & Others.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR II|37FE|12694|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st Floor, Harmony-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-406 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Harmony-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]12694[84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-II
Bombay

Date: 7-5-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Moanvanapalli Venugopal and Mr. Mala Venugopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]10514[84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Sanjeev Towers, Behram Baug, Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part) Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sanjeev Towers, Behram Baug, Andheri-Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 10514|84-85 on 4-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresato property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheila Joan Fernandes & Others.

(Transferee)

GUVERNIE STOP INDIA

OFFICE OF THE PERFECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bonbay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12694|84-85.—Whereas, I,

LANMAN DAS, bein the Computer Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

prop ity having a fair market value even line 1/0 000 - and bearing Flat No. 103. 1 - Floor, Home Court. Plot No. 336, S. No. 41 (Prit) For Bangalow, Versova, Andheri (W), Bombay-

has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Art 1961 in the office of the Comortem Authority at Bombay on 22-9 1934

for n ann rent considuration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for a literater as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the specification is they take under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; 25.3/ce
- (b) feelilitating the concealment of any income or any timeys or other assets viice have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-lax ct, 19"7 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcressid properts by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Home Court, Plot No 336, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Aut' ority, Bombay unde 12693 84-85 on 22-9-1984. under Serial No. AR.II 37FE

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-5-1985

(1) M_Is. Loknandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Inderpal Kaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12928|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 203, IInd Floor, Symphony-B. Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bom-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compe ent Authority on 29-9-1984.

for an epparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—126GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Symphony-B, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial, No. AR.II 37EE 12928 84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-5-1985

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(2) Shri Satish Ramkrishna Mangaonkar

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13239|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No. Flat No 002, Bldg. No. A-7, Apna Ghhar Unit No. II CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samartha Ngr. Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), he has been transferred and the agreement is recriptered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

21-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ad Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act us respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 002, Building No. A-7, Apna Ghar Unit No. Il Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 13239|84-85 on 21-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the 'ridian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

rrow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985.

Seal

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Arun Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12851|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being 'the Competent. Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 108, 1st Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 'Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Prime Rose, Plot No. 308, S. No. 41 (Part), Four Bungalows. Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/ Authority, Bombay und 12851/84-85 on 26-9-1984. under Serial

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

FORM ITNS----

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

Mrs. Dodrumies Zamentis Wari

(2) Mrs. Badrunnisa Zararulla Kazi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR.II,37EE,12929,84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000 - and bearing

Flat No. 307, 3rd Floor, Montana, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd Floor, Montana, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/12929/84-85 on 29-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Monocast Developers and Builders.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

(2) Shri Pyarelal Ramraj Yadav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE|12702|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Silver Anklet, Yari Road, Versova. Andheii (W), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedulé annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and low
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Silver Anklet, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II/37EE/12702/84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 7-5-1985

The state of the s

FORM ITNS-

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Quality Dyeing.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10433|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B' of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing
Unit No. 30/ME, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1901 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority it

Bumbay on 4-9-1985

for an epparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 30/ME, Laxmi Industrial Estate New Link Road Extension, Andheii (W), Bombay 158

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No AR.II/37EF/ Authority, Bombay un 10493 84-85 on 4-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore in pu su time of Section 269C of the said Act. I hereby intrate proceedings for the acquisition of the aforested property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date · 7-5-1985 Seal

(1) M/s. Monocast Developers and Builders. (Transferor)

(2) Shri Panchanlal Lalta Prasad Sharma. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(N) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12692|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Silver Anklet, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ask under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions raid herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Silver Anklet, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial 12692/84-85 on 22-9-1984. by the Competent No. AR.II/37EE/ Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date': 7-5-1985

(1) M/s. Prakash Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs Gulbanoo Hasanali Lalani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No AR.II|37FE|12731|84-85 - Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Rs 100,000/- and bearing
Shop No. 20, Ground Floor, Amit Nagar, Yari Road
Versova, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) In the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Shop No. 20, Ground Floor, Amit Nagar, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde Serial No AR II/37EE/12731/84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Steelrock Engineering Works.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12940 84-85. Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding s. 1.00 000]- and bearing Unit No. 4-F, Laxmi Industrial Estate, New Link Road,

Extension Andheri (W), Dombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the .liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which-ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons, namely --97-126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4-F, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial 12940/84-85 on 29-9-1984. No. AR.II/37EE/

> **LAXMAN DAS** Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-5-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. K. Engineers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11029|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing
Unit No. 15/L, Laxmi Industrial Estate, New Link Road,
Extension, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15/L, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri (W), Bombay-58. by the Competent

The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial 11029/84-85 on 5-9-1984. No. AR.II/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 7-5-1985 Seal:

· (1) Ms. Chouhan & Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sukh Dev Singh Patiyal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11469|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, 'A' Wing, Sajid Tower, 58|59, S. V. Road, Amboli, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37-EE|11469|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Poonam R. Kumar & Mr. Ravi Kumar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II₁37 EE|10453|84-85.—Whereas, I, LAXMAII DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.
Flat No. 104, Homestead, Plot No. S No. 41 (Part), Four Purpolary Computer Section 269B of the Power Section 269B of the Incomplete Section 269B of the I

Bungalows, Bombay-58 s tua ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement s registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair maket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in mstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) (aculitating the concealment of any income or any neneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. -104, Homestead, Piot No.-337, S. No.-41 (Part), Four Bungalows, Versova. AnJheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37-EE/10453/84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 1H.3 INCPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

QUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref No AR-(1)37-Eb|10452|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authrity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Flat No. 702 wth Terrace Homestead, Plot No. 337, S. No. 41, Bungalows, Versova, Andneri (W), Bombay-58 situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran Eurod and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair therefore value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the laid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Paresh Family Trust, Trustee. Mr Om Prakash Mital and Mrs. Sushila D. Mital.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 with Terrace, 7th Floor, Homestead, Plot No. 337, 5. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37-EE|10452|84-85. on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-5-1985 Seal:

- (1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
- (Transferor) (2) Mrs. Sushila Khimesram & Mr. Sanjay Khimesra. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/12855/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 204, 2nd Floor, Greenfields Plot No.-333, S. No. 41 (Pati), Four Bungalows, Oshiwara, Verseva, andheri (W),

Bombay-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) h is been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any cf the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of; 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.-204, 2nd Floor, Greenfields, Plot No-333, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12855|84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt., Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yagnesh J. Rana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12852|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Flat No. 404, '' F' S' Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four 'I Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. '

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Symphony-B, Plot No. 344, S. No. 41 (Part) Four Bangalows, Oshiwara, Versova, Andehri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II|37-EE|12852|84-85 on 26-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-5-1985

(1) Mrs. Gauri Ramesh Chhugani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vashdev Kishindas Kalra and Mrs. Vcena Vashdev Kalra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|10290|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometat Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable prop ity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing No.
Flat No. A-43, Sunil N was Co-op H g. Soc. Ltd 89-90, J. P.
Road, Nort Four bungalows, Ardheri (W), Bombay-490 058

situated at Bombay

(and more fu'ly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair marke' value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

" facilitating the concealment of any income or any unnews or other assets' which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 & 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A#3, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 89-90 J. P. Road, Near 4 Bungalows, Andhert (W), Bo nbay 400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III37-EE 10590 84-85. on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

Date: 7-5-1985

FORM ITMS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11062|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 42, 4th floor, Jasmine Apartments, S. V. Road,
Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office cf the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. androw
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Haji Noormohmed Haji Adam

(Transferor)

(2) Mr. Mohmed Yakub Mohmed Hussein.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of het said propery may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Jasmine Apartments, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11062|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—98—126 GI|85

Date: 10-5-1985

(1) Mis. Suriya Shait.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohinder Singh Rajpal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]10606]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|

and bearing
Flat No. 203, 2nd floor, Golden Chariot Co-op. Hsg. Soc.
Plot No 15-5 A & B Survey No. 41 (Part), Versova,
Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Golden Chariot Co-op. Hsg. Soc. Plot No. 15-5 A & B Survey No. 41 (Part), Versova, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10606|84-85 on 5.0.1084 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Rajesh Chellaram Madnani.

(Transferor)

(2) Prem Kaur Duggal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11482|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1002, 10th floor, Gambs Towers 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. the Competent Authority at Bombay on 11-9-T984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property and of the property affersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1002, 10th floor, Gambs Towers 4 Bungalows, Versova. Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11482|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11475|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. A|302, Building No. 31, 3rd Floor, Manish Chaitali
Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar 4 Bungalows, J. P.
Road, Andheri (W) Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Secion 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority

at Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. Kishan Narayan Lingarkar,
 - 2. Ramesh Narayan Lingarkar and
 - 3. Chandrakant Narayan Lingarkar and

4. Madhukar Narayan Lingarkar.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Nishi A. Banga and 2. K. C. Banga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same researing as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|302, Building No. 31, 3rd Floor, Manish Chaitali Co.op Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 11475 84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985

1) Mr. Inhasnoor B. Kalefey

(Transferor)

(2) Dinesh Sanjiva Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10427|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immer-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 202, 2nd Floor, Building Sunswept-A, Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri

(W), Bombay-400058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Building Sunswept-A, Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10427|84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Shridhar M. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohanlal Arjundas Vijan Mrs. Bhagirathi S. Vijan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10460|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value

able property, having a fail marke value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. E-2, Ground Floor, Gita Prakash Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 143|2|A, J. P Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. E-2, Ground Floor, Gita Prakash Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 143|2|A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10460|84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-----

(1) Mr. T. P. John and Mr. T. P. Mathews

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. F. S. Kapadia

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. II[37EE]10463|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 207, Nirman Cottage, Yari Road, Plot No. CTS-1036, Versoya, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income stricing from the transferer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Nirman Cottage, Yari Road, Plot No. CTS-1036, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE10463|84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM NO. ITNS----

(1) Mr. Jaikumar Joshua.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmal Devi Mr. Manmohan Kumar and Mr. Shwini Kumar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12453|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

14|A, Evershine Apartments No. 2, J. P. Road, Near Pratap Colony, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14|A, Evershine Apartments No. 2, J. P. Road, Near Pratap Colony, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE]12453|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-17 Rombay

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Mohini R. Ramachandani.

(Transferor)

(2) Mrs. Shaila Singh and Jaysree Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12527|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 305, 3rd Floor, Building Belmont, Plot No. 340
S. No. 41 (Part)' Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the means tay Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-9-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-
 - (a) facilitating the feduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MDG /CV
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
99:—126 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said memorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Crapter

THE SCHEDULE

S. No. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058. Flat No. 305, 3rd Floor, Building Belmont, Plot No. 340

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12527|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Surendra P. Singh Mrs. Sheila Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subhash Salariya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12507|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority, under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 205, Sea Creast II, Seven Bungalows, Versova Rd., Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay cn 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tre Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 205, Sea Creast II, Seven Bungalows, Versova Rd., Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12507|84-8517-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal: 1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Om Prakash Agarwal.

(Transferor)

(2) Joginder Singh Bamraha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12501|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 308, Building No. A-21, 3rd Floor, Apna Ghat Unit No. V Co.-Op. Hsg. Soc. Off J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Building No. A-21 Apna Ghar Unit No. V Co-op. Hsg. Soc. Off. J. P. Road Andheri (W), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12501|84-85 on 17-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Thakordas Vithaldas Karia and Mrs. Sheila Thekordas Karia.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhun Noshir Dhalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12125|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 404, Versova Chetna Co-op. Hsg. Soc. 4th Floor, Off J. P. Road, Andheii (W), Bomoay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 404, Versova Chetna Co-op. Hsg. Soc. 4th Floor, Off J. P. Read, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Compathority, Bombay under No. AR.II|37EE|12125|84-8514-9-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 10-5-1985 Seal:

(1) Inder Kumar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devendra Nath Dhody.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

"ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12104|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,700/-

and bearing Flat No. 1104, 11th Floor, Building Known as Mount Building, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

bus been transferred and the agreement is registered under section 269/1B of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1104, 11th Floor, Building Known as Mount Building, J. P. Road, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12104|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date : 10-5-1985

(1) Mr. Vijay Manglani

(Transferor) (2) Mr. F. M. Mistry and Mrs. H. F. Mistry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|12779|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. A-24, Building "A',' 2nd Flr., Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 89 and 90, Four Bunglows J. P. Road, Andheri(W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 124.0.1084

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a. given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-24, Building 'A', 2nd Floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 89 and 90, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (W) Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12779|84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-5-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mrs. Asha Guru Bachanlal Arora
- (Transferor)
- (2) Mrs. Roshan Nawab

(Transferee) ·

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RÂNGE-II ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|12652|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 405, Sagar Tarang, 4th Floor Picuic Cottage Versova Road Andheri(W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in

the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the chieft of : the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 405, 'Sagar Tarang, 4th Floor Versova Road, Andheri (W), Bombay-400 058 Picnic Cottage The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI|37EE|12652|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay 8 1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs. persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok S. Rohra and Shri Gopichand S. Rohra

(Transferor)

(2) Shri Shamji Shivji Nishar and Shri Shivji Parbat Nishar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|1062|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beaung No. Shop No. 33, Plot No. 7/8, Manish Nagar Four Bungalows, J.P. Roed, Andheri(W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen: Authority at

Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period ot 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Shop No. 33, Plot No. 7/8, Manish Nagar Four Bungalows, J.P. Road, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10626 84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-5-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ashu Engineers and Plastics Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. K. Narayan and Mrs. L. Vijaya Narayan (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12534|84-85.—Whereas, Î; LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 301. Blue Chip Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Blue Chip Apartments,, 6D Barfiwala Road Juhu Lane, Andheri(W), Bombay-58/

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe thta the fair market value, of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Blue Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Blue Chip Apartments. 6D Barfiwala Road, (Juhu Lane,), Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12645|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-II Bambay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
100—126GI|85

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. P. hadur Jamashedi, Hansotia

(Transferor)

NOTICE 'NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1 \ \CT 1561 (43 OF 1961)

12 * 1 Kinta Valvasa ar Tingu I

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIO IP OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBIN

Bombar, the 10th Mr. 1985

Ref. No. AR II 371 F, 1708 84-85. -Whereas, LAXMAN, DAS

being the Connected A notify sides Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and betting No.

Flat No. 108, 1st Floor, Building No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1 Co-m. H.g. Sci. t. Fratt Ro. 1 ver ova, Vidheri (W) Bombay 400058

(and more ully decribed in the Schedule ann xed hercto),

has been a insferred

and the assumert is registered index Section 269AB of the Income-t x set 1961. If o 1961 in the office of the Competent Authority a

Bomba, on 5-9-1981

for an apparent c neith that with it less than the fair market value of the third resaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the ordination or vasion of the liability of the transferior to pay the ordination said Act, in respect of no rome strains it wil the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughts be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922, or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made a writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days com the date of the publi-ation of this was a more Calletal Gazette

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are degreed in Chapte XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

Fat No. 108, 1st Floor Building No. 1, Zakaria Aghadi Negar No. 1 Co op. Hsg. Soc. 1 td., Yur. Road, Versova, Andb. 1(W.) Bombay-58

incement his ben roomstand by the Competent Authority Bombay under No NR II 3771 10598'84-85 on 5-2-1984

> I AXMAN DAS Connetent Authority inspruing Asiatant Corruissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing per one namely:

Date 10 5-1985 Seal

(1) Mr. Subhash Salatiya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Gian Devi Dharamchand Tikiya -M1. Rajander Kumar Dharamchand Tikiya. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE • INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR II,10455 84-85, -Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 303, Sea Crest II, Sea Crest Co-op. 11sg. Soc Ltd., Seven Bunglows, Versova, Andheri(W) Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred. has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly seed in the said matrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tur Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Sea C'est II. Seacrest Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Seven Bunglows, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 10455 84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Tarla K. Patel and Mr. Kanti N. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2) Mr. Ajit Mansukhlal Ambani and Mrs. Pratibha ajit Ambani

(Tiansferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|10478|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Flat No. 5, Floor No. 1, Thackers Apartments, 203 C O Barfiwala Marg. Andheri(W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the correlatment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Floor No. 1, Thackers Apatments, 203 C D Barfiwala Marg, Andheii(W). Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR II 37EE 10478 84-85 on Authority, 3-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init are proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :--

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Bipin Amrutlal Shah

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Prabodhini Jaykumar Shukla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|10433|84_85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.60,000|- and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor, Jamuna Apartments, Andheri(W),

Bombay-400058

has been transferred.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- '(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in, respect of any income arising from the transfer: · DAMESTA andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leser:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Jamuna Apartments, Andheri(W), Bombay-400-058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10433|84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Ravindra Thappar, Mrs A-una S Ku.nai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravindra Thappar, , Miss Atuna S. Kumat

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMÉTAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

RGI. ARJI 3717-11104-84-85.—Whereas, I. AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income... Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 - and learing

Shop No. 6 Building V. Cir Hu., Zakaria Aghadi Nagar Versova Ansh 17 W). Bombay-400 058

Shop No. 8, Eldg. A. Gr. Fld. Zobai Aghadi Nagar, Yari Rd. Andhe (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been a seried and do a remember is registered under Section 209 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Councilett Authority at

the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9 1 84

for an approper consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that in any market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tild en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome arising from the trasfer: sat/or
- (0) is making the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are 'defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested a the said immov-

oble property, within declars from the date of the publication of this notice in the Officer

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned':-

whichever period expires later;

THE SCHEDULL

1. Shop No. 6, Building J. Ground Floor Zakaria Aghidi Nagar, Versova, Andherr(W). Bombay 490 058 2. Shop No. 8, Building A' Ground Floor Zohar Aghadi

2. Shop No. 8, Building A. Ground Floor, Zohar Aghadi Nagar, Yan Cane Versova, Andheri (W). Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay ander No. AR II 37EE 11104;84-85 on 10-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, hereto ϵ , in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act to the following spersons, namely:—

Date . 10-5-1185

Seal *

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Gumanmal Tikuchandji Vanigota

(Transferor)

NOTICE UNDER SFCTION 269D(1) OF THE INCOMF-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Ramesh Chimanlal Shah and Smt Chandraben Chimanlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAY ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR II|37EF|12103|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the ime movable property, having a fair market value 'exceeding Rs 1,00,000] and bearing No Flat No 207 2nd Floor Himachal Juhu I ane. Off Swami Vivekanand Road, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

vivekanand koad, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is regulered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an appearant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made n writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- F PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the topisferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Flat No. 204, 2nd Floor, Himachal, Juhu I ane, Off Swami Vivekanand Road, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II 37EF 12103 84-85 on 11-9-1984

THE SCHEDULE

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiction Range-II

Now, the efore, in nursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid toperty have issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Date · 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ajit Kansukhlal Ambani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref.: AR, II|37EE|10559|84-85.—Whereas, I,'
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveble property having a fair moveter very large dismovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 404, Himachal, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-

(and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement's registered under section 269AB of the Income-in Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be in trul, stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr Solab Jamshid Mubaraki and others (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Himachal, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under No AR II 37EE 10559 84-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 10-5-1985

Bombay on 5-9-1984

FORM ITNS-

(1) Mrs. Kulsum Abdul Deria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay Purshotamdas Siroya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref: AR.II|37EE|11093|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 6, Himachal Bldg. Gr. Flr., Juhu H'machal Co-dp. Hsg. Soc. Ltd. Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
101—126G185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons. whichever-period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Himachal Bldg., Ground Floor, Juhu Himachal Co-op Hsg. Soc. Ltd. Ground Floor, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400-058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombey under No. AR, II 37EE 11093 84-85 on 5_9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shri Rameshbhai S. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhruvkant Kanji Jadhav

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. AR II | 37EE | 12563 | 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 103|B, Ground Floor, S. V. Road, Andheri (W),

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfer ed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 103 B, Ground Floor, S. V. Road. Andheri(W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR, II | 37EE | 12563 | 84-85 on Authority, 17-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Jayanthi S. Kamath

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uma Rani Garg,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Ref: AR.II|37EE|12780|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196L) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immove t able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No.-6A, 2nd Floor, Ujamba CHSL, Jogeshwari(E),

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- , (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: WINT /OT

THE SCHEDULE

Flat No.-6A, 2nd Floor, Ujamba CHSL, Jogeshwari(E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR, II 37EE 12780 84-85 on 24-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) Usha Balkrishna Kalkhamkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Safari Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12916|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201 Plot No. 740, 7th Road T.P.S. III, Santacruz

(E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is reignstered under section 269AB of the Income that Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29_9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Plot No. 740, 7th Road T.P.S. Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]12916]84-85 on 29-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

(1) Dr. Rashmikumar Babulal Vora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Safari Builders.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II 3777 12841 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 7th Road, T.P.S. III, Santacruz(East) Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transformed.

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have rason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7th Road, T.P.S. III, Santacruz (East), Bombay-55.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12841|84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Shri Amar R. Gera & Prema, A Gera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash I. Gangwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12564|84-85.---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 6, Radha Niwas No. 718|2, Khar-Pali Road, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and |o_T
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oother assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Radha Niwas Plot No. 718 2, Khar-Pali Road, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12564|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Shri Madan Doulatram Harjani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Beena Hiranandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11080|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 2 on 12th Floor, 'C' Wing, in 'Kanti Apartments at Mount Mary Road, Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay-400 058 on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays period from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 12th Floor, 'C' Wing in 'Kanti Apartments' at Mount Mary Road,, Bandra Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|11080|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 10-5-1985

(1) Mis. Bipy Enterprises

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Glaze Systematics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10411|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Gala No. 203, 2nd Floor, New Shreepal Premises CHSL, Shreepal Industrial Estate, Oshiwara, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 203, 2nd Floor, New Shreepal Premises CHSL, Shreepal Industrial Estate, Oshiwara, S. V. Road, Jogeshwari(E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Author tv Bombay under Serial No. AR.II 37EE 10411 84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-5-1985

(1) J. N. Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1985

Ref: AR.II|37EE|12796|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000₁- and bearing
Flat on 2nd Floor together with a garage of the residential building at "Shishir" 15A Juhu-Tara Road, Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at

Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

102--126GI|85.

(2) 1. Kalyanji Shamji Gala

2. Mrs. Sobhna Kalyanji Gala,

3. Master Bhavin Kalyanji Gala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

'Flat on 2nd Floor together with a garage of the residential building at "Shishir" 15-A, Juhu-Tara Road, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 12796 84-85 on 24-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-5-1985

Seal

- (1) Mls. Samartha Development Corporation (Transferor)
- (2) Shri Sudhir Damodar Jadhav

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12886 84-85. - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 007, Ground Floor, Building No. B-1, Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Robbey.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 007, Ground Floor, Building No. B-1, Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road. Opp. Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II 37FE 12886 84-85 on 28-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12924 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 308, 3rd Floor, Building No. A-22, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 LAXMAN DAS,

29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as extract to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Kumar Newton A. Remedios and Smt. Maria Florinda Remedios.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd Floor, Building No. A-22, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samertha Nagar, Off J.P. Road, Opp: Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12924 84-85 on 2939-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Dated: 7-5-1985

Scal:

- (1) Mls. Samartha Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Kamalakar Harichandra Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|12887|84-85.—Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

Rs. 1,00.000 and bearing No. Flat No. 402 4th Floor, Building No. A-19, Apna Ghar Unit No. 5, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bunglows. Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed here:0) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-84

28-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 402, 4th Floor, Building No. A-19, Apna Ghar Umt No. 5, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shre Swami Samartha Nagar, Near Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12887|84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12674|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No Flat No 404, 4th Floor, Building No. A-22
Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
Oshiwara, Near Four Bunglows, Andheri (W),
Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s Samartha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Mr. Mahavirprasad Jagannath Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Fourth Floor, Building No. A-22, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Near Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12675|84-85 on 210 1084

21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated · 7-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12673|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. 403, 4th Floor, Building No. A-8 Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc Ltd. Oshiwara. Shree Swami Semaratha Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bunglows Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Ms. Sama tha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Mr. Ramesh Pandurang Ramgade. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever fried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nc. 403, 4th Floor, Building No. A-8, Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12673|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-5-1985

(1) Ms. Samartha Development Corporation, (Transferor)

(2) Smt. Aparna Vivek Talpade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985 Ref. No. AR.II|37EE|12885|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. bearing No. Flat No. 203, 2nd Floor, Building No. A, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J.P. Road, Opp Four Bunglows Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Building No. A-24, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samaratha Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bunglows, Andieri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been regiver to by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12885 84.85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Asian Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12508|—Whereas, I, LAXMAN DAS

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.0 0 000/- and bearing bearing No. B-503. Lila Apartments, Yari Road, Versova. Opp: Gulmohar Gardens Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

(2) Mr. Mukesh I. Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No B-53, Lila Apartments, Yari Road, Andheri (W), Versova, Opp. Gulmohar Garden, Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Compe-Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12508|84-85 17-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-5-1985

(1) Ashok G. Khiran.

(Transferor)

(2) Gianchand Haramoir Kewalramani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11033|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable recognity by the competence of movable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. bearing No. Flat No. 1301-B, Brighton Tower, Flat No. 1301-B, Brighton Tower, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Rombay 400,058 exceeding

Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act,, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ct, to the following persons, namely :-

103—126GI 85

Objections, if any, to the acquisition, of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1301-B, Brighton Tower, Plot No. 356, S. No. (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), 41 (Part), Four Bungalows, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II|37EE|11033|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-5-1985

Scal:

(1) Master Bhupinder J. Chopa.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok V. Gandhi and Mr. Rajesh V. Gandhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. AR.II|37EE|12786|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 503, 5th Floor, Building
Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41 (Part),

Four Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (a) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor, Building Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE 12786|84-85 on 24-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:---

Date: 9-5-1985

(1) Mrs. Vina J. Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Micheal D'Souza and Mrs. Annie D'Souza. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10424|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS -

being the Competent Authority under section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 501, 5th Floor, Building Concord-A,
Plot No. 16, S. No. 41 (Part), Four Bungalows.
Versova, Andheri (West), Penning-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Buiding Concord-A, Plot No. 16, S. No. r1 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10424|84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Prakash R. Ramachandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Surendra Pratap Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|12528|84-85,—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-] and bearing Flat No. 306, 3rd Floor, Building Belmont, Plot No. 340, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transformed and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd Floor, Building Belmont, Plot No. 340, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12528|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

(1) Maya Ram Hingorani and others.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vora Anshuman Navinchandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12656|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. 606, 6th Floor, Building Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

21-3-1904
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th Floor, Building Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12656|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said, Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Sumenkumar Bhaichand Gosalia.

(Transferor)

(2) Ashria Ramanlal Bosalia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10611|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immorety having a fair market value exceeding as the Said Act), nave reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 6, D-Building, New Chandra
Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Off Veera Desai
Road, Andheri (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the schedule annexed hereto,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the alquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 6, D-Building, New Chandra Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10611|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Vithal Kampara Mandon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagannath Girdhar Patil

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref No. AR.II|37EE|13237|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 54|A, Vandana Shree Mahalaxmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Amboli V. D. Road. Andheri(W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the competence. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Vallerin at Bombay on 17-9-1984 section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54 A, Vandana Shree Mahalaxmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Amboli V. D. Road. Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|13237|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 9-5-1985

(1) Uttam Ravji Gada

(Transferor)

(2) 1. Jose Francis Pereira 2. Mrs. Damacin Pereira

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11107|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |- and bearing

Flat No. 19, Andheri Jay Bharat Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Ceaser Road, Andheri(W), Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Andheri Jay Bharat Co-op. E. Ceaser Road, Andheri(W), Bombay-400 058. Hsg. Soc. Ltd.

has been registered by the Competent under No. AR.II|37E7|11107|84 85 on

10-9-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS ---

- (i) Ms. Goel India
- (2) Ranjit Kumar Roy

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12531|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 502, 5th Floor, Building Regency-A, Plot No. B-?,
S. No. 41(Part), Four Bunglows, Versova, Andheric W),

Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'al facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the *aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--104-126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th Floor, Building Regency-A, Plot No. B-3, S. No. 41(Part), Four Bunglows, Versova, Andheri(W), Boinbay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12531 84-85 on 17 9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date · 9-5-1985

(1) Kumari Pooja Sharon Fozdar

(Transfero₁) (Transferee)

(2) Mrs B Mudaliar

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BCMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11032|84-85.—
Whiteas, I, I AAMAN DAS, being the Competent Aut cur's under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the soliday have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Tiar No. 702, 7.1 Floor, Banding Halmony B. Flot. No. 343, S. No. 41(Part), Four Bunglove Versova, Andrea (W), Bombay-400.053 (and mele tully described in the Schedule annexed hareto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombly on 7-9-1984 for an inparticle cased ration which is less than the fair market value of the aforesind projectly and I have reason to believe that the fair inparticle value of the property as afore-Ref. No. AR.II|37EE|11032|84-85.-

transfer with the object of

to believe that the fair mail of value of the property as aforesaid exceeds the apparent or rederation therefor by more than fifteen percent of such apparent cound ration and that he consideration fo such transfer as larged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facultating the leadlevon or evasion of the liability of the tran feror to may tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any ir come or any reor evs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate place dangs for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .___

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ** bever period expires later;
- (b) by any other person interested in the good immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used here'r as are defined in Chapter XXA of the buil Act, shall have the same meaning or given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, Building Harmony-B, Plot No. 343, S. No 41(Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W) Bombay-400 058

The agreement has been restered by the Corme ent Apphority, Bombay under No. AT II 3/EE 11082 21-85 on The agreement has been re stered 7-9 1984.

> LAXMAN DAS Acquisition Re restV Inspecting Assistant Commissioner of Incomit v Acquisition Paner II, Borbay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II,37EE 10420 84-85.— Watereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.), have recon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000and bearing

and bearing
R. 1,00,000|- and bearing
Fit No. 22, 6th Floor, 'A' Wing, Buildidg Proposed Ashir-wad, Oshiwara Andheri(W). Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Romtay on 1-9-1984
to a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considerating in such bains a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the bability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand lov
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-. irg persons, namely:-

(1) Sohanlal Sheshmal Jain Vimlaben Sohanlal Jain Jyotshna Prakash Jain

(Transferor)

(2) Mr. Kishore L. Motwani Mrs. Reshma K. Motwani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazute.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 22, 6th Floor, 'A Wing, Buildidg Proposed Ashirwad, Oshiwara Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10420|84-85 on 1-9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date · 9-5-1985

FORM J.T.N.S.-

(1) Mrs. Vimladevi R. Goyal and other

(Transferor)

(2) Ahmed Khan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Rci. No AR.II|37FE|12559|84-85.— Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 602, 6th Floo, Building Concord-A Plot No.
S. No. 41(Part), Four Bungalows, Versova, Ardhei: Versova, Ardher:(W).

Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Object.ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pablication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Building Concord-A, Plot No. 16, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Versova, Andheri(W). Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE|12559 84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Kulwant S. Arora.

(Transferor)

21719

(2) Mr. Archibald L. Menezes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12850|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. A|3, Ground Floor, Sunil Niwas, Co-op. Hsg. Soc.

Ltd., J. 400 058. J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovement able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A|3, Ground Floor, Sunil Niwas, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., J. 400 058. J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12850|84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely '-

Date ;: 9-5-1985 Seal ;

th dissolventing over the first the second of the second o

FORM ITNS----

egillik vyrogygolikala. Private de nysek bis, a grit lillig syvojimi skolikaji kongyproprijaja yr killiga si di Malekaning nya sak saja merekin pilijak siko je dir da private sy produktorio "Malekaning sikolog pilijak siko se je saklaning

(1) Mi Clifford J. Correa.

a fransferd. I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Si ipati H. Ghosh and Sumitra S. Ghosh.

(Transferee)

tt.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II: BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12576|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. C|127, Anjali Building, Survey No. 121, Plot No 2, Behind Janak Deep, J. P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in visiting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid pencies what a pence of 45 days from the date of publication of this notinin the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression and torong a are defined in the state XXA of the said, it, shall have the some in those is given in that Chapter

THE SCHEDULF

Plat No C₁127, Anjali Building, Survey No 121, 161 No 2, Behind Janak Deep, J. P. Read, Seven Bunga cv. Vincola Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Compete to the nority, Bombay under No. AR-IA 275E 12376 84 63 on 18 3-

TAXMAL DY Inspecting Assistant Contribution of Income de Acquireton Report De 1900 o

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I beteby in that properting for the acquisition of the aforesait property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the aid Act to the following persons namely —

Daie 9 1-1985 Seal

and the species and the second FORM ITNS------

(1) Mrh. Anita Narender Umrao.

(Transferor)

(2) Mrs. Reshman A. Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref No AR-11/37EE/11135/84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

o to the Competent Authority under Section 269B of the districtive roll 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to restate the Asia, have reason to believe that the immov this property having a fair market value exceeding 1,00,000 - and bearing

Flat No. F-301, Sameer Apartments J. P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

(Timere fully described in the Schedule annexed hereto' has been transferred and the agreement is registered under Sdcion 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984.

to at appar was sideration which is less than the fair The lane of the design property, and I have reason to have the the the market value of the property as aforeand the transfer of the apparent consideration and that the could atten for such transfer as agreed to between the rules has not been truly stated in the said instrument of anvier with the object of .-

> facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer; and loc

(b) facilitating the concealment of any income or any a tree wither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, in refere, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followug persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said miraovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No F-301, Sameer Apartments J. P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11135|84-85 on 10-9-

1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

and the second s FORM ITNS-

(1) Suresh C. Anada.

(Transferor)

(2) Ranjandas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12688|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 20b|35,3rd Floor, Shri Sajhanand Krupa Co-op. Hsg. Sooc. Manish Nagar, J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability jof the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20b|35,3rd Floor, Shri Sajhanand Krupa Co-op Hsg. Sooc. Manish Nagar, J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II 37EE 12688 84-85 on 22-9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS-

(1) Miss Vimla Naraindas Malkani.

(Transferor)

(2) Raramjit Singh Ailwadı.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10426|84-85.---Whereas,I , LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 501, 5th Floor, Building Accord-A, Plot No. 17, S. No. 17, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri

(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparenet consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Building Accord-A, Plot No. 17, S. No. 17, S. No. 41 Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10426|84-85 on 1-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistan: Competent Solve of Income-tax
Acquisition Rauge-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

105—126GI|85

Date: 9-5-1985

(1) Ms. Aoel India.

(Transferor)

(2) Mr. M. S. Anand,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10481 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the bad Act'), have reason to believe that the immovable immovable in the immovable immovable in the immovable immovable. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Flat No. 505, 5th Floor, Building Regancy A. Plot No. B-3, S. 1 o. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W)

Bombay-400 958.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-9-1984.

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more believe that the fair market value of the property as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ڙه تي
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th Floor, Building Regancy-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|1048||84-85 on 3-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11097|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immoving able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 4-A, Ground Floor, OM-JOSHI Co-op. Housing Soc. Ltd., Lallubhai Park Road, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Fatehchand G. Mehta, Nitin F. Mehta and Mr. Ramesh F. Mehta. (Transferor)

(2) Smt. Sunkara Kanaka Durga wife of Anjaiyan.

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-A, Ground Floor, OM-JOSHI Co op. Housing 500 Ltd., Lallubhai Park Road, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11097|84-85 on 7-9-1001 1984

> LAXMAN, WAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1985

(1) Shri Padmakumar Moreshwar Talpade.

(Transferor)

(2) Mrs. Meeta Bimal Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12863|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 001, Ground Floor, Building known as 'Hari Om

Sai Sadan, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioc of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Ground Floor, Building known as 'Hari Om Sai Sadan, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]12863[84-85 on 28-9-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Comissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Rajendra Laxmandas Panjwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Chandulal Anada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12562|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1, West-End Apartment, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984.

at Bonnody on 17-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, West-End Apartment, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II|37EE|12562|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985 Seal:

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Smt. Shakuntala Jaggi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Indrajit Baruar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12766|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and bearing No

Flat No. D-32, Versova Jyoti Co-op. Housing Soc. Itd., 131/1, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bonibay on 24-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-32, Versova Jyoti Co-op. Housing Soc. Liu., 1311, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12766|84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gul S. Gulrajani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surinder Pal Singh Ahluwalia. Mrs. Paramjit Kaur Ahluwalia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12842|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 6, Building No. 40, Manish Nagar, J. P. Road, Ardheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building No. 40, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement, has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12842|84-85 on 26-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Mrt V. V. Basrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Haresh D. Matwani and Mrs. Anjana Motwani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10621|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 9, Simple Apartment, New Shree Pati Co-op. Housing Soc. Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Simple Apartment, Nav Shree Pati Co-op.

Housing Society Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10621|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Smt. Jaidani T. Narang.

(Transferor)

(2) Mr. Purshotam Pyarelal Rohira

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. AR-II|37EE|10620|84-85-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,000; and bearing

No. Flat No. 34, Building No. 8, 3rd Floor, Versova View Co-op. Hsg Soc. Ltd, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this ies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective s, whichever périod expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, Building No. 8, 3rd Floor, Versova View Coop. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10620|84-85 on

7-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

106-126GI|85

Date: 9-5-1985

(1) Shri Pranvallab C. Desai

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. V. R. Shirvaikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. AR-II[37EE]12678[84-85-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R\!\!\approx\!\!1,\!00.000|\text{-}$ and bearing

No. Room No. 1, Flat No. 1, Azad Nagar Colony, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927):

Mow, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if, any to the acquisition of the said property ay be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the multication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1, Flat No. 1, Azad Nagar Colony, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under No. AR-II|37EE|12678|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

Scal :

(1) Miss Suman A. Nadkarni

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Roshan Noor Mohamed Merchant, and Mr. Raziva Roshan Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. AR-II|37EE|11020|84-85---Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 36-A, C-Wing, 3rd Floor, Old Versova Shanti Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 7 Bungalows, Andheri (W) Rombay-58

Bombay-58

situated at Bombay,
(and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the consideration that the consideration for the consideration and that the consideration for the consideration that the consideration for the consideration and that the consideration for the consideration that the consideration th and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assing from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seed insulavable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in

THE SCHEDULE

Flat No. 36-A, C-Wing, 3rd Floor, Old Versova Shanti Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 7 Bungalows, Andherı (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11020|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

(1) Smt. Chander Kanta Aschorilal Sachdev.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Zubeda Suleman Merchant

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. AR-II|37EE|12875|84-85--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 23|37, Guru Nagar, Ashish Co-op, Hsg. Soc. Ltd., 6th Floor, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate praceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23|37, Guru Nagar, Ashish Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 6th Floor, 4-Bangalows, Andheri (W), Bombay-58
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12875|84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

PART III -SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Shri Asvin Pravinchandra Sanghavi

(Transferor)

(2) Shri Vınod Dolatrai Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ȚAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12132 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

No. Flat No. A|45, 4th Floor, Samir Premises Society Ltd, 169 S.V. Road, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984 for an appropriate consideration.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|45, 4th Floor, Samir Premises Society Ltd., 169, S.V. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered, by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12132|84-85 on 11 9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985 Seal:

(1) Shri Sham Mehta

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti Narendra Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12762|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 2, B-Wing, Flower Bloom Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Veera Desia Road, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Rombay.

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 2, B-Wing, Flower Bloom Co-op. Housing Soc. Ltd. Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12762|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985 ·

Scal:

(1) Mls. Goel India.

(Transferor)

(2) Mr. Mukul Rov

*(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12530 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 501, 5th floor Building Regancy-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Dombor.

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Building Regancy-A Plot No. B-3, S. No. (41—Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12530|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12589|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 410, 4th Floor, Building No. 28-C Wing,
Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect to easy inscene arising from the trans and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following yesone namely:

(1) Mrs. Inderpal Kaur

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Peter Sequeira and Mrs. Clara Sequeira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immercials property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, 4th Floor, 28-C Wing, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12589|84-85,— on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

Seel:

(1) Mr. Suresh Kumar S. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Salim Sadruddin Jiwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12892|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immiovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 10, Rachna Apartments, V.P. Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

107-126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, 'shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Rachna Apartments, V.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EF|12892|84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Ramesh Kripalani.

(Transferor)

(2) Mis. Sudha Doda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12876|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. A|2, Ground Floor, Versova Samer Co-op
Hsg oc Ltd., Behind Avinash, J.P. Road, 7 Bungalows.
Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the east instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|2, Ground Floor, Versova Samer Co-op. Housing Socy, Ltd., Behind Avinash, J.P. Road, 7 Bungalows, Audient (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12876|84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 9-5-1985

(1) Shri Deepak Mathur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishor K. Ganatra and Smt. Geeta K. Ganatra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref No. AR II|37EE|12710|84-85.—wnereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

No Flat No 1, Priya Building, Ground Floor, Juhu Lane,

Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 194 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 57 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1, Priya Bldg, Ground Floor, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12710|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date 9-5-1985 Seal:

(1) Smt. Malatı J. Shukla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AČT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hırubhaı D. Desaı.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF 12469|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No Block No A|6, II A DARSHAN' Co.op. Housing Soc.

Limited, Gilbert Hill, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bomb by on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax w in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whithever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No A|6, 'IDL DARSHAN' Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gilbert Hill. Andheri (W), Bombay-400 05

The agreement has been registered by Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12469 84-85 en 15-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date · 9-5-1985

(1) Mohini Gidwumal through her C.A. H. B. Vasumani.

(Transferor)

(2) Rehmunnisa Peerbox Dawood.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bomby, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12416|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 310 C, Versova Janak Deep Co-operative Society 7, Bungalows Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 310 C, Versova Janak Deep Co-operative Society, 7, Bungalows Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE|12416|84-85 on 14-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985

(1) Anahira Phiroze Chhapgar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ritu Dewan and N. N. Upadyay

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR.II|37EE|12124 84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. F/3, Versova Silver View Co-op. Housing Scalars. 35 J. 2. Road, Versova, Andheri(W), Bombay 400 058, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F|3, Versova Silver View Co-op. Housing Society, 35 J. P. Road, Versova, Andheri(W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR-II|37FE|12124|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, anamely:---

Date: 9-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Associated Engineers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep Kumar.

(Transferce)

GOVERNMENŢ OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomby, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II 3777 12578 8485 — Whereas, I, I VAMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Housing Soc. Ltd., J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an 1/or

(b) facilitating the concadment of any income or any moneys or other assets which have not been or the conclusion of the function of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Object.ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14, Ground Floor Rukmani Purshottam Co-op, Housing Soc. Ltd., J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400058

The agreement has been egistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12578|84-85. on 18-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Ramprasad Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanayalal D. Tanwarmalani.

(Fransferee)

GOVERNMENT OR INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomby, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10413|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 203, 2nd Floor, Brooklyn Co-op, Housing Soc. Ltd., 4 Bungalows, Andheri(W), Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the the office of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Broaklyn Co-op. Housing Soc. Ltd., 4 Bungalows, Audhers (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II|37EE 10413|84-85, on 1-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985

- (1) Mr. Dhaimjit Tulsiram Rattan,
- (Transferor)
- (2) Mr. Chandrakant Anaji Bachhav

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37 EE|10501|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing No. Flat No. 9, Building No. 39, Shree Guru Nagar, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I necessary initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

108-126 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st Floor Building No. 39, Shree Guru Nagar, 4 Bungalows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II]37-EE|10501|84-85 on 4-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS----

(1) Rajiva Kumar

(Transferor)

(2) Mrs. Nargis S. Syal and Miss Jyoti S. Syal

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12452|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 302|C, 3rd Floor, Building No. 9, Laxmi Ratan
Co-operative H.g. vc. Ltd., 4 Bungalows, Off J.P. Road,
Andheri (W), Bomb y-400 058 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfer I and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
the office of the Competent Authority it
Bombay on 14-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; alla/vi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ext 4N4 on: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapte

THE SCHEDULE

Flat No. 302|C, 3rd Floor, Building No. 9, Laxmi Ratan Go-op. Hsg. Society Limited (Four Bungalows, Off J. P. Road. Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII|37-EE|12452|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority In ecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 9-5 1985

(1) Mrs. Vindri G. Khiani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajay G. Kewalramani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11034|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable

and bearing No. Flat No. 1301-A, 13th Floor, Building Brighton Tower, Plot No. 356, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1301-A, 13th Floor, Building Brighton Tower Plot No. 356, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andhori (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11034|84-85 on 7-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 9-5-1085

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II| 57 EE | 11137 | 84-85.-

A Ret. No. AR-III// EE | 1113/|84-85.—
Whereas, I. LAXM AN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No
Flat No. 6, Ground Floor, 'C' Building of New Chandra Coop. Housing So. 1 td. Veera Desai Road, Andheri (W),
Rombay-400.058 situated at Rombay

Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been ransferred roll the agreement is registered unfor Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Comparer Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Maheshchandra Kantilal Sheth Karta of M. K. Sheth H. U. F.

(Transferor)

(2) Mis. Jyoti Haieshkumar Somaiya

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6. Ground Floor, 'C' Building of New Chandra Co-op Housing Societ Limited at Veera Desai Road, Andheri (W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11137|84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 9 5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Vinod Kumar Chopra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Martha Mandhorr

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11035|84-85.— Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, 6th Floor, Building Accord-A, Plot No. 17,
S. No. 41 (Fart), Four Bungalows, Versova, Andheri (W),
Bombay-400 058 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Flor S. No. 41 (Part), Four Bombay-400 058.

1-A, Plot No. 71, Andheri (West).

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11035|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS ---

(1) Mr. Nandlal M. Israni

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Balwant Kaur Virk

(Transferee)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. 140.AR|11|37-££|11038|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

as the sale Act having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 406, 4th Floor, Building Belmont, Plot No. 340, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bonday-400 058 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facinitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in teat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th Floor Building Belmont, Plot No. 340, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-II|37-EE|11308|84-85 on 7-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 9-5-1985

(1) Mr. S. G. Khatu

(Transferor)

(2) Mr. S. S. Panjre

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|10419|84-85.-

Ref. No. AR-II|37-EE|10419|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00 000 and bearing No.
Falt No. 310, D-Wing, 3rd Floor, Vrindavan Veera Desai
Road, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961) in

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competing Cathority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interest by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Object ons, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, D-Wing, 3rd Floor, Vrindavan, Veera Desai Road Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|10419|84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

D* : 9-5-1985

[

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

3X 38 f. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISTION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12757|84-85.-

Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Flat No C-303, Versova Raian Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Plot No 143|2|B, Four Bungalows, Andheri (W), Romby-10058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement a registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Computer Authority at Bombay 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferos to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) recultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 192?) or the said Art. or the Wearh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mi Ashos Mehia and Mrs. Shakuntala Mehta
- (2) Mrs. Sunanda Narayan Raut and Piakash Narayan Raut. (Transferce)

-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice us the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, which periori expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiwith of this notice in the Official Gazetta.

HYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No C-303, Versova Ratan Nagar Co-op. Housing Soc. Itd. Plot No 143|2|B 4 Fungalows, Andheri (W), Bombay 78

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay und 1 \(^1\) o. AR-II[3] EL 12757 84-85 on 22-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of neome-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date · 9-5-1985

Scal:

(1) Mr. Ashok Ramchand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anil J. Paunjabee and others.

may be seeds in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11130|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 605, 6th Floor, Building Accord-A, Plot No. 17, Four Burndows, Vesova, Andheri (West), Bombay-58

situated at Rombac, and the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chi

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th Floor, Building Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11130|84-85 on 10-9-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--109—126GI|85

Date: 9-5-1985

(1) Shri John Rozaria

(Transferor)

(2) Smt. K. S. Atmaramani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11123|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Fiat No. C-1003, Building No. 7. Four Bungalows, Andheri

(W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 25°AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-003, Building No. 7, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-II|37-EE 11123|84-85 on 10-9-1984.

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Shrı Nemchand Dwarkadas Agrawal

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Shiv Prasad Roongta

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12602|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10, 1st floor, Mohotta Building, Plot No. 95, Shri Rajasthan Housing Co-op. Society, J. B. Nagar, Andheri (E),

Bombay-59

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

pactions, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dete of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the faid Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Mohotta Building, Plot No. 95, Shri Rajasthan Housing Co-operative Society, J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12602|84-85 on 18-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Thomas Balthizar Aranha

(Transferor)

(2) Smt. Vasanti S. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12993|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000₁- and bearing
Flat No. 17-B, Bldg. No. 1, Anand Prakash Suyog Co-op.
Hsg. Society Limited, Kondivitta Road, Andheri (E), Bombay59 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
the office of the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid p operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) 'facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIICDULE

Flat No. 17-B, Anand Prakash, Anand Prakash Suyog Co-operative Housing Society Ltd., Bldg. No. 1, CTS No. 75, Kondivitta Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/12993/84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-5-1985

Seal:

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ganesh Developers

(Transferor)

(2) Mr. Sanjiva Karkera

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12555|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, C. S. No. 439, Village Kondivitta Goanthan, 60 D, P. Rd., J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-480 059 situated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions (used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, C. S. No. 439, Village Kondivitta Goanthan, 60 D.P. Road, J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|12555|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Mr. Hasan K. Jiwani

(Transferor)

(2) Mr. Kasamalı J. Jegani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EF|12139|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Gul E-Baug Co-op. Hsg. Society Ltd., Gulmai-A, 2nd floor, Block No. 12, Mount Mary, S. B. Road, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the time market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if seen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of transfer with the chiest of transfer. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gul-E-Baug Co-op. Housing Society Ltd., Gulmar-A, 2nd Floor, Block No. 12, Mount Mary, S. B. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II|37-EE|12139|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985

(1) Shri Ganesh Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Madhumal Ghanshyamdas Sukhani (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12559|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000|- and bearing Flat No 203, C S. No 439, Village Kondivita Goanthan 60 D. P. Road, J B Nagar, Andheri (E), Bombay-400 059 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Atuhority at Bombay on 17-9-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the inhibity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 203, C. S. No. 439 Village Kondivita Goanthan 60 D. P. Road, J B. Nagar, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|12559|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombav

Date: 9-5-1985

(1) Shri Arjan H. Sachadev.

(Transferor)

(2) Smt. Sabita S. Chhabria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|10604|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 52 (Part) Queens Corner Premises 16429 Road Corner Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay in 7-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: fer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the stid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, seasely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Queens Corner Premises Co-op Hsg Co. Plot No. 65, Plot No. 52 (Part 16 & 29 Rd. Corner Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37-EE]10604[84-85] on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-for Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-5-1985

FORM ITNS-

(1) Mrs. Delaila M. Calvalho & Mrs. Hipo o B. Carvalho.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A manager parameter, and as a contract of the contract of the

(2) Mrs. Bertha Maria D' Costa & Mr. Anthony Emilio Rosario D' Costa

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|12481|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 11. 2nd Floor Waroda Apartments CHSL., Plot No. 170, Municipal No. 10, Waroda Road. Bandra, Bombay-

50 situated at Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Atuhority at Bonmbay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Waroda Apartments Co.-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 170, Municipal No. 10, Waroda Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|12481|84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

110--126GI 85

Date: 9-5-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Mrs. Rose Barretto.

(3) Mrs Rose Barretto.

(Transfero,)

(2) Mi Mahesh Manohar Kubal, Mi Manohar Vasudev Kubal.

(Transferee)

OLIC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVELNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

NOUSTION RANGE-II

BOMBAY

Bembay, the 9th May 1985

Ref No AR III37-FF | 12621 | 84-85 — Why car LAYMAN DAS,

by g the Competers Au only under Section 269B of the factors at the 1877 (13 of 1971) (becoinsten referred to as the 141 Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been a referred me the agreement is registered under Section 269AB of the come tax Act 1961 (43 of 1961) in the offer of the Competen Alubouty at Bomb, von 19-9-198

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the usin market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if on we cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties of the bear truly stated in the said instrument of them I with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Spicetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this period in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12-A, "PADMADEEP", Udita Co-operative Housing Society Ltd. Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authorny, Bombay under No AR-II]37-EE|12621|84-85 on 19 9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following among:

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|11094|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 701, on 7th floor, Wing 'A', in the Bldg. 'Highland Court', on Plot Bearing CTS Nos. 325 to 327 & 336 to 342, Bazaar Rd., Near Municipal Mkt., Bandra Bombay-50 situated

at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. Rizvi Estates & Hotels P. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Mrs. Mariam Salim Dhorajiwala & Mr. Salim Gaffar Dhorajiwala

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chaptes.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 on 7th floor, Wing 'A', in the Bldg. High-land Court' on plot bearing CTS Nos. 325 to 327 & 336 to 342, Bazaar Rd. Near Municipal Mkt. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-II|37-EE|11094|84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mls. R. vi Estaces & Hotels 1 vt. 1 td

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 14 aubcel Noogbhai & Papadob i Guam Ausa

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref No. AR II|37 EE|11095|84:85 -- Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teasen to believe that the immovable property having a ten mail et value exce. ding

Rs. 1,00,060|- and beeing

Flat No. 10 s. 1. 1 t. f. in 12. B ying Building Highland Court' on 190t be in 11. S. Nos. 2325 to 327 and 336 to 342, Bazaa, Road Near Marrier of M. t. Fandre, Bombay-50 situaced at Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the fig 2 ment is registered under Section 209AB of the at the tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Compilert Accions, at Bombay on 7-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appetent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction . Freshold or the middle of the transferor to pay has under the said Act, a respect of any means arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or with moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 142-(11 of 1922) or the said het or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby manage proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Ac., to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Ohnial Galett Control of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inference to the faid immoveable property, which 45 december the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Campter X' A of the said Act, shall it we the war meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on 1 t floor in the 8-wing Bldg. 'Highland Court', on plot Bearing CTS Nos. 2475 to 327 and 336 to 342, Bazaar Poud New Manierpu' Mit Bandra, Bombay-50.

The agreement has been regreefed by the Competent Authority, Bombay under No AR-I 37-EE 11095 84-85 on 7-9-1984.

> **LAXMAN DAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

1 " "(24 Dair Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR II/37CE/12613/64-85 - \hereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hura-nafter referred to as the 'said Act'), have rea on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bourns Flat No 302, Nishant, Malvia Road, Vile Parle (E), Bombay-57, situated it Bon say

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the spierment is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Corporati Avisor v of Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or equation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transforand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- (1) Mrs. Kanchanben Govindlal Patel and Mr. Govindlal Chaganlal Patel.
 - (Transferor)
- (2) Mrs Priti Sunil Sheth & Mr. Sunil Natvarlal Sheth (Transferee)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 302, Nishant, Malvia Road, Vile Parle (E), S. No. 83, H No 15, K Ward Nos 795(1) & (2) St. No. 2526, Bombay-400 057.

registered by the Competent s been under Serial No. AR.II/37EE/12613/ . 84-85, on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date · 9-5-1985

(1) Mr. Bhagwandas Khemchand Punjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anup Singh Awtar Singh Chadha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR.II/37EE/11122/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 102, DELITE-DEN, Sub Plot No. 9 of Plot No. 3, Off. Irla Nala, Between Vile Parle, Andheri, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appoint consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the redunction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No 102, DELITE-DEN, Sub Plot No. 9 of Plot No. 3, Off. Irla Nala, between Vile Parle, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]11122[84-Authority, Bombay 85, on 10 9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (*) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

- (1) Mr. Nandalal Dwarkaprasad Acharya.
- (2) Mr. Bansilal Kishindas Shroff.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/11028/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, "Dwaraka", Saraswati Road, Santacruz, (W), Bombay-400 054 situated at Bombay

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afere--said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the tra and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, mimely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat' No. 1, Ground Floor, "Dwarka" Saraswati Road, Santacruz, (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11028/84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-5-1985

(1) Vir. Duru z. Nagpai.

(2) Shu I alit M. Walhwani.

CHRONOMORPHICATE AND FOUND TO THE ALT THE WARRING IN DAILY AND COMMENT AND COMMUNICATIVE THROUGH THE THROUGH THROUGH THE THROUGH THROUGH THE THROUGH THROU

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12951/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

Rs. 10°,000-1- and bearing
Opposite that Dhanda Jhoparpatti. 7, Rajgir Mansion 2nd floor 15 Ambeddar Rd. Khar. Bombay-52

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compet it Authority at Bombar on 29-9-1984

formal on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said austrument of transfer with the object of transfer wit ment of transfer with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if my to the acquestion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesail persons within a period of 45 days from the cate of publication of this notion in the Africal period or a period of 30 days from the period of a like on the respective persons, whichever product are ire, later;
- (b) by any other percen interested in the said immovable property, what 45 cass from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPIANATION: The terms and expressions used herein as are d in I in Chenter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7, Rajgir Mansion. 2nd floor, 16. Ambedkar Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has he in adjustment by the Competent Authority, Bornhay under No. 9A.III37EE | 12951 | 84-85 on 29-0-1934

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isomer of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 9-5-1985 Seal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12792/84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 5, 1st Floor, Bldg. No. 6, Rama Krishna Co-op. Hsg. Soc., N. S. Road No. 9, J. V. D. S., Bombay-49

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 111--126GI 85

(1) Shri Premchand Thanwardas Lakhwani.

(Transferor) (2) Shri Chellaram Gangaram Bhagtani & Smt. Laxmi Chellram Bhagtani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Floor, Bldg. No. 6, Rama Krishan Co-op. Housing Society, N. S. Road, No. 9, J. V. D. S. Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/12792/84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date:/9-5-1985

(1) Smt. Neeta Pitulal Lulla.

(Transferor)

(2) Shri Murad Ali Abdulla Wagle.

(Transferee)

(3) Shri Murad Ali Abdulla Wagle and his family. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12151/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 11, 2nd Floor, Jaldev Co-op, Hsg. Socy, Ltd., Plot No. 491, Road No. 33, T. P. S. III. Bandra, Bombay-400 050

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concemment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

ciety Ltd., Plot No. 491, Road No. 33, T.P.S. III, Bandra, Bombay-400 050. Flat No. 11, 2nd floor, Jaldev Co-operative Housing So-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12151|84-85 on 14-9-1984.

> LAXMAN' DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 9-5-1985

(1) Mrs. Kanchanben Motilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babubhai R. Panchal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR II|37LE|11032|84-85 — Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No 22 of Ganesh Co-op Hsg Society Road No 5, Prabhat Colony, Santacruz (F) Bomb 1y-400 055 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-1984

- -for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 of Ganesh Co-op Hsg Society Ltd. Road No 5 Prabhat Colony, Santacruz (E), Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II 3 T F 11032 84-85 on 7-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Eombay.

Date: 9-5-1985

Seal ;

(1) Shri Guldip Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jamnu Mohandas Ahuja.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12725|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

Flat No. 6, 3rd floor, Bombino Apartment, Plot No.-39, North Avenue, 18th Road, Sintacruz (W), Bombay.

situated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Bombino Apartment, Plot No. 39, North Avenue, 18th Road Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12725|84-85 on 22-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1985

(1) Miss. Kamlabai and Shri Hemmandas Thakumal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shrikant J. Sherke and Smt. Pratima Shrikart Sherke.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12923|84-85 - Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 16, Ground Floor, Shiv Nivas, Co-op. Housing Society Ltd. Mahim, Bombay-16.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

rs) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 16, Ground floor, "Shiv Nivas" Co-operative Housing Society Ltd., Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12923|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1985

(1) Shii Shaukat Hass in Lyrewal)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Keshavii Damii Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE 12896 84 85 - Whereas, I.

Ref. No. AR.III37EE 12896 84 85—Whereas, I. IAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 2, E-4, Vitayanagar, Apartments, Marol-Matoshi Road, Andheri (E), Bombay 50, situated at Bombay (1918 more fully described in the Schedule appeared bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competert Authority at

Bombay on 28-9-198.1

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 2, E-4, Vijiyanagir Aputments, Marol-Maroshi Road, Andheri (I), Bombav-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR H|37EE|12896|84-85 on 28-9 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 9-5-1985

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) Kanwal Pratab Singh and Davinderpal Singh Kohli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukfidev Singn and Smt. Ram Kaur:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No AR II 37E1 12718 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 20 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing. Flat No. 13, Shantineer Bulding-A, Shantineer Co-op. Housing Society Lemied, Plot No. D-5 and D-6, J. B. Nagar, Andhen (L.), Bounbay-59, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22 9 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 13, Shantineer Building 'A', Shantineer Co-op, Housing Society Limited. Plot No. D-5 and D-6, J. B. Nagar, Andheii (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EE|12718|84-85 on 22-9-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-5-1985 Scol :

The same of the sa

FORM ITNS

(1) Shri Sunder Mendon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramanlal P. Putobic.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE,12106134-85 -- Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2098 of the lincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 31, Bldg. No. 13., 3rd door, Vijaynagar, M.M. Road, Andheri (£), Bomboy 59 situated at Bomboy

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tay Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other as e.s which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, Bldg, LT 5, 3rd floor, Vinav Nagar M. M. Road, Andheri (E), Bombay-59

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomoay and a small No AR H37EE 12106 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9 5-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]10613|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reached to be believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pa 100 000/ property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.
Flat No. 16, 3rd Floor, Kamal Kunj-A Vivek Kamal Society,
Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than there per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 115-126GI|85

(1) Shri Jagdish Chander Narula.

(Transferor)

(2) Shri Krit B. Desai & Smt. Kunjlata K. Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Flat No. 16, 3rd floor, Kamal Kuuj-A, Vivek Kamal Society, Irla Bridge S. V. Road, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10613|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Verdhan Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Mahendra Ramanlal Chudgar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 11466 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 401, 4th floor B-Building, Pink Apartments Seven Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-400058. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 4th floor, B-Building, Pink Apartments, Seven Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|11466|84-85 on 11-9-1984. the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) M|s. Samarth Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vinaya Vinayak Kulkarni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10601|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

Flat No. 407, 4th floor, Building No. A-5(a), Apna Ghar Unit No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West, Bombay-58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property and have exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Building No. A.5(a) Apna Ghar Unit No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Opp Four Bungalows, Andheri West, Bombay-58.

lows, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10601|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders.

Bharat Gandhi.

(2) Shri Suresh Bhailalbhai Patel &

(Transferor)

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12631|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Bungalow No. III, A Type (Unit III), Saranga Bungalow, Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara Andheri West, Versova S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Bombay-400058

400058.

situated at Bombay

7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the (b) by any other person interested in the said immov-publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow No I.II, A Type (Unit III), Saranga Bungalow Roshanial Aggarwal Complex, Oshiwara Andheri West, Versova S. No. 41 (Part), Nan Apna Ghar, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12631/84-85 on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 10-5-1985

Scal:

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Pratibha Dilip Karnik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGETI, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12105|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, 4th floor Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri West, Versova, Off J.P. Road Near Apna Ghar/Lokhandwala S. No. 41 (Part), Bembay-400058. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm table property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Manju Tewer, Roshanial Aggarwal Complex, Andheri West, Versova, Off J.P Road Near Apna Ghar/Lokhandwala S. No. 41 (Part), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12105|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Gobind K. Daryanani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Bulchand Gehani and Mr. Mukesh Ram Gehani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10488|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 404, 4th floor, 'F' Block 'Sameer' Seven Bungalows Versova, Andheri West, Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor 'F' Block, Sameer, Seven Bungalows Versova, Andheri West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|10488|84-85 on 3-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

(Transferce)

(2) Mr. Prakash Shobhraj Chugh.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12867|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 1202, 12th floor Everest Building Jayaprakas Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400058. Building Jayaprakash

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than fair the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1202, 12th floor Everest Building Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12867|84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.II[37EE|12920|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1 \(1.00,000 \)] and bearing. Flat No. 810, 8th floor, Everest Building J.P.N. Road, Versova, Andheri West, Bombay-400 058. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of \$\sigma\$ tion 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Parikshit Ramesh Purohit.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 810, 8th floor Everest Building, Jaya Prakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II'37EE 12920 84-85 on 29-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. R. N A. Builders. (2) M/s. K. Shanker & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12583|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinreferred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 103, 10th floor Saranga Tower, Roshanlal Agarwal Complex, Oshiwara Versova, S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proptrty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same mealing as given in that Chapter.

1HF SCHEDULE

Flat No. 103, 10th floor Saranga Tower, Roshanlal Agarwal Complex, Oshiwara Versova, S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay-400,058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12583|84-85 on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely: 113-126GT|85

Date: 10 5-1985 Seal:

(1) Ms. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Ms. K. Shanker & Co.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF NCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12584|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Flat No. 93, 9th floor Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex. Oshiwara, Versova S. No. 41 (Part), Andheri West Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomestax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 93, 9th floor Saranga Tower, Roshanial Aggarwal Complex, Oshiwara, Versova S. No. 41 (Part), Near Apna Ghar Andheri West, Eombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12584|84-85 on 18-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Ms. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Dr. Shri Sanjeev Madhusudan Lela and Mr. Kamlesh B. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12629|84-85.—Whereas, I, LAXMAN\DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinreferred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Bungalow No. Santosh Bungalow A Type, Unit No. I, Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara S. No. 41 (Part) Andheri West, Bombay-400 058.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, withinforty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in-respect of any income arising from the transfer, and/or

Bungalow No. Santosh Bungalow A Type, Unit No. I Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara S. No. 41 (Part), Andheri West, Bombay-400 058.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12629|84-85 on 19-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

Date: 10-5-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala S. Ramrakhant and Mr. Lalith S. Ramrakhant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Rcf. No. AR-II|37EE 12776,84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinreferred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No.

Flat No. 111, 11th floor Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Versova Off. J. P. Road, S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such it insfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any oher person interested in the said immovable property, withinforty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111, 11th floor Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Versova Off. J. P. Road, S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12776|84-85 on 24-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12775|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 94, 9th floor Manju Tower, Roshanlal Aggarwal
Complex, Versova, Off. J. P. Road, S. No. 41, (Part), Near
Apna Ghar Andheri West, Bombay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Rane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 94, 9th floor Manju' Tower, Roshanlal Aggarwal' Complex Versova, Off, J. P. Road, S. No. 41 (Part) Andheri West, Fombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12775|84-85 on 24-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985 Seal:

(1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalpana Agnelo Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

> Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II 37EE, 10500 84-85, -Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 004, Ground floor Building No. A-26, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg Society Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagai Off. J. P. Road, Opp Four Bungalows And-

heri West. Bombay-400 058 [and noise fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 122000-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 004, Ground floor, Building No. A-26, Apna Ghar Unit No. 3 Co op. Hsg. Society Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Ro.d, Opp. Four Bungalows, Andheir (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-II|37EE|10500|84-85 on 4 9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomb, y

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

10-5-1985 Date

FORM ITMS

(1) Ms. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri P Vijaya Raghavan and Smt. Geetha Vijayraghavan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10603|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. 408, 4th floor Building No. A-25, Apna Ghar Unit No 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West Rombay-58

heri West, Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair worker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; Flat No. 408, 4th floor Building No. A-25, Apna Ghar Unit No. 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10603|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Date: 10-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri Ashok Bhagwan Narvekar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II 37EE 10600 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 006, Ground floor Building No. A-25, Oshiwara

riat No. 000, Ground floor Building No. A-25, Oshiwara Shii Swami Samartha Nagar Near Four Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the consideration. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [1] of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 006, Ground floor Building No. A-25, Oshiwara Shri Swami Samartha Nagar Near Four Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10600|84-85 on, 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Pombay

Date: 10-5-1985

Sea! :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11044|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/4 and hearing

1,00,000/- and bearing
Flat No. 077, Ground floor Building No. A-5a, Apna Ghar
Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Oshiwara, Shree Swami
Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or 'which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
114—126GI|85

- (1) M|s. Samartha Development Corporation.
 (Transferor)
- (2) Smt. Supriya Satish Chaubal and Shri Satish Vasant Chaubal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 077, Ground floor Building No. A-5a, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11044|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10602|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and Learing No.

Flat No 007, Ground floor Building No. A-5, Apna Ghar Unit No 1, Co.op. Hsg. Society Ltd. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows Andheri West, Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 NB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the offic: of the Competent Authority

at Rombay on 5-9-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Ms. Samartha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Shri Sunil D. Athale and Smt. Suhas Sunil Athale.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 007. Ground floor Building No. A-5, Apna Ghar Unit No. 1, Co-op. Hsg. Society Ltd. Oshiwara, Shree Swami Amartha Nagar, Near Four Bungalows Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|10602|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Padmavati Developers.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuri D. Shah and Devchand Umarshi Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12905|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Flat No. 4, 'A' Wing, 3rd floor Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. N. 4 (Part) Oshiwara, Andheri West, Bomaby-400 058.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trailed the consideration to the parties have not been trailed to be the parties have not been trailed in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 'A' Wing, 3rd floor Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II 37EE 12905 84-85 on 28-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukesh Jashwantrai Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12625|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 000 and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 67, 4th floor 'C' Wing, Abhishek, Oshiwara Plot No.
12, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri West, Bombay-58. (and more fully descried in the schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 1 the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cipzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 67, 4th oor 'C' Wing, Abhishek, Oshiwara Andheri West, Plot No. 12 S. No. 41 (Part), Oshiwara Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12625|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-5-1985

. KH 11NS-

(1) M/s. Urban Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Pratapsinh L. Sampat and Mrs. Rajni P. Sampat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12641|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 63, 6th floor, Amit Estate, Piot No. 44, Off J. P. Road, 4 Bungalows, Versova, Andrew West, Bombay-400058. situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days for he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Amit Estate, Plot No. 44, Off J. P. Road, 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12641|84-85 on 21-9-1984.

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) M/s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum, Abha Purohit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Rtf. No. AR.II|37EE|11458|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 306, 'B' 3rd Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (Watt), Bornboy (100)58

(West), Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 'B' 3rd Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 11458 84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

- (1) M/s. Raviraj Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Chaudhari Kautik Arjun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11455|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 401-B, 4th Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401-B, 4th Floor, Breeze, Plot No. 25, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Osinwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11455|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rombay

Date: 10-5-1985

- (1) M/s. Ravirai Builders.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Nanda A. Whabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|11452|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00 000|- and bearing Shop No 5, Ground Floor, Citizen, Plot No. 27, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-40058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984 for an apparent consideration which is the consideration of the constant apparent apparent

for an apparent consideration which is less than the fair inarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground Floor, Citizen, Plot No. 27, S. No. 41(Part), Four Bungalows, Oshiwaia, Versova, Andheri (West), Bombay-40058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II.37EE;11452|84-85 on

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II,

moneys of other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :-

Date: 10-5-1985

Seal:

11-9-1984.

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Jagdish Chander Narula.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF, 1961) (2) Sha Krit B. Desai & Sinti Kunjlata K. Desai,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IL, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10613|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 16, 3rd Floor, Kamal Kunj-A Vivek Kamal Society, Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 'freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

115—126GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Kamal Kunj-A, Vivek Kamal Society, Irla Bridge S. V. Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10613|84-85 on 5-9-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Verdhan Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mi. Mahendra Ramanlal Chudgar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSERCTION ASSISTANT COMMENCE OF THEOREMS

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.II|37EE|11466|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fau market value exceeding

Rs 1,00,000, and be run?
Flat No 401, 4th floor B-Building, Piak Apai ments Seven Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-400058.
s tuated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26903 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bumbay on 11-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned -

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gezette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mean as its given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 4th floor, B-Building, Pink Apartments, Seven Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No AR II/37EF 11466 84-85 on 11-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-5-1985

(1) M|s. Samarth Development Corporation,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vinaya Vinayak Kulkarni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10601|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. 407, 4th floor, Building No. A-5(a), Apna Ghar Unit No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shii Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri West, Bombay-58. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been treatferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property and have exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeteed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning in given to that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Building No. A.S(a) Apna Ghar Unit No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Opp Four Bungalows, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1I|37EE|10601|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders.

Bharat Gandhi.

(2) Shri Suresh Bhailalbhai Patel &

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12631|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000]- and bearing No.

Bungalow No. III, A Type (Unit III), Saranga Bungalow, Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara Andheri West, Versova S. No. 41 (Part) Near Apna Ghar, Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the (b) b. My other person interested in the said immov-publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow No I.II, A Type (Unit III), Saranga Bungalow Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara Andheri West, Versova S. No. 41 (Part), Nan Apna Ghar, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12631|84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Pratibha Dilip Karnik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETIAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12105|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, 4th floor Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri West, Versova, Off J.P. Road Near Apna Ghar/Lokhandwala S. No. 41 [Part), Bembay-400058. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (%) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ead/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned:
(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said proporty

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said imm.c."able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri West, Versova, Off J.P Road Near Apna Ghar/Lokhandwala S. No. 41 (Part), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12105|84-85 on 11-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Gobind K. Darvanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Bulchand Gehani and Mr. Mukesh Ram Gehani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJI 37EE 10488 84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Art, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to mcorne-tax 2st, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600], and bearing Flat No. 404, 4th floor, 'F P'ock 'Sameer' Seven Bungalows Versova, Andheri West, Bumbey-400058, situated at Bombay (and more fully rescubility to the Column Column Research 1 in the Co

(and more fully cescub, I in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 23963 of the Ironne-lax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bont by 01 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per con of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other per on interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor 'F' Block, Sameer, Seven Bungalows

Versova. Andheri West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 10488 84-85 on 3-9-1984.

> LAXMAN DAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date: 10-5-1985

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash Shobhraj Chuch.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12867|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the haid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1.00.000L and bearing

Rs. 1.00,0001- and bearing Flat No. 1202, 12th floor Everest Building Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bembay on 22-9-1984

for an apparent consideration which is less than fair the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein **
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1202, 12th floor Fverest Building Jayaprakash Narayan Road, Versova, Audheri West, Bombay-400058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EI 112867 84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Parikshit Ramesh Purohit.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.II|37EE|12920|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R° 1,00,000]- and bearing Flat No. 810, 8th floor, Everest Building J.P.N. Road, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fronsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 810, 8th floor Everest Building, Jaya Prakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 12920 84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sation 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) S. S. Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12599|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground Floor, Basera Apartments, A-Wing, Plot No. 47-48 Off Four Bungalows, Versova Andheri (W), Rombay. 400 058

Bombay-400 058.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule

annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Mrs. Padmini Hebbar, Mrs. Nalini Hebbar, Mr. K. Vasudev Hebbar (HUF) Mr. Raghraj Sharma Mrs. Rajwati Sharma, and Mr. N. Sharma (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Ground Floor, Basera Apartments, A-Wing, Plot No. 47-48 Off Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12599|84-85 on 18-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-116—126GI[85]

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Getta Pradeep Sabnis.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12560|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202. 2nd Floor, Building No. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and xpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Building No. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12560|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Tange-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12598|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair maker value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 006, Ground Floor, Building No. A-9, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

at Bombay on 17-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Samartha Development Corporation. (Transferor)
- (2) Shri K. Venugopalan and Smt. Prasanna Venugopal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 006, Ground Floor, Building 'No. A-9, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg: Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J P. Road, Opp. Four Bungalows. Andheii (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12598|84-85 on 17-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authohrity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12427|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 008, Ground Floor, Building No. A-6, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off J. P. Rd., Opp. Four Bungalows, Shree Swami Samartha Nagar,

Opp. Four Bungalows, Shree Swami Samartha Nagar, stuated at Bombay
Andheri (W), Bombay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
h as been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sain Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

- (1) M|s. Samartha Development Corporation (Transferor)
- (2) Smt. Aarti Deepak Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 008, Ground Floor, Building No A-6, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off J. P. Rd., Opp Four Bungalows, Shree Swami Samartha Nagar, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II | 37EE | 12427 | 84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) M|s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Hemchandra Neelkantha Mirashi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12140|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 406, Fourth Floor, Building No. A-21, Apna Ghar Unit Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Fourth Floor, Building No. A-21, Apna Ghar Unit Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|12140|84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) M/s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Umakant Malkarjun Naringe.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12418|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 006, Ground Floor, Building No A-6, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op, Housing So Ltd, Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows Andheri (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-9-1984.

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 006, Ground Floor, Building No. A-6, Apna Ghai Unit No. 1 Co-op Housing Society Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Near Four Bungalows Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III37EE | 12418 | 84-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay.

Date 10 5-1985

- (1) Ms. Samartha Development Corporation. (Transfero:)
- (2) Mr. Vinod Narayan Chawan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12498|84-85.—Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 402, 4th Floor, Ruilding No. B-5, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 0058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 17-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Building No. B-5, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Hsg. Soc. Ltd, Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 0058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37EE | 12498 | 84-85 on 16-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985.

FORM ITNS----

(1) Mls. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Smt. Visalakshi Chatteriee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

AR-II|37EE|12127|84-85.—Whereas, I, Ref. No.

Ref. No. AR-II|37EE|12127|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No 406, 4th Floor, Building No. 2, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Hsg. Soc. Ltd, Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W). Rombav-400 0058.

Bombay-400 0058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reigstered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th Floor, Building No. A-2 Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 0058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12520|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :--

Date: 10-5-1985.

(1) M1s. Samartha Development, Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Prasad Madhay Dhavalikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12561|84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 403, 4th Floor, Building No. A-21, Apna Ghar Unit
No. 6 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami
Samartha Nagar. Off J P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent

at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

117-126 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I-lat No. 403, 4th Floor, Building No. A-21, Apna Ghar No. 5, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samaitha Nagar, Off J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been Authority, Bombay under No VIIII ... on on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985. Seal

(1) Smt. Aruna Jianti Trada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mariam Khwaja Akhatar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1985

Ref. No. AR.II/37FE/12137/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. C-4 Shree Amrit Coop. Hsg. Scty. Ltd., 22. Carter Road, Khar Danda, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hareto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax het 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-4, Ground Floor, Shree Amrit Co-Op. Hsg. Scty. Ltd., 22, Carter Road, Khar Danda, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/12137/84-85 Authority, on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ...

Date: 9-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gobind Deepchand Panjwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12581/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable foir market value exceeding Rs. 1,00,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing Room No. 54, 1st floor, Roshanlal Aggatwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, Near Apna Ghar, S. No. 41 (Part) Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULI

Room No. 54, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade Oshiwara, Andheri West, Versova Near Apna Ghar, S. No. 41 (Part), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12581/84-85 on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date , 10-5-1985

(1) M/s. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Nargis Salim Merchant.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12448|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 009, Building No. B-2, Apna Ghar Unit
No. 3, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off. J. P. Road,
Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay

on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair s market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conccalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 009, Ground Floor, Building No. B-2, Apna Ghar Unit No. 3, Co-op Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off. J. P. Road, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37EE/12448/84-85 Authority, on 14-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mls. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mls. A. Mehan & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|12582|84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 113, 11th floor, Sarang Tower,"

Perhaptal Agentyal Complex Ophiyars Near Appe Char

Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara, Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984

at Bombay on 18-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as gwien in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 113, 11th floor, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara, Versova, Near Apana Ghar, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12582|84-85 on 18-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Shri Bhailal Bhai Desai Bhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12630|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and beating No. Bungalow No. A-type. Unit No. II Santosh Bungalow, Roshanlal Agarwal Complex, Oshiwara Versova S. No. 41 (Part) Near Apana Ghar, Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow No. A Type, Unit II Santosh Bungalow Roshanlal Aggarwal Complex, Oshiwara Andheri (W), Versova S. No. 41 (Part) Near Apana Ghar, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12630|84-85 on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition 'Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY,

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II 137 FE 12981 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kapil M. Thanki,

(Transferor)

(2) Peruvamba Sundareswaran Narayani Amal and Penuvam ba Gangadharan Rajeswary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Klishnakuni Co-op. Hsg. Soc. Plot No. 15, Four Bungalows, Andher (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. VR 11 3711: 12981 84.85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS' Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Ms. Manish Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Bipin Jayantilal Shah and Shri Jayantilal K. Shah.

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12995|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 311, 3rd Floor, Vrindavan, S-2,

Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of 'his notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, 3rd Floor, Vrindavan, S-2, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]12995[84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:-

Date: 1-5-1985

Scal .

(1) Mis. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Chandrakanta J. Sharma,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR II|37EE|13003|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing Flat No. G-4, Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows,

Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the stid Act, in respect of any income arising from the transfer: sed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 7957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-118—126GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-4, Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38, S No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR.II|37EE|13003|84-85 on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 1-5-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shyam Narayan Mishra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RAPIGILAL BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.III37EE-12983|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 410, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-400 058. situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to market value of the aloresate property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-term Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Flat No. 410, Anjali Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12983|84-85 on 29-9-984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1-

Date: 1-5-1985

(1) Dr. Vasant Naranji Desai.

(Transferor)

(2) I. M. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12700|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Copetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing piece or parcel of land, at Gazdar Hill, Mouje, Andheri Taluka being the land forming portions of Old Survey No. 64-P1|4 and of Old Survey No. 109 Falni No. 10 New Survey No. 64|A1, Hissa No. 1.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land at Gazdar Hill, Mouje, Andheri Taluka being the land forming poitions of Old Survey No. 64-P1|4 and of Old Survey No. 109 Falni No. 10 now bearing New Survey No. 64 A1, Hissa No. 1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12700|84-85 on 23-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ret. No. AR.II 371 E 12992 84-85. Whereas, I,

Ret. No. AR. [1] 5/1 E. [12992] 64-65.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of Land bearing C IS No. 644 and 645, at Jayaprakash Road, Andheri (W), Eombay-58 estimated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Mahmood Ahmed Nathani, Smt. Fatema Mahmood Nathani, Shri Hussein Ahmed Dharamsey and Smt. Zainab Hussain Dharamsey.

(Transferoi)

(2) M/s. Sarkar Builders.

(Transferee)

(3) Two tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Jay prakash Road. Andheri (W), Bombay-58, bearing CTS No. 644 and 645.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|12992|84-85 on 27-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-5-1985

218 1

FORM I.T.N.S.--

(1) V. B. Patel and Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. G. Shet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.11|37EE|12463|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 309, 3rd Floor, Building No. 31, S. S. Nagar, Amboli Village, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority the Competent Authority at at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd Floor, Building No. 31, S. S. Nagar, Amboli Village, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No 18.11 3711 12463,84-85 on 15-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 1-5-1985

----FORM ITNS---

(1) Unikrishnan H. K.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Jaftarali R. Mukadam and 2. Mrs. Khurashid J. Mukadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bembay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.H'3"H 1 (1062) 185. Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (47 of 961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to be the effect that the immovable property, having a fair of that value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Building No. 46 \ 411 May 1 's isanti Co-op. Hsg. Soc.,

4th Floor, Manish Negat, 11' Rec. 1.

Andheri (W) Bombay-400 6.78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of a Competent Authority at Bombay on 5-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Porson money and I have reason to believe that the lair my k i value of the property as aforesaid exceeds the apparance of the property is aforestian fifteen per cent of self-my criticonal tradition and that the consideration for such in make as indeed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concea ment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Building No 46 A 402, Manish Kiishna Co-op Hsg. Soc. 4th Floor, Manish Nagar J.P. Road, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II:37FF 10627 84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 1-5-1985

Mr. Bashir Ahmed Khalfay Trustee of Bachit Abried Khafey Family Trust.

(Transferor)

(2) Mr. M. Sanjiva Rama Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT *COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

· Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|10425|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the sate Act), having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000l- and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor. Building Sunswept-A, Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova. Andheri (W), Bombay-400 058

Versova. Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever reried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Building Sunswept-A, Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement ham been resistered by the Competent Authority. Bombay under No. VR II 371 I 10425 84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-5-1985

(1)Ms. Omprakash & Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kalpana B Jatakia,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37FF'12807|84-85.—Whereas, I, LAXMAN, DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702, 7th Floor. D Wing, Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, D-Wing, Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar, 4 Burgalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II 37EE 12807 84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. C. D. Motwani and Mrs. H. C. Motwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|11067|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair merket value

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. G|903, 9th Floor, Galactica Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property ras aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as , respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G|903, 9th Floor, Galactica, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IJ/37EE/11067/84-85 on 5-9-... 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, n mely

119-126GI|85

Date: 1-5-1985

(1) C. S. Deshpande & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Arun Purushottam Bhadsavle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EF|21958|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000- and bearing

Room No. 1, 3rd floor, in the proposed building at 62. Ranade Road, Dadar, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1, 3rd floor, in the proposed building at 62, Ranade Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Autho ity, Bombay under Serial No. AR-II|37FE|21958|84-85 on 28-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-5 1985

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haroon Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12643|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 201, 2nd floor, C-Wing, Hawa Apartments, Maha-lali Cayes Royd Andheri (E) Rombow 92

kali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984.

at Bombay on 21-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Flat No 201, 2nd floor, C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|12643|84-85 on 21-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Iraj Farabi, Mrs. Shahnaz Farabi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No AR-II|37EE|11066|84-85.--Whereas, I,

Ref. No AR-III/3/EE/11066/84-85.—Whereas, I, AMMA'N DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 502/A. 5th Floot. B-wing, Skywalker Hiranandant state, E. hind Apna Gnar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-100.056

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under 5-cl on 259AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazctte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 A, 5th Floor, B-wing, Skywalker Hiranandam Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andhen (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|11066|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-1985

(1) Ms. Omprakash & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh B. Jatakia:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR-II|37EE|12808|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Flat No. 701, 7th Floor, D-Wing, Abhishek Apartments, Be hind ESIC Nagar, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bom-

bay-400 058.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, D-Wing, Abhishek Apartments Behind ESIC Nagar, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|12808|84-85 on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1985

Ref. No. AR-II 37EE 10582 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 502, Bajaj Pearl Plot No. 28-30, Union Park, Khar,

Bombay-52.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- to; facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kamal Anand.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Khemchand Chawla.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Bajaj Pearl, Plot No. 28-30, Union Park, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]10582[84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Leela S. Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12982|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 207, Anjali Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows Versova, Andheri (W), Bombay-400 053. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Anjali Plot No. S. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No: AR.II|37EE|12982|84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Samir J. Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

OF INCOME-TAX,

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13005 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 106. 1st Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (W) Rombay-58.

situated at Bomboy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of (957);

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st Floor, Residency-B. Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, III37EF113005[84-85] on 29-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R: nge-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Premises P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Chandrakant J. Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR II|37EE|13004|84-85,—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. G-2, Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No Four Bungalows, Varsova, Andheri (W), 41 (Part),

Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. G-2, G. F. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 1 (Part), Four Bungalows, Varsova Andheri (W), 41 (Part), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II.37EE 13004 84-85 on 29-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nerson namely ; 120—126 GI 85

Date: 1-5-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Ramshanker L. Shroff.

(Transferor)

(2) Mrs India Rani Haidy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EC 10630 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000¹- and bearing No. Flat No. 1201, 12th Floor, Garage No. 6, Mount J. P. Road, Versova, Andheti (W), Bombay-400 058.

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement as registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-198!

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as an med to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 x1 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1201 12th Floor, with Garage No. 6, Mount, J. P. Road. Versova, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authori v. Bombay under No. AR II|37EL|10630|84-85 on 5-9-1984

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Ms. Hiranandani Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lata S. Jitani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12830 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. M/705, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, near Oshiwara, Versova, Andheri (W), Rombay 400,058

Bombay-400 058

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M|705, Mercury Apartments, Hiranandani Estate Behind Apna Ghar, Near Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12830|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Jagdish Chander Narula

(Transferor)

(2) Kiritkumar B. Desai

(Transferee)

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10558|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market vaue exceeding Rs. 1,00,000|- and beauing No. Flat No. 16, Kamal Kunj 'A', Irla Bridge, 214, S V Road, Andheri (W), Bombay-400 058

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984 for an apparent consideration which is less that the Fair

Market Value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Kamal Kuni 'A' Irla Bridge, 214, S. V. Road, Audheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37FE|10558|84-85 on 5-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspetting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1985

FORM TINS-

(1) Mr. Bahadur Jamshedji Hansotia

(Transferoi)

(2) Mrs. Kanta Vidyasagar Jangwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10489|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Flat No. 108, 1st Floor, Building No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gulmohar Gardens, Yari Road, Versova, Bombay-400 058, situatd at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st Floor, Building No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gulmohar, Garden, Yari Road. Versova. Bombav-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10489|84-85 on 3-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-1985

(1) Shri Nirmal Kumar Saraogi

(Transferor)

(2) Smt. Shankuntaladevi Saraogi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10577|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 606 with terrace on 6th Floor, Kenmore Bbuilding, Plot No. 346, Lokhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ir the Office of teh Competent Authority

at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the convalment of any income or any moneys or other assets which have now been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 606, with terrace on 6th floor, in Kenmore B-Building, Plot No. 346. I okhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II|37EE|10577|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-1985

(1) Shri R. C. Kapoor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Maneck Cursetjee Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

JUMM' SSIONER OFFICE, OF THE INSPECT OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12449|84-85.--Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing Flat No. 21, 3rd Floor, Gautam Niwac. Varshona Coop. Hsg. Soc: Ltd., Near Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer of and the agreement is registered under Section 269 VP of the Income-lay Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984

Bombay on 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of neasfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which dught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, Gautam Niwas, Varshna Co-op. Hsg. Ltd., Near Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been resistered by the Competent Authority, Bombay under So. VR.II 5 11 124-1781-85 on 14-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-1985

THE RESERVE AND PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

FORM ITNS

(1) Mls. Sund Kishani Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12657|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 204, 2nd Floor, Building Crossgates-B, Plot No. 334, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Joaquin Soares and Fmiterio Francis Soares. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Building Crossgates-B, Plot No. 334, S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II|37EE|12657|84-85 on 21-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12617|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable aromatic begins a fair market value exceeding Rs 1 00 000|property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

Shon No. 4, Ground Floor, Building Greenfields, Plot No. 333, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 038

situated at Bombay (and more fully described in the schedule

annexed hereto)

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1984 for an approach

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

121-126 GI 85

- (1) Ms. Zarina Rehim Thahilani and others (Transferor)
- (2) Kiran Prabhudas Mandavia and others (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground Floor, Building Greenfields, Plot No. 333, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12617 84-85 on 19-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-1985

FORM ITNS----

(1) Zainab Amir Haiee.

(Transferor)

(2) Vishu Gulumal Aswani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TÄX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR II|37FE|12587|84-85 --- Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 28, Jewel Shopping Centre,

Plot No. 1, Seven Bungalows,

Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice n the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and, or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shop No. 28, Jewel Shopping Centre, Plot No. 1, Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR II 37EE 2587 84-85 on 18-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 1-5-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Amirali Rajabali Khoja and Shabanam Amirali Khoja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pradeep S. Badkur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 11043 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-bearing No. Flat No. 404, Wing 'D', Building No. 2-3-4, Andheri Manish Garden Co-op. Hsg. Soc. J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-84 5-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objection if any, to the acquisition of the saul property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lineinty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Wing 'D', Building No. 2-3-4 Andheri Manish Garden Co-op. Hsg. Soc. J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11043|84-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay.

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ramavatar Purashottamlal Poddar.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Maheshkumar Shah and Sh. Maheshkumar Jayantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10412|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 11, 3rd Floor, Sund Shopping

Centre Co-op. Hg. Soc. Ltd., 108-A, J.P. Road, Andheri (W),

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Sunil Shopping Centre Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 108-A Jayaorakash Road, Andhri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II|37EE|10412|84-85 on 1-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-5-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Rahbir Singh Virk.

(Transferor)

(2) Mr. Ronald Vincent D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II¹37EE|11037|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding bearing No. Flat No. 404, 4th Floor, Building Homestead-A, Plot No. 337, S No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5 0.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuily stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evision of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 4th Floor, Building Homestead-A Plot No. 337, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II|37EE|11037|84-85 on 5-9-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-5-1984 Seal

Now, therefore; in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

(1) Mr. Mukesh Jashvantrai Desai.

(Transferor)

(2) Smt. Mani Alias Pushpa Hariram Rajani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|10594|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 203, 2nd Floor, Pleasant
Park, Plot No. 15/2, Oshiwara
Village, Off: 4 Bungalows, Andher₁ (W),
Bombay-400 058

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Pleasant Park, Plot No. 15/2. shiwara Village, Off: Four Bunglows, Andheri (W). Oshiwara Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|10594|84-85 on 9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Etelvina C. Fernandes and Mr. Andrew H Fernandes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIS'I ANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 12506 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act J, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-bearing No. Shop 1, Spring Leaf, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17 0 1084

tor an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Mr. Suresh M. Shamasani, 2. Mr. Chandru M. Mr. Suresh M. Shamasani, Z. All. Shamdasani, Shamdasani, (Transferae)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Spring Leaf, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 $0\overline{5}8$.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12506|84-85 on 17-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:-

Date: 1-5-1984

- (1) M's. Arex Constinctions.
- (Transferor)
- (2) Mis. Shahnaz Fatabi Mi Itaj Fatabi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR II|37EF|11068|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'saki Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000[- and bearing No Flat No 502|B, 5th Floor, B-Wing
Skywalker, Hiranandani Estate,
Henind Apna Ghar Oshiwara,
Andheri (W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been tully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5021B, 5th Floor, B-Wing, Skywalker, Huanandanj Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII37EE 11068 84-85 on 5-9-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 1-5-1985

(1) M|s. Asian Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Manisha Sound Centre.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period or

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

able property, within 45 days from the date of the

are defined in Chapter XXA of the said

publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|11134|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 2, Anita Apartments, Four Bungalows, Off: J.P. Road,

Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the linkship of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfers and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any manays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Anita Apartments, Four Bunglows, Off: J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11134|84-85 on 5-9-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-5-1985,

Seal:

122 -126 GI 85

FORW ITNS--

(1) M1 Pam Lal Bodh Rov Arora.

(Transferor)

(2) 1 Mr Dhansukhlal Chhotalal Dalal, 2 Mr Luxm ben Dhansukhlal Dalal and 3 Mr Jayesh Dhansukhlal Dalal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Annahanakana jaga sakasan dari dan dangan par peganamanan unterpropor amban an am annahanan an annahanan dari dangan dang

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAY

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1485

Ref. No. AR.II 37FE:10502 84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No Flat No 1, \(\lambda\)-Wing, Cround Floor, Building No 33 Kuth Chimita (cop Hag Sec 1td), Manish Nagar, J.P. Road 'indheir (W) Bombay 56, (and more fully described in the Schedule anniexed hereto), has been transferred and the agreement is registered videt Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; BAS/OT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hav No 1, A Wing, Ground Floor, Building No. 33 Kivan Chandra Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, J.P. Road, Andherr (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Compe Authority, Bombay under No. AR II 37E E, 10502 84-85 Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 1-5-1985.

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sql. Ldr. Joy Prakash Chhetry, Mr. Pulin Kulwantrai Malhotra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12624|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269D of the the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 27, 1st Floor, B-Wing, Aashirwad, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 1st Floor, B-V Andheri (W), Bombay-400 058. B-Wing, Aashirwad, Oshiwara,

The agreement has been to local be the Competent Authority, Bombay under No. VR.II 5711 12624 84-85 on 19-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 1-5-1985.

(1) Aashirwad Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Mina Kapadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No AR.II 37EE 12491 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 = and bearing No. 42, 4th Hoor, B-Wing.

Abhishek Oshiwaia, Andheii (W)

Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in shall have that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 42, 4th Floor, Abhishek, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12491 84-85 on 16-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date · 1-5-1985.

FORM ITNS

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

(2) Mukesh Manharlal Kapadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12472|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 43, 4th Floor, B-Wing, Abhishek, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-9-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-Wing, Abhishek, Oshiwara, Flat No. 43, 4th Floor, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 12472 84-85 on 15-9-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-5-1985.

FORM ITNS-

(1) M|s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mr Balkishan R. Choudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No $AR.Ii_137EF^{-1}11127_184-85$ —Whereas, I, LAXMAN DAS

taxman DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No Flat No 601, 6th Floot,

N. Wing Abbell Apartments

B-Wing, Abhishel. Apartments,

Behind ESIC Nagai, Four Bungalow, Versova Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the lau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid existed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) farilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; كامية كولمسلامة

(b) facilitating the concealment of any income or any inducys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 601, B-Wing, 6th Floor, Abhisekh Apartments Behind ESIC Nagat, 4 Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II 37EE 11127 84-85 on 10-9-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 1-5-1985

FORM ITNS

(1) Ms. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Shu Bipin B. Jatakia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|12806|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000[bearing No Flat No 604, 6th Floor, C-Wing,
Abhishek Apartments. Behind ESIC
Nagar, Four Bungalows, Versova,
Andheri (W), Bombay-400 058
and situated at Rombay.

and situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th Floor, C-Wing, Abhishek Apartments, Behard ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bonibay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 37EE 11127 84-85 on 25-9 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-5-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II[37G]3665 Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Property at Danda, building known as 'The Shelter' Plot No. 52 of Santacruz, 21 TPS IV situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of hte Competent Authority at Bombay on 28-9-1984.

at Bombay on 28-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Assudomal Hukumatrai. Khubchand Meghraj, Harkisondas Hotchand, Tadhuram Getumal, Motumal Jethanand, Dipchand Tilumal.

(Transferors)

(2) Smt. Parmeshwari Devi Wo Tailoksingh Chadha, Smt. Jasbirkaur Wo Jitsing Chadha, Smt. Prithpal Kaur Wo Jogindersingh Chedha, Smt. Darshan Kaur Wo T. Chedha.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-32131 63 and registered on 28-9-1984 with the Sub-registrar, Bom-

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rage-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-5-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th May 1985

Ref. No. AR-II|37G|3666|Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. 1|5 share in the property lying at Juhu alongwith structures standing thereon, bearing CJS No. 483 (1 to 3) adm. 3137 sq. mts. and situated at Bombay,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-9-1984.

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

123 -126 GI 85

(1) Revabai T. Shah

(Transferor)

(2) 1. Ramjibhaj, K. Patel

2. Kiritkumar B. Shah, HUF,

3. Pravinchandra J. Shah,

4. Vasant V. Shah,

5. Jayanti Lal K. Patel,

6. Ashwini B. Shah,
7. Surekhaben R. Shah,
8. Kantaben M. Patel, Partners of

Ms. Ketan Builders.

(Transferee)

(3) 1. Liladhar D. Shah,

R. B. Shah, Manilal G. Shah,

A. P. Mehta, R. A. Thakkar,

V. S. Desai, Dr. V. V. Sheth, R. B. Udhe, B. H. Pandya,

Fayalal B. Dhobi, Vrajlal T. Shah and

I. T. Shah.

(Person in occupation of the property)
(4) 1. Ishwarlal T. Shah, HUF,
2. Jayantilal T. Shah, HUF,
3. Vrajlal T. Shah, HUF,

4. Ramanlal A. Shah, HUF.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1666 79 and registered on 28-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rage-II, Bombay

Date : 7-5-1985

FORM ITNS----

(1) Ms. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Damodaran Nair.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMRAV OFFICE OF THE INSPECTING

Bombay-400 099, the 8th May 1985

Ref. AR.II 37EE 12572 84-85 — Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and. bearing No Flat No. 304, Rajendra Co-op. Hsg. Soc. 3rd Floor, Chakala, Andheri (E) Bombay-400 099

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said information of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Art 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 304, Rajendra Co-op. Hsg. Soc., 3rd Floor Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|12572|84-85 on 17-9-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 8-5-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1985

New Delhi, the 29th June 1985

No. F. 7|2|85-EI (B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 27th December, 1985 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 76th Course commencing from July, 1986.

The approximate humber of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force)

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their pieferences and for no other service(s). No request for addition alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I. II and III respectively.

Note—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Aızawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigaih, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE

COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had midicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 28th November, 1985, will not be entertained under any circumstances

3 CONDITIONS OF ELIGIBILITY :-

- (a) Nationality: -- A candidate must be either: --
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (m) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanazania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibilty will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age limits, sex adn marital status—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1968 and not later than 1st July, 1970 are only eligible.

Note—Date of birth as recorded in Matriculation Higher Secondary or equivalent examination certificate will enly be accepted.

Candidates who have yet to pass the Higgser Secondary or equivalent examination of the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 4th July, 1986 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards Universities have not yet issued certificates. Certified true copies photostat copies of such certific ites will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary of equivalent examination by the prescribed date and no request for extending the date will be entertained on the grounds of late conduct of Board University Examination, delay in declaration of result of any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION:—Rs. 28|- (Rupees twenty eight) [Rs. 7|- (Rupees seven) for Scheduled Castes Scheduled Tribes canditates]. Applications not accompanied by the prescribed fee wilk be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India origin from Sri Lanka who migrated to Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air

Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

- (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are fowarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

Note.—Applications of candidates from the Military Schools|Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools|Sainik Schools should however, satisfy themselves that student of their schools fulfill the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of commission or commission committed by the Principals.

- 6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December, 1985 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources.—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2|- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
 - (ii) On cash payment of Rs. 2|- at the Counter in the Commission's Office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area|Sub-Area Headquarters|Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.). Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly

All candidates should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled

A candidate serving the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their application will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indiarn Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their application through the Principal of the College School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 26th August, 1985 (9th September, 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K Si*te, Lahaul and Spiti District and Fangs Sub-Division of Chambs District of

Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshawiweep and for candidates residing abroad from a date prior to 26th August, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh, Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence, to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 26th August, 1985.

Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION:—

(A) By all candidates :--

(i) Fee of Rs. 28|- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7|(Rupees seven) for Scheduled Castes|Scheduled
Tribes candidates] through crossed Indian Postal
Orders payable to the Secretary, Union Public
Service Commission at New Delhi General Post
Office or crossed Bank Draft from any branch of
the State Bank of India payable to the Secretary,
Union Public Service Commission at the State Bank
of India, Main Branch, New Delhi.

Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be fee credit

to the account Head "051. Public Service Commission— Examination Fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age :-

The date of birh accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must ubmit two attested certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. Ho vever, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other decument relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested|certified copies of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Headmaster|Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that 'unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUB-MIT ONLY TWO ATTESTED CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERFD OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested certified copy of certificate of educatinal aualification:

A candidate must submit two attested certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely, to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of passport size (5 cms X 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms X 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes Scheduled Tribes candidates:-

Attested certified copy of a certificate in the form given at (a) in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Castes Scheduled Tribes. A candidate who claim to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who has migrated from one State Union Territory to another may submit in support of his claim an attested certified copy of a Certificate in the form given at (b) in Appendix IV.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in position to pay the prescribed fee.
 - (ii) An attested certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a hona fide displaced person repatriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :-
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR.

(u) District Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident

OR

(iii) Additional District Magistrate incharge of refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his Charge.

OR

- (v) Deputy|Refugee Rehabilitation Commissioner, Wes Bengal|Director (Rehabilitation) in Calcutta.
-) Repatriate from Sri Lanka:-

High Commission for India in Sri Lanka

(c) Repatriate from Burma:—

Embassy of India Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

- (d) Displaced person from erstwhile West Pakistan :-
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner

NOTE: Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to out the date.

- 9, RLFUND, OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (1) A refund of Rs. 15|- (Rupees Fifteen) [Rs. 4|(Rupees four) in the case of candidates belonging
 to Scheduled Castes Scheduled Tribes] will be made
 to a candidate who has paid the prescribed fee and
 18 not admitted to the examination by the Commission If, however, the application is rejected on
 receipt of information that the candidate has tailed
 in the Higher Secondary or equivalent examination
 or will not be able to submit the proof of passing
 - the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28|- (Rupees Twenty eight) [Rs 7|- (Rupees seven) in the case of candidate belonging to Scheduled Castes|Scheduled Tribes] will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in December, 1984 or May 1985 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for concellation of candidature for the NDA Examination December, 1985 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1986

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION:

Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission

- 11 RESULT OF APPLIC 4TION:—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this pre-vision will deprive the candidate of any claim to consideration
- 12 ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No cardidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested certified copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :-

- (i) obtaining support of his candidature by any means,
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations. or
 - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the point allowed to him into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF:—Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022. soon after the interview
- 15. COMMUNICATIONS .REGARDING APPLICATION:—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY. UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF FXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii).—IF A LETTER|COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAMF AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORFD AND NO ACTION WILL BE TAKEN THERFON.

16. CHANGÉ OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE FXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCLMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE FXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNA PURAM, NEW DEI H-110022 FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF 'NY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT

OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notity their latest address to Army HQ AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:— The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidate who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualitying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the

Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the m.nimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secur d by them in the written examination, and the Services Selection Board Fests in two separate lists-one for the Army and the Navv and the other for the Air Force. The names of candidates who quality for all the Services will appear in both the Merit Lists The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order to ment lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to ar earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence, Acedemy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

- 20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY:—Candidates must undertake nct to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.
- 21. The Union Public Service Commission have brought out a priced period publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Fxaminations of Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN, Deputy Sccy.

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

| | Subject | Duration | Max Marks |
|----|--|--------------------|--------------|
| 1. | English | 2 hours | 250 |
| 2. | | 2 hours 2 hours | 125 125 |
| 3. | General Knowledge— Paper I (Science) Paper II (Social Studies, Geog- | . 2 hours | 200 |
| | raphy and Current Events) . | 2 hours | 200 |
| | | | 900 |

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

- 4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore bring the same inside the examination hall

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

MATHEMATICS

PAPER I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operation—addition subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Fuclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} \le \times \le 90$

Value of sin X, cos x and tan x for x-0°, 30°, 45°, 60° and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangent and normals, (ix) loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into the figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Papert I-Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets Properties of a Magnet. Farth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:-

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone. Telegraphs, Telephone, Periscope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass Ink Paper. Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and nonliving.

Basis of Life-Cells Protoplasms and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food.—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Note: Out of maximum marks assigned to question on Parts (A), (B) and (C) with carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper II will comprise the following:-

(A) A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and, Civilisation.

Freedom Movement in India,

Elementary study of Indian Constitution and Administra-

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandbi.

Forces shaping the modern world: Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution. Industrial Revolution, and Russia Devolution. Impact of Science and Technology on Society.

Corrept of one World United Nations Panchsheel, Democracy. Socialism and Communism. Role of India in the Present world.

(B) The Falth its shape and size. Latitudes and I ongitudes, Concept of Time. International Date Line. Move ments of Earth and their effects

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Iides

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

Note: Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry, 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL SIANDARDS. IHE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below in the candidate.

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease /disability which is likely to interfere with the official performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects of under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum

acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

| ** • • | | ~ | | Weig | ght in Kgs. | |
|--------|-----|------------------|--------|----------------|----------------|----------------|
| • | | Centir shoes) | netres | 15—16 years | 16—17 years | 17—18 years |
| 152 | | | • | 41 .0 | 42 · 5 | 44 •0 |
| 155 | | | | 42.0 | 43 · 5 | 45 ·3 |
| 157 | | | | 43 •0 | 45.0 | 47 .0 |
| 160 | | | | 45.0 | 46 • 5 | 48 ⋅0 |
| 162 | . , | | | 46 • 5 | 48 ⋅0 | 50 ⋅0 |
| 165 | | | | 48 .0 | 50.0 | 52.0 |
| 167. | | | | 49 •0 | 51·0 | 53 ⋅0 |
| 170 | | | | 51 ·0 · | 52 • 5 | 55 .0 |
| 173 | | | | 52.5 | 54.5 | 57 · 0 |
| 175 | | | | 54 • 5 | 56 ∙Ò | 59 ∙0 |
| 178 | | | | 56·0 | 58 ⋅0 | 61 •0 |
| 180 | | | | 58 • 5 | . 60•0 | 63 ⋅0 |
| 183 | | | | 61 ·0 | 62 • 5 | 65 ⋅0 |

A±10% (±6Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1:—Height relaxation upto 2.5 cm. (5 cm for Navy may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the require standard on completion of his training.

Note 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

| | | | ivimmum | Maximúm |
|----------------|--|--|---------|------------|
| Leg Length | | | 99 •00 | 120 ·00 cm |
| Thigh Length | | | | 64 •00 cms |
| Sitting Height | | | 31.5. | 96 ·00 cms |

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple of front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease, of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried cut as a routine It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenial defects which

are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

For Air Force

Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
 - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
 - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape. local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only. X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.
- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
 - (i) Granulomatious disease of spine.
 - (ii) Arthritis/spondylosis.
 - (iii) Scoliosis more than 15 as measured by Cobb's Method.
 - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
 - (v) Spondylosthesis/Spondyloysis.
 - (vi) Herniated nucleus pulposus.
 - (vii) Compression fracture of Vertebra.
 - (viii) Scheurman's Disease.
 - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
 - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

(i) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audometric test will be done for AP.

Audometric loss should not exceed + 10db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6; 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of opthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant vision . . . 6/6 6/9 Correctable to

Near vision . . N-5 each eye

Colour vision CPI b MLT

Myopia is not to exceed 0.5 diop tes and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance
Heterophoria with the Maddox
Rod test must not exceed —

(i) at 6 metres . Exophoria 8 prism diopters
Esophoria 8 prism diopters
Hyperphoria 1 prism diopters

(ii) at 30 cm

Exophoria to prism diopter Esophoria 6 prism diopter Hyperphoria 1 prism diopter

For Air Force, the criteria are :-

Distant Vision . . 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision . . . N-5 each eye Colour Vision . . . CPI (MLT)

Manifest Hypermetropia . must not exceed 2.00

Myopia . . Nil

Astigmatism . +0.75 D cyl

Occular Muscle Balance

Hetereophor'a with the Maddox Rod must not exceed-

(i) at 6 metres . Exophoria 6 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyper/Hypophoria 1 prism

Hyper/Hypophoria 1 prism

dioptre.

(ii) at 33 cms. Exophora 16 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres Hyper/Hyperphoria 1 prism

dioptre.

(iii) Binocular Vision . Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis)

with good amplitude and

depth.

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits,

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent of guardian will be required to sign:—
 - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - . (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered

ne will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Armyl NavylAir Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023)

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will' be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month . . . R: 375.00
 - (b) for items of clothing and equipment Rs. 650.00
 - (c) Incidental Expenditure during I Semester Rs 150.00

 Total Rs. 1175.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month . . . Rs. 375.00
- (b) For items of clothing and equipment approximately Rs. 475.00
- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- (3) KUAR SINGH MEMORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution
- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—
 Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarships.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will, be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet trespective of his parent's or guardian's income,

- (9) WEST BENGAL (ANY ERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL:—
 - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs, 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
 - (b) Category 2 —The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarships.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarship will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 3000 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No. cadet in receipt of financial assistance "rom the Government will be eligible for this scholarship."
- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30|-per month plus an outfit allowance of Rs. 400|- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the Sate of TAMIL NADU whose parents|guardians monthly income does not exceed Rs. 500|-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480- (rupees four hundred and eighty) each per annum.
- Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs, 480|-per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School. Bijapui RIM College, Dehra Dun have been awarded.
- (14) ALBERT EKKA Scholarship.—The Government of Bibar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50]-per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650]- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or lnancial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant. National Defence Academy KHADAKWASLA. Pune (411023).

- 3. Immediately after the sciented candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects.—
 - (a) English;
 - (b) Mathematics:
 - (c) Science;
 - (d) Hindi;

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hinfl at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

Training

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc. B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are officiated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 13 years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer.

After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

II. ARMY OFFICERS

(i) PAY

| Rank | | | Pay Scale | Rank | Pay Scale |
|---------------------------|-----|----|--------------|--------------------------|--------------|
| | | | Rs. | | Rs. |
| 2nd Lieut. | • | • | 750—790 | Lt. Colonel (time scale) | 1900 fixed |
| Lieut | | | 830950 | Colonel | 1950-2175 |
| Captain | | | 1100-1550 | Brigadier | 2200-2400 |
| Major | | | 1450—1800 | Major- | 2500-125/2 |
| • | | | | General | —2750 |
| Major (Se Grade) | | מכ | 1800-50-1900 | | |
| Lt. Colone by selectio | al. | : | 1750—1950 | Lt. General | 3000 p.m. |
| Lt. Col. | | | 2000-50-2100 | | |
| (Selection | | | | Lt. General | 3250 p.m. |
| Grade Pay | ·). | | | (Army | • |
| | • | • | | Commander |) |

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualification are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600|-, 2400|-, 4500|- or 6000|- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70|-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
 - (b) A kt maintenance allowance of Rs. 75|- p.m.
 - (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
 - (d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 -p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 2100|-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800|- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.
- (f) Free rations are provided up to the level of Brigaditr in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

₩5-126G185

(v) PROMOTION

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks

| (i) | By Time | Scal | le | _ | | | Minimum Service Limit |
|------|----------------------------|--------|----|---|--------|----|----------------------------------|
| 7 | Lt. | • | • | • | • | ٠ | 2 years of commissioned service |
| | Captain | • | • | • | | ٠. | 6 years of commissioned service |
| | Major | • | • | • | * ' | • | 13 years of commissioned service |
| (ii) | Lt. Col. moted b By selec | y sele | | | ot pro |)- | 25 years of commissioned service |
| , | Lt. Col | •• | • | | • | | 16 years of commissioned service |
| | Col. | • | • | • | • | | 20 years of commissioned service |
| | Brigadie | r | | | | | 23 years of commissioned |

service 25 years of commissioned service

28 years of commissioned Lt. Gcn. service No restriction.

(b) Acting Promotion

Gen.

Major Gen.

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits sub ject to availability of vacancies:-

| Captain . | | | 3 years |
|--------------|--|--|----------|
| Major . | | | 6'years |
| Lt. Colonel | | | 6⅓ years |
| Col | | | 8½ years |
| Brigadier. | | | 12 years |
| Maj. General | | | 20 years |
| Lt. General | | | 25 years |

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

| | | | | Pay Sc | ales |
|------------------------------------|--------|-----|---|---|---|
| Rank | | | | General service | Naval Aviation and Submarine |
| | | | | Rs. | Rs. |
| Midshipman . | | | | 560/- | 560/- |
| Ag. Sub. Lieut. | | | | 750/- | 825/- |
| Sub. Lieut. | | | | 830870 | 910—950 |
| Lieut. | | | | 11001450 | 1200-1550 |
| LieutCdr. | | | | 14501800 | 1450-1800 |
| Lieut. Cdr. (Selection G | irade) | • | | 18001900 | 1800-1900 |
| | 11400, | | • | 1750-1950] | |
| Cdr. | • | | • | 1900 (Fixed) | |
| Cdr. (Time Scale). | • | • | • | 2000-2100 | 2000—2100 |
| Cdr. (Selection Grade) | • | • | • | 1950—2400 | 1950—2400 |
| Captain · · | • | • | • | Commodore to which ent ing to Senio tain. | receives pay itled accord- rity as Cap- |
| Rear Admiral | • | • | • | 2500—125/2 | 2750 |
| Vice-Admirat/ Vice-Admiral (VCNS/F | OC-in | :C) | • | 3000/- p.m. 3250/- p.m. | - and all the same |

Qualifications pay|grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600|-, 2400|-, 4500|- or 6000|- based on the qualification held by them. Flying Navigator Instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 160|- and Rs. 70|- p.m. respectively.

(ii) ALLOWANCES

- (a) Compensatory (City) Allowance and Degraces
 Allowances are admissible at the same rates and
 under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75, p.m.
- (c) Expatriation Allowance when serving ashore exindia or affoat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50|- p.m. to Rs. 250|- p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 1401- n.m. to married officers serving affout during the period their ship is away from its base port.
- (e) Outfit Allowance at Rs. 2400|- on first Commissioning and Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100|- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided upte the level of Commodere in the Navy.

Navai Aviation officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

in addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardlying money approximation allowance, submarine pay, diving pay and approxy beaty of fulfilment of certain conditions attached to each.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promettens

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By time Scale

| Sub. Lt. | • | | | | 1 year |
|----------|---|---|---|---|--|
| Lt. | ٠ | • | • | • | 3 years (subject to gain forefeiture of seniority) |
| Lt.ºCdr. | | | | | 8 years seniority as Lt. |
| Cdr. | • | | | | 24 years commissioned service (if not promot- ed by selection) |

By Selection

| Cmdr. Executive Bi | rånch . | 2-8 years of seniority as |
|---------------------|----------|----------------------------------|
| Condr Hogineering | Branch . | 2—10 years seniority as Lt. |
| Cmdr. Electrical Br | anch . | 2—10 years seniority as Lt. Cdr. |
| Capt. | | 4 years seniority as Cdr. |
| Rear Admirai . | | No restriction |
| Vice Admiral . | | No restriction |

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years senoirity as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(I) PAY

| Rank | | | | | | Pay Scale |
|-------------|--------|-------|------|----------|------|--------------|
| ····· | | | | | ···· | Rs. |
| Pit. ffr. | | | | . , | | 825865 |
| Fg. Offr. | | | | | •, | 910-1030 |
| Fit. Lt. | • | | | | • | 13001550 |
| Son. Ldr. | | | | | | 16601800 |
| Wg. Cdr. (| Selec | ion) | | | | 17501950 |
| Wg. Edr. (| Time | Scale |) . | <i>:</i> | | 1900 (fixed) |
| Gp. Capt. | | | | | | 19502175 |
| Air Cdr. | | | | | | 22002400 |
| Air Vice-M | larsha | J | | · | | 25002750 |
| Air Marsh | a.l | | | | | 3000 |
| ir Marsh | al (VC | AS a | nd A | OSC-i | n-C) | 3256 |
| Air Chief ! | Marsh | al (C | AS) | | | 4909 |

(II) ALLOWANCES

(a) Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate i—

| | | | D.S. |
|---------------------------|--|---|--------------|
| Plt. Offix. to Wa. Cdr | | | 750 ·00 p.m. |
| G . Capt. and Air Cdr. | | ٠ | 666 -00 p.m. |
| Ate Vice Marchal & alcava | | | 600 -00Fp.m. |

(b) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below —

| Qualification Pay | •. | • | ٠ | Rs. 100gp.m. or Rs. 70 p.m. |
|----------------------|----|---|---|--------------------------------|
| Qualification Gravts | • | • | • | Rs. 6000/- or Rs. 4500/- |
| | | | | Rs. 2400/- or |
| | | | | Rs. 1,609/- |

- (c) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75-p.m.
- (d) Expatriation Allowance—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary|Second Secretary|First Secretary|Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of trees.

- (e) Separation Allowance—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units Formations located at Non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140|- p.m.
- (f) Outfit Allowance—Rs. 2100|- initially (as modified from time to three) towards cost of uniform|equipment which an efficer has to possess; Rs. 1800|- for renewal after every seven years.
- (g) Free rations are provided upto the level of Air Commodor in the Air Force.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.—

| By | Time | Scale | |
|----|------|-------|--|

| Flying Officer | • | • | 1 | Year | commissioned |
|----------------|---|---|---|----------------|--------------|
| | | | | estuins | - |

Fit. Lt. 5 years commissioned service

Sqn./Ldr. 11 years commissioned service

Wg. Cdr. . . On completion of 24 years of commissioned service if not promo-

ted by selection

By Selection

| election | | | |
|------------------|---|---|---|
| Wg. Cdr. | | • | 16 years reckonable total commissioned service. |
| Gp. Cpt. | ٠ | • | 22 years reckonable total commissioned service. |
| Air Cmdr. | • | • | 24 years reckonable total commissioned service. |
| Air Vice-Marshal | | • | 26 years reckonable total |

Air Vice-Marshal . . 26 years reckonable total cosmmisioned service.

Air Marshal . . 28 years reckonable total

commissioned

service.

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers.—

| 1 year in the rank Sqn. Ldr.) Gp. Captain 8 years (After service 1 year in the rank Wg. Cdr.) Air Cdr 11-1/2 year (After servi of 3 years in t ranks of Wg. Cd and Gp. Captain). Air Vice-Marshal 15 years (After servi | Fit. Lt | • | . 2 years |
|--|------------------|---|--|
| 1 year in the rank Sqn. Ldr.) Gp. Captain 8 years (After service 1 year in the rank Wg. Cdr.) Air Cdr 11-1/2 year (After servi of 3 years in t ranks of Wg. Cd and Gp. Captain). Air Vice-Marshal 15 years (After servi | Sqn. Ldr. | | . 5 years |
| 1 year in the rank Wg. Cdr.) Air Cdr 11-1/2 year (After servi of 3 years in t ranks of Wg. Co and Gp. Captain). Air Vice-Marshal 15 years (After servi | Wg. Cdr. | • | . 6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.) |
| of 3 years in t ranks of Wg. Co and Gp. Captain). Air Vice-Marshal 15 years (After servi | Gp. Captain . | • | . 8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.) |
| | Air Cdr . | • | 11-1/2 year (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain). |
| • | Air Vice-Marshal | • | of 5 *years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.) |

. 23 years

Air Marshal .

14. RETERING BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appetutment to post under the Government of India

| | age town*the State Uni | in D | | n* | es to the |
|-----|----------------------------|--------------|--------------|----------|-----------|
| | | ste Tribe* w | hich is reco | _ | |
| | , | | | | |
| the | Constitution | (Scheduled | Castes) Orde | er, 1950 |)@ |
| | Constitution Constitution | | | | |
| the | | (Scheduled | Tribes) Orde | er, 1950 | 0 |

[as amended by the Scheduled Casets and Scheduled Tribes Lists (Modificatoin) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@

^{*}Inclusive of broken period

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

2. Applicable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes persons who have migrated from one State Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled/
Caste/Scheduled Tribes certificate issued to Shri/Shrimati—

Pather|mother of Shri|Shrimati|
Kumari* of Village|town*

In District|Division

of the State|Union Territory*
who belong to the
caste|tribe which is recognised as a Scheduled Caste|Scheduled Tribe, in the State/Union Territory*
issued by the
dated

%3. Shri|Shrimati|Kumari* and|or* his|her*
family ordinarily reside(s) in village|town*

of District|Division* of the State|Union
Territory* of

Signature

**Designation

(with seal of office)

Place State|Union Territory*

Date

*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote Specific Presidential order.

%Delete the Paragraph which is not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**List of authorities empowered to issue Caste|Tribe certificates:

(i) District Magistrate|Additional District Magistrate| Collector|Deputy Commissioner|Additional Deputy Commissioner|Deputy Collector|1st Class Stipendiary Magistrate|City Magistrate|+Sub-Divisional Magistrate|Taluka Magistrate|Executive Magistrate| Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hearinafter referred to as responces) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

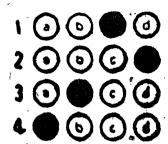
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,...... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items") at the end. In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate

your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkte or spoil it.
- D. SOME IMPORTANT REGULATIONS
- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
 - 2. Nebedy will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
 - 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
 - 4. After finishing the examination, submit the Test Booktet and the Asswer Sheet to the Invigitator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
 - 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet, Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificate.
 - 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not fellow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When, the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer Sheet at the end the tests.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL MINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not weate time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST.

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: * denotes the correct/best answer-option)

1 (General Studies)

Bleeding of the nose and cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Symonyme)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so for

3. (Agriculture)

In Arher, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.....

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) plenting wider apart
- (c) planting to the correct season
- (d) planting with close specing

4. (Chemiasry)

The authydride of He VO, is

- (a) VO.
- (b) VO.
- (c) V₂O₂
- *(d) V,Q,

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labory occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A couxial line is filled with a dielectric or relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

1. (Geology)

Plagicolase in a basait is

- (a) Oligociase
- *(b) Labradorite
- (e) Albite
- (d) Amorthite

8. (Mathematics)

The family of curves pas ing brough the origin and satisfying the equation

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature 400° K and 300° K, its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 8/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of binomial variation is 5. The variance can be

- (2) 42
- *(b) \$
- (c) cc
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burms
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the eil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Mentify the atheletic group of philosophical systems in the following:---

- (a) Buddhism, Nyāya Cārvāka, Mimāmsa
- (b) Nyāya Valscelka Jahulans and Buddhism Chrvākya
- (c) Advalta, Vedānta, Slimkhya, Cirvika Yosa
- *(d) Buddhism, Samklaya, Minsimea, Cilrvilka

14. (Political Science)

Functional representation means

- *(a) election of representatives of the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:---

- *(a) formal representation of women and weaker section in village government
- (b) Untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses
- NOTE,—Candidate should note that the above sample items forces (one) have been given merely to serve as spice and are not necessarily in keeping with spilabus for this examination.

| | | • |
|--|--|---|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |